रियायत करार

ग्रीनफ़ील्ड नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे का विकास अभिकल्पन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन एवं हस्तांतरण (डीबीएफओटी) के आधार पर

स्थान

जेवर, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

7 अक्टूबर, 2020

विषय-सूची

मूल दस्तावेज़ की विषय-सूची (पृष्ठ संख्याएँ मूल के अनुसार)

अनुच्छेद 1 – परिभाषाएँ एवं पाठांतर
1.1 परिभाषाएँ
1.2 पाठांतर (निर्वचन)
1.3 माप एवं अंकगणितीय परिपाटियाँ
1.4 करारों, खंडों एवं अनुसूचियों की प्राथमिकता
अनुच्छेद 2 – परियोजना का कार्यक्षेत्र
अनुच्छेद 3 – रियायत प्रदान किया जाना
3.1 रियायत
3.2 सिटी साइड विकास
अनुच्छेद 4 – पूर्ववर्ती शर्तें
4.1 पूर्ववर्ती शर्तें
4.2 प्राधिकरण द्वारा विलंब पर क्षतिपूर्ति
4.3 रियायतग्राही द्वारा विलंब पर क्षतिपूर्ति
4.4 विलंब पर मानी गई समाप्ति
अनुच्छेद 5 – रियायतग्राही के दायित्व
5.1 रियायतग्राही के दायित्व
5.2 परियोजना करारों से संबंधित दायित्व
5.3 स्वामित्व में परिवर्तन से संबंधित दायित्व
5.4 गोल्डन शेयर से संबंधित दायित्व
5.5 डीजीसीए लाइसेंस से संबंधित दायित्व
5.6 वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद से संबंधित दायित्व
5.7 विदेशी नागरिकों के नियोजन से संबंधित दायित्व
5.8 प्रशिक्षित कार्मिकों के नियोजन से संबंधित दायित्व
5.9 सुरक्षा मंज़ूरी से संबंधित दायित्व
5.10 भेदभावरहित पहुँच से संबंधित दायित्व
5.11 विलोपित
5.12 चिकित्सा सहायता से संबंधित दायित्व
5.13 हवाईअड्डे की सौंदर्यपरक गुणवत्ता से संबंधित दायित्व
5.14 ध्वनि नियंत्रण से संबंधित दायित्व
5.15 रियायतग्राही का एकमात्र प्रयोजन
5.16 हवाईअड्डे की ब्रांडिंग

5.17 दिव्यांग एवं वयोवृद्ध व्यक्तियों हेतु सुविधाएँ
अनुच्छेद 6 – प्राधिकरण के दायित्व
6.1 प्राधिकरण के दायित्व
6.2 नियत तिथि से पूर्व रखरखाव दायित्व
6.3 आरक्षित सेवाओं से संबंधित दायित्व
6.4 पुनर्वित्तपोषण से संबंधित दायित्व
अनुच्छेद 7 – अभ्यावेदन एवं आश्वासन
7.1 रियायतग्राही के अभ्यावेदन एवं आश्वासन
7.2 प्राधिकरण के अभ्यावेदन एवं आश्वासन
7.3 प्रकटीकरण
अनुच्छेद 8 – अस्वीकरण
अनुच्छेद 9 – निष्पादन प्रतिभूति
9.1 निष्पादन प्रतिभूति
9.2 निष्पादन प्रतिभूति का विनियोजन
9.3 निष्पादन प्रतिभूति की मुक्ति
9.4 मानी गई निष्पादन प्रतिभूति
9.5 मानी गई निष्पादन प्रतिभूति का विनियोजन
9.6 निष्पादन प्रतिभूति के संदर्भ
अनुच्छेद 10 – मार्गाधिकार
10.1 स्थल
10.2 अनुज्ञप्ति, पहुँच एवं मार्गाधिकार
10.3 स्थल की प्राप्ति
10.4 स्थल का बाधाओं से मुक्त होना
10.5 स्थल की बाधाओं से सुरक्षा
10.6 विशेष/अस्थायी मार्गाधिकार
10.7 प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता की पहुँच
10.8 भूवैज्ञानिक एवं पुरातात्विक प्राप्तियाँ
अनुच्छेद 11 – उपयोगिताएँ, संबद्ध सड़कें एवं वृक्ष
11.1 विद्यमान उपयोगिताएँ एवं सड़कें
11.2 बाधक उपयोगिताओं का स्थानांतरण
11.3 नई उपयोगिताएँ एवं परिवहन प्रणालियाँ
11.4 वृक्षों को काटा जाना
अनुच्छेद 12 – हवाईअड्डे का निर्माण
12.1 निर्माण प्रारंभ से पूर्व के दायित्व

12.2 स्थल हेतु मास्टर प्लान
12.3 आरेख (ड्रॉइंग्स)
12.4 हवाईअड्डे का निर्माण
12.5 टर्मिनल भवन का विकास
12.6 कार पार्क का विकास
12.7 कार्गो सुविधाओं का विकास
12.8 हवाईअड्डे का विस्तार
12.9 विलोपित
12.10 एमआरओ सुविधाओं का विकास
अनुच्छेद 13 – निर्माण की निगरानी
13.1 मासिक प्रगति रिपोर्टें
13.2 निरीक्षण
13.3 परीक्षण
13.4 निर्माण के दौरान विलंब
13.5 असुरक्षित निर्माण कार्यों का निलंबन
13.6 वीडियो रिकॉर्डिंग
अनुच्छेद 14 – पूर्णता प्रमाणपत्र
14.1 परीक्षण
14.2 पूर्णता प्रमाणपत्र
14.3 अनंतिम प्रमाणपत्र
14.4 पंच लिस्ट मदों की पूर्णता
14.5 अनंतिम या पूर्णता प्रमाणपत्र रोकना
14.6 परीक्षणों का पुनर्निर्धारण
अनुच्छेद 15 – वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश
15.1 वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी)
15.2 विलंब पर क्षतिपूर्ति
अनुच्छेद 16 – कार्यक्षेत्र में परिवर्तन
16.1 कार्यक्षेत्र में परिवर्तन
16.2 कार्यक्षेत्र परिवर्तन की प्रक्रिया
16.3 कार्यक्षेत्र परिवर्तन हेतु भुगतान
16.4 कतिपय कार्यों पर प्रतिबंध
16.5 कार्य कराने की प्राधिकरण की शक्ति
अनुच्छेद 17 – संचालन एवं रखरखाव
17.1 रियायतग्राही के ओ एंड एम दायित्व

17.2 रखरखाव अपेक्षाएँ
17.3 रखरखाव नियमावली
17.4 रखरखाव कार्यक्रम
17.5 सुरक्षा, विफलताएँ एवं दुर्घटनाएँ
17.6 आपात स्थिति में कार्य बंद करना
17.7 खंड बंदी
17.8 रखरखाव दायित्वों के उल्लंघन पर क्षतिपूर्ति
17.9 उपचारात्मक उपाय करने का प्राधिकरण का अधिकार
17.10 प्राधिकरण की अध्यारोही शक्तियाँ
17.11 हवाईअड्डे की हानि या क्षति की पुनर्स्थापना
17.12 हवाईअड्डे में बदलाव
17.13 दायित्वों के निष्पादन से छूट
17.14 अवरोधक एवं विपथन
17.15 रक्षा बलों द्वारा हवाईअड्डे का उपयोग
17.16 सिटी साइड विकास का ओ एंड एम
17.17 प्राधिकरण द्वारा हवाईअड्डे का उपयोग
17.18 बिजली एवं जल आपूर्ति
अनुच्छेद 18 – वैमानिक परिसंपतियों का संचालन
18.1 वैमानिक परिसंपत्तियों का संचालन एवं प्रबंधन
18.2 ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएँ
18.3 विमान ईंधन भरण सेवाएँ
अनुच्छेद 19 – टर्मिनल भवन का संचालन
19.1 टर्मिनल भवन का संचालन एवं प्रबंधन
19.2 सेवा स्तर
19.3 विशेष सहायता के इच्छुक यात्री
19.4 आरक्षित क्षेत्र
19.5 वीआईपी लाउंज
19.6 चेक-इन सेवाएँ
19.7 विनिर्दिष्ट क्षेत्रों का वाणिज्यिक उपयोग
19.8 वाणिज्यिक विज्ञापन
अनुच्छेद 20 – कार पार्क का संचालन
20.1 कार पार्क का संचालन एवं रखरखाव
20.2 आरक्षित कार पार्क का प्रावधान
20.3 कार पार्क पर सुविधाएँ

20.4 चालकों हेतु प्रतीक्षा क्षेत्र
20.5 अनधिकृत पार्किंग
20.6 कार पार्क का विस्तार
अनुच्छेद 21 – कार्गो एवं एमआरओ सुविधाओं का संचालन
21.1 कार्गो सुविधाओं का संचालन एवं रखरखाव
21.2 कार्गो सुविधाओं के उपयोग पर प्रतिबंध
21.3 एमआरओ सुविधाओं का संचालन एवं रखरखाव
अनुच्छेद 22 – आरक्षित सेवाएँ
22.1 आरक्षित सेवाएँ
22.2 सीएनएस/एटीएम सेवाएँ
22.3 अन्य आरक्षित सेवाएँ
22.4 हवाईअड्डा सुरक्षा
22.5 पुलिस सहायता
22.6 मौसम विज्ञान सेवाएँ
22.7 आरक्षित सेवाओं के संबंध में दायित्व
22.8 आरक्षित क्षेत्र
अनुच्छेद 23 – सुरक्षा अपेक्षाएँ
23.1 सुरक्षा अपेक्षाएँ
23.2 सुरक्षा अपेक्षाओं पर व्यय
अनुच्छेद 24 – संचालन एवं रखरखाव की निगरानी
24.1 त्रैमासिक एवं मासिक स्थिति रिपोर्टें
24.2 असामान्य घटनाओं की रिपोर्टें
24.3 हवाईअड्डा संचालक का डेटाबेस
24.4 निरीक्षण
24.5 परीक्षण
24.6 उपचारात्मक उपाय
अनुच्छेद 25 – यातायात विनियमन एवं गणना
25.1 रियायतग्राही द्वारा यातायात विनियमन
25.2 स्लॉट आवंटन दिशानिर्देश
25.3 यातायात गणना
25.4 यातायात प्रतिचयन
25.5 कंप्यूटर प्रणालियाँ एवं नेटवर्क
अनुच्छेद 26 – मुख्य निष्पादन संकेतक
26.1 मुख्य निष्पादन संकेतक

26.2 वैमानिक परिसंपत्तियों का संचालन
26.3 टर्मिनल भवन का संचालन
26.4 कार्गो सुविधाओं का संचालन
26.5 आईएसओ प्रमाणन
26.6 सेवा गुणवत्ता अपेक्षाएँ
26.7 लक्ष्य रेटिंग एवं उपयोगकर्ता सर्वेक्षण
26.8 त्रैमासिक स्थिति रिपोर्ट
26.9 निष्पादन में कमी पर क्षतिपूर्ति
26.10 यात्री चार्टर
26.11 मुख्य निष्पादन संकेतकों से छूट
अनुच्छेद 27 – स्वतंत्र अभियंता
27.1 स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति
27.2 कर्तव्य एवं कार्य
27.3 पारिश्रमिक
27.4 नियुक्ति की समाप्ति
27.5 प्राधिकृत हस्ताक्षरकर्ता
27.6 विवाद समाधान
27.7 अंतरिम व्यवस्था
अनुच्छेद 28 – सिटी साइड विकास
28.1 सिटी साइड का विकास
28.2 सिटी साइड विकास का संचालन एवं रखरखाव
28.3 लागत, कर एवं राजस्व
28.4 सिटी साइड विकास एवं भू-उपयोग पर प्रतिबंध
28.5 फ़्लोर स्पेस इंडेक्स (एफएसआई) पर प्रतिबंध
28.6 सिटी साइड विकास का उप-अनुज्ञापन
28.7 समाप्ति के पश्चात उप-अनुज्ञप्तिधारियों के अधिकार
28.8 लागू विधियों का अनुपालन
28.9 वाणिज्यिक विज्ञापन या प्रदर्शन
अनुच्छेद 29 – वित्तीय समापन
29.1 वित्तीय समापन
29.2 वित्तीय समापन न होने पर समाप्ति
अनुच्छेद 30 – विलोपित
अनुच्छेद 31 – रियायत शुल्क एवं लाइसेंस शुल्क
31.1 रियायत शुल्क

31.2 प्रीमियम

31.3 रियायत शुल्क का भुगतान

31.4 कुल वार्षिक यातायात का सत्यापन

31.5 लाइसेंस शुल्क

अनुच्छेद 32 – उपयोगकर्ता शुल्क

32.1 रियायतग्राही द्वारा शुल्क संग्रहण

32.2 नैविगेशन प्रभारों का संग्रहण

32.3 वैमानिक प्रभारों के निर्धारण एवं पुनरीक्षण के सिद्धांत

32.4 वैमानिक प्रभारों के पुनरीक्षण पर रोक

32.5 वैमानिक प्रभारों की समीक्षा

32.6 वैमानिक प्रभारों में वृद्धि पर कतिपय सीमाएँ

32.7 शुल्क अपवंचन पर शास्ति

32.8 वैमानिक प्रभारों का प्रदर्शन

32.9 मासिक शुल्क विवरण

32.10 शुल्क संविदाकार

अनुच्छेद 33, 34, 35 – विलोपित

अनुच्छेद 36 – एस्क्रो खाता

36.1 एस्क्रो खाता

36.2 एस्क्रो खाते में जमा

36.3 रियायत अवधि के दौरान आहरण

36.4 समाप्ति पर आहरण

अनुच्छेद 37 – बीमा

37.1 रियायत अवधि के दौरान बीमा

37.2 बीमा आवरण

37.3 प्राधिकरण को सूचना

37.4 बीमा आवरण का साक्ष्य

37.5 बीमा न कराने पर उपचार

37.6 प्रत्यासन का अधित्याग

37.7 रियायतग्राही का अधित्याग

37.8 बीमा आगमों का उपयोजन

37.9 बीमा पॉलिसियों की शर्तों का अनुपालन

अनुच्छेद 38 – लेखे एवं लेखापरीक्षा

38.1 लेखापरीक्षित लेखे

38.2 लेखापरीक्षकों की नियुक्ति

38.3 सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा दावों का प्रमाणन

38.4 सेट-ऑफ़

38.5 विवाद समाधान

अनुच्छेद 39 – अप्रत्याशित घटना (फ़ोर्स मैज्योर)

39.1 अप्रत्याशित घटना

39.2 गैर-राजनीतिक घटना

39.3 अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना

39.4 राजनीतिक घटना

39.5 अप्रत्याशित घटना की सूचना देने का कर्तव्य

39.6 रियायत पर अप्रत्याशित घटना का प्रभाव

39.7 अप्रत्याशित घटना से उत्पन्न लागतों का आवंटन

39.8 अप्रत्याशित घटना हेतु समाप्ति सूचना

39.9 अप्रत्याशित घटना हेतु समाप्ति भुगतान

39.10 विवाद समाधान

39.11 दायित्वों के निष्पादन से छूट

39.12 अपूर्वदृष्ट घटनाओं हेतु राहत

अनुच्छेद 40 – करार भंग हेतु प्रतिकर

40.1 रियायतग्राही के व्यतिक्रम पर प्रतिकर

40.2 प्राधिकरण के व्यतिक्रम पर प्रतिकर

40.3 रियायत अवधि का विस्तार

40.4 अतिरिक्त रूप से प्रतिकर

40.5 लागत एवं क्षति का प्रशमन

अनुच्छेद 41 – रियायतग्राही के अधिकारों का निलंबन

41.1 रियायतग्राही की ओर से चूक होने पर निलंबन

41.2 रियायतग्राही की ओर से कार्य करने का प्राधिकार

41.3 निलंबन का प्रतिसंहरण

41.4 रियायतग्राही का प्रतिस्थापन

41.5 समाप्ति

अनुच्छेद 42 – समाप्ति

42.1 रियायतग्राही की ओर से चूक के लिए समाप्ति

42.2 प्राधिकरण की ओर से चूक के लिए समाप्ति

42.3 समाप्ति भुगतान

42.4 समाप्ति भुगतान पर कतिपय सीमाएँ

42.5 रियायत अवधि का विस्तार

42.6 प्राधिकरण के अन्य अधिकार एवं दायित्व

42.7 अधिकारों की उत्तरजीविता

अनुच्छेद 43 – अधिकारों एवं हितों की विमुक्ति

43.1 विमुक्ति अपेक्षाएँ

43.2 निरीक्षण एवं उपचार

43.3 परियोजना के हस्तांतरण में सहयोग एवं सहायता

43.4 निहितता प्रमाणपत्र

43.5 विमुक्ति लागत आदि

अनुच्छेद 44 – समाप्ति के पश्चात दोष दायित्व

44.1 समाप्ति के पश्चात दोषों हेतु दायित्व

44.2 एस्क्रो खाते में प्रतिधारण

अनुच्छेद 45 – समनुदेशन एवं भार

45.1 समनुदेशन एवं भार पर प्रतिबंध

45.2 अनुज्ञेय समनुदेशन एवं भार

45.3 प्रतिस्थापन करार

45.4 प्राधिकरण द्वारा समनुदेशन

अनुच्छेद 46 – विधि में परिवर्तन

46.1 लागत में वृद्धि

46.2 लागत में कमी

46.3 एनपीवी का संरक्षण

46.4 नकद प्रतिकर पर प्रतिबंध

46.5 उपयोगकर्ताओं से वसूली की स्थिति में कोई दावा नहीं

अनुच्छेद 47 – दायित्व एवं क्षतिपूर्ति

47.1 सामान्य क्षतिपूर्ति

47.2 रियायतग्राही द्वारा क्षतिपूर्ति

47.3 दावों की सूचना एवं प्रतिवाद

47.4 दावों की प्रतिरक्षा

47.5 कोई पारिणामिक दावे नहीं

47.6 समाप्ति पर उत्तरजीवन

अनुच्छेद 48 – स्थल पर अधिकार एवं स्वत्व

48.1 अनुज्ञप्तिधारी के अधिकार

48.2 प्राधिकरण एवं अन्य के पहुँच अधिकार

48.3 संपत्ति कर

48.4 उप-किराये पर प्रतिबंध

अनुच्छेद 49 – विवाद समाधान
49.1 विवाद समाधान
49.2 सुलह
49.3 माध्यस्थम्
49.4 अधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन
अनुच्छेद 50 – प्रकटीकरण
50.1 विनिर्दिष्ट दस्तावेज़ों का प्रकटीकरण
50.2 सुरक्षा संबंधी दस्तावेज़ों का प्रकटीकरण
50.3 संरक्षित दस्तावेज़ों का प्रकटीकरण रोकना
अनुच्छेद 51 – लोक शिकायतों का निवारण
51.1 शिकायत रजिस्टर
51.2 शिकायतों का निवारण
अनुच्छेद 52 – प्रकीर्ण
52.1 शासी कानून और अधिकारक्षेत्र
52.2 छूट का अधित्याग
52.3 मूल्यह्रास
52.4 विलंबित भुगतान
52.5 अधित्याग
52.6 दस्तावेज़ों एवं आरेखों की समीक्षा हेतु दायित्व
52.7 विवक्षित आश्वासनों का अपवर्जन आदि
52.8 उत्तरजीवन
52.9 संपूर्ण करार
52.10 पृथक्करणीयता
52.11 कोई भागीदारी नहीं
52.12 तृतीय पक्षकार
52.13 उत्तराधिकारी एवं समनुदेशिती
52.14 सूचनाएँ
52.15 भाषा
52.16 प्रतिलिपियाँ
अनुच्छेद 53 – परिभाषाएँ
53.16 परिभाषाएँ
अनुसूचियाँ ए से एए

भाग 1

प्रसतावना

रियायत करार

यह करार अक्टूबर, 2020 के इस 7वें दिन निष्पादित किया गया है।

जिसके पक्षकार हैं:

1. **उत्तर प्रदेश के राज्यपाल**, जिनका प्रतिनिधित्व नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड द्वारा किया जाता है, जिसका प्रधान कार्यालय कार्यालय सं. 1-15, ब्लॉक पी-2, सेक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में है (जिसे आगे "**प्राधिकरण**" कहा गया है, और जिस पद में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके प्रशासक, उत्तराधिकारी एवं समनुदेशिती सम्मिलित होंगे), प्रथम पक्ष;

तथा

2. **यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईएपीएल)**, कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के अधीन निगमित एक कंपनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय ईएससी हाउस, 155, प्रथम एवं द्वितीय तल, ओखला औद्योगिक संपदा, फेज़ 3, नई दिल्ली 110020 में है (जिसे आगे "**रियायतग्राही**" कहा गया है, और जिस पद में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारी तथा अनुज्ञेय समनुदेशिती एवं प्रतिस्थापी सम्मिलित होंगे), द्वितीय पक्ष।

जैसा संदर्भ अपेक्षित हो, प्राधिकरण एवं रियायतग्राही को आगे व्यष्टिगत रूप से "**पक्षकार**" तथा सामूहिक रूप से "**पक्षकारगण**" कहा जाएगा।

चूंकि:

क. उत्तर प्रदेश सरकार ने भारत सरकार (जीओआई) से, उत्तर प्रदेश राज्य में जिला गौतम बुद्ध नगर के जेवर गाँव के उत्तर में लोक उपयोग हेतु एक अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे (जिसे यहाँ "**हवाईअड्डा**" कहा गया है) की स्थापना के लिए सैद्धांतिक अनुमोदन (जिसे आगे "सैद्धांतिक अनुमोदन" कहा गया है) प्राप्त कर लिया था, जो सैद्धांतिक अनुमोदन में विनिर्दिष्ट निबंधनों एवं शर्तों के अधीन था; और उसने संकल्प किया था कि

हवाईअड्डे की स्थापना अभिकल्पन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन एवं हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") के आधार पर, एक रियायत करार में अधिकथित निबंधनों एवं शर्तों के अनुसार की जाएगी।

ख. उत्तर प्रदेश सरकार ("जीओयूपी") ने अपने शासनादेश सं. 2533 दिनांक 12 दिसंबर 2018 ("जीओयूपी अनुमोदन") द्वारा परियोजना के कार्यान्वयन को अनुमोदित किया तथा नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को प्राधिकरण के रूप में नियुक्त किया।

ग. प्राधिकरण द्वारा किए गए अभ्यावेदनों एवं प्रस्तुतियों के आधार पर, परियोजना के कार्यान्वयन से पूर्व अपेक्षित लागू अनुज्ञाएँ संबंधित सरकारी अभिकरणों से प्राधिकरण को प्रदान की गईं।

घ. प्राधिकरण ने तकनीकी एवं वाणिज्यिक निबंधन एवं शर्तें विहित की थीं तथा हवाईअड्डे के डीबीएफओटी आधार पर विकास, संचालन एवं रखरखाव हेतु बोलियाँ ("अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध" अथवा "आरएफक्यू कम आरएफपी") आमंत्रित की थीं, और अपने अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध सं. एनआईएएल-02/43/2019 दिनांक 25 सितंबर 2019 द्वारा, जो समय-समय पर संशोधित हुआ (सामूहिक रूप से, "अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध" अथवा "आरएफक्यू कम आरएफपी"), आवेदन आमंत्रित किए थे।

ङ. प्राप्त बोलियों के मूल्यांकन के पश्चात, प्राधिकरण ने चयनित बोलीदाता की बोली स्वीकार की थी, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ चयनित बोलीदाता ज़्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी था। प्राधिकरण ने चयनित बोलीदाता को अपना आशय पत्र सं. एनआईएएल-02/62/2019 दिनांक 4 मई 2020 (जिसे आगे "**एलओए**" कहा गया है) जारी किया; तथा तत्पश्चात जीओयूपी के शासनादेश सं. 1418/छप्पन-2020-31/2016 (पीएमआईसी) दिनांक 14 अगस्त 2020 द्वारा, अन्य बातों के साथ-साथ, यह अपेक्षित किया गया कि इस रियायत करार का निष्पादन 15 अक्टूबर 2020 तक कर लिया जाए।

च. चयनित बोलीदाता ने तब से रियायतग्राही को कंपनी अधिनियम 2013 के अधीन एक परिसीमित दायित्व कंपनी के रूप में प्रवर्तित एवं निगमित किया है, तथा प्राधिकरण से अनुरोध किया है कि रियायतग्राही को उस निकाय के रूप में स्वीकार किया जाए जो एलओए के अधीन चयनित बोलीदाता के दायित्वों का निर्वहन एवं निष्पादन करेगा तथा उसके अधिकारों का प्रयोग करेगा, जिसमें परियोजना के क्रियान्वयन हेतु इस रियायत करार में प्रवेश करने का दायित्व भी सम्मिलित है।

छ. अपने पत्र दिनांक 2 जून 2020 द्वारा, रियायतग्राही भी चयनित बोलीदाता द्वारा प्राधिकरण से किए गए उक्त अनुरोध में सम्मिलित हुआ है कि उसे उस निकाय के रूप में स्वीकार किया जाए जो चयनित बोलीदाता के दायित्वों का निर्वहन एवं निष्पादन करेगा तथा उसके अधिकारों का प्रयोग करेगा, जिसमें एलओए के अनुसरण में इस रियायत करार में प्रवेश करने का दायित्व सम्मिलित है। रियायतग्राही ने यह भी

अभ्यावेदन किया है कि उसे इन्हीं प्रयोजनों हेतु चयनित बोलीदाता/कंसोर्टियम द्वारा प्रवर्तित किया गया है।

ज. प्राधिकरण ने चयनित बोलीदाता एवं रियायतग्राही के उक्त अनुरोध को स्वीकार कर लिया है, और तदनुसार आगे अधिकथित निबंधनों एवं शर्तों के अधीन रहते हुए, परियोजना के डीबीएफओटी आधार पर कार्यान्वयन हेतु रियायतग्राही के साथ इस रियायत करार में प्रवेश करने के लिए सहमत हुआ है।

अतः अब, पूर्वोक्त तथा इस रियायत करार में अधिकथित पारस्परिक प्रसंविदाओं एवं करारों के प्रतिफल में, जिनकी प्राप्ति एवं पर्याप्तता एतद्द्वारा स्वीकार की जाती है, तथा एतद्द्वारा विधिक रूप से आबद्ध होने के आशय से, पक्षकार निम्नानुसार सहमत होते हैं:

अनुच्छेद 1

1. परिभाषाएँ एवं पाठांतर

1.1 परिभाषाएँ

इस करार में बड़े अक्षरों से आरंभ होने वाले तथा परिभाषित शब्दों एवं पदों का (अनुच्छेद 53 में दिए गए शब्दों सहित), जब तक कि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, वही अर्थ होगा जो उन्हें यहाँ दिया गया है; तथा अनुसूचियों में परिभाषित एवं उनमें प्रयुक्त शब्दों एवं पदों का वही अर्थ होगा जो उन्हें अनुसूचियों में दिया गया है।

1.2 पाठांतर (निर्वचन)

1.2.1 इस करार में, जब तक कि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे:

क. किसी विधान या उसके किसी उपबंध के संदर्भों में ऐसे विधान या उसके किसी उपबंध का संशोधन, पुनरधिनियमन या समेकन सम्मिलित होगा, जहाँ तक ऐसा संशोधन, पुनरधिनियमन या समेकन एतद् अधीन किए गए किसी संव्यवहार पर लागू होता है या लागू होने योग्य है;

ख. राज्य की विधियों, भारत की विधियों या विधि का बल रखने वाली भारतीय विधि या विनियम के संदर्भों में वे विधियाँ, अधिनियम, अध्यादेश, नियम, विनियम, उपविधियाँ या अधिसूचनाएँ सम्मिलित होंगी जिनका भारत के राज्यक्षेत्र में विधि का बल है तथा जो समय-समय पर संशोधित, रूपांतरित, अनुपूरित, विस्तारित या पुनरधिनियमित की जाएँ;

ग. "**व्यक्ति**" के संदर्भों तथा किसी नैसर्गिक व्यक्ति को द्योतित करने वाले शब्दों का अर्थ किसी व्यष्टि, फर्म, कंपनी, निगम, समिति, न्यास, सरकार, राज्य या राज्य के अभिकरण, अथवा उपर्युक्त में से दो या अधिक के किसी संगम या भागीदारी (चाहे उनकी पृथक विधिक हैसियत हो या न हो) के संदर्भ के रूप में लगाया जाएगा, और इनमें उत्तराधिकारी एवं समनुदेशिती सम्मिलित होंगे;

घ. इस करार की विषय-सूची, शीर्षक अथवा उपशीर्षक केवल संदर्भ की सुविधा हेतु हैं तथा इस करार के अर्थान्वयन या निर्वचन में न तो प्रयुक्त किए जाएँगे और न ही उन्हें प्रभावित करेंगे;

ङ. "**सम्मिलित**" तथा "**सम्मिलित करते हुए**" शब्दों का अर्थ बिना किसी परिसीमा के लगाया जाएगा तथा यह समझा जाएगा कि उनके पश्चात "**बिना किसी परिसीमा**

के" अथवा "**किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं**" आता है, चाहे ऐसे वाक्यांश वस्तुतः उनके पश्चात आएँ या न आएँ;

च. "**निर्माण**" या "**भवन-निर्माण**" के संदर्भों में, जब तक कि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, अन्वेषण, अभिकल्पन, अभियांत्रिकी, प्रापण, प्रदाय, परिवहन, संस्थापन, प्रसंस्करण, निर्माणन, परीक्षण, प्रचालन-आरंभ तथा निर्माण से आनुषंगिक अन्य क्रियाकलाप सम्मिलित होंगे; तथा "**निर्मित करना**" या "**बनाना**" का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा;

छ. "**विकास**" के संदर्भों में, जब तक कि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, निर्माण, नवीकरण, पुनर्सज्जा, संवर्धन, उन्नयन तथा उससे आनुषंगिक अन्य क्रियाकलाप सम्मिलित होंगे; तथा "**विकसित करना**" का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा;

ज. समय की किसी अवधि के किसी संदर्भ का अर्थ भारतीय मानक समय के अनुसार उस अवधि का संदर्भ होगा;

झ. "**घंटा**" के किसी संदर्भ का अर्थ 60 (साठ) मिनट की ऐसी अवधि होगी जो या तो घड़ी के पूरे घंटे पर अथवा आधे घंटे पर आरंभ होती है, जिसका दृष्टांत यह है कि 5.00 (पाँच), 6.00 (छह), 7.00 (सात) इत्यादि घड़ी के पूरे घंटे पर आने वाले घंटे हैं, तथा 5.30 (साढ़े पाँच), 6.30 (साढ़े छह), 7.30 (साढ़े सात) इत्यादि घड़ी के आधे घंटे पर आने वाले घंटे हैं;

ञ. दिन के किसी संदर्भ का अर्थ कैलेंडर दिवस का संदर्भ होगा;

ट. "**कार्य दिवस**" के संदर्भ का अर्थ ऐसे दिन (रविवार से भिन्न) का संदर्भ होगा जिस दिन राज्य में बैंक साधारणतया कारबार हेतु खुले रहते हैं;

ठ. मास के किसी संदर्भ का अर्थ ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार कैलेंडर मास का संदर्भ होगा;

ड. किसी तिथि, अवधि या परियोजना मील-पत्थर के संदर्भों का अर्थ ऐसी तिथि, अवधि या परियोजना मील-पत्थर होगा तथा उसमें वह सम्मिलित होगा जैसा कि इस करार के अनुसरण में विस्तारित किया जाए;

ढ. किसी विनिर्दिष्ट दिन या तिथि से "**से**" आरंभ होने वाली तथा किसी विनिर्दिष्ट दिन या तिथि "**तक**" चलने वाली किसी अवधि के संदर्भ में ऐसे दोनों दिन या तिथियाँ सम्मिलित होंगी; परंतु यह कि यदि इस करार के अधीन परिकलित किसी अवधि का अंतिम दिन कार्य दिवस नहीं है, तो वह अवधि अगले कार्य दिवस के अंत तक चलती रहेगी;

ण. एकवचन के द्योतक शब्दों में बहुवचन सम्मिलित होगा और इसका विलोम भी लागू होगा;

त. किसी लिंग के संदर्भों में अन्य लिंग तथा नपुंसक लिंग सम्मिलित होंगे;

थ. "**लाख**" का अर्थ एक सौ हज़ार (100,000) तथा "**करोड़**" का अर्थ एक करोड़ (10,000,000) है;

द. "**ऋणग्रस्तता**" का अर्थ इस प्रकार लगाया जाएगा कि उसमें धन के भुगतान या प्रतिभुगतान का कोई दायित्व (चाहे वह मुख्य ऋणी के रूप में उपगत हो या प्रतिभू के रूप में) सम्मिलित हो, चाहे वह वर्तमान हो या भावी, वास्तविक हो या समाश्रित;

ध. किसी कंपनी या निगम के "**समापन**", "**विघटन**", "**दिवालियापन**" अथवा "**पुनर्गठन**" के संदर्भों का अर्थ इस प्रकार लगाया जाएगा कि उनमें उस अधिकारिता की विधि के अधीन, जिसमें ऐसी कंपनी या निगम निगमित है, अथवा किसी ऐसी अधिकारिता की विधि के अधीन, जिसमें ऐसी कंपनी या निगम कारबार करता है, कोई तत्समान या तत्सदृश कार्यवाहियाँ सम्मिलित हों, जिनमें परिसमापन, समापन, पुनर्गठन, विघटन, प्रबंध, ऋणियों के संरक्षण या अनुतोष की माँग सम्मिलित है;

न. इस करार में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, किसी भी समय किसी करार, विलेख, लिखत, अनुज्ञप्ति अथवा किसी भी विवरण के दस्तावेज़ के किसी संदर्भ का अर्थ उस करार, विलेख, लिखत, अनुज्ञप्ति या अन्य दस्तावेज़ के उस रूप में संदर्भ होगा जैसा वह ऐसे संदर्भ के समय संशोधित, परिवर्तित, अनुपूरित, रूपांतरित या निलंबित हो; परंतु यह कि यह उपखंड (t) इस प्रकार प्रवर्तित नहीं होगा जिससे प्राधिकरण के एतद् अधीन या एतद् अनुसरण में दायित्व या बाध्यताएँ किसी भी प्रकार से बढ़ जाएँ;

ऩ. इस करार के अधीन या अनुसरण में किसी पक्षकार से या द्वारा अथवा स्वतंत्र अभियंता से या द्वारा अपेक्षित कोई करार, सम्मति, अनुमोदन, प्राधिकार, सूचना, संसूचना, जानकारी या रिपोर्ट तभी विधिमान्य एवं प्रभावी होगी जब वह ऐसे पक्षकार अथवा, यथास्थिति, स्वतंत्र अभियंता के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर सहित, इस निमित्त लिखित में हो, अन्यथा नहीं;

प. इस करार की अनुसूचियाँ तथा उपवर्णन (Recitals) इस करार का अभिन्न भाग हैं तथा पूर्ण बल एवं प्रभाव में रहेंगे, मानो वे इस करार के मुख्य भाग में अभिव्यक्त रूप से अधिकथित किए गए हों;

फ. इस करार में उपवर्णनों, अनुच्छेदों, खंडों, उपखंडों, परंतुकों या अनुसूचियों के संदर्भों का अर्थ, जहाँ संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, इसी करार के या इससे संबंधित उपवर्णनों, अनुच्छेदों, खंडों, उपखंडों, परंतुकों एवं अनुसूचियों का संदर्भ होगा; किसी

उपाबंध (Annex) के संदर्भ का अर्थ, उसमें इसके प्रतिकूल किसी बात के अधीन रहते हुए, उस अनुसूची के उपाबंध का संदर्भ होगा जिसमें ऐसा संदर्भ आता है; तथा किसी पैराग्राफ के संदर्भ का अर्थ, उसमें इसके प्रतिकूल किसी बात के अधीन रहते हुए, यथास्थिति उस अनुसूची या उपाबंध के पैराग्राफ का संदर्भ होगा जिसमें ऐसा संदर्भ आता है;

ब. इस करार में अधिकथित अनुसार किसी पक्षकार द्वारा दूसरे को संदेय क्षतिपूर्ति, चाहे वह प्रतिदिन के आधार पर हो या अन्यथा, वह पारस्परिक रूप से सहमत, वास्तविक एवं पूर्व-आकलित हानि एवं क्षति है जिसके संभाव्यतः प्राप्तिकर्ता पक्षकार द्वारा भोगे एवं उपगत किए जाने की संभावना है, तथा वह शास्ति के रूप में नहीं है (“**क्षतिपूर्ति**” (Damages)); तथा

भ. पक्षकारों के अपने-अपने दायित्वों के निष्पादन में समय सारतत्त्व होगा। यदि यहाँ विनिर्दिष्ट कोई समयावधि विस्तारित की जाती है, तो ऐसी विस्तारित अवधि भी सारतत्त्व होगी।

1.2.2 जब तक कि इस करार में अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित न हो, रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण एवं/अथवा स्वतंत्र अभियंता को दी या प्रस्तुत की जाने वाली कोई भी प्रलेखन निःशुल्क तथा 3 (तीन) प्रतियों में दी जाएगी; और यदि प्राधिकरण एवं/अथवा स्वतंत्र अभियंता से ऐसी कोई प्रलेखन अपनी टिप्पणियों एवं/अथवा अनुमोदन सहित लौटाना अपेक्षित हो, तो वे उसकी दो प्रतियाँ अपने पास रखने के हकदार होंगे।

1.2.3 अर्थान्वयन का वह नियम, यदि कोई हो, कि संविदा का निर्वचन उन पक्षकारों के विरुद्ध किया जाना चाहिए जो उसके प्रारूपण एवं तैयारी के लिए उत्तरदायी हैं, लागू नहीं होगा।

1.2.4 इस करार में प्रयुक्त कोई भी शब्द या पद, जब तक कि इस करार में अन्यथा परिभाषित या अर्थान्वित न हो, अपना सामान्य अंग्रेज़ी अर्थ धारण करेगा; तथा इन प्रयोजनों हेतु साधारण खंड अधिनियम, 1897 लागू नहीं होगा।

1.3 माप एवं अंकगणितीय परिपाटियाँ

सभी माप एवं परिकलन मीट्रिक प्रणाली में होंगे तथा परिकलन 2 (दो) दशमलव स्थानों तक किए जाएँगे, जिसमें तीसरा अंक 5 (पाँच) या उससे अधिक होने पर ऊपर की ओर पूर्णांकित किया जाएगा तथा 5 (पाँच) से कम होने पर नीचे की ओर पूर्णांकित किया जाएगा।

1.4 करारों, खंडों एवं अनुसूचियों की प्राथमिकता

1.4.1 यह करार तथा अन्य सभी करार एवं दस्तावेज़, जो इस करार का भाग हैं अथवा जिनका इसमें निर्देश है, परस्पर व्याख्यात्मक माने जाएँगे; और जब तक कि इस करार में अन्यत्र अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित न हो, इस करार तथा इसका भाग बनने वाले या इसमें निर्दिष्ट अन्य दस्तावेज़ों एवं करारों की प्राथमिकता, उनके बीच किसी विरोध की दशा में, निम्नलिखित क्रम में होगी:

क. यह करार; तथा

ख. अन्य सभी करार एवं दस्तावेज़ जो इसका भाग हैं अथवा जिनका इसमें निर्देश है,

अर्थात् उपर्युक्त (a) का करार, उपर्युक्त (b) के करारों एवं दस्तावेज़ों पर अभिभावी होगा।

1.4.2 खंड 1.4.1 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, इस करार के भीतर अस्पष्टता या विसंगति की दशा में निम्नलिखित लागू होगा:

क. इस करार के दो या अधिक खंडों के बीच, विचाराधीन विषय से संबंधित विशिष्ट खंड के उपबंध अन्य खंडों पर अभिभावी होंगे;

ख. इस करार के खंडों एवं अनुसूचियों के बीच, खंड अभिभावी होंगे; तथा अनुसूचियों एवं उपाबंधों के बीच, अनुसूचियाँ अभिभावी होंगी;

ग. किन्हीं दो अनुसूचियों के बीच, विषय से संबंधित अनुसूची अभिभावी होगी;

घ. आरेखों पर लिखित विवरण तथा विनिर्देशों एवं मानकों के बीच, पश्चात्वर्ती अभिभावी होगा;

ङ. आरेख से मापी गई विमा तथा उसमें विनिर्दिष्ट लिखित विमा के बीच, पश्चात्वर्ती अभिभावी होगी; तथा

च. अंकों में लिखे गए किसी मान तथा शब्दों में लिखे गए मान के बीच, पश्चात्वर्ती अभिभावी होगा।

भाग II

रियायत

2. परियोजना का कार्यक्षेत्र

2.1 परियोजना का कार्यक्षेत्र

परियोजना के कार्यक्षेत्र का अर्थ रियायत अवधि के दौरान निम्नलिखित होगा तथा उसमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

क. अनुसूची-ए में अधिकथित स्थल पर तथा अनुसूची-बी में विनिर्दिष्ट रूप में हवाईअड्डे का अभिकल्पन, विकास, निर्माण एवं विस्तार, साथ ही अनुसूची-सी में विनिर्दिष्ट तत्संबंधी परियोजना सुविधाओं का प्रावधान, तथा यह सब अनुसूची-डी में अधिकथित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप होगा;

ख. इस करार के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे का संचालन, रखरखाव एवं प्रबंधन;

ग. अनुसूची-ए एवं अनुसूची-बी में विनिर्दिष्ट अनुसार स्थल पर सिटी साइड का विकास, संचालन एवं रखरखाव, तथा यह इस करार के उपबंधों के अनुसार होगा; एवं

घ. इस करार के उपबंधों के अनुसार रियायतग्राही के अन्य सभी दायित्वों का निष्पादन एवं पूर्ति, तथा उससे आनुषंगिक अथवा इस करार के अधीन रियायतग्राही के किन्हीं या सभी दायित्वों के निष्पादन हेतु आवश्यक विषय।

3. रियायत प्रदान किया जाना

3.1 रियायत

3.1.1 यह करार, लागू विधियों तथा लागू अनुज्ञाओं के उपबंधों के अधीन रहते हुए एवं उनके अनुसार, प्राधिकरण एतद्द्वारा रियायतग्राही को यहाँ अधिकथित रियायत प्रदान करता है, जिसमें नियत तिथि से आरंभ होकर 40 वर्ष की आरंभिक अवधि हेतु हवाईअड्डे के विकास, संचालन एवं रखरखाव का अनन्य अधिकार, अनुज्ञप्ति एवं प्राधिकार सम्मिलित है ("**रियायत**"); तथा रियायतग्राही एतद्द्वारा रियायत स्वीकार करता है और यहाँ अधिकथित निबंधनों एवं शर्तों के अधीन रहते हुए एवं उनके अनुसार परियोजना को कार्यान्वित करने के लिए सहमत होता है।

परंतु यह और कि, नियत तिथि की 35वीं (पैंतीसवीं) वर्षगाँठ से पूर्व न होते हुए तथा नियत तिथि की 37वीं (सैंतीसवीं) वर्षगाँठ के पश्चात न होते हुए, किसी भी समय, रियायतग्राही प्राधिकरण को अपनी रुचि से अवगत कराएगा तथा खंड 42.5 के उपबंधों के अनुसार इस रियायत की अवधि को अन्य 30 (तीस) वर्ष की अवधि हेतु नवीकृत/विस्तारित करने का अनुरोध करेगा। ऐसा अनुरोध करते समय, रियायतग्राही यह पुष्टि प्रस्तुत करेगा कि वह अतिरिक्त 30 (तीस) वर्ष की अवधि हेतु प्रीमियम के निर्धारण के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया में, ऐसे प्ररूप एवं रीति से जो प्राधिकरण द्वारा उस समय विहित की जाए, भाग लेने के लिए सहमत है; तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी बोली की ऐसी किसी भी दशा में:

क. रियायतग्राही को उच्चतम बोली की बराबरी करने का अधिकार होगा, यदि उसकी बोली उस समय जारी बोली दस्तावेज़ों के निबंधनों एवं शर्तों के अनुसार प्रस्तुत की जा सकने वाली उच्चतम बोली के 10.00% के भीतर हो;

ख. रियायतग्राही के सहयोगी ऐसी किसी भी बोली प्रक्रिया में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेने हेतु अर्हताप्राप्त नहीं होंगे; तथा

ग. यह स्पष्ट किया जाता है कि रियायतग्राही को वित्तीय बोली प्रस्तुत करने हेतु अर्हित माना जाएगा और उससे पूर्व-अर्हता प्रक्रिया में भाग लेना अपेक्षित नहीं होगा, न ही उसे पूर्व-अर्हता हेतु कोई दस्तावेज़ प्रस्तुत करने होंगे।

परंतु यह और कि, यदि रियायतग्राही द्वारा इस करार के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे का विस्तार नहीं किया जाता, अथवा रियायतग्राही इस करार के उपबंधों के तात्त्विक व्यतिक्रम में रहा है, तो प्राधिकरण इस खंड 3.1.1 के अनुसार रियायत अवधि को विस्तारित करने अथवा

रियायतग्राही को उच्चतम बोली की बराबरी करने का अधिकार देने के किसी दायित्व के अधीन नहीं होगा।

किसी भी दशा में, सभी समयों पर, रियायत अवधि के विस्तार से संबंधित कोई भी निर्णय प्राधिकरण में निहित रहेगा।

3.1.2 इस करार के उपबंधों के अधीन रहते हुए एवं उनके अनुसार, एतद्द्वारा प्रदान की गई रियायत रियायतग्राही को (यथास्थिति) निम्नलिखित हेतु आबद्ध करेगी अथवा हकदार बनाएगी:

क. इस करार के उपबंधों द्वारा प्रदत्त प्रयोजन हेतु एवं उस सीमा तक स्थल पर मार्गाधिकार, पहुँच एवं अनुज्ञप्ति;

ख. हवाईअड्डे का अभिकल्पन, वित्तपोषण एवं निर्माण;

ग. हवाईअड्डे का संचालन, प्रबंधन एवं रखरखाव तथा तृतीय पक्षकारों द्वारा उसके उपयोग का विनियमन;

घ. हवाईअड्डे या उसके किसी भाग के उपयोग हेतु शुल्क भुगतान हेतु उपयोगकर्ताओं से शुल्क की माँग, संग्रहण एवं विनियोजन, तथा देय शुल्क का भुगतान न किए जाने पर किसी भी उपयोगकर्ता का प्रवेश निषिद्ध करना;

ङ. इस करार के अधीन एवं उसके अनुसार रियायतग्राही के सभी दायित्वों का निष्पादन एवं पूर्ति;

च. इस करार में अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित के सिवाय, इस करार के अधीन रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन से संबंधित अथवा उससे आनुषंगिक समस्त लागतों, व्ययों एवं प्रभारों को वहन करना एवं उनका भुगतान करना; तथा

छ. इस करार अथवा प्रतिस्थापन करार द्वारा अभिव्यक्त रूप से अनुज्ञात के सिवाय, न तो इस करार अथवा एतद्द्वारा प्रदत्त रियायत अथवा हवाईअड्डे के संपूर्ण या किसी भाग का समनुदेशन, अंतरण या आगे किराए पर देना अथवा उस पर कोई धारणाधिकार या बाधाएं सृजित करना, और न ही उसका अंतरण, पट्टा या कब्ज़ा अंतरित करना।

3.2 सिटी साइड विकास

इस करार एवं लागू विधियों के उपबंधों के अधीन रहते हुए एवं उनके अनुसार, एतद्द्वारा प्रदत्त रियायत, खंड 3.1.2 के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही को यह हक देगी कि वह अनुसूची-ए में विनिर्दिष्ट स्थावर संपदा का विकास, संचालन एवं रखरखाव करे – जो अनुसूची-बी एवं अनुसूची-डी में विहित शर्तों के अधीन होगा – तथा अनुच्छेद 28 के उपबंधों

के अनुसार ऐसे विकास का वाणिज्यिक प्रयोजनों हेतु उपयोग करे ("**सिटी साइड विकास**"), जिसमें परियोजना करारों के माध्यम से उसके किसी या सभी भागों का उप-अनुज्ञापन करने का अधिकार सम्मिलित है।

4. पूर्ववर्ती शर्तें

4.1 पूर्ववर्ती शर्तें

4.1.1 अनुच्छेद 4, 5, 6, 7, 8, 9, 10, 29, 39, 49 एवं 52 में अभिव्यक्त रूप से उपबंधित के सिवाय, अथवा जब तक कि संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, इस करार के अधीन पक्षकारों के तत्संबंधी अधिकार एवं दायित्व इस खंड 4.1 में विनिर्दिष्ट पूर्ववर्ती शर्तों ("**पूर्ववर्ती शर्तें**" (Conditions Precedent)) की पूर्ण संतुष्टि के अधीन होंगे। परंतु यह कि कोई पक्षकार, यथास्थिति खंड 4.1.2 या 4.1.3 के उपबंधों के अनुसार, दूसरे पक्षकार द्वारा किसी पूर्ववर्ती शर्त की संतुष्टि से अधित्याग प्रदान कर सकेगा, तथा ऐसे अधित्याग की सीमा तक वह पूर्ववर्ती शर्त इस खंड 4.1.1 के प्रयोजनों हेतु पूरी हुई मानी जाएगी।

4.1.2 रियायतग्राही, अनुच्छेद 9 के अनुसार प्राधिकरण को निष्पादन प्रतिभूति प्रदान करने पर, इस करार की तिथि से 90 (नब्बे) दिन के पश्चात किसी भी समय अथवा प्राधिकरण को स्वीकार्य किसी पूर्ववर्ती दिन को, सूचना द्वारा प्राधिकरण से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह इस खंड 4.1.2 में अधिकथित किन्हीं या सभी पूर्ववर्ती शर्तों को सूचना के 30 (तीस) दिन की अवधि के भीतर, अथवा अतिरिक्त 60 (साठ) दिन से अनधिक ऐसी दीर्घतर अवधि के भीतर, संतुष्ट करे। प्राधिकरण द्वारा संतुष्ट की जाने वाली अपेक्षित पूर्ववर्ती शर्तें तब पूरी हुई मानी जाएँगी जब प्राधिकरण ने:

क. खंड 10.3.1 एवं 10.3.2 के उपबंधों के अनुसार रियायतग्राही हेतु स्थल पर मार्गाधिकार प्राप्त कर लिया हो;

ख. परियोजना हेतु अपेक्षित एवं स्थल का भाग बनने वाली भूमि के कम से कम 90% (नब्बे प्रतिशत) के संबंध में पर्यावरण संरक्षण एवं संरक्षा से संबंधित समस्त लागू अनुज्ञाएँ प्राप्त कर ली हों; तथा

ग. परियोजना हेतु अपेक्षित एवं स्थल का भाग बनने वाली भूमि के कम से कम 90% (नब्बे प्रतिशत) के लिए एवं उसके संबंध में वन स्वीकृति प्राप्त कर ली हो, वृक्ष काटने की अनुमति को छोड़कर;

घ. निम्नलिखित सुसंगत करारों का निष्पादन करा लिया हो:

i. अनुसूची टी में दिए गए प्ररूप में एस्क्रो करार;
ii. अनुसूची डब्लू में दिए गए प्ररूप में प्रतिस्थापन करार;
iii. अनुसूची एक्स में दिए गए प्ररूप में शेयरधारक करार;

iv. अनुसूची वाई में दिए गए प्ररूप में सीएनएस/एटीएम करार;
v. अनुसूची जेड में दिए गए प्ररूप में समझौता ज्ञापन;
vi. अनुसूची एए में दिए गए प्ररूप में राज्य सरकार सहायता करार,

– स्वयं द्वारा, अथवा यथास्थिति भारत सरकार या अन्य सरकारी अभिकरणों द्वारा, रियायतग्राही से उसकी विधिवत निष्पादित प्रति प्राप्त होने पर तथा उनके अधीन उन सभी निबंधनों के अनुपालन पर, जो तत्संबंधी निष्पादन हेतु आवश्यक हों।

परंतु यह कि प्राधिकरण द्वारा लिखित में अनुरोध किए जाने पर, रियायतग्राही अपने विवेकानुसार इस खंड 4.1.2 में अधिकथित पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति हेतु 180 (एक सौ अस्सी) दिन से अनधिक समय-विस्तार प्रदान कर सकेगा।

4.1.3 रियायतग्राही द्वारा इस करार की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिन की अवधि के भीतर संतुष्ट की जाने वाली अपेक्षित पूर्ववर्ती शर्तें तब पूरी हुई मानी जाएँगी जब रियायतग्राही ने:

क. प्राधिकरण को निष्पादन प्रतिभूति प्रदान कर दी हो;

ख. अनुसूची टी में दिए गए प्ररूप में एस्क्रो करार निष्पादित कर दिया हो एवं उसका निष्पादन करा लिया हो;

ग. अनुसूची डब्लू में दिए गए प्ररूप में प्रतिस्थापन करार निष्पादित कर दिया हो एवं उसका निष्पादन करा लिया हो;

घ. अनुसूची एक्स में दिए गए प्ररूप में शेयरधारक करार निष्पादित कर दिया हो एवं उसका निष्पादन करा लिया हो;

ङ. अनुसूची-ई के भाग I में विनिर्दिष्ट समस्त लागू अनुज्ञाएँ बिना शर्त प्राप्त कर ली हों; अथवा यदि वे शर्तों के अधीन हों, तो उनमें विनिर्दिष्ट तिथि तक पूरी की जाने वाली सभी शर्तें पूर्णतः संतुष्ट कर ली गई हों तथा ऐसी लागू अनुज्ञाएँ पूर्ण बल एवं प्रभाव में हों;

च. चरण I हेतु वित्तपोषण करार निष्पादित कर दिया हो तथा प्राधिकरण को उसकी 3 (तीन) सत्य प्रतियाँ, जो रियायतग्राही के किसी निदेशक द्वारा विधिवत अनुप्रमाणित हों, परिदत्त कर दी हों;

छ. प्राधिकरण को वित्तीय पैकेज एवं वित्तीय मॉडल की 3 (तीन) सत्य प्रतियाँ, जो रियायतग्राही के किसी निदेशक द्वारा विधिवत अनुप्रमाणित हों, परिदत्त कर दी हों, साथ ही वित्तीय मॉडल की 3 (तीन) सॉफ़्ट प्रतियाँ एमएस ऐक्सेल संस्करण अथवा उसके किसी स्थानापन्न में, जो वरिष्ठ ऋणदाताओं को स्वीकार्य हो;

ज. चयनित बोलीदाता से प्राधिकरण को इस करार के खंड 7.1 के उपखंड (जे), (के), (एल) एवं (एम) में अधिकथित अभ्यावेदनों एवं आश्वासनों की शुद्धता की पुष्टि परिदत्त करा दी हो;

झ. प्राधिकरण को रियायतग्राही के विधि परामर्शी से इस आशय की विधिक राय परिदत्त कर दी हो कि रियायतग्राही को इस करार में प्रवेश करने का प्राधिकार है तथा उसके उपबंध प्रवर्तनीय हैं;

ञ. रियायतग्राही एवं आईएमडी के बीच किया जाने वाला करार, आईएमडी द्वारा विहित प्ररूप के अनुसार, निष्पादित कर दिया हो; अथवा एएआई द्वारा प्रदत्त ऐसा करार निष्पादित कर दिया हो जिसमें मौसम विज्ञान सेवाएँ एएआई सेवाओं का भाग होंगी। एएआई के साथ ऐसे करार की दशा में, रियायतग्राही से विमानन मौसम विज्ञान सेवाओं के प्रावधान हेतु आईएमडी के साथ पृथक करार पर हस्ताक्षर करना अपेक्षित नहीं होगा; तथा

ट. रियायतग्राही एवं बीसीएएस के बीच किया जाने वाला करार, बीसीएएस द्वारा दिए गए प्ररूप के अनुसार, निष्पादित कर दिया हो;

ठ. भारत सरकार एवं रियायतग्राही के बीच किया जाने वाला समझौता ज्ञापन, अनुसूची जेड में दिए गए प्ररूप में, निष्पादित कर दिया हो;

ड. अनुसूची एए में दिए गए प्ररूप में राज्य सरकार सहायता करार निष्पादित कर दिया हो एवं उसका निष्पादन करा लिया हो;

ढ. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा विहित प्ररूप में सीएनएस-एटीएम करार निष्पादित कर दिया हो।

परंतु यह कि रियायतग्राही द्वारा लिखित में अनुरोध किए जाने पर, प्राधिकरण अपने विवेकानुसार इस खंड 4.1.3 में अधिकथित किसी भी पूर्ववर्ती शर्त का अधित्याग कर सकेगा। संदेह निवारण हेतु, प्राधिकरण अपने एकमात्र विवेकानुसार एतद् अधीन कोई भी अधित्याग ऐसी शर्तों के साथ प्रदान कर सकेगा जैसी वह उचित समझे।

4.1.4 प्रत्येक पक्षकार विहित समय के भीतर पूर्ववर्ती शर्तों को संतुष्ट करने हेतु समस्त युक्तियुक्त प्रयास करेगा तथा दूसरे पक्षकार को ऐसा युक्तियुक्त सहयोग प्रदान करेगा जो उस पक्षकार को उन पूर्ववर्ती शर्तों की संतुष्टि में सहायता हेतु अपेक्षित हो जिनके लिए वह पक्षकार उत्तरदायी है।

4.1.5 पक्षकार पूर्ववर्ती शर्तों की संतुष्टि में हुई प्रगति के संबंध में एक-दूसरे को मास में कम से कम एक बार लिखित में सूचित करेंगे। प्रत्येक पक्षकार, जब भी उसके उत्तरदायित्व वाली कोई पूर्ववर्ती शर्त संतुष्ट हो जाए, दूसरे पक्षकार को तत्परता से सूचित करेगा।

4.2 प्राधिकरण द्वारा विलंब पर क्षतिपूर्ति

यदि (i) प्राधिकरण खंड 4.1.2 में अधिकथित किन्हीं या सभी पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति या अधित्याग तत्संबंध में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नहीं करा पाता है, तथा (ii) यह विलंब रियायतग्राही द्वारा इस करार के भंग के परिणामस्वरूप अथवा अप्रत्याशित घटना के कारण नहीं हुआ है, तो प्राधिकरण रियायतग्राही को ऐसी पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति तक प्रत्येक दिन के विलंब हेतु निष्पादन प्रतिभूति के 0.1% (शून्य दशमलव एक प्रतिशत) की दर से परिकलित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति का भुगतान करेगा, जो बोली प्रतिभूति के बराबर अधिकतम राशि के अधीन होगी।

4.3 रियायतग्राही द्वारा विलंब पर क्षतिपूर्ति

यदि (i) रियायतग्राही खंड 4.1.3 में अधिकथित किन्हीं या सभी पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति या अधित्याग उस खंड में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नहीं करा पाता है, तथा (ii) यह विलंब खंड 4.1.2 के अधीन दायित्वों को पूरा करने में प्राधिकरण की विफलता अथवा प्राधिकरण द्वारा इस करार के अन्य भंग अथवा अप्रत्याशित घटना के परिणामस्वरूप नहीं हुआ है, तो रियायतग्राही प्राधिकरण को ऐसी पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति तक प्रत्येक दिन के विलंब हेतु निष्पादन प्रतिभूति के 0.3% (शून्य दशमलव तीन प्रतिशत) की दर से परिकलित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति का भुगतान करेगा, जो बोली प्रतिभूति के बराबर अधिकतम राशि के अधीन होगी; और ऐसी अधिकतम सीमा तक पहुँचने पर प्राधिकरण, अपने एकमात्र विवेकानुसार तथा खंड 9.2 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, करार को समाप्त कर सकेगा। परंतु यह कि खंड 4.1.2 में विनिर्दिष्ट पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति कराने में प्राधिकरण द्वारा विलंब की दशा में, इस खंड 4.3 के अधीन रियायतग्राही द्वारा उस तिथि तक कोई क्षतिपूर्ति देय या संदेय नहीं होगी जिस तिथि को प्राधिकरण खंड 4.1.2 में विनिर्दिष्ट पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति करा चुका हो।

4.4 विलंब पर मानी गई समाप्ति

खंड 4.2 एवं 4.3 के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, तथा खंड 9.2 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, पक्षकार अभिव्यक्त रूप से सहमत होते हैं कि यदि किसी भी कारणवश नियत तिथि इस करार की तिथि की 1ली (प्रथम) वर्षगाँठ से पूर्व, अथवा इस करार के अनुसार प्रदत्त विस्तारित अवधि के भीतर, नहीं आती है, तो इस करार के अधीन या उससे उद्भूत रियायतग्राही के समस्त अधिकार, विशेषाधिकार, दावे एवं हक रियायतग्राही द्वारा अधित्यक्त किए गए तथा

उसकी सहमति से समाप्त हो गए माने जाएँगे, और रियायत करार पक्षकारों के पारस्परिक करार द्वारा समाप्त हुआ माना जाएगा। परंतु यह कि यदि नियत तिथि के आने में विलंब रियायतग्राही के लिए उत्तरदायी कारणों से हुआ है, तो रियायतग्राही की निष्पादन प्रतिभूति प्राधिकरण द्वारा भुनाई जाएगी तथा उसके क्षतिपूर्ति के रूप में विनियोजित की जाएगी।

5. रियायतग्राही के दायित्व

5.1 रियायतग्राही के दायित्व

5.1.1 इस करार के निबंधनों एवं शर्तों के अधीन रहते हुए एवं उन पर, रियायतग्राही अपनी स्वयं की लागत एवं व्यय पर हवाईअड्डे के अभिकल्पन, अभियांत्रिकी, प्रापण, निर्माण, संचालन एवं रखरखाव हेतु वित्त की व्यवस्था करेगा तथा उन्हें इस करार के उपबंधों एवं मास्टर प्लान के अनुसार करेगा; और इस करार में अधिकथित या एतद् अधीन उद्भूत अपने समस्त दायित्वों का पालन, पूर्ति, अनुपालन एवं निष्पादन करेगा।

5.1.2 रियायतग्राही इस करार के अधीन अपने दायित्वों के निष्पादन में समस्त लागू विधियों एवं लागू अनुज्ञाओं (यथा-अपेक्षित नवीकरण सहित) का अनुपालन करेगा।

5.1.3 रियायतग्राही, इस करार के अस्तित्व के दौरान सभी समयों पर, लागू अनुज्ञाओं/अनुमोदनों में विहित समस्त शर्तों का अनुपालन करेगा, जिनमें सैद्धांतिक अनुमोदन अथवा कोई स्थानापन्न और/अथवा ऐसे पारिणामिक अनुमोदन सम्मिलित हैं जो इस करार के अधीन उसके दायित्वों की पूर्ति हेतु आवश्यक हों।

5.1.4 इस करार अथवा, यथास्थिति, लागू विधियों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, रियायतग्राही इस करार के अधीन अपने समस्त दायित्वों के निर्वहन में सभी समयों पर उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप रहेगा एवं उसका पालन करेगा।

5.1.5 रियायतग्राही समय-समय पर, इस करार के उपबंधों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार, वैमानिक परिसंपत्तियों, टर्मिनल भवन एवं गैर-वैमानिक परिसंपत्तियों का विस्तार या संवर्धन करेगा।

5.1.6 रियायतग्राही सभी समयों पर (निर्माण अवधि के दौरान सहित) डीजीसीए एवं बीसीएएस के समस्त अनुदेशों एवं अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा तथा डीजीसीए एवं बीसीएएस को समय-समय पर, उनकी अपनी लागत पर एवं रियायतग्राही को युक्तियुक्त अग्रिम सूचना देकर, स्थल एवं हवाईअड्डे का निरीक्षण करने देगा।

5.1.7 इस करार में अभिव्यक्त रूप से उपबंधित के सिवाय, रियायतग्राही इस करार के अस्तित्व के दौरान सभी समयों पर हवाईअड्डे, किन्हीं वैमानिक सेवाओं, गैर-वैमानिक सेवाओं एवं अन्य सेवाओं के संबंध में, अथवा उनमें भंडारित सामग्री के संबंध में, संदेय समस्त कर, उद्ग्रहण,

शुल्क, उपकर तथा अन्य सभी सांविधिक प्रभार, देय राशियाँ, निर्धारण या निर्गम, जो किसी सरकारी अभिकरण द्वारा उद्गृहीत किए जाएँ, का भुगतान करेगा।

5.1.8 रियायतग्राही अपनी स्वयं की लागत एवं व्यय पर, इस करार में अन्यत्र अधिकथित अपने दायित्वों के अतिरिक्त एवं उनका अपकर्ष किए बिना:

क. खंड 4.1.2 में अधिकथित अनुज्ञाओं से भिन्न लागू अनुज्ञाएँ प्राप्त करने हेतु अपेक्षित ऐसे विशिष्टियों एवं ब्यौरों सहित संबंधित सरकारी अभिकरणों को आवश्यक आवेदन करेगा या कराएगा, तथा ऐसी लागू अनुज्ञाएँ लागू विधियों के अनुरूप प्राप्त करेगा एवं उन्हें बल एवं प्रभाव में बनाए रखेगा;

ख. हवाईअड्डे में प्रयुक्त या समाविष्ट सामग्रियों, पद्धतियों, प्रक्रियाओं, तकनीकी ज्ञान एवं प्रणालियों हेतु यथा-अपेक्षित समुचित स्वामित्व अधिकार, अनुज्ञप्तियाँ, करार एवं अनुमतियाँ प्राप्त करेगा;

ग. वित्तपोषण करारों के अधीन अपने दायित्वों का निष्पादन एवं पूर्ति करेगा;

घ. इस करार के अधीन अपने दायित्वों के निष्पादन के संबंध में स्वयं द्वारा या अपने संविदाकारों द्वारा नियोजित कार्मिकों के बीच सौहार्द एवं उत्तम औद्योगिक संबंध बनाए रखने हेतु युक्तियुक्त प्रयास करेगा;

ङ. विलोपित;

च. यह सुनिश्चित एवं सुनिश्चय करेगा कि उसके संविदाकार, इस करार के अधीन रियायतग्राही के किन्हीं दायित्वों के अपने द्वारा निष्पादन में, समस्त लागू अनुज्ञाओं एवं लागू विधियों का अनुपालन करें;

छ. सदैव इस करार के उपबंधों के अनुरूप रीति से कार्य करेगा तथा जानबूझकर या अन्यथा ऐसा कोई कार्य, विलेख या बात नहीं करेगा या करने में विफल नहीं रहेगा जो किसी भी प्रकार से इस करार के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन हो;

ज. यह सुनिश्चय करेगा कि हवाईअड्डे के भीतर समस्त सुविधाओं एवं सुख-सुविधाओं का संचालन एवं रखरखाव उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार हो तथा उपयोगकर्ताओं को इस करार एवं लागू विधियों के उपबंधों के अनुसार उनके उपयोग हेतु भेदभावरहित पहुँच प्राप्त हो;

झ. यह सुनिश्चित करेगा कि उपयोगकर्ताओं के साथ समुचित शिष्टाचार एवं विचारशीलता का व्यवहार किया जाए तथा उन्हें सेवाओं एवं जानकारी तक सुगम पहुँच उपलब्ध कराई जाए;

ञ. इस करार एवं लागू विधियों के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे पर ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएँ प्रदान करेगा या कराएगा;

ट. हवाईअड्डे पर आरक्षित सेवाओं के प्रावधान एवं संचालन हेतु, यथास्थिति, प्राधिकरण अथवा नामित भारत सरकार अभिकरण को समस्त सहायता एवं सहयोग प्रदान करेगा;

ठ. ग्रिड से हवाईअड्डे को विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था करेगा, जिसमें ग्रिड से विद्युत आपूर्ति बाधित होने या विफल होने की दशा में वैमानिक सेवाओं एवं गैर-वैमानिक सेवाओं के रखरखाव हेतु आवश्यक विद्युत आपूर्ति के लिए स्टैंडबाय व्यवस्थाएँ करना सम्मिलित है;

ड. इस करार के उपबंधों के अनुसार परियोजना के कार्यान्वयन एवं संचालन में प्राधिकरण को सहायता, सहयोग एवं सुविधा प्रदान करेगा; तथा

ढ. इस करार की समाप्ति पर, उसके उपबंधों के अनुसार परियोजना परिसंपत्तियाँ प्राधिकरण को अंतरित करेगा।

5.2 परियोजना करारों से संबंधित दायित्व

5.2.1 यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि रियायतग्राही, रियायत अवधि के दौरान सभी समयों पर, इस करार के अधीन अपने समस्त दायित्वों के लिए उत्तरदायी एवं दायी रहेगा, भले ही परियोजना करारों या किसी अन्य करार में कुछ भी अंतर्विष्ट हो; तथा किसी परियोजना करार या करार के अधीन कोई व्यतिक्रम रियायतग्राही को एतद् अधीन उसके दायित्वों या दायित्व-भार से मुक्त नहीं करेगा।

5.2.2 रियायतग्राही प्राधिकरण को समस्त परियोजना करारों, अथवा उनमें किन्हीं संशोधनों या प्रतिस्थापनों के प्रारूप, उसकी समीक्षा एवं टिप्पणियों हेतु प्रस्तुत करेगा; तथा प्राधिकरण को ऐसी समीक्षा करने एवं ऐसे प्रारूपों की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिन के भीतर रियायतग्राही को अपनी टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, देने का अधिकार होगा, किंतु दायित्व नहीं। किसी परियोजना करार या उसके संशोधन के निष्पादन के 7 (सात) दिन के भीतर, रियायतग्राही प्राधिकरण को उसकी एक सत्य प्रति, जो रियायतग्राही के किसी निदेशक द्वारा विधिवत अनुप्रमाणित हो, उसके अभिलेख हेतु प्रस्तुत करेगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि एतद् अधीन समीक्षा एवं टिप्पणियाँ इस करार के निबंधनों के अनुपालन को सुनिश्चित करने तक सीमित होंगी। यह भी सहमत है कि एतद् अधीन प्राधिकरण द्वारा समीक्षा और/या टिप्पणी करने में कोई विफलता या लोप, प्राधिकरण द्वारा ऐसे किसी करार या दस्तावेज़ की स्वीकृति के रूप में अर्थान्वित या माना नहीं जाएगा। प्राधिकरण और/या उसकी कोई समीक्षा और/या प्रेक्षण, अथवा किसी दस्तावेज़ पर समीक्षा करने और/या अपने प्रेक्षण संप्रेषित करने में उसकी विफलता,

रियायतग्राही को इस करार के अधीन उसके दायित्वों एवं दायित्व-भार से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगी, और न ही प्राधिकरण उसके लिए किसी भी प्रकार से दायी होगा।

5.2.3 रियायतग्राही प्राधिकरण की पूर्व लिखित सम्मति के बिना किसी भी वित्तपोषण करार में कोई वर्धन, प्रतिस्थापन या संशोधन नहीं करेगा, यदि ऐसे वर्धन, प्रतिस्थापन या संशोधन का प्रभाव प्राधिकरण पर कोई वित्तीय दायित्व या बाध्यता अधिरोपित करना या बढ़ाना हो, या हो सकता हो; और यदि ऐसी सम्मति के बिना कोई प्रतिस्थापन या संशोधन किया जाता है, तो रियायतग्राही ऐसे प्रतिस्थापन या संशोधन को प्रवर्तित नहीं कराएगा, न ही प्राधिकरण के विरुद्ध उसका प्रवर्तन अनुज्ञात करेगा। संदेह निवारण हेतु, प्राधिकरण स्वीकार एवं सहमत करता है कि वह रियायतग्राही के ऋण के पुनर्गठन या पुनर्निर्धारण हेतु अपनी सम्मति अयुक्तियुक्त रूप से नहीं रोकेगा।

5.2.4 रियायतग्राही यह सुनिश्चय करेगा कि प्रत्येक परियोजना करार में ऐसे उपबंध अंतर्विष्ट हों जो प्राधिकरण को यह हक दें कि समाप्ति या निलंबन की दशा में वह अपने एकमात्र विवेकानुसार रियायतग्राही के प्रतिस्थापन में ऐसे करार में प्रवेश कर सके ("**प्रसंविदा**")। संदेह निवारण हेतु, यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि यदि प्राधिकरण अंतरण तिथि से 90 (नब्बे) दिन से अनधिक अवधि के भीतर प्रतिस्थापन के ऐसे अधिकारों का प्रयोग नहीं करता है, तो परियोजना करार अंतरण तिथि को प्राधिकरण पर बिना किसी भी प्रकार के दायित्व के बल एवं प्रभाव में न रहे हुए माने जाएँगे, और प्रसंविदा में ऐसी संभाव्यता हेतु अभिव्यक्त रूप से उपबंध होगा। रियायतग्राही अभिव्यक्त रूप से सहमत होता है कि वह अपने समस्त परियोजना करारों में प्रसंविदा सम्मिलित करेगा, तथा वचनबद्ध होता है कि वह प्रत्येक परियोजना करार के संबंध में उसके प्रतिपक्षकार(रों) से, प्राधिकरण को स्वीकार्य प्ररूप में, एक अभिस्वीकृति एवं वचनबंध प्राप्त कर प्राधिकरण को परिदत्त करेगा, जिसके अधीन ऐसे प्रतिपक्षकार प्रसंविदा को अभिस्वीकार एवं स्वीकार करेंगे तथा उससे आबद्ध रहने और समाप्ति या निलंबन की दशा में प्राधिकरण से किसी भी प्रकार का अनुतोष या उपचार न माँगने का वचन देंगे।

5.2.5 इस करार में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, रियायतग्राही सहमत एवं अभिस्वीकार करता है कि समस्त ईपीसी संविदाकारों या ओएंडएम संविदाकारों का चयन या प्रतिस्थापन तथा समस्त ईपीसी संविदाओं या ओएंडएम संविदाओं का निष्पादन, राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोकहित की दृष्टि से प्राधिकरण के पूर्व अनुमोदन के अधीन होगा, जिस निमित्त प्राधिकरण का निर्णय अंतिम, निर्णायक एवं रियायतग्राही पर बंधनकारी होगा; तथा वह वचनबद्ध होता है कि वह प्राधिकरण के पूर्व अनुमोदन के बिना ऐसे किसी चयन या संविदा को प्रभावी नहीं करेगा। संदेह निवारण हेतु, यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि एतद् अधीन प्राधिकरण का अनुमोदन राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोकहित की दृष्टि तक सीमित रहेगा, तथा प्राधिकरण उस पर अपना निर्णय शीघ्रता से संप्रेषित करने का प्रयास करेगा। यह भी सहमत है कि ऐसा अनुमोदन

देने या न देने के कारण प्राधिकरण किसी भी प्रकार से दायी नहीं होगा, तथा ऐसा अनुमोदन या उसका इनकार रियायतग्राही या उसके संविदाकारों को इस करार के अधीन किसी दायित्व या बाध्यता से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगा।

5.3 स्वामित्व में परिवर्तन से संबंधित दायित्व

5.3.1 रियायतग्राही प्राधिकरण के पूर्व लिखित अनुमोदन के सिवाय स्वामित्व में कोई परिवर्तन न तो करेगा और न ही अनुज्ञात करेगा।

5.3.2 इस करार में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, रियायतग्राही सहमत एवं अभिस्वीकार करता है कि:

क. किसी अर्जक द्वारा, चाहे स्वयं द्वारा अथवा मिलकर कार्य करने वाले किसी व्यक्ति के साथ, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, किसी इक्विटी के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष विधिक या लाभकारी स्वामित्व या नियंत्रण के अंतरण सहित, रियायतग्राही की कुल इक्विटी के समुच्चय में 25% (पच्चीस प्रतिशत) या अधिक के समस्त इक्विटी अर्जन; अथवा

ख. किसी व्यक्ति द्वारा, चाहे स्वयं द्वारा अथवा उसके साथ मिलकर कार्य करने वाले किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ, रियायतग्राही के निदेशक मंडल का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी नियंत्रण का अर्जन,

– स्वामित्व में परिवर्तन गठित करेगा, जिसके लिए राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोकहित की दृष्टि से, यथास्थिति, प्राधिकरण/भारत सरकार का पूर्व अनुमोदन अपेक्षित होगा; इस निमित्त प्राधिकरण का निर्णय अंतिम, निर्णायक एवं रियायतग्राही पर बंधनकारी होगा। रियायतग्राही वचनबद्ध होता है कि वह प्राधिकरण के ऐसे पूर्व अनुमोदन के बिना इक्विटी के ऐसे किसी अर्जन या रियायतग्राही के निदेशक मंडल के नियंत्रण को प्रभावी नहीं करेगा। संदेह निवारण हेतु, यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि एतद् अधीन प्राधिकरण का अनुमोदन राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोकहित की दृष्टि तक सीमित रहेगा, तथा प्राधिकरण उस पर अपना निर्णय शीघ्रता से संप्रेषित करने का प्रयास करेगा। यह भी सहमत है कि ऐसा अनुमोदन देने या न देने के कारण प्राधिकरण किसी भी प्रकार से दायी नहीं होगा, तथा ऐसा अनुमोदन या उसका इनकार रियायतग्राही को इस करार के अधीन किसी दायित्व या बाध्यता से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगा।

इस खंड 5.3.2 के प्रयोजनों हेतु:

a. “अर्जक”, “नियंत्रण” तथा “मिलकर कार्य करने वाला व्यक्ति” पदों का वही अर्थ होगा जो उन्हें भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (शेयरों का पर्याप्त अर्जन एवं अधिग्रहण)

विनियम, 2011 अथवा उसके किसी सांविधिक पुनरधिनियमन में दिया गया है, जैसा कि यथास्थिति रियायतग्राही की इक्विटी के अर्जन अथवा निदेशक मंडल के नियंत्रण की तिथि को प्रवृत्त हो;

b. इक्विटी के विधिक या लाभकारी स्वामित्व के अप्रत्यक्ष अंतरण या नियंत्रण का अर्थ भारत में या विदेश में स्थित किसी कंपनी या कंपनियों के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभकारी स्वामित्व या नियंत्रण का ऐसा अंतरण होगा जिसके परिणामस्वरूप अर्जक रियायतग्राही के शेयरों या शेयरों के मताधिकारों पर नियंत्रण अर्जित कर लेता है; तथा

c. भारत में या विदेश में स्थित किसी ऐसी कंपनी के शेयरों के नियंत्रण या अर्जन के आधार पर अथवा संविदा द्वारा, जो प्रत्यक्ष रूप से या एक या अधिक कंपनियों के माध्यम से रियायतग्राही की इक्विटी धारण करती है, रियायतग्राही के अथवा किसी ऐसी कंपनी के निदेशक मंडल के कम से कम आधे निदेशकों को नियुक्त करने की शक्ति, जिसका रियायतग्राही की इक्विटी के 25% (पच्चीस प्रतिशत) या अधिक पर अंतिम नियंत्रण हो, रियायतग्राही के निदेशक मंडल के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष नियंत्रण का अर्जन गठित करेगी।

5.4 गोल्डन शेयर से संबंधित दायित्व

5.4.1 रियायतग्राही एवं चयनित बोलीदाता, प्राधिकरण के साथ अनुसूची-X में विनिर्दिष्ट प्ररूप के सारतः अनुरूप एक करार ("**शेयरधारक करार**") निष्पादित करेंगे, जिसमें प्राधिकरण के पक्ष में कंपनी के एक अ-हस्तांतरणीय इक्विटी शेयर ("**गोल्डन शेयर**") के निर्गम एवं आवंटन का उपबंध होगा, तथा जिसमें निम्नलिखित का उपबंध होगा:

क. कंपनी के निदेशक मंडल में प्राधिकरण के दो नामनिर्दिष्ट व्यक्तियों की नियुक्ति;

ख. एक अप्रतिसंहरणीय वचनबंध कि प्राधिकरण में निहित अधिकार कंपनी अथवा उसके किसी सहयोगी या संबद्ध द्वारा किए गए या किए जाने के लिए तात्पर्यित किसी कार्य द्वारा न्यून, निराकृत या किसी भी प्रकार प्रभावित नहीं किए जाएँगे;

ग. एक अप्रतिसंहरणीय वचनबंध कि कंपनी में इक्विटी का कोई भी विनिवेश यहाँ दिए गए प्राधिकरण के अधिकारों को किसी भी प्रकार प्रभावित नहीं करेगा तथा कंपनी के उत्तराधिकारी, समनुदेशिती एवं प्रतिस्थापी ऐसे वचनबंध से आबद्ध होंगे; तथा

घ. पक्षकारों के बीच पारस्परिक रूप से सहमत कोई अन्य विषय।

5.4.2 पक्षकार अभिव्यक्त रूप से सहमत होते हैं कि शेयरधारक करार में यह भी उपबंध होगा कि जब तक प्राधिकरण गोल्डन शेयर धारण करता है, तब तक यथास्थिति कंपनी की साधारण बैठक अथवा उसके निदेशक मंडल की बैठक द्वारा ऐसा कोई संकल्प पारित करने हेतु, जो

निम्नलिखित में से सभी या किसी का अथवा उससे आनुषंगिक या पारिणामिक किसी विषय का उपबंध करता हो, प्राधिकरण अथवा प्राधिकरण द्वारा नियुक्त निदेशकों का सकारात्मक मत आवश्यक एवं अपेक्षित होगा:

क. ज्ञापन के उपबंधों में परिवर्तन या वर्धन;

ख. संगम अनुच्छेदों में परिवर्तन या वर्धन;

ग. कंपनी के नाम में परिवर्तन;

घ. कंपनी के स्वयं के शेयरों या विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों का क्रय;

ङ. स्वेट इक्विटी शेयरों का निर्गम;

च. गैर-सदस्यों को पूर्वक्रयाधिकार के बिना और शेयर निर्गत करना अथवा ऋणों या डिबेंचरों को शेयरों में परिवर्तित करना;

छ. शेयर पूँजी में कमी;

ज. कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को राज्य की सीमाओं से बाहर ले जाना;

झ. कारबार की कोई नई शाखा आरंभ करना;

ञ. रजिस्टर एवं विवरणियाँ उस नगर, कस्बे या ग्राम से भिन्न किसी अन्य स्थान पर रखना जिसमें पंजीकृत कार्यालय स्थित है;

ट. किसी निदेशक या उसके नातेदार या भागीदार या फर्म या प्राइवेट कंपनी द्वारा लाभ का पद या स्थान धारण करने की सम्मति देना, सिवाय प्रबंध निदेशक, प्रबंधक, बैंकर अथवा कंपनी के डिबेंचरधारियों के न्यासी के पद के;

ठ. अंतर-निगमीय ऋण एवं विनिवेश करना अथवा प्रत्याभूति/प्रतिभूति देना इत्यादि, यदि उसकी समुच्चय राशि कंपनी की प्रदत्त शेयर पूँजी के 10% (दस प्रतिशत) की सीमा से अधिक हो;

ड. कंपनी के समापन हेतु न्यायालय में आवेदन करना;

ढ. कंपनी का स्वैच्छिक समापन;

ण. कंपनी के समापन से संबंधित विविध अन्य विषय;

त. हवाईअड्डे के नाम में परिवर्तन; तथा

थ. कोई अन्य विषय जिसके लिए कंपनी अधिनियम, 2013 (अथवा प्रवृत्त सुसंगत अधिनियम) अथवा उसके किसी सांविधिक पुनरधिनियमन द्वारा कंपनी के शेयरधारकों के विशेष संकल्प द्वारा पारित किया जाना अपेक्षित है।

5.4.3 पक्षकार सहमत होते हैं कि शेयरधारक करार में यह उपबंध होगा कि जब तक प्राधिकरण गोल्डन शेयर धारण करता है, तब तक वह रियायतग्राही के मंडल में अ-निवर्तनशील निदेशकों के रूप में नियुक्ति हेतु अपनी पसंद के दो व्यक्तियों को नामनिर्दिष्ट करने का हकदार होगा; तथा ऐसे नामनिर्देशन पर रियायतग्राही लागू विधियों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को निदेशक नियुक्त करेगा।

5.5 डीजीसीए लाइसेंस से संबंधित दायित्व

5.5.1 रियायतग्राही डीजीसीए से लागू अनुज्ञाएँ प्राप्त करेगा तथा उन्हें वर्तमान बनाए रखेगा; और यदि ऐसी लागू अनुज्ञाएँ शर्तों के अधीन जारी की जाती हैं, तो रियायतग्राही सभी समयों पर ऐसी समस्त शर्तों का अनुपालन करेगा।

5.5.2 रियायतग्राही के अनुरोध पर, प्राधिकरण डीजीसीए से लागू अनुज्ञाएँ प्राप्त करने हेतु रियायतग्राही को आवश्यक सहायता, रियायतग्राही द्वारा डीजीसीए के समक्ष आवेदन दाखिल करने की तिथि से 60 (साठ) दिन के भीतर, प्रदान करने का प्रयास करेगा; परंतु यह कि ऐसे आवेदन की तिथि को रियायतग्राही ने इस करार के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे का निर्माण पूर्ण कर लिया हो तथा उसने (i) विमान नियम, 1937 के नियम 83 की अपेक्षाओं; (ii) विमान नियम, 1937 के नियम 133A के अनुसरण में डीजीसीए द्वारा जारी किसी विशेष निदेश या दिशानिर्देश; एवं (iii) हवाईअड्डा लाइसेंस जारी करने से संबंधित डीजीसीए की किसी अन्य अपेक्षा का अनुपालन कर लिया हो।

5.5.3 खंड 5.5.1 एवं 5.5.2 के उपबंध, इस करार की समाप्ति तक लागू अनुज्ञाओं के नवीकरण पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित (mutatis mutandis) लागू होंगे।

5.6 वस्तुओं एवं सेवाओं की खरीद से संबंधित दायित्व

5.6.1 रियायतग्राही सहमत एवं वचनबद्ध होता है कि वह हवाईअड्डे के निर्माण एवं संचालन हेतु संविदाएँ, वस्तुएँ एवं सेवाएँ निष्पक्ष, पारदर्शी एवं दक्ष रीति से तथा इस निमित्त बिना किसी अनुचित पक्षपात या भेदभाव के प्राप्त करेगा। इसके अनुसरण में, वह एक प्रापण नीति तैयार करेगा जिसमें वे सिद्धांत एवं प्रक्रियाएँ विनिर्दिष्ट होंगी जिनका वह वस्तुओं एवं सेवाओं की आपूर्ति हेतु संविदाएँ प्रदान करने में पालन करेगा; तथा वह इस नीति को साधारण जनता एवं समस्त हितबद्ध पक्षकारों की जानकारी हेतु अपनी वेबसाइट पर रखेगा। इस नीति में प्राइवेट निकायों को किसी स्थान, भवन, अधिकार या विशेषाधिकार के पट्टे, अनुज्ञापन, उप-अनुज्ञापन अथवा प्रदान या आवंटन हेतु अनुसरणीय सिद्धांत एवं प्रक्रियाएँ भी सम्मिलित होंगी।

5.6.2 वस्तुओं, कार्यों या सेवाओं के प्रापण हेतु तथा ऐसे पट्टों, अनुज्ञप्तियों, उप-अनुज्ञप्तियों या किन्हीं अन्य अधिकारों या विशेषाधिकारों के प्रदान हेतु, जहाँ प्रतिफल किसी लेखा वर्ष में रु. 25 करोड़ (रुपये पच्चीस करोड़) से अधिक हो (सामूहिक रूप से "**संविदाएँ**"), रियायतग्राही ई-निविदा के माध्यम से खुली प्रतिस्पर्धी बोली द्वारा प्रस्ताव आमंत्रित करेगा तथा खंड 5.6.1 के अधीन विनिर्दिष्ट नीति के अनुसार पुरस्कार-ग्राहियों का चयन करेगा। संदेह निवारण हेतु, पक्षकार सहमत होते हैं कि रियायतग्राही अपने विवेकानुसार आवेदकों को निष्पक्ष एवं पारदर्शी रीति से पूर्व-अर्हित एवं संक्षिप्त-सूचीबद्ध कर सकेगा, ताकि यह सुनिश्चित हो कि अंततः केवल अनुभवी एवं अर्हित आवेदक ही ऐसी रीति से चुने जाएँ जो वाणिज्यिक दृष्टि से विवेकपूर्ण हो तथा उपयोगकर्ताओं के हितों की रक्षा करती हो। पक्षकार यह भी सहमत होते हैं कि रियायतग्राही प्राधिकरण की पूर्व सम्मति के सिवाय किसी सहयुक्त फर्म के साथ संविदा में प्रवेश नहीं करेगा, तथा ऐसी सम्मति अयुक्तियुक्त रूप से नहीं रोकी जाएगी। पक्षकार यह भी सहमत होते हैं कि एतद् अधीन कोई सम्मति देने से पूर्व, प्राधिकरण उस संविदा एवं उस सहयुक्त फर्म के संबंध में, जिसके साथ संविदा निष्पादित किया जाना प्रस्तावित है, ऐसी जानकारी माँगने का हकदार होगा जो वह युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित करे; और यदि प्राधिकरण अपेक्षित जानकारी प्रदान किए जाने की तिथि से 30 (तीस) दिन के भीतर प्रस्ताव को अनुमोदित या अस्वीकार नहीं करता है, तो यह माना जाएगा कि प्राधिकरण को ऐसी संविदा पर कोई आपत्ति नहीं है।

स्पष्टीकरण: इस खंड में प्रयुक्त "सहयुक्त फर्म" (Associated Firm) पद का वही अर्थ होगा जो "सहयोगी" (Associate) पद को दिया गया है; परंतु यह कि सहयोगी के संबंध में मताधिकार वाले शेयरों के 50% (पचास प्रतिशत) के संदर्भ को सहयुक्त फर्म की दशा में मताधिकार वाले शेयरों का 10% (दस प्रतिशत) पढ़ा जाएगा।

5.7 विदेशी नागरिकों के नियोजन से संबंधित दायित्व

रियायतग्राही अभिस्वीकार, सहमत एवं वचनबद्ध होता है कि रियायतग्राही और/अथवा उसके संविदाकारों एवं उनके उप-संविदाकारों द्वारा विदेशी कार्मिकों का नियोजन अपेक्षित विनियामक अनुज्ञाओं एवं अनुमोदनों के प्रदान के अधीन होगा, जिनमें नियोजन/निवासी वीज़ा एवं कार्य अनुज्ञाएँ, यदि कोई अपेक्षित हों, सम्मिलित हैं; तथा उनके लिए आवेदन करने एवं उन्हें प्राप्त करने का दायित्व सदैव रियायतग्राही का ही होगा। इस करार में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, रियायतग्राही अथवा उसके किसी संविदाकार या उप-संविदाकार द्वारा ऐसी अनुज्ञाओं एवं अनुमोदनों का इनकार या उन्हें प्राप्त करने में असमर्थता अप्रत्याशित घटना गठित नहीं करेगी, तथा रियायतग्राही को इस करार के अधीन अपने दायित्वों एवं दायित्व-भार के निष्पादन एवं निर्वहन से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगी।

5.8 प्रशिक्षित कार्मिकों के नियोजन से संबंधित दायित्व

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि इस करार के अधीन अपने दायित्वों के निष्पादन में उसके द्वारा नियोजित कार्मिक सभी समयों पर अपने-अपने कार्यों हेतु समुचित रूप से प्रशिक्षित हों। रियायतग्राही स्थानीय कार्मिकों की भर्ती के संबंध में लागू विधियों एवं लागू अनुज्ञाओं का अनुपालन करेगा, तथा परियोजना के कार्यान्वयन, विकास एवं संचालन के दौरान यथासंभव अधिक स्थानीय कार्मिकों – अधिमानतः **परियोजना प्रभावित परिवारों** के सदस्यों – को नियोजित करने का प्रयास करेगा।

5.9 सुरक्षा मंज़ूरी से संबंधित दायित्व

इस करार में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, रियायतग्राही तथा उसके संविदाकारों एवं उप-संविदाकारों के कर्मचारियों, स्टाफ़ एवं कार्मिकों की नियुक्ति सदैव नामित भारत सरकार अभिकरण द्वारा सुरक्षा मंज़ूरी के अधीन रहेगी, तथा स्थल पर केवल वैध सुरक्षा मंज़ूरी रखने वाले व्यक्तियों को ही अनुज्ञात किया जाएगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि रियायतग्राही अथवा उसके किसी संविदाकार या उप-संविदाकार द्वारा ऐसी अनुज्ञाओं एवं अनुमोदनों का इनकार या उन्हें प्राप्त करने में असमर्थता अप्रत्याशित घटना गठित नहीं करेगी, तथा रियायतग्राही को इस करार के अधीन अपने दायित्वों एवं दायित्व-भार के निष्पादन एवं निर्वहन से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगी। यह भी सहमत है कि यहाँ दिया गया प्रतिबंध स्थल का भाग बनने वाले सिटी साइड विकास पर लागू नहीं होगा।

5.10 भेदभावरहित पहुँच से संबंधित दायित्व

रियायतग्राही हवाईअड्डे का प्रबंधन एवं संचालन सामान्य उपयोगकर्ता आधार पर करेगा तथा इस करार के उपबंधों के अनुसार समस्त एयरलाइनों, विमानों एवं अन्य व्यक्तियों को भेदभावरहित पहुँच प्रदान करेगा; और वह किसी भी उपयोगकर्ता या संभावित उपयोगकर्ता के विरुद्ध कोई अनुचित या भेदभावपूर्ण पद्धति अपनाने से विरत रहेगा।

5.11 विलोपित

5.12 चिकित्सा सहायता से संबंधित दायित्व

उपयोगकर्ताओं को आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करने हेतु, रियायतग्राही हवाईअड्डे पर एक चिकित्सा सहायता केंद्र स्थापित एवं संचालित करेगा, जो प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करने तथा आस-पास के अस्पतालों से आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्राप्त करने में सहायता हेतु सुसज्जित होगा।

5.13 हवाईअड्डे की सौंदर्यपरक गुणवत्ता से संबंधित दायित्व

रियायतग्राही हवाईअड्डे के स्वरूप एवं सौंदर्यपरक गुणवत्ता में उच्च मानक बनाए रखेगा, तथा समुचित अभिकल्पन एवं समस्त दृश्य तत्त्वों के संवेदनशील प्रबंधन दोनों के माध्यम से हवाईअड्डे का आस-पास के भू-दृश्य के चरित्र के साथ एकीकरण प्राप्त करेगा। रियायतग्राही यह सुनिश्चित करने हेतु कि हवाईअड्डे का अभिकल्पन उपर्युक्त सौंदर्यपरक मानकों को पूरा करता है, प्रतिष्ठित व्यावसायिक वास्तुविदों एवं नगर नियोजकों को नियुक्त करेगा।

5.14 ध्वनि नियंत्रण से संबंधित दायित्व

रियायतग्राही, लागू विधियों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार, हवाईअड्डे से उत्पन्न होने वाली ध्वनि तथा उपयोगकर्ताओं एवं आस-पड़ोस पर उसके प्रभाव को नियंत्रित एवं प्रशमित करने हेतु ऐसे समस्त उपाय करेगा जो आवश्यक हों।

5.15 रियायतग्राही का एकमात्र प्रयोजन

चूँकि रियायतग्राही की स्थापना इस करार के अधीन अधिकारों के प्रयोग तथा अपने दायित्वों एवं दायित्व-भार के पालन एवं निष्पादन के एकमात्र प्रयोजन हेतु की गई है, अतः रियायतग्राही, प्राधिकरण की पूर्व लिखित सम्मति के सिवाय, यहाँ परिकल्पित कारबार से भिन्न किसी भी कारबार में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से न तो संलग्न, संबद्ध या हितबद्ध होगा और न ही होगा।

5.16 हवाईअड्डे की ब्रांडिंग

हवाईअड्डे या उसके किसी भाग की ब्रांडिंग किसी भी प्रकार से रियायतग्राही या उसके शेयरधारकों के नाम या पहचान का विज्ञापन, प्रदर्शन या प्रतिबिंबन करने के लिए नहीं की जाएगी। कारबार के सामान्य अनुक्रम में जो आवश्यक हो उसके सिवाय, रियायतग्राही वचनबद्ध होता है कि वह हवाईअड्डे के नाम या पहचान का उपयोग अपनी स्वयं की पहचान, ब्रांड इक्विटी या कारबार हितों का – जिनमें उसके शेयरधारकों के हित सम्मिलित हैं – विज्ञापन या प्रदर्शन करने हेतु किसी भी प्रकार नहीं करेगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि रियायतग्राही उन स्थानों पर अपना नाम प्रदर्शित कर सकेगा जहाँ उपयोगकर्ताओं हेतु अन्य लोक सूचनाएँ प्रदर्शित की जाती हैं। यह भी सहमत है कि हवाईअड्डा ..... एयरपोर्ट के नाम से ज्ञात, प्रोत्साहित, प्रदर्शित एवं विज्ञापित किया जाएगा।

5.17 दिव्यांग एवं वयोवृद्ध व्यक्तियों हेतु सुविधाएँ

रियायतग्राही, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय अथवा उसके किसी स्थानापन्न द्वारा समय-समय पर जारी दिशानिर्देशों के अनुरूप, हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले दिव्यांग एवं वयोवृद्ध व्यक्तियों हेतु बाधारहित वातावरण उपलब्ध कराएगा।

6. प्राधिकरण के दायित्व

6.1 प्राधिकरण के दायित्व

6.1.1 प्राधिकरण अपनी स्वयं की लागत एवं व्यय पर इस करार में अधिकथित अथवा एतद् अधीन उद्भूत अपने समस्त दायित्वों का निर्वहन, अनुपालन एवं निष्पादन करेगा।

6.1.2 प्राधिकरण रियायतग्राही को सहायता प्रदान करने हेतु सहमत होता है तथा इस करार एवं लागू विधियों के उपबंधों के अधीन रहते हुए एवं उनके अनुसार निम्नलिखित का पालन, अनुपालन एवं निष्पादन करने का वचन देता है:

क. रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर, तथा रियायतग्राही द्वारा लागू विधियों के अनुपालन के अधीन, हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन एवं प्रबंधन हेतु किसी सरकारी अभिकरण से अपेक्षित लागू अनुज्ञाएँ प्राप्त करने में रियायतग्राही को, उसी की लागत एवं व्यय पर, युक्तियुक्त सहायता एवं सहयोग प्रदान करना;

ख. रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर, समस्त आवश्यक अवसंरचना सुविधाओं एवं उपयोगिताओं तक पहुँच प्राप्त करने में रियायतग्राही को युक्तियुक्त सहायता प्रदान करना, जिनमें जल एवं विद्युत सम्मिलित हैं, ऐसी दरों एवं निबंधनों पर जो रियायतग्राही के लिए उन दरों एवं निबंधनों से कम अनुकूल न हों जो सारतः तत्समान सेवाएँ प्राप्त करने वाले समान उपयोगिता ग्राहकों को साधारणतया उपलब्ध हैं;

ग. रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर, तथा रियायतग्राही द्वारा लागू विधियों के अनुपालन के अधीन, हवाईअड्डे के पर्यावरण संरक्षण एवं संरक्षा से संबंधित लागू अनुज्ञाएँ, यदि कोई हों, रियायतग्राही की लागत एवं व्यय पर प्राप्त करना, जिसमें सिटी साइड विकास सम्मिलित नहीं है;

घ. यह सुनिश्चय करना कि किसी सरकारी अभिकरण अथवा उसके माध्यम से या उसके अधीन दावा करने वाले व्यक्तियों द्वारा हवाईअड्डे पर या उसके आस-पास कोई अवरोधक न खड़ा किया जाए या न रखा जाए, सिवाय सुरक्षा अपेक्षाओं, आपात स्थिति, राष्ट्रीय सुरक्षा अथवा विधि एवं व्यवस्था के कारणों से;

ङ. यह सुनिश्चय करने हेतु सर्वोत्तम प्रयास करना कि हवाईअड्डे के संपूर्ण या किसी भाग के उपयोग पर कोई स्थानीय कर, पथकर या प्रभार उद्गृहीत या अधिरोपित न किया जाए;

च. लागू विधियों के अधीन रहते हुए एवं उनके अनुसार, रियायतग्राही को स्थल पर यातायात विनियमित करने का प्राधिकार प्रदान करना;

छ. हवाईअड्डे पर या वहाँ यातायात विनियमन, अतिचारियों को हटाने एवं सुरक्षा हेतु समुचित भारत सरकार अभिकरण से सहायता प्राप्त करने में रियायतग्राही की सहायता करना;

ज. ऐसा कोई कार्य, विलेख या बात न करना अथवा करने का लोप न करना जो किसी भी प्रकार से इस करार के किन्हीं उपबंधों का उल्लंघन हो;

झ. इस करार के उपबंधों के अनुसार तथा लागू विधियों के अनुसार परियोजना के निर्माण, संचालन एवं रखरखाव में रियायतग्राही को सहायता, सहयोग एवं सुविधा प्रदान करना;

ञ. रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर तथा खंड 5.7 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, इस करार एवं परियोजना करारों के अधीन अपने-अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु लागू वीज़ा एवं कार्य अनुज्ञाएँ प्राप्त करने में रियायतग्राही तथा रियायतग्राही या उसके संविदाकारों के किसी प्रवासी कार्मिक को युक्तियुक्त सहायता प्रदान करना;

ट. चरण I हेतु सीओडी से पूर्व हवाईअड्डे तक 4 (चार) लेन की पहुँच सड़क उपलब्ध कराना; तथा

ठ. स्थल तक जल पाइपों एवं विद्युत केबलों की स्थापना हेतु मार्गाधिकार, रियायतग्राही की लागत पर, प्राप्त करने में रियायतग्राही की सहायता करना।

6.2 नियत तिथि से पूर्व रखरखाव दायित्व

विकास अवधि के दौरान, प्राधिकरण अपनी स्वयं की लागत एवं व्यय पर स्थल का रखरखाव इस प्रकार करेगा कि उसकी दशा किसी भी समय बोली तिथि से 7 (सात) दिन पूर्व की उसकी दशा की तुलना में तात्विक रूप से हीन न हो। संदेह निवारण हेतु, प्राधिकरण विकास अवधि के दौरान स्थल का केवल नैमित्तिक रखरखाव करेगा, तथा वह विशेष मरम्मत केवल तभी करेगा जब बाढ़ या मूसलाधार वर्षा जैसी अपूर्वदृष्ट घटनाओं के कारण अत्यधिक क्षरण या क्षति हुई हो।

6.3 आरक्षित सेवाओं से संबंधित दायित्व

6.3.1 इस करार एवं लागू विधियों के उपबंधों के अधीन रहते हुए एवं उनके अनुसार, प्राधिकरण अनुच्छेद 22 के उपबंधों के अनुसार सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करेगा अथवा नामित भारत सरकार अभिकरण के माध्यम से प्रदान कराएगा; तथा सभी समयों पर यह सुनिश्चय करेगा कि वायु यातायात के नियंत्रण एवं विनियमन हेतु सशक्त नामित भारत सरकार अभिकरण,

लागू विधियों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार रनवे पर विमानों की आवाजाही समर्थ बनाए।

6.3.2 अनुच्छेद 22 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, प्राधिकरण इस करार एवं लागू विधियों के उपबंधों के अनुसार समस्त आरक्षित सेवाओं का निष्पादन करेगा या कराएगा; परंतु यह कि इस करार की कोई बात प्राधिकरण को इस बात से निर्बंधित नहीं करेगी कि वह रियायतग्राही से ऐसे निबंधनों एवं शर्तों पर, जो पक्षकारों के बीच पारस्परिक रूप से सहमत हों, कोई या सभी आरक्षित सेवाएँ करने की अपेक्षा करे।

6.3.3 प्राधिकरण सहमत एवं वचनबद्ध होता है कि रियायतग्राही को इस करार एवं लागू विधियों के अधीन अपने दायित्वों का निर्वहन करने में समर्थ बनाने हेतु, प्राधिकरण अपने स्वयं के कार्यों का निर्वहन दक्षतापूर्वक एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार करेगा।

6.4 पुनर्वित्तपोषण से संबंधित दायित्व

रियायतग्राही द्वारा इस आशय का अनुरोध किए जाने पर, प्राधिकरण, यथास्थिति भारत सरकार अथवा भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा अधिसूचित किन्हीं विनियमों या दिशानिर्देशों के अनुरूप, रियायतग्राही को देय ऋण के संपूर्ण या किसी भाग का पुनर्वित्तपोषण ऐसे निबंधनों पर, जो रियायतग्राही एवं ऐसा पुनर्वित्तपोषण प्रदान करने वाले निकाय के बीच सहमत हों, सुरक्षित करने की अनुमति देगा एवं उसे समर्थ बनाएगा; परंतु यह कि एतद् अधीन पुनर्वित्तपोषण सदैव प्राधिकरण की पूर्व सम्मति के अधीन रहेगा, तथा ऐसी सम्मति अयुक्तियुक्त रूप से नहीं रोकी जाएगी। संदेह निवारण हेतु, एतद् अधीन पुनर्वित्तपोषित ऋण की अवधि वरिष्ठ ऋणदाताओं एवं रियायतग्राही के बीच पारस्परिक रूप से निर्धारित की जा सकेगी, किंतु उसका प्रतिभुगतान रियायत अवधि की समाप्ति से 1 (एक) वर्ष पूर्व तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

7. अभ्यावेदन एवं आश्वासन

7.1 रियायतग्राही के अभ्यावेदन एवं आश्वासन

रियायतग्राही प्राधिकरण को अभ्यावेदन एवं आश्वस्त करता है कि:

क. वह भारत की विधियों के अधीन विधिवत संगठित एवं विधिमान्य रूप से विद्यमान है, तथा उसके पास इस करार के अधीन अपने दायित्वों को निष्पादित एवं पूरा करने और एतद्द्वारा परिकल्पित संव्यवहारों को करने की पूर्ण शक्ति एवं प्राधिकार है;

ख. उसने इस करार के निष्पादन एवं परिदान को प्राधिकृत करने तथा इस करार के अधीन अपने अधिकारों का विधिमान्य रूप से प्रयोग करने एवं दायित्वों का निष्पादन करने हेतु लागू विधियों के अधीन समस्त आवश्यक निगमित एवं अन्य कार्यवाहियाँ कर ली हैं;

ग. उसके पास इस करार के निबंधनों के अनुसार परियोजना को हाथ में लेने की वित्तीय स्थिति एवं क्षमता है;

घ. यह करार उसका विधिक, विधिमान्य एवं बंधनकारी दायित्व गठित करता है, जो एतद् निबंधनों के अनुसार उसके विरुद्ध प्रवर्तनीय है; तथा इस करार के अधीन उसके दायित्व एतद् निबंधनों के अनुसार उसके विरुद्ध विधिक रूप से विधिमान्य, बंधनकारी एवं प्रवर्तनीय दायित्व होंगे;

ङ. वह भारत की विधियों के अधीन है, तथा एतद्द्वारा अभिव्यक्त एवं अप्रतिसंहरणीय रूप से इस करार अथवा उससे उद्भूत विषयों के संबंध में, जिनमें एतद् अधीन कोई दायित्व, दायित्व-भार या उत्तरदायित्व सम्मिलित है, किसी भी अधिकारिता में किसी उन्मुक्ति का अधित्याग करता है;

च. चयनित बोलीदाता द्वारा बोली में दी गई तथा इस करार की तिथि को या उससे पूर्व अद्यतन की गई जानकारी इस करार की तिथि को सभी दृष्टियों से सत्य एवं यथार्थ है;

छ. उसके विरुद्ध विधि में या साम्या में किसी न्यायालय अथवा किसी अन्य न्यायिक, अर्ध-न्यायिक या अन्य प्राधिकारी के समक्ष ऐसी कोई कार्यवाही, वाद, प्रक्रिया या अन्वेषण लंबित नहीं है, अथवा उसकी जानकारी में धमकाया नहीं गया है, जिसका परिणाम इस करार के भंग में हो सकता हो, अथवा जो व्यष्टिगत रूप से या

समुच्चय में इस करार के अधीन अपने किन्हीं दायित्वों को निष्पादित करने की उसकी क्षमता की किसी तात्त्विक क्षति में परिणत हो सकता हो;

ज. उसे किसी न्यायालय या सरकारी अभिकरण के किसी आदेश, रिट, व्यादेश या डिक्री के संबंध में किसी उल्लंघन या व्यतिक्रम की जानकारी नहीं है जिसका परिणाम इस करार के अधीन अपने दायित्वों को निष्पादित करने की उसकी क्षमता पर किसी तात्त्विक प्रतिकूल प्रभाव में हो सकता हो; तथा ऐसा कोई तथ्य या परिस्थिति विद्यमान नहीं है जो ऐसी कार्यवाहियों को जन्म दे सकती हो जो इस करार के अधीन उसके दायित्वों के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डालें;

झ. उसने समस्त तात्त्विक दृष्टियों से लागू विधियों का अनुपालन किया है तथा वह ऐसे किसी जुर्माने, शास्ति, व्यादेशात्मक अनुतोष अथवा किसी अन्य सिविल या दांडिक दायित्व के अधीन नहीं रहा है जिनका समुच्चय में इस करार के अधीन अपने दायित्वों को निष्पादित करने की उसकी क्षमता पर तात्त्विक प्रतिकूल प्रभाव हो या हो सकता हो;

ञ. वह खंड 5.3 के उपबंधों के अनुसार के सिवाय किसी भी समय स्वामित्व में कोई परिवर्तन न तो करेगा और न ही अनुज्ञात करेगा; तथा यह कि चयनित बोलीदाता, अपने सहयोगियों सहित, इस करार की तिथि को तथा परियोजना के चरण I हेतु सीओडी की 7वीं वर्षगाँठ तक उसकी निर्गत एवं प्रदत्त इक्विटी का कम से कम 51% (इक्यावन प्रतिशत) धारण करेगा; तथा यह कि कोई भी ऐसा कंसोर्टियम सदस्य, जिसकी तकनीकी एवं वित्तीय क्षमता का मूल्यांकन अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध के प्रत्युत्तर में पूर्व-अर्हता एवं संक्षिप्त-सूचीकरण के प्रयोजनों हेतु किया गया था, अपने सहयोगियों सहित, परियोजना के चरण I हेतु सीओडी से 7 (सात) वर्ष की अवधि तक ऐसी इक्विटी का 26% (छब्बीस प्रतिशत) से कम धारण नहीं करेगा; तथा यह कि यथास्थिति कोई भी ऐसा ओएंडएम सदस्य या हवाईअड्डा संचालक, जिसके ओएंडएम अनुभव का मूल्यांकन अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध के प्रत्युत्तर में पूर्व-अर्हता एवं संक्षिप्त-सूचीकरण के प्रयोजनों हेतु किया गया था, हवाईअड्डे के वाणिज्यिक संचालन की तिथि से कम से कम 7 वर्ष की अवधि तक हवाईअड्डे का संचालन करने के लिए वचनबद्ध होगा, जिसमें विफल रहने पर रियायत करार समाप्त किए जाने योग्य होगा। संदेह निवारण हेतु, यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि यथास्थिति ओएंडएम सदस्य या हवाईअड्डा संचालक रियायत करार में अधिकथित निष्पादन मानकों को पूरा करने में असमर्थ है, तो रियायतग्राही प्राधिकरण के पूर्व लिखित अनुमोदन से हवाईअड्डे के संचालक को प्रतिस्थापित कर सकेगा। प्रतिस्थापी संचालक आरएफक्यू-कम-आरएफपी में परिभाषित ओएंडएम अनुभव को पूरा करता रहेगा;

ट. चयनित बोलीदाता/उसके सहयोगियों के पास इस करार के अनुसार परियोजना को हाथ में लेने एवं कार्यान्वित करने हेतु अपेक्षित इक्विटी का वित्तपोषण करने तथा आवश्यक ऋण जुटाने की वित्तीय स्थिति एवं संसाधन हैं;

ठ. चयनित बोलीदाता यथास्थिति अपने निगमन या पंजीकरण की अधिकारिता की विधियों के अधीन विधिवत संगठित एवं विधिमान्य रूप से विद्यमान है, तथा उसने प्राधिकरण से अनुरोध किया है कि वह आशय पत्र के अनुसरण में रियायतग्राही के साथ इस करार में प्रवेश करे, और उसने इस करार में अधिकथित निबंधनों एवं शर्तों से सहमति व्यक्त की है तथा उन्हें बिना शर्त स्वीकार किया है;

ड. कोई अनुसूचित एयरलाइन, कार्गो एयरलाइन अथवा उसके सहयोगी रियायतग्राही के कुल इक्विटी स्वामित्व का 26% (छब्बीस प्रतिशत) से अधिक धारण नहीं करेंगे; तथा ऐसी अनुसूचित एयरलाइन, कार्गो एयरलाइन अथवा उसके सहयोगी रियायतग्राही के निदेशक मंडल में कोई निदेशक नियुक्त नहीं कर सकेंगे;

ढ. हवाईअड्डे में उसके समस्त अधिकार एवं हित अंतरण तिथि को, अपनी ओर से या प्राधिकरण की ओर से किसी और कार्य या विलेख के बिना, समस्त धारणाधिकारों, दावों एवं बाधाओं से मुक्त होकर प्राधिकरण को अंतरित होंगे एवं उसमें निहित होंगे; तथा यह कि इस करार में अभिव्यक्त रूप से उपबंधित के सिवाय, कोई भी परियोजना परिसंपत्ति उसके द्वारा ऐसे किसी करार के अधीन अर्जित नहीं की जाएगी जिसके अधीन किसी व्यक्ति द्वारा कोई प्रतिभूति हित या अन्य धारणाधिकार या बाधाएं प्रतिधारित किया जाता हो;

ण. उसके द्वारा यहाँ अंतर्विष्ट अथवा लागू अनुज्ञाओं के संबंध में प्राधिकरण को या किसी सरकारी अभिकरण को दिए गए किसी अन्य दस्तावेज़ में अंतर्विष्ट कोई अभ्यावेदन या आश्वासन तात्त्विक तथ्य का कोई असत्य या भ्रामक कथन अंतर्विष्ट नहीं करता या नहीं करेगा, तथा ऐसे किसी तात्त्विक तथ्य के कथन का लोप नहीं करता या नहीं करेगा जो ऐसे अभ्यावेदन या आश्वासन को भ्रामक न बनाने हेतु आवश्यक हो;

त. रियायत सुरक्षित करने अथवा इस करार में प्रवेश करने हेतु, अथवा उसके संबंध में प्राधिकरण के किसी अधिकारी या कर्मचारी को प्रभावित करने या प्रभावित करने का प्रयत्न करने हेतु, उसके द्वारा या उसकी ओर से किसी व्यक्ति को फ़ीस, कमीशन या अन्यथा के रूप में नकद या वस्तु रूप में कोई राशि न तो दी गई है और न ही दी जाएगी;

थ. चयनित बोलीदाता द्वारा अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध के प्रत्युत्तर में अथवा अन्यथा दी गई समस्त जानकारी, उसकी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार, समस्त तात्त्विक दृष्टियों से सत्य एवं यथार्थ है; तथा

द. अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध से अथवा अन्यथा उद्भूत रियायतग्राही के समस्त वचनबंध एवं दायित्व रियायतग्राही पर इस प्रकार बंधनकारी होंगे मानो वे इस करार का भाग हों;

ध. इस करार का निष्पादन, परिदान एवं निष्पादन उसके ज्ञापन एवं संगम अनुच्छेदों के किन्हीं निबंधनों अथवा किन्हीं लागू विधियों अथवा किसी ऐसी प्रसंविदा, संविदा, करार, व्यवस्था, समझ, डिक्री या आदेश के, जिसका वह पक्षकार है अथवा जिससे वह या उसकी कोई संपत्ति या परिसंपत्ति आबद्ध या प्रभावित है, न तो विरोध में होगा, न उनके भंग में परिणत होगा, न उनके अधीन कोई व्यतिक्रम गठित करेगा और न ही उनके द्वारा अपेक्षित निष्पादन को त्वरित करेगा।

7.2 प्राधिकरण के अभ्यावेदन एवं आश्वासन

प्राधिकरण रियायतग्राही को अभ्यावेदन एवं आश्वस्त करता है कि:

क. उसके पास इस करार के अधीन अपने दायित्वों को निष्पादित, परिदत्त एवं पूरा करने तथा यहाँ परिकल्पित संव्यवहारों को करने की पूर्ण शक्ति एवं प्राधिकार है, और उसने इस करार को निष्पादित करने, अपने अधिकारों का प्रयोग करने तथा इस करार के अधीन अपने दायित्वों का निष्पादन करने हेतु समस्त आवश्यक कार्यवाहियाँ कर ली हैं;

ख. उसने इस करार के निष्पादन, परिदान एवं पालन को प्राधिकृत करने हेतु लागू विधियों के अधीन समस्त आवश्यक कार्यवाहियाँ कर ली हैं;

ग. उसके पास इस करार के अधीन अपने दायित्वों को निष्पादित करने की वित्तीय स्थिति एवं क्षमता है;

घ. यह करार एक विधिक, विधिमान्य एवं बंधनकारी दायित्व गठित करता है जो एतद् निबंधनों के अनुसार उसके विरुद्ध प्रवर्तनीय है;

ङ. उसे किसी न्यायालय के किसी आदेश, रिट, व्यादेश या किसी डिक्री अथवा किसी सरकारी अभिकरण के किसी विधिक रूप से बंधनकारी आदेश के संबंध में किसी उल्लंघन या व्यतिक्रम की जानकारी नहीं है जिसका परिणाम इस करार के अधीन अपने दायित्वों को निष्पादित करने की प्राधिकरण की क्षमता पर किसी तात्त्विक प्रतिकूल प्रभाव में हो सकता हो;

च. उसने समस्त तात्विक दृष्टियों से लागू विधियों का अनुपालन किया है; तथा

छ. उसका स्थल पर उत्तम एवं विधिमान्य अधिकार है, तथा उसके पास उसके संबंध में रियायतग्राही को अनुज्ञप्ति प्रदान करने की शक्ति एवं प्राधिकार है।

7.3 प्रकटीकरण

यदि किसी पक्षकार के ध्यान में ऐसी कोई घटना या परिस्थिति आती है जो उसके उपर्युक्त किसी अभ्यावेदन या आश्वासन को असत्य या अशुद्ध बनाती है, तो ऐसा पक्षकार दूसरे पक्षकार को तत्काल उसकी सूचना देगा। ऐसी सूचना का प्रभाव ऐसे किसी अभ्यावेदन या आश्वासन के भंग का उपचार करना नहीं होगा जो असत्य या अशुद्ध पाया गया है, और न ही वह इस करार के अधीन किसी पक्षकार के किसी अधिकार, उपचार या दायित्व पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगी या उसका अधित्याग करेगी।

8. अस्वीकरण

8.1 अस्वीकरण

8.1.1 रियायतग्राही अपनी ओर से तथा चयनित बोलीदाता/कंसोर्टियम सदस्यों एवं उनके सहयोगियों की ओर से अभिस्वीकार करता है कि इस करार के निष्पादन से पूर्व, चयनित बोलीदाता/कंसोर्टियम सदस्यों एवं उनके सहयोगियों तथा रियायतग्राही ने, पूर्ण एवं सावधानीपूर्वक परीक्षण के पश्चात, अर्हता सह प्रस्ताव अनुरोध, परियोजना के कार्यक्षेत्र, विनिर्देशों एवं मानकों, स्थल, विद्यमान संरचनाओं, स्थानीय दशाओं, भूमि, अवमृदा एवं भूविज्ञान के भौतिक गुणों, यातायात परिमाणों तथा प्राधिकरण द्वारा प्रदत्त या अन्यथा प्राप्त, अर्जित या एकत्रित समस्त जानकारी का स्वतंत्र मूल्यांकन किया है, और उसकी यथार्थता या अन्यथा तथा उन कठिनाइयों, जोखिमों एवं संकटों की प्रकृति एवं विस्तार का, जो एतद् अधीन अपने दायित्वों के निष्पादन के अनुक्रम में उत्पन्न होने की संभावना है या उसे झेलने पड़ सकते हैं, अपनी संतुष्टि के अनुसार अवधारण कर लिया है। प्राधिकरण अपने द्वारा यहाँ या लागू विधियों के अधीन प्रदत्त किसी निर्धारण, अनुमान, कथन या जानकारी की यथार्थता, पर्याप्तता, शुद्धता, विश्वसनीयता और/या संपूर्णता के संबंध में कोई भी अभ्यावेदन, चाहे अभिव्यक्त, विवक्षित या अन्यथा, नहीं करता है; तथा रियायतग्राही अपनी ओर से एवं चयनित बोलीदाता की ओर से पुष्टि करता है कि इस संबंध में उनका प्राधिकरण के विरुद्ध कोई भी दावा नहीं होगा।

8.1.2 रियायतग्राही अपनी ओर से तथा चयनित बोलीदाता/कंसोर्टियम सदस्यों एवं उनके सहयोगियों की ओर से उपर्युक्त खंड 8.1.1 में अधिकथित किन्हीं विषयों में या उनसे संबंधित अपर्याप्तता, भूल या त्रुटि का जोखिम अभिस्वीकार एवं एतद्द्वारा स्वीकार करता है, तथा एतद्द्वारा अभिस्वीकार एवं सहमत होता है कि प्राधिकरण उसके लिए रियायतग्राही, चयनित बोलीदाता/कंसोर्टियम सदस्यों एवं उनके सहयोगियों अथवा उनमें से किसी के माध्यम से या उसके अधीन दावा करने वाले किसी व्यक्ति के प्रति किसी भी प्रकार से दायी नहीं होगा।

8.1.3 चयनित बोलीदाता/कंसोर्टियम सदस्यों एवं उनके सहयोगियों सहित पक्षकार सहमत होते हैं कि उपर्युक्त खंड 8.1.1 में अधिकथित किन्हीं विषयों में या उनसे संबंधित कोई भूल या त्रुटि इस करार को दूषित नहीं करेगी और न ही उसे अवैध बनाएगी।

8.1.4 यदि चयनित बोलीदाता/कंसोर्टियम सदस्यों एवं उनके सहयोगियों सहित किसी पक्षकार को उपर्युक्त खंड 8.1.1 में अधिकथित किन्हीं विषयों से संबंधित किसी भूल या त्रुटि की जानकारी होती है, तो वह पक्षकार दूसरे पक्षकार को उस भूल या त्रुटि को विनिर्दिष्ट करते हुए तत्काल सूचित करेगा; परंतु यह कि इस खंड 8.1.4 के अनुसरण में कोई सूचना देने में

प्राधिकरण की ओर से विफलता खंड 8.1.1 में अंतर्विष्ट प्राधिकरण के अस्वीकरण पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालेगी, तथा इस करार के अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा ग्रहण किए गए किसी भी जोखिम को किसी भी प्रकार प्राधिकरण पर अंतरित नहीं करेगी।

8.1.5 इस करार में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, परियोजना से संबंधित समस्त जोखिम रियायतग्राही द्वारा वहन किए जाएँगे, तथा प्राधिकरण ऐसे जोखिमों या उनके परिणामों के लिए किसी भी प्रकार से दायी नहीं होगा।

भाग III
विकास एवं संचालन

9. निष्पादन प्रतिभूति

9.1 निष्पादन प्रतिभूति

9.1.1 रियायतग्राही, एतद् अधीन अपने दायित्वों के निष्पादन हेतु, प्राधिकरण को एलओए जारी होने की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिन के भीतर, किसी बैंक से रु. 100 करोड़ (एक सौ करोड़) के तुल्य राशि की अप्रतिसंहरणीय एवं बिना शर्त प्रत्याभूति, अनुसूची-एफ में अधिकथित प्ररूप में, प्रदान करेगा ("**निष्पादन प्रतिभूति**")। जब तक रियायतग्राही द्वारा एतद् अनुसरण में निष्पादन प्रतिभूति प्रदान नहीं की जाती और वह प्रभावी नहीं हो जाती, तब तक बोली प्रतिभूति बल एवं प्रभाव में बनी रहेगी; तथा एतद् अनुसरण में निष्पादन प्रतिभूति प्रदान किए जाने पर प्राधिकरण रियायतग्राही को बोली प्रतिभूति मुक्त करेगा।

9.1.2 इस करार में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, यदि रियायतग्राही द्वारा एलओए की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिन की अवधि के भीतर निष्पादन प्रतिभूति प्रदान नहीं की जाती है, तो प्राधिकरण बोली प्रतिभूति भुना सकेगा तथा उसके आगमों को क्षतिपूर्ति के रूप में विनियोजित कर सकेगा; और तदुपरांत इस करार के अधीन या उससे उद्भूत रियायतग्राही के समस्त अधिकार, विशेषाधिकार, दावे एवं हक रियायतग्राही द्वारा अधित्यक्त किए गए तथा उसकी सहमति से समाप्त हो गए माने जाएँगे, और यह करार पक्षकारों के पारस्परिक करार द्वारा समाप्त हुआ माना जाएगा।

9.2 निष्पादन प्रतिभूति का विनियोजन

रियायतग्राही व्यतिक्रम होने पर अथवा किसी पूर्ववर्ती शर्त को पूरा करने में विफलता पर, प्राधिकरण, एतद् अधीन या विधि में अपने अन्य अधिकारों एवं उपचारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे रियायतग्राही व्यतिक्रम अथवा किसी पूर्ववर्ती शर्त को पूरा करने में विफलता के लिए एवं उसके संबंध में उसे देय राशियाँ निष्पादन प्रतिभूति से भुनाने एवं विनियोजित करने का हकदार होगा। निष्पादन प्रतिभूति से ऐसे भुनाने एवं विनियोजन पर, रियायतग्राही उसके 15 (पंद्रह) दिन के भीतर, आंशिक विनियोजन की दशा में, निष्पादन प्रतिभूति को उसके मूल स्तर तक पुनःपूर्ति करेगा; तथा संपूर्ण निष्पादन प्रतिभूति के विनियोजन की दशा में, यथास्थिति एक नई निष्पादन प्रतिभूति प्रदान करेगा; जिसमें विफल रहने पर प्राधिकरण अनुच्छेद 42 के अनुसार इस करार को समाप्त करने का हकदार होगा। यथास्थिति ऐसी पुनःपूर्ति या नई निष्पादन प्रतिभूति प्रस्तुत किए जाने पर, रियायतग्राही रियायतग्राही व्यतिक्रम के उपचार अथवा किसी पूर्ववर्ती शर्त की संतुष्टि हेतु 120 (एक सौ बीस) दिन की अतिरिक्त उपचार अवधि का हकदार होगा; और यदि रियायतग्राही ऐसी उपचार अवधि के भीतर अपने

व्यतिक्रम का उपचार नहीं करता या ऐसी पूर्ववर्ती शर्त को पूरा नहीं करता, तो प्राधिकरण ऐसी निष्पादन प्रतिभूति को क्षतिपूर्ति के रूप में भुनाने एवं विनियोजित करने तथा अनुच्छेद 42 के अनुसार इस करार को समाप्त करने का हकदार होगा।

9.3 निष्पादन प्रतिभूति की मुक्ति

निष्पादन प्रतिभूति परियोजना के चरण-I के सीओडी से 2 (दो) वर्ष की समाप्ति तक बल एवं प्रभाव में बनी रहेगी; परंतु यह कि यदि रियायतग्राही इस करार के भंग में है, तो निष्पादन प्रतिभूति मुक्त नहीं की जाएगी। रियायतग्राही द्वारा निष्पादन प्रतिभूति की मुक्ति हेतु उन विशिष्टियों सहित अनुरोध किए जाने पर, जो इस खंड 9.3 के अधीन विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं की संतुष्टि स्थापित करती हों, प्राधिकरण निष्पादन प्रतिभूति तत्काल मुक्त करेगा।

9.4 मानी गई निष्पादन प्रतिभूति

पक्षकार अभिव्यक्त रूप से सहमत होते हैं कि खंड 9.3 के उपबंध के अनुसार निष्पादन प्रतिभूति की मुक्ति पर, तत्सदृश राशि की एक स्थानापन्न निष्पादन प्रतिभूति विद्यमान मानी जाएगी...

...इस खंड 9.4 के अधीन सृजित, मानो वह संपूर्ण रियायत अवधि के लिए एवं उसके संबंध में खंड 9.1 के अधीन एक निष्पादन प्रतिभूति हो ("**मानी गई निष्पादन प्रतिभूति**")। मानी गई निष्पादन प्रतिभूति बिना शर्त एवं अप्रतिसंहरणीय होगी, तथा खंड 36.3 में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, एस्क्रो खाते में तत्तुल्य शेष राशि पर तथा रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय एवं संदेय समस्त राशियों पर प्रथम एवं अनन्य भार गठित करेगी; और प्राधिकरण खंड 9.5 के उपबंधों के अनुसार एस्क्रो खाते से आहरण द्वारा अथवा रियायतग्राही द्वारा उसे देय एवं संदेय राशियों में से कटौती करके मानी गई निष्पादन प्रतिभूति को प्रवर्तित कराने का हकदार होगा। संदेह निवारण हेतु, पक्षकार सहमत होते हैं कि ऐसी किसी संभावित क्षतिपूर्ति के भुगतान को सुरक्षित करने हेतु, जो किसी पश्चातवर्ती तिथि को देय हो सकती हो, एस्क्रो खाते में कोई राशि न तो नियत की जाएगी, न जमा की जाएगी और न ही रोकी जाएगी; तथा केवल वही राशियाँ एतद् अधीन विनियोजन योग्य होंगी जो रियायतग्राही व्यतिक्रम होने पर रियायतग्राही द्वारा देय एवं संदेय हो चुकी हों।

9.5 मानी गई निष्पादन प्रतिभूति का विनियोजन

रियायतग्राही व्यतिक्रम होने पर, प्राधिकरण, एतद् अधीन या विधि में अपने अन्य अधिकारों एवं उपचारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, मानी गई निष्पादन प्रतिभूति से सुसंगत राशियों को रियायतग्राही व्यतिक्रम हेतु क्षतिपूर्ति के रूप में विनियोजित करने का हकदार होगा। संदेह

निवारण हेतु, पक्षकार अभिव्यक्त रूप से सहमत होते हैं कि मानी गई निष्पादन प्रतिभूति के पूर्णतः या अंशतः विनियोजित किए जाने पर, वह ऐसे विनियोजन की सीमा तक पुनःपूरित मानी जाएगी।

9.6 निष्पादन प्रतिभूति के संदर्भ

इस करार में निष्पादन प्रतिभूति के वे संदर्भ, जो रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को निष्पादन प्रतिभूति के परिदान से पूर्व की किसी अवधि के लिए एवं उसके संबंध में आते हैं, अथवा यथास्थिति उसकी समाप्ति या मुक्ति के पश्चात की किसी अवधि के संबंध में आते हैं, उनका अर्थ केवल रियायतग्राही द्वारा संदेय क्षतिपूर्ति की राशि के परिकलन के प्रयोजनों हेतु लगाया जाएगा; तथा इस प्रकार निर्धारित राशि, यथास्थिति, बोली प्रतिभूति अथवा मानी गई निष्पादन प्रतिभूति से विनियोजित की जाएगी।

10. मार्गाधिकार

10.1 स्थल

हवाईअड्डे का स्थल उस स्थावर संपदा से मिलकर बनेगा जो अनुसूची-ए में वर्णित है और जिसके संबंध में प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को इस करार के अधीन एवं उसके अनुसार अनुज्ञप्ति के रूप में मार्गाधिकार प्रदान एवं प्रदत्त किया जाएगा ("**स्थल**")। संदेह निवारण हेतु, एतद्द्वारा अभिस्वीकार एवं सहमत किया जाता है कि स्थल के संदर्भों का अर्थ अनुसूची-ए में अधिकथित हवाईअड्डे हेतु अपेक्षित स्थावर संपदा के संदर्भ के रूप में लगाया जाएगा, तथा उसमें सिटी साइड विकास सम्मिलित होगा।

10.2 अनुज्ञप्ति, पहुँच एवं मार्गाधिकार

10.2.1 प्राधिकरण एतद्द्वारा रियायतग्राही को, सुरक्षा प्रतिबंधों एवं इस करार के अन्य निबंधनों के अधीन रहते हुए, विकास अवधि के दौरान ऐसे सर्वेक्षण, अन्वेषण एवं मृदा परीक्षण करने हेतु स्थल तक पहुँच प्रदान करता है जो रियायतग्राही आवश्यक समझे; तथा यह अभिव्यक्त रूप से सहमत एवं समझा जाता है कि समाप्ति की दशा में या अन्यथा, एतद् अनुसरण में स्थल पर या उसके आस-पास रियायतग्राही द्वारा किए गए सर्वेक्षण, अन्वेषण एवं परीक्षण अथवा किए गए कार्य के संबंध में प्राधिकरण का कोई भी दायित्व नहीं होगा।

10.2.2 रियायत शुल्क, इस करार तथा रियायतग्राही की ओर से यहाँ अंतर्विष्ट प्रसंविदाओं एवं आश्वासनों के प्रतिफल में, प्राधिकरण, यहाँ अधिकथित निबंधनों एवं शर्तों के अनुसार, एतद्द्वारा रियायतग्राही को नियत तिथि से आरंभ होकर उस समस्त भूमि (तथा उस पर स्थित किन्हीं भवनों, निर्माणों या स्थावर परिसंपत्तियों, यदि कोई हों, सहित) के संबंध में, जो स्थल से मिलकर बनती है और जो अनुसूची-ए में स्थल के रूप में वर्णित, सीमांकित एवं दर्शाई गई है, "जैसी है जहाँ है" आधार पर, समस्त बाधाओं से मुक्त, उक्त स्थल के विकास, संचालन एवं रखरखाव हेतु अनुमति एवं अनुज्ञप्ति अधिकार प्रदान करता है – साथ ही उक्त स्थल, पैतृक संपत्ति या परिसर अथवा उसके किसी भाग से संबंधित या किसी भी प्रकार से उससे अनुलग्न या उसके साथ उपभोग किए जाने वाले समस्त एवं प्रत्येक अधिकार, स्वतंत्रताएँ, विशेषाधिकार, सुखाचार एवं अनुलग्नक सहित – जो रियायत अवधि की कालावधि हेतु तथा इस करार के अधीन अनुज्ञात प्रयोजनों हेतु होंगे, और किसी अन्य प्रयोजन हेतु नहीं।

10.2.3 इस करार द्वारा रियायतग्राही को प्रदत्त अनुज्ञप्ति, पहुँच एवं मार्गाधिकार सदैव विद्यमान मार्गाधिकारों के अधीन रहेंगे; तथा रियायतग्राही अपने दायित्वों का निष्पादन इस

प्रकार करेगा कि हवाईअड्डा रियायत अवधि के दौरान सभी समयों पर उपयोगकर्ताओं हेतु खुला रहे, सिवाय उन घंटों के जिनके लिए प्राधिकरण द्वारा उसकी बंदी अनुज्ञात की गई हो।

10.2.4 यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि एतद् अधीन प्रदत्त अनुज्ञप्ति, किसी भी कारणवश इस करार की समाप्ति पर, स्वतः एवं तत्काल समाप्त हो जाएगी, और इसके लिए प्राधिकरण द्वारा अनुज्ञप्ति समाप्त करने हेतु कोई कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं होगी। संदेह निवारण हेतु, पक्षकार अभिव्यक्त रूप से सहमत होते हैं कि रियायतग्राही या उसके उप-अनुज्ञप्तिधारियों द्वारा स्थल पर खड़ी की गई किन्हीं अस्थायी या स्थायी संरचनाओं के होते हुए भी, इस करार की समाप्ति पर स्थल के संबंध में अनुज्ञप्ति पक्षकारों के किसी और कार्य के बिना स्वतः समाप्त हो जाएगी।

10.2.5 रियायतग्राही एतद्द्वारा अप्रतिसंहरणीय रूप से प्राधिकरण को (चाहे प्रत्यक्ष रूप से या किसी नामनिर्दिष्ट व्यक्ति के माध्यम से कार्य करते हुए) अपना सत्य एवं विधिपूर्ण अटॉर्नी नियुक्त करता है, ताकि रियायत अवधि की समाप्ति के पश्चात अथवा एतद् निबंधनों में उसके पूर्वतर समाप्त हो जाने के पश्चात किसी भी समय, वह रियायतग्राही के नाम से एतद् अधीन प्रदत्त अनुज्ञप्ति का अंतरण या अभ्यर्पण निष्पादित एवं हस्ताक्षरित कर सके; जिसका पर्याप्त प्रमाण प्राधिकरण के किसी विधिवत प्राधिकृत अधिकारी की घोषणा होगी; तथा रियायतग्राही इस प्रयोजन हेतु उसके पंजीकरण के लिए सहमति देता है।

10.2.6 यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि स्थल पर स्थित वृक्ष प्राधिकरण की संपत्ति हैं, सिवाय इसके कि रियायतग्राही रियायत अवधि के दौरान उन पर उपभोगाधिकार का प्रयोग करने का हकदार होगा।

10.3 स्थल की प्राप्ति

10.3.1 खंड 4.1.2 में विनिर्दिष्ट सूचना के अनुसरण में, प्राधिकरण प्रतिनिधि एवं रियायतग्राही, पारस्परिक रूप से सहमत तिथि एवं समय पर, स्थल का निरीक्षण करेंगे तथा एक ज्ञापन तैयार करेंगे जिसमें स्थल की सूची अंतर्विष्ट होगी, जिसमें रिक्त एवं भार-मुक्त भूमि, भवन, संरचनाएँ, सड़क कार्य, वृक्ष तथा स्थल पर स्थित या उससे संलग्न कोई अन्य स्थावर संपत्ति सम्मिलित होगी। ऐसे ज्ञापन के साथ एक परिशिष्ट ("**परिशिष्ट**") संलग्न होगा जिसमें युक्तियुक्त विस्तार से स्थल के वे भाग विनिर्दिष्ट होंगे जिन पर रियायतग्राही को रिक्त पहुँच एवं मार्गाधिकार प्रदान नहीं किया गया है। पक्षकारों के प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा 2 (दो) प्रतियों में (जिनमें से प्रत्येक मूल गठित करेगी) ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना, खंड 10.2.2 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही को रियायत अवधि के दौरान इस करार के उपबंधों के अधीन एवं उनके अनुसार रिक्त एवं भार-मुक्त स्थल के नि:शुल्क एवं अनिर्बंधित उपयोग एवं विकास हेतु एक विधिमान्य अनुज्ञप्ति एवं मार्गाधिकार गठित करने वाला माना जाएगा,

और किसी अन्य प्रयोजन हेतु नहीं। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि परिशिष्ट में अधिकथित स्थल के भागों के संबंध में विधिमान्य अनुज्ञप्ति एवं मार्गाधिकार रियायतग्राही को तब प्रदत्त माना जाएगा जब प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को उन पर रिक्त पहुँच प्रदान कर दी जाए।

10.3.2 खंड 10.3.1 के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, पक्षकार सहमत होते हैं कि नियत तिथि को या उससे पूर्व, प्राधिकरण इस प्रकार रिक्त पहुँच एवं मार्गाधिकार प्रदान कर चुका होगा कि परिशिष्ट में हवाईअड्डे हेतु अपेक्षित एवं आवश्यक स्थल के कुल क्षेत्रफल के 10% (दस प्रतिशत) से अधिक सम्मिलित न हो; तथा यदि वित्तीय समापन केवल ऐसी रिक्त पहुँच एवं मार्गाधिकार प्रदान करने में विलंब के कारण विलंबित होता है, तो वित्तीय समापन की प्राप्ति की अवधि प्राधिकरण द्वारा खंड 4.1.2 के उपबंधों के अनुसार विस्तारित की जाएगी। संदेह निवारण हेतु, प्राधिकरण अभिस्वीकार एवं सहमत करता है कि परिशिष्ट में ऐसी कोई भूमि सम्मिलित नहीं होगी जो वैमानिक परिसंपत्तियों एवं टर्मिनल भवन के निर्माण को रोक या विलंबित कर सकती हो, जिनके बिना पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र प्रदान नहीं किया जा सकता। पक्षकार यह भी अभिस्वीकार एवं सहमत करते हैं कि इस खंड 10.3.2 में विनिर्दिष्ट शर्तें किसी भी पक्षकार द्वारा न तो रूपांतरित की जाएँगी और न ही अधित्यक्त की जाएँगी।

10.3.3 खंड 10.3.1 में निर्दिष्ट ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने की तिथि से एवं उसके पश्चात, तथा अंतरण तिथि तक, रियायतग्राही स्थल के उस भाग पर, जो उसे सौंपा गया है, चौबीसों घंटे चौकसी रखेगा तथा यह सुनिश्चित एवं सुनिश्चय करेगा कि उस पर कोई अतिक्रमण न हो; और उसके किसी भाग पर किसी अतिक्रमण या अधिभोग की दशा में, रियायतग्राही ऐसे अतिक्रमण या अधिभोग की तत्काल प्राधिकरण को सूचना देगा तथा अपनी लागत एवं व्यय पर उसे हटाने का दायित्व लेगा।

10.3.4 प्राधिकरण परिशिष्ट में सम्मिलित समस्त भूमि के संबंध में रियायतग्राही को मार्गाधिकार, नियत तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिन के भीतर, प्राप्त एवं प्रदान करने हेतु सर्वोत्तम प्रयास करेगा; और यदि अप्रत्याशित घटना अथवा रियायतग्राही द्वारा इस करार के भंग से भिन्न किसी कारण से विलंब होता है, तथा ऐसा कोई विलंब निर्माण कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, तो प्राधिकरण, रियायतग्राही के लिखित अनुरोध पर, रियायत अवधि में युक्तियुक्त विस्तार प्रदान करने पर विचार करेगा। परंतु यह कि ऐसी किसी दशा में, रियायत अवधि का विस्तार विलंबित अवधि से अधिक लंबा नहीं होगा। परंतु यह भी कि मार्गाधिकार प्रदान करने में ऐसे किसी विलंब के घटित होने का प्राधिकरण के उन अधिकारों, हितों, हकों, लाभों इत्यादि पर कोई भी प्रभाव नहीं पड़ेगा जो उसे इस करार के अधीन एवं उसके अनुसार प्राप्त हों।

10.3.5 परिशिष्ट में सम्मिलित किसी भूमि के संबंध में मार्गाधिकार प्राप्त होने पर, रियायतग्राही उस पर निर्माण कार्य ऐसी युक्तियुक्त अवधि के भीतर पूर्ण करेगा जो स्वतंत्र अभियंता द्वारा उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार निर्धारित की जाए; परंतु यह कि अनंतिम प्रमाणपत्र का निर्गम इस कारण से न तो प्रभावित होगा और न ही विलंबित होगा कि स्थल के किसी भाग पर रियायतग्राही को रिक्त पहुँच प्रदान नहीं की गई, अथवा ऐसी पहुँच में विलंब या उसके इनकार के कारण स्थल के ऐसे भाग पर कोई निर्माण परीक्षणों की तिथि को अपूर्ण रह गया। संदेह निवारण हेतु, यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि उन समस्त भूमियों पर निर्माण कार्य, जिनके लिए नियत तिथि के 180 (एक सौ अस्सी) दिन के भीतर मार्गाधिकार प्रदान किया जाता है, अनुसूचित पूर्णता तिथि को या उससे पूर्व पूर्ण किए जाएँगे। यह भी अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि स्वतंत्र अभियंता द्वारा एतद् अधीन निर्धारित समय के भीतर तत्संबंधी निर्माण कार्यों की पूर्णता, खंड 12.4.2 के उपबंधों के अधीन एवं उनके अनुसार क्षतिपूर्ति के उद्ग्रहण एवं वसूली के प्रयोजनों हेतु परियोजना मील-पत्थर मानी जाएगी।

10.3.6 प्राधिकरण ऐसी कोई अतिरिक्त भूमि, जो वैमानिक परिसंपत्तियों, गैर-वैमानिक परिसंपत्तियों या सिटी साइड विकास हेतु अथवा अनुच्छेद 16 के अधीन जारी कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश में विनिर्दिष्ट कार्यों के निर्माण हेतु अपेक्षित हो, इस करार के उपबंध के अनुसार प्राप्त करेगा; और उसकी प्राप्ति पर, ऐसी भूमि स्थल का भाग बन जाएगी। परंतु यह कि एतद् अधीन प्राधिकरण द्वारा अर्जित की जाने वाली भूमि इस खंड 10.3 में निर्दिष्ट परिशिष्ट में सम्मिलित मानी जाएगी तथा तदनुसार उसके साथ व्यवहार किया जाएगा; सिवाय इसके कि उसकी प्राप्ति में विलंब हेतु क्षतिपूर्ति खंड 10.3.4 में विनिर्दिष्ट 180 (एक सौ अस्सी) दिन के स्थान पर नियत तिथि से 270 (दो सौ सत्तर) दिन की अवधि के पश्चात आरंभ होगी। संदेह निवारण हेतु, पक्षकार सहमत होते हैं कि अनुसूची-ए में सम्मिलित भूमि के अतिरिक्त, सिटी साइड विकास हेतु अपेक्षित कोई भी भूमि प्राधिकरण के एकमात्र विवेकानुसार ही अर्जित की जाएगी; और यदि प्राधिकरण ऐसे किसी अर्जन से पूर्णतः या अंशतः इनकार करता है, तो रियायतग्राही को कोई अधिकार या दावा नहीं होगा।

10.4 स्थल का बाधाओं से मुक्त होना

खंड 10.3 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, स्थल प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को एतद् अनुसरण में समस्त बाधाओं एवं अधिभोगों से मुक्त उपलब्ध कराया जाएगा, तथा रियायतग्राही से रियायत अवधि की कालावधि हेतु ऐसे स्थल के अर्जन एवं उपयोग हेतु किसी लागत, प्रतिकर, व्यय एवं प्रभार के कारण प्राधिकरण को कोई भुगतान करना अपेक्षित नहीं होगा, सिवाय उस सीमा तक जहाँ इस करार में अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित हो। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि स्थल के विद्यमान मार्गाधिकार, सुखाचार, विशेषाधिकार, स्वतंत्रताएँ एवं स्वामित्व अधिकार बाधाएं नहीं माने जाएँगे। यह भी सहमत है कि रियायतग्राही

स्थल की अपर्याप्तता या भौतिक दशा से उद्भूत समस्त एवं प्रत्येक जोखिम स्वीकार करता है तथा उन्हें वहन करने का वचन देता है।

10.5 स्थल की बाधाओं से सुरक्षा

रियायत अवधि के दौरान, रियायतग्राही स्थल की समस्त एवं प्रत्येक अधिभोग, अतिक्रमण या बाधाएं से रक्षा करेगा; तथा इस करार में अभिव्यक्त रूप से अन्यथा अधिकथित के सिवाय, वह स्थल या परियोजना परिसंपत्तियों के संपूर्ण या किसी भाग पर, अथवा उनमें या इस करार के अधीन रियायतग्राही के किन्हीं अधिकारों पर, न तो स्वयं कोई बाधाएं या प्रतिभूति हित रखेगा या सृजित करेगा, और न ही किसी संविदाकार या रियायतग्राही के माध्यम से या उसके अधीन दावा करने वाले किसी अन्य व्यक्ति को ऐसा करने की अनुमति देगा।

10.6 विशेष/अस्थायी मार्गाधिकार

रियायतग्राही स्थल तक पहुँच के संबंध में अपने द्वारा अपेक्षित किसी विशेष या अस्थायी मार्गाधिकार हेतु समस्त लागत एवं प्रभार वहन करेगा। रियायतग्राही अपनी लागत पर स्थल पर या स्थल के बाहर ऐसी सुविधाएँ प्राप्त करेगा जो हवाईअड्डे के प्रयोजनों हेतु तथा इस करार के अधीन अपने दायित्वों के निष्पादन हेतु उसके द्वारा अपेक्षित हों।

10.7 प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता की पहुँच

एतद् अधीन रियायतग्राही को प्रदत्त अनुज्ञप्ति, मार्गाधिकार एवं स्थल पर अधिकार सदैव प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता तथा उनके कर्मचारियों एवं अभिकर्ताओं के उस पहुँच अधिकार के अधीन रहेंगे जो निरीक्षण, अवलोकन तथा करार के अधीन अपने अधिकारों के प्रयोग एवं दायित्वों के निष्पादन हेतु हो।

10.8 भूवैज्ञानिक एवं पुरातात्विक प्राप्तियाँ

यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि खनन, भूवैज्ञानिक या पुरातात्विक अधिकार इस करार के अधीन रियायतग्राही को प्रदत्त अनुज्ञप्ति का भाग नहीं हैं; तथा रियायतग्राही एतद्द्वारा अभिस्वीकार करता है कि उसे अंतर्निहित खनिजों, जीवाश्मों, पुरावशेषों, संरचनाओं अथवा विशेष भूवैज्ञानिक या पुरातात्विक महत्त्व के अन्य अवशेषों या वस्तुओं में कोई खनन अधिकार या हित नहीं होगा, और ऐसे अधिकार, हित एवं संपत्ति, जो स्थल पर या उसके नीचे हों, प्राधिकरण अथवा संबंधित सरकारी अभिकरण में निहित होंगे एवं उसी के होंगे। रियायतग्राही अपने कर्मकारों या किसी अन्य व्यक्ति को ऐसे हित या संपत्ति को हटाने या क्षति पहुँचाने से रोकने हेतु समस्त युक्तियुक्त पूर्वावधानियाँ बरतेगा, तथा ऐसी खोज की तत्काल प्राधिकरण को सूचना देगा और ऐसी संपत्ति को हटाने के संबंध में प्राधिकरण अथवा संबंधित सरकारी अभिकरण

द्वारा युक्तियुक्त रूप से दिए गए अनुदेशों का अनुपालन करेगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि एतद् अधीन रियायतग्राही द्वारा उपगत कोई युक्तियुक्त व्यय प्राधिकरण द्वारा प्रतिपूरित किया जाएगा। यह भी सहमत है कि प्राधिकरण यह सुनिश्चय करेगा कि एतद् अधीन अनुदेश संबंधित सरकारी अभिकरण द्वारा युक्तियुक्त अवधि के भीतर जारी किए जाएँ, ताकि रियायतग्राही ऐसे रूपांतरणों सहित, जो आवश्यक समझे जाएँ, अपने निर्माण कार्य जारी रख सके।

11. उपयोगिताएँ, संबद्ध सड़कें एवं वृक्ष

11.1 विद्यमान उपयोगिताएँ एवं सड़कें

यहाँ इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि स्थल पर, उसके नीचे या उसके ऊपर स्थित उपयोगिताओं के स्वामी संबंधित निकाय उसके द्वारा इस प्रकार समर्थ बनाए जाएँ कि वे ऐसी उपयोगिताओं को निरंतर संतोषजनक उपयोग में रख सकें, यदि आवश्यक हो तो उस उपयोगिता के नियंत्रक निकाय के प्राधिकार से उपयुक्त अस्थायी या स्थायी विपथन उपलब्ध कराकर; तथा प्राधिकरण, रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर, ऐसे विपथन हेतु आवश्यक किसी मार्गाधिकार के अर्जन की कार्यवाहियाँ आरंभ एवं संचालित करेगा।

11.2 बाधक उपयोगिताओं का स्थानांतरण

11.2.1 रियायतग्राही, लागू विधियों के अधीन रहते हुए एवं प्राधिकरण की सहायता से, विद्युत लाइनों, जल पाइपों एवं टेलीफ़ोन केबलों सहित किसी भी उपयोगिता का स्थानांतरण स्थल के भीतर या बाहर किसी उपयुक्त स्थान या संरेखण पर तभी और केवल तभी करेगा जब ऐसी उपयोगिता हवाईअड्डे के विकास, संचालन या रखरखाव पर तात्त्विक प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करती हो या करेगी। ऐसे स्थानांतरण की लागत प्राधिकरण द्वारा खंड 11.2.2 में विनिर्दिष्ट भुगतान निबंधनों के अनुसार वहन की जाएगी, अथवा यदि प्राधिकरण ऐसा निदेश दे, तो ऐसी उपयोगिता के स्वामी निकाय द्वारा वहन की जाएगी; और उसके स्थानांतरण में किसी विलंब की दशा में, रियायतग्राही को एतद् अधीन अपने किन्हीं दायित्वों के निष्पादन में विफलता हेतु क्षमा प्राप्त होगी, यदि ऐसी विफलता यथास्थिति ऐसी विद्युत लाइनों, जल पाइपों या टेलीफ़ोन केबलों के स्वामी निकाय की ओर से विलंब का प्रत्यक्ष परिणाम हो।

11.2.2 रियायतग्राही, खंड 11.2.1 के अनुसार कार्य आरंभ होने के पश्चात, यथास्थिति प्रगतिरत कार्यों या पूर्ण किए गए कार्यों के संबंध में भुगतान हेतु प्राधिकरण को बिल प्रस्तुत करेगा, जो ऐसी प्रलेखन द्वारा समर्थित होंगे जो प्राधिकरण के लिए उनकी यथार्थता निर्धारित करने हेतु युक्तियुक्त रूप से पर्याप्त हो। ऐसे बिलों की प्राप्ति के 90 (नब्बे) दिन के भीतर, प्राधिकरण रियायतग्राही को ऐसी राशियाँ संवितरित करेगा जो स्वतंत्र अभियंता द्वारा युक्तियुक्त रूप में प्रमाणित की गई हों; और किसी विवाद की दशा में, उसमें अंतिम समायोजन विवाद समाधान प्रक्रिया के अधीन एवं उसके अनुसार किए जाएँगे।

11.3 नई उपयोगिताएँ एवं परिवहन प्रणालियाँ

11.3.1 रियायतग्राही, प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, टेलीफ़ोन लाइनों, जल पाइपों, विद्युत केबलों या अन्य लोक उपयोगिताओं को बिछाने हेतु स्थल तक पहुँच एवं उसके उपयोग की अनुमति देगा; परंतु यह कि ऐसी टेलीफ़ोन लाइनों, जल पाइपों, विद्युत केबलों या अन्य लोक उपयोगिताओं का बिछाया जाना हवाईअड्डे के संचालन पर किसी भी प्रकार प्रतिकूल प्रभाव न डाले। जहाँ ऐसी पहुँच या उपयोग रियायतग्राही को कोई वित्तीय हानि पहुँचाता हो, वहाँ वह स्थल के उपयोगकर्ता से लागू विधियों के अनुसार प्रतिकर या क्षतिपूर्ति के भुगतान की अपेक्षा कर सकेगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि इस खंड 11.3 के अधीन स्थल का उपयोग रियायतग्राही को इस करार के अनुसार हवाईअड्डे के रखरखाव के अपने दायित्व से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगा, तथा ऐसे उपयोग से हुई कोई क्षति तत्काल पुनर्स्थापित की जाएगी।

11.3.2 प्राधिकरण, सूचना द्वारा, रियायतग्राही से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह किसी संलग्न परिवहन प्रणाली को हवाईअड्डे से जोड़े, जिसमें मास रैपिड ट्रांज़िट प्रणाली, पहुँच सड़कें, ऊपरी/निचले पुल, ओवरपास या अंडरपास सम्मिलित हैं। एतद् अधीन सूचना प्राप्त होने पर, उसका वह संयोजक भाग जो स्थल के भीतर पड़ता है, रियायतग्राही द्वारा अनुच्छेद 16 के अनुसार निर्मित किया जाएगा, तथा उसका रखरखाव रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण की लागत पर खंड 17.1.3 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। परंतु यह और कि यदि ऐसी लागत एईआरए द्वारा प्रशुल्क के निर्धारण के प्रयोजन हेतु अनुमोदित की जाती है, तो वह प्राधिकरण द्वारा संदेय नहीं होगी। यदि प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को भुगतान या आंशिक भुगतान पहले ही किया जा चुका है, तो वह रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को खंड 16.1.5 के अनुसार प्रतिदेय होगा। संदेह निवारण हेतु, इस खंड 11.3.2 के उपबंध ऐसे रेल संपर्क पर लागू नहीं होंगे जो ऐसे निबंधनों पर निर्मित किया जा सकता है जो पक्षकार पारस्परिक रूप से निर्धारित करें। परंतु यह और कि इस खंड के उपबंध उन उपयोगिताओं एवं परिवहन प्रणालियों पर लागू नहीं होंगे जो परियोजना के कार्यक्षेत्र में विनिर्दिष्ट की गई हैं, अथवा जो रियायतग्राही के दायित्वों को पूरा करने हेतु आवश्यक हैं।

11.4 वृक्षों को काटा जाना

प्राधिकरण, इस प्रयोजन हेतु प्राधिकरण द्वारा चिह्नित किए जाने वाले वृक्षों को काटे जाने हेतु लागू अनुज्ञाएँ प्राप्त करने में रियायतग्राही की सहायता करेगा, तभी और केवल तभी जब ऐसे वृक्ष हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन या रखरखाव पर तात्त्विक प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करते हों। रियायतग्राही के नियंत्रण से परे कारणों से वृक्षों के काटे जाने में किसी विलंब की दशा में, उसे एतद् अधीन अपने किन्हीं दायित्वों के निष्पादन में विफलता हेतु क्षमा प्राप्त होगी, यदि ऐसी विफलता वृक्षों के काटे जाने में विलंब का प्रत्यक्ष परिणाम हो। संदेह निवारण

हेतु, वृक्षों के काटे जाने के संबंध में लागत एवं व्यय रियायतग्राही द्वारा वहन किए जाएँगे, तथा उससे प्राप्त कोई राजस्व प्राधिकरण को संदत्त किया जाएगा।

12. हवाईअड्डे का निर्माण

12.1 निर्माण प्रारंभ से पूर्व के दायित्व

12.1.1 निर्माण कार्य आरंभ करने से पूर्व, रियायतग्राही:

क. प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता को अपना विस्तृत अभिकल्पन, निर्माण पद्धति, गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाएँ, तथा अनुसूची-जी में अधिकथित परियोजना पूर्णता अनुसूची के अनुसार परियोजना की पूर्णता हेतु प्रापण, अभियांत्रिकी एवं निर्माण समयसारणी प्रस्तुत करेगा-;

ख. इस करार के अधीन या उससे उद्भूत या उससे संबंधित समस्त विषयों के संबंध में प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता के साथ व्यवहार करने हेतु अपना विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि नियुक्त करेगा;

ग. इस करार, लागू विधियों एवं लागू अनुज्ञाओं के अधीन एवं उनके अनुसार निर्माण आरंभ होने से पूर्व आवश्यक या अपेक्षित ऐसे समस्त कार्य, विलेख एवं बातें करेगा एवं निष्पादित करेगा; तथा

घ. लागू विधियों एवं लागू अनुज्ञाओं के अधीन एवं उनके अनुसार हवाईअड्डे हेतु आवश्यक सामग्रियों के उत्खनन एवं प्रापण हेतु अपनी स्वयं की व्यवस्था करेगा।

12.1.2 रियायतग्राही, टर्मिनल भवन का निर्माण आरंभ करने से पूर्व, प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता को वास्तुशिल्पीय मानदंड, नियंत्रण, भवन प्रोफ़ाइल, अग्रभाग, विमाएँ, अभिकल्पन एवं भवन सामग्री ("**वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन**" (Architectural Design)) प्रस्तुत करेगा, जो अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के किसी वास्तुविद से प्राप्त किया जाएगा।

12.1.3 वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन की प्राप्ति के 30 (तीस) दिन के भीतर, प्राधिकरण और/अथवा स्वतंत्र अभियंता उसकी समीक्षा करेगा तथा रियायतग्राही को अपने प्रेक्षण संप्रेषित करेगा, विशेष रूप से परियोजना के कार्यक्षेत्र एवं विनिर्देशों एवं मानकों के साथ उसकी अनुरूपता या अन्यथा, अथवा उसकी सौंदर्यपरक गुणवत्ता एवं पर्यावरण के साथ उसके सामंजस्य के संदर्भ में। यदि प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता के उपर्युक्त प्रेक्षण यह दर्शाते हैं कि वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन परियोजना के कार्यक्षेत्र या विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप नहीं है, अथवा उसमें सौंदर्यपरक गुणवत्ता या पर्यावरण के साथ सामंजस्य में सुधार अपेक्षित है, तो रियायतग्राही द्वारा उसे संशोधित किया जाएगा तथा समीक्षा हेतु प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता को पुनः प्रस्तुत किया

जाएगा। प्राधिकरण और/अथवा स्वतंत्र अभियंता संशोधित वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन की प्राप्ति के 7 (सात) दिन के भीतर अपने प्रेक्षण, यदि कोई हों, देंगे।

12.1.4 यदि खंड 12.1.3 के अधीन एवं उसके अनुसार वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन में कोई रूपांतरण निर्धारित किए गए हों, तो वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन उस सीमा तक रूपांतरित माना जाएगा।

12.1.5 रियायतग्राही एतद् अनुसरण में प्रस्तुत वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन पर प्राधिकरण के प्रेक्षणों की प्रतीक्षा खंड 12.1.3 में विनिर्दिष्ट 30 (तीस) दिन की अवधि से अधिक करने के लिए बाध्य नहीं होगा, तथा वह अपने विवेक एवं जोखिम पर निर्माण कार्य आरंभ कर सकेगा। संदेह निवारण हेतु, प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता की कोई समीक्षा और/या प्रेक्षण, और/अथवा वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन पर समीक्षा करने और/या अपने प्रेक्षण संप्रेषित करने में उनकी विफलता, रियायतग्राही को इस करार के अधीन उसके दायित्वों एवं दायित्व-भार से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगी, और न ही प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता उसके लिए किसी भी प्रकार से दायी होंगे।

12.1.6 यदि यथास्थिति रियायतग्राही या प्राधिकरण, खंड 12.1.2, 12.1.3 एवं 12.1.5 में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के पश्चात वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन के किसी तत्त्व को रूपांतरित करने का प्रस्ताव करता है तथा दूसरे पक्षकार को अपने आशय की सूचना देता है, तो एक विवाद उत्पन्न हुआ माना जाएगा तथा उसके समाधान हेतु अनुच्छेद 49 के उपबंध यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे; परंतु यह कि खंड 49.3 के उपबंध के अधीन नियुक्त किया जाने वाला मध्यस्थ मंडल केवल अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के प्रख्यात वास्तुविदों से मिलकर बनेगा। ऐसे मध्यस्थों हेतु प्राधिकरण द्वारा संदेय फ़ीस, यदि रूपांतरण रियायतग्राही द्वारा प्रस्तावित किए गए हों, तो रियायतग्राही द्वारा रु. 5,00,000 (रुपये पाँच लाख) प्रतिदिन की सीमा के अधीन प्रतिपूरित की जाएगी। संदेह निवारण हेतु, पक्षकार सहमत होते हैं कि इस खंड 12.1.6 के अनुसरण में रूपांतरण कार्यक्षेत्र में परिवर्तन माने जाएँगे तथा अनुच्छेद 16 के उपबंधों के अनुसार किए जाएँगे।

12.2 स्थल हेतु मास्टर प्लान

12.2.1 रियायतग्राही सभी समयों पर यह सुनिश्चय एवं सुनिश्चित करेगा कि हवाईअड्डे का निर्माण एवं विकास अनुसूची-ए में अधिकथित मास्टर प्लान के अनुसार हो।

12.2.2 रियायतग्राही, प्राधिकरण की पूर्व लिखित सम्मति से, हवाईअड्डे के भावी विस्तार हेतु चिह्नित किसी क्षेत्र का उपयोग हवाईअड्डे से आनुषंगिक या संबद्ध अन्य प्रयोजनों हेतु तब तक कर सकेगा जब तक वह मास्टर प्लान में विनिर्दिष्ट विस्तार हेतु अपेक्षित न हो, इस शर्त

के अधीन रहते हुए कि ऐसे क्षेत्र में केवल अस्थायी संरचनाएँ ही निर्मित की जा सकेंगी तथा उसका उपयोग सभी समयों पर लागू विधियों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप होगा।

12.2.3 रियायतग्राही, रियायत अवधि के दौरान किसी भी समय, वैमानिक सेवाओं में सुधार या संवर्धन हेतु मास्टर प्लान में रूपांतरणों के लिए प्राधिकरण का अनुमोदन माँग सकेगा; तथा एतद् अधीन कोई अनुरोध प्राप्त होने पर, प्राधिकरण युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित सीमा तक ऐसा अनुमोदन प्रदान कर सकेगा।

12.3 आरेख (ड्रॉइंग्स)

अनुसूची-एच में अधिकथित हवाईअड्डे के आरेखों से संबंधित रियायतग्राही के दायित्वों के संबंध में निम्नलिखित लागू होगा:

क. रियायतग्राही युक्तियुक्त शीघ्रता से तथा ऐसे क्रम में जो परियोजना पूर्णता के अनुरूप हो, समीक्षा हेतु स्वतंत्र अभियंता को आरेखों की 3 (तीन) हार्ड प्रतियाँ एवं 1 (एक) सॉफ़्ट प्रति प्रस्तुत करेगा।

ख. समीक्षा हेतु स्वतंत्र अभियंता को आरेख प्रस्तुत करके, यह माना जाएगा कि रियायतग्राही ने यह अभ्यावेदन किया है कि उसने अवधारित एवं सत्यापित कर लिया है कि अभिकल्पन एवं अभियांत्रिकी, जिसमें उससे संबंधित क्षेत्र निर्माण मानदंड सम्मिलित हैं, परियोजना के कार्यक्षेत्र, विनिर्देशों एवं मानकों, लागू विधियों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप हैं।

ग. आरेखों की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिन के भीतर, स्वतंत्र अभियंता उनकी समीक्षा करेगा तथा रियायतग्राही को अपने प्रेक्षण संप्रेषित करेगा, विशेष रूप से परियोजना के कार्यक्षेत्र एवं विनिर्देशों एवं मानकों के साथ उनकी अनुरूपता या अन्यथा के संदर्भ में। रियायतग्राही एतद् अनुसरण में प्रस्तुत आरेखों पर स्वतंत्र अभियंता के प्रेक्षणों की प्रतीक्षा उक्त 15 (पंद्रह) दिन की अवधि से अधिक करने के लिए बाध्य नहीं होगा तथा अपने विवेक एवं जोखिम पर निर्माण कार्य आरंभ या जारी रख सकेगा।

घ. यदि स्वतंत्र अभियंता के उपर्युक्त प्रेक्षण यह दर्शाते हैं कि आरेख परियोजना के कार्यक्षेत्र या विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप नहीं हैं, तो ऐसे आरेख रियायतग्राही द्वारा संशोधित किए जाएँगे तथा समीक्षा हेतु स्वतंत्र अभियंता को पुनः प्रस्तुत किए जाएँगे। स्वतंत्र अभियंता संशोधित आरेखों की प्राप्ति के 7 (सात) दिन के भीतर अपने प्रेक्षण, यदि कोई हों, देगा।

ङ. स्वतंत्र अभियंता की कोई समीक्षा और/या प्रेक्षण, और/अथवा किन्हीं आरेखों पर समीक्षा करने और/या अपने प्रेक्षण संप्रेषित करने में उसकी विफलता, रियायतग्राही को इस करार

के अधीन उसके दायित्वों एवं दायित्व-भार से किसी भी प्रकार मुक्त नहीं करेगी, और न ही स्वतंत्र अभियंता या प्राधिकरण उसके लिए किसी भी प्रकार से दायी होंगे।

च. इस खंड 12.3 के पूर्वोक्त उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही रनवे के संरेखण, परिष्कृत रनवे स्तर, वैमानिक परिसंपत्तियों एवं टर्मिनल भवन की अवस्थिति एवं अभिन्यास से संबंधित अपने आरेख समीक्षा एवं टिप्पणियों हेतु प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगा; तथा प्राधिकरण को ऐसी समीक्षा करने एवं ऐसे आरेखों की प्राप्ति के 30 (तीस) दिन के भीतर अपनी टिप्पणियाँ, यदि कोई हों, देने का अधिकार होगा, किंतु दायित्व नहीं। एतद् अधीन समीक्षा एवं टिप्पणियों पर इस खंड 12.3 के उपबंध यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

छ. प्रत्येक चरण हेतु सीओडी के 90 (नब्बे) दिन के भीतर, रियायतग्राही प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता को यथा-निर्मित आरेखों (as-built Drawings) का पूर्ण सेट, 2 (दो) हार्ड प्रतियों में तथा उसके संपादन-योग्य डिजिटल प्ररूप में अथवा ऐसे अन्य माध्यम एवं रीति में जो प्राधिकरण को स्वीकार्य हो, प्रस्तुत करेगा, जो हवाईअड्डे को उस रूप में प्रतिबिंबित करेंगे जैसा वह वस्तुतः अभिकल्पित, अभियंत्रित एवं निर्मित किया गया है, जिसमें एक यथा-निर्मित सर्वेक्षण सम्मिलित होगा जो हवाईअड्डे के अभिन्यास तथा परियोजना सुविधाओं का भाग बनने वाले भवनों एवं संरचनाओं की सेटबैक रेखाओं, यदि कोई हों, को दर्शाएगा।

12.4 हवाईअड्डे का निर्माण

12.4.1 नियत तिथि को या उसके पश्चात, रियायतग्राही हवाईअड्डे का निर्माण अनुसूची-बी एवं अनुसूची-सी में विनिर्दिष्ट अनुसार तथा अनुसूची-डी एवं मास्टर प्लान में अधिकथित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप करेगा। नियत तिथि से 1095वाँ (एक हज़ार पंचानबेवाँ) दिन परियोजना के चरण-1 की पूर्णता हेतु अनुसूचित तिथि होगी ("**अनुसूचित पूर्णता तिथि**" (Scheduled Completion Date)); तथा रियायतग्राही सहमत एवं वचनबद्ध होता है कि हवाईअड्डे का निर्माण अनुसूचित पूर्णता तिथि को या उससे पूर्व पूर्ण कर लिया जाएगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि परियोजना पूर्णता अनुसूची एवं अनुसूचित पूर्णता तिथि सिटी साइड विकास पर लागू नहीं होंगी।

12.4.2 रियायतग्राही हवाईअड्डे का निर्माण अनुसूची-जी में अधिकथित परियोजना पूर्णता अनुसूची के अनुसार करेगा। यदि रियायतग्राही चरण I हेतु परिभाषित किसी परियोजना मील-पत्थर को अनुसूची-जी में ऐसे परियोजना मील-पत्थर हेतु अधिकथित तिथि से 90 (नब्बे) दिन की अवधि के भीतर प्राप्त करने में विफल रहता है, तो, जब तक कि ऐसी विफलता अप्रत्याशित घटना के कारण या प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी कारणों से न हुई हो, वह प्राधिकरण को ऐसा परियोजना मील-पत्थर प्राप्त होने तक प्रत्येक दिन के विलंब हेतु निष्पादन प्रतिभूति की राशि

के 0.1% (शून्य दशमलव एक प्रतिशत) की दर से परिकलित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति का भुगतान करेगा। परंतु यह कि यदि कोई या सभी परियोजना मील-पत्थर अथवा अनुसूचित पूर्णता तिथि इस करार के उपबंधों के अनुसार विस्तारित की जाती है, तो अनुसूची-जी में अधिकथित तिथियाँ तदनुसार रूपांतरित मानी जाएँगी तथा इस करार के उपबंध इस प्रकार लागू होंगे मानो अनुसूची-जी उपर्युक्त अनुसार संशोधित कर दी गई हो। परंतु यह और कि यदि चरण I हेतु सीओडी अनुसूचित पूर्णता तिथि को या उससे पूर्व प्राप्त कर लिया जाता है, तो इस खंड 12.4.2 के अधीन संदत्त क्षतिपूर्ति प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को प्रतिदत्त की जाएगी, किंतु उस पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि इस खंड 12.4.2 के अधीन क्षतिपूर्ति की वसूली इस करार के अधीन प्राधिकरण के अधिकारों पर, जिसमें समाप्ति का अधिकार सम्मिलित है, प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी।

12.4.3 यदि हवाईअड्डा पूर्ण नहीं होता तथा चरण I हेतु सीओडी अनुसूचित पूर्णता तिथि से 270 (दो सौ सत्तर) दिन के भीतर नहीं आता है, तो, जब तक कि विलंब प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी कारणों से या अप्रत्याशित घटना के कारण न हो, प्राधिकरण इस करार को समाप्त करने का हकदार होगा।

12.5 टर्मिनल भवन का विकास

12.5.1 खंड 12.4 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही अनुसूची-बी में विनिर्दिष्ट अनुसार टर्मिनल भवन का विकास करेगा, साथ ही अनुसूची-सी में विनिर्दिष्ट परियोजना सुविधाओं का प्रावधान करेगा, तथा यह अनुसूची-डी में अधिकथित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप होगा।

12.5.2 टर्मिनल भवन एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में कोई भी विकास, वर्धन या रूपांतरण वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन एवं मास्टर प्लान के अनुसार तथा हवाईअड्डे के समग्र अभिकल्पन एवं पर्यावरण के साथ सामंजस्य में होगा।

12.6 कार पार्क का विकास

12.6.1 खंड 12.4 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही वाहनों की पार्किंग हेतु अनुसूची-बी में विनिर्दिष्ट अनुसार कार पार्क ("**कार पार्क**") का विकास करेगा या कराएगा, साथ ही अनुसूची-सी में विनिर्दिष्ट परियोजना सुविधाओं का प्रावधान करेगा, तथा यह अनुसूची-डी में अधिकथित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप होगा।

12.6.2 कार पार्क एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में कोई भी विकास, वर्धन या रूपांतरण मास्टर प्लान के अनुसार तथा हवाईअड्डे के समग्र अभिकल्पन एवं पर्यावरण के साथ सामंजस्य में होगा।

12.7 कार्गो सुविधाओं का विकास

12.7.1 खंड 12.4 एवं खंड 21.1 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही अनुसूची-बी में विनिर्दिष्ट अनुसार कार्गो सुविधाओं का विकास करेगा या कराएगा, साथ ही अनुसूची-सी में विनिर्दिष्ट परियोजना सुविधाओं का प्रावधान करेगा, तथा यह अनुसूची-डी में अधिकथित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप होगा।

12.7.2 कार्गो सुविधाओं एवं उनके आस-पास के क्षेत्रों में कोई भी विकास, वर्धन या रूपांतरण मास्टर प्लान के अनुसार तथा हवाईअड्डे के समग्र अभिकल्पन एवं पर्यावरण के साथ सामंजस्य में होगा।

12.8 हवाईअड्डे का विस्तार

12.8.1 जब भी हवाईअड्डे का विद्यमान चरण मास्टर प्लान में विनिर्दिष्ट (अनुसूची ए के अनुबंध II के अनुसार) यातायात ट्रिगर प्राप्त कर ले, अथवा लागू विधियों – जिनमें डीजीसीए दिशानिर्देश एवं एईआरए द्वारा विहित विनियम सम्मिलित हैं – उत्तम उद्योग पद्धति एवं इस करार के उपबंधों के अनुसार, या आईसीएओ दस्तावेज़ों एवं अनुबंधों द्वारा विनिर्दिष्ट मानदंडों एवं मानकों से कम पड़ जाए, तो रियायतग्राही मास्टर प्लान, अनुसूची ए , अनुसूची बी एवं इस करार के अन्य निबंधनों में वर्णित अनुसार ऐसी कमी और/अथवा भावी अपेक्षाओं को पूरा करने हेतु क्षमता वर्धन एवं विस्तार करेगा।

12.8.2 इस अनुच्छेद 12 के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही यह सुनिश्चित एवं सुनिश्चय करेगा कि टर्मिनल भवन एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों का विस्तार वास्तुशिल्पीय अभिकल्पन एवं मास्टर प्लान के अनुसार तथा हवाईअड्डे के समग्र अभिकल्पन एवं पर्यावरण के साथ सामंजस्य में हो। वह यह भी सुनिश्चित एवं सुनिश्चय करेगा कि गुणवत्ता, विश्वसनीयता, दक्षता, यात्री सुविधा एवं सौंदर्यपरक मूल्य की दृष्टि से ऐसा विकास विद्यमान टर्मिनल भवन से हीन न हो।

12.8.3 खंड 12.8.1 के उपबंधों के अनुसरण में निर्मित की जाने वाली अपेक्षित अतिरिक्त परिसंपत्तियाँ एवं सुविधाएँ उस तिथि से, जिस तिथि को उसमें विनिर्दिष्ट कमी उत्पन्न हुई, 3 (तीन) वर्ष से अनधिक अवधि के भीतर पूर्ण कर संचालन में लाई जाएँगी। संदेह निवारण हेतु,

इस खंड 12.8 के अधीन निर्मित कोई भी परिसंपत्तियाँ एवं सुविधाएँ परियोजना परिसंपत्तियों का भाग मानी जाएँगी।

12.8.4 इस करार के उपबंध, जहाँ तक वे निर्माण कार्यों से संबंधित हैं, हवाईअड्डे के विस्तार पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे, सिवाय वहाँ जहाँ उसके संबंध में इसके प्रतिकूल अभिव्यक्त उपबंध किए गए हों।

12.9 विलोपित

12.10 एमआरओ सुविधाओं का विकास

12.10.1 इस खंड 12.10 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही को चरण-I के सीओडी की 10वीं वर्षगाँठ तक अनिवार्य रूप से एमआरओ सुविधाओं का विकास करना होगा, जैसा कि अनुसूची बी में विनिर्दिष्ट है, साथ ही अनुसूची सी में विनिर्दिष्ट परियोजना सुविधाओं के प्रावधान सहित, जो अनुसूची डी में अधिकथित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप तथा इस करार के उपबंधों, लागू विधियों, सुसंगत आईसीएओ दस्तावेज़ों एवं अनुबंधों, सीएआर दिशानिर्देशों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार होगा।

12.10.2 एमआरओ सुविधाओं एवं उनके

आस-पास के क्षेत्रों में कोई भी विकास, वर्धन या रूपांतरण मास्टर प्लान के अनुसार तथा हवाईअड्डे के समग्र अभिकल्पन एवं पर्यावरण के साथ सामंजस्य में होगा।

13. निर्माण की निगरानी

13.1 मासिक प्रगति रिपोर्टें

निर्माण अवधि के दौरान, रियायतग्राही प्रत्येक मास की समाप्ति के 7 (सात) दिन के भीतर प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता को निष्पादित निर्माण कार्यों की प्रगति (भौतिक एवं वित्तीय दोनों) तथा अगले मास की निर्माण योजना पर एक मासिक रिपोर्ट, साथ ही ऐसी अन्य सुसंगत जानकारी सहित जो स्वतंत्र अभियंता या प्राधिकरण द्वारा अपेक्षित हो, प्रस्तुत करेगा।

13.2 निरीक्षण

निर्माण अवधि के दौरान, स्वतंत्र अभियंता हवाईअड्डे के कार्यों का निरीक्षण मास में कम से कम एक बार करेगा तथा ऐसे निरीक्षण की एक रिपोर्ट ("**निरीक्षण रिपोर्ट**") बनाएगा, जिसमें दोष या कमियाँ, यदि कोई हों, युक्तियुक्त विस्तार से बताई जाएँगी, विशेष रूप से परियोजना पूर्णता अनुसूची, परियोजना के कार्यक्षेत्र तथा विनिर्देशों एवं मानकों के संदर्भ में। वह ऐसे निरीक्षण के 7 (सात) दिन के भीतर निरीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति प्राधिकरण एवं रियायतग्राही को भेजेगा; और उसकी प्राप्ति पर, रियायतग्राही निरीक्षण रिपोर्ट में बताए गए दोषों या कमियों, यदि कोई हों, को दूर एवं ठीक करेगा। स्वतंत्र अभियंता द्वारा ऐसा निरीक्षण या निरीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करना रियायतग्राही को एतद् अधीन उसके दायित्वों एवं दायित्व-भार से किसी भी प्रकार न तो मुक्त करेगा और न ही उन्मोचित करेगा। संदेह निवारण हेतु, पक्षकार अभिव्यक्त रूप से सहमत होते हैं कि इस अनुच्छेद 13 के अधीन स्वतंत्र अभियंता के कार्यों में सिटी साइड विकास सम्मिलित नहीं होगा।

13.3 परीक्षण

13.3.1 यह निर्धारित करने हेतु कि निर्माण कार्य विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप हैं, स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से यह अपेक्षा करेगा कि वह गुणवत्ता आश्वासन हेतु उत्तम उद्योग पद्धति, लागू विधियों, लागू अनुज्ञाओं एवं इस करार के निबंधनों के अनुसार, ऐसे समय एवं आवृत्ति पर तथा ऐसी रीति से परीक्षण करे या कराए जैसा स्वतंत्र अभियंता द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट किया जाए। ऐसे परीक्षणों हेतु नमूने का आकार, यथासंभव सीमा तक, उस मात्रा और/अथवा परीक्षणों की संख्या के 10% (दस प्रतिशत) से अधिक नहीं होगा जो ऐसे कार्यों का स्वामी या निर्माता उत्तम उद्योग पद्धति, लागू विधियों, लागू अनुज्ञाओं एवं इस करार के निबंधनों के अनुसार सामान्यतः करता। रियायतग्राही, सम्यक तत्परता से, स्वतंत्र अभियंता के अनुदेशों के अनुसार समस्त परीक्षण करेगा या कराएगा तथा उनके परिणाम स्वतंत्र अभियंता

को प्रस्तुत करेगा। परंतु यह कि स्वतंत्र अभियंता, एतद् अधीन विनिर्दिष्ट परीक्षण करने के स्थान पर, अपने विकल्प पर यह निर्णय ले सकेगा कि वह रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के गुणवत्ता आश्वासन हेतु उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार किए जाने वाले किन्हीं परीक्षणों का साक्षी बने या उनमें भाग ले; और ऐसी दशा में रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता के साथ सहयोग करेगा तथा एतद् अधीन उसके कार्यों के निर्वहन हेतु आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। संदेह निवारण हेतु, निर्माण में किसी दोष या कमी के सुधार का निर्धारण करने हेतु किए गए किसी परीक्षण पर उपगत लागत केवल रियायतग्राही द्वारा वहन की जाएगी।

13.3.2 यदि इस खंड 13.3 के अधीन किए गए किन्हीं परीक्षणों के परिणाम निर्माण कार्यों में कोई दोष या कमियाँ स्थापित करते हैं, तो रियायतग्राही उपचारात्मक उपाय करेगा तथा इस निमित्त स्वतंत्र अभियंता को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से यह अपेक्षा करेगा कि वह यह निर्धारित करने हेतु परीक्षण करे या कराए कि ऐसे उपचारात्मक उपायों ने निर्माण कार्यों को विनिर्देशों एवं मानकों के अनुपालन में ला दिया है; तथा इस खंड 13.3 में अधिकथित प्रक्रिया तब तक दोहराई जाएगी जब तक ऐसे निर्माण कार्य विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप न हो जाएँ। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि इस खंड 13.3 के अनुसरण में परीक्षण उन परीक्षणों के अतिरिक्त एवं उनसे स्वतंत्र किए जाएँगे जो रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के गुणवत्ता आश्वासन हेतु उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार किए जाएँगे। यह भी सहमत है कि ऐसे परीक्षणों के परिणामों की एक प्रति रियायतग्राही द्वारा स्वतंत्र अभियंता को तत्काल भेजी जाएगी।

13.4 निर्माण के दौरान विलंब

खंड 12.4.2 के उपबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, यदि रियायतग्राही किसी परियोजना मील-पत्थर को प्राप्त नहीं करता है, अथवा स्वतंत्र अभियंता ने युक्तियुक्त रूप से यह अवधारित किया है कि निर्माण कार्यों की प्रगति की दर ऐसी है कि हवाईअड्डा अनुसूचित पूर्णता तिथि तक पूर्ण होने की संभावना नहीं है, तो वह रियायतग्राही को इस आशय की सूचना देगा; और रियायतग्राही ऐसी सूचना के 15 (पंद्रह) दिन के भीतर, एक संसूचना द्वारा, प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता को युक्तियुक्त विस्तार से उन कदमों के बारे में सूचित करेगा जो वह प्रगति को तीव्र करने हेतु उठाने का प्रस्ताव करता है, तथा उस अवधि के बारे में जिसके भीतर वह चरण-I हेतु सीओडी प्राप्त करेगा।

13.5 असुरक्षित निर्माण कार्यों का निलंबन

13.5.1 स्वतंत्र अभियंता की इस आशय की सिफ़ारिश पर, प्राधिकरण सूचना द्वारा रियायतग्राही से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह संपूर्ण या किसी भी भाग के निर्माण कार्यों को तत्काल निलंबित करे, यदि प्राधिकरण की युक्तियुक्त राय में ऐसा कार्य उपयोगकर्ताओं अथवा हवाईअड्डे

पर या उसके आस-पास किसी अन्य व्यक्ति की सुरक्षा के लिए संकट उत्पन्न करता हो। परंतु यह कि आपात स्थिति की दशा में, प्राधिकरण उपर्युक्त निर्दिष्ट सूचना स्वप्रेरणा से जारी कर सकेगा।

13.5.2 रियायतग्राही, खंड 13.5.1 के अधीन सूचना के अनुसरण में, निर्माण कार्यों या उनके किसी भाग को ऐसे समय हेतु तथा ऐसी रीति से निलंबित करेगा जैसा प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए; और तदुपरांत निलंबित कार्यों एवं उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु उपचारात्मक उपाय करेगा। रियायतग्राही सूचना द्वारा स्वतंत्र अभियंता से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह ऐसे उपचारात्मक उपायों का तत्काल निरीक्षण करे तथा प्राधिकरण को एक रिपोर्ट दे जिसमें यह सिफ़ारिश हो कि एतद् अधीन निलंबन प्रतिसंहृत किया जा सकता है या नहीं। स्वतंत्र अभियंता की सिफ़ारिशें प्राप्त होने पर, प्राधिकरण या तो ऐसा निलंबन प्रतिसंहृत करेगा अथवा रियायतग्राही को ऐसे अन्य एवं और उपचारात्मक उपाय करने का निदेश देगा जो प्राधिकरण की युक्तियुक्त राय में आवश्यक हों; तथा इस खंड 13.5 में अधिकथित प्रक्रिया तब तक दोहराई जाएगी जब तक एतद् अधीन निलंबन प्रतिसंहृत न हो जाए।

13.5.3 खंड 39.7 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, निलंबन की अवधि के दौरान निर्माण कार्यों या उनके भाग के रखरखाव एवं संरक्षण हेतु उपगत समस्त युक्तियुक्त लागतें ("**परिरक्षण लागतें**") रियायतग्राही द्वारा वहन की जाएँगी; परंतु यह कि यदि निलंबन प्राधिकरण द्वारा इस करार के किसी भंग के परिणामस्वरूप हुआ है, तो परिरक्षण लागतें प्राधिकरण द्वारा वहन की जाएँगी।

13.5.4 यदि निर्माण कार्यों का निलंबन उन कारणों से है जो रियायतग्राही के लिए उत्तरदायी नहीं हैं, तो स्वतंत्र अभियंता परियोजना पूर्णता अनुसूची में अधिकथित तिथियों के उस विस्तार का निर्धारण करेगा जिसका रियायतग्राही युक्तियुक्त रूप से हकदार है, तथा तदनुसार प्राधिकरण को सूचित करेगा; जिसके पश्चात प्राधिकरण स्वतंत्र अभियंता की सिफ़ारिशों के अनुसार ऐसी परियोजना पूर्णता अनुसूची तिथियाँ विस्तारित करेगा। यदि एतद् अनुसरण में अनुसूचित पूर्णता तिथि विस्तारित की जाती है, तो रियायत अवधि उतनी ही अवधि से विस्तारित मानी जाएगी जितनी अनुसूचित पूर्णता तिथि के विस्तार की अवधि है।

13.6 वीडियो रिकॉर्डिंग

निर्माण अवधि के दौरान, रियायतग्राही प्रत्येक कैलेंडर तिमाही हेतु प्राधिकरण को एक वीडियो रिकॉर्डिंग प्रदान करेगा, जिसे 3 (तीन) घंटे की डिजिटल वीडियो डिस्क अथवा उसके किसी स्थानापन्न में संकलित किया जाएगा, और जो उस तिमाही में निर्माण कार्यों की स्थिति एवं प्रगति को आवृत करेगी। ऐसी पहली वीडियो रिकॉर्डिंग प्राधिकरण को नियत तिथि के 7 (सात)

दिन के भीतर प्रदान की जाएगी, तथा उसके पश्चात प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 15 (पंद्रह) दिन के भीतर।

14. पूर्णता प्रमाणपत्र

14.1 परीक्षण

14.1.1 हवाईअड्डे के तत्संबंधी चरण की संभावित पूर्णता से कम से कम 90 (नब्बे) दिन पूर्व, रियायतग्राही प्राधिकरण एवं स्वतंत्र अभियंता को हवाईअड्डे को परीक्षणों के अधीन करने के अपने आशय की सूचना देगा। प्रत्येक परीक्षण की तिथि एवं समय स्वतंत्र अभियंता द्वारा रियायतग्राही के परामर्श से निर्धारित किए जाएँगे तथा प्राधिकरण को सूचित किए जाएँगे, जो परीक्षणों का साक्षी बनने हेतु अपना प्रतिनिधि नामनिर्दिष्ट कर सकेगा। रियायतग्राही परीक्षण संचालित करने हेतु ऐसी सहायता प्रदान करेगा जो स्वतंत्र अभियंता युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित करे। यदि रियायतग्राही एवं स्वतंत्र अभियंता परीक्षण संचालित करने की तिथियों पर पारस्परिक रूप से सहमत होने में विफल रहते हैं, तो रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता को कम से कम 10 (दस) दिन की सूचना देकर तिथियाँ नियत करेगा; और यदि स्वतंत्र अभियंता एतद् अधीन परीक्षणों में विलंब करता है, तो प्राधिकरण स्वतंत्र अभियंता पर दृष्टांतिक शास्तियाँ अधिरोपित करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि परीक्षण समय पर या तो स्वतंत्र अभियंता द्वारा अथवा उसके किसी स्थानापन्न द्वारा पूर्ण किए जाएँ। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि इस अनुच्छेद 14 के उपबंध सिटी साइड विकास पर लागू नहीं होंगे।

14.1.2 समस्त परीक्षण अनुसूची-I के अनुसार रियायतग्राही की लागत एवं व्यय पर संचालित किए जाएँगे। स्वतंत्र अभियंता परीक्षणों के परिणामों का पालन, अनुश्रवण एवं समीक्षा करेगा ताकि विनिर्देशों एवं मानकों के साथ हवाईअड्डे का अनुपालन निर्धारित किया जा सके; और यदि किसी परीक्षण के अनुक्रम में स्वतंत्र अभियंता द्वारा युक्तियुक्त रूप से यह प्रत्याशित या अवधारित किया जाता है कि हवाईअड्डे या उसके किसी भाग का निष्पादन विनिर्देशों एवं मानकों, लागू विधियों, लागू अनुज्ञाओं एवं इस करार के निबंधनों को पूरा नहीं करता, तो उसे ऐसा परीक्षण निलंबित या विलंबित करने तथा रियायतग्राही से दोषों या कमियों को दूर एवं ठीक करने की अपेक्षा करने का अधिकार होगा। प्रत्येक परीक्षण की समाप्ति पर, स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही एवं प्राधिकरण को विस्तृत परीक्षण परिणामों सहित समस्त परीक्षण आँकड़ों की प्रतियाँ प्रदान करेगा। संदेह निवारण हेतु, यह अभिव्यक्त रूप से सहमत है कि स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह विनिर्देशों एवं मानकों, लागू विधियों, लागू अनुज्ञाओं एवं इस करार के निबंधनों के साथ हवाईअड्डे का अनुपालन निर्धारित करने हेतु उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार अतिरिक्त परीक्षण करे या कराए।

14.2 पूर्णता प्रमाणपत्र

निर्माण कार्यों की पूर्णता पर, तथा स्वतंत्र अभियंता द्वारा परीक्षणों को सफल अवधारित किए जाने पर, वह तत्काल रियायतग्राही एवं प्राधिकरण को अनुसूची J में अधिकथित प्ररूप के सारतः अनुरूप एक प्रमाणपत्र जारी करेगा ("**पूर्णता प्रमाणपत्र**")।

14.3 अनंतिम प्रमाणपत्र

14.3.1 स्वतंत्र अभियंता, रियायतग्राही के अनुरोध पर, अनुसूची-J में अधिकथित प्ररूप के सारतः अनुरूप पूर्णता का एक अनंतिम प्रमाणपत्र ("**अनंतिम प्रमाणपत्र**") जारी कर सकेगा, यदि परीक्षण सफल हैं तथा हवाईअड्डे को सुरक्षित एवं विश्वसनीय रूप से वाणिज्यिक संचालन में लाया जा सकता है, भले ही उसका भाग बनने वाले कुछ कार्य या वस्तुएँ अवशिष्ट एवं अभी अपूर्ण हों। ऐसी दशा में, अनंतिम प्रमाणपत्र के साथ अवशिष्ट मदों की एक सूची संलग्न होगी जिस पर स्वतंत्र अभियंता एवं रियायतग्राही द्वारा संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए जाएँगे ("**पंच लिस्ट**"); परंतु यह कि स्वतंत्र अभियंता किसी कार्य के अपूर्ण रह जाने के कारण अनंतिम प्रमाणपत्र नहीं रोकेगा, यदि उसकी पूर्णता में विलंब प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी हो।

14.3.2 पक्षकार अभिव्यक्त रूप से सहमत होते हैं कि इस खंड 14.3 के अधीन अनंतिम प्रमाणपत्र, रियायतग्राही के इस आशय के अनुरोध पर, हवाईअड्डे के किसी भाग के संचालन हेतु जारी किया जा सकेगा, यदि उसे खंड 14.3.1 के उपबंधों के अनुसार सुरक्षित एवं विश्वसनीय रूप से वाणिज्यिक संचालन में लाया जा सकता हो। ऐसा अनंतिम प्रमाणपत्र जारी होने पर, इस करार के उपबंध हवाईअड्डे के ऐसे पूर्ण किए गए भाग पर लागू होंगे, तथा हवाईअड्डे के ऐसे पूर्ण किए गए भाग के लिए एवं उसके संबंध में रियायतग्राही के अधिकारों एवं दायित्वों का अर्थ तदनुसार लगाया जाएगा।

14.4 पंच लिस्ट मदों की पूर्णता

14.4.1 पंच लिस्ट की समस्त मदें रियायतग्राही द्वारा अनंतिम प्रमाणपत्र जारी होने की तिथि से 120 (एक सौ बीस) दिन के भीतर पूर्ण की जाएँगी; और उसके पश्चात किसी विलंब हेतु, सिवाय उन कारणों के जो केवल प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी हों या अप्रत्याशित घटना के कारण हों, प्राधिकरण रियायतग्राही से क्षतिपूर्ति वसूलने का हकदार होगा, जो समस्त मदों के पूर्ण होने तक प्रत्येक दिन के विलंब हेतु (क) निष्पादन प्रतिभूति के 0.1% (शून्य दशमलव एक प्रतिशत) तथा (ख) स्वतंत्र अभियंता द्वारा आकलित ऐसी मदों को पूर्ण करने की लागत के 0.2% (शून्य दशमलव दो प्रतिशत) – इनमें से जो कम हो – की दर से परिकलित एवं संदत्त की जाएगी। ऐसी क्षतिपूर्ति के भुगतान के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही पंच लिस्ट मदों की पूर्णता हेतु 120 (एक सौ बीस) दिन से अनधिक और अवधि का हकदार होगा। संदेह

निवारण हेतु, यह सहमत है कि यदि किसी मद की पूर्णता उन कारणों से विलंबित होती है जो केवल प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी हों या अप्रत्याशित घटना के कारण हों, तो उसकी पूर्णता तिथि स्वतंत्र अभियंता द्वारा उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार निर्धारित की जाएगी; तथा इस खंड 14.4.1 के अधीन ऐसी मद हेतु संदेय क्षतिपूर्ति, यदि कोई हो, के प्रयोजनों हेतु ऐसी पूर्णता तिथि को अनंतिम प्रमाणपत्र के निर्गम की तिथि माना जाएगा।

14.4.2 समस्त पंच लिस्ट मदों की पूर्णता पर, स्वतंत्र अभियंता, यदि अपेक्षित हो, परीक्षण संचालित करेगा तथा पूर्णता प्रमाणपत्र जारी करेगा। यदि रियायतग्राही खंड 14.4.1 में अधिकथित समय के भीतर समस्त पंच लिस्ट मदें पूर्ण करने में किसी भी कारण से विफल रहता है – सिवाय अप्रत्याशित घटना गठित करने वाली दशाओं के अथवा केवल प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी कारणों के – तो प्राधिकरण इस करार को समाप्त करने का हकदार होगा।

14.5 अनंतिम या पूर्णता प्रमाणपत्र रोकना

14.5.1 यदि स्वतंत्र अभियंता यह अवधारित करता है कि हवाईअड्डा या उसका कोई भाग इस करार के उपबंधों के अनुरूप नहीं है तथा उसे सुरक्षित एवं विश्वसनीय रूप से वाणिज्यिक संचालन में नहीं लाया जा सकता, तो वह तत्काल इस निमित्त एक रिपोर्ट बनाएगा तथा उसकी प्रतियाँ प्राधिकरण एवं रियायतग्राही को भेजेगा। स्वतंत्र अभियंता से ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने पर तथा अपना स्वयं का निरीक्षण करने के पश्चात, यदि प्राधिकरण की यह राय है कि हवाईअड्डा वाणिज्यिक सेवा हेतु उपयुक्त एवं सुरक्षित नहीं है, तो वह उपर्युक्त रिपोर्ट प्राप्त होने के 7 (सात) दिन के भीतर रियायतग्राही को हवाईअड्डे के दोषों एवं कमियों की सूचना देगा तथा स्वतंत्र अभियंता को यथास्थिति अनंतिम प्रमाणपत्र या पूर्णता प्रमाणपत्र का निर्गम रोकने का निदेश देगा। ऐसी सूचना प्राप्त होने पर, रियायतग्राही ऐसे दोषों या कमियों को दूर एवं ठीक करेगा तथा तदुपरांत इस अनुच्छेद 14 के अनुसार परीक्षण किए जाएँगे। ऐसी प्रक्रिया आवश्यकतानुसार तब तक दोहराई जाएगी जब तक दोष या कमियाँ ठीक न हो जाएँ।

14.5.2 खंड 14.5.1 में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, प्राधिकरण उस खंड के अधीन स्वतंत्र अभियंता से रिपोर्ट प्राप्त होने के पश्चात किसी भी समय स्वतंत्र अभियंता को खंड 14.3 के अधीन अनंतिम प्रमाणपत्र अथवा खंड 14.2 के अधीन पूर्णता प्रमाणपत्र जारी करने का निदेश दे सकेगा, तथा ऐसे निदेश का तत्काल अनुपालन किया जाएगा।

14.6 परीक्षणों का पुनर्निर्धारण

यदि स्वतंत्र अभियंता प्राधिकरण एवं रियायतग्राही को यह प्रमाणित करता है कि वह यथास्थिति पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र जारी करने में ऐसी घटनाओं या परिस्थितियों के कारण असमर्थ है जिनके कारण परीक्षण आयोजित नहीं किए जा सके या निलंबित करने पड़े, तो

रियायतग्राही परीक्षणों को पुनर्निर्धारित करने तथा यथासंभव शीघ्र युक्तियुक्त रूप से उन्हें आयोजित करने का हकदार होगा।

15. वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश

15.1 वाणिज्यिक संचालन तिथि (सीओडी)

15.1.1 हवाईअड्डे का प्रत्येक चरण तब पूर्ण हुआ माना जाएगा जब यथास्थिति ऐसे चरण हेतु पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र अनुच्छेद 14 के उपबंध के अधीन जारी किया जाए; और तदनुसार हवाईअड्डे के तत्संबंधी चरण की वाणिज्यिक संचालन तिथि वह तिथि होगी जिस तिथि को ऐसा पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र जारी किया जाए और रियायतग्राही ने लागू अनुज्ञाएँ प्राप्त कर ली हों, जिनमें हवाईअड्डे के तत्संबंधी चरण के संचालन हेतु डीजीसीए से लाइसेंस सम्मिलित है ("**सीओडी**")। हवाईअड्डा चरण-I हेतु सीओडी को वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश करेगा, जिसके पश्चात रियायतग्राही अनुच्छेद 32 के उपबंधों के अनुसार शुल्क की माँग एवं संग्रहण करने का हकदार होगा।

15.1.2 यदि प्राधिकरण, यथास्थिति पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र जारी होने के पश्चात, हवाईअड्डे के वाणिज्यिक सेवा में प्रवेश को रोकता है, या रुकवाता है, या किसी भी प्रकार विलंबित करता है; अथवा जहाँ यथास्थिति स्वतंत्र अभियंता या प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी किसी कारण से स्वतंत्र अभियंता द्वारा ऐसे प्रमाणपत्र के निर्गम में ऐसा विलंब होता है, वहाँ रियायतग्राही तत्संबंधी चरण हेतु सीओडी घोषित कर सकेगा तथा प्राधिकरण को तत्काल सूचित करेगा। एतद् अधीन तत्संबंधी चरण हेतु सीओडी की घोषणा से संबंधित किसी विवाद की दशा में, विवाद समाधान प्रक्रिया लागू होगी।

15.2 विलंब हेतु क्षतिपूर्ति

खंड 12.4 एवं 12.8 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, यदि तत्संबंधी चरण हेतु सीओडी अनुसूचित पूर्णता तिथि के पश्चात 91वें (इक्यानवेवें) दिन से पूर्व नहीं आता है, तो, जब तक कि विलंब प्राधिकरण के लिए उत्तरदायी कारणों से या अप्रत्याशित घटना के कारण न हो, रियायतग्राही प्राधिकरण को तत्संबंधी चरण हेतु सीओडी प्राप्त होने तक प्रत्येक दिन के विलंब हेतु निष्पादन प्रतिभूति की राशि के 0.1% (शून्य दशमलव एक प्रतिशत) की दर से परिकलित राशि के रूप में क्षतिपूर्ति का भुगतान करेगा।

16. कार्यक्षेत्र में परिवर्तन

16.1 कार्यक्षेत्र में परिवर्तन

16.1.1 प्राधिकरण, इस करार में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, किंतु खंड 16.1.4 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, ऐसे अतिरिक्त कार्यों एवं सेवाओं के प्रावधान की अपेक्षा कर सकेगा जो अनुसूची ए में अधिकथित मास्टर प्लान में सम्मिलित नहीं हैं तथा वैमानिक सेवाओं के निष्पादन हेतु आवश्यक हैं; इसे कार्यक्षेत्र में परिवर्तन माना जाएगा ("**कार्यक्षेत्र में परिवर्तन**")। ऐसा कोई कार्यक्षेत्र परिवर्तन इस अनुच्छेद 16 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा, तथा उसकी लागत रियायतग्राही द्वारा व्यय की जाएगी और प्राधिकरण द्वारा उसे खंड 16.3 के अनुसार प्रतिपूरित की जाएगी।

16.1.2 यदि रियायतग्राही किसी भी समय यह अवधारित करता है कि उपयोगकर्ताओं को अधिक सुरक्षित एवं बेहतर सेवाएँ प्रदान करने हेतु कार्यक्षेत्र में परिवर्तन आवश्यक है, तो वह लिखित सूचना द्वारा प्राधिकरण से ऐसे कार्यक्षेत्र परिवर्तन पर विचार करने की अपेक्षा करेगा। प्राधिकरण, ऐसी सूचना की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिन के भीतर, या तो ऐसे कार्यक्षेत्र परिवर्तन को रूपांतरणों सहित, यदि कोई हों, स्वीकार करेगा तथा इस अनुच्छेद 16 के अनुसार उसके लिए कार्यवाहियाँ आरंभ करेगा, अथवा रियायतग्राही को ऐसे कार्यक्षेत्र परिवर्तन को स्वीकार न करने के अपने कारणों से लिखित में अवगत कराएगा।

16.1.3 इस अनुच्छेद 16 के अधीन एवं उसके अनुसार प्रदान किए गए कोई भी कार्य या सेवाएँ हवाईअड्डे का भाग बनेंगे, तथा इस करार के उपबंध ऐसे कार्यों या सेवाओं पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

16.1.4 रियायतग्राही अभिस्वीकार एवं सहमत करता है कि हवाईअड्डे का कोई भी विस्तार, जिसमें वैमानिक परिसंपत्तियों एवं गैर-वैमानिक परिसंपत्तियों का विस्तार सम्मिलित है, जो इस करार के उपबंधों के अनुपालन हेतु आवश्यक है, कार्यक्षेत्र परिवर्तन का भाग नहीं होगा तथा रियायतग्राही की लागत एवं व्यय पर किया जाएगा।

16.1.5 खंड 32.5.2 एवं 32.6 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, यदि कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश के कारण उपगत पूँजीगत व्यय या उसका कोई भाग एईआरए द्वारा प्रशुल्क के निर्धारण हेतु स्वीकार एवं विचारित किया जाता है, तो ऐसे कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश के कार्यान्वयन हेतु ऐसा समस्त अनुमोदित व्यय रियायतग्राही द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, यदि रियायतग्राही ने कार्यक्षेत्र परिवर्तन हेतु अनुच्छेद 16 के उपबंधों के अधीन प्राधिकरण से कोई

भुगतान प्राप्त किया है तथा कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश या उसका कोई भाग एईआरए द्वारा प्रशुल्क के निर्धारण हेतु स्वीकार एवं विचारित किया जाता है, तो रियायतग्राही ऐसे कार्यक्षेत्र परिवर्तन हेतु प्राधिकरण से प्राप्त राशियाँ (अथवा उनका वह भाग जो कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश के अनुसार कुल व्यय की तुलना में एईआरए द्वारा अनुमोदित व्यय के अनुपात में हो) एईआरए द्वारा प्रशुल्क के निर्धारण हेतु ऐसे पूँजीगत व्यय को स्वीकार करने के 60 दिन से अनधिक अवधि में प्रतिदेय करेगा। यह भी स्पष्ट किया जाता है कि यदि भुगतान एईआरए द्वारा प्रशुल्क के निर्धारण हेतु ऐसे पूँजीगत व्यय को स्वीकार करने के 60 दिन के भीतर कर दिया जाता है, तो ऐसी प्रतिदत्त राशि पर कोई ब्याज देय नहीं होगा। 60 दिन से परे, विलंब के प्रत्येक अतिरिक्त दिन हेतु प्रचलित बैंक दर प्लस 3 प्रतिशत की ब्याज दर लागू होगी।

16.2 कार्यक्षेत्र परिवर्तन की प्रक्रिया

16.2.1 यदि प्राधिकरण यह अवधारित करता है कि कार्यक्षेत्र में परिवर्तन आवश्यक है, तो वह रियायतग्राही को एक सूचना जारी करेगा जिसमें उसके अधीन परिकल्पित कार्य एवं सेवाएँ युक्तियुक्त विस्तार से विनिर्दिष्ट होंगी ("**कार्यक्षेत्र परिवर्तन नोटिस**")।

16.2.2 कार्यक्षेत्र परिवर्तन सूचना की प्राप्ति पर, रियायतग्राही, सम्यक तत्परता से, 45 (पैंतालीस) दिन की अवधि के भीतर प्राधिकरण को ऐसी जानकारी, जो आवश्यक हो, प्रारंभिक प्रलेखन के समर्थन सहित निम्नलिखित के संबंध में प्रदान करेगा:

क. वह प्रभाव, यदि कोई हो, जो कार्यक्षेत्र परिवर्तन के परियोजना पूर्णता अनुसूची या चरण पूर्णता अनुसूची पर पड़ने की संभावना है, यदि कार्य या सेवाएँ निर्माण अवधि के दौरान की जानी अपेक्षित हों; तथा

ख. प्रस्तावित कार्यक्षेत्र परिवर्तन के कार्यान्वयन के विकल्प तथा वह प्रभाव, यदि कोई हो, जो प्रत्येक ऐसे विकल्प का उसकी लागत एवं समय पर पड़ेगा, जिसमें कार्य वर्गीकरण के अनुसार विस्तृत विभाजन सम्मिलित होगा जिसमें प्राधिकरण द्वारा अपने संविदाकारों को सौंपे गए कार्यों पर लागू दर अनुसूची के अनुसार परिकलित सामग्री एवं श्रम लागतें, साथ ही ऐसी दरों पर प्रस्तावित प्रीमियमछूट विनिर्दिष्ट होंगी/; परंतु यह कि ऐसी जानकारी प्रदान करने में रियायतग्राही द्वारा उपगत लागत प्राधिकरण द्वारा उस सीमा तक प्रतिपूरित की जाएगी जहाँ तक ऐसी लागत स्वतंत्र अभियंता द्वारा युक्तियुक्त प्रमाणित की जाए।

16.2.3 खंड 16.2.2 में अधिकथित जानकारी की प्राप्ति पर, यदि प्राधिकरण कार्यक्षेत्र परिवर्तन के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लेता है, तो वह रियायतग्राही को अपना वरीय विकल्प संप्रेषित करेगा; और तदुपरांत पक्षकार, स्वतंत्र अभियंता की सहायता से, उसके कार्यान्वयन हेतु समय एवं लागतों पर सहमत होने हेतु सद्भावपूर्ण प्रयास करेंगे। सहमति हो जाने पर, प्राधिकरण

एक आदेश ("**कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश**") जारी करेगा जिसमें रियायतग्राही से उसके निष्पादन के साथ आगे बढ़ने की अपेक्षा की जाएगी। यदि पक्षकार सहमत होने में असमर्थ रहते हैं, तो प्राधिकरण, कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश जारी करके, रियायतग्राही से यह अपेक्षा कर सकेगा कि वह विवाद के समाधान तक उसके निष्पादन के साथ आगे बढ़े, अथवा खंड 16.5 के अनुसार कार्य कराए।

16.2.4 इस करार के उपबंध, जहाँ तक वे निर्माण कार्यों एवं परीक्षणों से संबंधित हैं, इस अनुच्छेद 16 के अधीन कार्यक्षेत्र परिवर्तन के रूप में रियायतग्राही द्वारा किए गए कार्यों पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

16.3 कार्यक्षेत्र परिवर्तन हेतु भुगतान

कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश जारी करने के 30 (तीस) दिन के भीतर, प्राधिकरण रियायतग्राही को एतद् अधीन सहमत कार्यक्षेत्र परिवर्तन की लागत के 20% (बीस प्रतिशत) के बराबर राशि का अग्रिम भुगतान करेगा; और किसी विवाद की दशा में, स्वतंत्र अभियंता द्वारा आकलित लागत का 20% (बीस प्रतिशत)। रियायतग्राही, कार्य आरंभ होने के पश्चात, यथास्थिति प्रगतिरत कार्यों या पूर्ण किए गए कार्यों के संबंध में भुगतान हेतु प्राधिकरण को बिल प्रस्तुत करेगा, जो ऐसी प्रलेखन द्वारा समर्थित होंगे जो प्राधिकरण के लिए उनकी यथार्थता निर्धारित करने हेतु युक्तियुक्त रूप से पर्याप्त हो। ऐसे बिलों की प्राप्ति के 30 (तीस) दिन के भीतर, प्राधिकरण रियायतग्राही को ऐसी राशियाँ संवितरित करेगा जो स्वतंत्र अभियंता द्वारा युक्तियुक्त प्रमाणित की गई हों, तथा एतद् अधीन किए गए अग्रिम भुगतान हेतु आनुपातिक कटौती करने के पश्चात; और किसी विवाद की दशा में, उसमें अंतिम समायोजन विवाद समाधान प्रक्रिया के अधीन एवं उसके अनुसार किए जाएँगे। परंतु यह कि प्राधिकरण एतद् अधीन भुगतान करने के स्थान पर खंड 32.5 के उपबंधों के अनुसार ऐसे भुगतान की व्यवस्था कर सकेगा।

16.4 कतिपय कार्यों पर प्रतिबंध

16.4.1 इस अनुच्छेद 16 में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, किंतु खंड 16.4.2 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, प्राधिकरण रियायतग्राही से ऐसे कार्य या सेवाएँ करने की अपेक्षा नहीं करेगा यदि ऐसे कार्य या सेवाएँ अनुसूचित पूर्णता तिथि तक हवाईअड्डे की पूर्णता को विलंबित करने की संभावना रखते हों; परंतु यह कि यदि प्राधिकरण ऐसे कार्यों या सेवाओं को आवश्यक समझता है, तो वह कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश जारी कर सकेगा, इस शर्त के अधीन रहते हुए कि ऐसे आदेश का भाग बनने वाले या उससे प्रभावित कार्य, हवाईअड्डे की पूर्णता निर्धारित करने तथा अनंतिम प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयोजनों हेतु परिगणित नहीं किए जाएँगे।

16.4.2 इस अनुच्छेद 16 में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, रियायतग्राही किसी कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश को निष्प्रभावी करने का हकदार होगा, यदि उसके कारण समस्त कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेशों से संबंधित संचयी लागतें ऐसे कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश की तिथि से ठीक पूर्ववर्ती 3 (तीन) वर्ष की किसी निरंतर अवधि में कुल परियोजना लागत के 10% (दस प्रतिशत) से अधिक हो जाएँ; अथवा यदि ऐसी संचयी लागतें रियायत अवधि के दौरान किसी भी समय कुल परियोजना लागत के 25% (पच्चीस प्रतिशत) से अधिक हो जाएँ।

16.5 कार्य कराने की प्राधिकरण की शक्ति

16.5.1 खंड 16.1.1 एवं 16.3 में इसके प्रतिकूल किसी बात के होते हुए भी, प्राधिकरण, रियायतग्राही को सूचना देने तथा उस पर उसके उत्तर पर विचार करने के पश्चात, खंड 16.1.1 के अधीन परिकल्पित कोई कार्य या सेवाएँ किसी भी व्यक्ति को खुली प्रतिस्पर्धी बोली के आधार पर प्रदान कर सकेगा; परंतु यह कि रियायतग्राही के पास चयन मानदंडों के अनुसार प्रथम स्थान की बोली की बराबरी करने का विकल्प होगा, जो प्राधिकरण को बोली राशि के 2.5% (दो दशमलव पाँच प्रतिशत) के भुगतान के अधीन होगा; और तदुपरांत ऐसे कार्यों या सेवाओं का पुरस्कार सुरक्षित करना। संदेह निवारण हेतु, यह सहमत है कि रियायतग्राही ऐसे विकल्प का प्रयोग करने का हकदार केवल तभी होगा जब उसने बोली प्रक्रिया में भाग लिया हो तथा उसकी बोली प्रथम स्थान की बोली से उसके 10% (दस प्रतिशत) से अधिक न हो। यह भी सहमत है कि रियायतग्राही उस व्यक्ति को पहुँच, सहायता एवं सहयोग प्रदान करेगा जो एतद् अधीन कार्य या सेवाएँ करता है। संदेह निवारण हेतु, प्राधिकरण अभिस्वीकार एवं सहमत करता है कि वह इस खंड 16.5.1 के अधीन कोई कार्य या सेवाएँ नहीं कराएगा यदि ऐसे कार्य या सेवाएँ रियायतग्राही पर तात्त्विक प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करते हों।

16.5.2 इस खंड 16.5 के अनुसार किए गए कार्य विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप होंगे तथा ऐसी रीति से किए जाएँगे जो हवाईअड्डे के संचालन एवं प्रबंधन में व्यवधान को न्यूनतम करे। इस करार के उपबंध, जहाँ तक वे निर्माण कार्यों एवं परीक्षणों से संबंधित हैं, इस खंड 16.5 के अधीन किए गए कार्यों पर यथावश्यक परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

17. संचालन एवं रखरखाव

17.1 रियायतग्राही के ओ एंड एम दायित्व

17.1.1 संचालन अवधि के दौरान, रियायतग्राही हवाईअड्डे का संचालन एवं रखरखाव इस करार, लागू विधियों एवं लागू अनुज्ञाओं के अनुसार या तो स्वयं अथवा ओएंडएम संविदाकारों के माध्यम से करेगा; और यदि अपेक्षित हो, तो इस करार, लागू विधियों एवं लागू अनुज्ञाओं के उपबंधों का अनुपालन करने हेतु हवाईअड्डे में रूपांतरण, मरम्मत या अन्यथा सुधार करेगा, तथा विनिर्देशों एवं मानकों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप रहेगा। एतद् अधीन रियायतग्राही के दायित्वों में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

(क) यह सुनिश्चित करना कि वैमानिक सेवाएँ, गैर-वैमानिक सेवाएँ तथा ऐसी अन्य सेवाएँ, जो इस करार के निबंधनों एवं उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार अपेक्षित हों, प्रदान की जाएँ;

(ख) सामान्य संचालन दशाओं के दौरान हवाईअड्डे पर उपयोगकर्ताओं की सुरक्षित, सुचारु एवं अबाधित आवाजाही तथा यातायात के प्रवाह की अनुमति देना, जिसमें उसकी हानि या क्षति का निवारण सम्मिलित है;

(ग) शुल्क का संग्रहण एवं विनियोजन;

(घ) दुर्घटनाओं अथवा हवाईअड्डे की सुरक्षा एवं उपयोग को प्रभावित करने वाली अन्य घटनाओं की दशा में, त्वरित एवं प्रभावी प्रत्युत्तर प्रदान करके तथा राज्य की आपातकालीन सेवाओं के साथ संपर्क बनाए रखकर, उपयोगकर्ताओं की आवाजाही एवं यातायात के प्रवाह में व्यवधान को न्यूनतम करना;

(ङ) हवाईअड्डे का आवधिक निवारक रखरखाव करना;

(च) यह सुनिश्चित करना कि वैमानिक परिसंपत्तियाँ, जिनमें रनवे, टैक्सीवे, एप्रन एवं अप्रोच क्षेत्र सम्मिलित हैं, लागू विधियों, लागू अनुज्ञाओं तथा सुसंगत आईसीएओ दस्तावेज़ों एवं अनुबंधों में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार अनुरक्षित एवं संचालित की जाएँ;

(छ) यह सुनिश्चित करना कि रनवे – जिनमें स्ट्रिप, शोल्डर, स्टॉप वे एवं रनवे हेतु आरईएसए सम्मिलित हैं – तथा टैक्सीवे एवं पृथक्करण खाड़ियों हेतु स्ट्रिप एवं शोल्डर, लागू विधियों, लागू अनुज्ञाओं तथा सुसंगत आईसीएओ दस्तावेज़ों एवं अनुबंधों में अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार अनुरक्षित किए जाएँ;

(ज) यह सुनिश्चित करना कि हवाईअड्डे की बाधा परिसीमन सतहें तथा अप्रोच एवं टेक-ऑफ़ क्षेत्र बाधाओं से मुक्त रखे जाएँ, अथवा बाधाएँ लागू विधियों एवं सुसंगत आईसीएओ दस्तावेज़ों एवं अनुबंधों में विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय सीमाओं तक सीमित रहें;

(झ) नैमित्तिक रखरखाव करना, जिसमें दरारों, जोड़ों, जल निकासी प्रणालियों, तटबंधों, संरचनाओं, भवनों, फुटपाथ चिह्नों, सिग्नल प्रणालियों, संचार प्रणालियों, प्रकाश व्यवस्था, सड़क संकेतों एवं अन्य उपकरणों की त्वरित मरम्मत सम्मिलित है;

(ञ) बड़ा रखरखाव करना, जैसे संरचनाओं की मरम्मत, उपकरणों, सिग्नल एवं संचार प्रणाली की मरम्मत एवं पुनर्सज्जा तथा उपकरणों का बड़ा ओवरहॉल;

(ट) यह सुनिश्चय करना कि यथास्थिति प्राधिकरण अथवा नामित भारत सरकार अभिकरण द्वारा चिह्नित संवेदनशील एवं क्रांतिक क्षेत्र, जो सीएनएस/एटीएम उपकरणों एवं सुविधाओं के संचालन हेतु हों, किसी भी बाधा से मुक्त रखे जाएँ, तथा ऐसी कोई बाधा अनुज्ञात न की जाए जो इन उपकरणों एवं सुविधाओं की सुरक्षा या कार्यप्रणाली में बाधा डाल सकती हो अथवा विमान संचालन की सुरक्षा को संकट में डाल सकती हो;

(ठ) यह सुनिश्चय करना कि हवाईअड्डे पर संचालनात्मक क्षेत्रों, रनवे एवं टैक्सीवे में तथा उनके आस-पास पक्षी एवं पशु उपद्रव को रोकने हेतु समुचित व्यवस्थाएँ एवं पूर्वावधानियाँ की गई हों;

(ड) एयरफ़ील्ड लाइटिंग प्रणाली तथा मुख्य एवं स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति प्रणालियों का रखरखाव लागू विधियों, नवीनतम डीजीसीए सीएआर तथा सुसंगत आईसीएओ दस्तावेज़ों एवं अनुबंधों में विहित मानकों के अनुसार करना;

(ढ) संबंधित विधि प्रवर्तन अभिकरणों की सहायता से हवाईअड्डे पर किसी अतिक्रमण, अनधिकृत प्रवेश या अनधिकृत उपयोग को रोकना;

(ण) पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण तथा इसके लिए उपकरणों और सामग्रियों का प्रावधान;

(त) विमानन और गैर-विमानन सेवाओं के कुशल संचालन और प्रबंधन के लिए आवश्यक सभी संचार, नियंत्रण और प्रशासनिक प्रणालियों का संचालन और रखरखाव;

(थ) आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए, लागू कानूनों के अनुसार, उपयोगकर्ताओं, सरकारी संस्थाओं, मीडिया और अन्य एजेंसियों के साथ संपर्क स्थापित करने और उनके सुझावों पर ध्यान देने हेतु एक जनसंपर्क इकाई का रखरखाव;

(द) अनुच्छेद 23 के अनुसार सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन;

(ध) सभी परियोजना परिसंपत्तियों का परिश्रमपूर्वक, कुशलतापूर्वक और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार संचालन और रखरखाव;

(न) हवाईअड्डे के संचालन में समयनिष्ठता और विश्वसनीयता बनाए रखना;

(ऩ) हवाईअड्डे पर स्वच्छता और साफ-सफाई का उच्च स्तर बनाए रखना;

(प) प्रासंगिक आईसीएओ मानकों, लागू कानूनों, लागू परमिटों और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार अग्नि सुरक्षा सावधानियों से संबंधित सभी उपाय करना; और

(फ) समय-समय पर प्राधिकरण, किसी भी सरकारी संस्था, डीजीसीए, उत्तर प्रदेश सरकार या सरकार द्वारा मांगी जाने वाली सभी आवश्यक जानकारी, डेटा, परिचालन सांख्यिकी, आदि प्रदान करना।

17.1.2 रियायतग्राही हवाईअड्डे से सभी अतिरिक्त निर्माण मशीनरी और सामग्री, अपशिष्ट सामग्री (खतरनाक सामग्री और गंदे पानी सहित), कूड़ा-करकट और अन्य मलबा (बिना किसी सीमा के, दुर्घटना का मलबा सहित) तुरंत हटाएगा और हवाईअड्डे को साफ, सुथरी और व्यवस्थित स्थिति में रखेगा, और लागू कानूनों, लागू परमिटों और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुरूप रखेगा।

17.1.3 रियायतग्राही, अच्छी उद्योग प्रथा के अनुरूप, साइट पर स्थित सभी एप्रोच सड़कों, ओवर-ब्रिज/अंडर-ब्रिज, ओवर-पास, अंडर-पास या अन्य संरचनाओं के हिस्सों का रखरखाव करेगा, जो हवाईअड्डे का हिस्सा नहीं हैं।

17.2. रखरखाव आवश्यकताएँ

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि संचालन अवधि के दौरान हर समय, हवाई अड्डा अनुसूची-के ("रखरखाव आवश्यकताएँ") में निर्धारित रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

17.3. रखरखाव मैनुअल

17.3.1 निर्धारित समाप्ति तिथि से 90 (नब्बे) दिन पहले तक, रियायतग्राही स्वतंत्र इंजीनियर के परामर्श से, विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप हवाईअड्डे के नियमित और निवारक रखरखाव के लिए एक मरम्मत, संचालन और रखरखाव मैनुअल ("रखरखाव मैनुअल") विकसित करेगा, रखरखाव आवश्यकताएँ, सुरक्षा आवश्यकताएँ, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेज़ों और परिशिष्टों में निर्धारित मानक, समय-समय पर डीजीसीए द्वारा अधिसूचित लागू दिशानिर्देश और अच्छी उद्योग प्रथा, और इसकी 5 (पाँच) प्रतियों को प्राधिकरण को तथा 2 (दो) प्रतियों को स्वतंत्र इंजीनियर को प्रदान करेगा। रखरखाव मैनुअल को हर 3 (तीन) साल में एक बार संशोधित और अदद्यतन किया जाएगा और इस खंड 17.3 के प्रावधान, आवश्यक संशोधनों के साथ, ऐसे संशोधन पर लागू होंगे। संदेह से बचने के लिए, इस खंड 17.3 के प्रावधान सिटी साइड डेवलपमेंट पर लागू नहीं होंगे।

17.3.2 खंड 17.3.1 के प्रावधानों के प्रति पूर्वाग्रह के बिना, रखरखाव मैनुअल में विशेष रूप से परियोजना परिसंपत्तियों के रखरखाव के लिए प्रावधान शामिल होंगे और यह जीवन चक्र रखरखाव, नियमित रखरखाव और प्रतिक्रियाशील रखरखाव के लिए प्रावधान प्रदान करेगा जो परियोजना परिसंपत्तियों के रखरखाव और मरम्मत के लिए यथोचित रूप से आवश्यक हो सकता है, जिसमें उनका प्रतिस्थापन भी शामिल है, ताकि उनकी समग्र स्थिति अच्छी उद्योग प्रथाओं के अनुरूप हो।

17.4. रखरखाव कार्यक्रम

17.4.1 प्रत्येक चरण के लिए सीओडी पर या उससे पहले और संचालन अवधि के दौरान प्रत्येक लेखा वर्ष की शुरुआत से 45 (पैंतालीस) दिनों से अधिक पहले नहीं, जैसा भी मामला हो, रियायतग्राही प्राधिकरण और स्वतंत्र इंजीनियर को, निवारक, तत्काल और अन्य निर्धारित रखरखाव (यहाँ "रखरखाव कार्यक्रम" के रूप में संदर्भित) का अपना प्रस्तावित वार्षिक कार्यक्रम प्रदान करेगा

रखरखाव आवश्यकताओं, रखरखाव मैनुअल और सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन करना। ऐसे रखरखाव कार्यक्रम में शामिल होंगे:

(क) निवारक रखरखाव अनुसूची;

(ख) तत्काल मरम्मत करने के लिए व्यवस्था और प्रक्रियाएं,

(ग) रखरखाव की जरूरतों का निर्णय लेने के लिए अपनाए जाने वाले मानदंड;

(घ) हवाईअड्डे के सभी घटकों के निरीक्षण के लिए अंतराल और प्रक्रियाएं;

(ङ) वे अंतराल जिन पर रियायतग्राही आवधिक रखरखाव करेगा;

(च) सुरक्षा संबंधी उपायों को लागू करने के लिए व्यवस्था और प्रक्रियाएं; और

(छ) प्रमुख रखरखाव कार्यों के लिए अंतराल और उनका दायरा ।

17.4.2. रखरखाव कार्यक्रम की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, स्वतंत्र इंजीनियर उसकी समीक्षा करेगा और रखरखाव आवश्यकताओं, रखरखाव मैनुअल और सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ उसकी अनुपालनता के विशेष संदर्भ में अपनी टिप्पणियाँ रियायतग्राही को संप्रेषित करेगा।

17.4.3 रियायतग्राही परिस्थितियों के अनुसार उचित समझी जाने वाली संशोधन कर सकता है, और खंड 17.4.1 और 17.4.2 में निर्दिष्ट प्रक्रिया ऐसे संशोधनों पर यथासंभव लागू होगी।

17.5. सुरक्षा, टूट-फूट और दुर्घटनाएँ

17.5.1 अनुदानकर्ता उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षित परिस्थितियों को सुनिश्चित करेगा, और असुरक्षित परिस्थितियों, रनवे या टैक्सीवे को हुए नुकसान, एयरफ़ील्ड लाइटिंग सिस्टम में व्यवधान, टूट-फूट और दुर्घटनाओं की स्थिति में, वह प्रासंगिक परिचालन प्रक्रियाओं का पालन करेगा और बिना किसी देरी के बाधाओं और मलबे को हटाने का कार्य करेगा। ऐसी प्रक्रियाएं इस समझौते, लागू कानूनों, लागू परमिटों, और प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और परिशिष्टों में निर्धारित मानकों और अच्छे उद्योग अभ्यास के प्रावधानों के अनुरूप होंगी।

17.5.2 हवाईअड्डे पर बचाव कार्यों के लिए रियायतग्राही की जिम्मेदारी में किसी भी विशेष घटना के प्रति प्रारंभिक प्रतिक्रिया के रूप में प्रभावित क्षेत्र से सभी उपयोगकर्ताओं और कर्मचारियों का सुरक्षित निकासी शामिल होगा और इसमें मलबे या किसी अन्य बाधा को तुरंत हटाना भी शामिल होगा, जो उपयोगकर्ताओं के यातायात और आवागमन के सुचारू प्रवाह को खतरे में डाल सकती है या उसमें बाधा डाल सकती है। इस उद्देश्य के लिए, उसे बचाव उपकरणों के साथ 2 (दो) चौबीसों घंटे चलने वाली बचाव गाड़ियाँ बनाए रखनी और चलानी होंगी और गाड़ियों को इस तरह से तैनात करना होगा कि दुर्घटना स्थल तक त्वरित पहुँच संभव हो ।

17.6. आपातकाल के कारण बार्ड बंद करना

17.6.1 यदि, रियायतग्राही की उचित राय में, कोई आपात स्थिति मौजूद है जो हवाईअड्डे के पूरे या किसी भाग को निष्क्रिय करने और बंद करने का औचित्य प्रस्तुत करती है, तो रियायतग्राही को हवाईअड्डे के पूरे या किसी भाग को उपयोगकर्ताओं के लिए तब तक बार्ड न करने और बंद करने का अधिकार होगा, जब तक ऐसी आपात स्थिति और उसके परिणामों का औचित्य बना रहेगा; बशर्ते कि ऐसी निष्क्रियता और उसके विवरणों की सूचना रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को बिना किसी देरी के दी जाए, और रियायतग्राही ऐसी आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राधिकरण द्वारा दिए गए किसी भी उचित निर्देश का पालन करेगा और उनका आचरण करेगा।

17.6.2 रियायतग्राही, हवाईअड्डे को बंद करने और बार्ड न करने वाली परिस्थितियाँ समाप्त हो जाने या उनमें इतना कमी आ जाने के बाद कि रियायतग्राही हवाईअड्डे को पुनः चालू कर सके, यथाशीघ्र हवाईअड्डे या उसके प्रभावित भाग को पुनः चालू करेगा और बिना किसी देरी के प्राधिकरण को इसकी सूचना देगा।

17.6.3 हवाईअड्डे के किसी भी भाग के बार्ड न करने या बंद करने और उसके पुनः चालू किए जाने को, यथाशीघ्र, सार्वजनिक घोषणाओं/सूचना के माध्यम से प्रभावित व्यक्तियों के ध्यान में लाया जाएगा।

17.6.4. आपातकाल के दौरान या राष्ट्रीय सुरक्षा और लोकहित के कारणों से हवाईअड्डे या उसके किसी भाग के चालू किए जाने या प्रतिबंधित उपयोग के लिए रियायतग्राही को कोई दावा या मुआवजा देय नहीं होगा।

17.7. सेक्शन (हिस्से) का बंद होना

17.7.1 खंड 17.6 में प्रदत्त प्रावधानों को छोड़कर, रखरखाव कार्यक्रम का हिस्सा नहीं होने वाले, नियमित और निवारक रखरखाव या मरम्मत कार्य करने के लिए, रियायतग्राही हवाईअड्डे के किसी भी हिस्से को बंद नहीं करेगा, सिवाय इसके कि उसे स्वतंत्र अभियंता से की पूर्व लिखित मंजूरी प्राप्त हो।

ऐसी मंजूरी के लिए अनुरोध, उस हिस्से के प्रस्तावित बंद होने से कम से कम 7 (सात) दिन पहले, स्वतंत्र अभियंता को एक लिखित अनुरोध के माध्यम से किया जाएगा, और उसकी एक प्रति प्राधिकरण को प्रदान की जाएगी, और इसके साथ ही उसके विवरण भी संलग्न होंगे। ऐसा अनुरोध प्राप्त होने के 3 (तीन) दिनों के भीतर, स्वतंत्र अभियंता रखरखाव मैनुअल और रखरखाव कार्यक्रम के अनुरूप, अपनी उचित और आवश्यक समझानुसार संशोधनों के साथ अनुमति प्रदान करेगा और ऐसी अनुमति की एक प्रति प्राधिकरण को भेजी जाएगी।

17.7.2 खंड 17.7.1 के प्रावधान, खंड 17.6.1 के अंतर्गत हवाईअड्डे के किसी भी हिस्से को बंद करने या उसके बार्ड न करने पर लागू नहीं होंगे, यदि ऐसा बंद करना इस उद्देश्य के लिए स्वतंत्र अभियंता द्वारा ऑफ-पीक अवधि के रूप में निर्दिष्ट दिन के किसी भी समय में एक दिन में 6 (छह) घंटे से अधिक की अवधि के लिए न हो।

17.7.3 खंड 17.7.1 के अनुसार अनुमति प्राप्त करने पर, रियायतग्राही को उसमें निर्दिष्ट अवधि के लिए नामित खंड को बंद करने का अधिकार होगा, और ऐसे हिस्से को पुनः खोलने में किसी भी देरी की स्थिति में, रियायतग्राही को प्राधिकरण को औसत दैनिक राजस्व की दर से 0.1% (शून्य दशमलव एक प्रतिशत) की दर से, देरी के प्रत्येक दिन के लिए तब तक क्षतिपूर्ति का भुगतान करना होगा जब तक कि उस हिस्से को यातायात के लिए पुनः नहीं खोल दिया जाता।

17.8. रखरखाव दायित्वों के उल्लंघन के लिए हर्जाना

17.8.1 यदि रियायतग्राही रखरखाव आवश्यकताओं में निर्दिष्ट किसी भी दोष या कमी की मरम्मत या सुधार निर्दिष्ट अवधि के भीतर करने में विफल रहता है, तो उसे इस अनुबंध का उल्लंघन करने वाला माना जाएगा और प्राधिकरण को हर्जाना वसूलने का अधिकार होगा, जिसकी गणना और भुगतान उल्लंघन को ठीक किए जाने तक देरी के प्रत्येक दिन के लिए

किया जाएगा, जो निम्नलिखित में से उच्चतर होगा: (क) औसत दैनिक राजस्व का 0.5% (शून्य दशमलव पाँच प्रतिशत), और (ख) स्वतंत्र अभियंता द्वारा अनुमानित ऐसे मरम्मत या सुधार की लागत का 0.1% (शून्य दशमलव एक प्रतिशत)। ऐसे हर्जाने की वसूली इस समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकारों, जिसमें इसे समाप्त करने का अधिकार भी शामिल है, के प्रतिकूल नहीं होगी।

17.8.2 खंड 17.8.1 में निर्दिष्ट हर्जाने का मूल्यांकन और निर्दिष्टीकरण स्वतंत्र इंजीनियर द्वारा तत्काल किया जा सकता है, बशर्ते कि प्राधिकरण, अपने विवेकाधिकार पर, हर्जाने के रूप में एक छोटी राशि की मांग कर सकता है, यदि उसकी राय में, उल्लंघन को तुरंत ठीक कर दिया गया है और अन्यथा रियायतग्राही अपने यहाँ के दायित्वों का अनुपालन कर रहा है। अनुदानकर्ता ऐसे हर्जाने का भुगतान तुरंत करेगा और यदि वह ऐसे हर्जाने पर विवाद करता है, तो विवाद समाधान प्रक्रिया लागू होगी।

17.9. प्राधिकरण का सुधारात्मक उपाय अपनाने का अधिकार

17.9.1 ऐसी स्थिति में कि रियायतग्राही रखरखाव आवश्यकताओं, रखरखाव मैनुअल या रखरखाव कार्यक्रम, जैसा भी मामला हो, के अनुरूप हवाईअड्डे या उसके किसी भाग का रखरखाव और/या मरम्मत नहीं करता है, और 15 के भीतर सुखंडत्मक कार्य शुरू करने में विफल रहता है (पंद्रह) दिनों के भीतर, चाहे जो भी मामला हो, प्राधिकरण द्वारा ओ एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट या इस संबंध में दिए गए नोटिस की प्राप्ति पर, प्राधिकरण, इस अनुबंध के तहत अपने अधिकारों, जिसमें इसका समापन भी शामिल है, को प्रभावित किए बिना, ऐसे सुखंडत्मक उपायों को ठेकेदार के जोखिम और लागत पर करने का, और अपनी लागत वसूलने का हकदार होगा। उपरोक्त लागत की वसूली के अतिरिक्त, ऐसी लागत का 20% (बीस प्रतिशत) के बराबर राशि रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को हर्जाने के रूप में भुगतान की जाएगी। संदेह से बचने के लिए, इस खंड 17.9.1 के तहत प्राधिकरण का अधिकार, खंड 17.8 के तहत प्रदान किए गए उसके अधिकारों और उपायों के अधीन होगा।

17.9.2 प्राधिकरण को अधिकार है कि वह खंड 17.9.1 में निर्दिष्ट लागत और हर्जाने को सीधे एस्क्रो खाते से वसूल करे, जैसे कि वे लागत और हर्जाने ओएंडएम व्यय हों, और उस उद्देश्य के लिए, अनुदानकर्ता एतद्वारा एस्क्रो बैंक को अपरिवर्तनीय निर्देश देने के लिए सहमत है कि वह इस खंड 17.9.2 के तहत प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार एस्क्रो खाते से भुगतान करे और उसे संचालन एवं रखरखाव व्यय में डेबिट करे। हर्जाने के रूप में वसूली गई राशि को विमानन शुल्क के निर्धारण के लिए पास-थ हेतु नहीं माना जाएगा।

17.10. प्राधिकरण की सर्वोच्च शक्तियाँ

17.10.1 यदि प्राधिकरण की उचित राय में, रियायतग्राही इस अनुबंध के तहत अपने दायित्वों, और विशेष रूप से रखरखाव आवश्यकताओं, का गंभीर उल्लंघन कर रहा है, और ऐसा उल्लंघन उपयोगकर्ताओं को गंभीर कठिनाई या खतरा पहुँचा रहा है या पहुँचाने की संभावना है, तो प्राधिकरण, इस अनुबंध के तहत अपने किसी भी अधिकार, जिसमें इसका समापन भी शामिल है, को प्रभावित किए बिना, नोटिस द्वारा रियायतग्राही से यह मांग कर सकता है कि वह, जैसा भी मामला हो, ऐसी कठिनाई या खतरे को ठीक करने या दूर करने के लिए तुरंत उचित उपाय करे।

17.10.2 इस स्थिति में कि खंड 17.10.1 के तहत नोटिस दिए जाने पर, रियायतग्राही एक उचित अवधि के भीतर किसी भी कठिनाई या खतरे को ठीक करने या दूर करने में विफल रहता है, प्राधिकरण इस खंड 17.10.2 के तहत अपने सर्वोच्च अधिकारों का प्रयोग कर सकता है और ऐसी कठिनाई या खतरे को ठीक करने या दूर करने के लिए आवश्यक समझी जाने वाली सीमा तक रियायतग्राही के किसी या सभी दायित्वों का पालन अपने हाथ में ले सकता है; बशर्ते कि प्राधिकरण द्वारा ऐसे अधिलेखन शक्तियों का प्रयोग इस अनुभाग के अंतर्गत उचित रूप से आवश्यक से अधिक दायरे और अधिक अवधि का न हो; यह भी बशर्ते कि इस अनुभाग के अंतर्गत अपने दायित्वों के निर्वहन में प्राधिकरण द्वारा किए गए कोई भी लागत और व्यय संचालन एवं रखरखाव व्यय माने जाएँगे, और प्राधिकरण को उन व्ययों को खंड 17.9 के प्रावधानों के अनुसार उसमें निर्दिष्ट हर्जाने के साथ-साथ अनुदानकर्ता से वसूल करने का अधिकार होगा। खंड 17.9 के प्रावधान के अनुसार हर्जाने के रूप में वसूली गई राशि का एयरोनॉटिकल शुल्कों के निर्धारण में पास-थ्रू के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

17.10.3 राष्ट्रीय आपातकाल, नागरिक अशांति या अनुच्छेद 39.3 में निर्दिष्ट किसी अन्य कृत्य की स्थिति में, प्राधिकरण, रियायतग्राही के किसी या सभी दायित्वों के निर्वहन को, अपनी आवश्यकतानुसार, अपने अधिग्रहण में ले सकता है, या भारत सरकार की किसी नामित एजेंसी को ऐसा करने का अधिकार दे सकता है, और हवाईअड्डे पर ऐसा नियंत्रण रख सकता है या रियायतग्राही को ऐसी निर्देश दे सकता है, जैसा आवश्यक समझा जाए; बशर्ते कि प्राधिकरण द्वारा ऐसे सर्वोपरि अधिकारों का प्रयोग उस परिधि और अवधि से अधिक न हो, जो उन परिस्थितियों में यथोचित रूप से आवश्यक हो, जिनके कारण प्राधिकरण द्वारा ऐसे सर्वोपरि अधिकारों का प्रयोग किया गया। संदेह से बचने के लिए, यह सहमति दी जाती है कि ऐसी कार्रवाई के परिणामों को अनुच्छेद 39 के प्रावधानों के अनुसार निपटाया जाएगा। यह भी सहमति दी जाती है कि रियायतग्राही प्राधिकरण द्वारा इस खंड 17.10 के प्रावधानों के अनुसरण में जारी किए गए निर्देशों का पालन करेगा, और अपने यहाँ के दायित्वों के निर्वहन के लिए सर्वोत्तम प्रयास के आधार पर प्राधिकरण को सहायता और सहयोग प्रदान करेगा।

17.11. हवाईअड्डे को हुए नुकसान या हानि की बहाली

इस अनुबंध में अन्यथा स्पष्ट रूप से प्रावधान किए गए को छोड़कर, इस घटना में कि विशेषाधिकार अवधि के दौरान हवाईअड्डे या उसके किसी भी हिस्से को किसी भी कारण से कोई हानि या क्षति होती है, तो विशेषाधिकार प्राप्तकर्ता, अपने खर्च पर, तत्काल ऐसी हानि या क्षति की मरम्मत और निवारण करेगा ताकि हवाई अड्डा इस अनुबंध के प्रावधानों के अनुरूप हो। यदि ऐसा नुकसान या हानि इस अनुबंध के तहत रियायतग्राही के प्रदर्शन दायित्वों के किसी उल्लंघन या चूक के कारण हुई है, तो ऐसे नुकसान या हानि की मरम्मत या सुधार पर रियायतग्राही द्वारा उठाए गए खर्चों को विमानन शुल्क के निर्धारण के प्रयोजनों के लिए ध्यान में नहीं रखा जाएगा।

17.12. हवाईअड्डे में बदलाव

17.12.1 रियायतग्राही हवाईअड्डे में कोई भी महत्वपूर्ण बदलाव नहीं करेगा, सिवाय उन बदलावों के जो मास्टर प्लान, विनिर्देशों और मानकों, रखरखाव आवश्यकताओं, अच्छे उद्योग अभ्यास, के अनुरूप हवाईअड्डे के संचालन के लिए आवश्यक हों, लागू कानूनों और इस अनुबंध के प्रावधानों के साथ बशर्ते कि रियायतग्राही ऐसे बदलावों पर काम शुरू करने से कम से कम 30 (तीस) दिन पहले स्वतंत्र इंजीनियर को प्रस्तावित बदलावों और उनके विवरण के साथ सूचित करेगा और स्वतंत्र इंजीनियर द्वारा रियायतग्राही के प्रस्ताव को प्राप्त करने के 30 (तीस) दिनों के भीतर दिए गए किसी भी सुझाव पर उचित रूप से विचार करेगा। संदेह से बचने के लिए, इसके तहत किए गए सभी बदलाव सुरक्षा आवश्यकताओं, विनिर्देश और मानक, लागू कानून, लागू परमिट, अच्छी उद्योग प्रथा और इस समझौते के प्रावधान के अनुरूप होंगे।

17.12.2 इस अनुबंध के प्रावधान, जहाँ तक वे निर्माण कार्यों और परीक्षणों से संबंधित हैं, हवाईअड्डे के बदलाव के भाग के रूप में सभी निर्माण कार्यों पर यथासंभव लागू होंगे ।

17.13. दायित्वों के पालन से छूट

यदि हवाईअड्डे का कोई भाग निम्नलिखित में से किसी के कारण उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध नहीं है, तो इस अनुबंध के तहत रियायतग्राही को अपनी बाध्यताओं के उल्लंघन में नहीं माना जाएगा:

(क) फोर्स मैज्योर की घटना;

(ख) हवाईअड्डे के सुरक्षित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए उपाय, सिवाय इसके कि इस अनुबंध के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफलता के कारण असुरक्षित परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई; या

(ग) प्राधिकरण के अनुरोध या किसी सरकारी संस्था के निर्देशों का अनुपालन, जिसके परिणामस्वरूप हवाईअड्डे को या उसके किसी भाग को बंद कर दिया जाता है।

बशर्ते कि ऐसी किसी भी अनुपलब्धता और उसके विवरण की सूचना रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण और स्वतंत्र अभियंता को बिना किसी देरी के दी जाएगी;

यह और शर्त है कि रियायतग्राही हवाईअड्डे के सभी अमभावित हिस्सों को यातायात के लिए खुला रखेगा, बशर्ते कि उनका सुरक्षित रूप से संचालन किया जा सके।

17.14. अवरोध और विचलन

प्राधिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि संचालन अवधि के दौरान, आपात स्थिति, राष्ट्रीय सुरक्षा, या कानून और व्यवस्था के कारणों को छोड़कर, किसी भी सरकारी संस्था द्वारा हवाईअड्डे पर कोई अवरोध या बाधा नहीं लगाई या रखी जाएगी। प्राधिकरण यह सुनिश्चित करने का सर्वोत्तम प्रयास करेगा कि कोई भी सरकारी संस्था, आपात स्थिति, राष्ट्रीय सुरक्षा या कानून और व्यवस्था के कारणों को छोड़कर, हवाईअड्डे तक जाने वाली सड़कों का कोई भी विचलन या उन्हें बंद करने का कार्य न करे, जिससे हवाईअड्डे तक आवागमन पर कोई महत्वपूर्ण प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

17.15. रक्षा बलों द्वारा हवाईअड्डे का उपयोग

17.15.1 रियायतग्राही यह स्वीकार करता है और सहमत है कि रक्षा बलों को, लागू कानूनों के अनुसार और खंड 17.15.3 में निर्दिष्ट शर्त के अधीन, किसी भी प्रकार की कोई प्रतिबंध या बाधा के बिना, हर समय हवाईअड्डे और उसकी सभी सुविधाओं का उपयोग करने का अधिकार होगा।

17.15.2 द्वारा 17.15.1 के प्रावधानों को प्रभावित किए बिना, आपातकाल के दौरान हवाई क्षेत्र के आवंटन और बंदी तथा हवाईअड्डे के उपयोग के संबंध में रक्षा बलों के प्रति रियायतग्राही के दायित्व समय-समय पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित किए जाएँगे, और उस सीमा तक, रियायतग्राही को हवाईअड्डे के नागरिक उपयोगकर्ताओं को सेवाएँ प्रदान करने के अपने दायित्वों से मुक्त कर दिया जाएगा।

17.15.3 कहीं भी इसके विपरीत कुछ भी निहित होने के बावजूद, रियायतग्राही निम्नलिखित करेगी:

(क) युद्ध, प्राकृतिक आपदा/आपदा, आंतरिक अशांति आदि जैसी आपात स्थितियों से निपटने के लिए, भारत सरकार की संघीय युद्ध पुस्तक (Union War Book) के प्रावधानों के

अनुसार, सैन्य और अर्धसैन्य विमानों के उपयोग हेतु हवाईअड्डे और परियोजना सुविधाओं को निःशुल्क और आवश्यक सीमा तक उपलब्ध कराएगा;

(ख) शत्रुता/अभ्यास/एचएडीआर मिशन के दौरान आईएएफ विमानों के संचालन के लिए कार्यालय स्थान के साथ चौड़े शरीर वाले विमानों को पार्क करने के लिए लगभग 450 मीटर x 150 मीटर का एक अलग एप्रन प्रदान करना;

(ग) रक्षा और अन्य अर्धसैन्य विमानों के लिए लैंडिंग और पार्किंग की निर्बाध सुविधाएं, लैंडिंग और पार्किंग शुल्क के बिना प्रदान करना, और रक्षा अभियानों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे की सुविधाएं और उपकरण भी प्रदान करना;

(घ) सुरक्षा एजेंसियों को आवधिक और आकस्मिक निरीक्षणों के लिए हवाईअड्डे तक पहुंच प्रदान करना;

(ङ) प्रमुख प्रबंधकीय व्यक्ति के रूप में किसी भी पद पर वरिष्ठ निर्णय लेने वाले पदों के लिए विदेशी नागरिकों को काम पर रखने हेतु संबंधित सरकारी संस्थाओं की मंजूरी प्राप्त करना;

(च) आईएएफ एन्क्लेव के विकास के लिए निःशुल्क 10 एकड़ भूमि प्रदान करना;

(छ) बीसीएएस और डीजीसीए द्वारा निर्धारित सुरक्षा उपायों का पालन करना;

(ज) साइट और हवाईअड्डे पर निर्माण, ग्राउंड हैंडलिंग या अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के लिए लगाई जाने वाली विदेशी फर्मों के क्रेडेंशियल्स का पूर्व सत्यापन प्राप्त करना;

(झ) यदि आवश्यक हो, तो हवाईअड्डे के विकास में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की सीमाओं से संबंधित मंजूरी संबंधित सरकारी संस्थाओं से प्राप्त करना, और नियंत्रण या स्वामित्व में कोई भी परिवर्तन राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से सुरक्षा मंजूरी के अधीन होगा;

(ञ) उन अंतरराष्ट्रीय यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को संभालने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे को सुनिश्चित करना, जिन्हें आव्रजन और सीमा शुल्क से गुजरना होता है; और

(ट) हवाईअड्डे पर स्वास्थ्य सेवाओं और पौध संगरोध के लिए उचित व्यवस्था सुनिश्चित करना ।

17.16. सिटी साइड डेवलपमेंट का संचालन और रखरखाव

पक्षगण स्पष्ट रूप से सहमत हैं कि अनुच्छेद 17 के प्रावधान सिटी साइड डेवलपमेंट पर लागू नहीं होंगे; बशर्ते, कि रियायतग्राही इस बात से सहमत है और यह वचन देती है कि वह सिटी

साइड डेवलपमेंट को हर समय अच्छी उद्योग प्रथाओं और लागू कानूनों के अनुसार बनाए। रखेगा।

17.17. प्राधिकरण द्वारा हवाईअड्डे का उपयोग

रियायतग्राही हवाईअड्डे पर प्राधिकरण या उसके नामांकित व्यक्तियों के 2 (दो) कोड सी विमानों (हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर) की पार्किंग के लिए पर्याप्त स्थान प्रदान करेगा, जिसमें 1 (एक) हँगर शामिल है। रियायतग्राही प्राधिकरण और उसके नामांकित व्यक्तियों के साथ, हवाईअड्डे पर उनके विमानों की आवाजाही में सहयोग करने और सहायता करने, तथा प्राथमिकता के आधार पर हवाईअड्डे के उपयोग को सुविधाजनक बनाने के लिए सहमत है और यह दायित्व ग्रहण करता है।

17.18. बिजली और जल आपूर्ति

17.18.1 रियायतग्राही हवाईअड्डे के संचालन के लिए आवश्यक जल और बिजली, लागू कानूनों के अनुसार शुल्क का भुगतान करके, संबंधित स्थानीय उपयोगिताओं से प्राप्त करेगा। यह सहमति दी जाती है कि रियायतग्राही हवाईअड्डे के संचालन के लिए आवश्यक बिजली की स्टैंडबाय आपूर्ति के लिए अपना स्वयं का संयंत्र स्थापित करेगा।

17.18.2 रियायतग्राही, परियोजना के प्रयोजनों के लिए बिजली का उपयोग करने, उत्पादन या वितरण के प्रयोजनों के लिए, विद्युत अधिनियम, 2003 और उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों और विनियमों के प्रावधानों का अनुपालन करेगा।

अनुच्छेद 18

18. वैमानिकी परिसंपतियों का संचालन

18.1. विमानन संपत्तियों का संचालन और प्रबंधन

18.1.1 इस करार में प्रदान किए गए को छोड़कर, रियायतग्राही इस करार, लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथा के प्रावधानों के अनुसार विमानन संपत्तियों के संचालन और प्रबंधन का कार्य करेगा।

18.1.2 रियायतग्राही अनुसूची-डी में निर्दिष्ट विनिर्देशों और मानकों के अनुसार तथा समय-समय पर डीजीसीए और आईसीएओ या उनके किसी उत्तराधिकारी द्वारा निर्दिष्ट मानकों के अनुसार विमानन परिसंपत्तियों का संचालन करेगा। इस अनुच्छेद 18 की सामान्यता को प्रभावित किए बिना, रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि विमानन परिसंपत्तियाँ हर समय विमानों और यात्रियों, तथा हवाईअड्डे पर अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा और सुरक्षा से संबंधित नियमों का अनुपालन करें।

18.1.3 इस अनुबंध में प्रदान किए गए सिवाय, रियायतग्राही तीसरे पक्षों द्वारा हवाई यातायात संपत्तियों के उपयोग को विनियमित करेगा और लागू कानूनों तथा इस अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार सभी एयरलाइनों और यात्रियों को गैर-भेदभावपूर्ण पहुंच प्रदान करेगा। संदेह से बचने के लिए, विमानों और यात्रियों की पहचानी गई श्रेणियों के लिए विभिन्न स्तरों की सेवाओं का प्रावधान, इस करार के तहत भेदभाव के रूप में नहीं माना जाएगा।

18.1.4 रियायतग्राही हर समय विमानों द्वारा आवागमन और उपयोग के लिए निर्धारित सभी क्षेत्रों को अवरोध-मुक्त रखेगा।

18.1.5 रियायतग्राही, समय-समय पर आईसीएओ द्वारा निर्दिष्ट किए जा सकने वाले साइनेज के मानकों के अनुपालन के अधीन, एयरोनॉटिकल परिसंपत्तियों के सुरक्षित और कुशल उपयोग के लिए निर्देश, संकेत और सिग्नल प्रदान करेगा।

18.1.6 आरक्षित सेवाओं के प्रावधान के लिए आवश्यक स्थान और पहुंच रियायतग्राही द्वारा अनुच्छेद 22.8 के प्रावधानों के अनुसार प्रदान की जाएगी।

18.2. ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएँ

18.2.1 रियायतग्राही, हवाईअड्डे पर विमानों, यात्रियों और कार्यों के लिए और उनके संबंध में आवश्यक ग्राउंड हैंडलिंग सेवाओं के संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा या प्रदान करवाएगा, जिसमें रैंप हैंडलिंग, ट्रैफिक हैंडलिंग, विमान हैंडलिंग, विमान की सफाई,

लोडिंग और अनलोडिंग ("ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएं") शामिल होंगी। ऐसे अवसंरचना में इस समझौते, लागू कानूनों और अच्छे उद्योग अभ्यास के प्रावधानों के अनुसार सामान कन्वेयर बेल्ट, कंप्यूटर टर्मिनल, आईटी बैकबोन और अन्य सभी संबंधित सुविधाएं शामिल होंगी।

18.2.2 रियायतग्राही इस समझौते के प्रावधानों और अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएं प्रदान करेगा या प्रदान करवाएगा। इसके अलावा, रियायतग्राही लागू कानूनों के अनुसार यदि आवश्यक हो तो अतिरिक्त तृतीय-पक्ष ग्राउंड हैंडलिंग सेवा प्रदाता की व्यवस्था करेगा।

18.3. विमान ईंधन सेवाएँ

18.3.1 रियायतग्राही, हवाईअड्डे पर विमानों के लिए ईंधन भरने की सेवाओं ("विमान ईंधन सेवाएं") के संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करेगी, या प्रदान करवाएगी। ऐसे बुनियादी ढांचे में इस समझौते, लागू कानूनों और अच्छे उद्योग अभ्यास के प्रावधानों के अनुसार टैंक फार्म, सामान्य हाइड्रेट ईंधन प्रणालियाँ और संबंधित सुविधाएं शामिल होंगी।

18.3.2 रियायतग्राही इस समझौते के प्रावधानों और अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार विमान ईंधन सेवाएं प्रदान करेगा या प्रदान करवाएगा। इसके अलावा, रियायतग्राही लागू कानूनों के तहत आवश्यक होने पर अतिरिक्त तृतीय-पक्ष विमान ईंधन सेवा प्रदाता को प्राप्त करेगा।

अनुच्छेद 19

19. टर्मिनल भवन का संचालन

19.1. टर्मिनल भवन का संचालन और प्रबंधन

19.1.1 रियायतग्राही इस समझौते, लागू कानूनों और अच्छे उद्योग अभ्यास के प्रावधानों के अनुसार टर्मिनल भवन के संचालन और प्रबंधन का कार्य करेगा। इस अनुच्छेद 19 की सामान्यता को प्रभावित किए बिना, रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि टर्मिनल भवन के भीतर के स्थान अनुसूची-बी और अनुसूची-सी में निर्दिष्ट संबंधित उद्देश्यों के लिए उपयोग किए जाएँ।

19.1.2 रियायतग्राही अनुसूची-डी में निर्धारित विनिर्देशों और मानकों और आईएटीए या उसके किसी उत्तराधिकारी द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट मानकों के अनुसार टर्मिनल भवन का संचालन करेगा।

19.1.3 रियायतग्राही तृतीय पक्षों द्वारा टर्मिनल भवन के उपयोग को विनियमित करेगा और लागू कानूनों तथा इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार सभी एयरलाइनों और यात्रियों को गैर-भेदभावपूर्ण पहुंच प्रदान करेगा। संदेह से बचने के लिए, एयरलाइनों और यात्रियों की पहचानी गई श्रेणियों के लिए विभिन्न स्तरों की सेवाओं का प्रावधान, इस समझौते के तहत भेदभाव के रूप में नहीं माना जाएगा।

19.1.4 रियायतग्राही हर समय यात्रियों के आवागमन और उपयोग के लिए निर्धारित सभी क्षेत्रों को अवरोध-मुक्त रखेगा ।

19.1.5 रियायतग्राही सामान के लिए पर्याप्त संख्या में कन्वेयर बेल्ट प्रदान करेगा, ताकि सभी आगमन वाले विमानों में से 95% (पचासी प्रतिशत) के लिए उनके आगमन के 10 (दस) मिनट के भीतर एक कन्वेयर बेल्ट उपलब्ध हो, और टर्मिनल भवन में यात्रियों के सामान की कुशल आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए कन्वेयर बेल्ट का संचालन और रखरखाव करेगा।

19.1.6 रियायतग्राही बैगेज क्लेम क्षेत्रों और टर्मिनल भवन के प्रवेश बिंदुओं पर आसान पहुँच के भीतर कुशल बैगेज ट्रॉलियों की पर्याप्त आपूर्ति प्रदान करेगा और उसका रखरखाव करेगा। संदेह से बचने के लिए, पार्टियां इस बात पर सहमत हैं कि ट्रॉलियों पर विज्ञापन प्रदर्शित किए जा सकते हैं।

19.1.7 रियायतग्राही, यात्रियों के लिए शुल्क के भुगतान पर पोर्टर सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा।

19.1.8 रियायतग्राही को हर समय टर्मिनल भवन के भीतर, निम्नलिखित सभी चीजें प्रदान करनी होंगी, या प्रदान करवाना सुनिश्चित करना होगा:

(क) यात्रियों के लिए कम से कम 3 (तीन) स्थानों पर मुफ्त पीने के पानी के आउटलेट, जिनमें से एक यात्रियों के लिए सुरक्षा जांच क्षेत्र के भीतर स्थित होगा;

(ख) बोतलबंद पानी, पैक किया हुआ भोजन/स्नैक्स और पेय पदार्थ अधिकतम खुदरा मूल्य पर प्रदान करने के लिए कम से कम 5 (पाँच) सुविधाजनक स्थानों पर स्थापित वेंडिंग मशीनें; और (ग) यात्रियों को पेय और स्नैक्स बेचने के लिए कम से कम [4 (चार)] कियोस्क या आउटलेट, और ये प्रतिस्पर्धी विक्रेताओं द्वारा संचालित हों।

19.1.9 रियायतग्राही, समय-समय पर आईसीएओ द्वारा निर्दिष्ट किए जा सकने वाले साइनेज के मानकों के अनुपालन के अधीन, यात्रियों को सुविधा प्रदान करने और उन्हें एयरलाइंस काउंटर, यात्रा सुविधाओं, यात्री सुविधाओं और कार्गो सुविधाओं तक अपना रास्ता खोजने में सहायता करने के लिए निर्देश, संकेत, सिग्नल, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली और पूछताछ काउंटर प्रदान करेगा।

19.1.10. रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि यात्रियों के लिए प्रतीक्षालय उपलब्ध हों, ताकि टर्मिनल भवन में पीक आवर ट्रैफिक के कम से कम 30% (तीस प्रतिशत) के लिए बैठने की क्षमता उपलब्ध हो ।

19.1.11 रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि टर्मिनल भवन हवाईअड्डे के संचालन समय के दौरान, सार्वजनिक छुट्टियों सहित, और किसी उड़ान के निर्धारित प्रस्थान से 120 (एक सौ बीस) मिनट पहले और उसके आगमन के 60 (साठ) मिनट बाद तक, या सुरक्षा आवश्यकताओं और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार प्राधिकरण द्वारा निर्दिष्ट अनुसार, यात्रियों के लिए खुला रहे।

19.2. सेवा का स्तर

19.2.1 रियायतग्राही सहमत है और यह वचन देता है कि पीक आवर के दौरान टर्मिनल भवन में सेवा का स्तर 'सेवा स्तर इष्टतम या समान मानक' से कम नहीं होगा।

जैसा कि समय-समय पर आईएटीए द्वारा निर्दिष्ट किया गया है और यदि यह देखा जाता है कि किसी भी तिमाही के दौरान सेवा का स्तर आईएटीए 'पीक आवर्स के दौरान सेवा का इष्टतम स्तर' से कम है और सेवा के स्तर में ऐसी गिरावट की घटना के 90 (नब्बे) दिनों के भीतर कम से कम सेवा स्तर तक सुधार नहीं होता है- उस किसी भी लेखा वर्ष में 'अनुकूलतम' से कम है, तो रियायतग्राही प्राधिकरण को हर्जाना देगा, जिसे उस लेखा वर्ष की शुल्कों से प्राप्त

कुल राजस्व के 1% (एक प्रतिशत) की दर से निर्धारित किया जाएगा। यह स्पष्ट किया जा सकता है कि ऐसे हर्जाने को विमानन टैरिफ के निर्धारण के लिए पारित लागत (pass through cost) के रूप में नहीं माना जाएगा।

19.2.2. रियायतग्राही खंड 26.10 के प्रावधानों के अनुसार यात्री चार्टर प्रकाशित और लागू करेगा।

19.3. विशेष सहायता की आवश्यकता वाले यात्री

19.3.1. रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि टर्मिनल भवन वरिष्ठ नागरिकों, और शारीरिक या दृष्टिबाधित यात्रियों और आगंतुकों की यात्रा संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करे, जिसमें अच्छी उद्योग प्रथा के अनुरूप रैंप, संशोधित शौचालय, व्हीलचेयर और आरक्षित पार्किंग स्थानों की व्यवस्था शामिल है, और यह उन यात्रियों और आगंतुकों पर किसी अतिरिक्त लागत के बिना हो।

19.3.2. रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि टर्मिनल भवन के भीतर बच्चों की देखभाल के लिए कमरे और सुविधाएं यात्रियों को बिना किसी अतिरिक्त लागत के उपलब्ध कराई जाएँ।

19.3.3. रियायतग्राही टर्मिनल भवन के भीतर खंड 5.12 में निर्दिष्ट तरीके से प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं स्थापित और संचालित करेगा।

19.4. आरक्षित क्षेत्र

19.4.1. निम्नलिखित संस्थाओं या प्रयोजनों के लिए स्थान, टर्मिनल भवन में आरक्षित क्षेत्र होगा:

(क) प्राधिकरण;

(ख) सुरक्षा

(ग) डीजीसीए:

(घ) वीआईपी लाउंज;

(ङ) आव्रजन;

(च) सीमा शुल्क;

(छ) क्वारंटाइन;

(ज) स्वास्थ्य; और

(झ) उत्तर प्रदेश सरकार, भारत सरकार और कोई अन्य नामित एजेंसिया, लागू कानूनों द्वारा अपेक्षित के रूप में।

19.4.2. आरक्षित क्षेत्र पर नियंत्रण प्राधिकरण और भारत सरकार की संबंधित नामित एजेंसियों में निहित होगा, जो उन कार्यों को करने के लिए जिम्मेदार हैं जिनके लिए खंड 19.4.1 के तहत स्थान को आरक्षित किया गया है या खंड 19.4.1 में निर्दिष्ट प्रयोजनों के अनुरूप किसी अन्य उद्देश्य के लिए। आरक्षित क्षेत्रों के संबंध में और उन तक पहुँच के संबंध में रियायतग्राही के दायित्व, आरक्षित क्षेत्र का हिस्सा बनाने वाले सिविल कार्यों, संरचनाओं और उपकरणों के रखरखाव तक ही सीमित होंगे; बशर्ते कि आपात स्थिति, आग या अन्य समान घटना की स्थिति में उसे वहाँ तक अप्रतिबंधित पहुँच प्राप्त होगी।

19.4.3. रियायतग्राही, टर्मिनल भवन के भीतर आरक्षित क्षेत्र को, अपनी लागत और खर्च पर, बिजली और पानी की आपूर्ति करेगा। संदेह से बचने के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि अनुसूची जी के अनुसार अनुदाता द्वारा तैयार मास्टर प्लान में अनुदाता और संबंधित सरकारी संस्था के बीच परिचालन आवश्यकता के लिए ही परस्पर सहमत आरक्षित क्षेत्र को बिजली पानी की आपूर्ति की लागत को विमानन लागत माना जाएगा और वह पारित की जाएगी, बशर्ते कि अनुदाला इन आरक्षित क्षेत्रों को निःशुल्क बिजली और पानी प्रदान करे। हालांकि, नामित जीओआई एजेंसी या रियायतग्राही को अपने पारस्परिक समझौते के अनुसार गैर-परिचालन (सार्वजनिक स्थानों को छोड़कर) क्षेत्रों के लिए आवंटित क्षेत्रों की लागत वहन करनी होगी।

19.4.4. जिस सीमा तक टर्मिनल भवन में केंद्रीय वातानुकूलन स्थापित और संचालित किया जाता है, उस सीमा तक रियायतग्राही आरक्षित क्षेत्र को उसके लाभ से वंचित नहीं करेगा; बशर्ते कि यह दायित्व उन घंटों तक विस्तारित नहीं होगा जब टर्मिनल भवन के भीतर यात्री लाउंज और अन्य सामान्य क्षेत्रों के लिए सामान्य वातानुकूलन बंद कर दिया जाता है।

19.4.5 इस खंड 19.4 में निहित किसी भी विपरीत बात के बावजूद, प्राधिकरण, रियायतग्राही की सहमति से, आरक्षित क्षेत्र या उसके किसी भी हिस्से को ऐसे नियमों और शर्तों पर रियायतग्राही को हस्तांतरित कर सकता है जिन पर सहमति हो जाए। ऐसी स्थिति में, रियायतग्राही प्राधिकरण, जिसमें इसके द्वारा नामित एजेंसियां भी शामिल हैं, के साथ आरक्षित क्षेत्र में एक सुरक्षित और कुशल वातावरण प्राप्त करने के लिए सहयोग करने का सर्वोत्तम प्रयास करेगा।

19.4.6 सदि और जब खंड 19.4.1 में निर्दिष्ट प्रयोजनों के लिए अतिरिक्त स्थान की आवश्यकता होती है, तो रियायतग्राही, संबंधित नामित जीओआई एजेंसी के परामर्श से, परस्पर सहमत शर्तों पर आरक्षित क्षेत्र का हिस्सा बनाने के लिए अतिरिक्त स्थान प्रदान करेगा। संदेह

से बचने के लिए, पक्ष स्पष्ट रूप से सहमत हैं कि यदि आरक्षित क्षेत्र के विस्तार के लिए अतिरिक्त स्थान की आवश्यकता होती है, तो रियायतग्राही को भारत सरकार की संबंधित नामित एजेंसी से, पिछले लेखा वर्ष के दौरान टर्मिनल भवन में किराए पर दिए गए सभी स्थान के लिए प्राप्त औसत मासिक किराए का 50% (पचास प्रतिशत) के बराबर मासिक किराया वसूल करने का अधिकार होगा, और ऐसे किराए में हर 3 (तीन) साल में एक बार संशोधन किया जाएगा। यह स्पष्ट किया जाता है कि एईआरए द्वारा विमानन टैरिफ के निर्धारण के लिए लागत हस्तांतरण (पास-थ्रू) के प्रयोजन हेतु अतिरिक्त लागत पर विचार, केवल उसी सीमा तक किया जाएगा, जहाँ तक यह अतिरिक्त लागत रियायतग्राही द्वारा भारत सरकार की नामित एजेंसियों को निःशुल्क प्रदान की जाती है, और एईआरए द्वारा मामले के गुण-दोषों के आधार पर इसका आकलन किया जाएगा। बशर्ते, हालांकि, कि यदि अतिरिक्त यात्री यातायात को संभालने के लिए टर्मिनल भवन का विस्तार किया जाता है, तो रियायतग्राही आरक्षित क्षेत्र के रूप में उपयोग के लिए आनुपातिक आधार पर अतिरिक्त स्थान निःशुल्क प्रदान करेगा और विमानन शुल्क निर्धारण के प्रयोजन के लिए ऐसी लागत का व्यवहार अनुच्छेद 19.4.3 में निर्दिष्ट के अनुसार किया जाएगा।

19.5. वीआईपी लाउंज

रियायतग्राही, भारत सरकार की नामित एजेंसियों और प्राधिकरण के अतिथियों और कर्मियों के उपयोग और आराम के लिए, टर्मिनल भवन में हर समय वीआईपी लाउंज प्रदान करेगा और उनका रखरखाव करेगा, जैसा कि समय-समय पर भारत सरकार और/या प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को अधिसूचित किया जा सकता है।

19.6. चेक-इन सेवाएँ

19.6.1 रियायतग्राही, प्रस्थान करने वाले यात्रियों के लिए और उनके संबंध में हवाईअड्डे पर चेक-इन सेवाओं के संचालन के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा प्रदान करेगा या प्रदान करवाएगा ("चेक-इन सेवाएं")। ऐसे बुनियादी ढांचे में काउंटर, स्व-सेवा चेक-इन कियोस्क, सामान कन्वेयर बेल्ट, कंप्यूटर टर्मिनल, आईटी बैकबोन और इस समझौते, लागू कानूनों, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों तथा अच्छे उद्योग अभ्यास के प्रावधानों के अनुसार संबंधित सुविधाएं शामिल होंगी।

19.6.2 रियायतग्राही, एयरलाइनों की ओर से और उनके लिए, इस समझौते के प्रावधानों और अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार यात्रियों को चेक-इन सेवाएं प्रदान करेगा।

19.6.3 इस खंड 19.6 में निहित किसी भी विपरीत बात के बावजूद, रियायतग्राही, उस एयरलाइन के विकल्प पर, उस एयरलाइन के उपयोगकर्ताओं को चेक-इन सेवाएं प्रदान करने के लिए सक्षम करेगा, जिसके लिए रियायतग्राही को पारस्परिक रूप से सहमत राशि और/या विमानन टैरिफ निर्धारण से संबंधित लागू कानूनों के अनुसार एईआरए द्वारा निर्धारित सेवा शुल्क का भुगतान किया जाएगा।

19.7. निर्दिष्ट क्षेत्रों का वाणिज्यिक उपयोग

19.7.1 इस समझौते लागू कानूनों के प्रावधानों के अधीन, रियायतग्राही टर्मिनल भवन का उपयोग वाणिज्यिक उद्देश्यों के लिए कर सकता है, जैसे कि यात्रा सुविधाएं, उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधाएं, रेस्तरां, आवास, खुदरा या हवाई अड्डों में प्रचलित कोई अन्य गैर-हवाई सेवाएं।

19.7.2 रियायतग्राही खंड 5.2 के प्रावधानों के अनुसार के सिवाय हवाईअड्डे के किसी भी हिस्से पर उप-लाइसेंस, असाइन या किसी भी प्रकार का भार नहीं डालेगा।

19.7.3 रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि उसके उप-लाइसेंसधारक सार्वजनिक कष्ट (जिसमें अत्यधिक शोर या खाना पकाने की गंध शामिल है) न पैदा करें; व्यापार के लिए ग्राहक न टटोले; और नकली सामान न बेचें ।

बिक्री के लिए, और वे अपनी-अपनी गतिविधियाँ लागू कानूनों, लागू परमिटों और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार करते हैं।

19.8. वाणिज्यिक विज्ञापन

रियायतग्राही लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुरूप टर्मिनल भवन में या उसके आसपास वाणिज्यिक विज्ञापन या प्रदर्शन कर सकता है या करवा सकता है।

अनुच्छेद 20

20. कार पार्क का संचालन

20.1. कार पार्क का संचालन और रखरखाव

20.1.1 रियायतग्राही इस समझौते, लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथाओं के प्रावधानों के अनुसार कार पार्क (आरक्षित कार पार्क सहित) का संचालन और रखरखाव करेगा या करवाएगा।

20.1.2. रियायतग्राही इस अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार तृतीय पक्षों द्वारा कार पार्क के उपयोग को विनियमित करेगा और सभी यात्रियों तथा आगंतुकों को इसके गैर-भेदभावपूर्ण उपयोग की अनुमति देगा, बशर्ते कि रियायतग्राही कार पार्क के उपयोग के लिए शुल्क लगा सकता है।

20.1.3 रियायतग्राही निम्नलिखित करेगा:

(क) यह सुनिश्चित करना कि कार पार्क का उपयोग केवल वाहनों की पार्किंग के लिए और किसी अन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाए, सिवाय विज्ञापन और उपयोगकर्ताओं के लिए सुविधाओं और साधनों के प्रावधान के; और

(ख) खंड 5.2 के प्रावधानों के अनुसार कार पार्क के किसी भी हिस्से को उप-लाइसेंस, असाइन या किसी भी प्रकार से भारित नहीं करेगा।

(ग) यात्रियों की सुगमता और सुविधा को ध्यान में रखते हुए वाहन पार्किंग स्थान की योजना बनाना और प्रवेश तथा निकास इस प्रकार डिजाइन करना कि वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित हो;

(घ) अल्पकालिक, दीर्घकालिक और रात भर पार्किंग जैसी विभिन्न उपयोगिता के लिए पार्किंग प्रदान करना;

(ङ) यह सुनिश्चित करना कि दोपहिया वाहनों, कारों, निजी टैक्सियों, नियमित टैक्सियों, बसों, ऑटो-रिक्शों आदि के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थान प्रदान किया जाए;

(च) आरक्षित पार्किंग और हवाईअड्डे या उसके किसी भी भाग में कार्यरत कर्मचारियों के लिए पार्किंग हेतु अलग स्थान;

20.2. आरक्षित कार पार्क का प्रावधान

रियायतग्राही अनुसूची-बी में निर्दिष्ट एक आरक्षित कार पार्क ("आरक्षित कार पार्क") का निर्माण, संचालन और रखरखाव करेगा या करवाएगा, और छूट प्राप्त व्यक्तियों तथा वीआईपी लाउंज

का उपयोग करने के हकदार व्यक्तियों या प्राधिकरण द्वारा जारी पास रखने वाले किसी अन्य व्यक्ति को इसका निःशुल्क उपयोग सुलभ कराएगा।

20.3. कार पार्क में सुविधाएँ

20.3.1 रियायतग्राही हर समय कार पार्क में, निम्नलिखित सभी सुविधाएं प्रदान करेगा या प्रदान करवाएगाः

(क) कम से कम 2 (दो) सुविधाजनक स्थानों पर मुफ्त पीने के पानी के आउटलेट;

(ख) बोतलबंद पानी और लोकप्रिय पेय, गर्म और ठंडे, प्रदान करने के लिए कम से कम 2 (दो) सुविधाजनक स्थानों पर स्थापित खादा स्टॉल/वेंडिंग मशीनें, ऐसी कीमत पर जो हवाईअड्डे के बाहर के बाजार में प्रचलित प्रत्येक ऐसे उत्पाद की अधिकतम खुदरा कीमत से अधिक न हो; और

(ग) कार पार्क के उपयोगकर्ताओं को पेय और स्नैक्स बेचने के लिए प्रतिस्पर्धी विक्रेताओं द्वारा संचालित कम से कम 2 (दो) कियोस्क या आउटलेट ।

20.4. चालकों के लिए प्रतीक्षालय

20.4.1 रियायतग्राही, कार पार्क के प्रवेश या निकास बिंदु के पास, ड्राइवरों के लिए एक प्रतीक्षालय प्रदान करेगा, जिसमें कार पार्क में कम से कम 5% (पाँच प्रतिशत) पार्किंग स्लॉट के लिए पर्याप्त बैठने की सुविधा और शौचालय होंगे, और वह यात्रियों और आगंतुकों के लिए एक सार्वजनिक संबोधन प्रणाली भी प्रदान करेगा ताकि वे अपने-अपने ड्राइवरों को टर्मिनल भवन में निर्दिष्ट स्थानों पर बुला सकें।

20.5. अनधिकृत पार्किंग

20.5.1 रियायतग्राही किसी भी वाहन को, जो पार्किंग के लिए निर्धारित या अधिकृत स्थान पर नहीं खड़ा है, हटा सकता है, और ऐसे वाहन को कार पार्क में पार्क कर सकता है। यदि रियायतग्राही किसी भी कारण से वाहन को कार पार्क में स्थानांतरित करने में सक्षम नहीं है, तो वह वाहन को जहाँ वह पार्क किया गया है या उसके पास अचल कर देगा, संदेह से बचने के लिए, रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि इस खंड 20.5.1 के प्रावधानों के तहत वाहनों को स्थानांतरित करने या अचल करने का कार्य इस तरह से किया जाए कि उन वाहनों को कोई क्षति न पहुंचे। संदेह से बचने के लिए, रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि इस खंड 20.5.1 के प्रावधानों के तहत वाहनों को स्थानांतरित करने या उन्हें अचल करने का कार्य इस तरह से किया जाए कि उन वाहनों को कोई क्षति न पहुंचे ।

20.5.2. रियायतग्राही टर्मिनल के किसी भी हिस्से से गुजरने के लिए एप्रोच रोड का उपयोग करने वाले उन वाहनों की आवाजाही को नहीं रोकेगा, या उनसे कोई शुल्क नहीं वसूलेगा, जो पीक अवधि के दौरान 2 (दो) मिनट से अधिक और ऑफ-पीक अवधि के दौरान 5 (पाँच) मिनट से अधिक नहीं रुकते हैं।

20.6. कार पार्क का विस्तार

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि कार पार्क में प्रदान किए गए पार्किंग स्लॉट उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त हों। यदि किसी भी लगातार 6 (छह) महीने की अवधि के दौरान 8 (आठ) पीक घंटों के दौरान औसतन 80% (अस्सी प्रतिशत) पार्किंग स्लॉट भरे रहते हैं, तो कार पार्क की क्षमता अपर्याप्त मानी जाएगी और रियायतग्राही, अपने खर्च पर, गुड इंडस्ट्री प्रैक्टिस और इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार तत्काल क्षमता वृद्धि और उसका विस्तार करेगा और अतिरिक्त पार्किंग स्थान का निर्माण करेगा।

अनुच्छेद 21

21. कार्गो और एमआरओ सुविधाओं का संचालन

21.1. कार्गो सुविधाओं का संचालन और रखरखाव

21.1.1 लागू कानूनों और लागू परमिटों के अधीन, रियायतग्राही स्वयं या किसी अन्य से, कार्गो सुविधाओं का विकास, संचालन और रखरखाव कराएगा, जिसमें इस अनुबंध के प्रावधानों, लागू कानूनों, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और परिशिष्टों तथा उत्तम उद्योग प्रथा के अनुसार आने-जाने वाले कार्यों के हैंडलिंग के लिए आवश्यक भवन, संरचनाएं और उपकरण शामिल होंगे।

21.1.2 रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि इस अनुबंध के तहत प्रदान की जाने वाली कार्गो सुविधाओं में इस अनुबंध के प्रावधानों और उत्तम उद्योग अभ्यास के अनुसार पर्याप्त कार्गो और पार्सल स्थान, हैंडलिंग उपकरण, नाशवान कार्यों और खतरनाक सामान का भंडारण और हैंडलिंग, कार्गो एजेंटों और ग्राहकों के लिए स्थान, निरीक्षण क्षेत्र, कार्यालय स्थान, स्वचालन प्रणालियाँ, स्क्रीनिंग उपकरण, भंडारण सुविधाएं, और डाक हैंडलिंग और कूरियर शिपमेंट के लिए सुविधाएं शामिल हों।

21.1.3 रियायतग्राही कार्गो सुविधाओं का संचालन और रखरखाव करेगा तथा इस समझौते के प्रावधानों, लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार एयरलाइनों और प्रेषकों को संबंधित सेवाएं प्रदान करेगा।

21.1.4 रियायतग्राही, सीमा शुल्क, सुरक्षा, क्वारंटाइन और अन्य नामित जीओआई एजेंसियों को, मामले के अनुसार, उनके वैधानिक कार्यों को पूरा करने के लिए, निःशुल्क और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार कार्यालय स्थान और अन्य सुविधाएं प्रदान करेगा, और बैक ऑफिस उपयोग के लिए, सीमा शुल्क, सुरक्षा, क्वारंटाइन और अन्य नामित जीओआई एजेंसियों पर, मामले के अनुसार, उनके वैधानिक कार्यों को पूरा करने के लिए पारस्परिक रूप से सहमत दरें लागू होंगी।

21.2. कार्यों सुविधाओं के उपयोग पर प्रतिबंध

21.2.1 मास्टर प्लान में कार्गो सुविधाओं के लिए निर्धारित क्षेत्र का उपयोग केवल कार्गो को संभालने और उससे संबंधित गतिविधियों के लिए किया जाएगा। रियायतग्राही सभी रणनीतिक स्थानों पर, जहाँ भी किसी भी प्रकार से कार्गो सुविधाओं को संभाला या उनसे संबंधित लेनदेन किया जा रहा हो, वेब-कैम स्थापित करेगा और उन्हें अच्छी कार्यशील स्थिति में चालू रखेगा।

21.2.2 रियायतग्राही, खंड 5.2 के प्रावधानों के अनुसार को छोड़कर, कार्गो सुविधाओं के किसी भी हिस्से पर कोई भार नहीं डालेगा या किसी भी प्रकार से उसे उत्पन्न नहीं करेगा।

21.3. एमआरओ सुविधाओं का संचालन और रखरखाव

विकसित होने पर, रियायतग्राही एमआरओ सुविधाओं का संचालन और रखरखाव करेगा या कराएगा।

अनुच्छेद 22

22. आरक्षित सेवाएँ

22.1. आारक्षित सेवाएँ

22.1.1 रियायतग्राही स्वीकार करता है और सहमत है कि केवल नामित जीओआई एजेंसियों को हवाईअड्डे पर निम्नलिखित सेवाएं ("आरक्षित सेवाएं") प्रदान करने का अधिकार है:

i. सीएनएस/ एटीएम सेवाएँ

ii. सुरक्षा सेवाएँ;

iii. मौसम संबंधी सेवाएं:

iv. अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाएं,

v. सीमा शुल्क नियंत्रणः

vi. आव्रजन सेवाएँ, और

vii. संगरोध सेवाएं:

viii. कोई अन्य सेवाएं, जैसा कि समय-समय पर लागू कानूनों के अनुसार भारत सरकार, उत्तर प्रदेश सरकार या किसी अन्य नामित सरकारी संस्था द्वारा अधिसूचित किया जा सकता है;

बशर्ते कि इस समझौते की कोई भी बात प्राधिकरण को, पक्षकारों के बीच पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर, किसी या सभी आरक्षित सेवाओं को करने के लिए रियायतग्राही को निर्देश देने से प्रतिबंधित नहीं करेगी।

22.1.2 प्राधिकरण समय-समय पर रियायतग्राही से यह अपेक्षा कर सकता है कि वह लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार आरक्षित सेवाओं के प्रदर्शन के लिए नामित जीओआई एजेंसियों में से किसी या सभी के साथ द्विपक्षीय समझौते करे ।

22.2. सीएनएस एटीएम सेवाएँ

22.2.1 प्राधिकरण, रियायतग्राही द्वारा लागू शर्तों और परिस्थितियों की पूर्ति पर, अनुसूची-वाई में निर्धारित प्रारूप के अनुरूप एएआई और रियायतग्राही के बीच एक समझौते के निष्पादन की व्यवस्था करेगा। ("सीएनएस/एटीएम समझौता"), जो यह सुनिश्चित करेगा कि अनुदान अवधि के दौरान, हवाईअड्डे पर, शिकागो कन्वेंशन के अनुसार समय-समय पर स्थापित या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार और भारत के अन्य हवाई अड्डों पर समान सेवाओं पर लागू

होने वाली समान शर्तों पर, तथा डीजीसीए के निर्देशों के अनुपालन में सीएनएस/एटीएम सेवाएं हर समय प्रदान की जाएँ।

22.2.2 ऐसी स्थिति में कि प्राधिकरण या कोई नामित जीओआई एजेंसी, जैसा भी मामला हो, इसे आवश्यक समझे, तो वह अपने खर्च पर, हवाईअड्डे पर मार्ग-संबंधी हवाई नेविगेशन सेवाओं के प्रावधान के लिए आवश्यक कोई भी रडार, उपकरण, भवन, कार्य या सुविधाएं स्थापित कर सकता है और रियायतग्राही इसके लिए सभी आवश्यक समर्थन और सहायता प्रदान करने का वचन देता है।

22.2.3 ऐसी स्थिति में कि यदि रियायतग्राही को आरक्षित सेवाओं के प्रावधान के लिए, सीएनएस/एटीएम उपकरण सहित, तैनात किए गए उपकरणों को आईसीएओ दस्तावेजों और परिशिष्टों में निर्धारित आवश्यकताओं से अधिक या उच्च स्तर पर अपग्रेड करने के लिए नामित जीओआई एजेंसी की आवश्यकता होती है, तो उपकरण के ऐसे वृद्धिशील उन्नयन पर हुए सभी व्यय और उसके संचालन की अतिरिक्त लागतें रियायतग्राही द्वारा वहन की जाएँगी और वार्षिक रूप से अग्रिम में नामित जीओआई एजेंसी को भुगतान की जाएँगी।

22.2.4 जब रियायतग्राही द्वारा एटीसी सुविधा प्राधिकरण या नामित जीओआई एजेंसी को, जैसा भी मामला हो, सौंप दी जाती है, तो प्राधिकरण या नामित जीओआई एजेंसी यह सुनिश्चित करेगी कि एटीसी सुविधा को इस अनुच्छेद 22 में निर्दिष्ट तरीके से सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने के लिए सीएनएस /एटीएम उपकरणों से लैस किया जाए, और यह कार्य ऐसे हस्तांतरण की तारीख से 90 (नब्बे) दिनों के भीतर पूरा किया जाए।

22.2.5 प्राधिकरण या नामित जीओआई एजेंसी हर समय आवश्यक सेवा मानक प्राप्त करेगी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रति घंटे रनवे की गतिविधियाँ, जेट विमानों के संदर्भ में मापी गई और एशिया प्रशांत क्षेत्र के भीतर समान रनवे विन्यास और मौसम संबंधी परिस्थितियों में संचालित होने वाले, उच्चतम यातायात वाले 5 (पाँच) हवाई अड्डों पर प्राप्त की जा रही सीमा के भीतर हों।

22.3. अन्य आरक्षित सेवाएँ

22.3.1 प्राधिकरण यह सहमत है और यह वचन देता है कि इस समझौते और लागू कानूनों के तहत रियायतग्राही को उसके दायित्वों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए, प्राधिकरण अपने स्वयं के कार्यों को कुशलतापूर्वक और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार पूरा करेगा या करवाएगा और हर समय, सर्वोत्तम प्रयासों के आधार पर, हवाईअड्डे पर आरक्षित सेवाएं, जिसमें

हवाईअड्डे पर सीमा शुल्क, आव्रजन और संगरोध सेवाएं शामिल हैं, को करने के लिए जिम्मेदार नामित जीओआई एजेंसियों द्वारा आवश्यक कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करेगा।

22.4. हवाई अड्डा सुरक्षा

22.4.1. रियायतग्राही, लागू कानूनों के अनुसार, नामित जीओआई एजेंसी के माध्यम से हवाईअड्डे पर सुरक्षा की व्यवस्था करेगा, जिसमें आतंकवाद, विमान अपहरण, तोड़फोड़ और/या इसी तरह के कृत्यों या घटनाओं की रोकथाम शामिल है।

22.4.2. रियायतग्राही यह सहमत है और यह दायित्व ग्रहण करता है कि हवाईअड्डे, उपयोगकर्ताओं, हवाईअड्डे पर काम करने वाले व्यक्तियों और हवाईअड्डे पर अन्य व्यक्तियों या संपत्ति की सुरक्षा के लिए अपनाई जाने वाली प्रथाएं और प्रक्रियाएं बीसीएएस द्वारा निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार होंगी।

22.4.3 प्राधिकरण यह सुनिश्चित करेगा कि रियायतग्राही और उसके सभी ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं, उप-ठेकेदारों और एजेंटों के कर्मियों तथा हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं को सुरक्षा कर्मियों या प्राधिकरण या नामित जीओआई एजेंसी के अन्य कर्मियों द्वारा किसी भी अनुचित हस्तक्षेप के बिना हवाईअड्डे में प्रवेश और निकास की स्वतंत्र अनुमति हो ।

22.4.4. नामित जीओआई एजेंसी को हवाईअड्डे का निरीक्षण और तलाशी लेने तथा साइट में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने वाले किसी भी व्यक्ति या वाहन की तलाशी लेने का अधिकार होगा, बशर्ते कि हवाईअड्डे के संचालन में अनुचित या अनावश्यक रूप से बाधा न डाली जाए।

22.4.5. रियायतग्राही को अपने संचालन में व्यवधान या प्राधिकरण या किसी नामित जीओआई एजेंसी की कार्रवाइयों के परिणामस्वरूप होने वाले नुकसान या हानि के लिए कोई मुआवजा प्राप्त करने का अधिकार नहीं होगा, सिवाय उन कार्रवाइयों के जो प्राधिकरण या नामित जीओआई एजेंसी के जानबूझकर या बहुत लापरवाह कृत्यों या चूकों के परिणामस्वरूप हों, जैसा भी मामला हो।

22.4.6 प्राधिकरण और रियायतग्राही यह सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त रूप से सर्वोत्तम प्रयास करेंगे कि हवाईअड्डे की सुरक्षा इस प्रकार बनी रहे कि रियायतग्राही द्वारा वहन किए जाने वाले बीमा कवर (यदि कोई हो) के तहत जोखिम प्रीमियम का स्तर न्यूनतम संभव दर पर हो। पक्षकार इस बात पर सहमत हैं कि सुरक्षा माहौल में बदलाव के कारण ऐसे जोखिम प्रीमियम में महत्वपूर्ण वृद्धि की स्थिति में, पट्टेदार, इस समझौते में निहित किसी भी विपरीत बात के बावजूद, प्राधिकरण या लागू होने पर नामित जीओआई एजेंसी की पूर्व स्वीकृति से

शुल्क में समानुपातिक वृद्धि के माध्यम से उपयोगकर्ताओं पर ऐसी वृद्धि का 80% (अस्सी प्रतिशत) स्थानांतरित करने का हकदार होगा।

22.4.7. अनुच्छेद 22 के प्रावधानों के तहत और उनके अनुसार, नामित सरकारी एजेंसी द्वारा निर्दिष्ट सुरक्षा सेवाओं के प्रावधान की लागत, लागू कानूनों द्वारा अनुमत और सीमित तरीके से और एईआरए द्वारा निर्धारित अनुसार, रियायतग्राही द्वारा उपयोगकर्ताओं से वसूल की जाएगी और वही राशि रियायतग्राही द्वारा नामित जीओआई एजेंसी को भुगतान की जाएगी। यह स्पष्ट किया जा सकता है कि, यदि लागू कानूनों द्वारा अनुमत/सीमित और एईआरए द्वारा निर्धारित उपयोगकर्ताओं से लागतों की वसूली, नामित जीओआई एजेंसी की लागत को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है, तो इसके तहत होने वाली कमी का पूरा भार रियायतग्राही द्वारा वहन किया जाएगा।

22.5. पुलिस सहायता

लागू कानूनों और इस अनुबंध के अनुसार हवाईअड्डे के उपयोग को विनियमित करने के लिए, प्राधिकरण हवाईअड्डे पर पुलिस सहायता पोस्ट ("पुलिस सहायता पोस्ट") की स्थापना सहित पुलिस से सहायता प्राप्त करने में रियायतग्राही की सहायता करेगा।

22.6. मौसम संबंधी सेवाएँ

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि हवाईअड्डे पर सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए मौसम संबंधी सुविधाएं और सेवाएं भारत मौसम विज्ञान विभाग द्वारा प्रदान की जाएं।

शिकागो कन्वेंशन के अनुसार समय-समय पर स्थापित या अनुशंसित प्रथाओं के अनुरूप, भारत के अन्य समान हवाई अड्डों पर आईएमडी द्वारा प्रदान की जाने वाली शर्तों पर और रियायतग्राही तथा आईएमडी के बीच किए गए समझौते की शर्तों के आधार पर, आईएमडी द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार। वैकल्पिक रूप से, रियायतग्राही एएआई द्वारा प्रदान किए गए एक समझौते पर हस्ताक्षर कर सकता है जिसमें मौसम संबंधी सेवाएं एएआई सेवाओं का हिस्सा होंगी। एएआई के साथ ऐसे समझौते की स्थिति में, विमानन मौसम विज्ञान सेवाओं के प्रावधान के लिए रियायतग्राही को आईएमडी के साथ एक अलग समझौते पर हस्ताक्षर करने की आवश्यकता नहीं होगी ।

22.7. आरक्षित सेवाओं के संबंध में दायित्व

रियायतग्राही सहमत है और यह वचन देता है कि वह, रियायत अवधि के दौरान हर समय निम्नलिखित कार्य करेगा:

(क) सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए ATC सुविधा को प्राधिकरण या नामित जीओआई एजेंसी, जैसा भी मामला हो, को उपलब्ध कराना;

(ख) इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार आरक्षित सेवाओं के प्रावधान के लिए आरक्षित क्षेत्र उपलब्ध कराना;

(ग) हवाईअड्डे की सुरक्षा के संबंध में बीसीएएस द्वारा निर्धारित सभी नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों का अनुपालन करना और हवाईअड्डे के चारों ओर परिधीय बाड़ या अन्य उपयुक्त सुरक्षा प्रदान कराना और

(घ) उसका रखरखाव करना; डी. समय-समय पर बीसीएएस या नामित जीओआई एजेंसी द्वारा उचित रूप से आवश्यक समझे जाने वाले सभी सुरक्षा उपकरण प्रदान करना और उनका रखरखाव कराना;

(ङ) हवाईअड्डे के भीतर और आसपास सुरक्षा बढ़ाने के लिए प्राधिकरण और / या नामित जीओआई एजेंसी के किसी भी निर्देश का पालन करना और उसे लागू करना, और प्राधिकरण और/या नामित जीओआई एजेंसी को हवाईअड्डे के संचालन में अनुचित या अतार्किक रूप से बाधा डाले बिना, उनके द्वारा उचित रूप से आवश्यक समझी जाने वाली कार्रवाई करने की अनुमति देना;

(च) यह सुनिश्चित करना और प्राप्ति करना कि निम्नलिखित घटनाओं के लिए एक प्रभावी और कुशल प्रतिक्रिया हेतु आवश्यक उपकरण और जनशक्ति, लागू कानूनों और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार उपलब्ध हों:

i. रनवे से निष्क्रिय विमान को हटाना;

ii. किसी भी विमान या हवाईअड्डे को बम की धमकी;

iii. हवाईअड्डे के आसपास और उसके निकट विमान दुर्घटनाएँ;

iv. हवाईअड्डे पर उतरने के लिए मजबूर किए गए गैर-निर्धारित विमान;

v. हवाईअड्डे पर आग;

vi. प्राकृतिक आपदाएँ और विपत्तियाँ;

vii. हवाईअड्डे पर हड़तालें;

viii. नागरिक उड्डयन में अवैध हस्तक्षेप; और

ix. हवाईअड्डे पर कोई अन्य आपात स्थिति ।

(छ) अनुच्छेद 22 के तहत अपने दायित्वों के निर्वहन में प्राधिकरण और नामित जीओआई एजेंसियों को सहायता और सहयोग प्रदान करना;

(ज) प्राधिकरण और नामित जीओआई एजेंसी को आरक्षित सेवाओं के प्रावधान के लिए ऐसी जानकारी प्रदान करना, जिसकी उन्हें उचित रूप से आवश्यकता हो सकती है;

(झ) अपने स्वयं के खर्च पर, प्राधिकरण और नामित जीओआई एजेंसियों को, जैसा भी मामला हो, आरक्षित सेवाओं के प्रावधान के लिए आवश्यक बिजली और पानी की निरंतर आपूर्ति प्रदान करना;

(ञ) इस खंड 22.7 की उप-खंड (i) में निर्दिष्ट आपूर्ति के अतिरिक्त, प्राधिकरण और नामित जीओआई एजेंसियों को, जैसा भी मामला हो, आवश्यक बिजली और पानी की कोई भी आपूर्ति, उसके लागत के भुगतान पर प्रदान करना; और

(ट) आपात स्थिति को छोड़कर, समय-समय पर पार्टियों के बीच पारस्परिक रूप से सहमत होने वाली परिचालन प्रक्रियाओं के अनुसार, हवाईअड्डे पर किसी भी अवसंरचना या सुविधाओं के प्रस्तावित समापन या वापसी के बारे में प्राधिकरण और नामित जीओआई एजेंसी को सूचित करना।

22.8. आरक्षित क्षेत्र

22.8.1 खंड 19.4.1 के प्रावधानों के अधीन, रियायतग्राही यह वचन देता है कि वह, रियायत अवधि के दौरान हर समय, प्राधिकरण या उसके नामित व्यक्तियों और नामित जीओआई एजेंसियों को, जैसा भी मामला हो, हवाईअड्डे पर ऐसे आरक्षित क्षेत्र, पहुंच और सुविधाएं प्रदान करेगा जो उन्हें इस अनुबंध के प्रावधानों के अनुसार और अनुसूची-बी में वर्णित के अनुसार आरक्षित सेवाएं प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए आवश्यक हों ।

22.8.2 आरक्षित क्षेत्र में नामित जीओआई एजेंसियों के परिचालन उद्देश्यों के लिए आवश्यक आवासीय आवास और पार्किंग शामिल होगी, और रियायतग्राही समय-समय पर रियायतग्राही और संबंधित नामित जीओआई एजेंसी के बीच पारस्परिक रूप से सहमत आवासीय आवास और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण और रखरखाव करेगा ।

22.8.3 आरक्षित क्षेत्र पर नियंत्रण संबंधित नामित जीओआई एजेंसियों में निहित रहेगा जो उन कार्यों को करने के लिए जिम्मेदार हैं जिनके लिए ऐसे क्षेत्र को आरक्षित किया गया है या ऐसे कार्यों के समान किसी अन्य उद्देश्य के लिए। आरक्षित क्षेत्रों और उन तक पहुंच के संबंध में रियायतग्राही के दायित्व, आरक्षित क्षेत्र का हिस्सा बनाने वाले सिविल कार्यों, संरचनाओं और उपकरणों के रखरखाव तक ही सीमित होंगे; बशर्ते कि आपात स्थिति, आग या अन्य समान घटना की स्थिति में उसे वहां तक असीमित पहुंच प्राप्त होगी।

22.8.4 रियायतग्राही, प्राधिकरण या नामित जीओआई एजेंसी, जैसा भी मामला हो, की पूर्व सहमति के बिना, प्राधिकरण और नामित जीओआई एजेंसी को प्रदान की गई पहुंच, स्थान और सुविधाओं को कम या प्रतिबंधित नहीं करेगा।

22.8.5 इस खंड 22.8 में निहित किसी भी विपरीत बात के बावजूद, प्राधिकरण, रियायतग्राही की सहमति से, सहमत शर्तों पर आरक्षित क्षेत्र या उसके किसी भी हिस्से को रियायतग्राही को हस्तांतरित कर सकता है। ऐसे मामले में, रियायतग्राही प्राधिकरण, जिसमें इसके द्वारा नामित एजेंसियां भी शामिल हैं, के साथ सहयोग करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करेगा, ताकि आरक्षित क्षेत्र में एक सुरक्षित और कुशल वातावरण प्राप्त किया जा सके।

22.8.6 हवाईअड्डे के किसी भी विस्तार की स्थिति में, जिसके लिए आरक्षित सेवाओं के प्रावधान हेतु उपयोग की जाने वाली किसी भी स्थान या सुविधा को स्थानांतरित करने या पुनर्विन्यास करने की आवश्यकता हो, रियायतग्राही प्राधिकरण और नामित जीओआई एजेंसी को, जैसा भी मामला हो, सूचित करेगा, और इसके संबंध में आवश्यक किसी भी संशोधन को पारस्परिक रूप से निर्धारित करेगा।

22.8.7खंड 19.4.6 के प्रावधानों के अधीन, यदि आरक्षित क्षेत्र में निर्दिष्ट कार्यों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त स्थान की आवश्यकता होती है, तो प्राधिकरण, रियायतग्राही की सहमति से, पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों और परिस्थितियों पर आरक्षित क्षेत्र में शामिल स्थान को बढ़ा सकता है।

अनुच्छेद 23

23. सुरक्षा आवश्यकताएँ

23.1. सुरक्षा आवश्यकताएँ

रियायतग्राही इस समझौते, लागू कानूनों और लागू परमिटों के प्रावधानों का पालन करेगा और हवाईअड्डे पर या उसके आसपास उपयोगकर्ताओं और अन्य व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुरूप कार्य करेगा। विशेष रूप से, रियायतग्राही हवाईअड्डे पर या उसके आसपास एक सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए एक निगरानी और सुरक्षा कार्यक्रम विकसित, लागू और प्रशासित करेगा, और प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेज़ों और परिशिष्टों में निर्धारित सुरक्षा आवश्यकताओं, समय-समय पर डीजीसीए द्वारा निर्धारित लागू दिशानिर्देशों और अनुसूची-एम में निर्धारित आवश्यकताओं ("सुरक्षा आवश्यकताएँ") का अनुपालन करेगा।

23.2. सुरक्षा आवश्यकताओं पर व्यय

सुरक्षा आवश्यकताओं से उत्पन्न या उससे संबंधित सभी लागतें और व्यय रियायतग्राही द्वारा वहन किए जाएँगे।

अनुच्छेद 24

24. संचालन और रखरखाव की निगरानी

24.1. त्रैमासिक और मासिक स्थिति रिपोर्ट

24.1.1. संचालन अवधि के दौरान हर समय, रियायतग्राही प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 7 (सात) दिनों के भीतर, प्राधिकरण और स्वतंत्र इंजीनियर को प्राधिकरण द्वारा स्वीकार्य प्रारूप में एक मासिक रिपोर्ट प्रदान करेगा, जिसमें हवाईअड्डे की स्थिति का उचित विस्तार से वर्णन होगा, जिसमें रखरखाव आवश्यकताओं, रखरखाव मैनुअल, रखरखाव कार्यक्रम और सुरक्षा आवश्यकताओं के अनुपालन या अनुपालन न करने का विवरण भी शामिल होगा, और स्वतंत्र इंजीनियर या प्राधिकरण द्वारा मांगी गई अन्य प्रासंगिक जानकारी तुरंत देगा। विशेष रूप से, ऐसी रिपोर्ट में उन दोषों और कमियों की अलग से पहचान की जाएगी और उन्हें उचित विस्तार से बताया जाएगा, जिन्हें ठीक करने की आवश्यकता है।

24.1.2. संचालन अवधि के दौरान हर समय, रियायतग्राही प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 10 (दस) दिनों के भीतर, प्राधिकरण और स्वतंत्र इंजीनियर को एक त्रैमासिक प्रबंधन रिपोर्ट प्रदान करेगा जो निम्नलिखित का सारांश होगी:

(क) उस तिमाही में प्राप्त प्रमुख प्रदर्शन संकेतक, साथ ही विफलताओं के कारणों का विश्लेषण, यदि कोई हो, और उनका समाधान करने के लिए प्रस्ताव; और

(ख) आगामी तिमाही में अपेक्षित प्रमुख परिचालन बाधाओं और देय वस्तुओं के साथ-साथ उनका समाधान करने और हवाईअड्डे के परिचालन प्रदर्शन को अन्यथा बेहतर बनाने के लिए रणनीतियाँ।

24.2. असामान्य घटनाओं की रिपोर्ट

रियायतग्राही प्रत्येक दिन बंद होने से पहले, फैक्स या ई-मेल द्वारा माधिकरण और स्वतंत्र इंजीनियर को एक रिपोर्ट सूचित करेगा, जिसमें उपयोगकर्ताओं और हवाईअड्डे की सुरक्षा और संरक्षा से संबंधित हवाईअड्डे पर हुई दुर्घटनाओं और असामान्य घटनाओं का विवरण होगा। ऐसी रिपोर्टों का साप्ताहिक और मासिक सारांश भी, यथास्थिति, प्रत्येक सप्ताह और महीने की समाप्ति के 3 (तीन) दिनों के भीतर भेजा जाएगा। इस खंड 24.2 के प्रयोजनों के लिए, हवाईअड्डे पर दुर्घटनाओं और असामान्य घटनाओं में शामिल होंगे:

(क) किसी व्यक्ति की मृत्यु या चोट;

(ख) क्षतिग्रस्त या अपनी जगह से हट गया स्थायी उपकरण;

(ग) हवाईअड्डे पर कोई भी क्षति या अवरोध, जिसके परिणामस्वरूप उपयोगकर्ताओं को प्रदान की जा रही सेवाओं में मंदी आती है;

(घ) रनवे, एप्रन या टैक्सीवे पर कोई क्षति या अवरोध;

(ङ) हवाई यातायात की भीड़, जिसके कारण निर्धारित विमान संचालन में अनावश्यक देरी हो या टर्मिनल भवन में भीड़ हो;

(च) एयरफील्ड लाइटिंग सिस्टम में कोई विफलता या दोष;

(छ) आरक्षित सेवाओं के प्रावधान में कोई अवरोध या अनावश्यक भीड़;

(ज) हवाईअड्डे पर बिजली आपूर्ति या जल आपूर्ति में रुकावट या विफलता;

(झ) टर्मिनल भवन में वातानुकूलन सुविधाओं में रुकावट या विफलता;

(ञ) हवाईअड्डे पर किसी भी क्लोज्ड सर्किट टेलीविजन प्रणाली का निष्क्रिय हो जाना;

(ट) हवाईअड्डे के संचालन को प्रभावित करने वाली संचार विफलता;

(ठ) परिचालन क्षेत्र, रनवे और टैक्सीवे के अंदर और आसपास पक्षियों से टकराव, पक्षियों से टकराव के निकट

(ड) घटनाएं या पशु संबंधी परेशानी की कोई भी घटना;

(ढ) हवाईअड्डे पर चोरी या डकैती की कोई घटना;

(ण) हवाईअड्डे पर सुरक्षा उल्लंघन की कोई भी घटना;

(त) धुआं या आग;

(थ) हवाईअड्डे पर बाढ़; और

(द) प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता द्वारा उचित रूप से आवश्यक मानी जाने वाली अन्य प्रासंगिक जानकारी।

24.3. हवाई अड्डा संचालक का डेटा बेस

रियायतग्राही एक "हवाई अड्डा संचालन डेटा बेस" ("एओडीबी") स्थापित करेगा, जिसमें एक हवाई अड्डा संचालन डेटाबेस, संचार स्तर और दृश्य प्रणाली शामिल होगी, जो हवाईअड्डे की विभिन्न प्रणालियों को आपस में जोड़ेगी। एओडीबी को हवाईअड्डे के सभी संचालन डेटा को संसाधित करना होगा, जिसमें टर्मिनल भवन के वस्तुनिष्ठ सेवा गुणवत्ता आवश्यकता और सेवा स्तर को परिभाषित करने वाले मानकों से संबंधित डेटा तथा प्राधिकरण और/अथवा किसी नामित भारत सरकार एजेंसी द्वारा इस करार के अनुसरण में अपेक्षित कोई अन्य जानकारी

शामिल है, परंतु यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। एओडीबी इस करार की आवश्यकताओं के अनुसार दैनिक, साप्ताहिक, मासिक, त्रैमासिक और वार्षिक रिपोर्ट तैयार करेगा। एओडीबी प्रणाली ऐसी होनी चाहिए जो रणनीतिक निर्णय लेने में सहायता हेतु ऐतिहासिक और वास्तविक-समय डेटा उपलब्ध करा सके, साथ ही रियायतग्राही को विभिन्न अनुपालन आवश्यकताओं में सहायता कर सके। रियायतग्राही प्राधिकरण को आवधिक समीक्षा और रिपोर्ट तैयार करने हेतु एओडीबी तक पहुँच प्रदान करेगा।

24.4. निरीक्षण

स्वतंत्र अभियंता कम-से-कम माह में एक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा। वह ऐसे निरीक्षण की एक रिपोर्ट ("ओएंडएम निरीक्षण रिपोर्ट") तैयार करेगा जिसमें रखरखाव आवश्यकताओं, रखरखाव मैनुअल, रखरखाव कार्यक्रम और सुरक्षा आवश्यकताओं के विशेष संदर्भ में यथोचित विस्तार से त्रुटियों या कमियों, यदि कोई हों, का उल्लेख करते हुए ऐसे निरीक्षण के 7 (सात) दिनों के भीतर इसकी एक प्रति प्राधिकरण और रियायतग्राही को भेजेगा।

24.5. परीक्षण

यह निर्धारित करने हेतु कि हवाई अड्डा रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप है, स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से यह अपेक्षा करेगा कि वह अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार उसके द्वारा निर्दिष्ट परीक्षण स्वयं करे या करवाए। रियायतग्राही उचित तत्परता के साथ स्वतंत्र अभियंता के निर्देशों के अनुसार ऐसे सभी परीक्षण करेगा या करवाएगा और ऐसे परीक्षणों के परिणाम तत्काल स्वतंत्र अभियंता को प्रस्तुत करेगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, हवाईअड्डे के रखरखाव आवश्यकताओं के अनुपालन को निर्धारित करने हेतु किए जाने वाले किसी भी परीक्षण पर होने वाली लागत केवल रियायतग्राही द्वारा वहन की जाएगी।

24.6. उपचारात्मक उपाय

24.6.1.

रियायतग्राही ओएंडएम निरीक्षण रिपोर्ट में अथवा खंड 24.6 में संदर्भित परीक्षण परिणामों में उल्लिखित त्रुटियों या कमियों, यदि कोई हों, की मरम्मत या सुधार करेगा और ओएंडएम निरीक्षण रिपोर्ट या परीक्षण परिणाम, जैसी भी स्थिति हो, प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर स्वतंत्र अभियंता और प्राधिकरण को इस संबंध में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा; परंतु यह कि जहाँ ऐसी त्रुटियों या कमियों को दूर करने में 15 (पंद्रह) दिनों से अधिक समय लगने की संभावना हो, वहाँ रियायतग्राही, इस करार के अनुरूप मरम्मत कार्य पूर्ण होने तक, प्रत्येक सप्ताह मरम्मत कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

24.6.2.

स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से यह अपेक्षा करेगा कि वह अपने स्वयं के खर्च पर यह निर्धारित करने हेतु परीक्षण करे या करवाए कि ऐसे उपचारात्मक उपायों ने हवाईअड्डे को रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप ला दिया है, और इस खंड 24.6 में निर्धारित प्रक्रिया तब तक दोहराई जाएगी जब तक हवाई अड्डा रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप न हो जाए। यदि रियायतग्राही द्वारा इस करार के प्रावधानों के अनुरूप उपचारात्मक उपाय पूर्ण नहीं किए जाते हैं, तो प्राधिकरण खंड 17.8 के प्रावधानों के अनुसार रियायतग्राही से हर्जाना वसूल करने का हकदार होगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यह स्पष्ट किया जा सकता है कि इस खंड 12.4 के अंतर्गत रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को दिए गए किसी भी पुनः परीक्षण की लागत और हर्जाना, जैसी भी स्थिति हो, को वैमानिकी प्रशुल्क निर्धारण के प्रयोजन हेतु पास-थ्रू लागत नहीं माना जाएगा।

अनुच्छेद 25

25. यातायात विनियमन और गणना

25.1. रियायतग्राही द्वारा यातायात विनियमन

25.1.1.

रियायतग्राही, लागू कानूनों के अनुसार तथा प्राधिकरण और नामित भारत सरकार एजेंसियों अथवा इस संबंध में लागू कानूनों के अंतर्गत सशक्त किसी गए किसी प्रतिस्थापी की देखरेख और नियंत्रण के अधीन रहते हुए, हवाईअड्डे के भीतर तथा हवाईअड्डे की ओर जाने वाली सड़कों पर यात्रियों और वाहन यातायात को विनियमित करेगा।

25.1.2.

रियायतग्राही, प्राधिकरण और उपयोगकर्ताओं के प्रतिनिधियों के परामर्श से, अच्छी उद्योग प्रथा पर आधारित एक ऐसी प्रणाली विकसित करेगा और उसका प्रचार करेगा जिससे हवाईअड्डे के उपयोग में कोई भी उपयोगकर्ता या उपयोगकर्ताओं की श्रेणी भेदभाव का शिकार न हो या अनुचित रूप से लाभान्वित न हो, जैसी भी स्थिति हो।

25.1.3.

रियायतग्राही को हवाईअड्डे को सामान्य वाहक आधार पर प्रबंधित, संचालित और विनियमित करने तथा सभी व्यक्तियों को गैर-भेदभावपूर्ण सेवाएँ प्रदान करने का अधिकार और दायित्व होगा।

25.2. स्लॉट आवंटन दिशानिर्देश

रियायतग्राही हवाईअड्डे पर विमान लैंडिंग और समय-सारणी स्लॉट का प्रबंधन और आवंटन करेगा, और ऐसे स्लॉट का आवंटन एयरलाइनों के परामर्श से तथा समय-समय पर लागू कानूनों के अनुसार भारत सरकार द्वारा नामित एजेंसी द्वारा जारी आईएटीए स्लॉट आवंटन दिशानिर्देशों की अनुरूपता में करेगा।

25.3. यातायात गणना (जनगणना)

रियायतग्राही हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले यात्री यातायात, विमान और कार्गो से संबंधित डेटा एकत्र करेगा। ऐसे डेटा का मासिक विवरण रियायतग्राही द्वारा संकलित किया जाएगा और अनुसूची-एन में निर्दिष्ट प्रारूपों में तथा खंड 24.3 के अनुसार अच्छी उद्योग प्रथा के अनुरूप तैयार एओडीबी में, प्राधिकरण को तुरंत उपलब्ध कराया जाएगा।

25.4. यातायात नमूना संग्रहण

25.4.1.

हवाईअड्डे पर वास्तविक यातायात निर्धारित करने हेतु, प्राधिकरण रियायतग्राही के संबंधित अभिलेखों का निरीक्षण करने का हकदार होगा, और अनुसूची-ओ में निर्धारित रीति से अथवा पक्षकारों द्वारा सहमत किसी अन्य रीति से, अपने स्वयं के खर्च पर यातायात नमूना संग्रहण कर सकता है। रियायतग्राही ऐसे यातायात नमूना संग्रहण हेतु प्राधिकरण द्वारा यथोचित रूप से अपेक्षित सहायता प्रदान करेगा।

25.4.2.

यदि इस खंड 25.4 के अनुसरण में किए गए यातायात नमूना संग्रहण से यह प्रदर्शित होता है कि वास्तविक यातायात रियायतग्राही द्वारा रिपोर्ट किए गए यातायात से अधिक है, तो यातायात नमूना संग्रहण द्वारा निर्धारित यातायात को इस करार के प्रयोजनों हेतु यातायात माना जाएगा, और यातायात नमूना संग्रहण से संबंधित किसी विवाद की स्थिति में, विवाद समाधान प्रक्रिया लागू होगी। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, किसी भी तुलनीय अवधि हेतु वसूलीयोग्य शुल्क की गणना इसके अंतर्गत निर्धारित यातायात के संदर्भ में की जाएगी।

25.5. कंप्यूटर प्रणालियाँ और नेटवर्क

रियायतग्राही, दक्ष और पारदर्शी यातायात विनियमन और प्रबंधन हेतु आवश्यक या उपयोगी डेटा और जानकारी के आदान-प्रदान के लिए, प्राधिकरण, नामित भारत सरकार एजेंसियों और अन्य संबंधित संस्थाओं, जैसी भी स्थिति हो, के नेटवर्क के साथ चौबीसों घंटे संपर्क वाली एक कंप्यूटर प्रणाली स्थापित, संचालित और अनुरक्षित करेगा। इस प्रयोजन हेतु, वह इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज ("ईडीआई") हेतु ऐसे प्रोटोकॉल का पालन करेगा जो प्राधिकरण या नामित भारत सरकार एजेंसी समय-समय पर निर्दिष्ट करे। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यह सहमति है कि अनुसूची-एन में निर्दिष्ट प्रारूप को ईडीआई की आवश्यकताओं और आउटपुट के अनुरूप बनाने हेतु प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर संशोधित किया जा सकता है।

अनुच्छेद 26

26. मुख्य प्रदर्शन संकेतक

26.1. मुख्य प्रदर्शन संकेतक

इस करार में निर्दिष्ट दायित्वों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही हवाईअड्डे का संचालन इस प्रकार करेगा कि वह इस अनुच्छेद 26 में निर्दिष्ट प्रदर्शन संकेतकों ("मुख्य प्रदर्शन संकेतक") को प्राप्त करे या उनसे आगे निकले।

26.2. वैमानिकी परिसंपत्तियों का संचालन

26.2.1.

रियायतग्राही वैमानिकी परिसंपत्तियों का इस प्रकार संचालन और रखरखाव करेगा कि वे इस खंड 26.2 में निर्दिष्ट मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के अनुरूप हों।

26.2.2.

रियायतग्राही, संचालन अवधि के दौरान सभी समय, प्रासंगिक आईसीएओ मानकों, डीजीसीए के दिशानिर्देशों, लागू कानूनों, लागू अनुज्ञप्तियों और अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एयरफील्ड लाइटिंग प्रणाली का संचालन और रखरखाव करेगा।

26.3. टर्मिनल भवन का संचालन

26.3.1.

रियायतग्राही टर्मिनल भवन का इस प्रकार संचालन और रखरखाव करेगा कि वह इस खंड 26.3 में निर्दिष्ट मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के अनुरूप हो।

26.3.2.

रियायतग्राही, संचालन अवधि के दौरान सभी समय, यह सुनिश्चित करेगा कि –

(क) टर्मिनल भवन का संपूर्ण भाग, जिसमें इसके शौचालय, निर्दिष्ट क्षेत्र आदि शामिल हैं, स्वच्छ, बेदाग, स्वास्थ्यकर और दुर्गंध रहित हों;

(ख) टर्मिनल भवन के भीतर विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हो;

(ग) टर्मिनल भवन के सामान्य क्षेत्रों में तापमान, बाहरी तापमान की तुलना में अच्छी उद्योग प्रथाओं के अनुसार आरामदायक स्तर पर बनाए रखा जाए;

(घ) हवाईअड्डे पर प्रदान की जाने वाली सेवाएँ एईआरए दिशानिर्देश 2011 या समय-समय पर उनके अद्यतन के अनुसार हों।

26.3.3.

रियायतग्राही कार पार्क का इस प्रकार संचालन और प्रबंधन करेगा कि वह इस खंड 26.4 में निर्दिष्ट मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के अनुरूप हो।

26.3.4.

रियायतग्राही, चरण-I हेतु सीओडी के पश्चात सभी समय, यह सुनिश्चित करेगा कि –

(घ) कार पार्क में प्रवेश से रिक्त स्लॉट में पार्किंग तक, शुल्क भुगतान के समय सहित, लगने वाला औसत समय कम-से-कम 95% (पंचानबे प्रतिशत) उपयोगकर्ताओं हेतु 5 (पाँच) मिनट से अधिक न हो;

(ङ) पार्किंग स्लॉट से निकास द्वार तक जाने में, शुल्क भुगतान के समय सहित, लगने वाला औसत समय कम-से-कम 95% (पंचानबे प्रतिशत) उपयोगकर्ताओं हेतु 5 (पाँच) मिनट से अधिक न हो; और

(च) स्थान और उपकरण का प्रावधान तथा उपयोग इस प्रकार हो कि वाहनों की हैंडलिंग अच्छी उद्योग प्रथा के अनुरूप सुरक्षित और कुशल हो।

26.3.5.

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि कार पार्क स्वच्छ रखा जाए और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हो।

26.3.6.

रियायतग्राही कार पार्क में सुविधाजनक स्थानों पर पर्याप्त संख्या में शौचालय उपलब्ध कराएगा तथा उन्हें स्वच्छ और स्वास्थ्यकर स्थिति में बनाए रखेगा।

26.4. कार्गो सुविधाओं का संचालन

26.4.1.

रियायतग्राही कार्गो सुविधाओं का इस प्रकार संचालन और प्रबंधन करेगा कि वे इस खंड 26.5 में निर्दिष्ट मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के अनुरूप हों।

26.4.2.

रियायतग्राही, चरण-I हेतु सीओडी के पश्चात सभी समय, यह सुनिश्चित करेगा कि –

(क) आने वाले (इनकमिंग) कार्गो की प्रोसेसिंग हेतु लगने वाला समय अच्छी उद्योग प्रथा के अनुरूप हो; और

(ख) जाने वाले (आउटगोइंग) कार्गो की प्रोसेसिंग हेतु लगने वाला समय अच्छी उद्योग प्रथा के अनुरूप हो।

26.4.3.

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि कार्गो सुविधाएँ स्वच्छ रखी जाएँ और पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था हो।

26.4.4.

रियायतग्राही अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार एक इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज (ईडीआई) सुविधा प्रदान और संचालित करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि कार्गो सुविधाओं के उपयोगकर्ताओं को समय-समय पर उद्योग के सर्वोत्तम मानकों की तुलना में कुशल और किफायती सेवाएँ प्राप्त हों।

26.4.5.

रियायतग्राही कार्गो सुविधाओं में पर्याप्त संख्या में शौचालय उपलब्ध कराएगा तथा उन्हें स्वच्छ और स्वास्थ्यकर स्थिति में बनाए रखेगा।

26.5. आईएसओ प्रमाणन

26.5.1.

रियायतग्राही, चरण-I हेतु सीओडी से 12 (बारह) महीनों के भीतर, रियायतग्राही द्वारा नियंत्रित और प्रबंधित हवाईअड्डे की सभी सुविधाओं हेतु क्यूएमएस आईएसओ 9001:2000 प्रमाणन या उसके प्रतिस्थापी प्रमाणन प्राप्त करेगा और पूरी रियायत अवधि के दौरान इसे बनाए रखेगा, तथा इसकी प्रमाणित प्रति तुरंत प्राधिकरण को उपलब्ध कराएगा।

26.5.2.

खंड 26.6.1 में निर्दिष्ट प्रमाणन प्राप्त करने में चूक की स्थिति में, रियायतग्राही उसके 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण को एक कार्य योजना प्रस्तुत करेगा जिसमें अपनी कमियों को दूर करने और हवाईअड्डे की सभी सुविधाओं हेतु ऐसा प्रमाणन प्राप्त करने के लिए रियायतग्राही द्वारा प्रस्तावित कार्यवाहियों का उल्लेख होगा।

26.5.3.

यदि इस खंड 26.6 के अंतर्गत आईएसओ प्रमाणन प्राप्त करने में चूक की अवधि 3 (तीन) महीने की निरंतर अवधि से अधिक हो जाती है, तो रियायतग्राही उक्त 3 (तीन) महीने की

अवधि से आगे प्रत्येक 1 (एक) महीने की चूक हेतु शुल्क से प्राप्त कुल मासिक राजस्व के 0.1% (शून्य दशमलव एक प्रतिशत) के बराबर राशि प्राधिकरण को हर्जाने के रूप में देगा।

26.5.4.

रियायतग्राही अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार एक इलेक्ट्रॉनिक डेटा इंटरचेंज (ईडीआई) सुविधा प्रदान और संचालित करेगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि कार्गो सुविधाओं के उपयोगकर्ताओं को समय-समय पर इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, दिल्ली और छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, मुंबई की तुलना में कुशल और किफायती सेवाएँ प्राप्त हों।

26.6. सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएँ

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि वह अनुसूची-एल में निर्धारित सेवा गुणवत्ता आवश्यकताओं के अनुरूप हो और उनका अनुपालन करे।

26.7. लक्ष्य रेटिंग और उपयोगकर्ता सर्वेक्षण

26.7.1.

रियायतग्राही एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल ("एसीआई") अथवा किसी समकक्ष प्रतिस्थापी द्वारा प्रत्येक तिमाही में किए जाने वाले हवाई अड्डा सेवा गुणवत्ता ("एएसक्यू") के यात्री सर्वेक्षण में भाग लेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि हवाई अड्डा ऐसे सर्वेक्षण में कम-से-कम 4.2 (चार दशमलव दो) की रेटिंग 5.0 (पाँच) में से प्राप्त करे और बनाए रखे ("लक्ष्य रेटिंग") तथा शेष रियायत अवधि के दौरान इसे बनाए रखे।

26.7.2.

रियायतग्राही, प्रत्येक कैलेंडर तिमाही की समाप्ति के 21 (इक्कीस) दिनों के भीतर, ठीक पूर्ववर्ती तिमाही हेतु एएसक्यू के यात्री सर्वेक्षण अथवा खंड 26.8.1 के अनुसार विश्व-प्रसिद्ध एजेंसियों के किसी समकक्ष सर्वेक्षण के परिणामों पर एक लिखित रिपोर्ट, उसके परिणामों के विश्लेषण तथा यात्री संतुष्टि में सुधार हेतु प्रस्तावित कार्यवाही, यदि कोई हो, सहित प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगा।

26.7.3.

खंड 26.8.1 में निर्दिष्ट यात्री सर्वेक्षण के अतिरिक्त, प्राधिकरण इस अनुच्छेद 26 के प्रावधानों के अनुपालन का निर्धारण करने हेतु रियायतग्राही द्वारा प्रत्येक कैलेंडर तिमाही में एक बार उपयोगकर्ता संतुष्टि का नमूना सर्वेक्षण ("उपयोगकर्ता सर्वेक्षण") करने हेतु, अपने खर्च और लागत पर, एक स्वतंत्र विशेषज्ञ एजेंसी नियुक्त कर सकता है। उपयोगकर्ता सर्वेक्षण की प्रकृति और सामग्री प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही के परामर्श से यह सुनिश्चित करने हेतु निर्धारित

की जाएगी कि परिणाम वस्तुनिष्ठ हो और उपयोगकर्ताओं के एक क्रॉस-सेक्शन का प्रतिनिधित्व करे। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यह सहमति है कि उपयोगकर्ता सर्वेक्षण की रूपरेखा तैयार करते समय, प्राधिकरण अच्छी उद्योग प्रथा पर निर्भर करेगा और अन्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर समय-समय पर किए जाने वाले एएसक्यू जैसे समान सर्वेक्षणों के अनुरूप कार्य करेगा।

26.7.4.

यदि उपयोगकर्ता सर्वेक्षण से यह प्रकट होता है कि सर्वेक्षण किए गए 20% (बीस प्रतिशत) से अधिक उपयोगकर्ता रियायतग्राही के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं और सेवाओं को खराब या औसत दर्जे का मानते हैं, तो प्राधिकरण रियायतग्राही से – पूर्ववर्ती माह के दौरान शुल्क से प्राप्त उसके राजस्व की 2% (दो प्रतिशत) की दर से, उक्त 20% (बीस प्रतिशत) से अधिक प्रत्येक 1% (एक प्रतिशत) असंतुष्ट उपयोगकर्ताओं हेतु – हर्जाना लगा और वसूल कर सकता है। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यदि 22% (बाईस प्रतिशत) उपयोगकर्ता असंतुष्ट हैं, तो हर्जाना, ठीक पूर्ववर्ती माह के शुल्क राजस्व के 4% (चार प्रतिशत) के बराबर राशि होगा, और आगे का हर्जाना, यदि कोई हो, अगले उपयोगकर्ता सर्वेक्षण द्वारा निर्धारित किया जाएगा।

26.8. त्रैमासिक स्थिति रिपोर्ट

संचालन अवधि के दौरान, रियायतग्राही प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 7 (सात) दिनों के भीतर, इस अनुच्छेद 26 में निर्दिष्ट सभी मुख्य प्रदर्शन संकेतकों के अनुपालन को यथोचित विस्तार से बताते हुए, विफलताओं के कारणों के विश्लेषण तथा उन्हें दूर करने की रणनीतियों और अन्यथा हवाईअड्डे के संचालन प्रदर्शन में सुधार हेतु रणनीतियों सहित, एक त्रैमासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। त्रैमासिक रिपोर्ट में खंड 26.10 के अनुसार गणना किए गए हर्जाने का परिमाणीकरण शामिल होगा।

26.9. प्रदर्शन में कमी हेतु हर्जाना

रियायतग्राही इस अनुच्छेद 26 में निर्दिष्ट प्रत्येक मुख्य प्रदर्शन संकेतक के अनुपालन को सुनिश्चित करेगा और प्राप्त करेगा, और किसी तिमाही के दौरान प्रदर्शन में किसी कमी हेतु वह हर्जाने के लिए उत्तरदायी होगा। ऐसा कोई भी हर्जाना एईआरए द्वारा निर्धारित किया जाएगा और निर्दिष्ट अवधि हेतु वैमानिकी प्रभारों में से समायोजित किया जाएगा। यदि हर्जाना एईआरए द्वारा निर्धारित नहीं किया जाता है, तो हर्जाना प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जाएगा। यदि हर्जाना प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किया जाता है, तो इस खंड 26.9 के अंतर्गत देय हर्जाना, खंडों 26.5.3 और 26.7.4 में प्रदत्त को छोड़कर, इस अनुच्छेद 26 में निर्दिष्ट किसी एकल प्रदर्शन संकेतक में 10% की प्रत्येक कमी हेतु संबंधित तिमाही में शुल्क से प्राप्त कुल राजस्व

की दर 1% पर निर्धारित किया जाएगा; परंतु जहाँ कमी को परिमाणित नहीं किया जा सकता, वहाँ हर्जाना संबंधित तिमाही हेतु शुल्क से प्राप्त कुल राजस्व की दर 2% पर निर्धारित किया जाएगा; परंतु यह भी कि प्राधिकरण, यदि वह इस बात से संतुष्ट है कि रियायतग्राही अपने दायित्वों को तत्परता और दक्षता से निभा रहा है तथा माफ की जाने वाली कमी रियायतग्राही के नियंत्रण से परे कारणों से हुई है, तो पूर्णतः या आंशिक रूप से हर्जाना लगाने के अपने अधिकार को पूर्णतः या आंशिक रूप से माफ कर सकता है।

26.10. यात्री चार्टर

रियायतग्राही अनुसूची-पी में निर्दिष्ट प्रारूप में, उपयोगकर्ताओं के अधिकारों और अपेक्षाओं को स्पष्ट करने वाला एक चार्टर ("यात्री चार्टर") प्रकाशित और कार्यान्वित करेगा। रियायतग्राही यात्री चार्टर और लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार सभी समय उपयोगकर्ताओं के प्रति उत्तरदायी और जवाबदेह रहेगा।

26.11. मुख्य प्रदर्शन संकेतकों से छूट

यदि प्राधिकरण द्वारा इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों का निर्वहन न किए जाने के कारण रियायतग्राही किसी मुख्य प्रदर्शन संकेतक के अनुपालन में चूक करता है, तो उसे इस चूक से छूट दी जाएगी।

अनुच्छेद 27

27. स्वतंत्र अभियंता

27.1. स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति

प्राधिकरण, अनुसूची-क्यू में निर्धारित चयन मानदंडों के अनुसार, इस करार के अंतर्गत स्वतंत्र सलाहकार ("स्वतंत्र अभियंता") के रूप में कार्य करने हेतु एक परामर्शी अभियांत्रिकी फर्म की नियुक्ति करेगा। यह नियुक्ति इस करार की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों के भीतर की जाएगी और 3 (तीन) वर्ष की अवधि हेतु होगी। उक्त नियुक्ति की समाप्ति या समापन पर, प्राधिकरण अनुसूची-क्यू के प्रावधानों के अनुसार आगे 3 (तीन) वर्ष की अवधि हेतु एक स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति करेगा, और यह प्रक्रिया प्रत्येक नियुक्ति की समाप्ति के बाद दोहराई जाएगी।

27.2. कर्तव्य और कार्य

27.2.1.

स्वतंत्र अभियंता अनुसूची-आर में निर्धारित संदर्भ की शर्तों (terms of reference) के अनुसार अपने कर्तव्यों और कार्यों का निर्वहन करेगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, पक्षकार स्पष्ट रूप से सहमत हैं कि इस अनुच्छेद 27 के अंतर्गत स्वतंत्र अभियंता के कार्यों में सिटी साइड विकास शामिल नहीं होगा।

27.2.2.

स्वतंत्र अभियंता अनुसूची-आर में निर्धारित अपने कर्तव्यों और कार्यों के संबंध में नियमित आवधिक रिपोर्ट (कम-से-कम प्रति माह एक बार) प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगा।

27.2.3.

प्राधिकरण द्वारा स्वतंत्र अभियंता को तथा स्वतंत्र अभियंता द्वारा प्राधिकरण को भेजे गए सभी संचारों की एक सत्यापित प्रति स्वतंत्र अभियंता द्वारा तत्काल रियायतग्राही को भेजी जाएगी।

27.2.4.

स्वतंत्र अभियंता द्वारा रियायतग्राही को तथा रियायतग्राही द्वारा स्वतंत्र अभियंता को भेजे गए सभी संचारों की एक सत्यापित प्रति स्वतंत्र अभियंता द्वारा तत्काल प्राधिकरण को भेजी जाएगी।

27.3. पारिश्रमिक

स्वतंत्र अभियंता का पारिश्रमिक, लागत और खर्च प्राधिकरण द्वारा भुगतान किया जाएगा और अनुसूची-क्यू में निर्धारित सीमाओं के अधीन, ऐसे पारिश्रमिक, लागत और खर्च का आधा हिस्सा रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण से व्यय की विवरण प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण को प्रतिपूर्ति की जाएगी।

27.4. नियुक्ति का समापन

27.4.1.

प्राधिकरण अपने विवेकाधिकार से किसी भी समय स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति समाप्त कर सकता है, परंतु केवल खंड 27.1 के अनुसार किसी अन्य स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति के पश्चात ही।

27.4.2.

यदि रियायतग्राही के पास यह विश्वास करने का कारण है कि स्वतंत्र अभियंता अपने कर्तव्यों और कार्यों का निर्वहन निष्पक्ष, कुशल और तत्पर तरीके से नहीं कर रहा है, तो वह प्राधिकरण को एक लिखित प्रतिवेदन दे सकता है और स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति समाप्त करने की माँग कर सकता है। ऐसा प्रतिवेदन प्राप्त होने पर, प्राधिकरण विवाद के सौहार्दपूर्ण समाधान हेतु रियायतग्राही और स्वतंत्र अभियंता के साथ एक त्रिपक्षीय बैठक करेगा, और यदि प्राधिकरण तथा रियायतग्राही के बीच कोई मतभेद या असहमति अनसुलझी रहती है, तो विवाद का समाधान विवाद समाधान प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। यदि इसके अंतर्गत स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति समाप्त कर दी जाती है, तो प्राधिकरण खंड 27.1 के अनुसार तत्काल एक अन्य स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति करेगा।

27.5. अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता

प्राधिकरण स्वतंत्र अभियंता से यह अपेक्षा करेगा कि वह अपनी फर्म में नियुक्त 2 (दो) तक व्यक्तियों को, जो स्वतंत्र अभियंता की ओर से और उसकी तरफ से हस्ताक्षर करने हेतु अधिकृत हों, नामित करे और इसकी सूचना प्राधिकरण तथा रियायतग्राही को दे। स्वतंत्र अभियंता द्वारा हस्ताक्षरित किए जाने हेतु अपेक्षित कोई भी संचार या दस्तावेज़ तभी मान्य और प्रभावी होगा जब वह नामित व्यक्तियों में से किसी द्वारा हस्ताक्षरित हो; परंतु स्वतंत्र अभियंता, लिखित सूचना द्वारा, नामित व्यक्तियों में से किसी को अपने किसी अन्य कर्मचारी से प्रतिस्थापित कर सकता है।

27.6. विवाद समाधान

यदि कोई भी पक्षकार स्वतंत्र अभियंता की किसी सलाह, निर्देश, निर्णय, दिशा या निर्णय (अवार्ड) पर, या, जैसी भी स्थिति हो, अधिकारिता का दावा करने या न करने पर विवाद करता है, तो विवाद का समाधान विवाद समाधान प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा।

27.7. अंतरिम व्यवस्था

यदि प्राधिकरण ने कोई स्वतंत्र अभियंता नियुक्त नहीं किया है, अथवा नियुक्त स्वतंत्र अभियंता ने अपने कार्यों से त्यागपत्र दे दिया है या उनके निर्वहन में चूक की है, तो प्राधिकरण, अंतरिम रूप से, इस करार के प्रावधानों के अनुसार स्वतंत्र अभियंता के कार्यों का निर्वहन करने हेतु किसी व्यक्ति को नामित और अधिकृत कर सकता है, परंतु यह कि ऐसा व्यक्ति इस करार में स्वतंत्र अभियंता के संबंध में निर्दिष्ट समीक्षा, टिप्पणी, अनुमोदन या निरीक्षण से संबंधित किसी भी कार्य का निर्वहन नहीं करेगा, और ऐसे कार्य तभी निर्वहित किए जाएँगे जब इस करार के प्रावधानों के अनुसार कोई स्वतंत्र अभियंता नियुक्त हो जाए। परंतु, इस खंड 27.7 में निहित कोई बात इस करार के प्रावधानों के अनुपालन को लागू करने हेतु प्राधिकरण के अधिकारों को किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं करेगी।

अनुच्छेद 28

28. सिटी साइड विकास

28.1. सिटी साइड का विकास

28.1.1.

रियायतग्राही अनुसूची-ए में निर्दिष्ट 24 हेक्टेयर भूमि पर, अनुसूची-बी और अनुसूची-डी में निर्धारित शर्तों के अधीन, सिटी साइड विकास कार्य करेगा, और परियोजना करारों के माध्यम से इसके किसी भी या सभी भाग का उप-अनुज्ञप्तिकरण करने के अधिकार के साथ, वाणिज्यिक प्रयोजनों हेतु ऐसे विकास का दोहन करेगा।

28.1.2.

रियायतग्राही इस करार के प्रावधानों, लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथा के अनुसार, अपनी लागत पर, सिटी साइड विकास का भाग बनने वाली सड़कों, विद्युत आपूर्ति, जल आपूर्ति, सीवरेज और जल निकासी प्रणालियों जैसे अवसंरचना का विकास और रखरखाव करेगा या करवाएगा।

28.1.3.

अनुसूची-ए के अनुबंध-1 की खंड 1.3 में उल्लिखित 24 हेक्टेयर भूमि पर सिटी साइड विकास से उत्पन्न राजस्व को एईआरए द्वारा वैमानिकी प्रशुल्क निर्धारण हेतु क्रॉस-सब्सिडाइज़ेशन के प्रयोजन हेतु नहीं माना जाएगा।

28.1.4.

यदि इस करार के अनुसूची-ए के अनुबंध-1 की खंड 1.3 में चिह्नित 24 हेक्टेयर से परे सिटी साइड के क्षेत्रफल में कोई वृद्धि होती है, तो ऐसी अतिरिक्त भूमि से प्राप्त राजस्व साझा कोष व्यवस्था के अंतर्गत 30% क्रॉस सब्सिडी का भाग होगा।

28.2. सिटी साइड विकास का संचालन और रखरखाव

रियायतग्राही सिटी साइड विकास के संचालन, रखरखाव और प्रबंधन में इस करार, लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथा के प्रावधानों का अनुपालन करेगा तथा इस करार और लागू कानूनों के प्रावधानों के अधीन इसका वाणिज्यिक उपयोग करेगा।

28.3. लागत, कर और राजस्व

28.3.1.

सिटी साइड विकास से संबंधित सभी लागत, व्यय, कर, उपकर, शुल्क और प्रभार, संपत्ति पर करों को छोड़कर, रियायतग्राही द्वारा वहन किए जाएँगे। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, रियायतग्राही द्वारा किए गए विकास से उत्पन्न होने की सीमा तक प्राधिकरण द्वारा देय संपत्ति पर कोई भी कर, प्राधिकरण द्वारा लागू कानूनों के अनुसार भुगतान किया जाएगा तथा आवश्यक विवरणों सहित प्राधिकरण से सूचना प्राप्त होने के 60 (साठ) दिनों की अवधि के भीतर रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को इसकी प्रतिपूर्ति की जाएगी।

28.3.2.

सिटी साइड विकास से प्राप्त सभी राजस्व करार और लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार रियायतग्राही द्वारा उपयोग में लिया जाएगा।

28.4. सिटी साइड विकास और भूमि उपयोग पर प्रतिबंध

28.4.1.

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि सिटी साइड विकास और उसका भूमि उपयोग सभी समय लागू कानूनों के अनुरूप हो, और इसमें होटल, रेस्तरां, सम्मेलन केंद्र, प्रशिक्षण केंद्र, हवाईअड्डे पर कार्यरत कर्मचारियों हेतु स्टाफ आवास और छात्रावास, यात्रियों और पर्यटकों हेतु खुदरा दुकानें, यात्रा संबंधी कार्यालय और सुविधाएँ अथवा समरूप उपयोग तथा अनुसूची-ए के अनुबंध-IV में सकारात्मक सूची के रूप में प्रदान की गई कोई अन्य गतिविधियाँ शामिल हो सकती हैं।

यह स्पष्ट किया जा सकता है कि एईआरए अधिनियम के अनुसार वैमानिकी सेवाओं के रूप में वर्गीकृत कोई भी गतिविधि, यदि सिटी साइड भूमि पर की जाती है, तो प्रशुल्क निर्धारण के प्रयोजन हेतु वैमानिकी सेवाओं के रूप में वर्गीकृत बनी रहेगी। सिटी साइड भूमि पर की गई किसी भी गतिविधि को वैमानिकी गतिविधि मानने संबंधी एईआरए का कोई भी निर्णय रियायतग्राही पर अंतिम और बाध्यकारी होगा।

28.4.2.

रियायतग्राही स्वीकार करता है और सहमत है कि वह खंड 5.2 और खंड 28.6 के प्रावधानों के अनुसार के अतिरिक्त, सिटी साइड विकास के किसी भी भाग को नहीं सौंपेगा और न ही किसी भी प्रकार से उस पर कोई भार उत्पन्न करेगा।

28.5. फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफएसआई) पर प्रतिबंध

मास्टर प्लान के प्रावधानों के अधीन, सिटी साइड विकास का फ्लोर स्पेस इंडेक्स (एफएसआई) 2.5 (दो दशमलव पांच) और लागू कानूनों के अंतर्गत स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा निर्दिष्ट सीमा

में से जो भी कम हो, वह होगा। सिटी साइड विकास पर बनाई जाने वाली किसी भी संरचना की ऊँचाई, प्राधिकरण या नामित भारत सरकार एजेंसी द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, इसके हवाई अड्डों से सटे विभिन्न क्षेत्रों हेतु निर्दिष्ट सीमा से अधिक नहीं होगी। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, ऊपर संदर्भित एफएसआई की गणना मास्टर प्लान में सिटी साइड विकास के रूप में चिह्नित कुल क्षेत्रफल के संदर्भ में की जाएगी, परंतु सड़कों, पार्कों और अन्य सामान्य सुविधाओं और सुख-सुविधाओं हेतु आरक्षित क्षेत्रों को छोड़कर।

28.6. सिटी साइड विकास का उप-अनुज्ञप्तिकरण

28.6.1.

खंड 5.2 और इस अनुच्छेद 28 के प्रावधानों के अधीन, रियायतग्राही सिटी साइड विकास को शामिल करने वाली परियोजना परिसंपत्तियों का उप-अनुज्ञप्तिकरण इस प्रकार कर सकता है कि ऐसे उप-अनुज्ञप्ति की अवधि और वैधता खंड 28.7 में निर्दिष्ट अवधि से आगे न बढ़े।

28.6.2.

खंड 28.6.1 में निहित किसी विपरीत बात के होते हुए भी, रियायतग्राही निर्धारित तिथि से पहले किसी भी समय सिटी साइड विकास का भाग बनने वाली किसी भी परियोजना परिसंपत्ति का उप-अनुज्ञप्तिकरण, समनुदेशन नहीं करेगा और न ही उस पर कोई भार उत्पन्न करेगा। परंतु, यहाँ निहित प्रतिबंध विज्ञापन पर या 6 (छह) महीने से अधिक न होने वाली अवधि हेतु सृजित किसी अन्य भार पर लागू नहीं होगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यहाँ लगाया गया प्रतिबंध प्रतिस्थापन करार के अंतर्गत समनुदेशन पर लागू नहीं होगा।

28.6.3.

इस करार में निहित किसी विपरीत बात के होते हुए भी, परंतु खंड 28.6.2 के प्रावधानों के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही प्राधिकरण के पूर्व लिखित अनुमोदन के बिना सिटी साइड विकास का भाग बनने वाली किसी भी परियोजना परिसंपत्ति का उप-अनुज्ञप्तिकरण, समनुदेशन नहीं करेगा और न ही किसी भी प्रकार से उस पर कोई भार उत्पन्न करेगा, जिस अनुमोदन को प्राधिकरण अपने विवेकाधिकार से केवल तभी अस्वीकार कर सकता है जब ऐसे उप-अनुज्ञप्ति, समनुदेशन या भार का इस करार के अंतर्गत प्राधिकरण के अधिकारों और दायित्वों पर भौतिक प्रतिकूल प्रभाव हो या पड़ सकता हो; परंतु इस खंड 28.6.3 के प्रावधान वहाँ लागू नहीं होंगे जहाँ रियायतग्राही किसी नवीकरण सहित संचयी अवधि, जो 11 (ग्यारह) महीने से अधिक न हो, हेतु उप-अनुज्ञप्ति प्रदान करता है। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यह सहमति है कि यदि प्राधिकरण रियायतग्राही से पूर्ण विवरण और दस्तावेज़ों सहित सूचना प्राप्त होने की तिथि से 60 (साठ) दिनों की अवधि के भीतर इस खंड 28.6.3 के अंतर्गत अपेक्षित अनुमोदन को

अस्वीकार नहीं करता है, तो ऐसी उप-अनुज्ञप्ति, समनुदेशन या भार, जैसी भी स्थिति हो, इस करार के प्रावधानों के अनुरूप होने की सीमा तक अनुमोदन दिया गया माना जाएगा।

28.6.4.

रियायतग्राही सहमत है और वचनबद्ध है कि सिटी साइड विकास का भाग बनने वाली किसी भी परियोजना परिसंपत्ति पर किसी उप-अनुज्ञप्ति, समनुदेशन या अन्य भार के संबंध में, वह प्रचलित बाजार प्रथा के अनुसार मासिक शुल्क, प्रभार, किराया या राजस्व हिस्सेदारी, सुरक्षा जमा, प्रीमियम, ऋण और अग्रिम, जैसी भी स्थिति हो, प्राप्त करने का हकदार होगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, रियायतग्राही यह सुनिश्चित करने हेतु सहमत है कि किसी भी उप-अनुज्ञप्ति, समनुदेशन या अन्य भार हेतु उसे देय प्रतिफल पूरी रियायत अवधि में समान रूप से अर्जित होगा और प्रत्येक तिमाही में कम-से-कम एक बार भुगतान किया जाएगा; परंतु इस अनुच्छेद 28 में निहित कोई बात रियायतग्राही को अनुदानग्राही (ग्रांटी) के राजस्व या लाभ में उतार-चढ़ाव के अनुपात में, अथवा ऐसे प्रतिफल में प्रति वर्ष 12% (बारह प्रतिशत) से अधिक न होने वाली वार्षिक वृद्धि निर्दिष्ट करके, संपूर्ण या किसी भाग में समायोजित करने से नहीं रोकेगी।

28.6.5.

इस खंड 28.6 के प्रावधानों से उत्पन्न मामलों में पक्षकारों के बीच किसी भी मतभेद या असहमति की स्थिति में, विवाद समाधान प्रक्रिया लागू होगी।

28.7. समापन के पश्चात उप-अनुज्ञप्तिग्रहीताओं (उप-लाइसेंसी) के अधिकार

पक्षकार स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं और सहमत हैं कि रियायतग्राही अपने विवेकाधिकार से, खंड 3.1.1 के अंतर्गत अनुज्ञेय अधिकतम अवधि तक, जिसमें उस खंड के प्रथम परंतुक में निर्दिष्ट विस्तारित अवधि शामिल है, सिटी साइड विकास हेतु उप-अनुज्ञप्तियाँ प्रदान कर सकता है। पक्षकार आगे सहमत हैं कि ऐसी अधिकतम अनुज्ञेय अवधि की समाप्ति से पहले समापन की स्थिति में, उप-अनुज्ञप्तियों की अवधि और उप-अनुज्ञप्तिग्रहीताओं के अधिकार इस प्रकार बने रहेंगे मानो ऐसी उप-अनुज्ञप्तियाँ प्राधिकरण द्वारा प्रदान की गई हों, और प्राधिकरण, प्रत्येक उप-अनुज्ञप्ति की शेष अवधि हेतु, खंड 5.2.4 में संदर्भित प्रसंविदा के अनुसरण में ऐसी उप-अनुज्ञप्ति के अनुज्ञप्तिकर्ता (ग्रांटर) के स्थान पर आ जाने के कारण अनुज्ञप्तिकर्ता माना जाएगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु तथा उदाहरण स्वरूप, यदि विस्तारित अवधि सहित रियायत अवधि 60 (साठ) वर्ष है और रियायत करार निर्धारित तिथि की 20वीं (बीसवीं) वर्षगांठ से पहले समाप्त कर दिया जाता है, तो उप-अनुज्ञप्ति की अवधि,

ऐसी उप-अनुज्ञप्ति में निर्दिष्ट अवधि और निर्धारित तिथि की 60वीं (साठवीं) वर्षगांठ में से जो भी पहले हो, तक विस्तारित होगी।

28.8. लागू कानूनों का अनुपालन

रियायतग्राही सहमत है और वचनबद्ध है कि वह सिटी साइड विकास के संबंध में, सभी समय, भवनों, संरचनाओं, सड़क कार्यों, खुले स्थानों, विद्युत आपूर्ति, जल आपूर्ति, सीवरेज और अन्य समरूप मामलों से संबंधित लागू कानूनों तथा उनके अंतर्गत बनाए गए नियमों, विनियमों या उप-नियमों का अनुपालन करेगा।

28.9. वाणिज्यिक विज्ञापन या प्रदर्शन

रियायतग्राही लागू कानूनों और इस करार के प्रावधानों के अनुरूप सिटी साइड विकास पर वाणिज्यिक विज्ञापन या प्रदर्शन कार्य कर सकता है या करवा सकता है।

भाग IV

वित्तीय प्रसंविदाएँ

अनुच्छेद 29

29. वित्तीय समापन

29.1. वित्तीय समापन

29.1.1.

रियायतग्राही एतद्द्वारा सहमत है और वचनबद्ध है कि वह इस करार की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों के भीतर वित्तीय समापन प्राप्त करेगा, और विलंब की स्थिति में, वह 120 (एक सौ बीस) दिनों से अधिक न होने वाली एक और अवधि का हकदार होगा, बशर्ते वह कम-से-कम 15 (पंद्रह) दिन पहले ऐसा विस्तार माँगने के कारणों का वर्णन करते हुए एक लिखित अनुरोध प्रस्तुत करे और विलंब के प्रत्येक दिन हेतु प्रदर्शन प्रतिभूति की 0.05% (शून्य दशमलव शून्य पांच प्रतिशत) की दर से गणना की गई राशि में प्राधिकरण को हर्जाना अदा करे; परंतु यहाँ निर्दिष्ट हर्जाना प्रत्येक सप्ताह अग्रिम रूप से देय होगा तथा उक्त 180 (एक सौ अस्सी) दिनों से आगे की अवधि उतने ही हर्जाने तक दी जाएगी जितना भुगतान किया गया है; परंतु यह भी कि यदि वित्तीय समापन में ऐसा विलंब खंड 4.1.2 में निर्दिष्ट पूर्ववर्ती शर्तों की संतुष्टि प्रदान करने में प्राधिकरण की किसी चूक या विलंब के परिणामस्वरूप अथवा अप्रत्याशित घटना (Force Majeure) के कारण हुआ है, तो कोई हर्जाना देय नहीं होगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, रियायतग्राही द्वारा यहाँ देय हर्जाना खंड 4.3 के प्रावधानों के अंतर्गत देय हर्जाने, यदि कोई हो, के अतिरिक्त होगा।

29.1.2.

रियायतग्राही, वित्तीय समापन होने पर, तत्काल प्राधिकरण को सूचित करेगा, और वित्तीय समापन से कम-से-कम 2 (दो) दिन पहले प्राधिकरण को वित्तीय पैकेज और वित्तीय मॉडल की, रियायतग्राही के किसी निदेशक द्वारा सत्यापित, 3 (तीन) सत्य प्रतियाँ, तथा वित्तीय मॉडल की एमएस एक्सेल संस्करण अथवा उसके किसी प्रतिस्थापी में, जो वरिष्ठ ऋणदाताओं को स्वीकार्य हो, 3 (तीन) सॉफ्ट प्रतियाँ प्रदान करेगा।

29.2. वित्तीय समापन प्राप्त करने में विफलता के कारण समापन

29.2.1.

इस करार में निहित किसी विपरीत बात के होते हुए भी, परंतु खंड 39.6.1 के अधीन रहते हुए, यदि किसी भी कारण से खंड 29.1.1 में निर्धारित अवधि के भीतर या उसके अंतर्गत प्रदत्त विस्तारित अवधि के भीतर वित्तीय समापन नहीं होता है, अथवा पक्षकारों के बीच अन्यथा सहमति न होने की स्थिति में, इस करार के अंतर्गत या इससे उत्पन्न रियायतग्राही के सभी

अधिकार, विशेषाधिकार, दावे और हक रियायतग्राही की सहमति से माफ कर दिए गए और समाप्त हो गए माने जाएँगे, और रियायत करार पक्षकारों की पारस्परिक सहमति से समाप्त कर दिया गया माना जाएगा। परंतु, यदि पक्षकारों ने पारस्परिक सहमति से निर्धारित तिथि को वित्तीय समापन से पहले होने का निर्धारण किया है, तो इस खंड 29.2.1 के प्रावधान लागू नहीं होंगे।

29.2.2.

खंड 29.2.1 के अंतर्गत समापन पर, प्राधिकरण बोली प्रतिभूति (Bid Security) या प्रदर्शन प्रतिभूति, जो भी उपलब्ध हो, को भुनाने और उसकी प्राप्त राशि को हर्जाने के रूप में विनियोजित करने का हकदार होगा; परंतु, यदि वित्तीय समापन अप्रत्याशित घटना के कारण अथवा खंड 4.1.2 के अंतर्गत अपने किसी दायित्व में प्राधिकरण की चूक के परिणामस्वरूप नहीं हुआ है, तो प्राधिकरण, समापन पर, बोली प्रतिभूति या प्रदर्शन प्रतिभूति, जैसी भी स्थिति हो, तत्काल जारी करेगा तथा खंड 4.2 के अंतर्गत देय हर्जाना अदा करेगा। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यह स्पष्ट रूप से सहमति है कि यदि बोली प्रतिभूति को प्रदर्शन प्रतिभूति द्वारा प्रतिस्थापित किया गया है, तो प्राधिकरण उससे बोली प्रतिभूति के बराबर राशि भुनाने का हकदार होगा।

अनुच्छेद 30

30. विलोपित

(पृष्ठ जानबूझकर रिक्त छोड़ा गया है)

अनुच्छेद 31

31. रियायत शुल्क और लाइसेंस शुल्क

31.1. रियायत शुल्क

रियायत प्रदान किए जाने के प्रतिफल में, रियायतग्राही प्राधिकरण को रियायत शुल्क के रूप में प्रति वर्ष रु.1 (एक रुपया) की राशि, तथा खंड 31.2 में निर्दिष्ट प्रीमियम ("रियायत शुल्क") अदा करेगा।

31.2. प्रीमियम

31.2.1.

खंड 31.1 के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही चरण-I हेतु सीओडी से 6वें (छठे) वर्ष से आरंभ प्रत्येक वर्ष हेतु प्राधिकरण को एक प्रीमियम ("प्रीमियम") अदा करने हेतु सहमत है, जो हवाईअड्डे पर संभाले गए यातायात के आईएनआर प्रति यात्री X (प्रीमियम दर) को उस वर्ष के दौरान हवाईअड्डे पर संभाले गए कुल यातायात से गुणा करने पर प्राप्त राशि के बराबर होगा, यहाँ निर्धारित प्रारूप और रीति में। प्रत्येक अगले वर्ष हेतु, उस वर्ष की प्रीमियम दर, पूर्ववर्ती वर्ष की प्रीमियम दर को पूर्ववर्ती वर्ष के मूल्य सूचकांक (प्रतिशत में) से बढ़ाकर निर्धारित की जाएगी। अगले वर्ष हेतु संबंधित प्रीमियम की गणना अगले वर्ष की प्रीमियम दर को अगले वर्ष में हवाईअड्डे पर संभाले गए कुल यातायात से गुणा करके की जाएगी।

उदाहरण:

विजयी बोली में उद्धृत (चरण-I के सीओडी से 6वें वर्ष से प्राधिकरण को रियायतग्राही द्वारा भुगतान की जाने वाली आईएनआर प्रति यात्री प्रीमियम दर) आईएनआर X6 प्रति यात्री है।

सीओडी चरण-I की घटना के 7वें (सातवें) वर्ष के आरंभ में प्रीमियम दर निम्नानुसार होगी –

$$X_7 = X_6 \times \{1 + ((PriceIndex\_ \text{सीओडी से 7वें वर्ष} - PriceIndex\_ \text{सीओडी से 6वें वर्ष}) / PriceIndex\_ \text{सीओडी से 6वें वर्ष})\}$$

सीओडी चरण-I के आरंभ से 7वें वर्ष हेतु संबंधित प्रीमियम की गणना 7वें वर्ष (X7) की प्रीमियम दर को 7वें (सातवें) वर्ष टी7 में हवाईअड्डे द्वारा संभाले गए वार्षिक यातायात से गुणा करके की जाएगी।

31.2.2.

इस खंड 31.2 के अंतर्गत देय वार्षिक प्रीमियम को इस करार के प्रयोजनों हेतु रियायत शुल्क का भाग माना जाएगा।

31.3. रियायत शुल्क का भुगतान

इस अनुच्छेद 31 के प्रावधानों के अंतर्गत देय रियायत शुल्क मासिक किश्तों में देय होगा। प्रत्येक माह की समाप्ति के 7 (सात) दिनों के भीतर, रियायतग्राही, रियायत शुल्क के विरुद्ध, ठीक पूर्ववर्ती माह में हवाईअड्डे पर संभाले गए कुल यातायात को उस वर्ष की प्रीमियम दर से गुणा करके गणना की गई एक अनंतिम राशि प्राधिकरण को अदा करेगा, और उसका अंतिम निपटान, रियायतग्राही के लेखा-परीक्षित लेखों के आधार पर, संबंधित लेखा वर्ष की समाप्ति के 120 (एक सौ बीस) दिनों के भीतर किया जाएगा।

31.4. कुल वार्षिक यातायात का सत्यापन

यह संतुष्ट होने हेतु कि रियायतग्राही ईमानदारी और निष्ठापूर्वक अपने कुल वार्षिक यातायात की रिपोर्ट कर रहा है, प्राधिकरण अपने प्रतिनिधियों को हवाईअड्डे पर तैनात कर सकता है, और रियायतग्राही के कुल वार्षिक यातायात का वास्तविक पता लगाने हेतु, खंड 25.4 के अनुसार, आवश्यक समझे जाने वाले अन्य उपाय और कार्यवाही कर सकता है। प्राधिकरण रियायतग्राही द्वारा संभाले गए कुल वार्षिक यातायात के निर्धारण के प्रयोजनों हेतु आवश्यक और उपयुक्त समझे जाने वाले किसी भी डेटा, जानकारी, लॉग, शीट, दस्तावेज़ या विवरण की माँग कर सकता है।

31.5. लाइसेंस शुल्क

31.5.1.

रियायत करार के निष्पादन पर तथा परियोजना हेतु स्थल हेतु अनुज्ञप्ति अधिकार प्रदान करने और इस करार में निर्धारित अधिकार और पहुँच प्रदान करने के आगे के प्रतिफल में, रियायतग्राही प्राधिकरण को भूमि मूल्य के 3.33% का वार्षिक लाइसेंस शुल्क ("लाइसेंस शुल्क") अदा करेगा। 29 अप्रैल 2019 तक की भूमि मूल्य का अनुमान आईएनआर 4326 करोड़ (चार हज़ार तीन सौ छब्बीस करोड़) लगाया गया है। लाइसेंस शुल्क की गणना के प्रयोजन हेतु, भूमि मूल्य में 1 जनवरी 2019 को आधार वर्ष मानकर मूल्य सूचकांक की दर से वार्षिक वृद्धि मानी जाएगी।

31.5.2.

लाइसेंस शुल्क प्रत्येक वर्ष अग्रिम रूप से देय होगा और पहला लाइसेंस शुल्क रियायतग्राही द्वारा निर्धारित तिथि के बाद 10वें वर्ष से अदा किया जाएगा। संदेह से बचने हेतु, निर्धारित तिथि के बाद 10वें वर्ष में भूमि मूल्य आधार वर्ष के संदर्भ में मूल्य सूचकांक द्वारा स्फीत

(इन्फ्लेट) किया जाएगा। निर्धारित तिथि के बाद 10वें वर्ष हेतु आईएनआर करोड़ में लाइसेंस शुल्क की गणना इस प्रकार की जाएगी –

$$L_{10} = 3.33\% \times 4326 \times \{1 + ((PriceIndex\_\text{निर्धारित तिथि के बाद 10वें वर्ष} - PriceIndex\_\text{जनवरी 2019}) / PriceIndex\_\text{जनवरी 2019})\}$$

निर्धारित तिथि के बाद 11वें वर्ष से आगे के वर्षों हेतु आईएनआर करोड़ में लाइसेंस शुल्क की गणना इस प्रकार की जाएगी –

$$L_{11} = L_{10} \times \{1 + ((PriceIndex\_\text{निर्धारित तिथि के बाद 11वें वर्ष} - PriceIndex\_\text{निर्धारित तिथि के बाद 10वें वर्ष}) / PriceIndex\_\text{निर्धारित तिथि के बाद 10वें वर्ष})\}$$

प्राधिकरण सूचना या अन्यथा के माध्यम से लाइसेंस शुल्क के भुगतान की माँग करने हेतु बाध्य नहीं होगा, और यह रियायतग्राही का दायित्व होगा कि वह लाइसेंस शुल्क का भुगतान इसके देय होने पर करे। लाइसेंस शुल्क रियायतग्राही द्वारा इस रियायत करार की अवधि के दौरान देय होगा।

संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, यह स्पष्ट किया जाता है कि एईआरए आदेश संख्या 42/2018-19, दिनांक 5 मार्च 2019 के अनुसार, वैमानिकी प्रशुल्क आकलन के प्रयोजन हेतु लाइसेंस शुल्क के उपचार को पास-थ्रू लागत के रूप में अनुमति दी जाएगी।

31.5.3.

रियायतग्राही लाइसेंस शुल्क को समय-समय पर प्राधिकरण द्वारा निर्दिष्ट खाते में अदा करेगा।

31.5.4.

यदि रियायतग्राही उपर्युक्त लाइसेंस शुल्क अदा करने में विफल रहता है, तो रियायतग्राही विलंब के प्रत्येक दिन हेतु बैंक दर से 3% (तीन प्रतिशत) अधिक की दर से गणना की गई अवधि हेतु ब्याज अदा करने हेतु उत्तरदायी होगा।

31.5.5.

यदि रियायतग्राही लाइसेंस शुल्क के देय होने के 90 दिनों के भीतर उसका भुगतान करने में विफल रहता है, तो बकाया लाइसेंस शुल्क को, प्रदर्शन प्रतिभूति से यथोचित रूप से विनियोजित दंडात्मक प्रभारों सहित, रियायतग्राही से वसूल किया जाएगा।

अनुच्छेद 32

32. उपयोगकर्ता शुल्क

32.1. रियायतग्राही द्वारा शुल्क का संग्रहण

32.1.1.

चरण-I के सीओडी से और अंतरण तिथि तक, रियायतग्राही के पास एईआरए अधिनियम और इस करार के प्रावधानों के अनुसार, एयरलाइनों और यात्रियों सहित उपयोगकर्ताओं से शुल्क माँगने, संग्रहित करने और विनियोजित करने का एकमात्र और विशेष अधिकार होगा, बशर्ते रियायतग्राही लागू कानूनों और लागू अनुज्ञप्तियों के अनुसार उपयोगकर्ताओं या उपयोगकर्ताओं की किसी श्रेणी के साथ सहमत निम्न दरों पर शुल्क निर्धारित और संग्रहित कर सकता है।

32.1.2.

रियायतग्राही स्वीकार करता है और सहमत है कि शुल्क के भुगतान पर, कोई भी उपयोगकर्ता हवाईअड्डे की संबंधित निर्दिष्ट सुविधा का उपयोग करने का हकदार होगा, और रियायतग्राही ऐसे उपयोग पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाएगा या लगवाएगा, सिवाय किसी लागू कानून, लागू अनुज्ञप्ति या इस करार के प्रावधानों में निर्दिष्ट सीमा तक।

32.1.3.

रियायतग्राही स्वीकार करता है और सहमत है कि कोई भी उपयोगकर्ता, जो शुल्क भुगतान हेतु उत्तरदायी नहीं है, किसी भी लागू कानून, लागू अनुज्ञप्ति या इस करार के प्रावधानों में निर्दिष्ट सीमा को छोड़कर, बिना किसी प्रतिबंध के हवाईअड्डे का उपयोग करने का हकदार होगा। इसके अतिरिक्त, रियायतग्राही, लागू कानूनों, लागू अनुज्ञप्तियों और इस करार के प्रावधानों के अधीन, अपने कर्मचारियों तथा ठेकेदारों, उप-ठेकेदारों, अभिकर्ताओं और अन्य व्यक्तियों के कर्मचारियों को हवाईअड्डे में निःशुल्क प्रवेश हेतु पास जारी कर सकता है।

32.1.4.

रियायतग्राही, वैमानिकी सेवाओं और गैर-वैमानिकी सेवाओं के प्रावधान हेतु, एयरलाइनों, विमानों, यात्रियों, विज्ञापनदाताओं और आगंतुकों सहित उपयोगकर्ताओं से शुल्क लगाने, संग्रहित करने और विनियोजित करने का हकदार होगा। किसी भी या सभी वैमानिकी सेवाओं के उपयोग हेतु वैमानिकी प्रभार, लागू कानूनों, लागू अनुज्ञप्तियों और इस करार के प्रावधान के अनुसार एईआरए द्वारा निर्धारित और संशोधित दरों के अनुसार होंगे।

32.1.5.

खंड 22.4.7 के प्रावधानों के अधीन, पक्षकार सहमत हैं कि लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार प्राधिकरण या नामित भारत सरकार एजेंसी द्वारा हवाई अड्डा सुरक्षा सेवाओं के प्रावधान हेतु प्रभार, रियायतग्राही द्वारा यात्रियों से वसूल किए जाएँगे तथा प्राधिकरण या नामित भारत सरकार एजेंसी को अदा किए जाएँगे। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, पक्षकार सहमत हैं कि किसी माह के दौरान रियायतग्राही द्वारा संग्रहित राशि अगले महीने की 5वीं (पाँचवीं) तिथि से पहले प्राधिकरण को अदा की जाएगी।

32.2. नेविगेशन प्रभारों का संग्रहण

32.2.1.

नामित भारत सरकार एजेंसी लागू कानूनों के अनुसार एयरलाइनों से रूट नेविगेशन सुविधा प्रभार तथा टर्मिनल नेविगेशन और लैंडिंग प्रभार लगाने, संग्रहित करने और विनियोजित करने का हकदार होगी। किसी एयरलाइन द्वारा ऐसे प्रभारों का भुगतान करने में विफलता की स्थिति में, नामित भारत सरकार एजेंसी उस एयरलाइन को सेवा का प्रावधान निलंबित करने और ऐसी एयरलाइन से प्रभार वसूल करने हेतु आवश्यक समझे जाने वाले कदम उठाने की हकदार होगी।

32.2.2.

रियायतग्राही एतद्द्वारा स्वीकार करता है और सहमत है कि वह खंड 32.2.1 के प्रावधानों के अनुपालन को लागू करने हेतु, किसी भी अनुसूचित या गैर-अनुसूचित वायु परिवहन संचालक हेतु ऐसी सेवा के प्रावधान के निलंबन के संबंध सहित, नामित भारत सरकार एजेंसी द्वारा दिए गए ऐसे निर्देशों का पालन करने हेतु बाध्य होगा।

32.3. वैमानिकी प्रभारों के निर्धारण और संशोधन के सिद्धांत

32.3.1.

इसमें पक्षकार स्वीकार करते हैं और सहमत हैं कि रियायतग्राही किसी उपयोगकर्ता से जो भी वैमानिकी प्रभार लगा, संग्रहित और विनियोजित कर सकता है, वे एईआरए अधिनियम और इस करार के प्रावधानों के अनुसार, एईआरए द्वारा किसी आदेश के माध्यम से निर्धारित और संशोधित किए जाएँगे।

32.3.2.

वैमानिकी प्रशुल्क, एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी (हवाई अड्डा संचालकों हेतु प्रशुल्क निर्धारण की शर्तें और नियम) दिशानिर्देश 2011, दिनांक 12 जनवरी 2017 (जारी दिनांक 23 जनवरी 2017) के अंतर्गत एईआरए के आदेश संख्या 14/2016-17 (F.No. एईआरए/20010/Civil Aviation Policy/2014-15/Vol-I) के अनुसार 30% हाइब्रिड-टिल

फ्रेमवर्क ("हाइब्रिड-टिल अनुमोदन") के साथ निर्धारित किए जाएँगे। संदेह की स्थिति स्पष्ट करने हेतु, खंडों 28.1.3, 28.1.4 और 28.4.1 के प्रावधानों के अधीन, वैमानिकी प्रभारों के निर्धारण और विनियमन हेतु सिटी साइड विकास से रियायतग्राही के राजस्व को हाइब्रिड-टिल फ्रेमवर्क से बाहर रखा जाएगा।

32.3.3.

वैमानिकी प्रभार हाइब्रिड-टिल अनुमोदन, इस करार की शर्तों और लागू कानूनों के अनुसार विनियमित और निर्धारित/पुनः-निर्धारित (set/re-set) किए जाएँगे।

32.3.4.

रियायतग्राही एतद्द्वारा स्वीकार करता है और सहमत है कि इस करार की शर्तों के अंतर्गत और अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय/अदा किया जाने वाला प्रीमियम, वैमानिकी सेवाओं के प्रावधान हेतु लागत के भाग के रूप में शामिल नहीं किया जाएगा और इसके संबंध में कोई पास-थ्रू उपलब्ध नहीं होगा।

32.3.5.

अन्यत्र निहित किसी विपरीत बात के होते हुए भी, रियायतग्राही एईआरए द्वारा अनुमोदित प्रशुल्क की आरंभिक/तदर्थ (initial/ad-hoc) दरों पर, चरण-I के सीओडी से प्रभावी होकर, हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं से वैमानिकी प्रभार लगाने, संग्रहित करने और विनियोजित करने का हकदार होगा। ऐसी आरंभिक/तदर्थ प्रशुल्क दरें तब तक लागू और वैध रहेंगी जब तक एईआरए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार एईआरए द्वारा वैमानिकी प्रभारों का अनुमोदन नहीं हो जाता।

32.3.6.

रियायतग्राही को प्रशुल्क को पड़ोसी हवाई अड्डों के प्रशुल्क के तुल्य बनाए रखने के तरीके खोजने हेतु एईआरए के साथ कार्य करना होगा।

32.3.7.

वैमानिकी प्रभारों के निर्धारण, वसूली (अल्प-वसूली या अधिक-वसूली सहित) या विनियोजन से संबंधित किसी भी पहलू के संबंध में रियायतग्राही को प्राधिकरण के विरुद्ध कोई सहारा नहीं होगा।

32.4. वैमानिकी प्रभारों में संशोधन पर प्रतिबंध

रियायतग्राही एतद्द्वारा स्वीकार करता है और सहमत है कि वह प्राधिकरण, एईआरए या किसी सरकारी संस्था से, किसी भी रूप या रीति में, एईआरए अधिनियम और इस करार के प्रावधानों के अनुसार के अतिरिक्त, वैमानिकी प्रभारों के किसी संशोधन या किसी अन्य राहत का हकदार नहीं है। इसके अनुसरण में, रियायतग्राही स्वीकार करता है, सहमत है और वचनबद्ध है कि वह एईआरए से या अन्यथा वैमानिकी प्रभारों के किसी संशोधन की माँग नहीं करेगा, और यदि लागू कानूनों और/अथवा इस करार के किसी प्रावधान के अनुसार ऐसा कोई संशोधन माँगा जाता है, तो यह सभी समय वहाँ निर्दिष्ट सीमा तक प्रतिबंधित रहेगा।

32.5. वैमानिकी प्रभारों की समीक्षा

32.5.1.

अनुच्छेद 32 के प्रावधानों के अनुसार लगाए, संग्रहित और विनियोजित किए जाने वाले वैमानिकी प्रभारों की, एईआरए अधिनियम और इस करार के प्रावधानों के अनुसार, एईआरए द्वारा समीक्षा की जाएगी, परंतु ऐसी समीक्षा उन घटनाओं, परिस्थितियों या आधारों पर निर्भर नहीं होगी, उनकी जाँच नहीं करेगी या उन पर विचार नहीं करेगी जिनके संबंध में इस करार में वैमानिकी प्रभारों, रियायत अवधि या किसी अन्य प्रकार की राहत या उपचार में संशोधन प्रदान किया गया है।

32.5.2.

कार्यक्षेत्र में परिवर्तन, विनिर्देशों और मानकों में परिवर्तन, सुरक्षा आवश्यकताओं या लागू कानून की शक्ति रखने वाले नए अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुपालन से उत्पन्न कोई भी अतिरिक्त लागत, यदि कोई हो, या उसमें कमी, वैमानिकी प्रभारों के संशोधन के प्रयोजनों हेतु एईआरए द्वारा समीक्षा की जा सकती है। एईआरए द्वारा ऐसी कोई भी समीक्षा परियोजना हेतु जारी लागू अनुज्ञप्तियों के अनुसार, वैमानिकी सेवाओं के संबंध में और हेतु राजस्व के विचार को शामिल करेगी।

32.5.3.

खंड 32.5.1 के प्रावधानों के अंतर्गत वैमानिकी प्रभारों की किसी भी समीक्षा में, पक्षकारों द्वारा इस करार के प्रावधानों के अनुसार वसूल किए गए या किए गए राजस्व, समायोजन, वसूलियों या भुगतानों, यदि कोई हों, को ध्यान में रखा जाएगा, और एईआरए यह निर्धारित कर सकता है कि रियायतग्राही से कोई और वसूली या भुगतान देय है या प्राप्य है। एईआरए, जहाँ तक संभव हो, एईआरए अधिनियम और इस करार के प्रावधानों के अनुसार, वैमानिकी प्रभारों की दर में तथा उसके द्वारा निर्दिष्ट अवधि हेतु उपयुक्त वृद्धि या कमी करके अपने ऐसे निर्धारण

को प्रभावी करेगा। परंतु, यह कि यदि एईआरए यह निर्धारित करता है कि वैमानिकी प्रभारों में कोई वृद्धि अन्यायपूर्ण है और उपयोगकर्ताओं के हितों के प्रतिकूल है, तो वह ऐसी वृद्धि को पूर्णतः या आंशिक रूप से माफ कर सकता है।

32.5.4.

पक्षकार स्वीकार करते हैं कि इस खंड 32.5.1 के प्रावधानों के अंतर्गत वैमानिकी प्रभारों की कोई भी समीक्षा लागू कानूनों के अनुसार की जाएगी और तदनुसार विनियमित और आगे बढ़ाई जाएगी।

32.5.5.

पक्षकार स्वीकार करते हैं कि खंड 32.5.1 के प्रावधान के अंतर्गत प्रभारों की कोई भी समीक्षा लागू कानूनों के अनुसार की जाएगी तथा उसके पहले खुली सुनवाई और तर्कयुक्त आदेश होंगे।

32.6. वैमानिकी प्रभारों में वृद्धि पर कुछ सीमाएँ

32.6.1.

यदि खंड 32.5.2 के प्रावधानों के अनुसरण में कोई पूँजीगत लागत वहन किया जाना अपेक्षित है, तो रियायतग्राही प्रभावित उपयोगकर्ताओं या उनके प्रतिनिधि निकायों के परामर्श से एईआरए को इसकी जाँच हेतु उसके संबंध में विनिर्देश और लागत प्रस्तुत करेगा। ऐसी जाँच और परामर्श की समाप्ति पर, एईआरए वैमानिकी प्रभारों को निर्धारित करने हेतु ऐसे प्रस्तुतीकरणों पर विचार करेगा।

32.6.2.

रियायतग्राही प्राधिकरण और अन्य सरकारी संस्था द्वारा प्रदत्त अनुमोदन के अनुसार अगले चरणों हेतु निर्माण कार्यों का कार्य आरंभ करेगा और पूर्ण करेगा, और निर्माण कार्यों के संबंध में इस करार के प्रावधान इस खंड 32.6 के अनुसरण में किए गए निर्माण कार्यों पर, आवश्यक परिवर्तनों सहित, लागू होंगे।

32.6.3.

इस खंड 32.6 के अनुसार रियायतग्राही द्वारा वहन की गई पूँजीगत लागत, संबंधित निर्माण कार्यों की समाप्ति पर, लागू कानूनों और इस करार की शर्तों, जिसमें एईआरए के लागू प्रशुल्क दिशानिर्देश शामिल हैं, के अनुसार रियायतग्राही द्वारा वसूल की जाएगी।

32.7. शुल्क चोरी हेतु दंड

यदि कोई उपयोगकर्ता देय शुल्क का भुगतान किए बिना हवाईअड्डे का उपयोग करता है, तो रियायतग्राही, लागू कानूनों और लागू अनुज्ञप्तियों के अधीन, ऐसे व्यक्ति से देय शुल्क तथा हवाईअड्डे के अनधिकृत उपयोग के प्रयास हेतु हर्जाने के रूप में उसकी राशि के दोगुने तक की वसूली करने का हकदार होगा, बशर्ते ऐसे शुल्क और हर्जाने का निर्धारण और संग्रहण रियायतग्राही के जोखिम और लागत पर होगा तथा इस संबंध में प्राधिकरण किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

32.8. वैमानिकी प्रभारों का प्रदर्शन

32.8.1.

रियायतग्राही अपनी वेबसाइट और अपने कार्यालय पर उपयोगकर्ताओं की जानकारी हेतु लागू वैमानिकी प्रभारों की दरें बनाए रखेगा और उपलब्ध कराएगा।

32.8.2.

रियायतग्राही समय-समय पर लागू वैमानिकी प्रभारों की प्राधिकरण को सूचना देगा।

32.8.3.

रियायतग्राही एईआरए द्वारा निर्दिष्ट वैमानिकी प्रभारों की दरों से अधिक कोई राशि संशोधित, प्रदर्शित या संग्रहित नहीं करेगा।

32.9. मासिक शुल्क विवरण

संचालन अवधि के दौरान, रियायतग्राही प्रत्येक माह की समाप्ति के 7 (सात) दिनों के भीतर, अनुसूची-एन में निर्धारित प्रारूप में, शुल्क का एक विवरण ("मासिक शुल्क विवरण") प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगा। रियायतग्राही अपने वैधानिक कार्यों के निर्वहन में, विनिर्दिष्ट अंतरालों पर, प्राधिकरण द्वारा यथोचित रूप से अपेक्षित अन्य जानकारी भी प्राधिकरण को उपलब्ध कराएगा।

32.10. शुल्क संविदाकार

रियायतग्राही, रियायतग्राही की ओर से और उसकी तरफ से शुल्क संग्रह करने हेतु किसी शुल्क संविदाकार या किसी अन्य व्यक्ति की नियुक्ति कर सकता है; परंतु ऐसी नियुक्ति के बावजूद, रियायतग्राही इस करार के अनुसार शुल्क के संग्रहण और एस्क्रो खाते में उसे जमा करने तथा इस करार के प्रावधानों के अनुपालन हेतु पूर्णतः उत्तरदायी और जिम्मेदार बना रहेगा।

अनुच्छेद 33

33. विलोपित

(पृष्ठ जानबूझकर रिक्त छोड़ा गया है)

अनुच्छेद 34

34. विलोपित

(पृष्ठ जानबूझकर रिक्त छोड़ा गया है)

अनुच्छेद 35

35. विलोपित

अनुच्छेद 36

36. एस्क्रो खाता

36.1. एस्क्रो खाता

36.1.1. रियायतग्राही, नियत तिथि से पूर्व, एस्क्रो करार के साथ पठित इस करार के अनुसार एक बैंक ("एस्क्रो बैंक") के साथ एक एस्क्रो खाता खोलेगा और स्थापित करेगा।

36.1.2. एस्क्रो खाते की प्रकृति और क्षेत्र उस करार ("एस्क्रो करार") में पूर्णतः वर्णित है, जिसे रियायतग्राही, प्राधिकरण, एस्क्रो बैंक और ऋणदाताओं के प्रतिनिधि के माध्यम से वरिष्ठ ऋणदाताओं के बीच प्रवेश किया जाएगा, जो मूलतः अनुसूची-टी में निर्धारित प्रपत्र में दिय गया होगा।

36.2. एस्क्रो खाते में जमा

रियायतग्राही निम्नलिखित अंतर्वाह और प्राप्तियों को एस्क्रो खाते में जमा करेगा या जमा कराएगा:

(क) बैंकों, अन्य ऋणदाताओं, शेयरधारकों और बीमा कंपनियों से परियोजना के संबंध में प्राप्त सभी धनराशियां;

(ख) हवाईअड्डे से या उसके संबंध में सभी फीस और अन्य राजस्व, जिसमें किसी भी किराए, जमाओं, पूंजीगत प्राप्तियों या बीमा दावों की आगम राशि शामिल है;

(ग) रियायत करार के अंतर्गत अपने अधिकारों के प्रयोग में प्राधिकरण द्वारा एकत्रित सभी फीस; और

(घ) किसी भी बकाया रियायत फीस की कटौती के बाद, प्राधिकरण द्वारा किए गए सभी भुगतान; और

(ङ) समाप्ति भुगतान

बशर्ते कि वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण करारों में इस संबंध में निहित स्पष्ट प्रावधानों के अनुसार ईपीसी ठेकेदार को प्रत्यक्ष संवितरण कर सकते हैं।

आगे बशर्ते, कि उप-लाइसेंसधारियों या समनुदेशितियों द्वारा अर्जित राजस्व एस्क्रो खाते में जमा नहीं किए जाएंगे।

36.3. रियायत अवधि के दौरान आहरण

36.3.1. रियायतग्राही, एस्क्रो खाता खोलते समय, एस्क्रो करार के माध्यम से एस्क्रो बैंक को अपरिवर्तनीय निर्देश देगा, जिसमें, अन्य बातों के साथ, यह निर्देश दिया जाएगा कि एस्क्रो खाते में जमाओं को प्रत्येक माह, या आवश्यकतानुसार अल्प अंतरालों पर, निम्नलिखित क्रम में विनियोजित किया जाएगा, और यदि किसी माह में देय न हों तो उस माह में आनुपातिक रूप से विनियोजित और एस्क्रो खाते में बरकरार रखा जाएगा तथा जिस माह में देय हों उसमें से भुगतान किया जाएगा:

(क) हवाईअड्डे के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही द्वारा देय और भुगतान योग्य सभी कर, सिटी साइड विकास को छोड़कर;

(ख) हवाईअड्डे के निर्माण से संबंधित सभी भुगतान, वित्तपोषण करारों में निर्धारित शर्तों, यदि कोई हों, के अधीन और उनके अनुसार;

(ग) खंड 31.5 के अनुसार लाइसेंस फीस सहित ओ एवं एम व्यय, लागू कानूनों, लागू अनुज्ञप्तियों और अच्छे उद्योग व्यवहार के अनुसार वित्तपोषण करारों में निर्धारित सीमा, यदि कोई हो, के अधीन;

(घ) इस करार के प्रावधानों के अनुसार प्राधिकरण द्वारा व्यय की गई ओएंडएम व्यय और अन्य लागतें और व्यय, तथा प्राधिकरण द्वारा उसे देय और भुगतान योग्य के रूप में प्रमाणित;

(ङ) प्राधिकरण को देय और भुगतान योग्य रियायत फीस;

(च) लेखा वर्ष में देय ऋण सेवा का मासिक आनुपातिक प्रावधान;

(छ) प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही से देय और भुगतान योग्य के रूप में प्रमाणित सभी भुगतान और क्षतियां;

(ज) अधीनस्थ ऋण के संबंध में लेखा वर्ष में देय ऋण सेवा भुगतानों का मासिक आनुपातिक प्रावधान;

(झ) वित्तपोषण करारों में निर्धारित कोई भी आरक्षित आवश्यकताएं; और

(ञ) शेष, यदि कोई हो, रियायतग्राही के निर्देशों के अनुसार।

36.3.2. रियायतग्राही प्राधिकरण की पूर्व लिखित स्वीकृति के बिना, ख़ंड 36.3.1 में विनिर्दिष्ट भुगतान के क्रम को किसी भी रीति से संशोधित नहीं करेगा।

36.4. समाप्ति पर आहरण

36.4.1. इस करार में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, एस्क्रो खाते के प्रति जमा सभी राशियां, समाप्ति पर, निम्नलिखित क्रम में विनियोजित की जाएंगी:

(क) हवाईअड्डे के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही द्वारा देय और भुगतान योग्य सभी कर, सिटी साइड विकास को छोड़कर;

(ख) अधीनस्थ ऋण को छोड़कर ऋण देय का 90% (नब्बे प्रतिशत);

(ग) बकाया रियायत फीस;

(घ) प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही से देय और भुगतान योग्य के रूप में प्रमाणित सभी भुगतान और क्षतियां;

(ङ) अनुच्छेद 44 में निर्धारित दोषों और कमियों के दायित्व से संबंधित प्रतिधारण और भुगतान;

(च) ऋण देय के शेष सहित बकाया ऋण सेवा;

(छ) बकाया अधीनस्थ ऋण;

(ज) उपगत या उपचित ओएंडएम व्यय;

(झ) इस करार के अंतर्गत किए जाने वाले कोई अन्य भुगतान; और

(ञ) शेष, यदि कोई हो, रियायतग्राही के निर्देशों के अनुसार:

बशर्ते कि इस खंड 36.4.1 के उप-खंड (ञ) के अंतर्गत तब तक कोई विनियोजन नहीं किया जाएगा जब तक अनुच्छेद 43 के प्रावधानों के अंतर्गत प्राधिकरण द्वारा निहित प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाता।

इस अनुच्छेद 36 के प्रावधान और एस्क्रो करार में निहित निर्देश तब तक पूर्ण बल और प्रभाव में बने रहेंगे जब तक खंड 36.4.1 में निर्धारित दायित्वों का निर्वहन नहीं हो जाता।

अनुच्छेद 37

37. बीमा

37.1. रियायत अवधि के दौरान बीमा

रियायतग्राही रियायत अवधि के दौरान अपनी लागत पर ऐसे बीमे प्रभावी और बनाए रखेगा, ऐसी अधिकतम राशियों के लिए जैसा वित्तपोषण करारों और लागू कानूनों के अंतर्गत अपेक्षित हो, और ऐसे बीमे जो अच्छे उद्योग व्यवहार के अनुसार आवश्यक या विवेकपूर्ण हों। रियायतग्राही ऐसे बीमे भी प्रभावी और बनाए रखेगा जो रियायतग्राही के किसी भी कार्य या चूक के परिणामस्वरूप प्राधिकरण पर पड़ने वाले जोखिमों को कम करने के लिए आवश्यक हों। रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि प्रत्येक बीमा पॉलिसी में, प्राधिकरण एक सह-बीमाकृत होगा और बीमाकर्ता बीमा की आगम राशि एस्क्रो खाते में भुगतान करेगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, पक्षकार सहमत हैं कि वरिष्ठ ऋणदाताओं के बकायों के पूर्ण भुगतान के बाद रियायतग्राही द्वारा बनाए रखे जाने वाले बीमे का स्तर उन्हीं सिद्धांतों पर निर्धारित किया जाएगा जो वरिष्ठ ऋणदाताओं के ऐसे भुगतान से पूर्व बीमे के स्तर को निर्धारित करने के लिए लागू होते हैं।

37.2. बीमा कवर

खंड 37.1 में निहित प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही रियायत अवधि के दौरान निम्नलिखित सहित, किंतु इन्हीं तक सीमित नहीं, बीमा कवर प्राप्त और बनाए रखेगा:

(क) परियोजना परिसंपत्तियों की हानि, क्षति या विनाश, जिसमें प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को सुपुर्द की गई परिसंपत्तियां शामिल हैं, प्रतिस्थापन मूल्य पर;

(ख) प्राधिकरण के कर्मियों या हवाईअड्डे में प्रवेश करने वाले अन्य व्यक्तियों को चोट या मृत्यु सहित व्यापक तृतीय पक्ष दायित्व बीमा;

(ग) रियायत से उत्पन्न रियायतग्राही का सामान्य दायित्व;

(घ) माल या संपत्ति क्षति के लिए तृतीय पक्षों के प्रति दायित्व;

(ङ) कर्मचारी क्षतिपूर्ति बीमा; और

(च) रियायतग्राही और उसके कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कोई अन्य बीमा, जिसमें सभी फोर्स मेज्योर घटनाएं शामिल हैं जो व्यावसायिक रूप से उचित प्रीमियमों पर बीमा योग्य हों और अन्यथा उपरोक्त मद (क) से (ङ) में आच्छादित न हों।

37.3. प्राधिकरण को सूचना

निर्माण अवधि या संचालन अवधि, जैसा भी मामला हो, के प्रारंभ से 30 (तीस) दिन पहले से अनधिक, रियायतग्राही सूचना द्वारा प्राधिकरण को इस अनुच्छेद 37 के अनुसार प्रभावी और बनाए रखे जाने वाले प्रस्तावित बीमों के संबंध में युक्तियुक्त विवरण सहित जानकारी प्रस्तुत करेगा। ऐसी सूचना की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर, प्राधिकरण रियायतग्राही से इस अंतर्गत आवश्यक ऐसे अन्य बीमों को प्रभावी और बनाए रखने की अपेक्षा कर सकता है, और ऐसे किसी भी बीमे से संबंधित किसी भी मतभेद या असहमति की स्थिति में, विवाद समाधान प्रक्रिया लागू होगी।

37.4. बीमा कवर का साक्ष्य

रियायतग्राही द्वारा इस अनुच्छेद 37 के अनुसार प्राप्त सभी बीमे अच्छे उद्योग व्यवहार के अनुरूप शर्तों पर बीमाकर्ताओं के साथ बनाए रखे जाएंगे। किसी भी बीमा कवर के प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, रियायतग्राही प्राधिकरण को बीमा प्रमाणपत्र(पत्रों) की नोटरीकृत सत्य प्रतियां, बीमा पॉलिसियों की प्रतियां और ऐसे बीमे के संबंध में प्रीमियम भुगतान की रसीदें प्रस्तुत करेगा, और ऐसा कोई भी बीमा रद्द, संशोधित या समाप्त या व्यपगत नहीं होने दिया जाएगा जब तक रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को ऐसे प्रस्तावित रद्दीकरण, संशोधन या गैर-नवीकरण की सूचना दिए जाने के बाद कम से कम 45 (पैंतालीस) दिन समाप्त नहीं हो जाते।

37.5. बीमा न कराने पर उपचार

यदि रियायतग्राही इस अंतर्गत अपनी जिम्मेदारी के सभी बीमों को प्रभावी और लागू बनाए रखने में विफल रहता है, तो प्राधिकरण के पास या तो ऐसे किसी भी बीमे को लागू बनाए रखने और ऐसे प्रीमियम का भुगतान करने तथा उसकी लागत रियायतग्राही से वसूल करने का

विकल्प होगा, या समाप्ति भुगतान की गणना की स्थिति में, बीमा कवर के बराबर राशि को रियायतग्राही द्वारा प्राप्त मानी गई राशि के रूप में मानने का विकल्प होगा।

37.6. अधिस्थापन का त्याग

रियायतग्राही द्वारा इस अनुच्छेद 37 के अनुसरण में प्राप्त बीमे के संबंध में सभी बीमा पॉलिसियों में, अन्य बातों के साथ, प्राधिकरण, और उसके समनुदेशितियों, उत्तराधिकारियों, उपक्रमों और उनकी सहायक कंपनियों, संबद्ध कंपनियों, कर्मचारियों, बीमाकर्ताओं और अंडरराइटरों के विरुद्ध बीमाकर्ताओं के अधिस्थापन या वसूली के किसी भी और सभी अधिकारों का त्याग शामिल होगा, तथा बीमाकर्ताओं के किसी भी सेट-ऑफ या प्रतिदावे या किसी भी अन्य कटौती के अधिकार का त्याग, चाहे अनुलग्नक द्वारा हो या अन्यथा, ऐसी किसी भी पॉलिसी के अंतर्गत बीमाकृत किसी भी ऐसे व्यक्ति के किसी भी दायित्व के संबंध में या किसी भी रीति से ऐसी बीमा पॉलिसियों द्वारा आच्छादित किसी हानि, दायित्व या बाध्यता से जुड़ा हो।

37.7. रियायतग्राही का त्याग

रियायतग्राही इसके द्वारा आगे प्राधिकरण और उसके समनुदेशितियों, उपक्रमों और उनकी सहायक कंपनियों, संबद्ध कंपनियों, कर्मचारियों, उत्तराधिकारियों, बीमाकर्ताओं और अंडरराइटरों, अन्य बातों के साथ, के विरुद्ध अधिस्थापन या वसूली के किसी भी और सभी अधिकारों को, जो रियायतग्राही को अन्यथा इस करार के अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा बनाए रखे गए या बनाए रखने के लिए अपेक्षित बीमा पॉलिसियों (तृतीय पक्ष दायित्व बीमा पॉलिसियों के अलावा) द्वारा आच्छादित किसी हानि, दायित्व या बाध्यता में या से या किसी भी रीति से जुड़े हुए प्राप्त या अर्जित हो सकते हैं, या ऐसी किसी भी बीमा पॉलिसियों की कटौती योग्य खंडों या सीमाओं की अपर्याप्तता के कारण, मुक्त करता है, समनुदेशित करता है और त्याग करता है।

37.8. बीमा आगम का उपयोग

जीवन और चोट को छोड़कर सभी बीमा दावों से आगम राशि, एस्क्रो खाते में जमा द्वारा रियायतग्राही को भुगतान की जाएगी और वह, खंड 36.3 में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, ऐसी आगम राशि को हवाईअड्डे की किसी भी आवश्यक मरम्मत,

पुनर्निर्माण, पुनर्स्थापन, प्रतिस्थापन या सुधार के लिए लागू करेगा, और शेष बची राशि, यदि कोई हो, वित्तपोषण करारों में इस संबंध में निहित प्रावधानों के अनुसार लागू की जाएगी।

37.9. बीमा पॉलिसियों की शर्तों का अनुपालन

रियायतग्राही स्पष्ट रूप से स्वीकार करता है और वचनबद्ध होता है कि वह इस करार के प्रावधानों के अनुसार प्रभावी की गई बीमा पॉलिसियों के अंतर्गत लगाई गई शर्तों का अनुपालन करने में रियायतग्राही की विफलता से उत्पन्न सभी हानियों और दावों से प्राधिकरण को पूर्णतः क्षतिपूर्ति देगा।

अनुच्छेद 38

38. लेखे और अंकेक्षण

38.1. अंकेक्षित लेखे

38.1.1. रियायतग्राही अपनी सभी प्राप्तियों (जिसमें हवाईअड्डे से या उसके खाते में इसके द्वारा व्युत्पन्न/एकत्रित सभी सकल राजस्व और अन्य राजस्व और/या इसके उपयोग सहित), आय, व्यय, भुगतान (एस्क्रो खाते से भुगतान सहित), परिसंपत्तियों और देयताओं को दर्ज करने वाले लेखा बहियां, इस करार, अच्छे उद्योग व्यवहार, लागू कानूनों और लागू अनुज्ञप्तियों के अनुसार बनाए रखेगा। रियायतग्राही अपने सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा इस पर एक रिपोर्ट सहित अपने तुलन पत्र, नकदी प्रवाह विवरण और लाभ व हानि लेखा की 2 (दो) प्रतियां, संबंधित लेखा वर्ष के समापन के 90 (नब्बे) दिनों के भीतर प्रदान करेगा, और ऐसे अंकेक्षित लेखे, सिवाय इसके विपरीत स्पष्ट रूप से प्रावधानित स्थिति के, इस करार के अंतर्गत किसी भी पक्षकार द्वारा भुगतानों का आधार बनेंगे। प्राधिकरण को स्वयं के माध्यम से या अपने किसी भी अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से, कार्यालय समय के दौरान रियायतग्राही के अभिलेखों का निरीक्षण करने तथा भुगतानों के आधार के सत्यापन के लिए, सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा विधिवत प्रमाणित लेखा बहियों के प्रासंगिक उद्धरणों की प्रतियां प्राधिकरण को प्रदान किए जाने का अधिकार होगा, और किसी भी विसंगति या त्रुटि पाए जाने की स्थिति में, वही ठीक की जाएगी और ऐसा ठीक किया गया लेखा इस करार के अंतर्गत किसी भी पक्षकार द्वारा भुगतानों का आधार बनेगा।

38.1.2. रियायतग्राही, लेखा वर्ष की प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर, प्राधिकरण को पूर्ववर्ती तिमाही के संबंध में अपने अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणाम प्रस्तुत करेगा, जिसमें हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले और उसके लिए फीस के भुगतान हेतु दायी उपयोगकर्ताओं की प्रत्येक श्रेणी के यातायात गणना पर संक्षिप्त जानकारी दी जाएगी, तथा किसी भी अन्य जानकारी को, उस रीति और प्रपत्र में जो भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किसी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा त्रैमासिक परिणाम के प्रकाशन के लिए विहित की गई हो, प्रस्तुत करेगा।

38.1.3. प्रत्येक वर्ष 31वें (इकतीसवें) मई के दिन या उससे पूर्व, रियायतग्राही प्राधिकरण को, पूर्ववर्ती लेखा वर्ष के लिए, अपने सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा विधिवत अंकेक्षित एक विवरण प्रदान करेगा जिसमें (क) हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले और उसके लिए फीस के भुगतान हेतु दायी उपयोगकर्ताओं की प्रत्येक श्रेणी के यातायात गणना, (ख) प्रभारित और प्राप्त फीस, हवाई अड्डे, सिटी साइड और परियोजना से संबद्ध किसी भी अन्य परिसंपत्ति से व्युत्पन्न सकल राजस्व और अन्य राजस्व तथा रियायतग्राही द्वारा सीधे अर्जित (ग) ऐसी अन्य जानकारी जो प्राधिकरण युक्तियुक्त रूप से अपेक्षा कर सकता है, पर संक्षिप्त जानकारी दी जाएगी।

38.2. अंकेक्षकों की नियुक्ति

38.2.1. रियायतग्राही अपने सांविधिक अंकेक्षकों के रूप में, इस करार की अवधि के दौरान, चार्टर्ड अकाउंटेंट की 5 (पांच) प्रतिष्ठित फर्मों की पारस्परिक रूप से सहमत सूची ("चार्टर्ड अकाउंटेंट पैनल") से अपनी पसंद की एक फर्म नियुक्त करेगा और रखेगा, ऐसी सूची अनुसूची-यू में निर्धारित मानदंडों के अनुसार सारतः तैयार की जाएगी। सांविधिक अंकेक्षकों की सभी फीस और व्यय रियायतग्राही द्वारा वहन किए जाएंगे।

38.2.2. रियायतग्राही प्राधिकरण को 45 (पैंतालीस) दिनों की सूचना देने के बाद अपने सांविधिक अंकेक्षकों की नियुक्ति समाप्त कर सकता है, बशर्ते प्रतिस्थापन सांविधिक अंकेक्षक चार्टर्ड अकाउंटेंट पैनल से नियुक्त किए जाएं।

38.2.3. इस करार में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, प्राधिकरण के पास समय-समय पर और किसी भी समय, अपनी लागत पर चार्टर्ड अकाउंटेंट पैनल से एक अन्य फर्म ("अतिरिक्त अंकेक्षक") नियुक्त करने का अधिकार होगा, किंतु दायित्व नहीं, उन सभी मामलों, व्ययों, लागतों, वसूलियों और चीजों का अंकेक्षण और सत्यापन करने के लिए जिन्हें सांविधिक अंकेक्षकों को इस करार के अनुसरण में करने, वचनबद्ध होने या प्रमाणित करने की अपेक्षा है।

38.2.4. प्राधिकरण के पास निर्माण अवधि की अवधि के लिए, अपनी लागत पर चार्टर्ड अकाउंटेंट पैनल से एक अन्य फर्म ("समवर्ती अंकेक्षक") नियुक्त करने का अधिकार होगा, किंतु दायित्व नहीं, रियायतग्राही के लेखों का समवर्ती अंकेक्षण करने के लिए।

38.3. सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा दावों का प्रमाणन

रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को प्राप्तियों, आय, भुगतान, लागतों, व्ययों, लेखों या अंकेक्षण के संबंध में या उससे संबद्ध, तथा इससे प्रासंगिक किसी भी मामले के संबंध में प्रदान किया गया कोई भी दावा या दस्तावेज तभी वैध और प्रभावी होगा जब वह इसके सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा प्रमाणित हो। संदेह की निवृत्ति के लिए, ऐसा प्रमाणन खंड 31.3 के अनुसार रियायत फीस की मासिक किस्त के प्रस्तुतीकरण सहित व्यवसाय के सामान्य क्रम में जानकारी के आदान-प्रदान के लिए अपेक्षित नहीं होगा।

38.4. सेट-ऑफ

यदि प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को कोई राशि देय और भुगतान योग्य हो, तो वह रियायतग्राही द्वारा उसे देय किसी भी राशि का समायोजन (सेट-ऑफ) कर सकता है और शेष बची राशि का भुगतान कर सकता है। इस खंड 38.4 के अंतर्गत प्राधिकरण द्वारा अपने अधिकारों का कोई भी प्रयोग इस करार के अंतर्गत या अन्यथा उपलब्ध किसी भी अन्य अधिकार या उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा।

38.5. विवाद समाधान

यदि, जैसा भी मामला हो, अतिरिक्त अंकेक्षकों या समवर्ती अंकेक्षकों के निष्कर्षों और सांविधिक अंकेक्षकों द्वारा प्रदत्त प्रमाणन के बीच कोई मतभेद हो, तो ऐसे अंकेक्षक मतभेदों को हल करने के लिए मिलेंगे और यदि वे इसे हल करने में असमर्थ हों, तो ऐसा विवाद विवाद समाधान प्रक्रिया का सहारा लेकर प्राधिकरण द्वारा हल किया जाएगा।

भाग V

फोर्स मेज्योर और समाप्ति

अनुच्छेद 39

39. फोर्स मेज्योर

39.1. फोर्स मेज्योर

इस करार में प्रयुक्त, "फोर्स मेज्योर" या "फोर्स मेज्योर घटना" की अभिव्यक्ति का अर्थ, सिवाय जहां स्पष्ट रूप से अन्यथा प्रावधा न किया गया हो, भारत में कोई भी या सभी गैर-राजनीतिक घटना, अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना और राजनीतिक घटना होगा, जैसा क्रमशः खंड 39.2, 39.3 और 39.4 में परिभाषित है, यदि यह फोर्स मेज्योर के लाभ का दावा करने वाले पक्षकार ("प्रभावित पक्षकार") द्वारा इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन को प्रभावित करती है और जो कार्य या घटना (क) प्रभावित पक्षकार के युक्तियुक्त नियंत्रण से परे है, और (ख) प्रभावित पक्षकार उचित तत्परता के प्रयोग और अच्छे उद्योग व्यवहार का पालन करके इसे रोक या दूर नहीं कर सका, और (ग) प्रभावित पक्षकार पर सारभूत प्रतिकूल प्रभाव डालती है।

39.2. गैर-राजनीतिक घटना

गैर-राजनीतिक घटना का अर्थ निम्नलिखित कार्यों या घटनाओं में से एक या अधिक होगा:

(क) दैवी कार्य, महामारी, अत्यंत प्रतिकूल मौसम की स्थिति, बिजली गिरना, भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात, बाढ़, ज्वालामुखी विस्फोट, रासायनिक या रेडियोधर्मी संदूषण या आयनकारी विकिरण, अग्नि या विस्फोट (साइट के बाहरी स्रोत से उत्पन्न संदूषण या विकिरण या अग्नि या विस्फोट की सीमा तक);

(ख) हड़तालें या बहिष्कार (रियायतग्राही, ठेकेदारों या उनके संबंधित कर्मचारियों/प्रतिनिधियों को शामिल करने वाले या उनमें से किसी के कार्य या चूक के लिए आरोपणीय हड़तालों या बहिष्कारों को छोड़कर) जो हवाईअड्डे को आपूर्तियों और सेवाओं को 24 (चौबीस) घंटों की लगातार अवधि और लेखा वर्ष में 7 (सात) दिनों से अधिक की समग्र अवधि के लिए बाधित करती हैं, तथा जो ख़ंड 39.3 में निर्धारित अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना न हो;

(ग) किसी ठेकेदार की कोई भी विफलता या विलंब, किंतु केवल उस सीमा तक जहां तक यह किसी अन्य गैर-राजनीतिक घटना के कारण हुआ हो और जिसके परिणामस्वरूप ऐसे ठेकेदार द्वारा या उसकी ओर से रियायतग्राही को कोई ऑफसेटिंग प्रतिकर देय न हो;

(घ) भारत में उपकरण की सुपुर्दगी में किसी विदेशी ठेकेदार का कोई विलंब या विफलता, यदि ऐसा विलंब या विफलता भारत के बाहर उपरोक्त उप-खंड (क) में विनिर्दिष्ट किसी घटना के कारण हुई हो और जिसके परिणामस्वरूप ऐसे ठेकेदार द्वारा या उसकी ओर से रियायतग्राही को कोई ऑफसेटिंग प्रतिकर देय न हो;

(ङ) रियायतग्राही के विरुद्ध किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय या सांविधिक प्राधिकरण द्वारा किसी भी कार्यवाही में दिया गया कोई भी निर्णय या आदेश, (i) किसी लागू कानूनों या लागू अनुज्ञप्तियों का अनुपालन करने में रियायतग्राही की विफलता, या (ii) किसी लागू कानूनों या लागू अनुज्ञप्तियों या किसी संविदा के उल्लंघन के खाते में, या (iii) इस करार के प्रवर्तन, या (iv) प्राधिकरण द्वारा इस करार के अंतर्गत अपने किसी भी अधिकार के प्रयोग के अलावा किसी अन्य कारण से;

(च) साइट पर भूवैज्ञानिक स्थितियों, विषाक्त संदूषण या पुरातात्विक अवशेषों की खोज जो साइट निरीक्षण के माध्यम से युक्तियुक्त रूप से खोजे जाने की अपेक्षित नहीं थी; या

(छ) पूर्वगामी में से किसी के समान प्रकृति की कोई घटना या परिस्थितियां।

39.3. अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना

अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना का अर्थ निम्नलिखित कार्यों या घटनाओं में से एक या अधिक होगा:

(क) युद्ध का कार्य (चाहे घोषित हो या अघोषित), आक्रमण, सशस्त्र संघर्ष या विदेशी शत्रु का कार्य, नाकाबंदी, अवरोध, दंगा, विद्रोह, आतंकवादी या सैन्य कार्रवाई, नागरिक अशांति या राजनीतिक रूप से प्रेरित तोड़फोड़;

(ख) कोई भी राजनीतिक या आर्थिक उथल-पुथल, अशांति, आंदोलन, संघर्ष या समान घटना जिसकी एक विवेकी व्यक्ति द्वारा अपेक्षा या पूर्वानुमान नहीं किया जा सकता था और

जो परियोजना के निर्माण या संचालन को वित्तीय रूप से अव्यवहार्य या अन्यथा अव्यावहारिक बनाती है;

(ग) उद्योग-व्यापी या राज्य-व्यापी हड़तालें या औद्योगिक कार्रवाई जो 24 (चौबीस) घंटों की लगातार अवधि के लिए हों और लेखा वर्ष में 7 (सात) दिनों की समग्र अवधि से अधिक हों;

(घ) कोई भी नागरिक अशांति, बहिष्कार या राजनीतिक आंदोलन जो रियायतग्राही द्वारा लेखा वर्ष में 7 (सात) दिनों से अधिक की समग्र अवधि के लिए फीस के संग्रह को रोकता हो;

(ङ) किसी भूवैज्ञानिक या पुरातात्विक खोज के बाद निर्माण कार्यों के रुक जाने की स्थिति में, संशोधनों के साथ या उनके बिना, रियायतग्राही को निर्माण कार्यों को जारी रखने की अनुमति देने में प्राधिकरण की विफलता;

(च) किसी ठेकेदार की कोई भी विफलता या विलंब, किंतु केवल उस सीमा तक जहां तक यह किसी अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना के कारण हुआ हो और जिसके परिणामस्वरूप ऐसे ठेकेदार द्वारा या उसकी ओर से रियायतग्राही को कोई ऑफसेटिंग प्रतिकर देय न हो;

(छ) कोई भी अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना जो गैर-राजनीतिक घटना का कारण बनती हो; या

(ज) पूर्वगामी में से किसी के समान प्रकृति की कोई घटना या परिस्थितियां।

39.4. राजनीतिक घटना

राजनीतिक घटना का अर्थ किसी भी सरकारी उपकरण द्वारा या उसके खाते में निम्नलिखित कार्यों या घटनाओं में से एक या अधिक होगा:

(क) कानून में परिवर्तन, केवल तभी जब इसके परिणामों को अनुच्छेद 46 के अंतर्गत और उसके अनुसार नहीं निपटाया जा सके और इसका प्रभाव, वित्तीय रूप में, ख़ंड 46.1 में विनिर्दिष्ट राशि से अधिक हो;

(ख) राष्ट्रीय हित में अनिवार्य अधिग्रहण या रियायतग्राही या ठेकेदारों की किसी परियोजना परिसंपत्तियों या अधिकारों की जब्ती;

(ग) रियायतग्राही या किसी भी ठेकेदार द्वारा इस करार और परियोजना करारों के अंतर्गत अपने-अपने दायित्वों के निष्पादन हेतु अपेक्षित किसी भी क्लीयरेंस, लाइसेंस, अनुज्ञा, प्राधिकरण, अनापत्ति प्रमाणपत्र, सहमति, अनुमोदन या छूट का गैरकानूनी या अनधिकृत या बिना अधिकारिता के प्रतिसंहरण, या वैध कारण के बिना नवीकरण या अनुदान से इनकार; बशर्ते कि ऐसा विलंब, संशोधन, अस्वीकृति, इनकार या प्रतिसंहरण ऐसी क्लीयरेंस, लाइसेंस, प्राधिकरण, अनापत्ति प्रमाणपत्र, छूट, सहमति, अनुमोदन या अनुज्ञा के अनुदान, अनुरक्षण या नवीकरण से संबंधित किसी शर्त का अनुपालन करने में रियायतग्राही या किसी ठेकेदार की असमर्थता या विफलता से न हुआ हो;

(घ) किसी ठेकेदार की कोई भी विफलता या विलंब, किंतु केवल उस सीमा तक जहां तक यह किसी अन्य राजनीतिक घटना के कारण हुआ हो और जिसके परिणामस्वरूप ऐसे ठेकेदार द्वारा या उसकी ओर से रियायतग्राही को कोई ऑफसेटिंग प्रतिकर देय न हो; या

(ङ) पूर्वगामी में से किसी के समान प्रकृति की कोई घटना या परिस्थिति।

39.5. फोर्स मेज्योर घटना की रिपोर्ट करने का कर्तव्य

39.5.1. फोर्स मेज्योर घटना की घटना पर, प्रभावित पक्षकार सूचना द्वारा ऐसी घटना की सूचना तत्काल दूसरे पक्षकार को देगा। इस अंतर्गत कोई भी सूचना निम्नलिखित के पूर्ण विवरण को सम्मिलित करेगी:

(क) प्रत्येक फोर्स मेज्योर घटना की प्रकृति और सीमा जो इस अनुच्छेद 39 के अंतर्गत किसी राहत के दावे का विषय है, इसके समर्थन में साक्ष्य सहित;

(ख) अनुमानित अवधि तथा इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन पर प्रभावित पक्षकार पर ऐसी फोर्स मेज्योर घटना का प्रभाव या संभावित प्रभाव जो हो रहा है या होगा;

(ग) ऐसी फोर्स मेज्योर घटना के प्रभाव को कम करने के लिए प्रभावित पक्षकार द्वारा किए जा रहे या प्रस्तावित उपाय; और

(घ) प्रभावित पक्षकार के दावे से प्रासंगिक कोई अन्य जानकारी।

39.5.2. प्रभावित पक्षकार किसी फोर्स मेज्योर घटना के लिए या उसके संबंध में किसी राहत का हकदार नहीं होगा जब तक उसने युक्तियुक्त रूप से व्यावहारिक हो सकने पर यथाशीघ्र, और किसी भी स्थिति में प्रभावित पक्षकार को इसकी घटना का ज्ञान होने या युक्तियुक्त रूप से ज्ञात होने योग्य होने के 7 (सात) दिनों से अनधिक बाद, दूसरे पक्षकार को फोर्स मेज्योर घटना की घटना की सूचना न दी हो, तथा उसे इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन पर फोर्स मेज्योर घटना के होने की संभावना वाले सारभूत प्रभाव का विवरण दिया हो।

39.5.3. जब तक प्रभावित पक्षकार ऐसी फोर्स मेज्योर घटना से सारभूत रूप से प्रभावित होने का दावा करना जारी रखता है, वह दूसरे पक्षकार को ख़ंड 39.5.1 द्वारा अपेक्षित जानकारी वाली नियमित (और साप्ताहिक से कम नहीं) रिपोर्टें तथा अन्य ऐसी जानकारी प्रदान करेगा जो दूसरा पक्षकार प्रभावित पक्षकार से युक्तियुक्त रूप से अपेक्षा कर सकता है।

39.6. रियायत पर फोर्स मेज्योर घटना का प्रभाव

39.6.1. नियत तिथि से पूर्व किसी भी फोर्स मेज्योर घटना की घटना पर, वित्तीय समापन प्राप्त करने के लिए ख़ंड 29.1.1 में निर्धारित अवधि को फोर्स मेज्योर घटना की अवधि के बराबर लंबाई की अवधि से बढ़ाया जाएगा।

39.6.2. नियत तिथि के बाद किसी भी समय, यदि कोई फोर्स मेज्योर घटना होती है:

(क) चरण-I के सीओडी से पहले, चरण I की निर्माण अवधि और परियोजना पूर्णता अनुसूची में निर्धारित तिथियों को ऐसी फोर्स मेज्योर घटना के जितने समय तक बने रहने की अवधि के बराबर लंबाई की अवधि से बढ़ाया जाएगा; या

(ख) चरण-I के सीओडी के बाद, जिसके परिणामस्वरूप रियायतग्राही सर्वोत्तम प्रयासों के बावजूद वैमानिकी प्रभारों को एकत्रित करने में असमर्थ हो या उसे प्राधिकरण या किसी सरकारी उपकरण द्वारा ऐसी फोर्स मेज्योर घटना के बने रहने के दौरान उसके संग्रह को स्थगित करने का निर्देश दिया गया हो, तो एईआरए ऐसी किसी भी फोर्स मेज्योर घटना के प्रभाव पर विचार करेगा और लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार उपयुक्त उपचार प्रदान करेगा।

39.7. फोर्स मेज्योर से उत्पन्न लागतों का आबंटन

39.7.1. नियत तिथि से पूर्व किसी भी फोर्स मेज्योर घटना की घटना पर, पक्षकार अपनी-अपनी लागतें वहन करेंगे और किसी भी पक्षकार को दूसरे पक्षकार को उसकी कोई लागत भुगतान करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी।

39.7.2. नियत तिथि के बाद फोर्स मेज्योर घटना की घटना पर, ऐसी घटना के कारण उपगत और परियोजना से सीधे संबंधित लागतें ("फोर्स मेज्योर लागतें") निम्नानुसार आबंटित और भुगतान की जाएंगी:

(क) गैर-राजनीतिक घटना की घटना पर, पक्षकार अपनी-अपनी फोर्स मेज्योर लागतें वहन करेंगे और किसी भी पक्षकार को दूसरे पक्षकार को उसकी कोई लागत भुगतान करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी;

(ख) अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना की घटना पर, ऐसी अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना के लिए आरोपणीय सभी फोर्स मेज्योर लागतें, और ऐसी अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना के लिए बीमा कवर से अधिक न होने की सीमा तक, रियायतग्राही द्वारा वहन की जाएंगी, और जिस सीमा तक फोर्स मेज्योर लागतें ऐसे बीमा कवर से अधिक हों, ऐसी अतिरिक्त राशि का आधा हिस्सा प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को प्रतिपूर्ति किया जाएगा; और

(ग) राजनीतिक घटना की घटना पर, ऐसी राजनीतिक घटना के लिए आरोपणीय सभी फोर्स मेज्योर लागतें प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को प्रतिपूर्ति की जाएंगी।

संदेह की निवृत्ति के लिए, फोर्स मेज्योर लागतों में ऋण पर ब्याज भुगतान, ओ एवं एम व्यय, मुद्रास्फीति के खाते में निर्माण कार्यों की लागत में कोई वृद्धि तथा फोर्स मेज्योर घटना के लिए सीधे आरोपणीय अन्य सभी लागतें शामिल हो सकती हैं, किंतु इसमें फीस राजस्व की हानि या ऋण चुकौती दायित्व शामिल नहीं होंगे, तथा ऐसी लागतों के निर्धारण के लिए, वित्तीय पैकेज में निहित जानकारी पर उस सीमा तक निर्भर किया जा सकता है जहां तक ऐसी जानकारी प्रासंगिक हो।

39.7.3. इस अनुच्छेद 39 में स्पष्ट रूप से प्रावधानित को छोड़कर, कोई भी पक्षकार किसी भी फोर्स मेज्योर घटना की घटना या अस्तित्व से संबंधित या उससे उत्पन्न किसी हानि, क्षति, लागत, व्यय, दावों, मांगों और कार्यवाहियों के संबंध में या इस अंतर्गत किसी अधिकार

के प्रयोग के संबंध में किसी भी रीति से दूसरे पक्षकार के प्रति किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

39.8. फोर्स मेज्योर घटना के लिए समाप्ति सूचना

यदि कोई फोर्स मेज्योर घटना 365 (तीन सौ पैंसठ) दिनों की लगातार अवधि के भीतर 180 (एक सौ अस्सी) दिनों या उससे अधिक की अवधि के लिए बनी रहती है, तो कोई भी पक्षकार अपने विवेकानुसार दूसरे पक्षकार को समाप्ति सूचना जारी करके, इस अनुच्छेद 39 में प्रावधानित को छोड़कर किसी भी रीति से उत्तरदायी हुए बिना, इस करार को समाप्त कर सकता है, और ऐसी समाप्ति सूचना जारी किए जाने पर, यह करार, इसमें इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, तत्काल समाप्त माना जाएगा; बशर्ते कि ऐसी समाप्ति सूचना जारी करने से पूर्व, समाप्ति सूचना जारी करने का इरादा रखने वाला पक्षकार दूसरे पक्षकार को ऐसे इरादे की सूचना देगा और प्रतिवेदन देने के लिए 15 (पंद्रह) दिनों का समय देगा, और ऐसी 15 (पंद्रह) दिनों की अवधि की समाप्ति के बाद, चाहे उसे ऐसा प्रतिवेदन प्राप्त हुआ हो या नहीं, अपने एकमात्र विवेकानुसार समाप्ति सूचना जारी कर सकता है।

39.9. फोर्स मेज्योर घटना के लिए समाप्ति भुगतान

39.9.1. यदि समाप्ति किसी गैर-राजनीतिक घटना के खाते में है, तो प्राधिकरण रियायतग्राही को ऋण देय के 90% (नब्बे प्रतिशत) घटा बीमा कवर के बराबर राशि में समाप्ति भुगतान करेगा।

39.9.2. यदि समाप्ति किसी अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना के खाते में है, तो प्राधिकरण रियायतग्राही को निम्नलिखित के बराबर राशि में समाप्ति भुगतान करेगा:

(क) ऋण देय घटा बीमा कवर; बशर्ते कि यदि बीमा कवर का भाग बनने वाले किसी बीमा दावे को स्वीकार और भुगतान नहीं किया गया हो, तो ऐसे अवैतनिक दावों का 80% (अस्सी प्रतिशत) ऋण देय की गणना में शामिल किया जाएगा;

(ख) समायोजित इक्विटी का 110% (एक सौ दस प्रतिशत); और

(ग) अतिरिक्त समाप्ति भुगतान घटा बीमा कवर के बराबर राशि; बशर्ते कि यदि बीमा कवर का भाग बनने वाले किसी बीमा दावे को स्वीकार और भुगतान नहीं किया गया हो, तो

ऐसे अवैतनिक दावों का 80% (अस्सी प्रतिशत) इस अंतर्गत देय राशि की गणना में शामिल किया जाएगा।

39.9.3. यदि समाप्ति किसी राजनीतिक घटना के खाते में है, तो प्राधिकरण रियायतग्राही को उस राशि में समाप्ति भुगतान करेगा जो ख़ंड 42.3.2 के अंतर्गत देय होती यदि यह प्राधिकरण डिफॉल्ट होता।

39.10. विवाद समाधान

यदि पक्षकार सद्भावपूर्वक किसी फोर्स मेज्योर घटना की घटना या अस्तित्व के बारे में सहमत होने में असमर्थ हों, तो ऐसा विवाद विवाद समाधान प्रक्रिया के अनुसार अंतिम रूप से निपटाया जाएगा; बशर्ते कि ऐसी फोर्स मेज्योर घटना की घटना या अस्तित्व के संबंध में सबूत का भार उस पक्षकार पर होगा जो ऐसी फोर्स मेज्योर घटना के खाते में राहत और/या क्षमा का दावा करता है।

39.11. दायित्वों के निष्पादन से क्षमा

यदि किसी फोर्स मेज्योर घटना के कारण प्रभावित पक्षकार इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों को पूर्णतः या आंशिक रूप से निष्पादित करने में असमर्थ हो जाता है, तो उसे उस सीमा तक अपने ऐसे दायित्वों के निष्पादन से क्षमा किया जाएगा जिस सीमा तक वह ऐसी फोर्स मेज्योर घटना के खाते में निष्पादित करने में असमर्थ हो; बशर्ते कि:

(क) निष्पादन का निलंबन फोर्स मेज्योर घटना द्वारा युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित से अधिक व्यापक क्षेत्र और अधिक लंबी अवधि का नहीं होगा;

(ख) प्रभावित पक्षकार ऐसी फोर्स मेज्योर घटना के अस्तित्व या घटना के परिणामस्वरूप या उसके कारण दूसरे पक्षकार को होने वाली क्षति को कम करने या सीमित करने तथा उचित तत्परता के साथ उसे ठीक करने के लिए सभी युक्तियुक्त प्रयास करेगा; और

(ग) जब प्रभावित पक्षकार इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन को फिर से शुरू करने में सक्षम हो, तो वह दूसरे पक्षकार को इस आशय की सूचना देगा और इस अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन को तत्काल फिर से शुरू करेगा।

39.12. अप्रत्याशित घटनाओं के लिए राहत

39.12.1. किसी अप्रत्याशित घटना, स्थिति या समान परिस्थितियों की घटना पर जो इस करार में परिकल्पित या निर्दिष्ट नहीं हैं, और जिनका एक विवेकी और तत्पर व्यक्ति द्वारा पूर्वानुमान नहीं किया जा सका होता ("अप्रत्याशित घटना"), कोई भी पक्षकार सूचना द्वारा दूसरे पक्षकार को ऐसी अप्रत्याशित घटना की घटना की सूचना उसके विवरणों तथा परियोजना की लागतों, व्यय और राजस्वों पर इसके प्रभावों सहित दे सकता है। ऐसी सूचना के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, पक्षकार यह निर्धारित करने के लिए मिलेंगे और सद्भावपूर्वक प्रयास करेंगे कि क्या ऐसी अप्रत्याशित घटना हुई है, और इसकी घटना पर करार पर पहुंचने पर, इस ख़ंड 39.12 के प्रावधानों के अनुसार इसे निपटाएंगे।

39.12.2. किसी अप्रत्याशित घटना की घटना के निर्धारण पर, पक्षकार एक सुलह अधिकरण को संदर्भ करेंगे जिसमें दोनों पक्षकारों द्वारा उच्च न्यायालय के न्यायाधीश रह चुके व्यक्तियों में से नामित किया जाने वाला एक-एक सदस्य होगा और इस प्रकार नामित सुलहकर्ता एक अध्यक्ष चुनेंगे जो उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश या किसी उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश रह चुका हो।

39.12.3. ख़ंड 39.12.2 में निर्दिष्ट सुलह अधिकरण अपनी कार्यवाही अनुच्छेद 49 के प्रावधानों के अनुसार इस प्रकार संचालित करेगा मानो यह उस अनुच्छेद के अंतर्गत एक मध्यस्थता कार्यवाही हो, सिवाय जैसा इस ख़ंड 39.12 में प्रावधा न किया गया है।

39.12.4. इस ख़ंड 39.12 में निर्दिष्ट सुलह अधिकरण स्वयं को संतुष्ट करने के लिए प्रारंभिक कार्यवाही संचालित करेगा कि -

(क) कोई अप्रत्याशित घटना हुई है;

(ख) ऐसी अप्रत्याशित घटना के प्रभावों को किसी ऐसे उपचार या राहत के बिना कम नहीं किया जा सकता जो करार में परिकल्पित न हो; और

(ग) अप्रत्याशित घटना या उसके प्रभाव किसी पक्षकार द्वारा उसकी ओर से किसी कार्य या चूक के कारण उत्पन्न नहीं हुए हैं,

और यदि सुलह अधिकरण संतुष्ट हो जाता है कि ऊपर विनिर्दिष्ट प्रत्येक शर्त पूरी हो गई है, तो वह इस आशय का एक आदेश जारी करेगा और इस ख़ंड 39.12 के अंतर्गत आगे की कार्यवाही संचालित करेगा।

39.12.5. इस ख़ंड 39.12 में निर्दिष्ट सुलह कार्यवाही के पूर्ण होने पर, सुलह अधिकरण एक तर्कसंगत आदेश द्वारा सिफारिशें कर सकता है और संदर्भ की शर्तें निर्धारित कर सकता है जो होंगी:

(क) उचित और पारदर्शी औचित्य पर आधारित;

(ख) अप्रत्याशित घटना के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक से अधिक व्यापक क्षेत्र की नहीं;

(ग) अप्रत्याशित घटना के प्रभावों को कम करने के लिए आवश्यक से अधिक लंबी अवधि की नहीं; और

(घ) राहत या उपचार के संदर्भ में मात्रात्मक और सीमित।

39.12.6. ख़ंड 39.12.5 में निर्दिष्ट आदेश और संदर्भ की शर्तें प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, पक्षकार मिलेंगे और अप्रत्याशित घटना के प्रभावों को कम करने के लिए सुलह अधिकरण द्वारा अनुशंसित राहत या उपचार को, पूर्णतः या आंशिक रूप से, स्वीकार करने तथा इस करार के प्रावधानों के अनुसार परियोजना के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सद्भावपूर्वक प्रयास करेंगे। इसके अनुसरण में, पक्षकार इस अंतर्गत पहुंचे गए करार को निर्धारित करने वाला एक समझौता ज्ञापन ("एमओयू") कर सकते हैं, और ऐसे एमओयू की शर्तें बल और प्रभाव रखेंगी मानो वे इस करार का भाग बनती हों।

अनुच्छेद 40

40. करार के उल्लंघन के लिए प्रतिकर

40.1. रियायतग्राही द्वारा डिफॉल्ट के लिए प्रतिकर

ख़ंड 40.5 के प्रावधानों के अधीन, इस करार के सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट में होने की स्थिति में, रियायतग्राही प्राधिकरण को प्रतिकर के रूप में, ऐसे सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट के परिणामस्वरूप प्राधिकरण द्वारा भुगती या उपगत सभी प्रत्यक्ष लागतों का भुगतान करेगा, आवश्यक विवरणों द्वारा समर्थित मांग की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर; बशर्ते कि इस ख़ंड 40.1 के अंतर्गत किसी भी सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट के लिए कोई प्रतिकर देय नहीं होगा जिसके संबंध में क्षतियां इस करार के अंतर्गत स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट और देय हों या प्राधिकरण द्वारा उपगत किसी भी आनुषंगिक हानियों के लिए।

40.2. प्राधिकरण द्वारा डिफॉल्ट के लिए प्रतिकर

ख़ंड 40.5 के प्रावधानों के अधीन, नियत तिथि के बाद किसी भी समय इस करार के सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट में होने की स्थिति में, प्राधिकरण रियायतग्राही को प्रतिकर के रूप में, ऐसे सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट के परिणामस्वरूप रियायतग्राही द्वारा भुगती या उपगत सभी प्रत्यक्ष लागतों का भुगतान करेगा, आवश्यक विवरणों द्वारा समर्थित मांग की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर; बशर्ते कि इस करार में स्पष्ट रूप से विनिर्दिष्ट क्षतियों के संबंध में किसी भी सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट के लिए ऐसा कोई प्रतिकर देय नहीं होगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, देय प्रतिकर में ऋण पर ब्याज भुगतान, ओ एवं एम व्यय, मुद्रास्फीति के खाते में पूंजीगत लागतों में कोई वृद्धि तथा ऐसे सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट के लिए सीधे आरोपणीय अन्य सभी लागतें शामिल हो सकती हैं, किंतु इसमें फीस राजस्व की हानि या ऋण चुकौती दायित्व या अन्य आनुषंगिक हानियां शामिल नहीं होंगी, तथा ऐसे प्रतिकर के निर्धारण के लिए, वित्तीय पैकेज और वित्तीय मॉडल में निहित जानकारी पर उस सीमा तक निर्भर किया जा सकता है जहां तक यह प्रासंगिक हो।

40.3. रियायत अवधि का विस्तार

ख़ंड 40.5 के प्रावधानों के अधीन, यदि ख़ंड 40.2 में निर्धारित इस करार का कोई सारभूत उल्लंघन या डिफॉल्ट चरण I के सीओडी की प्राप्ति में विलंब का कारण बनता है या फीस के वसूलीकरण के निलंबन या कमी की ओर ले जाता है, जैसा भी मामला हो, तो प्राधिकरण, ख़ंड 40.2 के अंतर्गत प्रतिकर के भुगतान के अतिरिक्त, रियायत अवधि का विस्तार करेगा, रियायत अवधि में ऐसे विस्तार पर प्राधिकरण द्वारा उस समय विचार और निर्धारण किया जाएगा। इस मामले में प्राधिकरण का निर्णय अंतिम होगा।

40.4. अतिरिक्त रूप से प्रतिकर

इस अनुच्छेद 40 के अंतर्गत देय प्रतिकर, इसकी समाप्ति सहित इस करार के अंतर्गत पक्षकारों के अन्य अधिकारों और उपचारों के अतिरिक्त होगा और उन पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा।

40.5. लागतों और क्षति को कम करना

प्रभावित पक्षकार दूसरे पक्षकार द्वारा करार के उल्लंघन के परिणामस्वरूप या उसके कारण उत्पन्न होने वाली लागतों और क्षति को कम करने या सीमित करने के लिए सभी युक्तियुक्त प्रयास करेगा।

अनुच्छेद 41

41. रियायतग्राही के अधिकारों का निलंबन

41.1. रियायतग्राही की ओर से चूक होने पर निलंबन

41.1.1. रियायतग्राही **की ओर से चूक होने** की घटना पर, प्राधिकरण, इस करार के अंतर्गत अपने समाप्ति के अधिकारों सहित अपने अन्य अधिकारों और उपचारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, (क) फीस एकत्रित करने के रियायतग्राही के अधिकार तथा इस अंतर्गत अन्य राजस्वों सहित इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही के सभी अधिकारों को निलंबित करने, और (ख) ऐसे अधिकारों का स्वयं प्रयोग करने और इस अंतर्गत दायित्वों का निष्पादन करने या ऐसे निलंबन ("निलंबन") के दौरान अपनी ओर से इसे प्रयोग या निष्पादित करने के लिए किसी अन्य व्यक्ति को प्राधिकृत करने का हकदार होगा। इस अंतर्गत निलंबन प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को सूचना जारी करने पर तत्काल प्रभावी होगा और ऐसी सूचना जारी करने की तारीख से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों से अनधिक अवधि तक बढ़ सकता है; बशर्ते कि रियायतग्राही और ऋणदाताओं के प्रतिनिधि से लिखित अनुरोध पर, प्राधिकरण पूर्वोक्त 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि को 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक और आगे की अवधि के लिए बढ़ाएगा।

41.2. रियायतग्राही की ओर से कार्य करने का प्राधिकार

41.2.1. निलंबन की अवधि के दौरान, प्राधिकरण, रियायतग्राही की ओर से, इस करार के अंतर्गत और उसके अनुसार सभी फीस और राजस्व एकत्रित करेगा तथा उन्हें एस्क्रो खाते में जमा करेगा। प्राधिकरण ओएंडएम व्यय को पूरा करने तथा निलंबन के कारण को उपचारित और सुधारने के लिए उपगत लागतों को पूरा करने के लिए, और तत्पश्चात ख़ंड 36.3 में विनिर्दिष्ट व्ययों का भुगतान करने के लिए एस्क्रो खाते से आहरण करने का हकदार होगा।

41.2.2. इस अंतर्गत निलंबन की अवधि के दौरान, इस करार के प्रावधानों के अनुसार रियायतग्राही में निहित सभी अधिकार और देयताएं रियायतग्राही में निहित रहना जारी रहेंगी और इस करार तथा परियोजना करारों के अंतर्गत और उनके अनुसार रियायतग्राही के दायित्वों के निर्वहन हेतु प्राधिकरण द्वारा उपगत व्यय सहित सभी किए गए कार्य या की गई कार्रवाइयां

रियायतग्राही के लिए और उसकी ओर से किए गए या की गई मानी जाएंगी और रियायतग्राही ऐसी अवधि के दौरान उपगत सभी लागतों के लिए प्राधिकरण को क्षतिपूर्ति देने का वचन देता है। रियायतग्राही इसके द्वारा प्राधिकरण या ख़ंड 41.1 के अंतर्गत इसके द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को क्रमशः लाइसेंस और उप-लाइसेंस देता है ताकि वे निलंबन के दौरान, हवाईअड्डे तथा उसके डिजाइन, अभियांत्रिकी, निर्माण, संचालन और रखरखाव के संबंध में रियायतग्राही से संबंधित या उसे लाइसेंस प्राप्त सभी बौद्धिक संपदा का उपयोग कर सकें, जो करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन में रियायतग्राही द्वारा उपयोग की गई या निर्मित की गई हो।

41.3. निलंबन का प्रतिसंहरण

41.3.1. यदि प्राधिकरण निलंबन की तारीख से 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक अवधि के भीतर निलंबन के कारण को ठीक या दूर कर देता है, तो वह तत्काल निलंबन को प्रतिसंहृत करेगा और इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही के सभी अधिकार बहाल करेगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, पक्षकार स्पष्ट रूप से सहमत हैं कि प्राधिकरण, अपने विवेकानुसार, किसी भी समय निलंबन को प्रतिसंहृत कर सकता है, चाहे निलंबन का कारण इस अंतर्गत ठीक या दूर किया गया हो या नहीं।

41.3.2. रियायतग्राही द्वारा निलंबन की तारीख से 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक अवधि के भीतर रियायतग्राही डिफॉल्ट को ठीक कर लेने पर, प्राधिकरण तत्काल निलंबन को प्रतिसंहृत करेगा और इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही के सभी अधिकार बहाल करेगा।

41.4. रियायतग्राही का प्रतिस्थापन

निलंबन की अवधि के दौरान किसी भी समय, ऋणदाताओं का प्रतिनिधि, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से, प्रतिस्थापन करार के अंतर्गत और उसके अनुसार रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने का हकदार होगा, और ऋणदाताओं के प्रतिनिधि से इस अंतर्गत सूचना प्राप्त होने पर, प्राधिकरण, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से अपने प्रतिस्थापन के अधिकारों का प्रयोग करने के लिए ऋणदाताओं के प्रतिनिधि को सक्षम बनाने हेतु, निलंबन की तारीख से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों से अनधिक अवधि के लिए तथा ख़ंड 41.1 के अंतर्गत इसके किसी भी विस्तार के लिए, समाप्ति को रोके रखेगा।

41.5. समाप्ति

41.5.1. इस अनुच्छेद 41 के अंतर्गत निलंबन की अवधि के दौरान किसी भी समय, रियायतग्राही सूचना द्वारा प्राधिकरण से निलंबन को प्रतिसंहृत करने और समाप्ति सूचना जारी करने की अपेक्षा कर सकता है। इस करार के प्रावधानों के अनुसार तथा ख़ंड 41.4 में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्रतिस्थापन करने के ऋणदाताओं के प्रतिनिधि के अधिकारों के अधीन, प्राधिकरण, ऐसी सूचना की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, अनुच्छेद 42 के अंतर्गत और उसके अनुसार इस करार को समाप्त करेगा मानो यह ख़ंड 42.1 के अंतर्गत रियायतग्राही डिफॉल्ट हो।

41.5.2. इस करार में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, यदि निलंबन इस अंतर्गत निलंबन की तारीख से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों के भीतर या ख़ंड 41.1 में विनिर्दिष्ट विस्तारित अवधि, यदि कोई हो, के भीतर प्रतिसंहृत नहीं किया जाता है, तो रियायत करार, पूर्वोक्त अवधि की समाप्ति पर, पक्षकारों के पारस्परिक करार द्वारा समाप्त माना जाएगा और इस करार के सभी प्रावधान, यथोचित परिवर्तनों सहित, ऐसी समाप्ति पर इस प्रकार लागू होंगे मानो रियायतग्राही डिफॉल्ट की घटना पर प्राधिकरण द्वारा एक समाप्ति सूचना जारी की गई हो।

अनुच्छेद 42

42. समाप्ति

42.1. रियायतग्राही की ओर से चूक के लिए समाप्ति

42.1.1. इस करार में अन्यथा प्रावधानित को छोड़कर, यदि नीचे विनिर्दिष्ट चूकों में से कोई घटित हो गयी हो, और रियायतग्राही नीचे निर्धारित उपचार अवधि के भीतर, या जहां कोई उपचार अवधि विनिर्दिष्ट नहीं है, तो 60 (साठ) दिनों की उपचार अवधि के भीतर, डिफॉल्ट को ठीक करने में विफल रहता है, तो रियायतग्राही इस करार का चूककर्ता में माना जाएगा ("रियायतग्राही डिफॉल्ट"), जब तक कि ऐसी चूक प्राधिकरण द्वारा इस करार के किसी उल्लंघन के परिणामस्वरूप या फोर्स मेज्योर के कारण न हुयी हो। इसमें निर्दिष्ट चूकों में निम्नलिखित शामिल होंगे:

(क) निष्पादन प्रतिभूति को ख़ंड 9.2 के अनुसार भुनाया और विनियोजित किया गया है और रियायतग्राही 30 (तीस) दिनों की उपचार अवधि के भीतर पुनःपूर्ति करने या नई निष्पादन प्रतिभूति प्रदान करने में विफल रहता है;

(ख) ख़ंड 9.2 के अनुसार पुनःपूर्ति या नई निष्पादन प्रतिभूति की सुपुर्दगी के पश्चात, रियायतग्राही 120 (एक सौ बीस) दिनों की उपचार अवधि के भीतर, किसी पूर्ववर्ती शर्त को पूरा करने या रियायतग्राही डिफॉल्ट को, जैसा भी मामला हो, जिसके लिए निष्पादन प्रतिभूति का पूर्ण या आंशिक भाग विनियोजित किया गया था, ठीक करने में विफल रहता है;

(ग) रियायतग्राही अनुसूची-जी के प्रावधानों के अनुसार देय नवीनतम बकाया परियोजना मील के पत्थर को प्राप्त नहीं करता है और 120 (एक सौ बीस) दिनों की उपचार अवधि के दौरान डिफॉल्ट में बना रहता है;

(घ) रियायतग्राही प्राधिकरण की पूर्व लिखित सहमति के बिना हवाईअड्डे के निर्माण या संचालन को छोड़ देता है या छोड़ने का इरादा प्रकट करता है;

(ङ) चरण-I का सीओडी ख़ंड 12.4.3 में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर नहीं होता है;

(च) पंच लिस्ट मदें ख़ंड 14.4.1 में निर्धारित अवधि के भीतर पूर्ण नहीं की गई हैं;

(छ) रियायतग्राही रखरखाव आवश्यकताओं या सुरक्षा आवश्यकताओं, जैसा भी मामला हो, का उल्लंघन करता है, या प्रमुख निष्पादन संकेतकों के अनुरूप होने में बार-बार चूक करता है;

(ज) रियायतग्राही इस करार में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर प्राधिकरण को कोई भुगतान करने में विफल रहा है;

(झ) कोई एस्क्रो की चुक हुयी हो और रियायतग्राही 15 (पंद्रह) दिनों की उपचार अवधि के भीतर डिफॉल्ट को ठीक करने में विफल रहता है;

(ञ) एक वित्तीय चूक की घटना पर, ऋणदाताओं के प्रतिनिधि ने सूचना द्वारा प्राधिकरण से प्रतिस्थापन करार के अनुसार निलंबन या समाप्ति करने की अपेक्षा की है, जैसा भी मामला हो, और रियायतग्राही ऊपर विनिर्दिष्ट उपचार अवधि के भीतर चूक को ठीक करने में विफल रहता है;

(ट) रियायतग्राही द्वारा किसी भी परियोजना करार का उल्लंघन सारभूत प्रतिकूल प्रभाव का कारण बना है;

(ठ) रियायतग्राही इस करार के उल्लंघन में कोई भार निर्मित करता है;

(ड) रियायतग्राही इस करार का परित्याग करता है या अन्यथा कोई ऐसी कार्रवाई करता है या इसका साक्ष्य देता है या करार से बाध्य न होने का इरादा व्यक्त करता है;

(ढ) ख़ंड 5.3 के प्रावधानों के उल्लंघन में स्वामित्व में परिवर्तन हुआ है;

(ण) कानून के अनुसरण में (i) किसी परियोजना करार के अंतर्गत रियायतग्राही के अधिकारों और/या दायित्वों, या (ii) रियायतग्राही की सभी या भाग परिसंपत्तियों या उपक्रम का हस्तांतरण हुआ है, और ऐसा हस्तांतरण सारभूत प्रतिकूल प्रभाव का कारण बनता है;

(त) रियायतग्राही की किसी भी परिसंपत्ति पर लगाई गई कुर्की ने सारभूत प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न किया है;

(थ) रियायतग्राही को दिवालिया या अशोधक घोषित किया जाता है, या यदि रियायतग्राही के लिए या उसकी सभी या परियोजना पर सारभूत प्रभाव रखने वाली परिसंपत्तियों के सारभूत भाग के लिए एक न्यासी या प्राप्तिकर्ता नियुक्त किया जाता है;

(द) रियायतग्राही समापन, विघटन, समापन, समामेलन या पुनर्गठित होने की प्रक्रिया में रहा है या ऐसी प्रक्रिया में है, इस रीति से कि जो प्राधिकरण की युक्तियुक्त राय में सारभूत प्रतिकूल प्रभाव उत्पन्न करेगी;

(ध) रियायतग्राही के समापन के लिए एक संकल्प पारित किया जाता है, या रियायतग्राही के समापन के लिए कोई याचिका किसी सक्षम अधिकारिता वाले न्यायालय द्वारा स्वीकार की जाती है और एक अनंतिम परिसमापक या प्राप्तिकर्ता नियुक्त किया जाता है और ऐसा आदेश उसकी तारीख से 90 (नब्बे) दिनों के भीतर निरस्त नहीं किया गया है या रियायतग्राही को समामेलन या पुनर्निर्माण के प्रयोजन को छोड़कर किसी न्यायालय द्वारा समाप्त किए जाने का आदेश दिया जाता है; बशर्ते कि, ऐसे समामेलन या पुनर्निर्माण के भाग के रूप में, रियायतग्राही की संपूर्ण संपत्ति, परिसंपत्तियां और उपक्रम समामेलित या पुनर्निर्मित संस्था को हस्तांतरित किए जाते हैं तथा समामेलित या पुनर्निर्मित संस्था ने इस करार और परियोजना करारों के अंतर्गत दायित्वों को बिना शर्त ग्रहण कर लिया है; और बशर्ते कि:

i. समामेलित या पुनर्निर्मित संस्था के पास इस करार और परियोजना करारों के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन हेतु आवश्यक क्षमता और परिचालन अनुभव है;

ii. समामेलित या पुनर्निर्मित संस्था के पास इस करार और परियोजना करारों के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन हेतु वित्तीय स्थिति है तथा उसकी साख उतनी ही अच्छी है जितनी नियत तिथि को रियायतग्राही की थी; और

iii. प्रत्येक परियोजना करार पूर्ण बल और प्रभाव में बना रहता है;

(न) रियायतग्राही का यहां निहित कोई भी प्रतिनिधित्व या वारंटी, जो इसकी तारीख के अनुसार, मूलतः असत्य, गलत या भ्रामक पाई जाती है, या रियायतग्राही इसके बाद किसी भी समय इसके उल्लंघन में पाया जाता है;

(ऩ) रियायतग्राही प्राधिकरण को लिखित या इलेक्ट्रॉनिक रूप में कोई ऐसा विवरण, सूचना या अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करता है, जिसका प्राधिकरण के अधिकारों, दायित्वों या हितों पर सारभूत प्रभाव हो और जो सारभूत विवरणों में असत्य हो;

(प) रियायतग्राही किसी दायित्व को पूरा करने में विफल रहा है, जिसकी विफलता के लिए इस करार में समाप्ति निर्धारित की गई है;

(फ) रियायतग्राही इस करार के प्रावधानों के उल्लंघन में एक समाप्ति सूचना जारी करता है; या

(ब) रियायतग्राही इस करार के किसी अन्य प्रावधान का अनुपालन करने में चूक करता है, यदि ऐसी चूक प्राधिकरण पर सारभूत प्रतिकूल प्रभाव का कारण बनती है।

42.1.2. इस करार के अंतर्गत प्राधिकरण के पास हो सकने वाले किसी अन्य अधिकार या उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही डिफॉल्ट की घटना पर, प्राधिकरण रियायतग्राही को समाप्ति सूचना जारी करके इस करार को समाप्त करने का हकदार होगा; बशर्ते कि समाप्ति सूचना जारी करने से पूर्व, प्राधिकरण सूचना द्वारा रियायतग्राही को ऐसी समाप्ति सूचना जारी करने के अपने इरादे की सूचना देगा और रियायतग्राही को अभ्यावेदन देने के लिए 15 (पंद्रह) दिन प्रदान करेगा, और ऐसे 15 (पंद्रह) दिनों की समाप्ति के बाद, चाहे उसे ऐसा अभ्यावेदन प्राप्त हुआ हो या नहीं, ख़ंड 42.1.3 के प्रावधानों के अधीन, समाप्ति सूचना जारी कर सकता है।

42.1.3. प्राधिकरण, यदि वरिष्ठ ऋणदाता हों, तो ख़ंड 42.1.2 में निर्दिष्ट समाप्ति सूचना जारी करने के अपने इरादे की सूचना की एक प्रति, ऋणदाताओं के प्रतिनिधि को सूचित करने के लिए भेजेगा और ऋणदाताओं के प्रतिनिधि को, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से प्रतिस्थापन करार के अनुसार रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के इरादे को बताते हुए एक अभ्यावेदन करने के लिए, 15 (पंद्रह) दिन प्रदान करेगा। यदि प्राधिकरण को वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर

से ऐसा अभ्यावेदन प्राप्त होता है, तो वह अपने विवेकानुसार, या तो ऐसे अभ्यावेदन की तारीख से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों से अनधिक अवधि के लिए समाप्ति को रोके रखेगा या, जैसा भी मामला हो, ऋणदाताओं के प्रतिनिधि को वरिष्ठ ऋणदाताओं के प्रतिस्थापन के अधिकार का प्रयोग करने में सक्षम बनाने के लिए, अपने निलंबन के अधिकार का प्रयोग करेगा:

बशर्ते कि ऋणदाताओं का प्रतिनिधि, वरिष्ठ ऋणदाताओं के प्रतिस्थापन के अधिकार का प्रयोग करने के बजाय, यह सुनिश्चित कर सकता है कि सूचना में विनिर्दिष्ट चूक पूर्वोक्त 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि के भीतर ठीक कर ली जाए, और ऐसा ठीक किए जाने पर, प्राधिकरण उपरोक्त संदर्भित अपनी सूचना वापस लेगा और रियायतग्राही के सभी अधिकार बहाल करेगा:

आगे बशर्ते कि ऋणदाताओं के प्रतिनिधि और रियायतग्राही से लिखित अनुरोध पर, प्राधिकरण पूर्वोक्त 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि को ऐसी आगे की अवधि के लिए बढ़ाएगा जो 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक हो, जैसा प्राधिकरण उपयुक्त समझे।

42.2. प्राधिकरण की ओर से चूक के लिए समाप्ति

42.2.1. यदि नीचे विनिर्दिष्ट चूकों में से कोई घटित हो गया हो, और प्राधिकरण 90 (नब्बे) दिनों की उपचार अवधि के भीतर या इस करार में स्पष्ट रूप से प्रावधानित ऐसी लंबी अवधि के भीतर ऐसी चूक को ठीक करने में विफल रहता है, तो प्राधिकरण इस करार के का चुककर्ता में माना जाएगा ("प्राधिकरण की ओर से चूक") जब तक डिफॉल्ट रियायतग्राही द्वारा इस करार के किसी उल्लंघन के परिणामस्वरूप या फोर्स मेज्योर के कारण न हुआ हो। इसमें निर्दिष्ट चूक में निम्नलिखित शामिल होंगे:

(क) प्राधिकरण इस करार के किसी भी प्रावधान का अनुपालन करने में सारभूत चूक करता है और ऐसी चूक रियायतग्राही पर सारभूत प्रतिकूल प्रभाव डालती है;

(ख) प्राधिकरण इस करार में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर रियायतग्राही को कोई भुगतान करने में विफल रहा है;

(ग) प्राधिकरण हवाईअड्डे के लिए आवश्यक और अपेक्षित साइट के कुल क्षेत्रफल के कम से कम 90% (नब्बे प्रतिशत) पर हवाईअड्डे के निर्माण के लिए अपेक्षित पहुंच अधिकार प्रदान करने में विफल रहता है; या

(घ) प्राधिकरण इस करार का परित्याग करता है या अन्यथा कोई ऐसी कार्रवाई करता है जो इस करार से बाध्य न होने के अपरिवर्तनीय इरादे के समतुल्य है या उसे प्रकट करती है।

42.2.2. इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही के पास हो सकने वाले किसी अन्य अधिकार या उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्राधिकरण की ओर से चूक की घटना पर, रियायतग्राही, प्रतिस्थापन करार के प्रावधानों के अधीन, प्राधिकरण को समाप्ति सूचना जारी करके इस करार को समाप्त करने का हकदार होगा; बशर्ते कि समाप्ति सूचना जारी करने से पूर्व, रियायतग्राही सूचना द्वारा प्राधिकरण को ऐसी समाप्ति सूचना जारी करने के अपने इरादे की सूचना देगा और प्राधिकरण को प्रतिवेदन देने के लिए 15 (पंद्रह) दिन प्रदान करेगा, और ऐसे 15 (पंद्रह) दिनों की समाप्ति के बाद, चाहे उसे ऐसा प्रतिवेदन प्राप्त हुआ हो या नहीं, समाप्ति सूचना जारी कर सकता है।

42.3. समाप्ति भुगतान

42.3.1. संचालन अवधि के दौरान रियायतग्राही की ओर से चूक होने के कारण के खाते में समाप्ति पर, प्राधिकरण रियायतग्राही को, समाप्ति भुगतान के रूप में, निम्नलिखित के बराबर राशि का भुगतान करेगा:

(क) ऋण देय घटा बीमा कवर का 90% (नब्बे प्रतिशत); और

(ख) अतिरिक्त समाप्ति भुगतान का प्रतिनिधित्व करने वाली राशि का 70% (सत्तर प्रतिशत):

बशर्ते कि यदि बीमा कवर का भाग बनने वाले किसी बीमा दावे को स्वीकार और भुगतान नहीं किया गया हो, तो ऐसे भुगतान न हुए दावों का 80% (अस्सी प्रतिशत) ऋण देय की गणना में शामिल किया जाएगा।

संदेह की निवृत्ति के लिए, रियायतग्राही इसके द्वारा स्वीकार करता है कि चरण I के लिए सीओडी से पूर्व घटित रियायतग्राही की ओर से चूक होने के कारण कोई समाप्ति भुगतान देय या भुगतान योग्य नहीं होगा, सिवाय जैसा ख़ंड 42.3.3 में प्रावधा न किया गया है।

42.3.2. प्राधिकरण की ओर से चुक के कारण समापन पर, प्राधिकरण, समापन भुगतान के रूप में, रियायतग्राही को निम्नलिखित के बराबर राशि का भुगतान करेगा:

(क) ऋण देय घटाकर बीमा कवर;

(ख) समायोजित इक्विटी का 150% (एक सौ पचास प्रतिशत); और

(ग) अतिरिक्त समापन भुगतान दर्शाने वाली राशि का 115% (एक सौ पंद्रह प्रतिशत)।

42.3.3. चरण-I के निर्माण अवधि के दौरान रियायतग्राही की ओर से चुक होने के कारण समापन पर, कुल परियोजना लागत के प्रथम 40% (चालीस प्रतिशत) से संबंधित व्यय के संबंध में कोई समापन भुगतान देय और भुगतान योग्य नहीं होगा, और यदि ऐसा व्यय 40% (चालीस प्रतिशत) से अधिक हो जाता है तथा ऋण देय का भाग बनता है, तो खंड 42.3.1 के प्रावधान, ऋण देय पर लागू सीमा तक, ऐसे 40% (चालीस प्रतिशत) से अधिक व्यय के संबंध में लागू होंगे। संदेह की निवृत्ति हेतु और दृष्टांत के रूप में, पक्षकार सहमत हैं कि यदि समापन से पूर्व किया गया कुल व्यय कुल परियोजना लागत का 90% (नब्बे प्रतिशत) है, तो इसके अंतर्गत समापन भुगतान की गणना हेतु पात्र व्यय कुल परियोजना लागत का 50% (पचास प्रतिशत) होगा तथा ऐसी स्थिति में देय और भुगतान योग्य समापन भुगतान कुल परियोजना लागत के 45% (पैंतालीस प्रतिशत) से अधिक नहीं होगा। पक्षकार आगे सहमत हैं कि इस खंड 42.3.3 के प्रयोजनों हेतु, कुल परियोजना लागत का तात्पर्य धारा 53.1 में कुल परियोजना लागत की परिभाषा के उप-खंड (ख) में विनिर्दिष्ट राशि से होगा। पक्षकार यह भी सहमत हैं कि इस खंड 42.3.3 के अंतर्गत समापन भुगतान का निर्धारण करने हेतु, नवीनतम परियोजना पड़ाव से संबंधित व्यय को ही गणना में लिया जाएगा।

42.3.4. समापन भुगतान, रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को आवश्यक विवरणों सहित मांग किए जाने की तारीख से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर देय और भुगतान योग्य हो जाएगा, तथा किसी भी विलंब की स्थिति में, प्राधिकरण, शेष बकाया समापन भुगतान की राशि पर बैंक दर से 3% (तीन प्रतिशत) अधिक की दर से ब्याज का भुगतान करेगा; बशर्ते कि ऐसा विलंब 90 (नब्बे) दिनों से अधिक न हो। संदेह की निवृत्ति हेतु, यह स्पष्ट रूप से सहमति दी जाती है कि समापन भुगतान, इसके अंतर्गत प्राधिकरण के भुगतान दायित्वों का पूर्ण निर्वहन माना जाएगा।

42.3.5. समय की समाप्ति द्वारा रियायत अवधि की समाप्ति पर समापन की स्थिति में, तथा यदि हवाई अड्डे के कुशल, आर्थिक और सुरक्षित परिचालन हेतु अनिवार्य कोई भी परियोजना आस्तियां, अथवा अन्यथा इस करार की आवश्यकताओं के अनुसार, नियत तिथि की 30वीं (तीसवीं) वर्षगांठ के पश्चात, प्राधिकरण की पूर्व लिखित सहमति से, जो अनुचित रूप से रोकी नहीं जाएगी, अर्जित एवं संस्थापित की गई हों, तो खंड 42.4.1 के प्रावधानों के बावजूद, ऐसी परियोजना आस्तियों के समायोजित ह्रासित मूल्य के 80% (अस्सी प्रतिशत) के बराबर समापन भुगतान प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को किया जाएगा। बशर्ते कि ऐसा कोई भी समापन भुगतान, वैमानिकी प्रभारों के निर्धारण में एईआरए द्वारा विचारित की गई राशि के अनुसार समायोजित एवं घटाया जाएगा।

42.3.6. इस करार में विपरीत किसी भी बात के होते हुए भी, किंतु धारा 42.3.5 के प्रावधानों के अधीन रहते हुए, यदि हवाई अड्डे के कुशल, आर्थिक और सुरक्षित परिचालन हेतु अनिवार्य कोई परियोजना आस्तियां, नियत तिथि की 30वीं (तीसवीं) वर्षगांठ के पश्चात, प्राधिकरण की पूर्व लिखित सहमति से, जो अनुचित रूप से रोकी नहीं जाएगी, अर्जित एवं संस्थापित की गई हों, तो उसके समायोजित ह्रासित मूल्य के 70% (सत्तर प्रतिशत) के बराबर राशि, समापन भुगतान के प्रयोजनों हेतु ऋण देय मानी जाएगी।

42.3.7. रियायतग्राही स्पष्ट रूप से सहमत है कि इस अनुच्छेद 42 के अंतर्गत समापन भुगतान, किसी भी कारण से इस करार के समापन के संबंध में रियायतग्राही के समस्त दावों का पूर्ण एवं अंतिम निपटान माना जाएगा तथा उसे किसी भी विधि, संधि, अभिसमय, संविदा अथवा अन्यथा के अंतर्गत कोई अतिरिक्त अधिकार या दावा नहीं होगा।

42.4. समाप्ति भुगतान पर कुछ सीमाएं

42.4.1. इस करार के अंतर्गत देय और भुगतान योग्य समाप्ति भुगतान, जो अतिरिक्त समाप्ति भुगतान नहीं है, की गणना इस करार के प्रावधानों के अनुसार ऋण देय और समायोजित इक्विटी के संदर्भ में की जाएगी, जैसा भी मामला हो। संदेह की निवृत्ति के लिए, पक्षकार सहमत हैं कि चरण-I के लिए सीओडी से 60 (साठ) दिनों की अवधि के भीतर, रियायतग्राही प्राधिकरण को चरण-I के लिए सीओडी के अनुसार कुल परियोजना लागत की सूचना देगा तथा ऋण देय और इक्विटी के बीच इसका विभाजन बताएगा, और समाप्ति भुगतान की गणना का आधार केवल इस प्रकार सूचित की गई राशियां ही बनेंगी। पक्षकार आगे सहमत हैं कि यदि ऐसा विभाजन प्राधिकरण को सूचित नहीं किया जाता है, तो इक्विटी को कुल परियोजना लागत में से ऋण देय घटाकर प्राप्त राशि माना जाएगा। पक्षकार इस पर भी सहमत हैं कि समाप्ति

भुगतान की गणना के प्रयोजनों के लिए, ऋण देय किसी भी समय कुल परियोजना लागत के 70% (सत्तर प्रतिशत) से अधिक नहीं होगा।

42.4.2. विदेशी मुद्रा में व्यक्त किसी भी ऋण देय के संबंध में देय राशि की गणना समाप्ति भुगतान की तारीख को संबंधित विदेशी मुद्रा में परिवर्तन के लिए संदर्भ विनिमय दर पर की जाएगी। बशर्ते, कि इस खंड 42.4.2 के प्रावधान लागू नहीं होंगे यदि रियायतग्राही ऐसे विदेशी मुद्रा ऋणों के भारतीय मुद्रा में परिवर्तन की तारीख से 60 (साठ) दिनों के भीतर किसी भी विदेशी मुद्रा ऋण का विवरण सूचित नहीं करता है। बशर्ते यह भी कि विदेशी मुद्रा में सभी उधारियां कुल परियोजना लागत के वित्तपोषण तक सीमित होंगी और इससे अधिक कोई भी उधारी समाप्ति भुगतान की गणना के लिए पात्र नहीं होगी।

42.4.3. विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियों के संबंध में देय और भुगतान योग्य अतिरिक्त समाप्ति भुगतान, जो सिटी साइड विकास या हवाईअड्डेके विस्तार का भाग नहीं बनतीं, जैसा भी मामला हो, जो चरण-I के सीओडी की 5वीं (पांचवीं) वर्षगांठ के बाद लेकिन नियत तिथि की 30वीं (तीसवीं) वर्षगांठ से अनधिक बाद निर्मित, अर्जित या स्थापित की गई हों, निम्नलिखित में से न्यूनतम तक सीमित होगा:

1. उसका समायोजित मूल्यह्रासित मूल्य;

2. एक अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता द्वारा आकलित उसका प्रतिस्थापन मूल्य, जिसे प्राधिकरण द्वारा समाप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर चयनित और नियुक्त किया जाएगा, ताकि वह अपनी नियुक्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर अपना आकलन प्रस्तुत कर सके; और

3. कुल परियोजना लागत का 40% (चालीस प्रतिशत)।

42.4.4. विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियों का भाग बनने वाले सिटी साइड विकास के संबंध में देय और भुगतान योग्य अतिरिक्त समाप्ति भुगतान निम्नलिखित में से न्यूनतम तक सीमित होगा:

(क) उसका समायोजित मूल्यह्रासित मूल्य;

(ख) एक अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता द्वारा आकलित उसका प्रतिस्थापन मूल्य, जिसे प्राधिकरण द्वारा समाप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर चयनित और नियुक्त किया जाएगा, ताकि वह अपनी नियुक्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर अपना आकलन प्रस्तुत कर सके; और

(ग) कुल परियोजना लागत का 40% (चालीस प्रतिशत)।

42.4.5. खंड 12.8 और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डेके विस्तार के संबंध में, जो विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियों का भाग बनता हो, देय और भुगतान योग्य अतिरिक्त समाप्ति भुगतान निम्नलिखित में से न्यूनतम तक सीमित होगा:

(क) उसका समायोजित मूल्यह्रासित मूल्य;

(ख) वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा अनुमोदित हवाईअड्डेके विस्तार की पूंजीगत लागत;

(ग) चरण-I के बाद पूर्ण होने पर हवाईअड्डेके विस्तार की वास्तविक लागत; और

(घ) निर्माण प्रारंभ होने से पूर्व, स्वतंत्र अभियंता के परामर्श से प्राधिकरण द्वारा युक्तियुक्त रूप से विनिर्दिष्ट हवाईअड्डेके विस्तार की अनुमानित पूंजीगत लागत।

42.5. रियायत अवधि का विस्तार

खंड 3.1.1 में निर्धारित विस्तार की स्थिति में, खंड 42.3.5 में विनिर्दिष्ट समाप्ति भुगतान रियायतग्राही को देय और भुगतान योग्य नहीं होगा। विस्तारित रियायत अवधि की समाप्ति पर, हवाईअड्डा इस करार के प्रावधानों के अनुसार और उनके अनुरूप प्राधिकरण में निहित हो जाएगा, और हवाईअड्डे के प्राधिकरण को हस्तांतरण के संबंध में रियायतग्राही को कोई समाप्ति भुगतान देय और भुगतान योग्य नहीं होगा। बशर्ते, कि यदि खंड 3.1.1 के अनुसार विस्तार प्रदान नहीं किया जाता है, तो प्राधिकरण खंड 42.3.5 और 42.3.6 के प्रावधानों के अनुसार गणना किए गए समाप्ति भुगतान का भुगतान रियायतग्राही को करेगा। आगे बशर्ते, कि यहां विस्तार की स्थिति में, इस करार के प्रावधान, खंड 3.1.1 के अंतर्गत विस्तार और इस खंड 42.5 के प्रावधानों को छोड़कर, विस्तारित रियायत अवधि पर यथोचित परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

42.6. प्राधिकरण के अन्य अधिकार और दायित्व

किसी भी कारण से समाप्ति पर, प्राधिकरण:

(क) हवाईअड्डे का कब्जा और नियंत्रण तत्काल प्राप्त करेगा;

(ख) साइट पर या उसके आसपास स्थित सभी सामग्रियों, भंडारों, उपकरणों और निर्माण संयंत्रों तथा उपकरणों का कब्जा और नियंत्रण प्राप्त करेगा;

(ग) रियायतग्राही और उसके माध्यम से या उसके अंतर्गत दावा करने वाले किसी भी व्यक्ति को साइट या परियोजना के किसी भी भाग में प्रवेश करने से रोकने का हकदार होगा;

(घ) रियायतग्राही को खंड 43.1 में निर्धारित विनिवेश आवश्यकताओं का अनुपालन करने की अपेक्षा करेगा; और

(ङ) प्राधिकरण द्वारा अपने विवेकानुसार उपयुक्त समझे गए ऐसे परियोजना करारों के अंतर्गत रियायतग्राही के हितों के प्रति, रियायतग्राही द्वारा किसी और कार्रवाई की आवश्यकता के बिना, प्राधिकरण के चयन पर उत्तराधिकारी बनेगा, और ऐसे चयन पर ठेकेदारों के प्रति उनके संबंधित परियोजना करारों की शर्तों के अंतर्गत उत्पन होने वाले और देय व भुगतान योग्य हो जाने वाले के लिए ही उत्तरदायी होगा, वह भी उस तारीख से जब प्राधिकरण रियायतग्राही के हितों के प्रति उत्तराधिकारी बनने का चयन करता है। संदेह की निवृत्ति के लिए, रियायतग्राही स्वीकार करता है और सहमत होता है कि ऐसे ठेकेदारों द्वारा ऐसी तारीख से पहले किए गए या उत्पन होने वाले किसी भी कार्य, चूक या घटना के खाते में किए गए और देय कार्यों व सेवाओं के लिए दावा की गई सभी राशियां रियायतग्राही और ऐसे ठेकेदारों के बीच ऋण होगी, और प्राधिकरण किसी भी रीति से ऐसी राशियों के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। यह आगे सहमत है कि यदि प्राधिकरण ऐसे परियोजना करारों के अंतर्गत किसी बकाया चूक को ठीक करने का चयन करता है, तो इस प्रयोजन के लिए प्राधिकरण द्वारा व्यय की गई राशि समाप्ति भुगतान से घटाई जाएगी।

42.7. अधिकारों की उत्तरजीविता

इस करार में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, परंतु खंड 42.3.7 के प्रावधानों के अधीन, इस करार के प्रावधानों के अनुसरण में कोई भी समाप्ति, धन क्षति के दावे और वसूली, बीमा आगमों, प्रतिभूति जमाओं, तथा अन्य अधिकारों और उपचारों सहित किसी भी पक्षकार के उपचित अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी, जो उसके पास कानून या संविदा में हो सकते हैं। समाप्ति भुगतान और विनिवेश आवश्यकताओं सहित इस

करार के अंतर्गत किसी भी पक्षकार के सभी अधिकार और दायित्व, समाप्ति के पश्चात उस सीमा तक बने रहेंगे जितना ऐसे अधिकारों और दायित्वों को प्रभावी करने के लिए आवश्यक हो।

अनुच्छेद 43

43. अधिकारों और हितों की विमुक्ति (डाइवेस्टमेंट)

43.1. विमुक्ति अपेक्षाएं

43.1.1. समाप्ति पर, रियायतग्राही निम्नलिखित विमुक्ति अपेक्षाएं का अनुपालन और अनुसरण करेगा:

(क) सभी परियोजना परिसंपत्तियों के स्थान और विवरण की प्राधिकरण को तत्काल सूचना देना;

(ख) प्रतिस्थापन करार में निर्धारित सीमा को छोड़कर, सभी भारों से मुक्त और स्पष्ट हवाईअड्डेका वास्तविक या रचनात्मक कब्जा तत्काल सुपुर्द करना;

(ग) सभी परियोजना परिसंपत्तियों के दोषों और कमियों को दूर करना ताकि हवाईअड्डा इस करार के प्रावधानों के अनुरूप हो; बशर्ते कि निर्माण अवधि के दौरान समाप्ति की स्थिति में, सभी परियोजना परिसंपत्तियां उन्हें सुरक्षित स्थिति में लाने के बाद 'जैसी हैं जहां हैं' आधार पर सुपुर्द की जाएंगी;

(घ) हवाईअड्डेतथा उसके डिजाइन, अभियांत्रिकी, निर्माण, संचालन और रखरखाव से संबंधित प्रासंगिक अभिलेख, रिपोर्टें, बौद्धिक संपदा और अन्य लाइसेंस, जिसमें इससे संबंधित सभी कार्यक्रम और नियमावली तथा हस्तांतरण तिथि तक पूर्ण 'जैसा निर्मित' रेखाचित्र शामिल हैं, सुपुर्द और हस्तांतरित करना। संदेह की निवृत्ति के लिए, रियायतग्राही प्रतिनिधित्व करता है और आश्वासन देता है कि इस अंतर्गत सुपुर्द की गई बौद्धिक संपदा हवाईअड्डेके डिजाइन, अभियांत्रिकी, निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए पर्याप्त और पूर्ण होगी तथा किसी भी भार से मुक्त होकर प्राधिकरण को समनुदेशित की जाएगी;

(ङ) लागू कानूनों के अंतर्गत अनुज्ञेय सीमा तक सभी लागू अनुज्ञप्तियों को हस्तांतरित और/या सुपुर्द करना;

(च) परियोजना परिसंपत्तियों में रियायतग्राही के सभी अधिकारों, स्वत्व और हित को, जिसमें किसी भी संयंत्र या उपकरण के संबंध में निर्माताओं की वारंटियां और बकाया बीमा दावे प्राप्त करने का अधिकार शामिल है, प्राधिकरण या उसके नामिती के प्रति पूर्णतः, हस्तांतरित, विमुक्त और समनुदेशित करने हेतु प्राधिकरण द्वारा युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित ऐसे विलेखों, दस्तावेजों और अन्य लेखों को निष्पादित करना; और

(छ) हवाईअड्डेमें रियायतग्राही के सभी भारों से मुक्त सभी अधिकारों, स्वामित्व और हित का, प्राधिकरण या उसके नामिती के प्रति पूर्णतः विमुक्ति और समनुदेशन पूरा करने के लिए लागू कानूनों के अंतर्गत विहित या अपेक्षित अन्य सभी आवश्यकताओं का अनुपालन करना।

43.1.2. इस करार के अंतर्गत या किसी भी परियोजना करार के अंतर्गत रियायतग्राही के किसी भी दायित्व के निष्पादन को किसी तृतीय पक्ष द्वारा करने या प्राप्त करने के अपने अधिकारों के प्राधिकरण द्वारा प्रयोग के अधीन, पक्षकार किसी समाप्ति सूचना के जारी होने के बावजूद, इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों का निष्पादन तब तक जारी रखेंगे जब तक इस करार की समाप्ति उसकी शर्तों के अनुसार प्रभावी नहीं हो जाती।

43.2. निरीक्षण और उपचार

ऐसी समाप्ति की प्रभावी तिथि से 90 (नब्बे) दिन पहले से अनधिक और 15 (पंद्रह) दिन पहले से अनहीन, स्वतंत्र अभियंता या उसका कोई नामिती, रियायतग्राही को ऐसे सत्यापन और/या निरीक्षण का समय, तारीख और स्थान विनिर्दिष्ट करते हुए उचित सूचना देने के बाद, रखरखाव आवश्यकताओं के साथ रियायतग्राही के अनुपालन का सत्यापन करेगा, और यदि आवश्यक हो, तो इस प्रयोजन के लिए रियायतग्राही की लागत पर उपयुक्त परीक्षण किए जाने का कारण बनेगा। रखरखाव आवश्यकताओं में कोई भी चुक, यदि कोई हो, रियायतग्राही द्वारा अपनी लागत पर ठीक किया जाएगा और इस अनुच्छेद 43 के अंतर्गत दोषों या कमियों के उपचार के संबंध में अनुच्छेद 44 के प्रावधान, यथोचित परिवर्तनों सहित, लागू होंगे।

43.3. परियोजना के हस्तांतरण पर सहयोग और सहायता

43.3.1. पक्षकार सर्वोत्तम प्रयास आधार पर सहयोग करेंगे और उपयोगकर्ताओं, जनता के अन्य सदस्यों या साइट के किसी भी भाग के वैध कब्जेदारों की सुरक्षा की रक्षा करने तथा अनुचित विलंब या असुविधा से बचने के लिए, इस करार के प्रावधानों के अनुसार परियोजना का सुगम हस्तांतरण प्राप्त करने हेतु सद्भावपूर्वक सभी आवश्यक उपाय करेंगे।

43.3.2. पक्षकार, समय की समाप्ति द्वारा समाप्ति की स्थिति में हस्तांतरण तिथि से 9 (नौ) महीने पहले, और किसी भी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को समाप्ति सूचना जारी करने के अपने इरादे को व्यक्त करने की स्थिति में तत्काल, जैसा भी मामला हो, हस्तांतरण तिथि के बाद हवाईअड्डे के संचालन, प्रबंधन और विकास के संबंध में प्रस्तावित व्यवस्थाओं के बारे में युक्तियुक्त रूप से व्यावहारिक जानकारी और सलाह एक-दूसरे को प्रदान करेंगे। रियायतग्राही हस्तांतरण तिथि के बाद 6 (छह) महीने की समाप्ति तक परियोजना के संचालन के लिए प्राधिकरण, उसके रियायतग्राही या अभिकर्ता द्वारा युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित ऐसी युक्तियुक्त सलाह और सहायता आगे प्रदान करेगा।

43.3.3. प्राधिकरण के पास रियायतग्राही से किसी भी भार से मुक्त उचित बाजार मूल्य पर परियोजना से संबंधित संयंत्र और मशीनरी के सभी या किसी भी भाग को, जो खंड 43.1.1 में विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियों का भाग नहीं बनता और परियोजना के संचालन के संबंध में युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित है, खरीदने या किराए पर लेने का विकल्प होगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, उचित बाजार मूल्य से संबंधित विवाद या मतभेद की स्थिति में, विवाद समाधान प्रक्रिया लागू होगी।

43.4. निहित प्रमाणपत्र

हवाईअड्डे में सभी अधिकारों, स्वामित्व और हित की विमुक्ति उस तारीख को पूर्ण मानी जाएगी जब सभी विनिवेश आवश्यकताएं पूरी कर ली गई हों, और प्राधिकरण, अनुचित विलंब के बिना, तत्पश्चात अनुसूची-V ("निहित प्रमाणपत्र") में निर्धारित प्रपत्र में सारतः एक प्रमाणपत्र जारी करेगा, जिसका प्रभाव हवाईअड्डेमें अपने सभी अधिकारों, स्वामित्व और हित के रियायतग्राही द्वारा विमुक्ति और इसके अनुसरण में प्राधिकरण में उनके निहित होने के साक्ष्य को गठित करना होगा। यह स्पष्ट रूप से सहमत है कि विमुक्ति आवश्यकताओं में कोई भी दोष या कमी किसी भी रीति से इस आधार पर हवाईअड्डे पर या उसके संबंध में प्राधिकरण

या उसके नामिती द्वारा किसी भी अधिकार के प्रयोग को सीमित करने के रूप में निर्मित या निर्वचित नहीं की जाएगी कि रियायतग्राही द्वारा सभी विमुक्ति आवश्यकताओं का अनुपालन किया गया है।

43.5. विमुक्ति लागत आदि

43.5.1. रियायतग्राही समाप्ति पर प्राधिकरण के पक्ष में परियोजना परिसंपत्तियों में रियायतग्राही के सभी अधिकारों, स्वत्व और हित के विमुक्ति से संबद्ध सभी लागतें वहन और भुगतान करेगा, सिवाय इसके कि रियायतग्राही द्वारा ऐसी विमुक्ति के संबंध में निष्पादित किसी भी विलेख या दस्तावेज पर देय सभी स्टाम्प शुल्क प्राधिकरण द्वारा वहन किए जाएंगे।

43.5.2. इस अनुच्छेद 43 के अंतर्गत और उसके द्वारा आच्छादित मामलों से संबंधित किसी भी विवाद की स्थिति में, विवाद समाधान प्रक्रिया लागू होगी।

अनुच्छेद 44

44. समाप्ति के बाद दोष संबंधी दायित्व

44.1. समाप्ति के बाद दोषों के लिए दायित्व

रियायतग्राही समाप्ति के बाद 120 (एक सौ बीस) दिनों की अवधि के लिए हवाईअड्डे में सभी दोषों और कमियों के लिए उत्तरदायी होगा, और उसे उक्त अवधि के दौरान स्वतंत्र अभियंता द्वारा हवाईअड्डेमें देखे गए सभी दोषों और कमियों को अपनी लागत पर ठीक करने या सुधारने का दायित्व होगा। यदि रियायतग्राही इस संबंध में प्राधिकरण द्वारा जारी सूचना की तारीख से 15 (पंद्रह) दिनों की अवधि के भीतर ऐसे दोष या कमी को ठीक करने या सुधारने में विफल रहता है, तो प्राधिकरण रियायतग्राही के जोखिम और लागत पर उसे ठीक या सुधार करवाने का हकदार होगा ताकि हवाईअड्डा रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप हो सके। इस अंतर्गत प्राधिकरण द्वारा व्यय की गई सभी लागतें रियायतग्राही द्वारा मांग की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण को प्रतिपूर्ति की जाएंगी, और ऐसी लागतों की प्रतिपूर्ति में डिफॉल्ट की स्थिति में, प्राधिकरण खंड 44.2 के प्रावधानों के अंतर्गत एस्क्रो खाते में रखी गई निधियों से या उसके अंतर्गत उपलब्ध कराई गई निष्पादन गारंटी से वही वसूल करने का हकदार होगा।

44.2. एस्क्रो खाते में प्रतिधारण

44.2.1. इस करार में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, परंतु खंड 44.2.3 के प्रावधानों के अधीन, हस्तांतरण तिथि से ठीक पूर्ववर्ती वर्ष के लिए कुल सकल राजस्व के 5% (पांच प्रतिशत) के बराबर राशि खंड 44.1 के प्रावधानों से उत्पन्न होने वाली या उनसे संबंधित देयताओं, यदि कोई हों, को पूरा करने के लिए समाप्ति के बाद 120 (एक सौ बीस) दिनों की अवधि के लिए एस्क्रो खाते में रखी जाएगी।

44.2.2. खंड 44.2.1 के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, स्वतंत्र अभियंता समाप्ति से पूर्व 210 (दो सौ दस) और 180 (एक सौ अस्सी) दिनों के बीच किसी भी समय हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा और यदि वह अनुशंसा करता है कि हवाईअड्डेकी स्थिति ऐसी है कि खंड

44.2.1 में विनिर्दिष्ट राशि से बड़ी राशि को एस्क्रो खाते में रखा जाना चाहिए और पूर्वोक्त 120 (एक सौ बीस) दिनों से लंबी अवधि के लिए, तो स्वतंत्र अभियंता द्वारा अनुशंसित राशि उसके द्वारा विनिर्दिष्ट अवधि के लिए एस्क्रो खाते में रखी जाएगी।

44.2.3. रियायतग्राही इस अनुच्छेद 44 के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन के लिए, प्राधिकरण को खंड 44.2.1 या 44.2.2, जैसा भी मामला हो, के अंतर्गत निर्धारित राशि के बराबर और उसमें विनिर्दिष्ट अवधि के लिए एक बैंक से गारंटी, अनुसूची-एफ ("निष्पादन गारंटी") में निर्धारित प्रपत्र में सारतः, इस प्रयोजन के लिए यथोचित परिवर्तनों सहित, प्रदान कर सकता है, और प्राधिकरण, इस अंतर्गत या कानून में अपने अन्य अधिकारों और उपचारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, इस अनुच्छेद 44 के प्रावधानों के अनुसार रियायतग्राही के जोखिम और लागत पर मरम्मत या सुधार करने के लिए निष्पादन गारंटी से अपेक्षित राशियों को भुनाने और विनियोजित करने का हकदार होगा। इस खंड 44.2.3 के अंतर्गत निष्पादन गारंटी प्रदान किए जाने पर, खंड 44.2.1 या 44.2.2, जैसा भी मामला हो, के अनुसार एस्क्रो खाते में निधियों की प्रतिधारण समाप्त कर दी जाएगी।

भाग VI

अन्य प्रावधान

अनुच्छेद 45

45. समनुदेशन और भार

45.1. समनुदेशन और भारों पर प्रतिबंध

45.1.1. खंड 45.2 और 45.3 के अधीन, यह करार रियायतग्राही द्वारा किसी भी व्यक्ति को समनुदेशित नहीं किया जाएगा, सिवाय प्राधिकरण की पूर्व लिखित सहमति के, जिसे प्राधिकरण बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का हकदार होगा।

45.1.2. खंड 45.2 के प्रावधानों के अधीन, रियायतग्राही इस करार या किसी भी परियोजना करार के अंतर्गत, जिसका वह पक्षकार है, अपने अधिकारों और लाभों में कोई भार निर्मित या विद्यमान नहीं रहने देगा, या अन्यथा उन्हें हस्तांतरित या व्ययनित नहीं करेगा, सिवाय प्राधिकरण की पूर्व लिखित सहमति के, जिसे प्राधिकरण बिना कोई कारण बताए अस्वीकार करने का हकदार होगा।

45.2. अनुज्ञेय समनुदेशन और भार

खंड 45.1 में निर्धारित प्रतिबंध निम्नलिखित पर लागू नहीं होंगे:

(क) हवाईअड्डे के व्यवसाय के सामान्य क्रम में कानून के प्रवर्तन द्वारा (या उसी को साक्ष्यित करने वाले करार द्वारा) उत्पन्न धारणाधिकार;

(ख) परियोजना परिसंपत्तियों और उनसे संबंधित स्वत्व के दस्तावेजों के अलावा माल/परिसंपत्तियों के बंधक/प्रतिज्ञा/हाइपोथिकेशन, जो हवाईअड्डेके व्यवसाय के सामान्य क्रम में उत्पन्न या निर्मित हों, और केवल वित्तपोषण करारों के अंतर्गत वरिष्ठ ऋणदाताओं के प्रति देयता के लिए और/या हवाईअड्डे के लिए कार्यशील पूंजी व्यवस्थाओं के लिए प्रतिभूति के रूप में हों। संदेह की निवृत्ति के लिए, वरिष्ठ ऋणदाता इस करार के अंतर्गत प्राधिकरण के अधिकारों के अधीन और उन पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना एस्क्रो खाते पर धारणाधिकार निर्मित करने के हकदार होंगे;

(ग) वित्तपोषण करारों के अंतर्गत वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा प्रदत्त वित्तपोषण के लिए प्रतिभूति के रूप में, प्रतिस्थापन करार द्वारा आच्छादित और उसके अनुसार सीमा तक, वरिष्ठ ऋणदाताओं के लाभ के लिए और नामिती के रूप में ऋणदाताओं के प्रतिनिधि के पक्ष में या के प्रति रियायतग्राही के अधिकारों, हित और दायित्वों का समनुदेशन; और

(घ) किसी भी लागू कानून द्वारा अपेक्षित धारणाधिकार या भार।

45.3. प्रतिस्थापन करार

45.3.1. ऋणदाताओं का प्रतिनिधि, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से, रियायतग्राही, प्राधिकरण और वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से ऋणदाताओं के प्रतिनिधि के बीच अनुसूची-डब्लू में निर्धारित प्रपत्र में सारतः प्रवेश किए जाने वाले रियायतग्राही के प्रतिस्थापन के करार ("प्रतिस्थापन करार") के अनुसरण में रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के अधिकार का प्रयोग कर सकता है।

45.3.2. प्रतिस्थापन करार के अंतर्गत और उसके अनुसार रियायतग्राही के प्रतिस्थापन पर, रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने वाली नामित कंपनी को इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही माना जाएगा और वह इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही के सभी अधिकारों का उपभोग करेगी और सभी दायित्वों के लिए उत्तरदायी होगी मानो वह स्वयं रियायतग्राही हो; बशर्ते कि जहां रियायतग्राही ऐसे प्रतिस्थापन की तारीख को इस करार के उल्लंघन में हो, वहां प्राधिकरण सूचना द्वारा रियायतग्राही को ऐसे उल्लंघन को ठीक करने के लिए 120 (एक सौ बीस) दिनों की उपचार अवधि प्रदान करेगा।

45.4. प्राधिकरण द्वारा समनुदेशन

इस करार में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, प्राधिकरण, रियायतग्राही को 60 (साठ) दिनों की सूचना देने के बाद, इस करार के अंतर्गत अपने अधिकारों और लाभों और/या दायित्वों में से किसी को भी ऐसे समनुदेशिती को समनुदेशित और/या हस्तांतरित कर सकता है, जो प्राधिकरण की युक्तियुक्त राय में, इस करार के अंतर्गत प्राधिकरण के तत्कालीन बकाया सभी दायित्वों को पूरा करने में सक्षम हो।

अनुच्छेद 46

46. कानून में परिवर्तन

46.1. लागतों में वृद्धि

46.1.1. यदि कानून में परिवर्तन के परिणामस्वरूप, रियायतग्राही को लागतों में वृद्धि या शुद्ध कर-पश्चात प्रतिफल में कमी या अन्य वित्तीय बोझ का सामना करना पड़ता है, जिसका समग्र वित्तीय प्रभाव किसी भी लेखा वर्ष में रु.1 करोड़ (एक करोड़ रुपये) और वैमानिकी प्रभारों के 0.5% (शून्य दशमलव पांच प्रतिशत) में से अधिक से अधिक होता है, तो रियायतग्राही इस करार में संशोधनों का प्रस्ताव करते हुए प्राधिकरण को इस बारे में सूचित कर सकता है ताकि रियायतग्राही को उस वित्तीय स्थिति में रखा जा सके जिसका वह उपभोग करता यदि लागतों में वृद्धि, प्रतिफल में कमी या अन्य वित्तीय बोझ के परिणामस्वरूप ऐसा कोई कानून में परिवर्तन नहीं हुआ होता। रियायतग्राही द्वारा सूचना दिए जाने पर, पक्षकार, सूचना की तारीख से यथासंभव शीघ्र किन्तु 30 (तीस) दिनों से अनधिक बाद में मिलेंगे, और या तो इस करार में संशोधनों पर सहमत होंगे या किसी अन्य पारस्परिक रूप से सहमत व्यवस्था पर सहमत होंगे:

46.1.2. बशर्ते कि यदि पूर्वोक्त सूचना के 90 (नब्बे) दिनों के भीतर कोई सहमति नहीं होती है, तो रियायतग्राही सूचना द्वारा प्राधिकरण से ऐसी राशि का भुगतान करने की अपेक्षा कर सकता है जो रियायतग्राही को उस वित्तीय स्थिति में रखेगी जिसका वह उपभोग करता यदि ऐसा कोई कानून में परिवर्तन नहीं हुआ होता, और ऐसी सूचना की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, उसमें विवरणों सहित, प्राधिकरण उसमें विनिर्दिष्ट राशि का भुगतान करेगा; बशर्ते कि यदि प्राधिकरण रियायतग्राही के ऐसे दावे पर विवाद करता है, तो वही विवाद समाधान प्रक्रिया के अनुसार निपटाया जाएगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, यह सहमत है कि यह खंड 46.1 उन कानून में परिवर्तनों तक सीमित रहेगी जो इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन की रियायतग्राही की लागतों को सीधे प्रभावित करते हैं।

46.2. लागतों में कमी

46.2.1. यदि कानून में परिवर्तन के परिणामस्वरूप, रियायतग्राही को लागतों में कमी या शुद्ध कर-पश्चात प्रतिफल में वृद्धि या अन्य वित्तीय लाभ प्राप्त होता है, जिसका समग्र वित्तीय प्रभाव किसी भी लेखा वर्ष में रु. 1 करोड़ (एक करोड़ रुपये) और वैमानिकी प्रभारों के 0.5% (शून्य दशमलव पांच प्रतिशत) में से अधिक से अधिक होता है, तो प्राधिकरण इस करार में संशोधनों का प्रस्ताव करते हुए रियायतग्राही को इस बारे में सूचित कर सकता है ताकि रियायतग्राही को उस वित्तीय स्थिति में रखा जा सके जिसका वह उपभोग करता यदि लागतों में कमी, प्रतिफल में वृद्धि या अन्य वित्तीय लाभ के परिणामस्वरूप ऐसा कोई कानून में परिवर्तन नहीं हुआ होता। प्राधिकरण द्वारा सूचना दिए जाने पर, पक्षकार, सूचना की तारीख से यथासंभव शीघ्र किन्तु 30 (तीस) दिनों से अनधिक बाद में मिलेंगे, और या तो इस करार में ऐसे संशोधनों पर सहमत होंगे या किसी अन्य पारस्परिक रूप से सहमत व्यवस्था पर सहमत होंगे:

बशर्ते कि यदि पूर्वोक्त सूचना के 90 (नब्बे) दिनों के भीतर कोई सहमति नहीं होती है, तो प्राधिकरण सूचना द्वारा रियायतग्राही से ऐसी राशि का भुगतान करने की अपेक्षा कर सकता है जो रियायतग्राही को उस वित्तीय स्थिति में रखेगी जिसका वह उपभोग करता यदि ऐसा कोई कानून में परिवर्तन नहीं हुआ होता, और ऐसी सूचना की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, उसमें विवरणों सहित, रियायतग्राही प्राधिकरण को उसमें विनिर्दिष्ट राशि का भुगतान करेगा; बशर्ते कि यदि रियायतग्राही प्राधिकरण के ऐसे दावे पर विवाद करता है, तो वही विवाद समाधान प्रक्रिया के अनुसार निपटाया जाएगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, यह सहमत है कि यह खंड 46.2 उन कानून में परिवर्तनों तक सीमित रहेगी जो इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन की रियायतग्राही की लागतों को सीधे प्रभावित करते हैं।

46.3. एनपीवी का संरक्षण

खंड 46.1 और 46.2 के प्रावधानों के अनुसरण में और रियायतग्राही को उस वित्तीय स्थिति में रखने के प्रयोजनों के लिए जिसका वह उपभोग करता यदि लागतों, प्रतिफलों या अन्य वित्तीय बोझ या लाभों को प्रभावित करने वाला कोई कानून में परिवर्तन नहीं हुआ होता, पक्षकार शुद्ध नकदी प्रवाह के शुद्ध वर्तमान मूल्य ("एनपीवी") को स्थापित करने के लिए वित्तीय मॉडल पर

निर्भर होंगे और लागतों, राजस्वों, प्रतिकर या अन्य प्रासंगिक मापदंडों में, जैसा भी मामला हो, आवश्यक समायोजन करेंगे, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शुद्ध नकदी प्रवाह का एनपीवी वही रहे जो यदि कोई कानून में परिवर्तन नहीं हुआ होता तो होता। संदेह की निवृत्ति के लिए, पक्षकार स्पष्ट रूप से सहमत हैं कि एनपीवी के निर्धारण के लिए, उपयोग की जाने वाली छूट दर उस भारित औसत ब्याज दर के बराबर होगी जिस पर रियायतग्राही ने अपने वित्तपोषण करारों के अंतर्गत ऋण देय जुटाया है।

46.4. नकद प्रतिकर पर प्रतिबंध

46.4.1. पक्षकार स्वीकार करते हैं और सहमत हैं कि इस अनुच्छेद 46 के अंतर्गत नकद प्रतिकर की मांग संबंधित लेखा वर्ष के दौरान कानून में परिवर्तन के प्रभाव तक सीमित रहेगी और ऐसे लेखा वर्ष के प्रारंभ के बाद किसी भी समय की जाएगी, किन्तु ऐसे लेखा वर्ष के समापन से एक वर्ष से अधिक बाद में नहीं। किसी भी बाद के लेखा वर्ष के लिए और उसके संबंध में देय नकद प्रतिकर की कोई भी मांग उस लेखा वर्ष के प्रारंभ के बाद की जाएगी जिससे मांग संबंधित है, किन्तु ऐसे लेखा वर्ष के समापन से 2 (दो) वर्ष से अधिक बाद में नहीं।

46.5. उपयोगकर्ताओं से वसूली की स्थिति में कोई दावा नहीं

46.5.1. इस करार में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, प्राधिकरण किसी भी रीति से कानून में परिवर्तन के खाते में रियायतग्राही को किसी भी राशि की प्रतिपूर्ति के लिए उत्तरदायी नहीं होगा यदि वही उपयोगकर्ताओं से वसूली योग्य हो।

अनुच्छेद 47

47. दायित्व और क्षतिपूर्ति

47.1. सामान्य क्षतिपूर्ति

47.1.1. रियायतग्राही प्राधिकरण और उसके अधिकारियों, सेवकों, अभिकर्ताओं, सरकारी उपकरणों, नामित जीओआई अभिकरणों और प्राधिकरण के स्वामित्व वाली और/या नियंत्रित संस्थाओं/उद्यमों ("सरकारी क्षतिपूर्तित व्यक्तियों") को तृतीय पक्षों से किसी भी और सभी वाद, कार्यवाहियों, कार्रवाइयों, मांगों और दावों के विरुद्ध किसी भी प्रकार और प्रकृति की किसी भी हानि, क्षति, लागत और व्यय के लिए क्षतिपूर्ति देगा, बचाव करेगा, सुरक्षित रखेगा और हानिरहित रखेगा, चाहे वह इस करार या किसी संबंधित करार के अंतर्गत अपने किसी भी दायित्व के रियायतग्राही द्वारा उल्लंघन से उत्पन्न हो या प्राधिकरण या किसी उपयोगकर्ता को रियायतग्राही द्वारा सेवाओं के प्रावधान में किसी दोष या कमी के खाते में या संविदा या अपकृत्य के अंतर्गत रियायतग्राही की किसी उपेक्षा से, या किसी अन्य आधार पर, सिवाय उस सीमा तक जहां ऐसे वाद, कार्यवाहियां, कार्रवाइयां, मांगें और दावे सरकारी क्षतिपूर्तित व्यक्तियों की ओर से किसी उपेक्षापूर्ण कार्य या चूक, या इस करार के उल्लंघन या डिफॉल्ट के कारण उत्पन्न हुए हों।

47.1.2. प्राधिकरण रियायतग्राही को तृतीय पक्षों से किसी भी और सभी वाद, कार्यवाहियों, कार्रवाइयों, मांगों और दावों के विरुद्ध किसी भी प्रकार और प्रकृति की किसी भी हानि, क्षति, लागत और व्यय के लिए क्षतिपूर्ति देगा, बचाव करेगा, सुरक्षित रखेगा और हानिरहित रखेगा, जो (क) साइट में सम्मिलित भूमि में स्वत्व और/या प्राधिकरण के अधिकारों में दोष, और/या (ख) इस करार या किसी संबंधित करार के अंतर्गत अपने किसी भी दायित्व के प्राधिकरण द्वारा उल्लंघन से उत्पन्न हो, जो इस करार के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन को रियायतग्राही द्वारा सारतः और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता हो, सिवाय इसके कि जहां ऐसा कोई दावा, वाद, कार्यवाही, कार्रवाई, और/या मांग रियायतग्राही, उसके समनुदेशितियों, संबद्ध कंपनियों, ठेकेदारों, सेवकों या अभिकर्ताओं की ओर से किसी उपेक्षापूर्ण कार्य या चूक, या इस करार या किसी संबंधित करार के अंतर्गत उसके किसी भी दायित्व के उल्लंघन और/या

उसके सांविधिक कर्तव्य के उल्लंघन के कारण उत्पन्न हुई हो, वहां वही रियायतग्राही का दायित्व होगा।

47.2. रियायतग्राही द्वारा क्षतिपूर्ति

47.2.1. खंड 47.1 की व्यापकता को सीमित किए बिना, रियायतग्राही प्राधिकरण और सरकारी क्षतिपूर्तित व्यक्तियों को निम्नलिखित से उत्पन्न या उसके संबंध में किसी भी और सभी हानि और/या क्षतियों से पूर्णतः क्षतिपूर्ति देगा, हानिरहित रखेगा और बचाव करेगा:

(क) लागू कानूनों और लागू अनुज्ञप्तियों का अनुपालन करने में रियायतग्राही की विफलता;

(ख) रियायतग्राही के ठेकेदारों, आपूर्तिकर्ताओं और प्रतिनिधियों की आय या अन्य करों के संबंध में रियायतग्राही, उसके समनुदेशितियों या संबद्ध कंपनियों द्वारा किए जाने वाले करों का भुगतान; या

(ग) रियायतग्राही या उसके किसी भी ठेकेदार को प्रदत्त सामग्रियों या सेवाओं के परिणामस्वरूप देय राशियों का अभुगतान, जो रियायतग्राही या उसके किसी भी ठेकेदार द्वारा देय हों।

47.2.2. इस अनुच्छेद 47 के प्रावधानों की व्यापकता को सीमित किए बिना, रियायतग्राही सरकारी क्षतिपूर्तित व्यक्तियों को किसी भी घरेलू या विदेशी पेटेंट अधिकारों, कॉपीराइट या अन्य बौद्धिक संपदा, स्वामित्व या गोपनीयता अधिकारों के उल्लंघन के दावों से उत्पन्न किसी भी और सभी वाद, कार्यवाहियों, कार्रवाइयों, दावों, मांगों, देयताओं और क्षतियों से, जो सरकारी क्षतिपूर्तित व्यक्ति भविष्य में भुगत सकते हैं, या किसी भी मांग, दावे, वाद या कार्यवाही के कारण भुगतान कर सकते हैं, जो रियायतग्राही द्वारा या रियायतग्राही के ठेकेदारों द्वारा रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन में या परियोजना से संबंधित या उसमें किसी भी रीति से समाविष्ट किसी भी सामग्री, जानकारी, डिजाइन या प्रक्रिया के उपयोग के संबंध में उत्पन्न हों, पूर्णतः क्षतिपूर्ति देगा, हानिरहित रखेगा और बचाव करेगा। यदि किसी ऐसे वाद, कार्रवाई, दावे या कार्यवाहियों में, कोई अस्थायी निरोध आदेश या प्रारंभिक व्यादेश प्रदान किया जाता है, तो रियायतग्राही व्यादेश या निरोध आदेश के प्रतिसंहरण या निलंबन को सुरक्षित करने के लिए, संतोषजनक बंधपत्र देकर या अन्यथा, हर युक्तियुक्त प्रयास करेगा।

यदि, किसी ऐसे वाद, कार्रवाई, दावे या कार्यवाहियों में, हवाई अड्डा, या उसका कोई भी भाग या उसमें सम्मिलित कोई भी वस्तु, किसी उल्लंघन के होने वाली मानी जाती है और उसका उपयोग स्थायी रूप से निषिद्ध कर दिया जाता है, तो रियायतग्राही प्राधिकरण के लिए, प्राधिकरण को कोई लागत लिए बिना, उल्लंघनकारी कार्य के निरंतर उपयोग को प्राधिकृत करने वाला एक लाइसेंस सुरक्षित करने के लिए तत्काल हर युक्तियुक्त प्रयास करेगा। यदि रियायतग्राही युक्तियुक्त समय के भीतर ऐसा लाइसेंस सुरक्षित करने में असमर्थ है, तो रियायतग्राही, अपने स्वयं के व्यय पर, तथा विनिर्देशों और मानकों को क्षति पहुंचाए बिना, या तो प्रभावित कार्य, या उसके भाग, या प्रक्रिया को गैर-उल्लंघनकारी कार्य या भाग या प्रक्रिया से प्रतिस्थापित करेगा, या इसे इस प्रकार संशोधित करेगा कि यह गैर-उल्लंघनकारी हो जाए।

47.3. दावों की सूचना और प्रतिवाद

यदि किसी भी पक्षकार को किसी तृतीय पक्ष से कोई दावा या मांग प्राप्त होती है जिसके संबंध में वह इस अनुच्छेद 47 के अंतर्गत क्षतिपूर्ति के लाभ का हकदार है ("क्षतिपूर्तित पक्षकार"), तो वह दावे या मांग की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर दूसरे पक्षकार ("क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार") को सूचित करेगा और क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार की पूर्व स्वीकृति के बिना दावे का निपटान या भुगतान नहीं करेगा, जिस स्वीकृति को अनुचित रूप से रोका या विलंबित नहीं किया जाएगा। यदि क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार दावे या मांग पर प्रतिवाद या विवाद करना चाहता है, तो वह क्षतिपूर्तित पक्षकार के नाम पर कार्यवाही संचालित कर सकता है, बशर्ते क्षतिपूर्तित पक्षकार को इसमें शामिल किसी भी लागत के विरुद्ध, उसकी युक्तियुक्त संतुष्टि के अनुसार, सुरक्षित किया जाए।

47.4. दावों का बचाव

47.4.1. क्षतिपूर्तित पक्षकार को किसी भी तृतीय पक्ष द्वारा ऐसे पक्षकार के विरुद्ध आरोपित या दावा किए गए किसी भी दावे, कार्रवाई, वाद या कार्यवाही का, जो किसी ऐसे मामले के संबंध में, परिणामस्वरूप, संबंधित या उससे उत्पन्न हो जिसके लिए वह इस अंतर्गत क्षतिपूर्ति का हकदार है, प्रतिवाद, बचाव और मुकदमेबाजी करने का अधिकार होगा, किंतु दायित्व नहीं, और इसकी युक्तियुक्त लागतें और व्यय क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार द्वारा क्षतिपूर्ति की जाएंगी। यदि क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार लिखित रूप में इस अनुच्छेद 47 द्वारा प्रदत्त पूर्ण

सीमा तक हानि के संबंध में क्षतिपूर्तित पक्षकार को क्षतिपूर्ति देने के अपने दायित्व को स्वीकार करता है, तो क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार, अपने विकल्प पर, अपनी लागत पर और अपनी पसंद के वकील के माध्यम से, ऐसे दावे, कार्रवाई, वाद या कार्यवाही, देयताओं, भुगतानों और दायित्वों के बचाव को ग्रहण करने और नियंत्रित करने का हकदार होगा; बशर्ते वह ऐसा करने के अपने इरादे की क्षतिपूर्तित पक्षकार को तत्काल सूचना दे और क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार द्वारा ऐसे बचाव को ग्रहण करने से पूर्व क्षतिपूर्तित पक्षकार द्वारा उपगत युक्तियुक्त लागत और व्ययों की क्षतिपूर्तित पक्षकार को प्रतिपूर्ति करे। क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार क्षतिपूर्तित पक्षकार की पूर्व लिखित सहमति के बिना किसी दावे, मांग, कार्रवाई, वाद या कार्यवाही का निपटान या समझौता करने का हकदार नहीं होगा, जब तक क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार क्षतिपूर्तित पक्षकार को ऐसी सुरक्षा प्रदान न करे जो क्षतिपूर्तित पक्षकार द्वारा इस प्रकार समझौता या निपटाई गई सीमा तक इस अंतर्गत क्षतिपूर्ति की जाने वाली हानि को सुरक्षित करने के लिए युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित हो।

47.4.2. यदि क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार ने खंड 47.3 के अंतर्गत अपने अधिकारों का प्रयोग किया है, तो क्षतिपूर्तित पक्षकार क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार की पूर्व लिखित सहमति (जिसे अनुचित रूप से रोका या विलंबित नहीं किया जाएगा) के बिना किसी दावे, कार्रवाई, वाद या कार्यवाही का निपटान या समझौता करने का हकदार नहीं होगा।

47.4.3. यदि क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार खंड 47.3 के अंतर्गत अपने अधिकारों का प्रयोग करता है, तो क्षतिपूर्तित पक्षकार को फिर भी अपना स्वयं का वकील नियुक्त करने का अधिकार होगा, और ऐसा वकील ऐसी कार्रवाई में भाग ले सकता है, किंतु ऐसे वकील की फीस और व्यय, जब और जैसे उपगत हों, क्षतिपूर्तित पक्षकार के व्यय पर होंगे, सिवाय जब:

i. ऐसे पक्षकार द्वारा वकील का नियोजन क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार द्वारा लिखित रूप में प्राधिकृत किया गया हो;

ii. क्षतिपूर्तित पक्षकार ने युक्तियुक्त रूप से यह निष्कर्ष निकाला हो कि ऐसी कार्रवाई के बचाव के संचालन में क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार और क्षतिपूर्तित पक्षकार के बीच हितों का टकराव हो सकता है;

iii. क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार ने वास्तव में, ऐसी कार्रवाई का बचाव ग्रहण करने के लिए क्षतिपूर्तित पक्षकार को युक्तियुक्त रूप से संतोषजनक स्वतंत्र वकील नियोजित नहीं किया हो और क्षतिपूर्तित पक्षकार द्वारा उसे ऐसा सूचित किया गया हो; या

iv. क्षतिपूर्तित पक्षकार ने युक्तियुक्त रूप से यह निष्कर्ष निकाला हो और क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार को विशेष रूप से सूचित किया हो कि:

v. उसके पास विशिष्ट बचाव उपलब्ध हो सकते हैं जो क्षतिपूर्ति देने वाले पक्षकार को उपलब्ध बचावों से भिन्न या उनके अतिरिक्त हों; या

vi. ऐसा दावा, कार्रवाई, वाद या कार्यवाही इस करार के दायरे से परे उस पर सारभूत प्रतिकूल प्रभाव को शामिल करता है या डाल सकता है:

बशर्ते कि यदि इस खंड 47.4.3 के उप-खंड (ख), (ग) या (घ) लागू होते हों, तो क्षतिपूर्तित पक्षकार के वकील को क्षतिपूर्तित पक्षकार की ओर से ऐसे दावे, मांग, कार्रवाई, वाद या कार्यवाही के बचाव को निर्देशित करने का अधिकार होगा, और ऐसे वकील की युक्तियुक्त फीस और संवितरण इस अंतर्गत विधिक या अन्य व्यय होंगे।

47.5. कोई आनुषंगिक दावे नहीं

इस अनुच्छेद 47 में इसके विपरीत निहित किसी भी बात के होते हुए भी, इसमें प्रदत्त क्षतिपूर्तियों में किसी अप्रत्यक्ष, आनुषंगिक या परिणामी प्रकृति की किसी लागत, व्यय, हानि या क्षति के संबंध में कोई दावा या वसूली शामिल नहीं होगी, जिसमें लाभ की हानि भी शामिल है, सिवाय जैसा इस करार में स्पष्ट रूप से प्रावधानित है।

47.6. समाप्ति पर उत्तरजीविता

इस अनुच्छेद 47 के प्रावधान समाप्ति के पश्चात बने रहेंगे।

अनुच्छेद 48

48. साइट पर अधिकार और स्वत्व

48.1. लाइसेंसधारी अधिकार

इस करार के प्रयोजन के लिए, रियायतग्राही के पास इस करार के अधीन और उसके अनुसार एकमात्र लाइसेंसधारी के रूप में साइट के उपयोग के अधिकार होंगे, और इस प्रयोजन के लिए, वह इस करार के प्रावधानों के अनुसार और उनके अधीन तृतीय पक्षों द्वारा हवाई अड्डे में प्रवेश और उसके उपयोग को विनियमित कर सकता है।

48.2. प्राधिकरण और अन्य के पहुंच अधिकार

48.2.1. रियायतग्राही प्राधिकरण, वरिष्ठ ऋणदाताओं और स्वतंत्र अभियंता के अधिकृत प्रतिनिधियों के लिए, तथा हवाई अड्डे का निरीक्षण करने और अपने अधिकारक्षेत्र के भीतर किसी भी मामले की जांच करने के लिए किसी भी सरकारी उपकरण या नामित जीओआई अभिकरण द्वारा विधिवत प्राधिकृत व्यक्तियों के लिए, सभी समय पर साइट तक मुक्त पहुंच की अनुमति देगा, और युक्तियुक्त सूचना पर, रियायतग्राही ऐसे व्यक्तियों को उनके संबंधित कर्तव्यों और कार्यों को निष्पादित करने के लिए आवश्यक युक्तियुक्त सहायता प्रदान करेगा।

48.2.2. रियायतग्राही, अनुच्छेद 11 में विनिर्दिष्ट किसी भी उपयोगिता या सड़क के संचालन और रखरखाव के प्रयोजन के लिए, ऐसी उपयोगिता या सड़क के नियंत्रक निकाय के अधिकृत व्यक्तियों और वाहनों के लिए सभी समय पर साइट तक मुक्त पहुंच की अनुमति देगा।

48.3. संपत्ति कर

साइट पर सभी संपत्ति कर साइट के स्वामी के रूप में प्राधिकरण द्वारा भुगतान योग्य होंगे; बशर्ते, कि रियायतग्राही द्वारा किए गए किसी विकास से उत्पन्न होने की सीमा तक प्राधिकरण द्वारा देय संपत्ति पर कोई भी कर, प्राधिकरण द्वारा लागू कानूनों के अनुसार भुगतान किया जाएगा और आवश्यक विवरणों सहित प्राधिकरण से सूचना प्राप्त होने के 60 (साठ) दिनों की अवधि के भीतर रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को प्रतिपूर्ति किया जाएगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, पक्षकार सहमत हैं कि इस करार का गठन करने वाले लाइसेंस के अनुदान पर देय

और भुगतान योग्य स्टाम्प शुल्क, यदि कोई हों, प्राधिकरण द्वारा भुगतान किए जाएंगे। बशर्ते, कि प्राधिकरण रियायतग्राही से ऐसे स्टाम्प शुल्कों का भुगतान करने की अपेक्षा कर सकता है, जिसे प्राधिकरण द्वारा इसकी मांग की प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर रियायतग्राही को प्रतिपूर्ति किया जाएगा।

48.4. उप-पट्टे पर प्रतिबंध

रियायतग्राही साइट के संपूर्ण या किसी भी भाग को उप-लाइसेंस या उप-पट्टे पर नहीं देगा, सिवाय जैसा इस करार में स्पष्ट रूप से निर्धारित हो सकता है; बशर्ते कि इसमें निहित कुछ भी इस अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन के लिए, जिसमें हवाई अड्डे के सभी या किसी भाग के संचालन और रखरखाव के लिए भी शामिल है, ठेकेदारों को नियुक्त करने के रियायतग्राही के अधिकार को सीमित करने के रूप में निर्मित या निर्वचित नहीं किया जाएगा।

अनुच्छेद 49

49. विवाद समाधान

49.1. विवाद समाधान

49.1.1. पक्षकारों के बीच इस करार के अंतर्गत या उससे उत्पन्न या इससे संबंधित (इसके निर्वचन सहित) किसी भी प्रकार का कोई भी विवाद, मतभेद या विवाद ("विवाद"), और इसकी किसी भी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को इस प्रकार लिखित रूप में सूचित किया गया, सर्वप्रथम, खंड 49.2 में निर्धारित सुलह प्रक्रिया के अनुसार सौहार्दपूर्ण ढंग से हल किए जाने का प्रयास किया जाएगा।

49.1.2. पक्षकार इस करार के अंतर्गत या उसके संबंध में उत्पन्न होने वाले सभी विवादों को तत्परता, न्यायसंगत रूप से और सद्भावपूर्वक हल करने के लिए अपने सर्वोत्तम प्रयासों का उपयोग करने के लिए सहमत हैं, तथा आगे किसी भी विवाद से संबंधित सभी गैर-विशेषाधिकार प्राप्त अभिलेखों, जानकारी और डेटा तक सामान्य व्यावसायिक घंटों के दौरान एक-दूसरे को युक्तियुक्त पहुंच प्रदान करने के लिए सहमत हैं।

49.2. सुलह

49.2.1. पक्षकारों के बीच किसी भी विवाद की स्थिति में, कोई भी पक्षकार इसके सौहार्दपूर्ण निपटारे तक पहुंचने में पक्षकारों की मध्यस्थता और सहायता करने के लिए स्वतंत्र अभियंता को बुला सकता है। स्वतंत्र अभियंता द्वारा मध्यस्थता विफल होने पर या स्वतंत्र अभियंता के हस्तक्षेप के बिना, कोई भी पक्षकार सौहार्दपूर्ण निपटारे के लिए ऐसे विवाद को प्राधिकरण के सीईओ या प्राधिकरण द्वारा नामित किसी अन्य व्यक्ति और रियायतग्राही के निदेशक मंडल के अध्यक्ष को संदर्भित करने की अपेक्षा कर सकता है, और ऐसे संदर्भ पर, उक्त व्यक्ति संदर्भ की तारीख से 7 (सात) दिनों से अनधिक बाद विवाद पर चर्चा करने और उसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के प्रयास के लिए मिलेंगे। यदि ऐसी बैठक 7 (सात) दिनों की अवधि के भीतर नहीं होती है या बैठक के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर विवाद सौहार्दपूर्ण ढंग से नहीं सुलझाया जाता है या खंड 49.1.1 में निर्दिष्ट लिखित सूचना के 30 (तीस) दिनों के भीतर, या पक्षकारों

द्वारा पारस्परिक रूप से सहमत ऐसी लंबी अवधि के भीतर, निपटान की लिखित शर्तों पर हस्ताक्षर द्वारा साक्ष्यित रूप से विवाद हल नहीं होता है, तो कोई भी पक्षकार खंड 49.3 के प्रावधानों के अनुसार विवाद को मध्यस्थता के लिए संदर्भित करेगा।

49.3. मध्यस्थता

49.3.1. विवादों को उनमें निहित प्रावधानों के अनुसार निर्णय करने की एईआरए की शक्ति और अधिकारिता से संबंधित एईआरए अधिनियम के प्रावधानों के अधीन, खंड 49.2 में किए गए प्रावधान के अनुसार सुलह द्वारा सौहार्दपूर्ण ढंग से हल न होने वाला कोई भी अन्य विवाद, खंड 49.3.2 के अनुसार एक मध्यस्थ अधिकरण को संदर्भ द्वारा अंतिम रूप से निर्णीत किया जाएगा। ऐसी मध्यस्थता, इंटरनेशनल सेंटर फॉर अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन, नई दिल्ली के मध्यस्थता नियमों (नियम), या पक्षकारों द्वारा पारस्परिक रूप से सहमत ऐसे अन्य नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी, और मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 या उसके किसी बाद के संशोधन या पुनःअधिनियमन ("अधिनियम") के प्रावधानों के अधीन होगी। ऐसी मध्यस्थता का स्थान लखनऊ होगा और मध्यस्थता कार्यवाहियों की भाषा अंग्रेजी होगी।

49.3.2. एक मध्यस्थ अधिकरण होगा जिसमें तीन मध्यस्थ शामिल होंगे, जिनमें से प्रत्येक पक्षकार एक का चयन करेगा, और तीसरे मध्यस्थ की नियुक्ति इस प्रकार चयनित दोनों मध्यस्थों द्वारा की जाएगी, और दोनों मध्यस्थों के बीच असहमति की स्थिति में, नियुक्ति अधिनियम के अनुसार की जाएगी।

49.3.3. मध्यस्थ अधिकरण एक तर्कसंगत पंचाट ("पंचाट") करेगा। इस अनुच्छेद 49 के अनुसरण में आयोजित किसी भी मध्यस्थता में किया गया कोई भी पंचाट इसे किए जाने की तारीख से पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा, और रियायतग्राही और प्राधिकरण ऐसे पंचाट को बिना विलंब के कार्यान्वित करने के लिए सहमत होते हैं और वचनबद्ध होते हैं।

49.3.4. रियायतग्राही और प्राधिकरण सहमत हैं कि किसी पंचाट को, जैसा भी मामला हो, रियायतग्राही और/या प्राधिकरण तथा उनकी संबंधित परिसंपत्तियों के विरुद्ध, जहां कहीं भी स्थित हों, प्रवर्तित किया जा सकता है।

49.3.5. यह करार तथा पक्षकारों के अधिकार और दायित्व, इस अंतर्गत किसी भी मध्यस्थता कार्यवाहियों में पंचाट लंबित रहने तक, पूर्ण बल और प्रभाव में बने रहेंगे।

49.4. अधिकरण द्वारा न्याय-निर्णयन

रियायतग्राही और प्राधिकरण के बीच विवादों पर न्याय-निर्णयन करने की शक्तियों वाले किसी सांविधिक अधिकरण या अन्य मंच के गठन की स्थिति में, ऐसे गठन के बाद उत्पन्न होने वाले सभी विवादों को, खंड 49.3 के अंतर्गत मध्यस्थता के संदर्भ के बजाय, लागू कानूनों के अनुसार ऐसे अधिकरण या अन्य मंच द्वारा न्याय-निर्णीत किया जाएगा और विवाद समाधान प्रक्रिया के सभी संदर्भों का तदनुसार निर्वचन किया जाएगा।

अनुच्छेद 50

50. प्रकटीकरण

50.1. विनिर्दिष्ट दस्तावेजों का प्रकटीकरण

रियायतग्राही किसी भी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण के लिए इस रियायत करार, रखरखाव नियमावली, रखरखाव कार्यक्रम, रखरखाव आवश्यकताओं और सुरक्षा आवश्यकताओं (इसके बाद सामूहिक रूप से "विनिर्दिष्ट दस्तावेज" के रूप में संदर्भित) की प्रतियां, रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय और हवाई अड्डे पर सभी कार्य दिवसों पर सामान्य व्यावसायिक घंटों के दौरान, नि:शुल्क उपलब्ध कराएगा। रियायतग्राही टर्मिनल भवन में प्रमुखता से ऐसे निरीक्षण हेतु विनिर्दिष्ट दस्तावेजों की उपलब्धता बताने वाली सार्वजनिक सूचनाएं प्रदर्शित करेगा, और किसी भी व्यक्ति को 'नो प्रॉफिट नो लॉस' के आधार पर प्रतिलिपि शुल्क के भुगतान पर उसी की प्रतियां प्रदान करेगा।

50.2. सुरक्षा से संबंधित दस्तावेजों का प्रकटीकरण

रियायतग्राही किसी भी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण के लिए हवाई अड्डे की सुरक्षा से संबंधित सभी दस्तावेजों और डेटा की प्रतियां, रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय में सभी कार्य दिवसों पर सामान्य व्यावसायिक घंटों के दौरान, नि:शुल्क उपलब्ध कराएगा। रियायतग्राही किसी भी व्यक्ति को 'नो प्रॉफिट नो लॉस' के आधार पर प्रतिलिपि शुल्क के भुगतान पर उसी की प्रतियां उपलब्ध कराएगा।

50.3. संरक्षित दस्तावेजों के प्रकटीकरण को रोकना

खंड 50.1 और 50.2 के प्रावधानों के होते हुए भी, प्राधिकरण के पास समय-समय पर रियायतग्राही को यह निर्देश देने का हकदार होगा कि पूर्वोक्त खंडओं के अनुसरण में किसी भी व्यक्ति को संरक्षित दस्तावेजों (जैसा नीचे परिभाषित है) के प्रकटीकरण को रोके।

स्पष्टीकरण:

संरक्षित दस्तावेज की अभिव्यक्ति का अर्थ खंड 50.1 और 50.2 में निर्दिष्ट विनिर्दिष्ट दस्तावेजों या दस्तावेजों में से ऐसे, या उनके भागों से होगा, जिनके प्रकटीकरण को रोकने का प्राधिकरण सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अंतर्गत हकदार है।

अनुच्छेद 51

51. सार्वजनिक शिकायतों का निवारण

51.1. शिकायत रजिस्टर

51.1.1. रियायतग्राही हवाई अड्डे पर एक जन संपर्क कार्यालय बनाए रखेगा जहां वह किसी भी व्यक्ति ("शिकायतकर्ता") द्वारा शिकायतों को दर्ज करने के लिए सभी समय पर सार्वजनिक पहुंच के लिए खुला एक रजिस्टर ("शिकायत रजिस्टर") रखेगा। शिकायत रजिस्टर की उपलब्धता और उस तक पहुंच से संबंधित जानकारी रियायतग्राही द्वारा टर्मिनल भवन में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाएगी ताकि इसे सभी उपयोगकर्ताओं के ध्यान में लाया जा सके।

51.1.2. शिकायत रजिस्टर सुरक्षित रूप से बंधा होगा और इसका प्रत्येक पृष्ठ विधिवत क्रमांकित होगा। इसमें शिकायत संख्या, तारीख, शिकायतकर्ता का नाम और पता, शिकायत का सार तथा रियायतग्राही द्वारा की गई कार्रवाई सहित उपयुक्त स्तंभ होंगे। किसी शिकायत के पंजीकृत होने के तुरंत बाद, रियायतग्राही शिकायतकर्ता को तारीख और शिकायत संख्या बताते हुए एक रसीद देगा।

51.1.3. खंड 51.1.1 और 51.1.2 के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्राधिकरण, रियायतग्राही के परामर्श से, इलेक्ट्रॉनिक रूप में शिकायतें करने तथा उनके प्रत्युत्तरों की प्रक्रिया विनिर्दिष्ट कर सकता है।

51.2. शिकायतों का निवारण

51.2.1. रियायतग्राही प्रतिदिन शिकायत रजिस्टर का निरीक्षण करेगा और प्रत्येक शिकायत के निवारण के लिए तत्काल तथा युक्तियुक्त कार्रवाई करेगा। की गई कार्रवाई को शिकायत रजिस्टर में संक्षेप में नोट किया जाएगा और उसके विवरणों को बताने वाला एक उत्तर रियायतग्राही द्वारा डाक प्रमाणपत्र के अंतर्गत शिकायतकर्ता को भेजा जाएगा।

51.2.2. प्रत्येक माह की समाप्ति के 7 (सात) दिनों के भीतर, रियायतग्राही प्राधिकरण और स्वतंत्र अभियंता को शिकायत रजिस्टर के उन सभी पृष्ठों की एक-एक सत्य फोटोप्रति भेजेगा जिन पर ऐसे माह के दौरान कोई प्रविष्टि दर्ज की गई हो, और उसका अवलोकन करने पर,

प्राधिकरण, अपने विवेकानुसार, रियायतग्राही को किसी भी शिकायत के उचित और न्यायसंगत निवारण के लिए ऐसी आगे की कार्रवाई करने की सलाह दे सकता है जो प्राधिकरण उपयुक्त समझे। रियायतग्राही ऐसी सलाह पर विचार करेगा और इस पर अपने निर्णय की प्राधिकरण को सूचना देगा, और यदि प्राधिकरण की राय है कि शिकायतकर्ता और राहत का हकदार है, तो वह मामले को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अंतर्गत इसके निपटान के लिए सक्षम मंच को संदर्भित कर सकता है, और शिकायतकर्ता को अपने स्वयं के जोखिम और लागत पर शिकायत को आगे बढ़ाने की सलाह दे सकता है।

अनुच्छेद 52

52. प्रकीर्ण

52.1. शासी कानून और अधिकारक्षेत्र

यह करार भारत के कानूनों के अनुसार निर्वचित और निर्वाचित किया जाएगा और उनके द्वारा शासित होगा, तथा राज्य में न्यायालयों का इस करार से उत्पन्न होने वाले या इससे संबंधित मामलों पर अनन्य रूप से अधिकारक्षेत्र होगी।

52.2. छूट का अधित्याग

प्रत्येक पक्षकार बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से:

(क) सहमत होता है कि इस करार का इसके द्वारा निष्पादन, सुपुर्दगी और प्रदर्शन वाणिज्यिक उद्देश्य के लिए किए गए और निष्पादित वाणिज्यिक कार्य होंगे;

(ख) सहमत होता है कि, इस करार के संबंध में या इस करार द्वारा परिकल्पित किसी भी लेनदेन के संबंध में किसी भी अधिकारिता में इसके या इसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के विरुद्ध कोई कार्यवाही लाई जाने की स्थिति में, ऐसी कार्यवाहियों से (चाहे संप्रभुता के कारण हो या अन्यथा) उसकी परिसंपत्तियों के संबंध में पक्षकार द्वारा या उसकी ओर से किसी छूट का दावा नहीं किया जाएगा;

(ग) छूट के किसी भी अधिकार का त्याग करता है जो इसके पास या इसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के पास अब है, भविष्य में हो सकता है या जिसे किसी अधिकारक्षेत्र में इसे आरोपित किया जा सकता है; और

(घ) किसी भी ऐसी कार्यवाहियों में अपने विरुद्ध किसी भी निर्णय या पंचाट के प्रवर्तन के संबंध में सामान्यतः किसी भी अधिकारक्षेत्र में ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में किसी भी राहत के प्रदान करने या किसी प्रक्रिया के जारी करने के लिए सहमति देता है (जिसमें इसके विरुद्ध या इसकी किसी भी परिसंपत्ति, संपत्ति या राजस्व के संबंध में करना,

प्रवर्तन या निष्पादन शामिल है, चाहे उनका उपयोग या आशयित उपयोग इसके संबंध में बनाए गए या दिए गए किसी आदेश या निर्णय का कुछ भी हो)।

52.3. मूल्यह्रास

लागू कानूनों के अंतर्गत मूल्यह्रास के प्रयोजनों के लिए, परियोजना परिसंपत्तियों में रियायतग्राही द्वारा किए गए पूंजीगत निवेश दर्शाने वाली संपत्ति को रियायतग्राही द्वारा अर्जित और स्वामित्व में माना जाएगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, प्राधिकरण लागू कानूनों के अंतर्गत रियायतग्राही द्वारा किए जाने वाले मूल्यह्रास के दावों के संबंध में किसी भी रीति से उत्तरदायी नहीं होगा।

52.4. विलंबित भुगतान

52.4.1. इसके पक्षकार सहमत हैं कि इस करार के प्रावधानों के अंतर्गत एक पक्षकार से दूसरे पक्षकार को देय भुगतान इसमें निर्धारित अवधि के भीतर किए जाएंगे, और यदि ऐसी कोई अवधि विनिर्दिष्ट नहीं है, तो आवश्यक विवरणों सहित मांग की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर। जब तक इस करार में अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, ऐसी अवधि से परे विलंब की स्थिति में, चूक करने वाला पक्षकार बैंक दर से 3% (तीन प्रतिशत) अधिक की दर से गणना किए गए विलंब की अवधि के लिए ब्याज का भुगतान करेगा, और उसकी वसूली, इसकी समाप्ति सहित इस करार के अंतर्गत पक्षकारों के अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगी।

52.4.2. जब तक अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, इस करार के अंतर्गत देय कोई भी ब्याज दैनिक बकाया आधार पर उपचित होगा और त्रैमासिक विश्रामों के आधार पर चक्रवृद्धि होगा।

52.5. त्याग

52.5.1. इस करार के अंतर्गत किसी भी प्रावधान या दायित्वों के अनुपालन और निष्पादन में दूसरे पक्षकार के किसी भी चूक के लिए किसी भी पक्षकार द्वारा त्याग, जिसमें आंशिक या सशर्त त्याग शामिल है:

(क) इसके किसी अन्य या बाद के डिफॉल्ट या इस करार के अंतर्गत अन्य प्रावधानों या दायित्वों के त्याग के रूप में संचालित या निर्वचित नहीं किया जाएगा;

(ख) प्रभावी नहीं होगा जब तक यह लिखित रूप में हो और पक्षकार के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निष्पादित न हो; और

(ग) इस करार की वैधता या प्रवर्तनीयता को किसी भी रीति से प्रभावित नहीं करेगा।

52.5.2. न तो किसी भी अवसर पर इस करार की शर्तों, स्थितियों और प्रावधानों या इस अंतर्गत किसी दायित्व के निष्पादन पर जोर देने में किसी पक्षकार की विफलता और न ही एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दी गई समय या अन्य रियायत को ऐसे उल्लंघन के त्याग या इस अंतर्गत किसी भिन्नता की स्वीकृति या किसी ऐसे अधिकार के परित्याग के रूप में समझा या माना जाएगा।

52.6. दस्तावेजों और रेखाचित्रों की समीक्षा के लिए दायित्व

सिवाय जहां इस करार में स्पष्ट रूप से प्रावधानित हो:

(क) रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत किसी भी परियोजना करार, दस्तावेज या रेखाचित्र की प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता द्वारा कोई समीक्षा, टिप्पणी या अनुमोदन न ही हवाई अड्डे के निर्माण, संचालन या रखरखाव का कोई अवलोकन या निरीक्षण न ही इस अंतर्गत समीक्षा, अनुमोदन, टिप्पणी, अवलोकन या निरीक्षण करने में विफलता, रियायतग्राही को इस करार, लागू कानूनों और लागू अनुज्ञप्तियों के अंतर्गत अपने दायित्वों, कर्तव्यों और देयताओं से मुक्त या दोषमुक्त करेगी; और

(ख) प्राधिकरण उपरोक्त उप-खंड (क) में संदर्भित किसी समीक्षा, टिप्पणी, अनुमोदन, अवलोकन या निरीक्षण के कारण रियायतग्राही के प्रति उत्तरदायी नहीं होगा।

52.7. निहित वारंटियों आदि का अपवर्जन

यह करार स्पष्ट रूप से कानून द्वारा या प्रथा द्वारा या अन्यथा पक्षकारों के बीच किसी अन्य करार से उत्पन्न या किसी भी पक्षकार द्वारा किसी अभ्यावेदन से निहित किसी भी वारंटी, शर्त या अन्य वचनबद्धता को अपवर्जित करता है, जो दोनों पक्षकारों द्वारा निष्पादित एक बाध्यकारी विधिक करार में निहित न हो।

52.8. उत्तरजीविता

52.8.1. समाप्ति:

(क) रियायतग्राही या प्राधिकरण को, जैसा भी मामला हो, इस अंतर्गत किसी भी दायित्व से मुक्त नहीं करेगी जो स्पष्ट रूप से या निहितार्थ से इस अंतर्गत समाप्ति के बाद बने रहते हैं; और

(ख) सिवाय जैसा इस करार के किसी भी प्रावधान में स्पष्ट रूप से किसी भी पक्षकार के दायित्व को सीमित करते हुए अन्यथा प्रावधान किया गया हो, किसी भी पक्षकार को ऐसी समाप्ति के प्रभावी होने से पूर्व या ऐसी समाप्ति से उत्पन्न ऐसे पक्षकार के कार्यों या चूकों से उत्पन्न या उनके कारण दूसरे पक्षकार को हानि या क्षति के लिए किसी भी दायित्वों या देयताओं से मुक्त नहीं करेगी।

52.8.2. समाप्ति के बाद बने रहने वाले सभी दायित्व केवल ऐसी समाप्ति की तारीख के बाद 3 (तीन) वर्षों की अवधि के लिए बने रहेंगे।

52.9. संपूर्ण करार

यह करार और अनुसूचियां मिलकर पक्षकारों के बीच इस विषय पर करार की शर्तों का एक पूर्ण और अनन्य विवरण गठित करती हैं, और इसमें कोई भी संशोधन या परिवर्तन वैध और प्रभावी नहीं होगा जब तक ऐसा परिवर्तन या संशोधन पक्षकारों द्वारा लिखित रूप में सहमत न हो तथा संबंधित पक्षकारों द्वारा इस संबंध में विशेष रूप से सशक्त व्यक्तियों द्वारा विधिवत निष्पादित न हो। इस करार से संबंधित हर प्रकार की सभी पूर्व लिखित या मौखिक समझ, प्रस्ताव या अन्य संचार निरस्त और वापस लिए जाते हैं। संदेह की निवृत्ति के लिए, इसके पक्षकार सहमत हैं कि अर्हता अनुरोध सह प्रस्तावों से उत्पन्न रियायतग्राही के किसी भी दायित्व को इस करार का भाग बनाने वाला माना जाएगा और उसी रूप में व्यवहार किया जाएगा।

52.10. प्रथक्करणाता

यदि किसी भी कारण से, इस करार का कोई भी प्रावधान अमान्य, गैरकानूनी या अप्रवर्तनीय है या बन जाता है या किसी सक्षम अधिकारक्षेत्र वाले न्यायालय या किसी अन्य प्रकार अमान्य, गैरकानूनी या अप्रवर्तनीय घोषित किया जाता है, तो शेष प्रावधानों की वैधता, कानूनी वैधता या प्रवर्तनीयता किसी भी रीति से प्रभावित नहीं होगी, और पक्षकार ऐसे अमान्य, अप्रवर्तनीय

या गैरकानूनी प्रावधानों के लिए, ऐसे अमान्य, गैरकानूनी या अप्रवर्तनीय प्रावधान के जितना व्यावहारिक हो सके निकट, प्रतिस्थापित किए जा सकने वाले एक या अधिक प्रावधानों पर सहमत होने के दृष्टिकोण से सद्भावपूर्वक बातचीत करेंगे। किसी भी ऐसे प्रावधानों पर सहमत होने में विफलता इस करार के अंतर्गत या अन्यथा निर्धारित विवाद समाधान प्रक्रिया के अधीन नहीं होगी।

52.11. कोई भागीदारी नहीं

इस करार को पक्षकारों के बीच कोई संगम, संयुक्त उपक्रम या भागीदारी बनाने के रूप में, या किसी भी पक्षकार पर कोई भागीदारी दायित्व या देयता लगाने के रूप में निर्वचित या निर्मित नहीं किया जाएगा, और किसी भी पक्षकार के पास दूसरे पक्षकार के लिए या उसकी ओर से कोई करार या वचनबद्धता में प्रवेश करने या कार्य करने, या दूसरे पक्षकार के अभिकर्ता या प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने या होने, या अन्यथा दूसरे पक्षकार को बाध्य करने का कोई अधिकार, शक्ति या प्राधिकार नहीं होगा।

52.12. तृतीय पक्ष

यह करार केवल पक्षकारों, और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुज्ञात समनुदेशितियों के लाभ के लिए आशयित है, और इस करार में कुछ भी इस करार का पक्षकार न होने वाले किसी व्यक्ति के प्रति कोई कर्तव्य, देखभाल का मानक, या कोई देयता निर्मित करने के रूप में निर्वचित नहीं किया जाएगा।

52.13. उत्तराधिकारी और समनुदेशिती

यह करार पक्षकारों और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुज्ञात समनुदेशितियों पर बाध्यकारी होगा, और उनके लाभ के लिए प्रभावी होगा।

52.14. सूचनाएं

इस करार द्वारा परिकल्पित मामलों के अंतर्गत या उनके संबंध में किसी भी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दी जाने वाली कोई भी सूचना या अन्य संचार लिखित रूप में होगा और:

(क) रियायतग्राही के मामले में, फैक्स या ई-मेल द्वारा तथा नीचे दिए गए पते पर हाथ से सुपुर्द किए गए पत्र द्वारा और नीचे दिए गए व्यक्ति के ध्यानार्थ चिह्नित करके, या

ऐसे अन्य व्यक्ति को, जिसे रियायतग्राही समय-समय पर प्राधिकरण को सूचना द्वारा नामित कर सकता है, दिया जाएगा; बशर्ते कि उप-खंड (ख) में विनिर्दिष्ट शहर के बाहर किसी पते पर दी जाने वाली सूचनाएं या अन्य संचार, यदि वे बाद में पावती सहित पंजीकृत डाक, एयर मेल या कूरियर द्वारा इसकी एक प्रति भेजकर पुष्टि किए जाते हैं, तो फैक्स या ई-मेल द्वारा उस संख्या पर भेजे जा सकते हैं जिसे रियायतग्राही समय-समय पर प्राधिकरण को सूचना द्वारा नामित कर सकता है।

ध्यानार्थ: श्री क्रिस्टॉफ श्नेलमन

पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड

पता: एस्क हाउस, 155, प्रथम और द्वितीय तल, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज 3, नई दिल्ली 110020

फैक्स नंबर:

ई-मेल: Christoph.Schnellmann@zurich-airport.com

(ख) प्राधिकरण के मामले में, फैक्स या ई-मेल द्वारा तथा नीचे दिए गए पते पर हाथ से सुपुर्द किए गए पत्र द्वारा दिया जाएगा और नीचे नामित व्यक्ति को संबोधित किया जाएगा, जिसकी एक प्रति प्राधिकरण प्रतिनिधि को या ऐसे अन्य व्यक्ति को दी जाएगी जिसे प्राधिकरण समय-समय पर रियायतग्राही को सूचना द्वारा नामित कर सकता है; बशर्ते कि यदि रियायतग्राही के पास प्राधिकरण के समान शहर में कोई कार्यालय नहीं है, तो वह ऐसी सूचना फैक्स या ई-मेल द्वारा तथा पावती सहित पंजीकृत डाक, एयर मेल या कूरियर द्वारा भेज सकता है।

नाम: डॉ. अरुण वीर सिंह

पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

पता: प्रथम तल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, पॉकेट 2, सेक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, पिन-201308

फैक्स नंबर: +91 1202395150

ई-मेल: ceo@nialjewar.com

; और

(ग) एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दी गई इसके अनुसार कोई भी सूचना या संचार तब सुपुर्द की गई मानी जाएगी जब डाक के सामान्य क्रम में इसे सुपुर्द किया जाना चाहिए था और अन्य सभी मामलों में, इसे सुपुर्दगी की वास्तविक तारीख और समय पर सुपुर्द किया गया माना जाएगा; बशर्ते कि फैक्स या ई-मेल के मामले में, इसे इसकी सुपुर्दगी की तारीख के अगले कार्य दिवस पर सुपुर्द किया गया माना जाएगा।

52.15. भाषा

एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दी जाने वाली सभी आवश्यक सूचनाएं तथा इस करार से किसी भी रीति से प्रासंगिक अन्य सभी संचार, प्रलेखन और कार्यवाहियां लिखित रूप में और अंग्रेजी भाषा में होंगी।

52.16. प्रतिलिपियां

यह करार दो प्रतिलिपियों में निष्पादित किया जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक, निष्पादित और सुपुर्द किए जाने पर, इस करार का एक मूल पाठ होगा।

अनुच्छेद 53

53. परिभाषाएं

53.16. परिभाषाएं

इस करार में, निम्नलिखित शब्दों और अभिव्यक्तियों का, जब तक संदर्भ या उनके अर्थ के विपरीत न हो, वही अर्थ होगा जो इसके बाद उन्हें क्रमशः सौंपा गया है:

"एएआई" का अर्थ है भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत स्थापित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण;

"अधिनियम" का वही अर्थ होगा जो खंड 49.3 के अंतर्गत इसे सौंपा गया है;

"एईआर" का अर्थ है एईआर अधिनियम के अंतर्गत स्थापित भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण, और इसमें लागू कानूनों के अनुसार एईआर के कार्यों और प्राधिकारों को प्रतिस्थापित या अधिक्रमित करने वाला कोई अन्य विनियामक प्राधिकरण शामिल होगा;

"एईआर अधिनियम" का अर्थ है विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008, जैसा समय-समय पर संशोधित, परिवर्तित और अधिक्रमित हो;

"एटीसी" का अर्थ है विमान यातायात नियंत्रण, और इसमें हवाईअड्डे पर स्थित टावर तथा संबद्ध भवन और उपकरण शामिल हैं;

"एटीसी सुविधा" का अर्थ है हवाईअड्डे पर वायु यातायात सेवा परिसर, जिसमें एटीसी टावर, तकनीकी ब्लॉक और इसके कर्मियों के लिए संलग्न पार्किंग सहित कार्यालय आवास शामिल है, जिसमें वातानुकूलन तथा बिजली और पानी की निरंतर आपूर्ति का प्रावधान है;

"लेखा वर्ष" का अर्थ है किसी भी कैलेंडर वर्ष की 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाला और अगले कैलेंडर वर्ष की 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष;

"अतिरिक्त अंकेक्षक" का वही अर्थ होगा जो खंड 38.2.3 में निर्धारित है;

"अतिरिक्त समाप्ति भुगतान" का अर्थ है विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियों के संबंध में समाप्ति पर देय राशि, यदि कोई हो, जैसा खंड 42.4.3, 42.4.4 और 42.4.5 के प्रावधानों द्वारा सीमित हो, जैसा भी मामला हो;

"समायोजित मूल्यह्रासित मूल्य" का अर्थ है किसी परिसंपत्ति के मूल्यह्रासित बही मूल्य (जैसा रियायतग्राही के लेखा बहियों में बताया गया हो, सिवाय भवनों और स्थायी संरचनाओं के मामले में जहां मूल्यह्रासित बही मूल्य लिखित-डाउन मूल्य पद्धति के आधार पर 3% (तीन प्रतिशत) की वार्षिक मूल्यह्रास दर लागू करके निर्धारित किया जाएगा) को समायोजित करने के बाद प्राप्त राशि, ताकि इसकी खरीद की तारीख और हस्तांतरण तिथि के बीच मूल्य सूचकांक में होने वाले परिवर्तन को दर्शाया जा सके;

"समायोजित इक्विटी" का अर्थ है भारतीय रुपयों में वित्तपोषित इक्विटी जिसे वर्तमान माह के पहले दिन ("संदर्भ तिथि") पर, मूल्यह्रास और मूल्य सूचकांक में परिवर्तनों के खाते में इसके मूल्य में परिवर्तन को दर्शाने के लिए, नीचे निर्धारित रीति से समायोजित किया गया हो, और होने वाली किसी भी संदर्भ तिथि के लिए:

चरण-I के सीओडी पर या उससे पहले, समायोजित इक्विटी भारतीय रुपयों में वित्तपोषित और परियोजना पर व्यय की गई इक्विटी के बराबर एक राशि होगी, जिसे नियत तिथि के माह के पहले दिन और संदर्भ तिथि के बीच होने वाले मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के आधे के अनुसार संशोधित किया जाएगा;

(क) चरण-I के सीओडी से और उसकी चौथी वर्षगांठ तक, चरण-I के सीओडी पर समायोजित इक्विटी के बराबर राशि को आधार ("आधार समायोजित इक्विटी") माना जाएगा और इस अंतर्गत समायोजित इक्विटी आधार समायोजित इक्विटी के बराबर एक राशि होगी, जिसे चरण-I के सीओडी का अनुसरण करने वाले प्रत्येक माह के प्रारंभ में चरण-I के सीओडी और संदर्भ तिथि के बीच होने वाले मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के अनुसार संशोधित किया जाएगा; और

(ख) चरण-I के सीओडी की चौथी वर्षगांठ के बाद, इस अंतर्गत समायोजित इक्विटी आधार समायोजित इक्विटी के बराबर एक राशि होगी, जिसे चरण-I के सीओडी की चौथी वर्षगांठ का अनुसरण करने वाले प्रत्येक माह के प्रारंभ में इसके 0.17% (शून्य दशमलव एक

सात प्रतिशत) से घटाया जाएगा और इस प्रकार प्राप्त राशि को चरण-I के सीओडी और संदर्भ तिथि के बीच होने वाले मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के अनुसार संशोधित किया जाएगा;

और पूर्वोक्त, यथोचित परिवर्तनों सहित, खंड 12.8 और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के विस्तार के लिए वित्तपोषित और व्यय की गई भारतीय रुपयों में इक्विटी पर लागू होगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, समायोजित इक्विटी की, समाप्ति की स्थिति में, हस्तांतरण तिथि से ठीक पूर्ववर्ती संदर्भ तिथि पर गणना की जाएगी; बशर्ते कि समायोजित इक्विटी में उस अवधि के बराबर अवधि के लिए कोई कमी नहीं की जाएगी, यदि कोई हो, जिसके लिए रियायत अवधि का विस्तार किया गया है, किंतु मूल्य सूचकांक के खाते में संशोधन जारी रहेगा;

"वैमानिकी परिसंपत्तियां" का अर्थ है वे परिसंपत्तियां जो हवाईअड्डे पर वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के लिए आवश्यक या अपेक्षित हैं और इसमें ऐसी अन्य परिसंपत्तियां शामिल होंगी जिन्हें रियायतग्राही इस करार के प्रावधानों के अनुसार, वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के लिए या उसके संबंध में, समय-समय पर खरीद सकता है, और इसमें गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां और सिटी साइड विकास शामिल नहीं हैं;

"वैमानिकी प्रभार" का अर्थ है एईआर द्वारा अनुमोदित वैमानिकी सेवाओं के लिए प्रभार, जिन्हें रियायतग्राही द्वारा लगाया, एकत्रित और विनियोजित किया जा सकता है;

"वैमानिकी राजस्व" का अर्थ है लागू कानूनों के अनुसार एईआर द्वारा निर्धारित समग्र राजस्व आवश्यकता;

"वैमानिकी सेवाएं" का वही अर्थ है जो हवाईअड्डे पर प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में एईआर अधिनियम में निर्धारित है;

"प्रभावित पक्षकार" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.1 में निर्धारित है;

"करार" या "रियायत करार" का अर्थ है यह करार, इसकी प्रस्तावनाएं, इसकी अनुसूचियां तथा इस करार में निहित प्रावधानों के अनुसार किए गए इसमें कोई भी संशोधन;

"विमान ईंधन भरण सेवाएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 18.3.1 में निर्धारित है;

"एयरफील्ड लाइटिंग प्रणाली" का अर्थ है हवाईअड्डे पर प्रकाश व्यवस्था प्रणालियां, जिसमें रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच के संबंध में वे प्रणालियां शामिल हैं जो संबंधित आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों में निहित प्रावधानों के अनुसार विमान संचालन और वायुक्षेत्र श्रेणी हवाई अड्डों के लिए अपेक्षित हैं;

"हवाईअड्डा" का अर्थ है प्रस्तावनाओं में विनिर्दिष्ट स्थान पर स्थित हवाईअड्डा, और इसमें सिविल, मैकेनिकल और विद्युत कार्य, टर्मिनल भवन, रनवे और हवाईअड्डे के संचालन के लिए आवश्यक तथा उससे संबद्ध सभी परियोजना परिसंपत्तियां शामिल हैं, और इसमें सिटी साइड विकास भी शामिल होगा;

"उपांग" का वही अर्थ होगा जो खंड 10.3.1 में निर्धारित है;

"लागू कानून" का अर्थ है जीओआई या राज्य सरकार द्वारा बल और प्रभाव में लाए गए सभी कानून, जिसमें उनके अंतर्गत बनाए गए नियम, विनियम और अधिसूचनाएं, तथा इस करार पर तथा इसके अंतर्गत पक्षकारों के संबंधित अधिकारों और दायित्वों के प्रयोग, निष्पादन और निर्वहन पर लागू किसी भी अभिलेख न्यायालय के निर्णय, डिक्री, व्यादेश, रिट और आदेश शामिल हैं, जैसा इस करार के अस्तित्व के दौरान बल और प्रभाव में हो;

"लागू अनुज्ञप्तियां" का अर्थ है इस करार के अस्तित्व के दौरान हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और रखरखाव के संबंध में लागू कानूनों के अंतर्गत प्राप्त या बनाए रखने के लिए अपेक्षित सभी क्लीयरेंस, लाइसेंस, अनुज्ञाएं, प्राधिकरण, अनापत्ति प्रमाणपत्र, सहमतियां, अनुमोदन और छूटें;

"नियत तिथि" का अर्थ है वह तारीख जिसको वित्तीय समापन प्राप्त होता है और इस करार के प्रावधानों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, प्रत्येक पूर्ववर्ती शर्त या तो पूर्ण होती है या इसका त्याग किया जाता है, और ऐसी तारीख रियायत अवधि के प्रारंभ की तारीख होगी;

"अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता" का अर्थ है आयकर विभाग द्वारा ऐसे रूप में मान्यता प्राप्त मूल्यांकनकर्ताओं की एक फर्म तथा जिसे प्रत्येक रु. 100 करोड़ (एक सौ करोड़ रुपये) से अधिक मूल्य की कम से कम 5 (पांच) संपत्तियों के मूल्यांकन का अनुभव हो;

"वास्तुशिल्प डिजाइन" का वही अर्थ होगा जो खंड 12.1.2 में निर्धारित है;

"सहयोगी" या "संबद्ध कंपनी" का अर्थ है, किसी भी पक्षकार के संबंध में, ऐसा व्यक्ति जो ऐसे पक्षकार को नियंत्रित करता है, उसके द्वारा नियंत्रित है, या उसके साथ सामान्य नियंत्रण के अंतर्गत है (इस परिभाषा में प्रयुक्त, "नियंत्रण" की अभिव्यक्ति का अर्थ, किसी ऐसे व्यक्ति के संबंध में जो एक कंपनी या निगम है,

(क) ऐसे व्यक्ति के मतदान शेयरों के 50% (पचास प्रतिशत) से अधिक का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष स्वामित्व; या

(ख) एक करार के आधार पर ऐसे व्यक्ति के मतदान अधिकारों का 50% (पचास प्रतिशत) से अधिक धारण करना; या

(ग) किसी संविधि या करार के अंतर्गत ऐसे व्यक्ति के नीतिगत निर्णयों को शासित करने की शक्ति; या

(घ) निदेशक मंडल के बहुसंख्यक सदस्यों को नियुक्त या हटाना; या

(ङ) निदेशक मंडल की बैठक में बहुसंख्यक मत डालना; और ऐसे व्यक्ति के संबंध में जो कंपनी या निगम नहीं है, कानून के प्रवर्तन द्वारा या संविदा द्वारा या अन्यथा ऐसे व्यक्ति के प्रबंधन और नीतियों को निर्देशित करने की शक्ति।

"प्राधिकरण" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावनाओं में निर्धारित पक्षकारों की सूची में इसे बताया गया है;

"प्राधिकरण की ओर से चूक" का वही अर्थ होगा जो खंड 42.2.1 में निर्धारित है;

"प्राधिकरण प्रतिनिधि" का अर्थ है ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति जिसे प्राधिकरण द्वारा इस करार के अंतर्गत उसकी ओर से कार्य करने के लिए लिखित रूप में प्राधिकृत किया जा सकता है और इसमें ऐसा कोई भी व्यक्ति या व्यक्ति शामिल होंगे जिन्हें इस करार के अंतर्गत प्राधिकरण के किसी भी अधिकार का प्रयोग करने या किसी भी दायित्व को निष्पादित और पूरा करने का प्राधिकार हो;

"औसत दैनिक राजस्व" का अर्थ है ठीक पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की कुल फीस को 365 (तीन सौ पैंसठ) से विभाजित करके प्राप्त राशि, तथा उसके भागफल को 5% (पांच प्रतिशत) से बढ़ाना;

बशर्ते कि चरण-I के सीओडी के बाद पहले लेखा वर्ष के पूर्ण होने से पूर्व किसी भी अवधि के लिए औसत दैनिक राजस्व, चरण-I के सीओडी और इस अंतर्गत गणना की आवश्यकता वाली घटना घटित होने की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती माह के अंतिम दिन के बीच प्रतिदिन एकत्रित फीस का एक साधारण औसत होगा, और यदि यातायात के किसी भाग द्वारा देय फीस किसी भी कारण से प्राप्त नहीं हुई है, तो ऐसी अवधि के औसत दैनिक राजस्व का भाग बनाने के लिए स्वतंत्र अभियंता द्वारा इसका एक आकलन किया जाएगा;

"पंचाट" का वही अर्थ होगा जो खंड 49.3.3 में निर्धारित है;

"बीसीएएस" का अर्थ है नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो;

"बैंक" का अर्थ है भारत में निगमित तथा रु. 1,000 करोड़ (एक हजार करोड़ रुपये) की न्यूनतम शुद्ध संपत्ति रखने वाला एक बैंक या वरिष्ठ ऋणदाताओं को स्वीकार्य कोई अन्य बैंक;

"बैंक दर" का अर्थ है भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 49 के अनुसरण में समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट ब्याज दर या तत्समय प्रभावी ऐसी बैंक दर का कोई प्रतिस्थापन;

"बोली" का अर्थ है अर्हता अनुरोध सह प्रस्ताव के अनुसरण में चयनित बोलीदाता द्वारा उसके प्रावधानों के अनुसार प्रस्तुत बोली में सम्मिलित संपूर्णता में दस्तावेज तथा "बोलियों" का अर्थ किसी भी और सभी बोलीदाताओं द्वारा प्रस्तुत बोलियां होंगी;

"बोली तिथि" का अर्थ है अर्हता अनुरोध सह प्रस्ताव के प्रावधानों के अनुसार बोली प्रस्तुत किए जाने की अंतिम तारीख;

"बोली प्रतिभूति" का अर्थ है अर्हता अनुरोध सह प्रस्तावों के अनुसार बोली के साथ रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को प्रदान की गई प्रतिभूति, जो निष्पादन प्रतिभूति द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने तक बल में बनी रहेगी;

"सीएनएस/एटीएम उपकरण" का अर्थ है सीएनएस/एटीएम सेवाओं के निष्पादन के लिए नामित जीओआई अभिकरण द्वारा अपेक्षित सभी उपकरण;

"सीएनएस/एटीएम सेवाएं" का अर्थ है संचार, नेविगेशन और निगरानी, तथा वायु यातायात प्रबंधन सेवाएं जो हवाईअड्डे पर ऐसे वायुक्षेत्र के पार्श्विक और उर्ध्वाधर सीमाओं के भीतर वायुक्षेत्र विन्यास के अनुरूप प्रदान की जानी हैं, और इसमें शामिल हैं:

(क) एप्रन नियंत्रण को छोड़कर सतह संचलन नियंत्रण या भू-नियंत्रण सहित एयरोड्रोम नियंत्रण सेवा;

(ख) एप्रोच नियंत्रण/एप्रोच रडार नियंत्रण सेवा;

(ग) क्षेत्र नियंत्रण/क्षेत्र रडार नियंत्रण सेवा (यदि योजनाबद्ध हो); और

(घ) संबद्ध सेवाएं जैसे वैमानिकी सूचना सेवा, उड़ान सूचना सेवा, परामर्शी सेवा, चेतावनी सेवा और खोज व बचाव समन्वय सेवाएं, जैसा उपयुक्त हो, सभी संबंधित आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों में निहित प्रावधानों के अनुसार तथा हवाईअड्डे पर विमान संचालन के लिए अपेक्षित;

"सीओडी" या "वाणिज्यिक संचालन तिथि" का वही अर्थ होगा जो खंड 15.1 में निर्धारित है;

"सीपीआई (आईडब्लू)" का अर्थ है श्रम ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और इसमें सीपीआई (आईडब्लू) को प्रतिस्थापित करने वाला कोई भी सूचकांक शामिल होगा, तथा सीपीआई (आईडब्लू) के किसी भी संदर्भ का, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, पूर्ववर्ती तिमाही के साथ समाप्त होने वाली अवधि के लिए प्रकाशित सीपीआई (आईडब्लू) के संदर्भ के रूप में निर्वचन किया जाएगा;

"कार पार्क" का वही अर्थ होगा जो खंड 12.6.1 में निर्धारित है;

"कार्गो सुविधाएं" का अर्थ है इस करार के अनुच्छेद 21 के प्रावधानों के अनुसार आवक और जावक कार्गो के संचालन के लिए अपेक्षित रियल एस्टेट, भवन, संरचनाएं और उपकरण, जिसमें उसका अल्पकालिक भंडारगृहीकरण भी शामिल है, जैसा भी मामला हो;

"कानून में परिवर्तन" का अर्थ है बोली तिथि के बाद निम्नलिखित में से किसी की घटना:

(क) किसी नए भारतीय कानून का अधिनियमन;

(ख) किसी विद्यमान भारतीय कानून का निरसन, संशोधन या पुनःअधिनियमन;

(ग) किसी भारतीय कानून का प्रारंभ जो बोली तिथि तक प्रभावी नहीं हुआ था;

(घ) किसी अभिलेख न्यायालय के निर्णय द्वारा किसी भारतीय कानून के निर्वचन या अनुप्रयोग में परिवर्तन जो अंतिम, निर्णायक और बाध्यकारी हो गया हो, जैसा बोली तिथि से पूर्व किसी अभिलेख न्यायालय द्वारा ऐसे निर्वचन या अनुप्रयोग की तुलना में हो; या

(ङ) परियोजना पर प्रत्यक्ष प्रभाव रखने वाले किसी भी करों की दरों में कोई परिवर्तन;

"स्वामित्व में परिवर्तन" का अर्थ है किसी भी शेयरों, या शेयरों में परिवर्तनीय प्रतिभूतियों के प्रत्यक्ष और/या अप्रत्यक्ष विधिक या हितलाभी स्वामित्व का हस्तांतरण, जो (i) चयनित बोलीदाता की, उसके सहयोगियों सहित, कुल इक्विटी में समग्र धारिता को चरण-I के सीओडी की 7वीं (सातवीं) वर्षगांठ तक 51% (इक्यावन प्रतिशत) से नीचे गिरने का कारण बनता है, और (ii) प्रत्येक कंसोर्शियम सदस्य की, उसके सहयोगियों सहित, इक्विटी धारिता को, जिनकी तकनीकी और वित्तीय क्षमता का मूल्यांकन आरएफक्यू-सीयूएस-आरएफपी के अनुसरण में पूर्व-अर्हता और लघु-सूचीकरण के प्रयोजनों के लिए किया गया था, चरण-I के सीओडी की 7वीं (सातवीं) वर्षगांठ तक 26% (छब्बीस प्रतिशत) से नीचे गिरने का कारण बनता है; बशर्ते कि चयनित बोलीदाता की कुल इक्विटी में इक्विटी धारिता के अनुपात में कोई भी सारभूत परिवर्तन (बोली प्रक्रिया के दौरान पात्रता की न्यूनतम शर्तों को पूरा करने के प्रयोजनों के लिए या उसके आवेदन या बोली के मूल्यांकन के लिए रियायतग्राही द्वारा किए गए प्रतिनिधित्वों की तुलना में, जैसा भी मामला हो), यदि यह चरण-I के सीओडी से पूर्व होता है, तो स्वामित्व में परिवर्तन होगा;

"क्षेत्र परिवर्तन" का वही अर्थ होगा जो खंड 16.1 में निर्धारित है;

"क्षेत्र परिवर्तन आदेश" का वही अर्थ होगा जो खंड 16.2.3 में निर्धारित है;

"क्षेत्र परिवर्तन सूचना" का वही अर्थ होगा जो खंड 16.2.1 में निर्धारित है;

"चेक-इन सेवाएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 19.6.1 में निर्धारित है;

"शिकागो अभिसमय" का अर्थ है शिकागो अभिसमय 1944, जैसा समय-समय पर संशोधित और/या पूरक हो; और शिकागो अभिसमय के किसी "अनुबंध" के संदर्भों का अर्थ ऐसे अनुबंध से होगा, जैसा समय-समय पर संशोधित और/या पूरक हो;

“सिटी साइड” का अर्थ है साइट का भाग बनने वाली रियल एस्टेट जो अनुसूची-क में सिटी साइड के रूप में चिह्नित है;

“सिटी साइड विकास” का वही अर्थ होगा जो खंड 3.2 में निर्धारित है;

“कंपनी” का अर्थ है इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही के रूप में कार्य करने वाली कंपनी;

“शिकायतकर्ता” का वही अर्थ होगा जो खंड 51.1 में निर्धारित है;

“शिकायत रजिस्टर” का वही अर्थ होगा जो खंड 51.1 में निर्धारित है;

“पूर्णता प्रमाणपत्र” का वही अर्थ होगा जो खंड 14.2 में निर्धारित है;

“रियायत” का वही अर्थ होगा जो खंड 3.1.1 में निर्धारित है;

“रियायतग्राही” का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावनाओं में निर्धारित पक्षकारों की सूची में इसे बताया गया है;

“रियायत फीस” का वही अर्थ होगा जो खंड 31.1 में निर्धारित है;

“रियायत अवधि” का अर्थ है नियत तिथि से प्रारंभ होकर और हस्तांतरण तिथि पर समाप्त होने वाली अवधि;

“रियायतग्राही की ओर से चूक” का वही अर्थ होगा जो खंड 42.1.1 में निर्धारित है;

“समवर्ती अंकेक्षक” का वही अर्थ होगा जो खंड 38.2.4 में निर्धारित है;

“पूर्ववर्ती शर्तें” का वही अर्थ होगा जो खंड 4.1.1 में निर्धारित है;

“कंसोर्शियम” का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (ई) में निर्धारित है;

“कंसोर्शियम सदस्य” का अर्थ है प्रस्तावना (ई) में कंसोर्शियम के सदस्य के रूप में विनिर्दिष्ट एक कंपनी;

“निर्माण अवधि” का अर्थ है नियत तिथि से प्रारंभ होकर चरण-I के लिए सीओडी पर समाप्त होने वाली अवधि तथा बाद के चरणों के संबंध में, ऐसी अवधि प्राधिकरण द्वारा इस प्रकार अधिसूचित तारीख से प्रारंभ होगी और उस चरण के संबंधित सीओडी पर समाप्त होगी;

"निर्माण कार्य" का अर्थ है इस करार के अनुसार हवाईअड्डे को पूर्ण करने के लिए आवश्यक सभी कार्य और चीजें और इसमें वैमानिकी परिसंपत्तियां, गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां, परियोजना सुविधाएं और रियायत अवधि के दौरान किसी भी समय हवाईअड्डे पर किए गए कोई अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं;

"ठेकेदार" का अर्थ है वह व्यक्ति या व्यक्ति, जैसा भी मामला हो, जिनके साथ रियायतग्राही ने ईपीसी संविदा, औ ओर एस संविदाओं या हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और/या रखरखाव या इससे संबद्ध मामलों के लिए किसी अन्य सारभूत करार या संविदा में प्रवेश किया हो, किंतु इसमें ऐसा व्यक्ति शामिल नहीं है जिसने रियायतग्राही को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक करार में प्रवेश किया हो;

"उपचार अवधि" का अर्थ है इस करार में ऐसे उल्लंघन या डिफॉल्ट के लिए उत्तरदायी पक्षकार द्वारा इस करार के किसी भी प्रावधान के किसी भी उल्लंघन या डिफॉल्ट को ठीक करने के लिए विनिर्दिष्ट अवधि और यह:

(क) उस तारीख से प्रारंभ होगी जिसको एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को उसमें विनिर्दिष्ट उल्लंघन या डिफॉल्ट को ठीक करने के लिए कहते हुए एक सूचना सुपुर्द की जाती है;

(ख) इस करार के प्रावधानों के अंतर्गत क्षतियों या प्रतिकर का भुगतान करने के दायित्व से किसी भी पक्षकार को मुक्त नहीं करेगी; और

(ग) इस करार के अंतर्गत निलंबन की किसी भी अवधि द्वारा किसी भी रीति से विस्तारित नहीं की जाएगी;

बशर्ते कि यदि रियायतग्राही द्वारा किसी उल्लंघन के उपचार के लिए रियायतग्राही द्वारा कोई युक्तियुक्त कार्रवाई अपेक्षित हो जिसे इस अंतर्गत प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए, तो लागू उपचार अवधि को प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता द्वारा अपना अनुमोदन देने में लिए गए समय से बढ़ाया जाएगा;

"डीबीएफओटी" या "डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (क) में निर्धारित है;

"डीजीसीए" का अर्थ है नागर विमानन महानिदेशालय या उसका कोई प्रतिस्थापन;

"क्षतियां" का वही अर्थ होगा जो खंड 1.2.1 के उप-खंड (एक्स) में निर्धारित है;

"ऋण देय" का अर्थ है हस्तांतरण तिथि पर बकाया, भारतीय रुपयों में व्यक्त, निम्नलिखित राशियों का समग्र योग:

(क) कुल परियोजना लागत ("मूलधन") के वित्तपोषण के लिए वित्तपोषण करारों के अंतर्गत वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा प्रदान की गई ऋण की मूलधन राशि, किंतु हस्तांतरण तिथि से 2 (दो) वर्ष पूर्व चुकौती के लिए देय हो गए मूलधन के किसी भी भाग को छोड़कर;

(ख) उपरोक्त उप-खंड (के) में संदर्भित ऋण पर या उसके संबंध में हस्तांतरण तिथि तक वित्तपोषण करारों के अंतर्गत देय सभी उपचित ब्याज, वित्तपोषण फीस और प्रभार, किंतु (i) हस्तांतरण तिथि से 1 (एक) वर्ष पूर्व देय हो गए किसी ब्याज, फीस या प्रभारों, (ii) किसी वरिष्ठ ऋणदाता को वित्तपोषण करारों के अंतर्गत देय किसी दंड ब्याज या प्रभारों, और (iii) ऋण की त्वरित चुकौती के संबंध में किसी पूर्व-भुगतान प्रभारों को छोड़कर, सिवाय जहां ऐसे प्रभार प्राधिकरण डिफॉल्ट के कारण उत्पन्न हुए हों; और

(ग) वित्तीय पैकेज में शामिल और कुल परियोजना लागत के वित्तपोषण के लिए ऋणदाताओं द्वारा संवितरित कोई अधीनस्थ ऋण;

बशर्ते कि यदि ऋण देय का सभी या कोई भाग वरिष्ठ ऋणदाताओं और/या रियायतग्राही के विकल्प पर इक्विटी में परिवर्तनीय हो, तो इसे इस करार के प्रयोजनों के लिए ऐसे परिवर्तन के बाद भी ऋण देय माना जाएगा और इसके मूलधन को इस प्रकार व्यवहार किया जाएगा मानो ऐसा परिवर्तन नहीं किया गया हो;

आगे बशर्ते कि चरण-I के सीओडी पर या उसके बाद ऋण देय किसी भी स्थिति में कुल परियोजना लागत के 70% (सत्तर प्रतिशत) से अधिक नहीं होगा;

"ऋण सेवा" का अर्थ है वित्तपोषण करारों की शर्तों के अनुसार, लेखा वर्ष में वरिष्ठ ऋणदाताओं को देय और भुगतान योग्य मूलधन, ब्याज, वित्तपोषण फीस और प्रभारों के खाते में सभी भुगतानों का योग;

"मानित निष्पादन प्रतिभूति" का वही अर्थ होगा जो खंड 9.4 में निर्धारित है;

"रक्षा बल" का अर्थ है भारतीय थल सेना, नौसेना या वायुसेना और इसमें भारत की रक्षा में संलग्न अर्धसैनिक बल शामिल हैं;

"नामित जीओआई अभिकरण" का अर्थ है जीओआई के नियंत्रण के अंतर्गत तथा सीमा शुल्क नियंत्रण, आप्रवासन नियंत्रण, संगरोध, वायु यातायात नियंत्रण या हवाई अड्डा सुरक्षा जैसे सांविधिक कार्यों को सौंपा गया एक विभाग या अन्य संस्था;

"विकास अवधि" का अर्थ है इस करार की तारीख से नियत तिथि तक की अवधि;

"विकास योजना" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची क के परिशिष्ट II की खंड 8 में निर्धारित है

"निदेशक" का अर्थ है रियायतग्राही का एक निदेशक जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार नियुक्त किया गया हो;

"विवाद" का वही अर्थ होगा जो खंड 49.1.1 में निर्धारित है;

"विवाद समाधान प्रक्रिया" का अर्थ है अनुच्छेद 49 में निर्धारित विवादों के समाधान की प्रक्रिया;

"विनिवेश आवश्यकताएं" का अर्थ है खंड 43.1 में निर्धारित समाप्ति के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही के दायित्व;

"दस्तावेज" या "प्रलेखन" का अर्थ है मुद्रित या लिखित रूप में, या टेपों, डिस्कों, रेखाचित्रों, कंप्यूटर कार्यक्रमों, लेखनों, रिपोर्टों, फोटोग्राफों, फिल्मों, कैसेटों में, या किसी अन्य लिखित, इलेक्ट्रॉनिक, ऑडियो या दृश्य रूप में व्यक्त प्रलेखन;

"रेखाचित्र" का अर्थ है अनुसूची-H में निर्धारित हवाईअड्डे से संबंधित सभी रेखाचित्र, गणनाएं और दस्तावेज, और इसमें हवाईअड्डे के 'जैसा निर्मित' रेखाचित्र शामिल होंगे;

"ईपीसी संविदा" का अर्थ है इस करार के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे की अभियांत्रिकी और निर्माण के लिए, अन्य बातों के साथ, रियायतग्राही द्वारा एक या अधिक ठेकेदारों के साथ प्रवेश की गई अभियांत्रिकी, खरीद और निर्माण संविदा या संविदाएं;

"ईपीसी ठेकेदार" का अर्थ है वह व्यक्ति जिसके साथ रियायतग्राही ने एक ईपीसी संविदा में प्रवेश किया हो;

"आपातकाल" का अर्थ है ऐसी स्थिति या परिस्थिति जो हवाईअड्डे पर या उसके आसपास व्यक्तियों की सुरक्षा को खतरे में डालने की संभावना रखती है या जो किसी भी परियोजना परिसंपत्तियों को सारभूत क्षति का तत्काल खतरा उत्पन्न करती है, और इसमें सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा शामिल है;

"भार" का अर्थ है, हवाईअड्डे और सिटी साइड विकास के संबंध में, कोई भी भार जैसे बंधक, प्रभार, प्रतिज्ञा, धारणाधिकार, हाइपोथिकेशन, प्रतिभूति हित, समनुदेशन, विशेषाधिकार या किसी भी प्रकार की प्राथमिकता जिसका प्रभाव प्रतिभूति या ऐसे अन्य दायित्वों का हो, और इसमें कोई भी

हवाईअड्डे से संबंधित किसी भी बीमा पॉलिसी के अंतर्गत हानि प्राप्तकर्ताओं या लाभार्थियों का नामांकन या कोई समान व्यवस्था शामिल है, जहां यहां लागू हो किंतु खंड 11.1 में संदर्भित उपयोगिताओं को छोड़कर;

"इक्विटी" का अर्थ है कुल परियोजना लागत के इक्विटी घटक को पूरा करने के लिए रियायतग्राही की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय रुपयों में व्यक्त राशि, और इस करार के प्रयोजनों के लिए इसमें परिवर्तनीय लिखतें या पूंजी के अन्य समान रूप शामिल होंगे, जो कंपनी की इक्विटी शेयर पूंजी में अनिवार्य रूप से परिवर्तित होंगे, और ऐसे इक्विटी घटक को पूरा करने के लिए कंपनी के किसी भी शेयरधारक द्वारा अग्रिम किया गया कोई भी ब्याज-मुक्त निधि शामिल होगा;

"एस्क्रो खाता" का अर्थ है वह खाता जिसे रियायतग्राही एक बैंक के साथ खोलेगा और बनाए रखेगा, जिसमें इस करार के प्रावधानों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, पूंजीगत और राजस्व प्राप्तियों और व्ययों के खाते में नकदी के सभी अंतर्वाह और बहिर्वाह जमा और नामे किए जाएंगे, और इसमें ऐसे एस्क्रो खाते के उप-खाते शामिल हैं;

"एस्क्रो करार" का वही अर्थ होगा जो खंड 36.1.2 में निर्धारित है;

"एस्क्रो बैंक" का वही अर्थ होगा जो खंड 36.1.1 में निर्धारित है;

"एस्क्रो डिफॉल्ट" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची-टी में निर्धारित है;

"छूट प्राप्त व्यक्ति" का अर्थ है:

(क) भारत के राष्ट्रपति;

(ख) भारत के उपराष्ट्रपति;

(ग) भारत के प्रधानमंत्री;

(घ) भारत के मुख्य न्यायाधीश;

(ङ) राज्यपाल और उपराज्यपाल;

(च) संघ मंत्री;

(छ) मुख्यमंत्री;

(ज) भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश;

(झ) केंद्रीय और राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारी;

(ञ) उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश और; उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश;

(ट) सभी राज्य सरकारों के मंत्री;

(ठ) राजकीय यात्रा पर विदेशी गणमान्य व्यक्ति;

(ड) जीओआई द्वारा इस रूप में अधिसूचित व्यक्ति;

(ढ) कानून और व्यवस्था बनाए रखने में संलग्न व्यक्ति;

(ण) अग्निशमन कर्मी और आपातकालीन चिकित्सा सेवा पर व्यक्ति;

(त) निरीक्षण, सर्वेक्षण, निर्माण, या उसके संचालन और रखरखाव के लिए टर्मिनल भवन में प्रवेश करने वाले व्यक्ति; और

(थ) कोई भी व्यक्ति जिसे टर्मिनल भवन में प्रवेश के लिए या आरक्षित कार पार्क के उपयोग के लिए प्राधिकरण द्वारा एक पास जारी किया गया है; बशर्ते कि ऐसे व्यक्ति का नाम और विवरण रियायतग्राही को तत्काल अधिसूचित किया जाएगा;

"फीस" का अर्थ है (क) एईआरए अधिनियम और इस करार के प्रावधानों के अनुसार एईआरए द्वारा निर्धारित या संशोधित और अनुमोदित दरों के अनुसार किसी भी या सभी वैमानिकी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए; और (ख) गैर-वैमानिकी सेवाओं के लिए किसी उपयोगकर्ता द्वारा लगाया और देय प्रभार;

"वित्तीय समापन" का अर्थ है वित्तपोषण करारों के अंतर्गत निधियों की प्रारंभिक उपलब्धता के लिए सभी पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति;

"वित्तीय की ओर से चूक" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची-डब्लू में निर्धारित है;

"वित्तीय मॉडल" का अर्थ है वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा अपनाया गया वित्तीय मॉडल, जो परियोजना की पूंजीगत और परिचालन लागतों तथा उससे राजस्वों को निर्धारित करता है, जिसके आधार पर वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा परियोजना की वित्तीय व्यवहार्यता निर्धारित की गई है, और इसमें गणनाओं और अनुमानों के लिए उपयोग की गई मान्यताओं और मापदंडों का विवरण शामिल है;

"वित्तीय पैकेज" का अर्थ है वित्तपोषण पैकेज जो हवाईअड्डे की कुल पूंजीगत लागत और उसके वित्तपोषण के साधन को दर्शाता है, जैसा वित्तीय मॉडल में निर्धारित और वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा अनुमोदित हो, और इसमें इक्विटी, वित्तपोषण करारों में विनिर्दिष्ट सभी वित्तीय सहायता, अधीनस्थ ऋण शामिल हैं;

"वित्तपोषण करार" का अर्थ है वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा ऋण, गारंटी, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचरों की सदस्यता और अन्य ऋण लिखतों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में रियायतग्राही द्वारा निष्पादित करार, जिसमें ऋण करार, गारंटी, नोट, डिबेंचर, बॉन्ड और अन्य ऋण लिखत, प्रतिभूति करार, तथा परियोजना के संबंधित चरणों के वित्तपोषण (पुनर्वित्तपोषण सहित) से संबंधित अन्य दस्तावेज शामिल हैं, जिसमें विदेशी उधारियों के मामले में कोई हेजिंग व्यवस्थाएं शामिल हैं तथा इसमें खंड 5.2.2 के अनुसार किए गए संशोधन या परिवर्तन शामिल हैं;

"फोर्स मेज्योर" या "फोर्स मेज्योर घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.1 में इसे सौंपा गया है;

"फोर्स मेज्योर लागतें" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.7.2 में निर्धारित है;

"जीओआई" का अर्थ है भारत सरकार;

"गोल्डन शेयर" का वही अर्थ होगा जो खंड 5.4.1 में निर्धारित है;

"अच्छा उद्योग व्यवहार" का अर्थ है वे व्यवहार, विधियां, तकनीकें, डिजाइन, मानक, कौशल, तत्परता, दक्षता, विश्वसनीयता और विवेक जो इस करार के अंतर्गत परिकल्पित समान प्रकार के उपक्रम में संलग्न एक युक्तियुक्त रूप से कुशल और अनुभवी संचालक से सामान्यतः और युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित हैं तथा जिससे रियायतग्राही द्वारा इस करार, लागू कानूनों और लागू अनुज्ञप्तियों के अनुसार अपने दायित्वों का निष्पादन विश्वसनीय, सुरक्षित, किफायती और कुशल रीति से तथा सुरक्षित, किफायती, विश्वसनीय और कुशल वैमानिकी और गैर-वैमानिकी सेवाएं प्रदान करने के लिए होने की अपेक्षा हो;

"सरकार" का अर्थ है राज्य की सरकार;

"सरकारी उपकरण" का अर्थ है भारत सरकार या राज्य सरकार का कोई भी विभाग, प्रभाग या उपप्रभाग और इसमें कोई आयोग, बोर्ड, प्राधिकरण, अभिकरण या नगरपालिका और अन्य स्थानीय प्राधिकरण या सांविधिक निकाय शामिल हैं, जिसमें भारत सरकार या राज्य सरकार, जैसा भी मामला हो, के नियंत्रण के अंतर्गत पंचायत शामिल है, तथा जिसे हवाईअड्डे के सभी या किसी भाग पर या इस करार के अंतर्गत या इसके अनुसरण में रियायतग्राही की सभी या किसी सेवाओं या दायित्वों के निष्पादन पर अधिकारिता प्राप्त हो;

"भू-हैंडलिंग सेवाएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 18.2.1 में निर्धारित है;

"सकल राजस्व" का अर्थ है इस करार के निष्पादन की तारीख से हस्तांतरण तिथि तक किसी भी समय, इस करार के अंतर्गत या इसके अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा अर्जित सभी कर-पूर्व सकल राजस्व, और इसमें उप-लाइसेंसधारियों और अन्य व्यक्तियों से रियायतग्राही द्वारा जमाओं (वापसी योग्य या अन्यथा) के रूप में प्राप्त कोई भी धनराशियां शामिल होंगी किंतु इसमें केवल निम्नलिखित को छोड़ा जाएगा:

(क) रियायतग्राही द्वारा प्राप्त कोई भी बीमा आगम राशि जो (i) तृतीय पक्ष दायित्व बीमा से संबंधित हो जो उस व्यक्ति को भुगतान की गई हो या भुगतान की जानी हो जिसके

दावे बीमाकृत जोखिम या दायित्व का गठन करते हों; और (ii) परिसंपत्तियों की किसी भी भौतिक क्षति के रूप में, तथा रियायतग्राही ने ऐसी परिसंपत्तियों की तत्परता और युक्तियुक्तता से मरम्मत, पुनर्स्थापन या अन्यथा प्रतिस्थापन के लिए प्राप्त ऐसी आगम राशि से अधिक या बराबर व्यय किया हो या करेगा;

(ख) किसी सरकारी उपकरण (जैसा रियायत करार में परिभाषित है) के अधिकृत अभिकर्ता के रूप में, ऐसे सरकारी उपकरण के लिए या उसकी ओर से रियायतग्राही द्वारा प्राप्त कोई भी धनराशि; और

(ग) किसी विशेष रियायत वर्ष में संबंधित उप-लाइसेंसधारी या प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को वापस की गई कोई जमा राशि, बशर्ते ये उन पिछली जमाओं से संबंधित हों जिन पर प्राधिकरण को प्रीमियम का भुगतान किया गया हो।

(घ) भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी-एएस) 11, निर्माण संविदाएं तथा उसमें संदर्भों के परिशिष्ट क (सेवा रियायत व्यवस्थाएं) के प्रावधानों के अंतर्गत निर्माण या उन्नयन सेवाओं के लिए मान्यता प्राप्त कोई भी राजस्व, जिसमें आईएनडी-एएस के अंतर्गत निर्माण या उन्नयन सेवाओं के लिए राजस्व/प्रतिफल की मान्यता के संबंध में उसके बाद के संशोधन शामिल हैं, जैसा लागू कानूनों के अनुसार हो

यह विशेष रूप से स्पष्ट किया जाता है कि:

i. उपरोक्त अपवर्जन (क) में संदर्भित बीमा आगम राशि में राजस्वों की हानि और/या व्यवसाय व्यवधान के लिए प्राप्त बीमा आगम राशि का कोई अपवर्जन शामिल नहीं होगा; उपरोक्त अपवर्जन (ख) में संदर्भित धनराशियां केवल तभी अपवर्जित की जाएंगी यदि वही रियायतग्राही द्वारा संबंधित सरकारी उपकरण को तत्परता और युक्तियुक्तता से जमा की गई हो या जमा की जाएगी और लागू कानूनों के अंतर्गत ऐसी धनराशियों के अभुगतान या विलंबित भुगतान के परिणामस्वरूप उपचित होने वाला कोई जुर्माना, दंड या समान प्रकृति की अन्य राशियां अपवर्जित नहीं की जाएंगी;

ii. सकल राजस्व की गणना लेखा वर्ष के लिए वार्षिक आधार पर, आरएफपी जारी होने की तारीख पर लागू भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार की जाएगी; और

iii. सकल राजस्व की गणना किसी लेखा वर्ष के लिए वार्षिक आधार पर, कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानकों (आईएनडी-एएस) के अनुसार की जाएगी, जिसमें लागू कानूनों के अनुसार समय-समय पर उसके संशोधन शामिल हैं, सिवाय उपरोक्त सकल राजस्व की परिभाषा में संदर्भित जमाओं (वापसी योग्य या अन्यथा) के समावेशन और अपवर्जन के संबंध में विशिष्ट प्रावधानों के।

iv. सकल राजस्व की गणना और/या अर्थ से संबंधित किसी भी विवाद, विसंगति, अस्पष्टता, संदेह या अन्यथा की स्थिति में, प्राधिकरण का निर्णय, उसके एकमात्र विवेकानुसार, अंतिम होगा।

"आईएटीए" का अर्थ है अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ;

"आईएएफ" का अर्थ है भारतीय वायुसेना;

"आईसीएओ" का अर्थ है शिकागो अभिसमय द्वारा गठित अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन और उसका कोई उत्तराधिकारी;

"आईसीएओ दस्तावेज और अनुबंध" का अर्थ है अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के दस्तावेज और अनुबंध, जैसा समय-समय पर संशोधित और प्रकाशित हो;

"क्षतिपूर्तित पक्षकार" का अर्थ है वह पक्षकार जो अनुच्छेद 47 के अनुसरण में क्षतिपूर्ति के लाभ का हकदार है;

"क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार" का अर्थ है वह पक्षकार जो अनुच्छेद 47 के अनुसरण में दूसरे पक्षकार को क्षतिपूर्ति देने के लिए बाध्य है;

"स्वतंत्र अभियंता" का वही अर्थ होगा जो खंड 27.1 में निर्धारित है;

"अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.3 में निर्धारित है;

"सैद्धांतिक अनुमोदन" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (क) में निर्धारित है;

"निरीक्षण रिपोर्ट" का वही अर्थ होगा जो खंड 13.2 में निर्धारित है;

"बीमा कवर" का अर्थ है अनुच्छेद 37 के अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा प्राप्त बीमों के अंतर्गत बीमाकृत अधिकतम राशियों का समग्र योग, और इसमें खंड 37.2 के अंतर्गत

रियायतग्राही द्वारा प्राप्त किए जाने के लिए अपेक्षित किंतु वास्तव में प्राप्त न किए गए सभी बीमे शामिल हैं, और किसी भी कार्य या घटना के संदर्भ में प्रयुक्त होने पर, इसका अर्थ ऐसे कार्य या घटना के संबंध में बीमाकृत और देय या बीमाकृत और देय माने जाने वाली अधिकतम राशियों का समग्र योग होगा;

"बौद्धिक संपदा" का अर्थ है सभी पेटेंट, ट्रेडमार्क, सेवा चिह्न, लोगो, गेट-अप, व्यापार नाम, इंटरनेट डोमेन नाम, डिजाइनों में अधिकार, ब्लू प्रिंट, कार्यक्रम और नियमावली, रेखाचित्र, कॉपीराइट (कंप्यूटर सॉफ्टवेयर में अधिकार सहित), डेटाबेस अधिकार, अर्धचालक, स्थलाकृति अधिकार, उपयोगिता मॉडल, जानकारी में अधिकार तथा अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार, प्रत्येक मामले में चाहे पंजीकृत हो या अपंजीकृत तथा इसमें पंजीकरण के लिए आवेदन शामिल हैं, तथा विश्व में कहीं भी समतुल्य या समान प्रभाव रखने वाले सभी अधिकार या संरक्षण के रूप;

"आईएमडी" का अर्थ है भारत मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार;

"प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक" का, रियायतग्राही के संबंध में, अर्थ है:

(क) मुख्य कार्यकारी अधिकारी या प्रबंध निदेशक;

(ख) पूर्णकालिक निदेशक;

(ग) मुख्य वित्तीय अधिकारी, मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी, मुख्य परिचालन अधिकारी, कंपनी सचिव या उनके एक स्तर नीचे के मुख्य प्रबंधन अधिकारी जो बोर्ड के अधीक्षण, नियंत्रण और निर्देशन के अधीन, रियायतग्राही के सारभूत मामलों का प्रबंधन करते हैं; और

(घ) वे व्यक्ति जिनके पास रियायतग्राही की विभिन्न गतिविधियों और कार्यों की योजना बनाने, निर्देशित करने और नियंत्रित करने का प्राधिकार और दायित्व है;

"प्रमुख निष्पादन संकेतक" का वही अर्थ होगा जो खंड 26.1 में निर्धारित है;

"एलओए" या "अवार्ड पत्र" का अर्थ है प्रस्तावना (रिसाइटल) (ई) में संदर्भित अवार्ड पत्र;

"प्रमुख सदस्य" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (ई) में निर्धारित है;

"ऋणदाताओं का प्रतिनिधि" का अर्थ है वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा इस करार से उत्पन्न या इससे संबंधित मामलों के संबंध में वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से और उनके लिए कार्य करने हेतु विधिवत प्राधिकृत व्यक्ति, और इसमें उसके उत्तराधिकारी, समनुदेशिती और प्रतिस्थापन शामिल हैं;

"एमआरओ" का अर्थ है रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल;

"रखरखाव नियमावली" का वही अर्थ होगा जो खंड 17.3 में निर्धारित है;

"रखरखाव कार्यक्रम" का वही अर्थ होगा जो खंड 17.4.1 में इसे सौंपा गया है;

"रखरखाव आवश्यकताएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 17.2 में निर्धारित है;

"प्रमुख हवाई अड्डा" का अर्थ है वह हवाई अड्डा जिसमें 35 लाख (पैंतीस लाख) से अधिक वार्षिक यात्री थ्रूपुट को संभालने की क्षमता हो या कोई अन्य थ्रूपुट सीमा हो, या कोई अन्य हवाई अड्डा जिसे केंद्र सरकार एईआरए अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत अधिसूचना द्वारा इस रूप में विनिर्दिष्ट करे;

"मास्टर प्लान" का अर्थ है इस करार के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के निर्माण और विकास के लिए अनुसूची-क में निर्धारित रियायतग्राही द्वारा विकसित की जाने वाली मास्टर योजना;

"सारभूत प्रतिकूल प्रभाव" का अर्थ है किसी भी पक्षकार की इस करार के प्रावधानों के अंतर्गत और उसके अनुसार अपने किसी भी दायित्व को निष्पादित करने की क्षमता पर किसी कार्य या घटना का सारभूत प्रतिकूल प्रभाव तथा जो कार्य या घटना किसी भी पक्षकार पर सारभूत वित्तीय बोझ या हानि का कारण बनती है;

"नामित कंपनी" का अर्थ है ऋणदाताओं के प्रतिनिधि द्वारा चयनित तथा प्रतिस्थापन करार के प्रावधानों के अनुसार रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के लिए प्राधिकरण को प्रस्तावित एक कंपनी;

"गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां" का अर्थ है वे परिसंपत्तियां जो हवाईअड्डे पर गैर-वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के लिए आवश्यक या अपेक्षित हैं और इसमें ऐसी अन्य परिसंपत्तियां शामिल होंगी जिन्हें रियायतग्राही इस करार के प्रावधानों के अनुसार, गैर-वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के

लिए या उसके संबंध में, समय-समय पर खरीद सकता है, और इसमें वैमानिकी परिसंपत्तियां और सिटी साइड विकास शामिल नहीं हैं;

"गैर-वैमानिकी सेवाएं" का अर्थ है (i) वैमानिकी सेवाओं और (ii) सिटी साइड विकास के अलावा अन्य सेवाएं;

"गैर-राजनीतिक घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.2 में निर्धारित है;

"ओओरएम" का अर्थ है हवाईअड्डे का संचालन और रखरखाव और इसमें इस करार के प्रावधानों के अनुसार ऐसे संचालन और रखरखाव से संबंधित या उसके आनुषंगिक सभी मामले, सेवाओं और सुविधाओं का प्रावधान, तथा फीस का संग्रह शामिल हैं;

"ओओरएम संविदाएं" का अर्थ है वे संचालन और रखरखाव संविदाएं जो ओओरएम दायित्वों के सभी या किसी के निष्पादन के लिए रियायतग्राही और ओओरएम ठेकेदारों के बीच प्रवेश की जा सकती हैं;

"ओओरएम ठेकेदार" का अर्थ है वे व्यक्ति, यदि कोई हों, जिनके साथ रियायतग्राही ने रियायतग्राही की ओर से और उसके लिए ओओरएम दायित्वों के निर्वहन के लिए ओओरएम संविदाओं में प्रवेश किया हो;

"ओओरएम व्यय" का अर्थ है रियायतग्राही द्वारा या उसकी ओर से या प्राधिकरण द्वारा, जैसा भी मामला हो, सभी ओओरएम के लिए उपगत व्यय, जिसमें (क) कर्मचारियों को वेतन और अन्य प्रतिकर की लागत, (ख) सामग्रियों, आपूर्तियों, उपयोगिताओं और अन्य सेवाओं की लागत, (ग) बीमे के लिए प्रीमियम, (घ) ओओरएम के लिए देय और भुगतान योग्य सभी कर, शुल्क, उपकर और फीस, (ङ) सभी मरम्मत, प्रतिस्थापन, पुनर्निर्माण, पुनर्स्थापन, सुधार और रखरखाव लागतें, (च) ओओरएम संविदाओं, फीस संग्रह संविदा या ओओरएम से संबंधित या उसके आनुषंगिक किसी अन्य संविदा के अंतर्गत किए जाने वाले भुगतान, और (छ) लागू कानूनों, लागू अनुज्ञप्तियों या इस करार के अंतर्गत उपगत किए जाने वाले अन्य सभी व्यय शामिल हैं;

"ओओरएम निरीक्षण रिपोर्ट" का वही अर्थ होगा जो खंड 24.4 में निर्धारित है;

"संचालन अवधि" का अर्थ है चरण-I के सीओडी से प्रारंभ होकर हस्तांतरण तिथि पर समाप्त होने वाली अवधि;

"चार्टर्ड अकाउंटेंट पैनल" का वही अर्थ होगा जो खंड 38.2.1 में निर्धारित है;

"पक्षकार" का अर्थ है सामूहिक रूप से इस करार के पक्षकार और "पक्षकार" का अर्थ इस करार के पक्षकारों में से कोई एक व्यक्तिगत रूप से होगा;

"यात्री चार्टर" का वही अर्थ होगा जो खंड 26.10 में निर्धारित है;

"यात्री यातायात" का अर्थ है लेखा वर्ष के दौरान हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले, प्रस्थान और आगमन करने वाले यात्रियों सहित, यात्रियों की कुल संख्या किंतु इसमें वे यात्री शामिल नहीं होंगे जो एक ही संख्या वाली उड़ान पर हवाईअड्डे पर आते और वहां से प्रस्थान करते हैं;

"पीक ऑवर" का अर्थ है पूर्ववर्ती लेखा वर्ष में उस घंटे के आधार पर निर्धारित घंटा जिसमें यात्री यातायात उस वर्ष के दौरान तीसवां सबसे व्यस्त था;

"पीक ऑवर यातायात" का अर्थ है प्रत्येक दिन पीक ऑवर के दौरान यात्री यातायात;

"पीक अवधि" का अर्थ है दिन के दौरान वे 4 (चार) घंटे जब यात्री यातायात सबसे अधिक होता है; और दिन के शेष घंटों को "ऑफ पीक अवधि" माना जाएगा;

"निष्पादन गारंटी" का वही अर्थ होगा जो खंड 44.2.3 में निर्धारित है;

"निष्पादन प्रतिभूति" का वही अर्थ होगा जो खंड 9.1 में निर्धारित है;

"चरण" का अर्थ है इस करार की शर्तों के अनुसार, मास्टर प्लान के अनुसार ऐसे चरण के लिए विनिर्दिष्ट वार्षिक यात्री थ्रूपुट को संभालने के लिए हवाईअड्डे का भाग बनने वाला कार्य;

"चरण पूर्णता अनुसूची" का अर्थ है अनुसूची जी (बिंदु 9) में परिभाषित के अनुसार;

"चरण-I" का अर्थ है इस करार की शर्तों के अनुसार, मास्टर प्लान के अनुसार प्रति वर्ष न्यूनतम 12 (बारह) मिलियन यात्रियों के वार्षिक यात्री थ्रूपुट को संभालने के लिए हवाईअड्डे का भाग बनने वाले सभी कार्य;

“पुलिस” का अर्थ है एक कानून प्रवर्तन अभिकरण और इसमें राज्य पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल या कोई अन्य संगठन शामिल है जिसे लागू कानूनों के अंतर्गत सुरक्षा, अपराध निवारण या कानून और व्यवस्था के रखरखाव से संबंधित शक्तियों का प्रयोग करने और कार्यों का निर्वहन करने के लिए सशक्त किया गया हो;

“राजनीतिक घटना” का वही अर्थ होगा जो खंड 39.4 में निर्धारित है;

“संरक्षण लागत” का वही अर्थ होगा जो खंड 13.5.3 में निर्धारित है;

“प्रीमियम” का वही अर्थ होगा जो खंड 31.2.1 में निर्धारित है;

“प्रीमियम दर” का वही अर्थ होगा जो खंड 31.2.1 में निर्धारित है;

“मूल्य सूचकांक” में शामिल होगा:

क) डब्लूपीआई का 70% (सत्तर प्रतिशत); और

ख) सीपीआई (आईडब्लू) का 30% (तीस प्रतिशत),

जिन घटकों को पक्षकारों द्वारा पारस्परिक सहमति से ऐसे वैकल्पिक सूचकांक या सूचकांकों द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सकता है;

“परियोजना” का अर्थ है इस करार और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे का डिजाइन, वित्त, निर्माण, संचालन और रखरखाव, और इसमें परियोजना के क्षेत्र से संबंधित या उसके संबंध में सभी कार्य, सेवाएं और उपकरण शामिल हैं;

“परियोजना प्रभावित परिवार” का अर्थ है:

(क) एक परिवार जिसकी भूमि या अन्य अचल संपत्ति अर्जित की गई हो;

(ख) एक परिवार जिसके पास कोई भूमि नहीं है किंतु ऐसे परिवार का एक या अधिक सदस्य कृषि मजदूर, काश्तकार हो सकते हैं जिसमें किसी भी प्रकार की काश्तकारी या उपभोग अधिकार, बंटाईदार या कारीगर शामिल हैं या जो भूमि के अधिग्रहण से पहले तीन वर्षों तक प्रभावित क्षेत्र में कार्य कर रहे हों, जिनकी आजीविका का प्राथमिक स्रोत भूमि के अधिग्रहण से प्रभावित हो;

(ग) अनुसूचित जनजातियां और अन्य पारंपरिक वन निवासी जिन्होंने अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त अपने वन अधिकारों में से किसी को भूमि के अधिग्रहण के कारण खो दिया हो;

(घ) एक परिवार जिसकी भूमि के अधिग्रहण से तीन वर्ष पूर्व आजीविका का प्राथमिक स्रोत वनों या जल निकायों पर निर्भर रहा हो और इसमें वन उत्पाद एकत्र करने वाले, शिकारी, मछुआरे और नाविक शामिल हैं और ऐसी आजीविका भूमि के अधिग्रहण के कारण प्रभावित हो;

(ङ) परिवार का एक सदस्य जिसे राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा उसकी किसी भी योजना के अंतर्गत भूमि सौंपी गई हो और ऐसी भूमि अधिग्रहण के अधीन हो;

(च) एक परिवार जो भूमि के अधिग्रहण से पहले तीन वर्ष या उससे अधिक समय से नगरीय क्षेत्रों में किसी भूमि पर निवास कर रहा हो या जिसकी भूमि के अधिग्रहण से तीन वर्ष पूर्व आजीविका का प्राथमिक स्रोत ऐसी भूमि के अधिग्रहण से प्रभावित हो;

"परियोजना करार" का अर्थ है यह करार, वित्तपोषण करार, ईपीसी संविदा, ओओरएम संविदाएं, फीस संग्रह संविदा, सिटी साइड विकास से संबंधित सभी करार और उप-लाइसेंस तथा रियायतग्राही द्वारा किसी भी व्यक्ति के साथ परियोजना से संबंधित, उससे उत्पन्न या उसके आनुषंगिक मामलों के संबंध में प्रवेश किए जा सकने वाले कोई अन्य सारभूत करार या संविदाएं, किंतु इसमें एस्क्रो करार, प्रतिस्थापन करार, या रु. 25 करोड़ (पच्चीस करोड़ रुपये) तक के प्रतिफल वाले माल और सेवाओं की खरीद के लिए किसी भी करार को शामिल नहीं किया गया है;

"परियोजना परिसंपत्तियां" का अर्थ है साइट से संबंधित और उसका भाग बनने वाली सभी भौतिक और अन्य परिसंपत्तियां, जिसमें शामिल हैं:

(क) लाइसेंस, पहुंच अधिकार या अन्यथा के रूप में साइट पर अधिकार;

(ख) वैमानिकी परिसंपत्तियां और गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां;

(ग) मूर्त परिसंपत्तियां जैसे नींव, जल निकासी कार्य, विद्युत प्रणालियां, संचार प्रणालियां और प्रशासनिक कार्यालयों सहित सिविल कार्य और उपकरण;

(घ) साइट पर स्थित परियोजना सुविधाएं;

(ङ) सिटी साइड विकास का भाग बनने वाले भवन और अचल जुड़नार या संरचनाएं;

(च) परियोजना करारों के अंतर्गत रियायतग्राही के सभी अधिकार;

(छ) प्राप्य, प्रतिभूति जमाओं आदि जैसी वित्तीय परिसंपत्तियां;

(ज) बीमा आगम राशि; और

(झ) हवाईअड्डे से संबंधित या उसके संबंध में लागू अनुज्ञप्तियां और प्राधिकरण, जिसमें सिटी साइड विकास शामिल है;

"परियोजना पूर्णता अनुसूची" का अर्थ है अनुसूचित पूर्णता तिथि पर या उससे पूर्व हवाईअड्डे की पूर्णता के लिए अनुसूची-जी में निर्धारित क्रमिक परियोजना मील के पत्थर;

"परियोजना सुविधाएं" का अर्थ है अनुसूची-सी में वर्णित साइट पर स्थित सभी सुविधाएं और सुविधाजनक सेवाएं;

"परियोजना मील के पत्थर" का अर्थ है अनुसूची-जी में निर्धारित परियोजना मील के पत्थर;

"अनंतिम प्रमाणपत्र" का वही अर्थ होगा जो खंड 14.3 में निर्धारित है;

"पंच लिस्ट" का वही अर्थ होगा जो खंड 14.3 में इसे सौंपा गया है;

"आरई.", "आरएस." या "रुपये" या "भारतीय रुपये" का अर्थ है भारत गणराज्य की वैधानिक मुद्रा;

"आरईएसए" या "रनवे एंड सेफ्टी एरिया" का अर्थ है विस्तारित रनवे केंद्र रेखा के बारे में सममित तथा पट्टी के छोर से सटा हुआ क्षेत्र जिसका मुख्य उद्देश्य किसी विमान के अंडरशूटिंग या रनवे को पार करने से क्षति के जोखिम को कम करना है;

“संदर्भ विनिमय दर” का अर्थ है, इस करार के प्रावधानों के अनुसार किसी अन्य मुद्रा में परिवर्तित की जाने वाली किसी एक मुद्रा के संबंध में, संबंधित तारीख को 12.00 (बारह) बजे दोपहर में दिल्ली में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उद्धृत विनिमय दर, और ऐसी दर के अभाव में, दिल्ली में बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा उद्धृत समान दरों का औसत;

“अर्हता अनुरोध सह प्रस्ताव” या “आरएफक्यू सीयूएस आरएफपी” का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (डी) में निर्धारित है;

“आरक्षित क्षेत्र” का अर्थ है खंड 19.4 और 22.8 के प्रावधानों के अनुसार प्राधिकरण और नामित जीओआई अभिकरणों के लिए आरक्षित स्थान और क्षेत्र;

“आरक्षित कार पार्क” का वही अर्थ होगा जो खंड 20.2 में निर्धारित है;

“आरक्षित सेवाएं” का वही अर्थ होगा जो खंड 22.1 में निर्धारित है;

“पहुंच अधिकार” का अर्थ है इस करार के अनुसार हवाईअड्डे और सिटी साइड विकास के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए आवश्यक, सभी मार्ग अधिकारों, सुखाधिकारों, अप्रतिबंधित पहुंच और अन्य पहुंच अधिकारों सहित, चाहे इसे किसी भी रीति से वर्णित किया गया हो, साइट का रचनात्मक कब्जा;

“मार्ग नेविगेशन सुविधा प्रभार” का अर्थ है लागू कानूनों के अनुसार मार्ग नेविगेशन सुविधाओं के प्रावधान के लिए प्राधिकरण द्वारा एयरलाइनों और/या विमान संचालकों से लगाई जाने वाली राशियां;

“रनवे” का अर्थ है हवाईअड्डे पर भूमि की पट्टी, जिस पर विमान उड़ान भरेंगे और उतरेंगे और यह डामर, कंक्रीट या दोनों के मिश्रण के उपयोग सहित एक मानव निर्मित सतह हो सकती है;

“सुरक्षा आवश्यकताएं” का वही अर्थ होगा जो खंड 23.1 में निर्धारित है;

“अनुसूचित पूर्णता तिथि” का वही अर्थ होगा जो चरण-I के लिए खंड 12.4.1 में और बाद के चरणों के लिए खंड 12.8.3 में निर्धारित है;

“परियोजना का क्षेत्र” का वही अर्थ होगा जो खंड 2.1 में निर्धारित है;

"वरिष्ठ ऋणदाता" का अर्थ है वित्तीय संस्थाएं, बैंक, बहुपक्षीय ऋण देने वाले अभिकरण, न्यास, निधियां और डिबेंचर धारकों के अभिकर्ता या न्यासी, जिनमें उनके उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल हैं, जो किसी भी वित्तपोषण करारों के अंतर्गत रियायतग्राही को गारंटी देने या वित्त प्रदान करने के लिए सहमत हुए हैं और जो रियायतग्राही की परिसंपत्तियों, अधिकारों, स्वत्व और हितों पर समान स्तर पर प्रभार रखते हैं;

"सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची-एल के अनुबंध-I में निर्धारित है;

"शेयरधारक करार" का वही अर्थ होगा जो खंड 5.4.1 में निर्धारित है;

"साइट" का वही अर्थ होगा जो खंड 10.1 में निर्धारित है;

"विनिर्देश और मानक" का अर्थ है हवाईअड्डे के लिए गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता और अन्य आवश्यकताओं से संबंधित विनिर्देश और मानक, जैसा अनुसूची-डी में निर्धारित है, तथा उसमें कोई भी संशोधन, या उसमें जोड़, जैसा रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को प्रस्तुत हवाईअड्डे के लिए डिजाइन और अभियांत्रिकी में शामिल हो और प्राधिकरण द्वारा स्पष्ट रूप से अनुमोदित हो;

"विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियां" का अर्थ है और इसमें निम्नलिखित में से सभी या कोई भी शामिल हैं:

(क) परियोजना परिसंपत्तियों में से ऐसी परिसंपत्तियां जो चरण-I के सीओडी की 5वीं (पांचवीं) वर्षगांठ के बाद, किंतु नियत तिथि की 30वीं (तीसवीं) वर्षगांठ से अनधिक बाद, निर्मित, अर्जित या स्थापित की गई हों;

(ख) सिटी साइड विकास का भाग बनने वाले सभी भवन और अचल जुड़नार या संरचनाएं; और

(ग) खंड 12.8 और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के विस्तार का भाग बनने वाली परिसंपत्तियां; किंतु इसमें किसी भी स्थिति में भूमि शामिल नहीं होगी;

"विनिर्दिष्ट दस्तावेज" का वही अर्थ होगा जो खंड 50.1 में निर्धारित है;

"राज्य" का अर्थ है वह राज्य जिसमें प्राधिकरण का मुख्यालय स्थित है और "राज्य सरकार" का अर्थ है उस राज्य की सरकार;

"सांविधिक अंकेक्षक" का अर्थ है चार्टर्ड अकाउंटेंट की एक प्रतिष्ठित फर्म जो कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अंतर्गत, जिसमें इसका कोई पुनःअधिनियमन या संशोधन शामिल है, जो तत्समय बल में हो, रियायतग्राही के सांविधिक अंकेक्षक के रूप में कार्य करती है, और खंड 38.2.1 के अनुसार नियुक्त की गई हो;

"अधीनस्थ ऋण" का अर्थ है हस्तांतरण तिथि पर बकाया, भारतीय रुपयों में या ऋण की मुद्रा में, जैसा भी मामला हो, व्यक्त निम्नलिखित राशियों का समग्र योग:

(क) परियोजना लागत को पूरा करने के लिए ऋणदाताओं या रियायतग्राही के शेयरधारकों द्वारा प्रदान की गई ऋण की मूलधन राशि जो वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता के अधीनस्थ हो; और

(ख) उपरोक्त उप-खंड (क) में संदर्भित ऋण पर सभी उपचित ब्याज किंतु भारतीय रुपयों में व्यक्त ऋणों के मामले में वास्तविक ब्याज दर और बैंक दर से 5% (पांच प्रतिशत) अधिक के बराबर दर में से जो कम हो, तथा विदेशी मुद्रा में व्यक्त ऋणों के मामले में वास्तविक ब्याज दर और 6 (छह) माह एलआईबीओआर (लंदन इंटर बैंक ऑफर रेट) प्लस 2% (दो प्रतिशत) में से जो कम हो, तक सीमित, किंतु इसमें हस्तांतरण तिथि से 1 (एक) वर्ष पूर्व देय हो गए किसी ब्याज को शामिल नहीं किया जाएगा;

बशर्ते कि यदि अधीनस्थ ऋण का सभी या कोई भाग ऋणदाताओं और/या रियायतग्राही के शेयरधारकों के विकल्प पर इक्विटी में परिवर्तनीय हो, तो इसे इस करार के प्रयोजनों के लिए ऐसे परिवर्तन के बाद भी अधीनस्थ ऋण माना जाएगा और इसके मूलधन को इस प्रकार व्यवहार किया जाएगा मानो ऐसा परिवर्तन नहीं किया गया हो;

"प्रतिस्थापन करार" का वही अर्थ होगा जो खंड 45.3 में निर्धारित है;

"निलंबन" का वही अर्थ होगा जो खंड 41.1 में निर्धारित है;

"कर" का अर्थ है जीएसटी, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, मूल्य वर्धित कर, बिक्री कर, स्थानीय कर, उपकर तथा हवाईअड्डे में समाविष्ट और उसका भाग बनने वाले माल, सामग्रियों, उपकरणों

और सेवाओं पर किसी सरकारी उपकरण द्वारा प्रभारित, लगाए गए या आरोपित समान प्रकृति के किसी भी अधिभार सहित कोई भी भारतीय कर (चाहे केंद्रीय, राज्य या स्थानीय हो), किंतु इससे संबंधित किसी भी खाते में आरोपित किसी भी ब्याज, दंड और अन्य राशियों को छोड़कर। संदेह की निवृत्ति के लिए, करों में कॉर्पोरेट आय या सिटी साइड विकास पर कर शामिल नहीं होंगे;

"टर्मिनल" का अर्थ है और इसमें टर्मिनल भवन, कार पार्क, पहुंच मार्ग, कार्गो सुविधाएं और उससे संबद्ध भूमि शामिल है, किंतु इसमें सिटी साइड शामिल नहीं है;

"टर्मिनल भवन" का अर्थ है साइट पर स्थित यात्री टर्मिनल भवन और उससे संबद्ध भूमि, जिसमें कर्ब साइड और पहुंच मार्ग शामिल हैं, जैसा अनुसूची-ए में वर्णित और सीमांकित है;

"टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग प्रभार" का अर्थ है हवाईअड्डे पर टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग सेवाओं के प्रावधान के लिए प्राधिकरण द्वारा एयरलाइनों या विमान संचालकों से प्रभारित या प्रभारित की जाने वाली राशियां;

"समाप्ति" का अर्थ है इस करार और इसके अंतर्गत रियायत की समाप्ति या अवसान;

"समाप्ति सूचना" का अर्थ है इस करार के अनुसार एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को इस करार को समाप्त करते हुए जारी किया गया संचार;

"समाप्ति भुगतान" का अर्थ है समाप्ति पर, इस करार के प्रावधानों के अंतर्गत और उसके अनुसार, प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को देय राशि;

"परीक्षण" का अर्थ है इस करार के प्रावधानों, संबंधित आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों तथा डीजीसीए द्वारा विहित लागू दिशानिर्देशों के अनुसार हवाईअड्डे की पूर्णता को निर्धारित करने के लिए अनुसूची-I में निर्धारित परीक्षण, तथा इसमें, यथोचित परिवर्तनों सहित, खंड 12.8 और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के विस्तार की पूर्णता को निर्धारित करने के लिए समान परीक्षण शामिल होंगे;

"कुल परियोजना लागत" का अर्थ है परियोजना, वैमानिकी परिसंपत्तियों और गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियों के निर्माण और वित्तपोषण पर उपगत पूंजीगत लागत, सिटी साइड विकास को छोड़कर, और यह निम्नलिखित में से न्यूनतम तक सीमित होगी:

क) वित्तीय पैकेज में निर्धारित परियोजना की पूंजीगत लागत; और

ख) आईएनआर 4588 करोड़ के बराबर राशि

बशर्ते कि यदि मूल्य सूचकांक इस करार की तारीख और चरण-I के सीओडी के बीच की अवधि के लिए, औसत रूप में, प्रति वर्ष 3% (तीन प्रतिशत) से अधिक बढ़ता है, तो पक्षकार यथासंभव शीघ्र मिलेंगे, और इससे पूर्व विनिर्दिष्ट राशि के संशोधन पर सहमत होंगे ताकि ऐसे 3% (तीन प्रतिशत) से अधिक मूल्य सूचकांक में वृद्धि का प्रभाव कुल परियोजना लागत में परिलक्षित हो;

आगे बशर्ते कि समाप्ति की स्थिति में, कुल परियोजना लागत को, इस करार के प्रावधानों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, समायोजित इक्विटी और ऋण देय के संबंध में होने वाले मूल्य सूचकांक या संदर्भ विनिमय दर में परिवर्तन की सीमा तक संशोधित माना जाएगा;

यह भी बशर्ते कि कुल परियोजना लागत हवाईअड्डे के चरण-1 के पूर्ण होने पर निर्माण कार्यों की वास्तविक पूंजीगत लागत से अधिक नहीं होगी,

"हस्तांतरण तिथि" का अर्थ है वह तारीख जिसको यह करार और इसके अंतर्गत रियायत, इस करार के प्रावधानों के अनुसरण में समाप्त हो जाती है या समाप्ति सूचना द्वारा समाप्त की जाती है;

"अप्रत्याशित घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.12.1 में निर्धारित है;

"उपयोगकर्ता" का अर्थ है किसी भी एयरलाइन, यात्री, आगंतुक या अन्य व्यक्ति सहित एक व्यक्ति, जो हवाईअड्डे या उसके किसी भाग का उपयोग करता है या उपयोग करने का इरादा रखता है, जिसमें किसी भी या सभी वैमानिकी सेवाओं या गैर-वैमानिकी सेवाओं का उपयोग शामिल है, फीस के भुगतान पर या इस करार और लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार;

"निहित प्रमाणपत्र" का वही अर्थ होगा जो खंड 43.4 में निर्धारित है; और

"डब्लूपीआई" का अर्थ है उद्योग मंत्रालय, जीओआई द्वारा प्रकाशित सभी वस्तुओं के लिए थोक मूल्य सूचकांक और इसमें डब्लूपीआई को प्रतिस्थापित करने वाला कोई भी सूचकांक शामिल होगा, तथा डब्लूपीआई के किसी भी संदर्भ का, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, पूर्ववर्ती माह के साथ समाप्त होने वाली अवधि के लिए प्रकाशित डब्लूपीआई के संदर्भ के

रूप में निर्वचन किया जाएगा, सिवाय इसके कि खंड 32.3 के प्रावधानों के अनुसार फीस के वार्षिक संशोधन के प्रयोजनों के लिए, किसी भी वर्ष की 1 अप्रैल को देय संशोधन की गणना उस वर्ष की 31 जनवरी तक डब्लूपीआई के संदर्भ में की जाएगी।

इस साक्ष्य में पक्षकारों ने इस करार को सर्वप्रथम ऊपर लिखे गए दिन, माह और वर्ष को निष्पादित और सुपुर्द किया है।

की ओर से और के लिए हस्ताक्षरित:	**की ओर से और के लिए हस्ताक्षरित:**
प्राधिकरण	यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड की सामान्य मुहर, रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा 29 सितंबर 2020 को आयोजित इसकी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में, निम्नलिखित की उपस्थिति में लगाई गई मुहर
द्वारा: ..... नाम: डॉ. अरुण वीर सिंह पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड फैक्स: +91 1202395150 ई-मेल पता: ceo@nialjewar.com	..... नाम: श्री क्रिस्टॉफ श्नेलमन पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड पता: एस्क हाउस, 155, प्रथम और द्वितीय तल, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज 3, नई दिल्ली 110020

साक्षी के हस्ताक्षर: ..... नाम: श्री सुरेंद्र सिंह पदनाम: निदेशक, नागर विमानन, उत्तर प्रदेश सरकार	..... नाम: सुश्री किरणजीत कौर जैन पदनाम: मुख्य परिचालन अधिकारी, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड पता: एस्क हाउस, 155, प्रथम और द्वितीय तल, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज 3, नई दिल्ली 110020
साक्षी के हस्ताक्षर: नाम: सुश्री रितु माहेश्वरी पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नोएडा	**साक्षी के हस्ताक्षर:** नाम: श्री शोभित गुप्ता पदनाम: प्रमुख, विधि, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड

अनुसूचियां

अनुसूची-क

(खंड 10.1 देखें)

रियायत समझौता - अनुसूचियां

1. स्थल

हवाईअड्डे का स्थल

1.1. हवाई अड्डे के स्थल का विवरण इस अनुसूची-क के परिशिष्ट-1 में दिया गया है।

1.2. प्राधिकरण के प्रतिनिधि और रियायतग्राही (कन्सेशनर) द्वारा संयुक्त रूप से स्थल की एक सूची (इन्वेंट्री) तैयार की जाएगी, जिसमें भूमि, भवन, संरचनाएं, सड़क निर्माण कार्य, वृक्ष और स्थल पर स्थित अथवा उससे संलग्न कोई अन्य अचल संपत्ति शामिल होगी; और ऐसी सूची समझौते के खंड 10.3.1 में संदर्भित ज्ञापन का हिस्सा बनेगी।

1.3. सेवा क्षेत्रों, अनुषंगी भवनों अथवा कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश में विनिर्दिष्ट निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। अधिग्रहण के उपरांत ऐसी भूमि स्थल का हिस्सा बनेगी और प्राधिकरण में निहित होगी।

2. स्थल हेतु मास्टर प्लान

2.1. स्थल हेतु विकसित की जाने वाली मास्टर योजना का विवरण इस अनुसूची-क के परिशिष्ट-II में दिया गया है।

2.2. मास्टर प्लान, मानचित्र 1 में दी गई भू-उपयोग योजना के अनुरूप होगा और इसमें हवाई अड्डे के लिए निर्धारित सभी भूमि सम्मिलित होगी, तथा यह इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार वैमानिकी आस्तियों, टर्मिनल भवन, गैर-वैमानिकी आस्तियों और सिटी साइड विकास के संबंध में अवस्थिति और भू-उपयोग को विनिर्दिष्ट करेगा।

3. सिटी साइड विकास

3.1. सिटी साइड विकास के लिए निर्धारित भूमि का विवरण इस अनुसूची-क के परिशिष्ट-III और मानचित्र 1 में दिया गया है, और ऐसी भूमि स्थल का अभिन्न हिस्सा होगी।

परिशिष्ट-I

(अनुसूची क)

हवाईअड्डे हेतु स्थल

1. स्थल की अवस्थिति

1.1. हवाई अड्डे का स्थल उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर गाँव के उत्तर में (अक्षांश 28°09' उत्तर और देशांतर 77°35' पूर्व) स्थित है। इस स्थल में सात गाँवों अर्थात् बनवारीवास, दयानतपुर, किशोरपुर, कुरेब, परोही, रन्हेरा और रोही की भूमि सम्मिलित है।

1.2. स्थल के निर्देशांक नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं, जो स्थल सीमांकन के अनुसार मामूली परिवर्तन के अधीन होंगे:

सीमा निर्देशांकों की सूची

क्र.सं.	अक्षांश	देशांतर	ईस्टिंग	नॉर्थिंग
1	28°11'06.79" एन	77°34'49.69" ई	753331.98	3120416.03
2	28°11'06.71" एन	77°34'30.01" ई	752794.06	3120402.12
3	28°10'31.52" एन	77°34'37.37" ई	753018.95	3119323.87
4	28°10'23.89" एन	77°34'39.02" ई	753068.14	3119089.89
5	28°10'05.60" एन	77°34'42.84" ई	753184.08	3118528.04
6	28°09'53.23" एन	77°35'35.97" ई	754642.96	3118178.11
7	28°09'59.59" एन	77°35'37.89" ई	754690.88	3118375.05

8	28°09'23.51" एन	77°38'12.58" ई	758935.98	3117355.57
9	28°09'53.13" एन	77°38'24.24" ई	759233.39	3118274.99
10	28°09'58.20" एन	77°38'05.29" ई	758713.96	3118419.86
11	28°10'13.34" एन	77°38'10.17" ई	758836.98	3118888.91
12	28°10'09.83" एन	77°38'20.39" ई	759117.09	3118786.88
13	28°10'30.73" एन	77°38'29.81" ई	759360.10	3119435.99
14	28°10'35.16" एन	77°38'17.31" ई	759016.11	3119564.04
15	28°10'41.02" एन	77°37'54.73" ई	758396.95	3119731.10
16	28°10'56.87" एन	77°36'53.50" ई	756715.89	3120183.89
17	28°11'07.61" एन	77°35'54.49" ई	755098.12	3120479.01

1.3. स्थल का कुल क्षेत्रफल 1334 हेक्टेयर है, जिसमें से 24 हेक्टेयर क्षेत्र सिटी साइड विकास के लिए निर्धारित किया गया है।

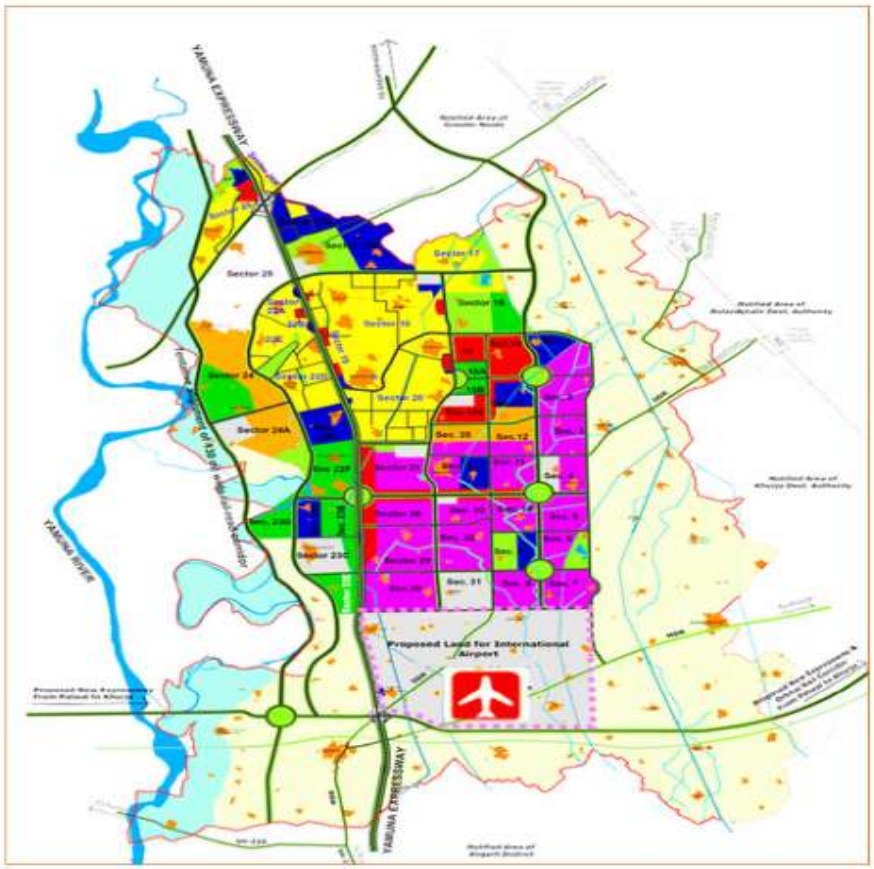
1.4. चूंकि यह स्थल समुद्र तट से बहुत दूर स्थित है (उच्च ज्वार रेखा से 500 मीटर से परे), अतः तटीय विनियमन नियम लागू नहीं होते हैं। स्थल का अनुमानित भू-तल माध्य समुद्र तल से 200 मीटर ऊपर है, जो यमुना नदी के तल स्तर से लगभग 30 मीटर ऊपर है।

1.5. इस स्थल तक सिकंदराबाद-जेवर मार्ग से पहुँचा जा सकता है जो प्रस्तावित हवाई अड्डे के स्थल के पश्चिम की ओर यमुना एक्सप्रेसवे में विलीन हो जाता है। यह स्थल एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न अन्य जिलों से भी भली-

भाँति जुड़ा हुआ है। स्थल राज्य राजमार्ग एसएच-22ए (एसएच-22ए) अर्थात पलवल और अलीगढ़ को जोड़ने वाले राजमार्ग से लगभग 30 किमी दूर है। फॉर्मूला वन ट्रैक पर यमुना एक्सप्रेसवे से होकर गुजरने वाला 100 मीटर चौड़ा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे है, जो इस स्थल को पलवल, मानेसर, गाजियाबाद, बागपत और मेरठ से जोड़ता है। दक्षिणी हिस्से में, हवाई अड्डे को प्रस्तावित पलवल-खुर्जा एक्सप्रेसवे से जोड़े जाने की योजना है। यह ग्रेटर नोएडा के माध्यम से नोएडा से भी 130 मीटर चौड़ी सड़क द्वारा जुड़ा हुआ है।

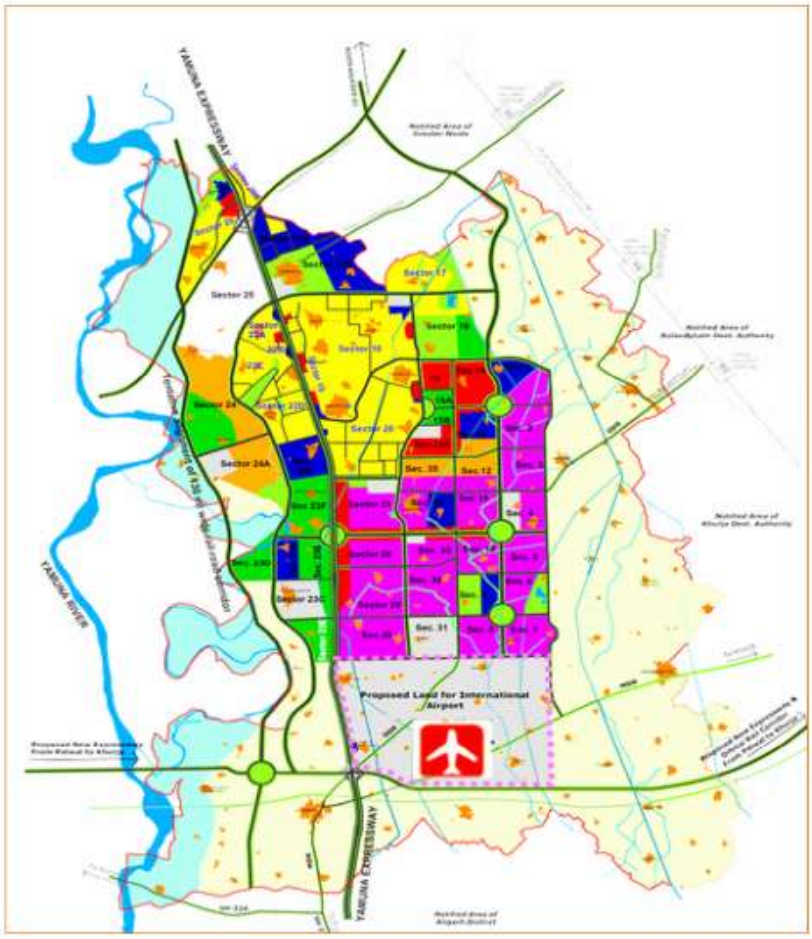
1.6. स्थल की अवस्थिति और स्थल तक पहुँच मार्गों को प्रदर्शित करने वाला एक संदर्भ रेखाचित्र (रेफरेंस ड्रॉइंग) नीचे दिया गया है:

मानचित्र 1क: स्थल की अवस्थिति



यमुना एक्सप्रेसवे, यमुना नदी, सेक्टर 20, कॉरिडोर, एस12, अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे हेतु प्रस्तावित भूमि

मानचित्र 1ख: भू-उपयोग योजना



यमुना नदी, एक्सप्रेसवे, मास्टर प्लान भू-उपयोग, यमुना एक्सप्रेसवे

मानचित्र 2: नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा - विद्यमान पहुँच एवं प्रस्तावित एक्सप्रेसवे

- 100 मीटर चौड़ा यमुना एक्सप्रेसवे (ग्रेटर नोएडा को आगरा से जोड़ता हुआ)
- 100 मीटर चौड़ा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, फॉर्मूला वन ट्रैक पर यमुना एक्सप्रेसवे से गुजरता हुआ, जो पलवल, मानेसर, गाजियाबाद, बागपत, मेरठ को जोड़ता है
- 100 मीटर चौड़ा प्रस्तावित एक्सप्रेसवे - पलवल से खुर्जा (दक्षिणी भाग)
- ग्रेटर नोएडा के रास्ते नोएडा हेतु 130 मीटर चौड़ी सड़क (पूर्वी भाग)
- एक्सप्रेसवे के समानांतर 60 मीटर चौड़ी सड़क (जेवर तक 100 मीटर चौड़ा किया जाना प्रस्तावित) - पश्चिमी भाग
- 75 मीटर चौड़ी सड़क (उत्तरी भाग)

परिशिष्ट-II

(अनुसूची क)

(खंड 12.2.1 देखें)

स्थल हेतु मास्टर प्लान

1. हवाई अड्डे की परिकल्पना घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार के यात्रियों तथा कार्गो हेतु मॉड्यूलर और विस्तार-योग्य सुविधाओं से युक्त एक विश्वस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में की गई है।

2. रियायत अवधि के दौरान हवाई अड्डे को चरणबद्ध तरीके से विकसित करने का प्रस्ताव है। चरण I में, रियायतग्राही को प्रति वर्ष 12 मिलियन यात्रियों (12 एमपीपीए) की यातायात डिज़ाइन क्षमता वाले हवाई अड्डे का निर्माण करना होगा।

3. आगामी चरण नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित यातायात ट्रिगर की प्राप्ति पर आधारित होंगे।

तालिका 1: चरणबद्ध विकास हेतु डिज़ाइन क्षमता और यातायात ट्रिगर्स

चरणबद्ध विकास	यातायात डिज़ाइन क्षमता	चरण विकास हेतु ट्रिगर
चरण I	12 एमपीपीए (मिलियन यात्री प्रति वर्ष)	-
चरण II	30 एमपीपीए	चरण I क्षमता का 80%
चरण III	50 एमपीपीए	चरण II क्षमता का 80%
चरण IV	70 एमपीपीए या अधिक	चरण III क्षमता का 80%

आगामी चरणों के निर्माण के प्रयोजनार्थ यातायात की गणना ठीक पूर्ववर्ती 12 (बारह) महीनों की अवधि में यात्री यातायात के आधार पर की जाएगी। एक कैलेंडर माह की समाप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर, रियायतग्राही उस माह के यात्री यातायात और ठीक पूर्ववर्ती 12 (बारह) महीनों की अवधि के यात्री यातायात का विवरण प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगा।

4. रियायतग्राही इसके साथ संलग्न भू-उपयोग योजना (मानचित्र 1 देखें) को एक मार्गदर्शिका के रूप में उपयोग करते हुए निम्नलिखित प्रावधानों के साथ मास्टर प्लान तैयार करेगा:

क. रियायतग्राही इस समझौते के मानचित्र 1ख में दिए गए विभिन्न भू-उपयोगों के तहत पहचानी गई सुविधाओं की योजना और निर्माण करेगा। रियायतग्राही के पास इस समझौते के प्रावधानों के अधीन परिभाषित भू-उपयोग के भीतर सुविधाओं की योजना बनाने और डिज़ाइन करने का लचीलापन है।

ख. मास्टर प्लान डीजीसीए द्वारा निर्धारित नागर विमानन अपेक्षाओं (सीएआर), आईसीएओ के दिशानिर्देशों के अनुसार और उत्तम उद्योग पद्धतियों के अनुरूप होना चाहिए।

ग. टर्मिनल भवन हेतु सेवा स्तर - आईएटीए सेवा स्तर 'ऑप्टिमम' के अनुरूप। टर्मिनल भवन का कुल क्षेत्रफल डिज़ाइन वर्ष के लिए पीक आवर यात्री प्रति न्यूनतम 30 वर्ग मीटर होगा।

घ. टर्मिनल का डिज़ाइन वर्तमान प्रचालनों पर न्यूनतम प्रभाव डालते हुए क्रमिक विस्तार (इंक्रीमेंटल एक्सपेंशन) में सक्षम होना चाहिए।

ङ. सिटी साइड विकास इस समझौते के प्रावधानों, लागू विकास नियंत्रण विनियमों और लागू कानून के अनुसार होगा।

5. रियायतग्राही उपर्युक्त दिशानिर्देशों और इस अनुसूची क, अनुसूची ख, ग और घ में उल्लिखित प्रावधानों के आधार पर मास्टर प्लान तैयार करेगा। मास्टर प्लान में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

i. समग्र विकास रणनीति और दर्शन का विवरण;

ii. यातायात पूर्वानुमानों का विवरण और प्रत्येक परियोजना सुविधा के विकास के लिए यातायात ट्रिगर, जो यातायात वृद्धि से जुड़े हैं;

iii. प्रत्येक चरण में हवाई अड्डा और उसका प्रत्येक परिसर कैसा दिखेगा, इसका विज़न तथा उस अवधि के अंत में जब हवाई अड्डा अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँचेगा, हवाई अड्डे का अंतिम विज़न;

iv. हवाई अड्डे तथा पहुँच (एप्रोच) और उड़ान भरने (टेक-ऑफ) क्षेत्रों के लिए बाधा परिसीमा सतहें;

v. चरणबद्ध तरीके से हवाई अड्डे के विकास का चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण;

vi. अवधारणाओं और विकल्पों के तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय अनुसंधान के माध्यम से प्रस्तावित विकास;

vii. ऐसे अन्य विषय जो प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

6. यह मास्टर प्लान इस समझौते की तिथि से 60 दिनों के भीतर प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जाना है। मास्टर प्लान प्राप्त होने के 30 (तीस) दिनों के भीतर, प्राधिकरण मास्टर प्लान पर अपनी कोई भी टिप्पणी या परिवर्तन रियायतग्राही को प्रदान करेगा। यदि प्राधिकरण मास्टर प्लान पर कोई टिप्पणी और/अथवा सुझाव देता है, तो रियायतग्राही उसकी प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर प्राधिकरण द्वारा सुझाए गए ऐसे सुझावों और/अथवा परिवर्तनों को मास्टर प्लान में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा। यह मास्टर प्लान रियायत समझौते का हिस्सा बन जाएगा।

7. रियायतग्राही, मास्टर प्लान की स्वीकृति की तिथि से 90 (नब्बे) दिनों के भीतर चरण-I के लिए विकास योजना प्रस्तुत करेगा। आगामी चरणों के लिए विकास योजना इस अनुसूची क के परिशिष्ट-II की तालिका 1 में उल्लिखित संबंधित चरणों के ट्रिगर प्राप्त करने की तिथि से 90 (नब्बे) दिनों के भीतर तैयार और प्रस्तुत की जाएगी। प्राधिकरण विकास योजना-- की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रदान करेगा। रियायतग्राही प्राधिकरण की टिप्पणियों को समाहित करेगा और प्राधिकरण से टिप्पणियाँ प्राप्त होने के 30 (तीस) दिनों के भीतर विकास योजना प्रस्तुत करेगा।

8. प्रत्येक चरण के लिए विकास योजना ("विकास योजना") निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएगी:

क. विकास योजना इनके अनुरूप होगी:

(i) मास्टर प्लान;

(ii) यहाँ दी गई अनुसूची क, अनुसूची ख, अनुसूची ग और अनुसूची घ में निर्धारित आवश्यकताएं;

(iii) नागर विमानन महानिदेशालय, भारत सरकार (डीजीसीए) द्वारा निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओ) के दिशानिर्देश, यह समझौता और उत्तम उद्योग पद्धतियों के अनुरूप।

ख. विकास योजना में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

(i) पहचानी गई प्रत्येक परियोजना सुविधा के लिए इंजीनियरिंग डिज़ाइन और रेखाचित्र (ड्रॉइंग्स);

(ii) मात्रा और लागत अनुमान;

(iii) विनिर्देश और मानक;

(iv) पूर्णता अनुसूची;

(v) सांकेतिक वित्तपोषण योजना; तथा

(vi) प्राधिकरण या किसी संबंधित सरकारी तंत्र द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट कोई अन्य मानदंड।

9. रियायतग्राही चरण-I के सीओडी (वाणिज्यिक परिचालन तिथि से आरंभ करके प्रत्येक 5 (पांच) वर्ष में मास्टर प्लान को अद्यतन करेगा और प्राधिकरण की समीक्षा व टिप्पणियों हेतु पुनः प्रस्तुत करेगा।

10. रियायतग्राही, रियायत अवधि के दौरान किसी भी समय, वैमानिकी सेवाओं में सुधार या वृद्धि करने के लिए अथवा भीड़-भाड़ को कम करने या समाप्त करने हेतु हवाई अड्डे के किसी भी हिस्से का विस्तार करने के लिए मास्टर प्लान में संशोधनों हेतु प्राधिकरण की स्वीकृति मांग सकता है, और इसके तहत कोई अनुरोध प्राप्त होने पर प्राधिकरण 30 (तीस) दिनों की अवधि के भीतर यथोचित आवश्यक सीमा तक अनुमोदन प्रदान कर सकता है।

11. आगामी चरणों के लिए विकास योजनाओं में अन्य बातों के साथ-साथ यातायात ट्रिगरों से जुड़ी विशिष्ट पूंजीगत व्यय परियोजनाओं को प्रारंभ करने का प्रावधान होगा। रियायतग्राही चरण I के बाद के आगामी चरणों के लिए विकास योजना, मास्टर प्लान में परिभाषित ऐसे चरण के निर्माण कार्यों के प्रारंभ होने की नियोजित तिथि से कम से कम 3 (तीन) महीने पूर्व प्रस्तुत करेगा।

चरण I के बाद के चरणों का निर्माण समझौते के खंड 12.8 में उल्लिखित आवश्यकताओं के अनुरूप होगा।

परिशिष्ट-III

(अनुसूची क)

(खंड 28 देखें)

सिटी साइड/वाणिज्यिक विकास के लिए उपलब्ध कुल भूमि 24 हेक्टेयर है। रियायतग्राही को परिशिष्ट IV के तहत अनुमत वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए निर्धारित क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति है।

परिशिष्ट-IV

(अनुसूची क)

(खंड 28)

क. आतिथ्य सत्कार

1. रिसॉर्ट
2. 3-4 सितारा होटल
3. 5 सितारा होटल
4. रेस्तरां
5. बजट होटल

ख. सार्वजनिक संस्थाएं

1. डाकघर
2. टेलीफोन एक्सचेंज
3. पुलिस स्टेशन
4. स्वास्थ्य केंद्र
5. अस्पताल

ग. वाणिज्यिक कार्यालय स्थल

1. शॉपिंग प्लाजा
2. कार्यालय स्थल
3. एयरलाइन कार्यालय
4. सरकारी कार्यालय

घ. शिक्षा और प्रशिक्षण

1. विमानन संस्थान
2. विमानन संबंधी प्रशिक्षण जैसे उड़ान परिचारक (केबिन क्रू) प्रशिक्षण आदि
3. कॉलेज / विश्वविद्यालय
4. कौशल विकास केंद्र

ङ. लॉजिस्टिक्स कार्यालय

1. लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर कार्यालय
2. सीमा शुल्क क्लीयरेंस कार्यालय
3. गोदाम / वेयरहाउस
4. शीतगृह / कोल्ड स्टोरेज

च. पैकेजिंग केंद्र

1. लदान/उतरान सुविधाएं, वे-ब्रिज (धर्मकांटा) आदि
2. ट्रक पार्किंग
3. चालक सुविधाएं
4. पेट्रोल/डीजल/सीएनजी पंप और अन्य सहायता सेवाएं

छ. पर्यटक/आगंतुक केंद्र और प्रदर्शनी मैदान

5. अवकाश, मनोरंजन और सांस्कृतिक स्थल
6. सूचना डेस्क और कियोस्क
7. पर्यटक सुविधाएं, विश्राम कक्ष
8. सम्मेलन क्षेत्र (कॉन्फ्रेंस एरिया)
9. कैफे और मनोरंजन स्थल
10. आंतरिक एवं बाह्य प्रदर्शनी स्थल
11. सांस्कृतिक केंद्र
12. संग्रहालय और कला दीर्घाएं
13. एम्फीथिएटर
14. खुला प्रदर्शनी मैदान
15. कला और शिल्प कार्यशाला
16. मनोरंजन क्लब
17. पर्यटन संवर्धन गतिविधियाँ

स्पष्टीकरण हेतु, आवासीय विकास की अनुमति नहीं है।

अनुसूची-ख

(खंड 2.1 देखें)

हवाईअड्डे का विकास

1. हवाईअड्डे का विकास

हवाई अड्डे के विकास में इस अनुसूची-ख और अनुसूची-ग में वर्णित अनुसार हवाईअड्डे का निर्माण सम्मिलित होगा।

2. हवाईअड्डा

2.1. हवाई अड्डे के विकास में निम्नलिखित शामिल होंगे:

i. निम्नलिखित अपेक्षाओं के साथ रनवे, टैक्सीवे, एप्रन, विमान पार्किंग बे और संबंधित सुविधाओं सहित वैमानिकी आस्तियों (एरोनॉटिकल एसेट्स) का निर्माण और अधिप्राप्ति:

क. आईसीएओ एयरोड्रोम संदर्भ कोड: सुविधाओं का ज्यामितीय लेआउट सभी चरणों में कोड एफ प्रचालन के अनुरूप होना चाहिए। हवाई अड्डे का निर्माण कोड 4ई प्रचालनों के लिए किया जाना है और किसी भी उपयोगकर्ता द्वारा मांग किए जाने पर इसे कोड एफ में उन्नत किया जाएगा।

ख. रनवे की अवस्थिति:

विवरण	**नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विवरण**
एयरोड्रोम उन्नयन	**199 मीटर (माध्य समुद्र तल से ऊपर)**
	निर्देशांक
एआरपी (एयरोड्रोम संदर्भ बिंदु)	28°10'32.20" एन, 77°36'22.47" ई
रनवे 10एल (रनवे 10L)	28°11'00.46" एन, 77°35'32.74" ई
रनवे 28आर (रनवे 28R)	28°10'34.69" एन, 77°37'52.67" ई
रनवे 10आर (रनवे 10R)	28°10'10.41" एन, 77°35'16.26" ई
रनवे 28एल (रनवे 28L)	28°09'43.00" एन, 77°37'45.15" ई
रनवे आयाम	
10L-28आर	3900 × 60 मीटर
10R-28आर	4150 × 60 मीटर

ii. टर्मिनल भवन का निर्माण और अधिप्राप्ति निम्नानुसार होगी:

क. टर्मिनल भवन हेतु सेवा स्तर - आईएटीए सेवा स्तर 'ऑप्टिमम' के अनुरूप।

ख. प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू विमान द्वारों का 75% (पचहत्तर प्रतिशत) बोर्डिंग ब्रिजों (एयरोब्रिज) द्वारा सेवित होगा।

ग. पीक आवर यात्री (आगमन और प्रस्थान सहित) प्रति टर्मिनल भवन का इकाई क्षेत्र (सभी विविध और सहायक स्थलों सहित) न्यूनतम 30 वर्ग मीटर होगा।

घ. अंतर्राष्ट्रीय मानक स्तर की खुदरा और अन्य यात्री सेवाएं प्रदान करना; और

ङ. टर्मिनल डिज़ाइन वर्तमान प्रचालनों पर न्यूनतम प्रभाव डालते हुए क्रमिक विस्तार में सक्षम होना चाहिए।

च. सभी सुविधाएं और सेवाएं अत्याधुनिक तकनीक तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों की होनी चाहिए।

2.2. हवाईअड्डे का निर्माण रियायतग्राही द्वारा अनुसूची-क में निर्धारित मास्टर प्लान और अनुसूची-डी में निर्धारित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप किया जाएगा।

3. आरक्षित क्षेत्र

रियायतग्राही, प्राधिकरण और भारत सरकार की नामित एजेंसियों द्वारा आरक्षित सेवाओं के निष्पादन हेतु आरक्षित क्षेत्र को चिह्नित और आवंटित करेगा तथा नामित भारत सरकार एजेंसी से अनुमोदन प्राप्त करेगा।

4. सिटी साइड विकास

4.1. सिटी साइड विकास के लिए निर्दिष्ट समग्र 24 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 2.5 का एफएसआई लागू होगा। इस क्षेत्र का उपयोग केवल अनुसूची-क के परिशिष्ट IV के अनुसार आर्थिक गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाना चाहिए।

4.2. सिटी साइड विकास अनुसूची-घ में निर्धारित विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप किया जाएगा।

5. कार्गो सुविधाएं

5.1. रियायतग्राही हवाई अड्डे पर कार्गो सुविधा के विकास के लिए स्थल के भीतर भूमि निर्धारित करेगा।

5.2. एप्रन, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कार्गो हेतु कार्गो टर्मिनल तथा अन्य संबद्ध सुविधाओं सहित कार्गो सुविधाओं को लागू मानकों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा।

6. एमआरओ सुविधाएं

6.1. रियायतग्राही लागू मानकों और विनिर्देशों के अनुसार हवाई अड्डे पर एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहाल) सुविधा के विकास के लिए स्थल के भीतर न्यूनतम 40 एकड़ भूमि निर्धारित करेगा।

6.2. इस निर्धारित क्षेत्र का उपयोग किसी अन्य गतिविधि के लिए नहीं किया जा सकता है।

6.3. रियायतग्राही को अनिवार्य रूप से किसी तीसरे पक्ष के साथ कोई व्यवस्था करनी होगी या रियायतग्राही स्वयं चरण I के सीओडी की 10वीं वर्षगांठ तक एमआरओ सुविधाओं और संबद्ध गतिविधियों के विकास व संचालन का निर्णय लेगा।

6.4. एमआरओ सुविधा को, रियायत समझौते के खंड 12.10 में विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं के अधीन, स्थापित मांग के अनुसार प्रकार और आकार के विमानों की सेवा के लिए विकसित किया जाएगा, जिसमें डीजीसीए के सीएआर-145 के प्रावधानों के अनुसार विमान के लिए आवश्यक भवन, संरचनाएं और उपकरण शामिल होंगे। इसका निर्माण इस समझौते के प्रावधानों, लागू कानूनों, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों, सीएआर दिशानिर्देशों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार किया जाएगा।

7. कार पार्क

7.1. रियायतग्राही लागू कानून और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार आरक्षित कार पार्क सुविधा सहित कार पार्क सुविधा के लिए स्थल के भीतर भूमि निर्धारित करेगा।

अनुसूची-ग

(खंड 2.1 देखें)

परियोजना सुविधाएं

1. परियोजना सुविधाएं

रियायतग्राही इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार परियोजना सुविधाओं का निर्माण या स्थापना करेगा।

2. हवाईअड्डे हेतु परियोजना सुविधाएं

हवाई अड्डे का हिस्सा बनने वाली और प्रत्येक चरण के सीओडी पर या उससे पहले पूरी की जाने वाली परियोजना सुविधाओं का विवरण इस अनुसूची-ग के परिशिष्ट-I में दिया गया है।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-ग)

हवाई अड्डे हेतु परियोजना सुविधाएं

रियायतग्राही हवाई अड्डे का हिस्सा बनने के लिए इस परिशिष्ट I में वर्णित परियोजना सुविधाओं का निर्माण करेगा। परियोजना सुविधाओं में निम्नलिखित शामिल होंगे:

(क) सुविधाओं का ज्यामितीय लेआउट सभी चरणों में कोड-एफ प्रचालन के अनुरूप होना चाहिए। हवाई अड्डे का निर्माण कोड 4ई प्रचालनों के लिए किया जाना है और किसी भी उपयोगकर्ता द्वारा मांग किए जाने पर इसे कोड एफ में उन्नत किया जाएगा;

(ख) आईएटीए स्तर की सेवा 'ऑप्टिमम' आवश्यकताओं के लिए आवश्यक सभी सेवाओं और सुविधाओं से युक्त यात्री टर्मिनल भवन;

(ग) हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) और मौसम संबंधी सुविधाएं;

(घ) एयरसाइड और लैंडसाइड पहुँच मार्ग तथा अग्रप्रांगण (फोरकोर्ट), जिसमें कर्ब-साइड, ट्रैफिक सिग्नल, उपयुक्त साइनेज के माध्यम से मार्ग-दर्शन शामिल हैं;

(ङ) प्रसंस्करण और भंडारण हेतु कार्गो टर्मिनल और अनुषंगी सुविधाएं;

(च) विमान बचाव एवं अग्निशमन (एआरएफएफ) सुविधाएं;

(छ) विमान ईंधन भरने की सेवाओं हेतु अवसंरचना;

(ज) आरक्षित सेवाएं ;

(झ) आपातकालीन सेवाएं;

(ञ) दूषित जल (फाउल) और सतही जल की निकासी व्यवस्था;

(ट) विमान ग्राउंड सर्विस उपकरण रखरखाव सुविधाएं;

(ठ) हैंगर;

(ड) उड़ान खानपान सेवाएं;

(ढ) वाहन पार्किंग;

(ण) पुलिस स्टेशन और सीमा शुल्क भवन;

(त) हवाई अड्डे पर यात्री सेवाओं से संबंधित अन्य गतिविधियाँ;

(थ) इसके अतिरिक्त, आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों, लागू कानूनों और प्राधिकरण के निर्देशानुसार आवश्यक किसी भी सुविधा को इस समझौते के हिस्से के रूप में प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

अनुसूची-घ

(खंड 2.1 देखें)

विनिर्देश और मानक

1. हवाईअड्डा

रियायतग्राही हवाई अड्डे के निर्माण के लिए इस अनुसूची-घ के परिशिष्ट-I में निर्धारित विनिर्देशों और मानकों का अनुपालन करेगा।

2. सिटी साइड विकास

सिटी साइड विकास लागू कानूनों, उत्तम उद्योग पद्धति और भारत में व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले भवन निर्माण कोड के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। यदि भारतीय कोड उपलब्ध नहीं हैं, तो लागू यूके या यूएसए कोड का उपयोग किया जाएगा।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-घ)

हवाई अड्डे हेतु विनिर्देश और मानक

1. अनिवार्य मानक और आवश्यकताएं

रियायतग्राही निम्नलिखित में विनिर्दिष्ट निर्माण मानकों और अन्य आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करेगा:

(क) धारा 4, श्रृंखला खB (भाग I), नागर विमानन आवश्यकताएं (सीएआर), एयरोड्रोम मानक और हवाई यातायात सेवाएं (26 अगस्त 2015); समय-समय पर यथासंशोधित।

(ख) डीजीसीए सीएआर धारा 4 - एयरोड्रोम मानक और हवाई यातायात सेवाएं; श्रृंखला 'एफ' भाग-I दिनांक 16 अक्टूबर 2006, एयरोड्रोम लाइसेंस जारी करने के संबंध में;

(ग) अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओ) अंतर्राष्ट्रीय मानक और अनुशंसित पद्धतियां, एयरोड्रोम, अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय का अनुलग्नक 14: खंड 1 एयरोड्रोम डिज़ाइन और प्रचालन, आठवां संस्करण, जुलाई 2018;

(घ) आईसीएओ एयरोड्रोम डिज़ाइन मैनुअल (डोक 9157);

(ङ) आईसीएओ हवाई अड्डा सेवा मैनुअल (डोक 9137);

(च) कोई अन्य आईसीएओ मैनुअल और मानक, जो यथा लागू हों;

(छ) हवाई अड्डा टर्मिनल भवनों, ईंधन भरने वाले रैंप ड्रेनेज और लोडिंग वॉकवे पर अमेरिकी राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा संघ (एनएफपीए) के मानक;

(ज) अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आयटा) हवाई अड्डा विकास संदर्भ मैनुअल, 11वां संस्करण, मार्च 2019;

(झ) राष्ट्रीय भवन कोड (एनबीसी, 2016); और

(ञ) भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित प्रासंगिक भारतीय मानक कोड;

(ट) ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा जारी ऊर्जा संरक्षण भवन कोड, 2017, समय-समय पर यथासंशोधित;

(ठ) सांविधिक एजेंसी आवश्यकताएं, जिनमें डीजीसीए, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), रक्षा मंत्रालय, सीमा शुल्क और आप्रवासन प्राधिकरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शामिल हैं;

(ड) लागू स्थानीय उप-नियम और विकास नियंत्रण विनियम;

(ढ) कोई अन्य लागू मैनुअल, मानक, विनिर्देश, दिशानिर्देश जो ऊपर सूचीबद्ध नहीं हैं।

अनुसूची-ड.

(खंड 4.1.3 देखें)

लागू अनुमतियां

भाग I

1. नियत तिथि से पूर्व लागू अनुमतियां

रियायतग्राही लागू कानूनों के तहत आवश्यक निम्नलिखित लागू अनुमतियां नियत तिथि पर या उससे पहले प्राप्त करेगा, सिवाय उस सीमा तक जहां समझौते के खंड 4.1.3 के अनुसार प्राधिकरण द्वारा छूट प्रदान की गई हो:

(क) हवाई अड्डे के निर्माण के लिए डीजीसीए का 'सैद्धांतिक' अनुमोदन; और

भाग II

2. सीओडी से पूर्व लागू अनुमतियां

रियायतग्राही संबंधित गतिविधि शुरू करने से पहले, लागू कानूनों के तहत आवश्यक निम्नलिखित लागू अनुमतियां प्राप्त करेगा:

(i) हवाई अड्डे के संचालन के लिए डीजीसीए लाइसेंस;

(ii) खदान से बोल्डर निकालने के लिए राज्य सरकार की अनुमति;

(iii) क्रशर लगाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति;

(iv) विस्फोटकों के उपयोग के लिए लाइसेंस;

(v) नदी/जलाशय से जल आहरण हेतु राज्य सरकार की अनुमति;

(vi) बैचिंग प्लांट स्थापित करने के लिए कारखाना निरीक्षक या अन्य सक्षम प्राधिकारी से लाइसेंस;

(vii) बैचिंग प्लांट स्थापित करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनापत्ति/स्वीकृति;

(viii) डामर (एस्फाल्ट) प्लांट के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्वीकृति;

(ix) डीजल जनरेटर सेट की स्थापना के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्वीकृति;

(x) पेड़ों की कटाई के लिए राज्य सरकार की अनुमति; तथा

(xi) लागू कानूनों के तहत आवश्यक कोई अन्य परमिट या स्वीकृतियां।

जब तक कि इस समझौते में अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, हवाई अड्डे के पर्यावरणीय संरक्षण और संवर्धन से संबंधित लागू अनुमतियां (यदि कोई हों), सिटी साइड विकास को छोड़कर, प्राधिकरण द्वारा एक पूर्ववर्ती शर्त के रूप में प्राप्त की गई होंगी।

अनुसूची-एफ

(खंड 9.1 देखें)

कार्यान्वयन गारंटी / निष्पादन सुरक्षा

सेवा में,

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

प्रथम तल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, सेक्टर- ओमेगा 1, ग्रेटर नोएडा

चूंकि :

(क) _____ (जिन्हें आगे "रियायतग्राही" कहा गया है) और _____ (जिन्हें आगे "प्राधिकरण" कहा गया है) ने दिनांक _____ को एक रियायत समझौता ("समझौता") निष्पादित किया है जिसके द्वारा प्राधिकरण ने समझौते के प्रावधानों के अधीन और उनके अनुसार डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") के आधार पर उत्तर प्रदेश राज्य के जेवर में नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण, संचालन, रखरखाव और प्रबंधन का कार्य रियायतग्राही को सौंपने पर सहमति व्यक्त की है।

(ख) समझौते के अनुसार रियायतग्राही को निर्माण अवधि के दौरान समझौते के तहत और उसके अनुसार अपने दायित्वों के उचित और निष्ठावान निष्पादन हेतु सुरक्षा के रूप में प्राधिकरण को _____ करोड़ रुपये (रुपये _____ करोड़) ("गारंटी राशि") की निष्पादन सुरक्षा (परफॉर्मेंस सिक्योरिटी) प्रस्तुत करना आवश्यक है।

(ग) हम, _____ अपनी _____ स्थित शाखा के माध्यम से (जिन्हें आगे "बैंक" कहा गया है) निष्पादन सुरक्षा के रूप में यह बैंक गारंटी प्रस्तुत करने पर सहमत हुए हैं।

अतएव, अब बैंक इसके द्वारा बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से निम्नानुसार गारंटी देता है और पुष्टि करता है:

1. बैंक इसके द्वारा बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से गारंटी देता है और वचनबद्धता करता है कि निर्माण अवधि के दौरान समझौते के प्रावधानों के तहत और उनके अनुसार रियायतग्राही के सभी या किसी भी दायित्व के उचित और निष्ठावान निष्पादन में कोई विफलता या चूक होने पर, प्राधिकरण की पहली लिखित मांग पर, बिना किसी आपत्ति, आरक्षण, आश्रय, विवाद या विरोध के और रियायतग्राही के किसी संदर्भ के बिना, प्राधिकरण द्वारा दावा की गई गारंटी राशि की कुल राशि तक की ऐसी राशि या राशियों का भुगतान प्राधिकरण को करेगा,

जिसके लिए प्राधिकरण को अपनी मांग और/या उसमें विनिर्दिष्ट राशि के आधार या कारण सिद्ध करने या प्रदर्शित करने की आवश्यकता नहीं होगी।

2. प्राधिकरण द्वारा _____ के पद से अनिम्न रैंक के अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी पत्र, जिसमें यह उल्लेख हो कि रियायतग्राही ने समझौते के तहत अपने सभी या किसी दायित्व के उचित और निष्ठावान निष्पादन में चूक की है, बैंक पर निर्णायक, अंतिम और बाध्यकारी होगा। बैंक आगे सहमति व्यक्त करता है कि समझौते के तहत निर्माण अवधि के दौरान रियायतग्राही अपने दायित्वों के उचित और निष्ठावान निष्पादन में चूककर्ता है या नहीं, इसका एकमात्र निर्णायक प्राधिकरण होगा और उसका यह निर्णय कि रियायतग्राही चूककर्ता है, बैंक पर अंतिम और बाध्यकारी होगा, भले ही प्राधिकरण और रियायतग्राही के बीच कोई मतभेद हो, या किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण, मध्यस्थ या किसी अन्य प्राधिकरण या निकाय के समक्ष कोई विवाद लंबित हो, या किसी भी कारण से रियायतग्राही का दायित्वमुक्ति हुई हो।

3. इस गारंटी को प्रभावी करने के लिए प्राधिकरण ऐसे कार्य करने का हकदार होगा मानो बैंक मुख्य देनदार हो, और रियायतग्राही और/या बैंक के गठन में कोई भी परिवर्तन, चाहे वह किसी अन्य निकाय या निगम के साथ विलय द्वारा हो या अन्यथा, इस गारंटी के तहत बैंक के दायित्व या बाध्यता को किसी भी तरह या तरीके से प्रभावित नहीं करेगा।

4. प्राधिकरण के लिए यह आवश्यक नहीं होगा, और बैंक इसके द्वारा ऐसी किसी भी आवश्यकता को त्यागता है, कि वह इस गारंटी के तहत बैंक के समक्ष अपनी मांग प्रस्तुत करने से पहले रियायतग्राही के विरुद्ध कोई कानूनी कार्यवाही करे।

5. प्राधिकरण को इस गारंटी के तहत बैंक के दायित्व को किसी भी तरह से प्रभावित किए बिना, समझौते के नियमों और शर्तों को किसी भी समय बदलने, या समझौते में निहित रियायतग्राही के सभी या किसी दायित्व के अनुपालन, पूर्ति और/या निष्पादन के लिए समय या अवधि बढ़ाने, या रियायतग्राही के विरुद्ध प्राधिकरण द्वारा प्रयोग करने योग्य अपने किसी भी अधिकार और शक्तियों को किसी भी समय और समय-समय पर स्थगित करने, और समझौते में निहित किसी भी नियम और शर्त और/या प्राधिकरण के पास उपलब्ध प्रतिभूतियों को लागू करने या लागू करने से विरत रहने की पूरी स्वतंत्रता होगी; और बैंक को प्राधिकरण द्वारा पूर्वोक्त मामलों के संदर्भ में स्वतंत्रता के किसी भी प्रयोग से या रियायतग्राही को समय दिए जाने के कारण या प्राधिकरण की ओर से किसी अन्य सहनशीलता, अनुग्रह, कार्य या चूक के कारण या किसी भी अन्य मामले या वस्तु के कारण अपने दायित्व और बाध्यता से मुक्त नहीं माना जाएगा, जो ज़मानतदारों और गारंटरों से संबंधित किसी भी कानून के तहत इस प्रावधान के अभाव में बैंक को इस गारंटी के तहत उसके दायित्व और बाध्यता से मुक्त करने

का प्रभाव रखता हो; और बैंक इसके द्वारा ऐसे किसी भी कानून के तहत अपने सभी अधिकारों का त्याग करता है।

6. यह गारंटी समझौते के संबंध में या उसके तहत रियायतग्राही के सभी या किसी भी दायित्व की पूर्ति, अनुपालन और/या निष्पादन के लिए प्राधिकरण द्वारा अब या इसके बाद रखी जाने वाली किसी भी अन्य गारंटी या प्रतिभूति के अतिरिक्त है, न कि उसके प्रतिस्थापन में।

7. इसमें पूर्वोक्त किसी भी बात के होते हुए भी, इस गारंटी के तहत बैंक का दायित्व गारंटी राशि तक सीमित है और यह गारंटी नियत तिथि) की पहली वर्षगांठ अर्थात _____ तिथि तक या नीचे पैराग्राफ 8 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन (जो भी पहले हो) तक लागू रहेगी; और जब तक कि प्राधिकरण द्वारा इस गारंटी के तहत बैंक पर इस गारंटी की समाप्ति की तिथि से 6 (छह) महीने के भीतर लिखित रूप में मांग या दावा प्रस्तुत न किया जाए, इस गारंटी के तहत प्राधिकरण के सभी अधिकार जब्त हो जाएंगे और बैंक अपने दायित्वों से मुक्त हो जाएगा।

8. यह निष्पादन सुरक्षा, इस गारंटी के प्रयोजनार्थ परियोजना के चरण I के सीओडी से 2 वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद प्रभावी और लागू नहीं रहेगी, बशर्ते रियायतग्राही इस समझौते के उल्लंघन में न हो। रियायतग्राही के वैधानिक लेखापरीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित अपेक्षित विवरणों के साथ निष्पादन सुरक्षा जारी करने के लिए रियायतग्राही द्वारा किए गए अनुरोध पर, प्राधिकरण चरण I के पूरा होने के दो वर्ष बाद निष्पादन सुरक्षा तुरंत जारी करेगा।

9. बैंक प्राधिकरण की पूर्व स्पष्ट लिखित सहमति के बिना, इसके प्रचलन के दौरान इस गारंटी को वापस न लेने का वचन देता है, और यह घोषणा करता है और वारंटी देता है कि उसके पास इस गारंटी को जारी करने का अधिकार है और अधोहस्ताक्षरी के पास बैंक की ओर से ऐसा करने के पूर्ण अधिकार हैं।

10. इसके तहत अनुरोध, मांग या अन्यथा कोई भी नोटिस बैंक को उसकी उपर्युक्त संदर्भित शाखा के पते पर डाक द्वारा भेजा जा सकता है, जिसे ऐसा नोटिस प्राप्त करने और उसके तहत तत्काल भुगतान करने के लिए विधिवत अधिकृत माना जाएगा; और यदि डाक द्वारा भेजा जाता है तो इसे उस समय दिया गया माना जाएगा जब इसे डाक के सामान्य क्रम में वितरित किया जाना चाहिए था, और ऐसे नोटिस को साबित करने में यह साबित करना पर्याप्त होगा कि नोटिस वाला लिफाफा डाक में डाला गया था, और प्राधिकरण के किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र कि लिफाफा इस प्रकार डाक में डाला गया था, निर्णायक होगा।

1. यह गारंटी तत्काल प्रभाव से लागू होगी और आज की तिथि से दो वर्ष की अवधि तक प्रभावी और लागू रहेगी अथवा जब तक कि इसे समझौते के प्रावधानों के अनुसरण में प्राधिकरण द्वारा पहले जारी/मुक्त न कर दिया जाए।

आज दिनांक _____ 20__ को _____ पर हस्ताक्षरित एवं मुद्रित।

बैंक की ओर से और उसके निमित्त हस्ताक्षरित, मुद्रित और प्रदत्त:

(हस्ताक्षर)

(नाम)

(पदनाम) (कोड संख्या) (पता)

नोट:

i. बैंक गारंटी में गारंटी पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी (अधिकारियों) का नाम, पदनाम और कोड संख्या होनी चाहिए।

ii. बैंक के प्रधान कार्यालय के साथ-साथ जारीकर्ता शाखा का पता, टेलीफोन नंबर और अन्य विवरण जारीकर्ता शाखा के कवरिंग लेटर पर उल्लिखित होने चाहिए।

अनुसूची-छ

(खंड 12.1 देखें)

परियोजना पूर्णता अनुसूची

1. परियोजना पूर्णता अनुसूची

निर्माण अवधि के दौरान, रियायतग्राही प्रत्येक परियोजना माइलस्टोन और अनुसूचित पूर्णता तिथि ("परियोजना पूर्णता अनुसूची") के लिए इस अनुसूची-जी में निर्धारित आवश्यकताओं का अनुपालन करेगा। प्रत्येक परियोजना मील के पत्थर की तिथि के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, रियायतग्राही उसके आवश्यक विवरणों के साथ इस तरह के अनुपालन की सूचना प्राधिकरण को देगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमति व्यक्त की जाती है कि इस अनुसूची के प्रावधान सिटी साइड विकास पर लागू नहीं होंगे।

2. परियोजना मील का पत्थर-I

2.1. परियोजना मील का पत्थर-I नियत तिथि से 180वें (एक सौ अस्सीवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा **("परियोजना माइलस्टोन-I")**।

2.2. परियोजना मील का पत्थर-I के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही हवाई अड्डे का निर्माण कार्य शुरू कर चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत के कम से कम 5% (पांच प्रतिशत) का व्यय कर चुका होगा।

3. परियोजना मील का पत्थर-II

3.1. परियोजना मील का पत्थर-II नियत तिथि से 365वें (तीन सौ पैंसठवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा **("परियोजना माइलस्टोन-I")**।

3.2. परियोजना मील का पत्थर-II के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही रनवे और टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य शुरू कर चुका होगा तथा वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 15% (पंद्रह प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा और स्वतंत्र अभियंता को ऐसे व्यय वाले भौतिक प्रगति की प्रकृति और सीमा की जानकारी देगा ताकि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित कर सके कि भौतिक प्रगति किए गए व्यय के यथोचित अनुपात में है। बशर्ते, तथापि, पूर्वोक्त संदर्भित व्यय का कम से कम आधा हिस्सा भौतिक कार्यों पर किया गया हो, जिसमें किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अग्रिम या संयंत्र और मशीनरी पर किसी भी प्रकार का व्यय शामिल नहीं होगा।

4. परियोजना मील का पत्थर-III

4.1. परियोजना मील का पत्थर-III नियत तिथि से 550वें (पांच सौ पचासवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा **("परियोजना माइलस्टोन-III")।**

4.2. परियोजना मील का पत्थर-III के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही टैक्सीवे, एप्रन, एटीसी सुविधा का निर्माण शुरू कर चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 30% (तीस प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा तथा स्वतंत्र अभियंता को ऐसे व्यय वाले भौतिक प्रगति की प्रकृति और सीमा की जानकारी देगा ताकि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित कर सके कि भौतिक प्रगति किए गए व्यय के यथोचित अनुपात में है। बशर्ते, तथापि, पूर्वोक्त संदर्भित व्यय का कम से कम आधा हिस्सा भौतिक कार्यों पर किया गया हो, जिसमें किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अग्रिम या संयंत्र और मशीनरी पर किसी भी प्रकार का व्यय शामिल नहीं होगा।

5. परियोजना माइलस्टोन-IV

5.1. परियोजना मील का पत्थर-IV नियत तिथि से 730वें (सात सौ तीसवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा ("**परियोजना माइलस्टोन-IV***")*।

5.2. परियोजना मील का पत्थर-IV के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही कार्गो सुविधाओं, कार पार्क और प्रशासनिक कार्यालय ब्लॉक का निर्माण शुरू कर चुका होगा या शुरू करवा चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 50% (पचास प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा।

6. परियोजना माइलस्टोन-V

6.1. परियोजना माइलस्टोन-V नियत तिथि से 920वें (नौ सौ बीसवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा ("**परियोजना माइलस्टोन-V**")।

6.2. परियोजना मील का पत्थर-V के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही रनवे का ट्रायल रन (परीक्षण संचालन) शुरू कर चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 75% (पचहत्तर प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा।

7. अनुसूचित पूर्णता तिथि

7.1. अनुसूचित पूर्णता तिथि नियत तिथि से 1095वें (एक हजार पचानवे वें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगी।

7.2. अनुसूचित पूर्णता तिथि पर या उससे पहले, रियायतग्राही इस समझौते के अनुसार हवाई अड्डे का निर्माण पूरा कर लेगा।

8. अवधि का विस्तार

इस समझौते के प्रावधानों के तहत और उनके अनुसार, उपर्युक्त परियोजना मील के पत्थरों में से किसी या सभी अथवा अनुसूचित पूर्णता तिथि के विस्तार पर, जैसा भी मामला हो, परियोजना पूर्णता अनुसूची को तदनुसार संशोधित माना जाएगा।

9. आगामी चरणों हेतु परियोजना पूर्णता अनुसूची

हवाई अड्डा विकास के प्रत्येक आगामी चरण के लिए, रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता और प्राधिकरण को अनुसूची A के प्रावधानों के अनुसार विकास योजना तैयार कर प्रस्तुत करेगा, जिसमें परियोजना पूर्णता अनुसूची शामिल होगी, जो मापने योग्य समय इकाइयों (दिन/सप्ताह/माह/वर्ष) में मील के पत्थर को परिभाषित करती है, और विकास के संबंधित चरण के वित्तीय पैकेज में निर्धारित परियोजना लागत की खर्च की गई राशि को विनिर्दिष्ट करती है ("चरण पूर्णता अनुसूची")।

अनुसूची-एच

(खंड 12.3 देखें)

आरेखण

1. आरेखण

इस समझौते के खंड 12.3 में निर्धारित दायित्वों के अनुपालन में, रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता को इस अनुसूची-एच के परिशिष्ट-I में सूचीबद्ध सभी आरेखण निःशुल्क प्रस्तुत करेगा।

2. अतिरिक्त आरेखण

यदि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि इस समझौते के तहत अपने कर्तव्यों और कार्यों के निर्वहन के लिए, उसे परिशिष्ट-I में सूचीबद्ध रेखाचित्रों के अलावा किसी अन्य रेखाचित्र की आवश्यकता है, तो वह नोटिस द्वारा रियायतग्राही से ऐसे रेखाचित्र तत्काल तैयार करने और प्रस्तुत करने की मांग कर सकता है। इस आशय की मांग प्राप्त होने पर, रियायतग्राही तुरंत ऐसे रेखाचित्र तैयार करेगा और स्वतंत्र अभियंता को प्रस्तुत करेगा, मानो ऐसे रेखाचित्र इस अनुसूची-एच के परिशिष्ट-I का हिस्सा थे।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची एच)

रेखाचित्रों की सूची

रियायतग्राही रेखाचित्रों की निम्नलिखित सूची प्रस्तुत करेगा:

- चरणों के अनुसार मास्टर प्लान
- सभी भवनों के लिए वास्तुकला डिज़ाइन
- सभी भवनों के लिए संरचनात्मक रेखाचित्र
- सभी भवनों के लिए एमईपी रेखाचित्र - यांत्रिक, विद्युत एवं प्लंबिंग
- एयरसाइड, टर्मिनल और लैंडसाइड सहित सभी सुविधाओं के लिए सिविल डिज़ाइन।

अनुसूची-I

(खंड 14.1.2 देखें)

परीक्षण

1. परीक्षणों हेतु अनुसूची

1.1. रियायतग्राही, हवाईअड्डे के संभावित पूर्ण होने से कम से कम 90 (नब्बे) दिन पहले, हवाईअड्डे को परीक्षणों के अधीन करने के अपने इरादे के बारे में स्वतंत्र अभियंता और प्राधिकरण को सूचित करेगा, और परीक्षणों की वास्तविक तिथि से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले, स्वतंत्र अभियंता और प्राधिकरण को हवाईअड्डे का हिस्सा बनने वाले सभी कार्यों और उपकरणों की विस्तृत सूची और विवरण प्रस्तुत करेगा।

1.2. रियायतग्राही ऐसे नोटिस की तिथि से 7 (सात) दिनों के बाद किसी भी समय हवाई अड्डे को परीक्षणों के अधीन करने की अपनी तत्परता के बारे में स्वतंत्र अभियंता को सूचित करेगा, और ऐसा नोटिस प्राप्त होने पर, स्वतंत्र अभियंता, रियायतग्राही के परामर्श से, प्रत्येक परीक्षण के लिए तिथि और समय निर्धारित करेगा और प्राधिकरण को इसकी सूचना देगा जो परीक्षणों को देखने के लिए अपने प्रतिनिधि को नामित कर सकता है। तदनुसार स्वतंत्र अभियंता स्वयं परीक्षण आयोजित करेगा या अनुच्छेद 14 और इस अनुसूची-I के अनुसार किसी भी परीक्षण को आयोजित करवाएगा।

2. परीक्षण

2.1. इस समझौते के खंड 14.1.2 के प्रावधानों के अनुसरण में, स्वतंत्र अभियंता इस पैराग्राफ 2 में विनिर्दिष्ट परीक्षणों का संचालन करेगा या करवाएगा।

2.2. दृश्य और भौतिक परीक्षण: स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करने के लिए हवाई अड्डे की दृश्य और भौतिक जांच करेगा कि उसके हिस्से बनने वाले सभी कार्य और उपकरण इस समझौते के प्रावधानों के अनुरूप हैं।

2.3. रनवे, टैक्सीवे, एप्रन, एटीसी सुविधा और टर्मिनल भवन को पूर्ण संरचनाओं या उसके हिस्से के गैर-विनाशकारी परीक्षण के अधीन किया जाएगा, जिसे (आईएस-13311) में वर्णित प्रक्रिया, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों और डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया जाएगा। यदि स्वतंत्र अभियंता को निम्नलिखित में से किसी भी कारण से ऐसी संरचना की मजबूती की पर्याप्तता के बारे में उचित संदेह है, तो वह रियायतग्राही से पूर्वोक्त परीक्षण करने या करवाने की अपेक्षा करेगा:

(क) कंक्रीट परीक्षण क्यूब्स पर संपीड़ित शक्ति (कंप्रेसिव स्ट्रेंथ) के परिणाम विनिर्दिष्ट शक्ति से कम होना;

(ख) फॉर्मवर्क को समय से पहले हटाना;

(ग) कंक्रीट की अपर्याप्त तराई;

(घ) संरचना या उसके हिस्से के निर्माण के दौरान अत्यधिक भार डालना;

(ङ) हनीकॉम्ब या क्षतिग्रस्त कंक्रीट की उपस्थिति जो डिज़ाइन लोड वहन करने के लिए संरचना की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है; या

(च) कोई अन्य कारण जिसके परिणामस्वरूप संरचना या उसका कोई हिस्सा अपेक्षित मजबूती से कम हो सकता है।

2.4. उपकरणों के लिए परीक्षण: स्वतंत्र अभियंता विनिर्देशों और मानकों तथा सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ सभी उपकरणों के अनुपालन का निर्धारण करने के लिए, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार परीक्षण आयोजित करेगा या करवाएगा।

2.5. परीक्षण उड़ानों के लिए ट्रायल रन: रियायतग्राही द्वारा सीओडी से कम से कम 120 (एक सौ बीस) दिन पहले एटीसी सुविधा को प्राधिकरण या भारत सरकार की नामित एजेंसी को सौंपने और प्राधिकरण द्वारा सीओडी से कम से कम 90 (नब्बे) दिन पहले सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए एटीसी सुविधा को सीएनएस/एटीएम उपकरणों से सुसज्जित करने के अधीन, स्वतंत्र अभियंता प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों तथा डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों के साथ हवाई अड्डे के अनुपालन को निर्धारित करने के लिए हवाईअड्डे पर उड़ानों के लिए पर्याप्त ट्रायल रन आयोजित करेगा या करवाएगा।

2.6. हवाईअड्डे का ट्रायल रन : स्वतंत्र अभियंता विनिर्देशों और मानकों, रखरखाव आवश्यकताओं, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों और सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ वैमानिकी आस्तियों, टर्मिनल भवन और गैर-वैमानिकी आस्तियों सहित हवाईअड्डे के अनुपालन को निर्धारित करने के लिए हवाईअड्डे के पर्याप्त ट्रायल रन आयोजित करेगा या करवाएगा।

2.7. पर्यावरणीय लेखापरीक्षा : स्वतंत्र अभियंता लागू कानूनों और लागू परमिटों में निर्धारित पर्यावरणीय आवश्यकताओं के साथ हवाईअड्डे की अनुरूपता निर्धारित करने के लिए जांच करेगा।

2.8. अन्य अनिवार्य परीक्षण: रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि डीजीसीए द्वारा हवाई अड्डा लाइसेंस प्रदान करने के लिए लागू कानूनों के अनुसार आवश्यक सभी सांविधिक परीक्षण सीओडी से 15 (पंद्रह) दिन पहले आयोजित और पूरे किए जाएं।

3. परीक्षण आयोजित करने वाली एजेंसी

इस अनुसूची-I में निर्धारित सभी परीक्षण स्वतंत्र अभियंता द्वारा या ऐसी अन्य एजेंसी या व्यक्ति द्वारा आयोजित किए जाएंगे जिसे वह प्राधिकरण के परामर्श से विनिर्दिष्ट करे।

4. सुरक्षा प्रमाणन हेतु परीक्षण

सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ हवाईअड्डे की अनुरूपता निर्धारित करने के लिए परीक्षण उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार और लागू कानूनों के अनुरूप आयोजित किए जाएंगे।

5. पूर्णता/अनंतिम प्रमाणपत्र

परीक्षणों के सफल समापन पर, स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 14 के प्रावधानों के अनुसार पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र, जैसा भी मामला हो, जारी करेगा।

6. निर्माण के दौरान परीक्षण

इस अनुसूची-I के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निर्माण के दौरान परीक्षण खंड 13.3.1 के प्रावधानों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे।

अनुसूची-जे

(खंड 14.2 एवं 14.3 देखें)

पूर्णता प्रमाणपत्र

1. मैं/हम, _____ (स्वतंत्र अभियंता का नाम), स्वतंत्र अभियंता के रूप में कार्य करते हुए, डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण **("डीबीएफओटी**") के आधार पर जेवर के पास नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के विकास और संचालन के लिए दिनांक _____ के रियायत समझौते ("**समझौता**") के तहत और उसके अनुसार, _____ (रियायतग्राही का नाम) के माध्यम से, एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि समझौते के प्रावधानों के साथ हवाईअड्डे के अनुपालन को निर्धारित करने के लिए समझौते के अनुच्छेद 14 और अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, और मैं/हम संतुष्ट हूँ/हैं कि हवाईअड्डे को इसके उपयोगकर्ताओं की वाणिज्यिक सेवा में सुरक्षित और विश्वसनीय रूप से रखा जा सकता है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि, पूर्वोक्त समझौते के अनुसार, हवाईअड्डे का हिस्सा बनने वाले सभी कार्य पूरे हो चुके हैं, और हवाई अड्डा आज दिनांक _____ 20__ को वाणिज्यिक परिचालन में प्रवेश के लिए तैयार है।

स्वतंत्र अभियंता की ओर से और उनके निमित्त

हस्ताक्षरित, मुद्रित और प्रदत्त:

(हस्ताक्षर)

(नाम)

(पदनाम)

(पता)

अनंतिम प्रमाणपत्र

1. मैं/हम, _____ (स्वतंत्र अभियंता का नाम), स्वतंत्र अभियंता के रूप में कार्य करते हुए, डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("**डीबीएफओटी**") के

आधार पर जेवर के पास नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के विकास और संचालन के लिए दिनांक _____ के रियायत समझौते ("**समझौता**") के तहत और उसके अनुसार, _____ (रियायतग्राही का नाम) के माध्यम से, एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि समझौते के प्रावधानों के साथ इसके अनुपालन को निर्धारित करने के लिए हवाईअड्डे के लिए समझौते के अनुच्छेद 14 और अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट परीक्षण किए गए हैं।

2. हवाईअड्डे का हिस्सा बनने वाले निर्माण कार्य जो अपूर्ण और/या त्रुटिपूर्ण पाए गए थे, उन्हें इसके साथ संलग्न पंच सूची में विनिर्दिष्ट किया गया है, और रियायतग्राही ने सहमति व्यक्त की है और स्वीकार किया है कि वह समझौते में निर्धारित समय और तरीके से ऐसे सभी कार्यों को पूरा करेगा और/या सुधारेगा। कुछ अपूर्ण कार्यों में प्राधिकरण के कारण या अप्रत्याशित घटना के कारण देरी हुई है और इस कारण से अनंतिम प्रमाणपत्र को रोका नहीं जा सकता है। यद्यपि शेष अपूर्ण कार्यों में रियायतग्राही के कारण देरी हुई है, मैं/हम संतुष्ट हूँ/हैं कि ऐसे अपूर्ण कार्यों की प्रकृति और सीमा को ध्यान में रखते हुए, उनके पूरा होने तक हवाईअड्डे के वाणिज्यिक परिचालन को रोकना विवेकपूर्ण नहीं होगा।

3. पूर्वगामी के आलोक में, मैं/हम संतुष्ट हूँ/हैं कि हवाईअड्डे को उसके उपयोगकर्ताओं की वाणिज्यिक सेवा में सुरक्षित और विश्वसनीय रूप से रखा जा सकता है, और समझौते की शर्तों के अनुसार, हवाई अड्डा आज दिनांक ___ 20__ को वाणिज्यिक परिचालन में प्रवेश के लिए अनंतिम रूप से तैयार है।

रियायतग्राही की ओर से एवं उनके निमित्त स्वीकृत, हस्ताक्षरित, मुद्रित एवं प्रदत्त:	**स्वतंत्र अभियंता की ओर से एवं उनके निमित्त हस्ताक्षरित, मुद्रित एवं प्रदत्त:**
(हस्ताक्षर)	**(हस्ताक्षर)**
(नाम एवं पदनाम)	**(नाम एवं पदनाम)**
(पता)	**(पता)**

अनुसूची-के

(खंड 17.2 देखें)

रखरखाव आवश्यकताएं

1. रखरखाव आवश्यकताएं

1.1. रियायतग्राही हर समय समझौते के प्रावधानों, लागू कानूनों और लागू परमिटों के अनुसार हवाईअड्डे का संचालन और रखरखाव करेगा।

1.2. रियायतग्राही इस अनुसूची-K के पैराग्राफ 2 में निर्धारित किसी भी दोष या कमी की मरम्मत या सुधार उसमें विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर करेगा और इस संबंध में कोई भी विफलता समझौते का उल्लंघन मानी जाएगी। इसके तहत किसी भी उल्लंघन के घटित होने पर, प्राधिकरण समझौते के खंड 17.8 में निर्धारित हर्जाना वसूलने का हकदार होगा, जिससे समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, जिसमें इसकी समाप्ति (टर्मिनेशन) भी शामिल है।

2. दोषों और कमियों की मरम्मत/सुधार

2.1. रखरखाव आवश्यकताओं के संबंध में रियायतग्राही के दायित्वों में लागू कानूनों, लागू परमिटों, प्रासंगिक डीजीसीए और आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों तथा उत्तम उद्योग पद्धति में विनिर्दिष्ट दोषों और कमियों की मरम्मत और सुधार करना अथवा हवाईअड्डे को यथोचित आवश्यक सीमा तक नवीनीकृत, प्रतिस्थापित और उन्नत करना शामिल होगा। सभी रखरखाव, मरम्मत और अन्य कार्य इस तरह से किए जाएंगे जिससे हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं को होने वाली असुविधा न्यूनतम हो।

2.2. रियायतग्राही रखरखाव आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हर समय स्पेयर पार्ट्स और उपभोग्य सामग्रियों की पर्याप्त सूची (इन्वेंट्री) बनाए रखेगा।

3. अन्य दोष और कमियां

3.1. उपर्युक्त दस्तावेजों या मानकों में से किसी में विनिर्दिष्ट नहीं किए गए किसी भी दोष या कमी के संबंध में, रियायतग्राही उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार और स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर मरम्मत या सुधार का कार्य करेगा।

3.2. इस अनुसूची-K के परिशिष्ट-I में विनिर्दिष्ट नहीं किए गए किसी भी दोष या कमी के संबंध में, स्वतंत्र अभियंता, उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप, विनिर्देशों और मानकों के संदर्भ में विचलन या गिरावट की स्वीकार्य सीमा विनिर्दिष्ट कर सकता है, और स्वीकार्य सीमा से परे किसी भी विचलन या गिरावट की मरम्मत या सुधार रियायतग्राही द्वारा उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार और स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर किया जाएगा।

4. समय सीमा का विस्तार

इस अनुसूची के में विनिर्दिष्ट किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, यदि किसी दोष या कमी की प्रकृति और सीमा उसकी मरम्मत या सुधार के लिए यहाँ विनिर्दिष्ट समय से अधिक समय को उचित ठहराती है, तो रियायतग्राही उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप अतिरिक्त समय का हकदार होगा। ऐसा अतिरिक्त समय स्वतंत्र अभियंता द्वारा निर्धारित किया जाएगा और इसके कारणों सहित रियायतग्राही और प्राधिकरण को सूचित किया जाएगा।

5. आपातकालीन मरम्मत/पुनर्स्थापना

इस अनुसूची-K में निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, यदि हवाईअड्डे में कोई दोष, कमी या गिरावट सुरक्षा के लिए खतरा या संपत्ति को नुकसान का जोखिम पैदा करती है, तो रियायतग्राही ऐसे खतरे को समाप्त या न्यूनतम करने के लिए तुरंत सभी उचित उपाय करेगा।

6. रियायतग्राही द्वारा दैनिक निरीक्षण

6.1. रियायतग्राही, अपने अभियंता के माध्यम से, हवाईअड्डे का दैनिक दृश्य निरीक्षण करेगा और उसका रिकॉर्ड एक रजिस्टर में रखेगा जिसे ऐसे रूप और तरीके से रखा जाएगा जैसा स्वतंत्र अभियंता विनिर्दिष्ट करे। ऐसा रिकॉर्ड रियायतग्राही की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाएगा और कार्यालय समय के दौरान किसी भी समय प्राधिकरण और स्वतंत्र अभियंता द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रहेगा।

7. विनिवेश आवश्यकताएं

रियायतग्राही द्वारा सभी दोषों और कमियों की मरम्मत और सुधार किया जाएगा ताकि हस्तांतरण तिथि पर हवाई अड्डा रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

8. अनुसूची-के का प्रदर्शन

रियायतग्राही अनुच्छेद 51 में निर्धारित शिकायत रजिस्टर के साथ इस अनुसूची-के की एक प्रति टर्मिनल भवन में प्रदर्शित करेगा।

अनुसूची-एल

(खंड 26.7 देखें)

सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं

1. सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं

रियायतग्राही हर समय यह सुनिश्चित करेगा कि वह इस अनुसूची-एल के परिशिष्ट-I में निर्धारित सेवा गुणवत्ता आवश्यकताओं को प्राप्त करे।

2. मासिक अनुपालन रिपोर्ट

रियायतग्राही प्रत्येक कैलेंडर माह की समाप्ति के 7 (सात) दिनों के भीतर सेवा गुणवत्ता आवश्यकताओं के अनुपालन पर एक मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

3. अनुसूची-एल का प्रदर्शन

रियायतग्राही अनुच्छेद 51 में निर्धारित शिकायत रजिस्टर के साथ इस अनुसूची-एल की एक प्रति टर्मिनल भवन में प्रदर्शित करेगा।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-एल)

सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं

रियायतग्राही हर समय यह सुनिश्चित करेगा कि हवाईअड्डे पर प्रदान की जाने वाली सेवाएं अनुसूची-L के इस परिशिष्ट-I में विनिर्दिष्ट न्यूनतम प्रदर्शन मानकों ("सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं") के अनुरूप हों।

निष्पादन संकेतक	मापक पैमाना	न्यूनतम निष्पादन मानक
स्थानांतरण प्रक्रिया	80% स्थानांतरण यात्रियों के लिए न्यूनतम कनेक्ट समय	घरेलू/अंतर्राष्ट्रीय: 60 मिनट अंतर्राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 45 मिनट घरेलू/घरेलू: 45 मिनट
टर्मिनल सेवाएं	शिकायतों का निवारण	100% शिकायतों का उत्तर 2 कार्य दिवसों के भीतर
	फोन कॉल का उत्तर	90% कॉल का उत्तर 60 सेकंड के भीतर
	उड़ान सूचना की उपलब्धता	98% उपलब्धता
	स्वचालित सेवाएं	98% उपलब्धता
	लिफ्ट, एस्केलेटर आदि	98% उपलब्धता
	मरम्मत पूर्णता समय	95% उच्च प्राथमिकता वाली शिकायतें 4 घंटे में, 95% अन्य शिकायतें 24 घंटे में
	सामान ट्रॉलियां (बैगेज ट्रॉली)	100% उपलब्धता
	दिव्यांगजनों हेतु सहायता	100% समय 5 मिनट के भीतर सहायता
चेक-इन	कतार में अधिकतम समय	बिजनेस क्लास हेतु 5 मिनट इकोनॉमी क्लास हेतु 20 मिनट
सुरक्षा जांच	कतार में प्रतीक्षा समय	ऐसा कि 95% यात्री 5 मिनट से कम प्रतीक्षा करें तथा सुरक्षा जांच बिंदु पर प्रति यात्री औसत समय 45 सेकंड हो।
आप्रवासन	आप्रवासन हेतु कतार में समय	ऐसा कि 95% यात्री 10 मिनट से कम प्रतीक्षा करें तथा काउंटर पर औसत समय 120 सेकंड हो।
सामान वितरण	विमान आगमन से सामान वितरण का समय	घरेलू - पहला बैग 10 मिनट, अंतिम बैग ऑन-ब्लॉक्स समय से 30 मिनट।

		अंतर्राष्ट्रीय - पहला बैग 15 मिनट, अंतिम बैग ऑन-ब्लॉक्स समय से 40 मिनट।
यात्री आगमन प्रक्रिया	विमान आगमन से कर्ब-साइड तक का समय	अंतर्राष्ट्रीय - 95% यात्री 45 मिनट से कम समय लें घरेलू - 95% यात्री 35 मिनट से कम समय लें
पार्किंग बे	% समय उपलब्धता	99%
यात्री बोर्डिंग ब्रिज	बोर्डिंग ब्रिज हेतु एयरलाइन अनुरोधों की पूर्ति का %	अंतर्राष्ट्रीय - 90% घरेलू - बी737/ए320 या बड़े विमानों हेतु 90% अनुरोध
कार पार्किंग	पार्किंग स्थल खोजने में लगा औसत समय (शुल्क भुगतान/टिकट संग्रह सहित)	95% चालकों को 5 मिनट से कम समय लगे
	पार्किंग स्लॉट से निकास द्वार तक औसत समय (शुल्क भुगतान सहित)	95% चालकों को 5 मिनट से कम समय लगे
टैक्सी	अधिकतम प्रतीक्षा समय	95% यात्री 5 मिनट से कम प्रतीक्षा करें
गेट लाउंज	बैठने की उपलब्धता	विमान क्षमता के 80% हेतु सीटें
लैंड साइड पहुँच	टर्मिनल अग्रभाग सड़क पर विलंब	95% वाहनों को 5 मिनट से कम का विलंब

II. व्यक्तिपरक सेवा गुणवत्ता मानदंड और बेंचमार्क

सेवा की व्यक्तिपरक गुणवत्ता को प्रत्येक तिमाही में आयोजित किए जाने वाले एआईसी एएसक्यू सर्वेक्षण में "हवाईअड्डे से समग्र संतुष्टि" के पैरामीटर पर मापा जाएगा। "हवाईअड्डे से समग्र संतुष्टि" पैरामीटर के लिए बेंचमार्क स्कोर कम से कम ऐसे स्कोर के बराबर होगा कि हवाईअड्डे को दुनिया में अपनी श्रेणी के सभी हवाई अड्डों के शीर्ष 20 (बीस) पर्सेंटाइल के भीतर पहचाना जाए। रियायतग्राही समझौते के प्रावधानों के अनुसार प्रस्तुत किए जा रहे विवरणों के हिस्से के रूप में एआईसी एएसक्यू सर्वेक्षण के सभी मापे गए मापदंडों पर प्रदर्शन भी प्रदान करेगा। निम्नलिखित मदों का मूल्यांकन रियायतग्राही के उचित नियंत्रण या प्रभाव के तहत किया जाएगा और रेटिंग की गणना के लिए उपयोग किया जाएगा। नीचे दी गई सूची एआईसी एएसक्यू सर्वेक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार परिवर्तन के अधीन है:

क) दिक्चालन मदें :

क. हवाईअड्डे के माध्यम से रास्ता खोजने में आसानी / साइनेज

ख. उड़ान सूचना स्क्रीन

ग. पैदल चलने की दूरी

ख) कनेक्टिविटी मदें:

क. अन्य उड़ानों के साथ कनेक्शन बनाने में आसानी

ख. हवाई अड्डों तक/से भू-परिवहन

ग) सेवा सुविधाएं:

क. सामान गाड़ियों (बैगेज कार्ट) की उपलब्धता

ख. रेस्तरां / खानपान सुविधाएं

ग. खरीदारी की सुविधाएं

घ. व्यावसायिक सुविधाएं

ड. प्रसाधन कक्ष (वॉशरूम)

च. पार्किंग सुविधाएं

घ) पैसे का मूल्य:

क. रेस्तरां / खानपान सुविधाएं

ख. खरीदारी सुविधाएं

ग. पार्किंग सुविधाएं

अनुसूची-एम

(खंड 23.1 देखें)

सुरक्षा आवश्यकताएं

1. मार्गदर्शक सिद्धांत

(क) सुरक्षा आवश्यकताओं का उद्देश्य हवाईअड्डे पर या उसके आसपास दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाली चोटों, जीवन की हानि और संपत्ति के नुकसान में कमी लाना है, भले ही किसी भी व्यक्ति की गलती हो।

(ख) हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं में रियायतग्राही और हवाईअड्डे पर काम करने वाले उसके ठेकेदारों के कर्मचारी शामिल हैं।

(ग) सुरक्षा आवश्यकताएं दुर्घटनाओं से जुड़े कारकों की पहचान, उन पर विचार और उचित उपचारात्मक उपायों के कार्यान्वयन पर जोर देने के साथ निर्माण, संचालन और रखरखाव के सभी चरणों पर लागू होती हैं।

(घ) सुरक्षा आवश्यकताओं में इस अनुसूची-एम के परिशिष्ट-I में विनिर्दिष्ट सुरक्षा दिशानिर्देशों के विशेष संदर्भ में सुरक्षित आवागमन, सुरक्षा प्रबंधन, सुरक्षा उपकरण, अग्नि सुरक्षा, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़े उपाय शामिल हैं।

2. रियायतग्राही के दायित्व

रियायतग्राही उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा से संबंधित निम्नलिखित का पालन करेगा:

(क) लागू कानून और लागू परमिट;

(ख) प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित सुरक्षा नियमावली;

(ग) इस समझौते के प्रावधान;

(घ) प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेज और अनुलग्नक, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देश और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत कोड में निहित अन्य प्रासंगिक मानक/दिशानिर्देश; और

(ङ) उत्तम उद्योग पद्धति।

3. सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति

3.1. इस अनुसूची-एम के तहत और उसके अनुसार हवाईअड्डे की सुरक्षा लेखापरीक्षा करने के लिए, प्राधिकरण समय-समय पर एक या अधिक योग्य फर्मों या संगठनों को अपने सलाहकार ("सुरक्षा सलाहकार") के रूप में नियुक्त करेगा। सुरक्षा सलाहकार हवाईअड्डे की सुरक्षा लेखापरीक्षा करने के लिए एक टीम नियुक्त करेगा जिसमें बिना किसी सीमा के, एक हवाई अड्डा सुरक्षा विशेषज्ञ और एक यातायात योजनाकार शामिल होगा।

3.2. प्रत्येक लेखा वर्ष में एक बार, सुरक्षा सलाहकार द्वारा सुरक्षा लेखापरीक्षा की जाएगी। यह पूर्ववर्ती वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट और दुर्घटना डेटा की समीक्षा, संकलन और विश्लेषण करेगा तथा हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा। सुरक्षा सलाहकार 1 (एक) महीने की अवधि के भीतर सुरक्षा लेखापरीक्षा पूरी करेगा और हवाईअड्डे में आवश्यक विशिष्ट सुधारों की सिफारिश करते हुए एक सुरक्षा रिपोर्ट ("सुरक्षा रिपोर्ट") प्रस्तुत करेगा। सुरक्षा रिपोर्ट प्राधिकरण को 5 (पांच) प्रतियों में प्रस्तुत की जाएगी। सुरक्षा रिपोर्ट की एक-एक प्रति प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही और स्वतंत्र अभियंता को तत्काल अग्रेषित की जाएगी।

4. परिचालन अवधि के दौरान सुरक्षा उपाय

4.1. रियायतग्राही उपयोगकर्ताओं के लिए एक निगरानी और सुरक्षा कार्यक्रम विकसित, कार्यान्वित और प्रशासित करेगा, जिसमें विमान के अपहरण पर प्रतिक्रिया, सुरक्षा उल्लंघनों और कमियों का सुधार और इस समझौते के अनुसार सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए आवश्यक अन्य सभी कार्रवाइयाँ शामिल हैं।

4.2. रियायतग्राही सीओडी पर और उसके बाद कार्य करने के लिए एक हवाई अड्डा सुरक्षा प्रबंधन इकाई ("एएसएमयू") स्थापित करेगा, और अपने अधिकारियों में से एक को एएसएमयू का प्रभारी नामित करेगा। ऐसे अधिकारी को इस विषय पर किसी प्रतिष्ठित संगठन द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम में भाग लेने के माध्यम से हवाई अड्डा प्रणाली सुरक्षा में विशेषज्ञ ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए।

4.3. रियायतग्राही हवाईअड्डे पर होने वाली किसी भी दुर्घटना के संबंध में पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्रत्येक प्रथम सूचना रिपोर्ट ("एफआईआर") की एक प्रति रखेगा। इसके अलावा, रियायतग्राही पुलिस द्वारा दर्ज नहीं किए गए दुर्घटनाओं के सभी मामलों का डेटा भी एकत्र करेगा। इस प्रकार एकत्र की गई जानकारी को इस उद्देश्य के लिए प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रपत्र में संक्षेपित किया जाएगा। रियायतग्राही रूट मैप पर प्रत्येक दुर्घटना के सटीक स्थान को भी रिकॉर्ड करेगा। पूर्वोक्त डेटा प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जाएगा।

4.4. रियायतग्राही प्रत्येक वर्ष 31 (इकतीस) मई से पहले प्राधिकरण को एक वार्षिक रिपोर्ट (दस प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा, जिसमें बिना किसी सीमा के, पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की सभी दुर्घटनाओं की विस्तृत सूची और विश्लेषण तथा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को टालने या न्यूनतम करने के लिए इस अनुसूची-एम के पैराग्राफ 6.1 के प्रावधानों के अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा किए गए उपाय शामिल होंगे।

4.5. प्रत्येक लेखा वर्ष में एक बार, प्राधिकरण द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सुरक्षा सलाहकार

द्वारा सुरक्षा लेखापरीक्षा की जाएगी। यह पूर्ववर्ती वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट और दुर्घटना डेटा की समीक्षा और विश्लेषण करेगा, और हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा। सुरक्षा सलाहकार 1 (एक) महीने की अवधि के भीतर सुरक्षा लेखापरीक्षा पूरी करेगा और हवाईअड्डे में किए जाने वाले विशिष्ट सुधारों की सिफारिश करते हुए एक सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। ऐसी सिफारिशों पर इस अनुसूची-एम के पैराग्राफ 4.3, 4.4 और 4.5 में निर्धारित तरीके से यथोचित परिवर्तन सहित कार्रवाई की जाएगी।

5. लागत और व्यय

इस अनुसूची-एम के पैराग्राफ 2 के प्रावधानों सहित यहाँ निर्धारित सुरक्षा आवश्यकताओं के संबंध में किए गए खर्च और व्यय को अनुच्छेद 23 के अनुसार पूरा किया जाएगा।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-एम)

सुरक्षा दिशानिर्देश

1. सुरक्षित आवागमन

हवाईअड्डे के डिज़ाइन, निर्माण और संचालन में, उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसमें आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित और कुशल निकासी की सुविधाएं शामिल होंगी। विशेष रूप से, टर्मिनल को सुरक्षित आवागमन के लिए डिज़ाइन और परीक्षण किया जाएगा।

2. प्रणाली अखंडता

बिजली आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग), सिग्नलिंग, संचार और सुरक्षा उपकरणों के डिज़ाइन में, विफलता की संभावित घटनाओं को कम करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाएगा।

3. सेवा की पुनर्स्थापना

हवाईअड्डे को इस तरह से डिज़ाइन किया जाएगा कि कोई खराबी आने की स्थिति में, प्रभावित क्षेत्र या उपकरण को यथासंभव अलग (आइसोलेट) करके कुछ ही मिनटों के भीतर सीमित सेवा प्रदान की जा सके।

4. आकस्मिकता और सुरक्षा प्रबंधन

4.1. रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों और डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार निम्नलिखित घटनाओं से निपटने के लिए हवाईअड्डे पर उपयुक्त आकस्मिक व्यवस्थाएं मौजूद हों:

क) रनवे और टैक्सीवे से अक्षम विमान को हटाना;

ख) किसी विमान या हवाईअड्डे को बम की धमकी, या आतंकवाद का कोई कृत्य;

ग) हवाईअड्डे के आसपास और उसके निकट विमान दुर्घटनाएं;

घ) गैर-अनुसूचित विमान को हवाईअड्डे पर उतरने के लिए बाध्य होना;

ङ) हवाईअड्डे पर आग लगना;

च) प्राकृतिक आपदाएं और विपदाएं;

छ) हवाईअड्डे पर हड़ताल;

ज) नागर विमानन में गैर-कानूनी हस्तक्षेप; और

झ) हवाईअड्डे पर कोई अन्य आपातकालीन स्थिति।

4.2. रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि एटीसी सुविधा को हवाई अड्डा प्रबंधक और हवाईअड्डे पर स्थित सभी आपातकालीन सेवाओं से जोड़ने के लिए आपातकालीन अलार्म घंटियां स्थापित और संचालित की जाएं, जिनमें अग्निशमन सेवाएं, चिकित्सा सेवाएं, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और पुलिस शामिल हैं।

4.3. विभिन्न परिसंपत्तियों के लिए जांच और रखरखाव सहनशीलता (टॉलरेंस) की प्रबंधन प्रणाली और उसके अनुपालन को स्पष्ट रूप से सामने लाने के लिए रियायतग्राही द्वारा प्रत्येक तिमाही में एक बार एक सुरक्षा विवरण तैयार किया जाएगा। विवरण में ऐसी जांच और सहनशीलता से निपटने में कर्मचारियों के प्रशिक्षण और जागरूकता की प्रकृति और सीमा भी सामने लाई जाएगी। प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर विवरण की दो प्रतियां स्वतंत्र अभियंता को भेजी जाएंगी।

5. सुरक्षा उपकरण

हवाईअड्डे पर निम्नलिखित सुरक्षा उपकरण प्रदान किए जाएंगे:
क) हवाईअड्डे पर उपयुक्त स्थानों पर अग्निशामक यंत्र और फायर अलार्म;
ख) पर्याप्त संख्या में स्ट्रेचर और मानक प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स; और
ग) ऐसे अन्य उपकरण जो प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप आवश्यक हों।

6. आपातकाल

विभिन्न आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आपातकालीन प्रक्रियाओं का एक सेट तैयार किया जाएगा और सीओडी से पहले रियायतग्राही द्वारा तैयार और प्रकाशित किए जाने वाले आपदा प्रबंधन मैनुअल ("आपदा प्रबंधन नियमावली") में निर्धारित आवधिक सिमुलेटेड अभ्यासों के माध्यम से आपातकाल के दौरान उचित प्रतिक्रिया देने के लिए परिचालन कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। रियायतग्राही सीओडी से कम से कम 30 (तीस) दिन पहले आपदा प्रबंधन मैनुअल की 5 (पांच) प्रतियां प्राधिकरण और स्वतंत्र अभियंता को प्रदान करेगा।

7. अग्नि सुरक्षा

7.1. रियायतग्राही हवाई अड्डा टर्मिनल भवनों, ईंधन भरने वाले रैंप ड्रेनेज और लोडिंग वॉकवे पर यूएस नेशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन (एनएफपीए) में विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप

कार्य करेगा।

7.2. यात्री क्षेत्रों में आग से बचाव के लिए, रियायतग्राही इसके निर्माण में अग्निरोधी सामग्री का उपयोग करेगा और ऐसी सामग्रियों के उपयोग से बचेगा जो कुछ हद तक ज्वलनशील हैं, या जो जलने पर धुआं और हानिकारक गैसें उत्सर्जित करती हैं।

7.3. आपातकालीन निकास बिना किसी बाधा के सुलभ होना चाहिए और निकास द्वार सामान्य तौर पर बंद रखे जाने चाहिए। आपातकालीन स्थिति में निकास द्वार टर्मिनल भवन के अंदर से खोलने में आसान होने चाहिए।

7.4. निकास मार्गों को सही दिशा में तीरों द्वारा स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा और किसी भी गूढ़ (क्रिप्टिक) प्रतीक का उपयोग नहीं किया जाएगा। इस खंड 7.4 के प्रावधानों का अनुपालन करने में, धुएं के कारण दृश्यता की कमी की संभावना को विधिवत ध्यान में रखा जाएगा। सभी नोटिस और साइनेज एक समान और मानकीकृत होंगे।

7.5. प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों के प्रावधानों के अनुसार बचाव और अग्निशमन सेवाओं की उपयुक्त श्रेणियां उपलब्ध कराई जाएंगी और उनका रखरखाव किया जाएगा।

8. उपयोगकर्ता सुरक्षा और सूचना प्रणाली

8.1. रियायतग्राही एएसएमयू को यात्री क्षेत्रों और टर्मिनल भवन की निगरानी के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा, और उपयोगकर्ताओं को दृश्य जानकारी प्रदान करेगा। रियायतग्राही एक सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से टर्मिनल भवन में उपयोगकर्ताओं को एकतरफा संचार भी प्रदान करेगा। आपात स्थिति में उपयोगकर्ताओं को एएसएमयू से संपर्क करने की अनुमति देने के लिए उपयोगकर्ता कॉल पॉइंट सुविधाजनक स्थानों पर स्थित होने चाहिए।

8.2. उपयोगकर्ता सूचना प्रणाली में गतिशील दृश्य डिस्प्ले और लाउडस्पीकर शामिल होंगे।

अनुसूची-एन

मासिक विवरण

मासिक यातायात गणना

(खंड 25.3 देखें)

हवाईअड्डा: _____ माह: _____

उपयोगकर्ता का प्रकार	**पिछले वर्ष का संगत माह**	**पूर्ववर्ती माह**	**रिपोर्ट का माह**
क. विमान			
क1 अंतर्राष्ट्रीय आगमन			
क2 अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान			
क3 घरेलू आगमन			
क4 घरेलू प्रस्थान			
ख. यात्री			
ख1 अंतर्राष्ट्रीय आगमन			
ख2 अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान			
ख3 घरेलू आगमन			
ख4 घरेलू प्रस्थान			
ग. हवाईअड्डे में प्रवेश करने वाले वाहन			
ग1 2/3 पहिया वाहन			
ग2 कारें			

ग3 एलसीवी/मिनी ट्रक
ग4 बस/ट्रक
घ. हवाईअड्डे से बाहर निकलने वाले वाहन)
घ1 2/3 पहिया वाहन
घ2 कारें
घ3 एलसीवी/मिनी ट्रक
घ4 बस/ट्रक

दौरान परियोजना हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या:

(INT: अंतर्राष्ट्रीय, DOM: घरेलू, ग और घ हवाईअड्डे के प्रत्येक प्रवेश मार्ग के लिए अलग से प्रदान किए जाने हैं) टिप्पणियाँ, यदि कोई हों:

मासिक कार्गो गणना

(खंड 25.3 देखें)

हवाई अड्डा: _____ माह: _____

कार्गो का प्रकार	**प्रेषणों की संख्या**	**सकल भार**	**मूल्य (रूपए में)**
क. आवक			
क1 बल्क कार्गो (100 किग्रा से अधिक)			
क2 छोटा कार्गो			
क3 खराब होने वाला सामान			
कुल (क)			

ख. जावक
ख1 बल्क कार्गो (100 किग्रा से अधिक)
ख2 छोटा कार्गो
ख3 खराब होने वाला सामान
कुल (ख)
ग. कुल योग (क+ख)

नोट: अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कार्गो के लिए अलग-अलग विवरण प्रस्तुत करें। टिप्पणियाँ, यदि कोई हों:

मासिक शुल्क विवरण)

(खंड 32.9 देखें)

हवाई अड्डा: _____ माह: _____

शुल्क का प्रकार एवं प्रयोजन	**पिछले वर्ष का संगत माह उपयोगकर्ता | संगृहीत शुल्क**	**पूर्ववर्ती माह उपयोगकर्ता | संगृहीत शुल्क**	**वर्तमान माह उपयोगकर्ता | संगृहीत शुल्क**
क. लैंडिंग			
ख. पार्किंग			
ग. हाउसिंग			
घ. यात्री सेवा			
ङ. चेक-इन सेवाएं			
च. आगंतुकों का प्रवेश			
छ. कार पार्क			
ज. कार्गो सुविधाएं			

झ. ग्राउंड हैंडलिंग
कुल

(उपरोक्त तालिका में शामिल नहीं की गई शुल्क मदों के लिए अतिरिक्त पंक्तियाँ जोड़ी जाएं) टिप्पणियाँ, यदि कोई हों:

अनुसूची-ओ

यातायात नमूनाकरण

1. यातायात नमूनाकरण

प्राधिकरण, अपने विवेक पर और अपनी लागत पर, हवाईअड्डे पर वास्तविक यात्री, वाहन, कार्गो और आगंतुक यातायात का निर्धारण करने के लिए खंड 25.4 के अनुसरण में यातायात नमूनाकरण कर सकता है। ऐसा यातायात नमूनाकरण स्वतंत्र अभियंता के माध्यम से नीचे निर्धारित तरीके से या ऐसे तरीके से किया जाएगा जिस पर दोनों पक्ष सहमत हों।

2. मैन्युअल यातायात गणना

स्वतंत्र अभियंता आवश्यक संख्या में प्रगणकों (गिनतीकर्ताओं) को नियुक्त करेगा जो सभी उपयोगकर्ताओं के गुजरने पर उनकी गिनती, वर्गीकरण और रिकॉर्ड करेंगे तथा सर्वेक्षण को निश्चित समय अवधियों में विभाजित करेंगे। गणना स्टेशन प्रवेश द्वारों के पास या शुल्क संग्रह बिंदुओं पर स्थित होंगे। सर्वेक्षण लगातार न्यूनतम 24 (चौबीस) घंटे और एक समय में अधिकतम 7 (सात) दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा। पीक आवर यातायात का निर्धारण करने के लिए विशेष सर्वेक्षण भी किए जा सकते हैं और ऐसे सर्वेक्षण लगातार 7 (सात) दिनों की अवधि के लिए एक दिन में 4 (चार) पीक आवर्स तक किए जा सकते हैं। गणना अवधि 15 (पंद्रह) मिनट होगी जिसके परिणाम प्रति घंटा संक्षेपित होंगे। सभी सर्वेक्षण काफी हद तक इस अनुसूची-पी में विनिर्दिष्ट तरीके से या ऐसे तरीके से आयोजित किए जाएंगे जिस पर दोनों पक्ष सहमत हों।

3. स्वचालित यातायात गणना

रुक-रुक कर (गैर-निरंतर) आधार पर आयोजित की जाने वाली स्वचालित यातायात गणना के लिए, स्वतंत्र अभियंता प्रवेश या शुल्क संग्रह बिंदुओं से गुजरने वाले उपयोगकर्ताओं को वर्गीकृत और रिकॉर्ड करने के लिए उपयुक्त और मानकीकृत उपकरणों का उपयोग करेगा। इस प्रयोजनार्थ, यह सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 1,000 (एक हजार) उपयोगकर्ताओं के साथ काउंटर की जांच की जाएगी कि उपयोगकर्ताओं की सही गणना और वर्गीकरण किया जा रहा है।

4. मैन्युअल और स्वचालित गणना के बीच भिन्नता

औसत दैनिक यातायात (एडीटी) पूर्वोक्त दो विधियों द्वारा अलग-अलग निर्धारित किया जाएगा और यदि मैन्युअल विधि द्वारा गिने गए उपयोगकर्ताओं की संख्या स्वचालित विधि द्वारा गिने गए ऐसे उपयोगकर्ताओं की संख्या से 1% (एक प्रतिशत) से अधिक भिन्न होती है, तो मैन्युअल और स्वचालित गणना दोहराई जाएगी, और दूसरी गणना में दोनों गणनाओं के बीच किसी भी विसंगति की स्थिति में, उसका औसत वास्तविक यातायात माना जाएगा। संदेह

निवारण के लिए, यह स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की जाती है कि प्राधिकरण, रियायतग्राही के परामर्श से, ऐसे नमूनाकरण की विश्वसनीयता में सुधार के लिए यातायात नमूनाकरण की संशोधित या वैकल्पिक प्रक्रियाओं को अपना सकता है, और मैन्युअल और स्वचालित यातायात गणना करने के बजाय, केवल स्वचालित यातायात गणना या उसके किसी विकल्प पर निर्भर हो सकता है।

अनुसूची-पी

(खंड 26.10 देखें)

यात्री चार्टर

1. सुरक्षा के साथ सेवा

हमारा उद्देश्य पूर्ण ग्राहक संतुष्टि के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से हवाई अड्डा प्रबंधन में सुरक्षा और गुणवत्ता प्रदान करना है। यह चार्टर हमारे हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धताओं और वे हमसे क्या उम्मीद कर सकते हैं, इसकी व्याख्या करता है।

2. विषय-सूची

1. प्रस्तावना
2. यात्री सेवा हेतु हमारे मानक
3. सूचना की उपलब्धता
4. सहायता की आवश्यकता वाले यात्री
5. टिकट खरीदना
6. खोई हुई संपत्ति
7. आपके विचारों को सुनना
8. हमारा वादा किया गया प्रतिक्रिया समय

2.1. प्रस्तावना

ग्राहकों की संतुष्टि हमारा ध्येय है! हवाई अड्डा प्रबंधन का यह इरादा है कि वह अपने प्रशिक्षित कर्मचारियों और ठेकेदारों के माध्यम से इस हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करे। हमारा लक्ष्य प्रदान करना है:

क) हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा और संरक्षा

ख) स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण

ग) विश्वसनीय और समझने में आसान जानकारी

घ) विनम्र, ग्राहक-अनुकूल और मददगार कर्मचारी

ङ) सुखद और उचित खरीदारी और खानपान का अनुभव

च) आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता

2.2. यात्री सेवा हेतु हमारे मानक

हम अपने हवाईअड्डे पर आपको एक विश्वसनीय और आरामदायक सेवा प्रदान करने के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार करने हेतु निरंतर कठिन प्रयास करेंगे।

2.2.1. हवाईअड्डे तक पहुँच

हम हवाईअड्डे के क्षेत्र के भीतर पहुँच को सुचारू और आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हमारी यातायात योजनाएं इस प्रकार उन्मुख होंगी कि हवाई अड्डा क्षेत्र में आसानी से प्रवेश और निकास संभव हो सके। आपकी पहुँच को आरामदायक बनाने के लिए, हम हवाई अड्डा क्षेत्र के भीतर पहुँच मार्ग पर अनधिकृत रूप से पार्क की गई कारों को क्रेन से हटा देंगे।

2.2.2. टर्मिनल भवन में प्रवेश

हम यह सुनिश्चित करेंगे कि टर्मिनल भवन में प्रवेश परेशानी मुक्त हो और जब कई प्रवेश द्वार उपलब्ध हों, तो विशिष्ट एयरलाइनों को समर्पित प्रवेश द्वारों पर जानकारी उपयुक्त रूप से प्रदर्शित की जाएगी। टर्मिनल भवन में प्रवेश गैर-भेदभावपूर्ण होगा। हालांकि, यात्रियों के साथ आने वाले आगंतुकों को निर्धारित अनुसार प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा। सुरक्षा की आवश्यकताओं के अनुसार आगंतुकों के प्रवेश को समय-समय पर सीमित या निलंबित किया जा सकता है।

2.2.3. सामान / बैगेज

हम उन सभी यात्रियों को लगेज ट्रॉली की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे जिन्हें इसकी आवश्यकता है। आपकी सुविधा के लिए सशुल्क कुली सेवा (पोर्टरेज सर्विस) भी उपलब्ध कराई जाएगी।

2.2.4. वाहनों की पार्किंग

कार, स्कूटर, बस आदि विभिन्न वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थल प्रदान करना हमारा प्रयास होगा। पार्किंग सुविधाओं का उपयोग निर्धारित शुल्क के भुगतान पर उपलब्ध होगा जो वाहनों और उपयोग की जाने वाली पार्किंग के प्रकार के अनुसार भिन्न हो सकता है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आप अपने वाहन को पार्क करने/बाहर निकालने में 5 मिनट से अधिक समय न लगाएं।

2.2.5. कतार की लंबाई

पर्याप्त संख्या में चेक-इन काउंटर, एक्स-रे बैगेज मशीन, कन्वेयर बेल्ट आदि प्रदान किए जाएंगे ताकि कतारों में लगने वाला समय न्यूनतम रहे।

2.2.6. सुविधाएं

आप शौचालय, स्वच्छ पेयजल, लिक्विड सोप, पेपर ग्लास और चाइल्ड केयर रूम जैसी मुफ्त सुविधाओं के हकदार हैं। निःसंदेह, अन्य सभी सुविधाएं भुगतान के आधार पर उपलब्ध होंगी। यात्रियों की जरूरतों के लिए खाने-पीने और खरीदारी की सभी आवश्यक सुविधाएं एक सुखद माहौल में उपलब्ध होंगी। उचित मूल्य पर बुनियादी पेय पदार्थों और खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सुविधाजनक स्थानों पर वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी। हम यह

सुनिश्चित करेंगे कि विक्रेता एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) से संबंधित कानूनों के अनुसार अपनी वस्तुओं की कीमत तय करें। यात्रियों को प्रतिस्पर्धा और विकल्प सुनिश्चित करने के लिए प्रतिस्पर्धी विक्रेताओं की वेंडिंग मशीनें प्रदान की जाएंगी। हम टर्मिनल भवन की स्वच्छता और स्वच्छता भी सुनिश्चित करेंगे ताकि आप अपना समय सुकून भरे और सुखद तरीके से बिता सकें।

हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होगा कि आपको अधिकांश सेवाओं के लिए 5 मिनट से अधिक और अपने सामान/बैगेज के लिए 20 मिनट से अधिक समय तक कतार में न खड़ा होना पड़े।

2.2.7. बैठने की व्यवस्था

उपयोगकर्ताओं के लिए प्रतीक्षालय की योजना इस प्रकार बनाई जाएगी कि पीक आवर क्षमता के कम से कम 30% लोगों को आरामदायक सीटें प्रदान की जाएं।

आपकी सुविधा के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था प्रदान की जाएगी और बाहर का तापमान 40°सें से कम होने पर टर्मिनल भवन के अंदर का तापमान 25°सें बनाए रखा जाएगा। अन्य मामलों में टर्मिनल भवन के बाहर के तापमान और टर्मिनल भवन के अंदर के तापमान के बीच का अंतर 15°से से कम नहीं होगा। शीत ऋतु के दौरान तापमान 15°सें से कम नहीं होगा।

2.2.8. टैक्सियाँ

हम सुनिश्चित करेंगे कि आपके आगमन पर प्रीपेड टैक्सियाँ उपलब्ध हों। कम से कम 95% (पंचानवे प्रतिशत) यात्रियों के लिए अधिकतम प्रतीक्षा समय 5 मिनट से अधिक नहीं होगा।

2.2.9. नियोजित / अनियोजित इंजीनियरिंग कार्य

हम सुनिश्चित करेंगे कि जब भी कोई संशोधन/मरम्मत कार्य किया जाए, तो क्षेत्र की पर्याप्त रूप से घेराबंदी की जाए, स्पष्ट साइनेज उपलब्ध हों और हवाईअड्डे का सामान्य कामकाज किसी भी तरह से प्रभावित न हो।

2.3. सूचना की उपलब्धता

सूचना ही शक्ति है। हम उड़ानों के आगमन और प्रस्थान के समय पर समय पर जानकारी प्रदान करेंगे। टर्मिनल भवन में प्रवेश करने से पहले भी जानकारी उपलब्ध होगी ताकि किसी भी देरी की स्थिति में आप अपने रिश्तेदारों/दोस्तों के साथ अधिक समय बिता सकें। हम

टर्मिनल भवन के अंदर स्पष्ट और समझने में आसान सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत साइनेज भी प्रदान करेंगे ताकि आप किसी की मदद मांगे बिना सभी सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

हालाँकि, यदि आपको किसी भी सहायता की आवश्यकता है, तो हमारे प्रशिक्षित कर्मचारी आपकी सहायता के लिए मौजूद रहेंगे। उड़ान के समय की सटीकता और असामान्य देरी काफी हद तक एयरलाइनों के सहयोग पर निर्भर करती है। हम एयरलाइनों के साथ समन्वय करने और जानकारी प्राप्त होने पर उसे तुरंत अपडेट करने के सभी प्रयास करेंगे।

2.4. सहायता की आवश्यकता वाले यात्री

हम दिव्यांग यात्रियों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील हैं। हम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं:
2.4.1. यात्रियों को सहायता: जैसे ही आप टर्मिनल प्रभारी के संज्ञान में आवश्यकता लाएंगे, हमारे प्रशिक्षित कर्मचारी आपकी सहायता के लिए तैयार रहेंगे।

2.4.2. प्रसाधन कक्ष: हम दिव्यांग-अनुकूल शौचालय प्रदान करेंगे जो उपयोग में आसान हों।
2.4.3. रैंप: जहाँ भी संभव हो, व्हीलचेयर यात्रियों के लिए रैंप प्रदान किए जाएंगे।
2.4.4. प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं: किसी भी अप्रत्याशित चिकित्सीय आपात स्थिति से निपटने के लिए सुविधाएं उपलब्ध होंगी और योग्य पेशेवर द्वारा प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की जाएगी।

2.5. टिकट खरीदना

हमारे हवाईअड्डे पर टिकट खरीदना बहुत आसान और सुविधाजनक है।

हवाईअड्डे पर सभी प्रमुख एयरलाइनों के टिकट काउंटरों की पर्याप्त संख्या प्रदान की जाएगी। वे जनता के लिए खुले रहेंगे और शहर की तरफ खुलेंगे। हवाई मार्ग से आने वाले और किसी अन्य गंतव्य पर जाने वाले यात्री भी टर्मिनल भवन से बाहर निकले बिना अपने टिकट खरीद सकते हैं।

2.6. खोई हुई संपत्ति

हवाईअड्डे पर कुछ खो गया? आप इसे टर्मिनल भवन में स्थित खोई हुई संपत्ति कार्यालय से वापस प्राप्त कर सकते हैं।

सभी खोई और पाई गई वस्तुएं खोई हुई संपत्ति अधिकारी प्रभारी को भेजी जाएंगी। आप अपने खोए हुए सामान की पुनर्प्राप्ति के लिए उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन तक उनके ईमेल पते पर संपर्क किया जा सकता है।

2.7. आपके विचारों को सुनना

ग्राहक हमेशा सही होता है। ग्राहक संतुष्टि हमारा ध्येय है। निरंतर सुधार हमारा लक्ष्य है। हमारी सेवा के विभिन्न पहलुओं पर उपयोगकर्ता संतुष्टि सर्वेक्षण का समय-समय पर विश्लेषण

किया जाएगा। आपके सुझावों/शिकायतों को दर्ज करने के लिए विभिन्न स्थानों पर सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई हैं। आप पत्राचार या हमारी फोन लाइनों या हमारी वेबसाइट के माध्यम से भी हमसे संपर्क कर सकते हैं।

2.8. हमारा वादा किया गया प्रतिक्रिया समय

जब आप हमें लिखते हैं, तो आपको सात कार्य दिवसों के भीतर हमारी ओर से उत्तर मिलना चाहिए।

क) यदि पूर्ण उत्तर प्रदान करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है, तो हम आपको 7 (सात) कार्य दिवसों के भीतर एक पावती भेजेंगे और 25 (पच्चीस) कार्य दिवसों के भीतर उत्तर देंगे।

ख) यदि 25 कार्य दिवसों के भीतर पूर्ण उत्तर नहीं दिया जा सकता है, तो हम आपसे संपर्क करेंगे और आपको अद्यतन करेंगे।

ग) हवाईअड्डे पर विभिन्न सेवाएं प्रदान करने में कई एजेंसियां शामिल हैं। ऊपर हमारे द्वारा वादा की गई कुछ सेवाओं में इन एजेंसियों के साथ बातचीत और समन्वय शामिल हो सकता है जो सेवा के प्रावधान के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। इस मामले में, हम आपकी चिंताओं को दूर करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करेंगे।

यदि आप हमारे उत्तर से असंतुष्ट हैं, तो हम अपनी प्रतिक्रिया से आपको संतुष्ट करने के लिए अपने सभी प्रयास करेंगे। कृपया हमें बताएं। इससे हमें कमजोर स्थानों की पहचान करने और अपने प्रदर्शन में निरंतर सुधार करने में मदद मिलेगी।

अनुसूची-क्यू

(खंड 27.1 देखें)

स्वतंत्र अभियंता का चयन

1. स्वतंत्र अभियंता का चयन

1.1. वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यालय ज्ञापन 24(23)/PF-II/2008 दिनांक 21 मई 2009 के माध्यम से जारी तकनीकी सलाहकारों के चयन हेतु मॉडल प्रस्ताव अनुरोध (मॉडल आरएफपी), या इसके किसी भी विकल्प के प्रावधान, स्वतंत्र अभियंता के कार्यों और कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए एक अनुभवी फर्म के चयन हेतु लागू होंगे। बशर्ते, तथापि, प्राधिकरण के स्वामित्व या नियंत्रण वाली कोई भी संस्था इसके तहत स्वतंत्र अभियंता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगी।

1.2. पैराग्राफ 1.1 के प्रावधानों के अनुसार नियुक्त स्वतंत्र अभियंता की समाप्ति की स्थिति में, प्राधिकरण तुरंत तकनीकी सलाहकारों की दूसरी फर्म नियुक्त करेगा या इस अनुसूची क्यू के पैराग्राफ 5 के प्रावधानों के अनुसार सरकार के स्वामित्व वाली संस्था को संलग्न कर सकता है।

1.3. रियायतग्राही, अपने विवेक से, इस अनुसूची-क्यू के तहत प्राधिकरण द्वारा की जाने वाली चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधि नामित कर सकता है।

2. विचारार्थ विषय

स्वतंत्र अभियंता के लिए विचारार्थ विषय (टीओआर) काफी हद तक अनुसूची-आर के अनुरूप होंगे।

3. शुल्क और व्यय

3.1. विकास अवधि और निर्माण अवधि के दौरान स्वतंत्र अभियंता द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों और सेवाओं की प्रकृति और मात्रा का निर्धारण करते समय, प्राधिकरण यह प्रयास करेगा कि शुल्क और खर्चों के मद में स्वतंत्र अभियंता को भुगतान कुल परियोजना लागत के 1% (एक प्रतिशत) से अधिक न हो। ऐसे 1% (एक प्रतिशत) से अधिक न होने वाले भुगतानों को इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार प्राधिकरण और रियायतग्राही द्वारा समान रूप से वहन किया जाएगा और इसके अतिरिक्त किसी भी भुगतान को प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाएगा।

3.2. परिचालन अवधि के दौरान स्वतंत्र अभियंता द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों और सेवाओं की प्रकृति और मात्रा प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के प्रावधानों के अनुरूप और व्यय में मितव्ययिता को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाएगी। परिचालन अवधि के दौरान शुल्क

और खर्चों के मद में स्वतंत्र अभियंता को किए गए सभी भुगतान प्राधिकरण और रियायतग्राही द्वारा समान रूप से वहन किए जाएंगे।

4. प्रत्येक तीन वर्ष में चयन

इस अनुसूची-क्यू के पैराग्राफ 1 के प्रावधानों के अनुसरण में स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति की तिथि से 3 (तीन) वर्ष के भीतर, और उसके बाद प्रत्येक 3 (तीन) वर्ष में, प्राधिकरण इस अनुसूची-क्यू में निर्धारित मानदंडों के अनुसार दूसरी फर्म को संलग्न करेगा।

5. स्वतंत्र अभियंता के रूप में सरकारी संस्था की नियुक्ति

इस अनुसूची में निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, प्राधिकरण अपने विवेक से सरकार के स्वामित्व वाली संस्था को स्वतंत्र अभियंता के रूप में नियुक्त कर सकता है; बशर्ते कि ऐसी संस्था एक निगमित निकाय हो जिसका प्राथमिक कार्य इंजीनियरिंग परियोजनाओं के लिए परामर्श, सलाहकार और पर्यवेक्षी सेवाएं प्रदान करना हो; आगे बशर्ते कि राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण वाली सरकारी संस्था स्वतंत्र अभियंता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगी।

अनुसूची-आर

(खंड 27.2.1 देखें)

स्वतंत्र अभियंता हेतु विचारार्थ विषय

1. कार्यक्षेत्र

1.1. स्वतंत्र अभियंता के लिए ये विचारार्थ विषय ("टीओआर") दिनांक _____ के उस रियायत समझौते ("समझौता") के अनुसरण में विनिर्दिष्ट किए जा रहे हैं जो डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") के आधार पर _____ शहर में _____ स्थित हवाईअड्डे के लिए प्राधिकरण और _____ ("रियायतग्राही") के बीच निष्पादित किया गया है, और जिसकी एक प्रति इसके साथ संलग्न है तथा इस टीओआर का हिस्सा बनने के लिए परिशिष्ट-क के रूप में चिह्नित है।

1.2. यह टीओआर हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और रखरखाव पर लागू होगा।

2. परिभाषाएं और व्याख्या

2.1. इस टीओआर में प्रयुक्त बड़े अक्षरों (कैपिटल लेटर्स) से शुरू होने वाले शब्द और अभिव्यक्तियां जो यहाँ परिभाषित नहीं हैं बल्कि समझौते में परिभाषित हैं, उनका वही अर्थ होगा जो समझौते में उन्हें क्रमशः सौंपा गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

2.2. इस टीओआर में अनुच्छेदों, खंडों और अनुसूचियों के संदर्भ, सिवाय इसके जहां संदर्भ में अन्यथा आवश्यक हो, समझौते के अनुच्छेदों, खंडों और अनुसूचियों के संदर्भ माने जाएंगे, और पैराग्राफ के संदर्भ इस टीओआर के पैराग्राफ के संदर्भ माने जाएंगे।

2.3. समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में बताए गए व्याख्या के नियम इस टीओआर पर यथोचित परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

3. स्वतंत्र अभियंता की भूमिका और कार्य

3.1. स्वतंत्र अभियंता की भूमिका और कार्यों में निम्नलिखित शामिल होंगे:

क. पैराग्राफ 4 में निर्धारित अनुसार रेखाचित्रों और दस्तावेजों की समीक्षा;

ख. पैराग्राफ 5 में निर्धारित अनुसार निर्माण कार्यों की समीक्षा, निरीक्षण और निगरानी;

ग. निर्माण पूरा होने पर परीक्षण आयोजित करना और पैराग्राफ 5 में निर्धारित अनुसार पूर्णता/अनंतिम प्रमाणपत्र जारी करना;

घ. पैराग्राफ 6 में निर्धारित अनुसार ओएंडएम (संचालन एवं रखरखाव) की समीक्षा, निरीक्षण और निगरानी;

ङ. पैराग्राफ 7 में निर्धारित अनुसार विनिवेश आवश्यकताओं की समीक्षा, निरीक्षण और निगरानी;

च. समझौते के तहत आवश्यक अनुसार, किसी भी कार्य या सेवाओं की लागत और/या उनकी तर्कसंगतता का निर्धारण करना;

छ. समझौते के तहत आवश्यक अनुसार, किसी भी कर्तव्य या दायित्व को पूरा करने के लिए अवधि या उसके किसी भी विस्तार का निर्धारण करना;

ज. पैराग्राफ 9 में निर्धारित अनुसार विवादों के समाधान में पक्षों की सहायता करना; और

झ. समझौते के अनुसार अन्य सभी कर्तव्यों और कार्यों का निर्वहन करना।

3.2. स्वतंत्र अभियंता की भूमिका और कार्यों में सिटी साइड विकास से जुड़े निर्माण कार्य शामिल नहीं होंगे।

3.3. स्वतंत्र अभियंता पेशेवर अखंडता और उत्तम उद्योग पद्धति के उच्चतम मानकों के अनुरूप, निष्पक्ष, तटस्थ और कुशल तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

4. विकास अवधि

4.1. विकास अवधि के दौरान, स्वतंत्र अभियंता भू-तकनीकी और जल-वैज्ञानिक जांच, उधार क्षेत्रों और खदान स्थलों से सामग्रियों की विशेषताएं, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और यातायात सर्वेक्षण सहित सहायक डेटा के साथ रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले रेखाचित्रों की विस्तृत समीक्षा करेगा। स्वतंत्र अभियंता ऐसी समीक्षा पूरी करेगा और ऐसे रेखाचित्र प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी टिप्पणियाँ/अवलोकन भेजेगा। विशेष रूप से, ऐसी टिप्पणियों में परियोजना के कार्यक्षेत्र और विनिर्देशों एवं मानकों के साथ ऐसे रेखाचित्रों की अनुरूपता या अन्यथा का उल्लेख होग।

4.2. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा भेजे गए किसी भी संशोधित रेखाचित्र या सहायक दस्तावेजों की समीक्षा करेगा और ऐसे रेखाचित्र या दस्तावेज प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

4.3. स्वतंत्र अभियंता अनुसूची-एम के अनुसार रेखाचित्रों की समीक्षा करेगा और ऐसे रेखाचित्र प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा। स्वतंत्र अभियंता सुरक्षा रिपोर्ट की भी समीक्षा करेगा और ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण को उस पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

4.4. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा उसे भेजे गए विस्तृत डिज़ाइन, निर्माण पद्धति, गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं और खरीद, इंजीनियरिंग एवं निर्माण समय सारिणी की समीक्षा करेगा और उसकी प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

4.5. प्राधिकरण द्वारा संदर्भ दिए जाने पर, स्वतंत्र अभियंता ईपीसी अनुबंध या हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए किसी अन्य अनुबंध की समीक्षा करेगा और टिप्पणी

करेगा, तथा प्राधिकरण से ऐसा संदर्भ प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

5. निर्माण अवधि

5.1. निर्माण अवधि के दौरान स्वतंत्र अभियंता द्वारा अपनी समीक्षा और टिप्पणियों के लिए प्राप्त रेखाचित्रों, दस्तावेजों और सुरक्षा रिपोर्ट के संबंध में पैराग्राफ 4 के प्रावधान यथोचित परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

5.2. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत मासिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करेगा और ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

5.3. स्वतंत्र अभियंता महीने में एक बार निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेगा, अधिमानतः रियायतग्राही से मासिक प्रगति रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, लेकिन किसी भी मामले में प्रत्येक माह के 20वें दिन से पहले, और निर्माण की स्थिति, प्रगति, गुणवत्ता और सुरक्षा का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए ऐसे निरीक्षण की एक रिपोर्ट ("निरीक्षण रिपोर्ट") तैयार करेगा, जिसमें अपनाई गई कार्य पद्धति, उपयोग की गई सामग्री और उनके स्रोत, तथा परियोजना के कार्यक्षेत्र और विनिर्देशों एवं मानकों के साथ निर्माण कार्यों की अनुरूपता शामिल होगी। निरीक्षण रिपोर्ट के एक अलग खंड में, स्वतंत्र अभियंता हवाईअड्डे के निर्माण में अपने द्वारा देखी गई खामियों, दोषों या कमियों का उचित विवरण देगा। स्वतंत्र अभियंता निरीक्षण के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी निरीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति भेजेगा।

5.4. यदि कोई खामी, दोष या कमी ऐसे निरीक्षणों की मांग करती है तो स्वतंत्र अभियंता एक महीने में एक से अधिक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण कर सकता है।

5.5. यह निर्धारित करने के लिए कि निर्माण कार्य विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप हैं, स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से नमूना (सैंपल) के आधार पर गुणवत्ता आश्वासन के लिए उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने वाले परीक्षण करने या करवाने की अपेक्षा करेगा। इस पैराग्राफ 5.5 के प्रयोजनों के लिए, संरचनाओं, भवनों और उपकरणों के संबंध में प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट प्रासंगिक नियमावलियों ("गुणवत्ता नियंत्रण नियमावली") या उसके किसी संशोधन/प्रतिस्थापन में विनिर्दिष्ट परीक्षणों को गुणवत्ता आश्वासन के लिए उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप परीक्षण माना जाएगा। स्वतंत्र अभियंता यह सुनिश्चित करने के लिए रियायतग्राही को आवश्यक निर्देश जारी करेगा कि परीक्षण निष्पक्ष और कुशल तरीके से आयोजित किए जाएं, और उनके परिणामों की निगरानी और समीक्षा करेगा।

5.6. पैराग्राफ 5.5 के तहत स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने वाले परीक्षणों का नमूना आकार (सैंपल साइज) गुणवत्ता नियंत्रण मैनुअल में परीक्षणों की प्रत्येक श्रेणी या प्रकार

के लिए निर्धारित परीक्षणों की मात्रा या संख्या का 10% (दस प्रतिशत) होगा; बशर्ते कि स्वतंत्र अभियंता, लिखित में दर्ज किए जाने वाले कारणों से, परीक्षणों की कुछ श्रेणियों या प्रकारों के लिए पूर्वोक्त नमूना आकार को 10% (दस प्रतिशत) तक बढ़ा सकता है।

5.7. पैराग्राफ 5.5 में संदर्भित परीक्षणों का समय, और उनके परिणामों की स्वीकृति/अस्वीकृति के मानदंड गुणवत्ता नियंत्रण नियमावली के अनुसार स्वतंत्र अभियंता द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। परीक्षण यादृच्छिक (रैंडम) नमूना आधार पर किए जाएंगे और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के गुणवत्ता आश्वासन के लिए किए जाने वाले परीक्षणों के अतिरिक्त और स्वतंत्र होंगे।

5.8. यदि रियायतग्राही किसी भी दोष या कमी को दूर करने या सुधारने के लिए कोई उपचारात्मक कार्य करता है, तो स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से यह निर्धारित करने के लिए परीक्षण करने या करवाने की अपेक्षा करेगा कि ऐसे उपचारात्मक कार्यों ने निर्माण कार्यों को विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप ला दिया है, और इस पैराग्राफ 5 के प्रावधान ऐसे परीक्षणों पर लागू होंगे।

5.9. यदि रियायतग्राही परियोजना के किसी भी मील के पत्थर को प्राप्त करने में विफल रहता है, तो स्वतंत्र अभियंता निर्माण की प्रगति की समीक्षा करेगा और संभावित देरी की पहचान करेगा। यदि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि समझौते में विनिर्दिष्ट समय के भीतर हवाईअड्डे का पूरा होना संभव नहीं है, तो वह रियायतग्राही से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्रगति में तेजी लाने के लिए प्रस्तावित कदमों और उस अवधि को इंगित करने की अपेक्षा करेगा जिसके भीतर चरण I के लिए सीओडी प्राप्त किया जाएगा। रियायतग्राही से रिपोर्ट प्राप्त होने पर, स्वतंत्र अभियंता उसकी समीक्षा करेगा और प्राधिकरण तथा रियायतग्राही को तत्काल अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

5.10. यदि निर्माण अवधि के दौरान किसी भी समय, स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि रियायतग्राही ने निर्माण क्षेत्र में श्रमिकों और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की है या कोई काम इस तरह से किया जा रहा है जिससे श्रमिकों और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को खतरा है, तो वह प्राधिकरण को तत्काल एक सिफारिश करेगा, जिसमें निर्माण कार्यों के उस पूरे या हिस्से की पहचान की जाएगी जिसे सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निलंबित किया जाना चाहिए।

5.11. यदि रियायतग्राही निलंबित कार्यों और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई उपचारात्मक उपाय करता है, तो वह लिखित नोटिस द्वारा स्वतंत्र अभियंता से ऐसे कार्यों का निरीक्षण करने की मांग कर सकता है, और ऐसा नोटिस प्राप्त होने के 3 (तीन) दिनों के भीतर, स्वतंत्र अभियंता निलंबित कार्यों का निरीक्षण करेगा और प्राधिकरण को तत्काल

एक रिपोर्ट देगा, जिसमें सिफारिश की जाएगी कि क्या ऐसा निलंबन प्राधिकरण द्वारा रद्द किया जा सकता है या नहीं।

5.12. यदि निर्माण कार्यों का निलंबन ऐसे कारणों से है जो रियायतग्राही के कारण नहीं हैं, तो स्वतंत्र अभियंता परियोजना पूर्णता अनुसूची में निर्धारित तिथियों के विस्तार का निर्धारण करेगा, जिसके लिए रियायतग्राही यथोचित हकदार है, और प्राधिकरण तथा रियायतग्राही को इसकी सूचना देगा।

5.13. स्वतंत्र अभियंता अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट सभी परीक्षणों को संचालित करेगा या करवाएगा और पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र, जैसा भी मामला हो, जारी करेगा। इस पैराग्राफ 5.13 और उससे जुड़े सभी मामलों के तहत अपने कार्यों को पूरा करने के लिए, स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 14 और अनुसूची-I के प्रावधानों के तहत और उनके अनुसार कार्य करेगा।

5.14. प्राधिकरण से संदर्भ प्राप्त होने पर, स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 16 में निर्धारित जानकारी, कार्य और सेवाएं प्रदान करने की लागत का एक निष्पक्ष और उचित मूल्यांकन करेगा और प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को भुगतान के लिए ऐसी लागतों की तर्कसंगतता को प्रमाणित करेगा।

5.15. स्वतंत्र अभियंता रखरखाव नियमावली तैयार करने में रियायतग्राही की सहायता और सलाह देगा।

6. परिचालन अवधि

6.1. परिचालन अवधि के दौरान अपनी समीक्षा और टिप्पणियों के लिए स्वतंत्र अभियंता द्वारा प्राप्त रेखाचित्रों, दस्तावेजों और सुरक्षा रिपोर्ट के संबंध में, पैराग्राफ 4 के प्रावधान यथोचित परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

6.2. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत वार्षिक रखरखाव कार्यक्रम की समीक्षा करेगा और रखरखाव कार्यक्रम प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

6.3. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत त्रैमासिक स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा करेगा और ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

6.4. स्वतंत्र अभियंता महीने में एक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा, अधिमानतः रियायतग्राही से मासिक स्थिति रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, लेकिन किसी भी मामले में प्रत्येक माह के 20वें दिन से पहले, और मुख्य प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई), रखरखाव आवश्यकताओं और सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ इसकी अनुरूपता सहित ओ एंड एम की स्थिति, गुणवत्ता और सुरक्षा का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए एक ओ एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेगा। ओ

एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट के एक अलग खंड में, स्वतंत्र अभियंता हवाईअड्डे के ओ एंड एम में अपने द्वारा देखी गई खामियों, दोषों या कमियों का उचित विस्तार से वर्णन करेगा। स्वतंत्र अभियंता निरीक्षण के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी ओ एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति भेजेगा।

6.5. यदि कोई खामी, दोष या कमी ऐसे निरीक्षणों की आवश्यकता पैदा करती है तो स्वतंत्र अभियंता एक महीने में एक से अधिक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण कर सकता है।

6.6. स्वतंत्र अभियंता अपनी ओ एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट में उन परीक्षणों को विनिर्दिष्ट करेगा, यदि कोई हों, जिन्हें रियायतग्राही यह निर्धारित करने के उद्देश्य से संचालित करेगा या करवाएगा कि हवाई अड्डा रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप है। वह ऐसे परीक्षणों के परिणामों और इस संबंध में रियायतग्राही द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों की निगरानी और समीक्षा करेगा।

6.7. अनुसूची-L के पैराग्राफ 3 में संदर्भित किसी भी दोष या कमी के संबंध में, स्वतंत्र अभियंता, उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप, विनिर्देशों और मानकों के संदर्भ में विचलन या गिरावट की स्वीकार्य सीमा विनिर्दिष्ट करेगा और स्वीकार्य सीमा से परे किसी भी विचलन या गिरावट की मरम्मत या सुधार के लिए समय सीमा भी विनिर्दिष्ट करेगा।

6.8. स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करेगा कि क्या समझौते के अनुसार मरम्मत या उपचारात्मक कार्यों को पूरा करने में कोई देरी हुई है, और ऐसी देरी के लिए रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय हर्जाना, यदि कोई हो, भी निर्धारित करेगा।

6.9. स्वतंत्र अभियंता यातायात में व्यवधान को कम करने की आवश्यकता और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार ऐसे रखरखाव/मरम्मत को पूरा करने के लिए आवश्यक समय को ध्यान में रखते हुए हवाईअड्डे के रखरखाव/मरम्मत के लिए हवाईअड्डे को बंद करने के रियायतग्राही के अनुरोध की जांच करेगा। वह रियायतग्राही से अनुरोध प्राप्त होने के 3 (तीन) दिनों के भीतर ऐसे संशोधनों के साथ अनुमति प्रदान करेगा, जैसा वह आवश्यक समझे। बंद करने की अनुमत अवधि की समाप्ति पर, स्वतंत्र अभियंता हवाईअड्डे के ऐसे खंड को फिर से खोलने की निगरानी करेगा, और देरी के मामले में, खंड 17.7 के तहत रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय हर्जाने का निर्धारण करेगा।

6.10. स्वतंत्र अभियंता खंड 24.5 में निर्धारित अनुसार रियायतग्राही द्वारा दोषों और कमियों को दूर करने की निगरानी और समीक्षा करेगा।

6.11. यदि रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता को किसी ऐसे संशोधन के बारे में सूचित करता है जिसे वह हवाईअड्डे में करने का प्रस्ताव करता है, तो स्वतंत्र अभियंता उसकी समीक्षा करेगा और प्रस्ताव प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी

टिप्पणियाँ भेजेगा।

6.12. शुल्क संग्रह प्रणाली का ऑडिट: स्वतंत्र अभियंता, महीने में कम से कम एक बार, उपयोगकर्ताओं के प्रवेश और निकास को रिकॉर्ड करने तथा शुल्क को रिकॉर्ड करने में इसकी सटीकता की जांच करने के लिए रियायतग्राही द्वारा स्थापित स्वचालित शुल्क संग्रह प्रणाली के कामकाज का ऑडिट करेगा।

6.13. स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 20 और अनुसूची-पी के तहत और उनके अनुसार, प्राधिकरण द्वारा आवश्यकतानुसार यातायात नमूनाकरण का कार्य करेगा।

7. समाप्ति

7.1. समाप्ति से 90 (नब्बे) दिन पहले से अनधिक लेकिन ऐसी समाप्ति से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले किसी भी समय, स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही के प्रतिनिधि की उपस्थिति में, खंड 43.1 में निर्धारित विनिवेश आवश्यकताओं के रियायतग्राही द्वारा अनुपालन का निर्धारण करने के लिए हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा और यदि आवश्यक हो, तो ऐसे अनुपालन का निर्धारण करने के लिए रियायतग्राही की लागत पर परीक्षण करवाएगा। यदि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि हवाईअड्डे की स्थिति ऐसी है कि उसकी मरम्मत और सुधार के लिए खंड 44.2 में निर्धारित राशि से अधिक राशि की आवश्यकता होगी, तो वह एस्क्रो खाते में आवश्यक राशि बनाए रखने और उसे बनाए रखने की अवधि की सिफारिश करेगा।

7.2. स्वतंत्र अभियंता उसमें विनिर्दिष्ट दोषों या कमियों के संबंध में अनुच्छेद 44 के तहत रियायतग्राही के दायित्व का निर्धारण करने के लिए समाप्ति के बाद 90 (नब्बे) दिनों की अवधि के दौरान प्रत्येक 15 (पंद्रह) दिनों में एक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा। यदि स्वतंत्र अभियंता द्वारा ऐसा कोई दोष या कमी पाई जाती है, तो वह उचित विवरण में एक रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे तत्काल प्राधिकरण तथा रियायतग्राही को भेजेगा।

8. लागत और समय का निर्धारण

8.1. स्वतंत्र अभियंता उन लागतों और/या उनकी तर्कसंगतता का निर्धारण करेगा, जिनका निर्धारण समझौते के तहत उसके द्वारा किया जाना आवश्यक है।

8.2. स्वतंत्र अभियंता उस अवधि या उसके किसी विस्तार का निर्धारण करेगा, जिसका निर्धारण समझौते के तहत उसके द्वारा किया जाना आवश्यक है।

9. विवाद समाधान में सहायता

9.1. किसी भी विवाद की स्थिति में दोनों में से किसी भी पक्ष द्वारा बुलाए जाने पर, स्वतंत्र अभियंता मध्यस्थता करेगा और पक्षों को एक सौहार्दपूर्ण समाधान पर पहुँचने में सहायता

करेगा।

9.2. समझौते के किसी भी प्रावधान में निर्धारित उत्तम उद्योग पद्धति के अर्थ, कार्यक्षेत्र और प्रकृति के संबंध में पक्षों के बीच किसी भी असहमति की स्थिति में, स्वतंत्र अभियंता उत्तम उद्योग पद्धति और प्रामाणिक साहित्य पर भरोसा करते हुए एक तर्कसंगत लिखित बयान जारी करके ऐसे अर्थ, कार्यक्षेत्र और प्रकृति को विनिर्दिष्ट करेगा।

10. अन्य कर्तव्य और कार्य

स्वतंत्र अभियंता समझौते में विनिर्दिष्ट अन्य सभी कर्तव्यों और कार्यों का पालन करेगा।

11. विविध

11.1. स्वतंत्र अभियंता प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपने निरीक्षण कार्यक्रम की सूचना देगा, जो अपने विवेक से निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहने के लिए अपने संबंधित प्रतिनिधियों को प्रतिनियुक्त कर सकते हैं।

11.2. इस टीओआर के अनुसरण में स्वतंत्र अभियंता द्वारा रियायतग्राही को भेजे गए सभी संचार, टिप्पणियों, निर्देशों, रेखाचित्रों या दस्तावेजों की एक प्रति और उस पर स्वतंत्र अभियंता की टिप्पणियों के साथ सभी परीक्षण परिणामों की एक प्रति स्वतंत्र अभियंता द्वारा प्राधिकरण को तत्काल प्रस्तुत की जाएगी।

11.3. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा स्वतंत्र अभियंता को इस समझौते के तहत प्रस्तुत किए जाने वाले सभी संचार और रिपोर्ट 2 (दो) प्रतियों में प्राप्त करेगा, जिसके बाद स्वतंत्र अभियंता अपनी टिप्पणियों के साथ 1 (एक) प्रति प्राधिकरण को भेजेगा।

11.4. स्वतंत्र अभियंता अपने द्वारा प्राप्त सभी रेखाचित्रों और दस्तावेजों की कम से कम एक प्रति, जिसमें 'ऐज़-बिल्ट' रेखाचित्र शामिल हैं, अपने पास रखेगा और उन्हें अपनी सुरक्षित अभिरक्षा में रखेगा।

11.5. इसके तहत अपने कार्य को पूरा करने पर, स्वतंत्र अभियंता सभी रेखाचित्रों, दस्तावेजों, परीक्षणों के परिणामों और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्डों को विधिवत वर्गीकृत और सूचीबद्ध करेगा और उन्हें प्राधिकरण या ऐसे अन्य व्यक्ति को सौंप देगा जिसे प्राधिकरण विनिर्दिष्ट करे, और उसकी लिखित रसीद प्राप्त करेगा। उक्त दस्तावेजों की दो प्रतियां उनके संपादन योग्य डिजिटल प्रारूप में या ऐसे अन्य माध्यम या तरीके से भी प्रस्तुत की जाएंगी जो प्राधिकरण को स्वीकार्य हों।

11.6. जहां स्वतंत्र अभियंता द्वारा सेवाओं के वितरण के लिए कोई अवधि विनिर्दिष्ट नहीं की गई है, स्वतंत्र अभियंता उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार अपने कार्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक दक्षता और तात्कालिकता के साथ कार्य करेगा।

अनुसूची-एस

हटा दिया गया

अनुसूची-टी

(खंड 36.1.2 देखें)

एस्क्रो समझौता

यह एस्क्रो समझौता आज दिनांक _____ 20__ को निम्नलिखित के बीच निष्पादित किया गया:

के मध्य :

1. _____ लिमिटेड, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत निगमित कंपनी और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है (जिसे इसके बाद "रियायतग्राही" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारी, अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे);

2. _____ (ऋणदाता प्रतिनिधि का नाम और विवरण दर्ज करें) और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है, इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में मामलों के संबंध में अपने विधिवत अधिकृत एजेंट के रूप में वरिष्ठ ऋणदाताओं के लिए और उनकी ओर से कार्य करते हुए (जिन्हें इसके बाद "ऋणदाता प्रतिनिधि" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारी और प्रतिस्थानी शामिल होंगे);

3. _____ (एस्क्रो बैंक का नाम और विवरण दर्ज करें) और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है (जिन्हें इसके बाद "एस्क्रो बैंक" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारी और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); तथा

4. _____ (जिन्हें इसके बाद "प्राधिकरण" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे)।

चूंकि :

क. प्राधिकरण ने डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") के आधार पर _____ राज्य के _____ में हवाईअड्डे के लिए रियायतग्राही के साथ दिनांक _____ का एक रियायत समझौता ("रियायत समझौता") निष्पादित किया है, और जिसकी एक प्रति इसके साथ संलग्न है तथा इस समझौते का हिस्सा बनने के लिए परिशिष्ट-क के रूप में चिह्नित है।

ख. वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार परियोजना को वित्तपोषित करने पर सहमत हुए हैं।

ग. रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही को अन्य बातों के साथ-साथ उसमें बताए गए नियमों और शर्तों पर एक एस्क्रो खाता स्थापित करने की आवश्यकता है।

अतएव, अब पूर्वगामी के प्रतिफल में और इस समझौते में निर्धारित संबंधित वचनों और समझौतों के तहत, जिनकी प्राप्ति और पर्याप्तता को एतद्द्वारा स्वीकार किया जाता है, और कानूनी रूप से बाध्य होने के इरादे से, पक्ष निम्नानुसार सहमत होते हैं:

1. परिभाषाएं और व्याख्या

1.1. परिभाषाएं:

"समझौता" का अर्थ है यह एस्क्रो समझौता और इसमें निहित प्रावधानों के अनुसार किया गया कोई भी संशोधन;

"रियायत समझौता" का अर्थ ऊपर विवरण (क) में संदर्भित तथा इसके साथ अनुबंध-क के रूप में संलग्न रियायत समझौते से है, और इसमें इसके सभी विवरण और अनुसूचियां तथा इसमें इसके निमित्त अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार इसमें किए गए कोई भी संशोधन सम्मिलित होंगे;

"उपचार अवधि" का अर्थ रियायतग्राही द्वारा इस समझौते के किसी भी उपबंध के किसी भी उल्लंघन या व्यतिक्रम के उपचार के लिए इस समझौते में विनिर्दिष्ट अवधि से है, और यह उस तिथि से प्रारंभ होगी जिस दिन प्राधिकरण या ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, रियायतग्राही को ऐसी सूचना में विनिर्दिष्ट उल्लंघन या व्यतिक्रम का उपचार करने हेतु सूचना दी जाती है;

"एस्क्रो खाता" का अर्थ इस समझौते के निबंधनों के अनुसार और इसके तहत स्थापित एक एस्क्रो खाते से है, और इसमें उप-खाते सम्मिलित होंगे;

"एस्क्रो व्यतिक्रम" का अर्थ खंड 6.1 में इसके लिए निर्धारित अर्थ होगा;

"ऋणदाता प्रतिनिधि" का अर्थ पूर्वगामी विवरणों में ऋणदाता प्रतिनिधि के रूप में संदर्भित व्यक्ति से है;

"पक्षकार" का अर्थ सामूहिक रूप से इस समझौते के पक्षकारों से है और "पक्षकार" का अर्थ व्यक्तिगत रूप से इस समझौते के किसी भी पक्षकार से होगा;

"भुगतान तिथि" का अर्थ खंड 4.1 में विनिर्दिष्ट किसी भी भुगतान के संबंध में, ऐसे भुगतान के लिए विनिर्दिष्ट तिथि (तिथियों) से है; तथा

"उप-खाते" का अर्थ एस्क्रो खाते के संबंधित उप-खातों से है, जिनमें खंड 4.1 में विनिर्दिष्ट धनराशि प्रत्येक माह जमा की जाएगी और यदि देय हो तो भुगतान की जाएगी, और यदि किसी माह में देय न हो तो उस माह में आनुपातिक रूप से विनियोजित की जाएगी और संबंधित उप-खातों में बनाए रखी जाएगी तथा भुगतान तिथि (तिथियों) पर उसमें से भुगतान की जाएगी।

1.2 निर्वचन

1.2.1 ऋणदाता प्रतिनिधि के संदर्भों का अर्थ, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से और उनके निमित्त कार्य करने वाले ऋणदाता प्रतिनिधि से होगा।

1.2.2 बड़े अक्षरों से प्रारंभ होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें उनके लिए निर्धारित किया गया है, तथा इस समझौते में प्रयुक्त और इसमें अपरिभाषित किंतु रियायत समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में उनके लिए निर्धारित किया गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

1.2.3 खंडों के संदर्भ, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.4 रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, यथायोग्य परिवर्तनों सहित, इस समझौते पर लागू होंगे।

2. एस्क्रो खाता

2.1 एस्क्रो बैंक का न्यासी के रूप में कार्य करना

2.1.1 रियायतग्राही एतद्द्वारा प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के लिए इसके संबंध में न्यासी के रूप में कार्य करने हेतु एस्क्रो बैंक को नियुक्त करता है तथा एस्क्रो बैंक को ऐसे अधिकारों, शक्तियों, प्राधिकारों और विवेक का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है जो विशेष रूप से इसके निबंधनों द्वारा एस्क्रो बैंक को सौंपे गए हैं, साथ ही वे सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार और विवेक जो इसके प्रासंगिक रूप से उचित हैं, और एस्क्रो बैंक इसके निबंधनों के अनुसरण में ऐसी नियुक्ति स्वीकार करता है।

2.1.2 रियायतग्राही एतद्द्वारा घोषित करता है कि एस्क्रो खाते में और उसके प्रति सभी अधिकार, स्वत्व और हित एस्क्रो बैंक में निहित होंगे तथा प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और

रियायतग्राही के लिए न्यास के रूप में रखे जाएंगे, और इस समझौते के निबंधनों के अनुसार उपयोग किए जाएंगे। प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को इस समझौते के तहत लाभार्थियों के रूप में या तीसरे पक्ष के लाभार्थियों के रूप में कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

2.2 एस्क्रो बैंक की स्वीकृति

एस्क्रो बैंक एतद्द्वारा इस रूप में कार्य करने तथा इस समझौते के उपबंधों के अनुसरण में एस्क्रो बैंक को सौंपे जाने वाले और उसके द्वारा रखे जाने वाले सभी भुगतानों और अन्य राशियों को स्वीकार करने के लिए सहमत होता है। एस्क्रो बैंक इस समझौते की अवधि के दौरान एस्क्रो खाते को धारित और सुरक्षित रखेगा तथा एस्क्रो खाते की राशि को रियायतग्राही, वरिष्ठ ऋणदाताओं या प्राधिकरण द्वारा एस्क्रो बैंक के पास जमा की गई धनराशि के रूप में मानेगा। इस समझौते के तहत अपने कार्यों और कर्तव्यों का निष्पादन करते हुए, एस्क्रो बैंक इस समझौते के उपबंधों के अनुसार, प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही या उनके नामितों, उत्तराधिकारियों या समनुदेशितियों के लाभार्थ न्यास के रूप में और उनके एजेंट के रूप में कार्य करेगा।

2.3 एस्क्रो खाते की स्थापना और संचालन

2.3.1 इस समझौते की तिथि से 30 (तीस) दिनों के भीतर, और किसी भी स्थिति में नियत तिथि से पूर्व, रियायतग्राही एस्क्रो बैंक की (शाखा का नाम) शाखा में एस्क्रो खाता खोलेगा और स्थापित करेगा। एस्क्रो खाता भारतीय रुपये में होगा।

2.3.2 एस्क्रो बैंक इस समझौते के निबंधनों तथा अपने सामान्य व्यवहारों और लागू विनियमों के अनुसार एस्क्रो खाते का रख-रखाव करेगा, और उक्त खाते में शेष राशि पर समय-समय पर समान ग्राहकों को देय अधिकतम ब्याज दर का भुगतान करेगा।

2.3.3 एस्क्रो बैंक और रियायतग्राही, ऋणदाता प्रतिनिधि के साथ परामर्श के पश्चात, एस्क्रो खाते के विस्तृत अधिदेशों, निबंधनों और शर्तों तथा संचालन प्रक्रियाओं पर सहमति व्यक्त करेंगे, किंतु इस समझौते और ऐसे अधिदेशों, निबंधनों और शर्तों या प्रक्रियाओं के बीच किसी भी विरोध या असंगति की स्थिति में, यह समझौता प्रभावी होगा।

2.4 एस्क्रो बैंक का शुल्क

एस्क्रो बैंक ऐसी राशि में और ऐसे समय पर अपना शुल्क और व्यय प्राप्त करने का हकदार होगा, जैसा कि एस्क्रो बैंक और रियायतग्राही के बीच सहमति हो सकती है। संदेह के निवारण के लिए, ऐसा शुल्क और व्यय परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय का हिस्सा होगा और खंड 4.1 के अनुसार एस्क्रो खाते से विनियोजित किया जाएगा।

2.5 पक्षकारों के अधिकार

रियायत समझौते में अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर, एस्क्रो खाते में रखी गई धनराशि में प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के अधिकार इस समझौते में पूरी तरह से निर्धारित हैं और प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही का एस्क्रो खाते की धनराशि पर या उसके विरुद्ध कोई अन्य अधिकार नहीं होगा।

2.6 रियायतग्राही का प्रतिस्थापन

इसके पक्षकार स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि प्रतिस्थापन समझौते के अनुसरण में, नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही के प्रतिस्थापन पर, इस समझौते के प्रयोजनों के लिए यह माना जाएगा कि नामित कंपनी इसकी एक पक्षकार है और तदनुसार नामित कंपनी को नामित कंपनी के साथ रियायतग्राही के प्रतिस्थापन की तिथि से और उसके प्रभाव से इस समझौते के तहत रियायतग्राही के अधिकारों और दायित्वों का उत्तराधिकारी माना जाएगा।

3. एस्क्रो खाते में जमा

3.1 रियायतग्राही द्वारा जमा

3.1.1 रियायतग्राही सहमत होता है और वचन देता है कि वह निम्नलिखित आगमों और प्राप्तियों को एस्क्रो खाते में जमा करेगा या करवाएगा:

(क) बैंकों, बीमा कंपनियों, अन्य ऋणदाताओं और शेयरधारकों से परियोजना के संबंध में प्राप्त सभी राशियां;

(ख) हवाईअड्डे से या उसके संबंध में सभी शुल्क और कोई अन्य राजस्व, जिसमें किसी भी किराये, जमा, पूंजीगत प्राप्तियों या बीमा दावों की आय शामिल है; तथा

(ग) किसी भी बकाया रियायत शुल्क की कटौती के पश्चात प्राधिकरण द्वारा किए गए सभी भुगतान; तथा

बशर्ते कि वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में इस निमित्त अंतर्विष्ट स्पष्ट उपबंधों के अनुसार ईपीसी ठेकेदार को प्रत्यक्ष संवितरण कर सकते हैं।

3.1.2 रियायतग्राही किसी भी समय अपनी अन्य निधियों को एस्क्रो खाते में जमा कर सकता है, बशर्ते कि इस समझौते के उपबंध ऐसी जमाओं पर लागू होंगे।

3.2 प्राधिकरण द्वारा जमा

प्राधिकरण सहमत होता है और वचन देता है कि जब भी देय और संदेय होगा, वह एस्क्रो खाते में निम्नलिखित को जमा करेगा और/या क्रेडिट करेगा:

(क) प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को संवितरित कोई भी धनराशि;

(ख) रियायत समझौते के तहत अपने अधिकारों के प्रयोग में प्राधिकरण द्वारा एकत्र किया गया संपूर्ण शुल्क; तथा

(ग) समाप्ति भुगतान:

बशर्ते कि, खंड 4.1.1 के उपबंधों के होते हुए भी, प्राधिकरण पूर्वोक्त राशियों में से रियायतग्राही द्वारा उसे देय और संदेय किसी भी रियायत शुल्क को विनियोजित करने का हकदार होगा, और शेष बची राशि एस्क्रो खाते में जमा की जाएगी।

3.3 वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा जमा

ऋणदाता प्रतिनिधि सहमत होता है, पुष्टि करता है और वचन देता है कि वरिष्ठ ऋणदाता परियोजना के संबंध में उनके द्वारा किए गए सभी संवितरणों को एस्क्रो खाते में जमा करेंगे और/या क्रेडिट करेंगे; बशर्ते कि इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में इस निमित्त अंतर्विष्ट स्पष्ट उपबंधों के अधीन और उनके अनुसार ईपीसी ठेकेदार को सीधे भुगतान करने के हकदार होंगे।

3.4 जमा पर ब्याज

एस्क्रो बैंक सहमत होता है और वचन देता है कि एस्क्रो खाते के शेष पर उपार्जित होने वाला समस्त ब्याज एस्क्रो खाते में क्रेडिट किया जाएगा; बशर्ते कि एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते के संबंध में रियायतग्राही से उसे देय शुल्क और व्यय को उसमें से विनियोजित करने और शेष बची राशि को एस्क्रो खाते में क्रेडिट करने का हकदार होगा।

4. एस्क्रो खाते से निकासी

4.1 रियायत अवधि के दौरान निकासी

4.1.1 प्रत्येक माह के प्रारंभ में, या ऐसे छोटे अंतरालों पर जैसा कि ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही लिखित निर्देशों द्वारा निर्धारित करें, एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते से राशियां निकालेगा और देय भुगतान करने के लिए संबंधित उप-खातों में ऐसी राशियां जमा करके निम्नलिखित क्रम में उन्हें विनियोजित करेगा, और यदि ऐसे भुगतान किसी माह में देय नहीं हैं, तो ऐसे उप-खातों में ऐसी धनराशि बनाए रखेगा और भुगतान तिथि (तिथियों) पर उसमें से भुगतान करेगा:

क) नगर पक्षीय विकास को छोड़कर हवाईअड्डे के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही द्वारा देय और संदेय सभी कर;

ख) वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित शर्तों (यदि कोई हों) के अधीन और उनके अनुसार हवाईअड्डे के निर्माण से संबंधित सभी भुगतान;

ग) वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित सीमा (यदि कोई हो) के अधीन परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय;

घ) समझौते के उपबंधों के अनुसार प्राधिकरण द्वारा किए गए परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय तथा अन्य लागतें और व्यय, और प्राधिकरण द्वारा उसे देय और संदेय के रूप में प्रमाणित;

ङ) प्राधिकरण को देय और संदेय रियायत शुल्क;

च) एक लेखा वर्ष में देय ऋण शोधन का मासिक आनुपातिक प्रावधान;

छ) रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय और संदेय के रूप में उसके द्वारा प्रमाणित सभी भुगतान और नुकसानी;

ज) अधीनस्थ ऋण के संबंध में एक लेखा वर्ष में देय ऋण शोधन भुगतानों का मासिक आनुपातिक प्रावधान;

झ) वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित कोई भी आरक्षित आवश्यकताएं; तथा

ञ) शेष राशि, यदि कोई हो, रियायतग्राही के निर्देशों के अनुसार।

4.1.2 प्रत्येक लेखा वर्ष के प्रारंभ से कम से कम 60 (साठ) दिन पूर्व, रियायतग्राही ऋणदाता प्रतिनिधि के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ, एस्क्रो बैंक को इस खंड 4.1 में निर्धारित प्रत्येक भुगतान दायित्व के लिए आवश्यक संभावित राशियों का विवरण प्रदान करेगा; बशर्ते कि ऐसी राशियों को ऋणदाता प्रतिनिधि के पूर्व लिखित अनुमोदन से बाद में संशोधित किया जा सकता है, यदि वर्ष के दौरान प्राप्त नई जानकारी ऐसा संशोधन आवश्यक बनाती है।

4.2 समाप्ति पर निकासी

रियायत समझौते की समाप्ति पर, एस्क्रो खाते में जमा सभी राशियां, इस समझौते में किसी भी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित क्रम में विनियोजित और निपटाई जाएंगी:

क) हवाईअड्डे के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही द्वारा देय और संदेय सभी कर;

ख) अधीनस्थ ऋण को छोड़कर शोध्य ऋण का 90% (नब्बे प्रतिशत);

ग) बकाया रियायत शुल्क;

घ) रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय और संदेय के रूप में उसके द्वारा प्रमाणित सभी भुगतान और नुकसानी;

ङ) रियायत समझौते के अनुच्छेद 44 में निर्धारित दोषों और कमियों के लिए दायित्व से उत्पन्न या उसके संबंध में रोक (प्रतिधारण) और भुगतान;

च) शोध्य ऋण के शेष सहित बकाया ऋण शोधन;

छ) बकाया अधीनस्थ ऋण;

ज) उपगत या प्रोद्भूत परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय;

झ) रियायत समझौते के तहत किए जाने वाले कोई भी अन्य भुगतान; तथा

ञ) शेष राशि, यदि कोई हो, रियायतग्राही के निर्देशों के अनुसार:

बशर्ते कि इस खंड 4.2 के उप-खंड (ञ) में विनिर्दिष्ट संवितरण प्राधिकरण द्वारा निहितीकरण प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात ही किए जाएंगे।

4.3 अपर्याप्त निधियों का विनियोग

एस्क्रो खाते की निधियां, जैसी भी स्थिति हो, खंड 4.1 और 4.2 में निर्धारित प्राथमिकता के क्रमिक क्रम में लागू की जाएंगी। यदि उपलब्ध निधियां सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं, तो एस्क्रो बैंक ऐसी निधियों को समाप्त होने तक प्राथमिकता के क्रमिक क्रम में लागू करेगा।

4.4 बीमा आगमों का विनियोग

इस समझौते में किसी भी बात के होते हुए भी, जीवन और चोट को छोड़कर सभी बीमा दावों से प्राप्त राशि एस्क्रो खाते में जमा और/या क्रेडिट की जाएगी और हवाईअड्डे की किसी भी आवश्यक मरम्मत, पुनर्निर्माण, पुनर्स्थापना, प्रतिस्थापन या सुधार के लिए उपयोग की जाएगी, और शेष बची राशि, यदि कोई हो, वित्तपोषण समझौतों में इस निमित्त अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार लागू की जाएगी।

4.5 निलंबन के दौरान निकासी

इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, प्राधिकरण रियायत समझौते के अनुच्छेद 41 के तहत निलंबन की अवधि के दौरान रियायतग्राही के सभी या किसी भी अधिकार का प्रयोग कर सकता है। ऐसी अवधि के दौरान प्राधिकरण द्वारा एस्क्रो बैंक को दिए गए किसी भी निर्देश का अनुपालन इस प्रकार किया जाएगा मानो ऐसे निर्देश इस समझौते के तहत रियायतग्राही द्वारा दिए गए हों और इसके तहत प्राधिकरण की सभी कार्रवाइयों को रियायतग्राही की ओर से और उसके निमित्त की गई माना जाएगा।

5. एस्क्रो बैंक के दायित्व

5.1 निधियों का पृथक्करण

इस समझौते के तहत एस्क्रो बैंक द्वारा प्राप्त धनराशि और अन्य संपत्ति, जब तक कि इस समझौते के अनुसार उपयोग या लागू न की जाए, एस्क्रो बैंक द्वारा उन उद्देश्यों के लिए न्यास के रूप में रखी जाएगी जिनके लिए वे प्राप्त की गई थीं, और एस्क्रो बैंक की अन्य निधियों और संपत्ति से पृथक रखी जाएंगी।

5.2 शेष राशियों की अधिसूचना

प्रत्येक भुगतान तिथि से 7 (सात) कार्य दिवस पूर्व (और इस प्रयोजन के लिए एस्क्रो बैंक प्रासंगिक भुगतान तिथियों के संबंध में रियायतग्राही और/या ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा दिए गए प्रतिज्ञान पर भरोसा करने का हकदार होगा), एस्क्रो बैंक ऋणदाता प्रतिनिधि को ठीक पूर्ववर्ती कार्य दिवस के कारोबार की समाप्ति पर एस्क्रो खाते और उप-खातों में शेष राशि की सूचना देगा।

5.3 संसूचनाएं और सूचनाएं

इसके तहत अपने कर्तव्यों और दायित्वों के निर्वहन में, एस्क्रो बैंक:

क) अपनी ओर से दुर्भावना या घोर लापरवाही के अभाव में, तथ्य के किसी भी ऐसे मामले के संबंध में जो उचित रूप से रियायतग्राही के ज्ञान के भीतर होने की उम्मीद की जा सकती है, रियायतग्राही द्वारा या उसकी ओर से हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र पर भरोसा कर सकता है;

ख) अपनी ओर से दुर्भावना या घोर लापरवाही के अभाव में, किसी भी ऐसी संसूचना या दस्तावेज की प्रामाणिकता पर भरोसा कर सकता है जिसे वह प्रामाणिक मानता है;

ग) प्राप्ति के 5 (पांच) कार्य दिवसों के भीतर, एस्क्रो बैंक के रूप में अपनी क्षमता में रियायतग्राही से या इसके तहत या इसके संबंध में किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त किसी भी सूचना या दस्तावेज की एक प्रति ऋणदाता प्रतिनिधि को सौंपेगा; तथा

घ) प्रा प्ति के 5 (पांच) कार्य दिवसों के भीतर, इसके संबंध में ऋणदाता प्रतिनिधि से प्राप्त किसी भी सूचना या दस्तावेज की एक प्रति रियायतग्राही को सौंपेगा।

5.4 कोई मुजरा (सेट-ऑफ) नहीं

एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते में जमा राशियों के संबंध में मुजरा (सेट-ऑफ), बैंकर के ग्रहणाधिकार या अन्य अधिकार या उपाय का दावा या प्रयोग न करने के लिए सहमत होता है। संदेह के निवारण के लिए, एस्क्रो बैंक द्वारा एतद्द्वारा यह स्वीकार और सहमति व्यक्त की जाती है कि एस्क्रो खाते में एस्क्रो बैंक द्वारा रखी गई धनराशि और संपत्तियों को एस्क्रो बैंक की परिसंपत्तियों का हिस्सा नहीं माना जाएगा और न्यास संपत्ति होने के कारण, एस्क्रो बैंक के दिवालियापन या परिसमापन के मामले में, ऐसे दिवालियापन या परिसमापन में एस्क्रो बैंक की परिसंपत्तियों से पूरी तरह बाहर रखा जाएगा।

5.5 विनियामक स्वीकृतियां

एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते की स्थापना और संचालन के लिए आवश्यक सभी विनियामक स्वीकृतियां प्राप्त करने, और उसके पश्चात बनाए रखने और उनका अनुपालन करने के लिए अपने सर्वोत्तम प्रयासों का उपयोग करेगा। एस्क्रो बैंक अभ्यावेदन करता है और वारंटी देता है कि वह ऐसे किसी कारण से अवगत नहीं है जिससे ऐसी विनियामक स्वीकृतियां सामान्यतः एस्क्रो बैंक को प्रदान नहीं की जाएंगी।

6. एस्क्रो व्यतिक्रम

6.1 निम्नलिखित घटनाएं रियायतग्राही द्वारा व्यतिक्रम की एक घटना ("एस्क्रो व्यतिक्रम") मानी जाएंगी, जब तक कि ऐसी व्यतिक्रम की घटना अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) या प्राधिकरण या ऋणदाता प्रतिनिधि के किसी कार्य या चूक के परिणामस्वरूप न हुई हो:

क) रियायतग्राही इसमें दिए गए उपबंधों के अनुसार एस्क्रो खाते में कोई प्राप्ति जमा करने में विफल होकर इस समझौते का उल्लंघन करता है और 5 (पांच) कार्य दिवसों की उपचार अवधि के भीतर एस्क्रो खाते में उसे जमा करके ऐसे उल्लंघन का उपचार करने में विफल रहता है;

ख) रियायतग्राही इस समझौते के निबंधनों के उल्लंघन में एस्क्रो बैंक से रियायतग्राही के किसी खाते में धनराशि स्थानांतरित करवाता है और 5 (पांच) कार्य दिवसों की उपचार अवधि के भीतर संबंधित धनराशि को एस्क्रो खाते या किसी उप-खाते में, जिसमें ऐसा स्थानांतरण किया जाना चाहिए था, जमा करके ऐसे उल्लंघन का उपचार करने में विफल रहता है; या

ग) रियायतग्राही इस समझौते के उपबंधों का कोई अन्य उल्लंघन करता है या करवाता है और 5 (पांच) कार्य दिवसों की उपचार अवधि के भीतर उसका उपचार करने में विफल रहता है।

6.2 एस्क्रो व्यतिक्रम की घटना होने पर, इसके परिणामों से रियायत समझौते के उपबंधों के अधीन और उनके अनुसार निपटा जाएगा।

7. एस्क्रो समझौते की समाप्ति

7.1 एस्क्रो समझौते की अवधि

यह समझौता तब तक पूर्ण रूप से प्रभावी और लागू रहेगा जब तक कि वरिष्ठ ऋणदाताओं से प्राप्त ऋण, गारंटी या वित्तीय सहायता के संबंध में रियायतग्राही से कोई राशि अग्रिम रूप में दी जानी शेष हो या बकाया हो, या प्राधिकरण के प्रति उसके किसी भी दायित्व का निर्वहन होना शेष हो, जब तक कि सभी पक्षकारों की सहमति से या अन्यथा इस समझौते के उपबंधों के अनुसार इसे पहले समाप्त न कर दिया जाए।

7.2 एस्क्रो बैंक का प्रतिस्थापन

रियायतग्राही एस्क्रो बैंक, प्राधिकरण और ऋणदाता प्रतिनिधि को कम से कम 45 (पैंतालीस) दिन पूर्व सूचना देकर इस समझौते को समाप्त कर सकता है और एक नए एस्क्रो बैंक की नियुक्ति कर सकता है, बशर्ते कि नया एस्क्रो बैंक ऋणदाता प्रतिनिधि को स्वीकार्य हो और उत्तराधिकारी एस्क्रो बैंक के साथ स्थापित नए एस्क्रो खाते में एस्क्रो खाते में जमा राशियों के हस्तांतरण के लिए ऋणदाता प्रतिनिधि को संतोषजनक व्यवस्था की गई हो।

इस समझौते की समाप्ति प्रतिस्थापन एस्क्रो बैंक के साथ एस्क्रो समझौते के लागू होने पर ही प्रभावी होगी।

7.3 एस्क्रो खाते का बंद होना

एस्क्रो बैंक, रियायत समझौते और खंड 4.2 में विनिर्दिष्ट भुगतानों सहित वित्तपोषण समझौतों के तहत सभी बकाया राशियों के रियायतग्राही द्वारा भुगतान पर या उसके पश्चात किए गए रियायतग्राही और ऋणदाता प्रतिनिधि के अनुरोध पर, तथा ऐसे भुगतानों की प्राप्ति की पुष्टि पर, एस्क्रो खाते और उप-खातों को बंद करेगा और उसमें जमा किसी भी राशि का भुगतान रियायतग्राही को करेगा। इसके तहत एस्क्रो खाते के बंद होने पर, एस्क्रो समझौता समाप्त माना जाएगा।

8. अनुपूरक एस्क्रो समझौता

8.1 अनुपूरक एस्क्रो समझौता

ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही एस्क्रो बैंक के साथ एक अनुपूरक एस्क्रो समझौता करने के हकदार होंगे, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, खंड 4.1.1 के अनुसरण में उप-खातों से निकासी के लिए विस्तृत प्रक्रियाओं और प्रलेखन तथा इस समझौते के तहत कवर न किए गए मामलों जैसे वरिष्ठ ऋणदाताओं और अधीनस्थ ऋण के ऋणदाताओं के अधिकार और दायित्व, अधिशेष निधियों का निवेश, इस समझौते के उल्लंघन की स्थिति में या एस्क्रो व्यतिक्रम की

घटना पर रियायतग्राही द्वारा निकासी पर प्रतिबंध, एस्क्रो खाते के संचालन और उससे निकासी से संबंधित प्रक्रियाएं, रिपोर्टिंग आवश्यकताएं और उससे संबंधित कोई भी प्रासंगिक मामले शामिल हैं; बशर्ते कि ऐसे अनुपूरक एस्क्रो समझौते में कोई ऐसा उपबंध नहीं होगा जो इस समझौते के असंगत हो और इस समझौते के उपबंधों तथा ऐसे अनुपूरक एस्क्रो समझौते के बीच किसी भी विरोध या असंगति की स्थिति में, इस समझौते के उपबंध मान्य होंगे।

9. क्षतिपूर्ति

9.1 सामान्य क्षतिपूर्ति

9.1.1 रियायतग्राही प्राधिकरण, एस्क्रो बैंक और ऋणदाता प्रतिनिधि के माध्यम से कार्य करने वाले वरिष्ठ ऋणदाताओं को रियायतग्राही द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व के उल्लंघन से या रियायतग्राही द्वारा लागू कानूनों और लागू अनुमतियों का पालन करने में विफलता के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उनकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा।

9.1.2 प्राधिकरण रियायतग्राही को प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते या इस समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय प्राधिकरण, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

9.1.3 एस्क्रो बैंक रियायतग्राही को एस्क्रो बैंक द्वारा इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय एस्क्रो बैंक, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

9.2 दावों की सूचना और विरोध

यदि इसके किसी पक्षकार को किसी तीसरे पक्ष से ऐसा दावा प्राप्त होता है जिसके संबंध में वह खंड 9.1 के तहत क्षतिपूर्ति के लाभ का हकदार है या जिसके संबंध में वह प्रतिपूर्ति का

हकदार है ("क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार"), तो वह दावा प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर इसके तहत ऐसे दावे की क्षतिपूर्ति के लिए जिम्मेदार दूसरे पक्षकार ("क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार") को सूचित करेगा और क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार के पूर्व अनुमोदन के बिना दावे का निपटारा या भुगतान नहीं करेगा, जिस अनुमोदन को अनुचित रूप से रोका या विलंबित नहीं किया जाएगा। यदि क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार दावे का विरोध या विवाद करना चाहता है, तो वह क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार के नाम पर कार्यवाही का संचालन कर सकता है और उसका विरोध करने में शामिल सभी लागतों को वहन करेगा। क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार किसी भी दावे का विरोध करने में पूर्ण सहयोग और सहायता प्रदान करेगा और ऐसे सभी लेखों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा जिनकी क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार द्वारा उचित रूप से आवश्यकता हो सकती है।

10. विवाद समाधान

10.1 विवाद समाधान

10.1.1 इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में कोई भी विवाद, मतभेद या दावा, जिसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल नहीं किया जाता है, विवाद के प्रत्येक पक्षकार के एक-एक नामित व्यक्ति से मिलकर बनने वाले मध्यस्थ मंडल को मध्यस्थता के संदर्भ द्वारा अंतिम रूप से तय किया जाएगा, और जहां ऐसे नामितों की संख्या एक सम संख्या है, वहां नामित व्यक्ति ऐसे मंडल में एक अन्य व्यक्ति का चुनाव करेंगे। ऐसी मध्यस्थता वैकल्पिक विवाद समाधान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के मध्यस्थता नियमों ("नियम") या ऐसे अन्य नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी जो पक्षकारों द्वारा पारस्परिक रूप से सहमत हो सकते हैं, और मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 तथा मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 के उपबंधों के अधीन होगी।

10.1.2 मध्यस्थ एक सकारण पंचाट जारी करेंगे और ऐसा पंचाट पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। मध्यस्थता का स्थान राज्य की राजधानी होगी और मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

11. प्रकीर्ण उपबंध

11.1 शासी विधि और क्षेत्राधिकार

यह समझौता भारत के कानूनों के अनुसार समझा और निर्वचित किया जाएगा और उन्हीं से शासित होगा, तथा राज्य की अदालतों का इस समझौते से उत्पन्न या उससे संबंधित सभी मामलों पर क्षेत्राधिकार होगा।

11.2 संप्रभु उन्मुक्ति का अधित्याग

प्राधिकरण बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से:

क) सहमत होता है कि उसके द्वारा इस समझौते का निष्पादन, सुपुर्दगी और पालन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए किए गए और निष्पादित वाणिज्यिक कार्य हैं;

ख) सहमत होता है कि, यदि इस समझौते या इस समझौते द्वारा विचारित किसी लेनदेन के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के विरुद्ध कोई कार्यवाही की जाती है, तो उसकी परिसंपत्तियों के संबंध में प्राधिकरण द्वारा या उसकी ओर से ऐसी कार्यवाहियों से कोई उन्मुक्ति (चाहे संप्रभुता के आधार पर या अन्यथा) का दावा नहीं किया जाएगा;

ग) उन्मुक्ति के किसी भी ऐसे अधिकार का अधित्याग करता है जो उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के पास अब है, भविष्य में प्राप्त हो सकता है या जो किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके लिए आरोपित किया जा सकता है; तथा

घ) ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में कोई राहत देने या कोई आदेशिका जारी करने के लिए किसी भी निर्णय या पंचाट के निष्पादन के संबंध में आम तौर पर सहमति देता है (जिसमें इसके विरुद्ध या किसी भी परिसंपत्ति, संपत्ति या राजस्व के संबंध में कोई भी आदेश या निर्णय दिया जाना, लागू किया जाना या निष्पादित किया जाना शामिल है, चाहे उनका उपयोग या अभिप्रेत उपयोग कुछ भी हो)।

11.3 समझौतों की प्राथमिकता

रियायत समझौते और इस समझौते के बीच किसी भी विरोध की स्थिति में, रियायत समझौते में अंतर्विष्ट उपबंध इस समझौते पर प्रभावी होंगे।

11.4 शर्तों में परिवर्तन

इस समझौते में सभी जोड़, संशोधन, रूपांतरण और परिवर्तन केवल तभी प्रभावी और बाध्यकारी होंगे जब वे लिखित रूप में हों और पक्षकारों के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित हों।

11.5 अधित्याग

11.5.1 इस समझौते के किसी उपबंध या इसके तहत दायित्वों के अनुपालन और निष्पादन में किसी अन्य पक्षकार द्वारा व्यतिक्रम का किसी भी पक्षकार द्वारा अधित्याग:

क) इसके किसी अन्य या परवर्ती व्यतिक्रम अथवा इस समझौते के अन्य उपबंधों या दायित्वों के अधित्याग के रूप में संचालित या निर्वचित नहीं होगा;

ख) तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि यह लिखित रूप में न हो और पक्षकार के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निष्पादित न किया गया हो; तथा

ग) इस समझौते की वैधता या प्रवर्तनीयता को किसी भी रीति से प्रभावित नहीं करेगा।

11.5.2 किसी भी पक्षकार द्वारा किसी भी अवसर पर इस समझौते के नियमों, शर्तों और उपबंधों या इसके तहत किसी दायित्व के निष्पादन पर जोर देने में विफलता और न ही किसी

पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दिया गया समय या अन्य रियायत, ऐसे उल्लंघन का अधित्याग या किसी परिवर्तन की स्वीकृति अथवा इसके तहत ऐसे किसी अधिकार का परित्याग मानी जाएगी।

11.6 कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

यह समझौता केवल पक्षकारों के लाभ के लिए है और किसी अन्य व्यक्ति या इकाई को इसके तहत कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

11.7 उत्तरजीविता

11.7.1 इस समझौते की समाप्ति:

क) पक्षकारों को इसके तहत किसी भी ऐसे दायित्व से मुक्त नहीं करेगी जो स्पष्ट रूप से या निहितार्थ से इसकी समाप्ति के बाद भी जीवित रहते हैं; तथा

ख) इस समझौते के किसी उपबंध में अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर जो स्पष्ट रूप से किसी भी पक्षकार के दायित्व को सीमित करता है, किसी भी पक्षकार को ऐसी समाप्ति के प्रभावी होने से पूर्व ऐसे पक्षकार के कृत्यों या चूकों से उत्पन्न होने वाले या ऐसी समाप्ति से उत्पन्न होने वाले दूसरे पक्षकार के नुकसान या क्षति के दायित्वों से मुक्त नहीं करेगी।

11.7.2 इस समझौते के रद्द होने, समाप्त होने या अवसान के बाद जीवित रहने वाले सभी दायित्व इस समझौते की ऐसी समाप्ति या अवसान की तिथि के बाद केवल 3 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए ही जीवित रहेंगे।

11.8 पृथक्करणीयता

यदि किसी भी कारण से इस समझौते का कोई उपबंध अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय है या हो जाता है या सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी अदालत या किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय घोषित किया जाता है, तो शेष उपबंधों की वैधता, संवैधानिकता या प्रवर्तनीयता किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होगी, और पक्षकार सद्भावपूर्वक ऐसे एक या अधिक उपबंधों पर सहमत होने की दृष्टि से बातचीत करेंगे जिन्हें ऐसे अमान्य, अप्रवर्तनीय या अवैध उपबंधों के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है, जो ऐसे अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय उपबंध के यथासंभव निकट हो। ऐसे किसी उपबंध पर सहमत होने में विफलता इस समझौते के खंड 10.1 के तहत या अन्यथा विवाद समाधान के अधीन नहीं होगी।

11.9 उत्तराधिकारी और समनुदेशिती

यह समझौता पक्षकारों और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुमत समनुदेशितियों पर बाध्यकारी होगा और उनके लाभ के लिए प्रभावी होगा।

11.10 सूचनाएं

इस समझौते के तहत दी जाने वाली या की जाने वाली सभी सूचनाएं या अन्य संसूचनाएं लिखित रूप में होंगी और या तो व्यक्तिगत रूप से वितरित की जाएंगी या कूरियर अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजी जाएंगी, जिसकी एक अतिरिक्त प्रति फैक्स या ई-मेल द्वारा भेजी जाएगी। प्रत्येक पक्षकार के तामील का पता, उसका फैक्स नंबर और ई-मेल पता इसके हस्ताक्षर पृष्ठों पर उसके नाम के नीचे दिया गया है। कोई सूचना उसकी वास्तविक प्राप्ति पर प्रभावी होगी, सिवाय इसके कि जहां यह किसी कार्य दिवस पर सायं 5.30 (साढ़े पांच) बजे के बाद प्राप्त होती है, या ऐसे दिन प्राप्त होती है जो कार्य दिवस नहीं है, वहां सूचना वास्तविक प्राप्ति की तिथि के बाद के पहले कार्य दिवस पर प्राप्त मानी जाएगी। पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, फैक्स या ई-मेल द्वारा सूचना या संसूचना देने वाला या करने वाला पक्षकार तुरंत उसकी एक प्रति व्यक्तिगत रूप से वितरित करेगा, या ऐसी सूचना या संसूचना के पाने वाले को कूरियर या पंजीकृत डाक द्वारा भेजेगा। एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है और स्वीकार किया जाता है कि कोई भी पक्षकार सूचना द्वारा उस पते को बदल सकता है जिस पर उसे ऐसी सूचनाएं और संसूचनाएं वितरित या प्रेषित की जानी हैं। ऐसा परिवर्तन तब प्रभावी होगा जब सभी पक्षकारों को इसकी सूचना मिल जाएगी।

11.11 भाषा

इस समझौते के तहत या इसके संबंध में सभी सूचनाएं, प्रमाण-पत्र, पत्राचार और कार्यवाहियां अंग्रेजी में होंगी।

11.12 प्राधिकृत प्रतिनिधि

प्रत्येक पक्षकार, लिखित सूचना द्वारा, अपने संबंधित प्राधिकृत प्रतिनिधियों को नामित करेगा जिनके माध्यम से ही सभी संसूचनाएं की जाएंगी। इसका एक पक्षकार समान सूचना द्वारा ऐसे प्राधिकृत प्रतिनिधि को हटाने और/या प्रतिस्थापित करने या उसकी नई नियुक्ति करने का हकदार होगा।

11.13 मूल दस्तावेज

यह समझौता चार प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक निष्पादित और वितरित होने पर इस समझौते की एक मूल प्रति मानी जाएगी।

इसके साक्ष्य में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि को इस समझौते को निष्पादित और वितरित किया है।

हस्ताक्षर

रियायतग्राही की सामान्य मुहर रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक ..... 20... को आयोजित अपनी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में ..... निदेशक की उपस्थिति में यहां लगाई गई है, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इन विलेखों पर हस्ताक्षर किए हैं और कंपनी सचिव/प्राधिकृत अधिकारी, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इस पर प्रति-हस्ताक्षर किए हैं।

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

वरिष्ठ ऋणदाताओं के लिए और उनकी ओर से ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

अनुसूची 'यू'

(खंड 38.2.1 देखें)

सनदी लेखाकारों (चार्टर्ड एकाउंटेंट्स) का पैनल

1. सनदी लेखाकारों का पैनल

समझौते के खंड 38.2.1 के उपबंधों के अनुसरण में, प्राधिकरण और रियायतग्राही भारत में अपने पंजीकृत कार्यालय रखने वाली सनदी लेखाकारों की 5 (पांच) प्रतिष्ठित फर्मों का एक पारस्परिक रूप से सहमत पैनल तैयार करेंगे ("सनदी लेखाकारों का पैनल")। ऐसा पैनल तैयार करने के मानदंड और इस संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया इस अनुसूची-यू में निर्धारित अनुसार होगी।

2. पैनल में शामिल करने हेतु आमंत्रण

2.1 प्राधिकरण सनदी लेखाकारों की उन सभी प्रतिष्ठित फर्मों से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा जो निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करती हैं, अर्थात्:

(क) फर्म ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कम से कम एक सौ कंपनियों के वार्षिक खातों का सांविधिक लेखापरीक्षा किया हो, जिसमें उसका कोई भी पुनरधिनियमन या संशोधन शामिल है, जिनमें से कम से कम दस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम होने चाहिए;

(ख) फर्म के पास कम से कम 5 (पांच) सेवारत सनदी लेखाकार होने चाहिए, जिनमें से प्रत्येक के पास इस पेशे में न्यूनतम 10 (दस) वर्ष का अनुभव हो;

(ग) फर्म या उसके किसी भी साझेदार को भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक या प्राधिकरण द्वारा अयोग्य या काली सूची में न डाला गया हो; तथा

(घ) फर्म का उस राज्य में या किसी निकटवर्ती राज्य में एक कार्यालय होना चाहिए जिसमें ऐसे राज्य में उसके पास कम से कम 2 (दो) सेवारत सनदी लेखाकार कार्यरत हों।

2.2 पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाली इच्छुक फर्मों को अपनी क्षमता का विवरण प्रस्तुत करना आवश्यक होगा, जिसमें उनके सभी सेवारत सनदी लेखाकारों का जीवन-वृत्त शामिल होगा। विशेष रूप से, प्रत्येक फर्म को पूर्ववर्ती 5 (पांच) लेखा वर्षों में से किसी में भी ऐसी फर्म द्वारा वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की गई 25,00,00,000 रुपये (पच्चीस करोड़ रुपये) से अधिक के वार्षिक कारोबार वाली सभी कंपनियों के नामों से संबंधित वर्षवार जानकारी प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

3. मूल्यांकन और चयन

3.1 प्रत्येक फर्म द्वारा प्रस्तुत जानकारी की प्राधिकरण द्वारा संवीक्षा और मूल्यांकन किया जाएगा और ऊपर पैरा 2.2 में विनिर्दिष्ट कंपनियों के प्रत्येक वार्षिक लेखापरीक्षा के लिए 1 (एक) अंक दिया जाएगा। (संदेह के निवारण के लिए और दृष्टांत के रूप में, जिस फर्म ने 5 (पांच) वर्षों के लिए ऐसी किसी कंपनी के वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की है, उसे 5 (पांच) अंक दिए जाएंगे)।

3.2 प्राधिकरण प्रत्येक ऐसी फर्म द्वारा प्राप्त अंकों के साथ सभी पात्र फर्मों की एक सूची तैयार करेगा और उच्चतम अंक प्राप्त करने वाली 5 (पांच) फर्मों की पहचान की जाएगी और उन्हें सनदी लेखाकारों के प्रारूप पैनल में शामिल किया जाएगा।

4. रियायतग्राही के साथ परामर्श

प्राधिकरण फर्मों के पूर्वोक्त पैनल को रियायतग्राही को संवीक्षा और टिप्पणियों (यदि कोई हों) के लिए भेजेगा। रियायतग्राही यह सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकरण के प्रासंगिक अभिलेखों की संवीक्षा करने का हकदार होगा कि क्या फर्मों का चयन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया गया है और वह पूर्वोक्त पैनल प्राप्त करने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्राधिकरण को भेजेगा।

5. पारस्परिक रूप से सहमत पैनल

5.1 प्राधिकरण, रियायतग्राही की टिप्पणियों (यदि कोई हों) सहित सभी प्रासंगिक कारकों पर विचार करने के पश्चात, 5 (पांच) फर्मों के एक पैनल को अंतिम रूप देगा और गठित करेगा जिसे सनदी लेखाकारों का पारस्परिक रूप से सहमत पैनल माना जाएगा।

5.2 सनदी लेखाकारों के पारस्परिक रूप से सहमत पैनल को तैयार करने की तिथि से प्रत्येक 5 (पांच) वर्ष पूरे होने के बाद, या ऐसी पूर्व अवधि के बाद जो प्राधिकरण और रियायतग्राही के बीच सहमत हो, इस अनुसूची-यू के उपबंधों के अनुसार एक नया पैनल तैयार किया जाएगा।

अनुसूची 'वी'

(खंड 43.4 देखें)

निहितीकरण प्रमाण-पत्र

1. ..... के राज्यपाल, जिनका प्रतिनिधित्व..... (प्राधिकरण) द्वारा किया जा रहा है,..... राज्य में स्थित ..... हवाईअड्डे के लिए डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") आधार पर प्राधिकरण और ..... ("रियायतग्राही") के बीच निष्पादित दिनांक ..... के रियायत समझौते ("समझौता") का संदर्भ लेते हैं।

2. प्राधिकरण एतद्द्वारा समझौते के खंड 43.1 में निर्धारित विनिवेश आवश्यकताओं के रियायतग्राही द्वारा अनुपालन और पूर्ति को इस आधार पर स्वीकार करता है कि इस निहितीकरण प्रमाण-पत्र के जारी होने पर, यह माना जाएगा कि प्राधिकरण ने अधिग्रहण कर लिया है, और हवाईअड्डे में या उसके संबंध में रियायतग्राही के सभी स्वत्व और हित किसी भी प्रकार के भार, प्रभार और ग्रहणाधिकार से मुक्त होकर प्राधिकरण में निहित माने जाएंगे।

3. ऊपर अंतर्विष्ट किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, यह इस निहितीकरण प्रमाण-पत्र की एक शर्त होगी कि इसमें निहित किसी भी बात का अर्थ विनिवेश आवश्यकताओं में से किसी में भी किसी भी दोष या कमी को सुधारने और उसका उपचार करने के रियायतग्राही के दायित्व के अधित्याग के रूप में नहीं लगाया जाएगा और/या रियायतग्राही को किसी भी रीति से उससे मुक्त नहीं किया जाएगा।

स्वीकृत, अंगीकृत एवं रियायतग्राही के लिए और उसकी ओर से:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

स्वीकृत, अंगीकृत एवं प्राधिकरण के लिए और उसकी ओर से:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

उपस्थिति

(क) .....

(ख).....

अनुसूची 'डब्ल्यू'

(खंड 45.3.1 देखें)

प्रतिस्थापन समझौता

यह प्रतिस्थापन समझौता आज दिनांक ..... माह ..... 20... को निम्नलिखित के मध्य निष्पादित किया गया:

1. ....., और जिसका मुख्य कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद इसे "प्राधिकरण" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे); प्रथम पक्षकार;

2. ..... लिमिटेड, कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के तहत निगमित एक कंपनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद इसे "रियायतग्राही" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी, अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); द्वितीय पक्षकार; तथा

3. ..... (ऋणदाता प्रतिनिधि का नाम और विवरण दर्ज करें) और जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है, जो इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में वरिष्ठ ऋणदाताओं के विधिवत प्राधिकृत एजेंट के रूप में उनकी ओर से और उनके निमित्त कार्य कर रहा है (इसके बाद इसे "ऋणदाता प्रतिनिधि" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); तृतीय पक्षकार।

चूंकि:

क. प्राधिकरण ने ..... राज्य में स्थित ..... हवाईअड्डे के लिए डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण आधार ("डीबीएफओटी") पर रियायतग्राही के साथ दिनांक ..... का एक रियायत समझौता ("रियायत समझौता") किया है, जिसकी एक प्रति इसके साथ अनुबंध-क के रूप में संलग्न है और इस समझौते का हिस्सा बनेगी।

ख. वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित निबंधनों और शर्तों के अनुसार परियोजना को वित्तपोषित करने के लिए सहमत हुए हैं।

ग. वरिष्ठ ऋणदाताओं ने इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसार एक नामित कंपनी को रियायत के समनुदेशन, हस्तांतरण और प्रतिस्थापन के माध्यम से अपने हितों को सुरक्षित करने के लिए इस प्रतिस्थापन समझौते में प्रवेश करने हेतु प्राधिकरण से अनुरोध किया है।

घ. इसके वित्तपोषण, निर्माण, संचालन और अनुरक्षण सहित परियोजना के कार्यान्वयन को सक्षम बनाने के लिए, प्राधिकरण इस समझौते और रियायत समझौते में निर्धारित निबंधनों और शर्तों के अनुसार रियायत को एक नामित कंपनी को हस्तांतरित और समनुदेशित करने के लिए सहमत हुआ है और वचन दिया है।

अब, इसलिए, पूर्वगामी और इस समझौते में निर्धारित संबंधित वचनों और समझौतों के प्रतिफल के रूप में, जिसकी प्राप्ति और पर्याप्तता को एतद्द्वारा स्वीकार किया जाता है, और इसके द्वारा कानूनी रूप से बाध्य होने का इरादा रखते हुए, पक्षकार निम्नलिखित रूप से सहमत होते हैं:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1 परिभाषाएं

इस प्रतिस्थापन समझौते में, निम्नलिखित शब्दों और अभिव्यक्तियों का, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, क्रमशः निम्नलिखित अर्थ होगा:

"समझौता" का अर्थ इस प्रतिस्थापन समझौते और इस समझौते में निहित उपबंधों के अनुसार इसमें किए गए किसी भी संशोधन से है;

"वित्तीय व्यतिक्रम" का अर्थ वित्तपोषण समझौतों के निबंधनों और शर्तों के एक तात्विक उल्लंघन की घटना या रियायतग्राही द्वारा न्यूनतम 3 (तीन) महीने की अवधि के लिए ऋण शोधन में निरंतर व्यतिक्रम से है;

"ऋणदाता प्रतिनिधि" का अर्थ पूर्वगामी विवरणों में ऋणदाता प्रतिनिधि के रूप में संदर्भित व्यक्ति से है;

"नामित कंपनी" का अर्थ कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के तहत निगमित एक कंपनी से है, जिसमें उसका कोई भी पुनरधिनियमन या संशोधन शामिल है, जिसे वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा चुना जाता है और इस समझौते में दिए गए उपबंधों के अनुसार रियायत के समनुदेशन/हस्तांतरण के लिए प्राधिकरण को प्रस्तावित किया जाता है;

"वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना" का अर्थ खंड 3.2.1 में इसके लिए निर्धारित अर्थ होगा; तथा

"पक्षकार" का अर्थ सामूहिक रूप से इस समझौते के पक्षकारों से है और "पक्षकार" का अर्थ व्यक्तिगत रूप से इस समझौते के किसी भी पक्षकार से होगा।

1.2 निर्वचन

1.2.1 ऋणदाता प्रतिनिधि के संदर्भों का अर्थ, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से और उनके निमित्त कार्य करने वाले ऋणदाता प्रतिनिधि से होगा।

1.2.2 खंडों के संदर्भ, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.3 बड़े अक्षरों से प्रारंभ होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें उनके लिए निर्धारित किया गया है, तथा इस समझौते में प्रयुक्त और इसमें अपरिभाषित किंतु रियायत समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में उनके लिए निर्धारित किया गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

1.2.4 रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, यथायोग्य परिवर्तनों सहित, इस समझौते पर लागू होंगे।

2. समनुदेशन

2.1 समनुदेशन

रियायतग्राही एतद्द्वारा वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा वित्तपोषण के संबंध में सुरक्षा के रूप में इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसरण में और उनके अनुसार ऋणदाता प्रतिनिधि को और उसके पक्ष में रियायत में अधिकार, स्वत्व और हित समनुदेशित करने के लिए सहमत होता है।

3. रियायतग्राही का प्रतिस्थापन

3.1 प्रतिस्थापन के अधिकार

3.1.1 खंड 2.1 के तहत समनुदेशित अधिकारों, स्वत्व और हित के अनुसरण में, ऋणदाता प्रतिनिधि इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने का हकदार होगा।

प्राधिकरण एतद्द्वारा इस समझौते के अनुसार ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा चुनी गई नामित कंपनी के पक्ष में रियायत समझौते पर पृष्ठांकन द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के लिए सहमत होता है। संदेह के निवारण के लिए, वरिष्ठ ऋणदाता या ऋणदाता प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से रियायतग्राही के रूप में हवाईअड्डे का संचालन और अनुरक्षण करने के हकदार नहीं होंगे।

3.2 वित्तीय व्यतिक्रम की स्थिति में प्रतिस्थापन

3.2.1 वित्तीय व्यतिक्रम होने पर, ऋणदाता प्रतिनिधि रियायतग्राही को उसके विवरण के साथ एक सूचना ("वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना") जारी कर सकता है, और इसकी एक प्रति प्राधिकरण को उसकी जानकारी और अभिलेख के लिए भेज सकता है। इस खंड 3 के तहत वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना ऐसे वित्तीय व्यतिक्रम का निर्णायक साक्ष्य होगी और यह इस समझौते के प्रयोजनों के लिए रियायतग्राही पर अंतिम और बाध्यकारी होगी।

3.2.2 इसके तहत वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना जारी होने पर, ऋणदाता प्रतिनिधि, इस समझौते या वित्तपोषण समझौतों के तहत अपने किसी भी अधिकार या उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, इस समझौते के उपबंधों के अनुसार रियायतग्राही को एक नामित कंपनी द्वारा प्रतिस्थापित कर सकता है।

3.2.3 ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना जारी किए जाने के बाद किसी भी समय, वह सूचना द्वारा प्राधिकरण से रियायतग्राही के सभी अधिकारों को निलंबित करने और रियायत समझौते के अनुच्छेद 41 के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे के संचालन और अनुरक्षण का कार्य अपने हाथ में लेने की अपेक्षा कर सकता है, और ऐसी सूचना प्राप्त होने पर, प्राधिकरण रियायत समझौते के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार निलंबन की कार्रवाई करेगा। पूर्वोक्त निलंबन को एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही के प्रतिस्थापन पर निरस्त कर दिया जाएगा, और यदि ऐसा प्रतिस्थापन ऐसे निलंबन की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों के भीतर पूरा नहीं होता है, तो प्राधिकरण रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसार समाप्ति सूचना जारी करके रियायत समझौते को तत्काल समाप्त कर सकता है; बशर्ते कि ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के लिखित अनुरोध पर, प्राधिकरण 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की पूर्वोक्त अवधि को 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक की अवधि के लिए बढ़ा सकता है। संदेह के निवारण के लिए, प्राधिकरण स्पष्ट रूप से सहमत होता है और इसके तहत निलंबन की तिथि से 240 (दो सौ चालीस) दिनों के बाद किसी भी समय ऋणदाता प्रतिनिधि से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर, रियायत समझौते को तत्काल समाप्त करने का वचन देता है।

3.3 रियायतग्राही व्यतिक्रम की स्थिति में प्रतिस्थापन

3.3.1 रियायतग्राही व्यतिक्रम की घटना होने पर, प्राधिकरण एक सूचना द्वारा ऋणदाता प्रतिनिधि को समाप्ति सूचना जारी करने के अपने इरादे की जानकारी देगा और ऋणदाता प्रतिनिधि को एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के इरादे को बताते हुए अभ्यावेदन करने के लिए 15 (पंद्रह) दिनों का समय देगा।

3.3.2 यदि ऋणदाता प्रतिनिधि खंड 3.3.1 में विनिर्दिष्ट 15 (पंद्रह) दिनों की अवधि के भीतर प्राधिकरण को यह बताते हुए एक अभ्यावेदन करता है कि उसका इरादा एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने का है, तो ऋणदाता प्रतिनिधि ऐसे अभ्यावेदन की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि के भीतर इस समझौते के उपबंधों के अनुसार एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही के प्रतिस्थापन का कार्य करने और उसे पूरा करने का हकदार होगा, और प्राधिकरण या तो समाप्ति को रोकेगा या पूर्वोक्त 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि के लिए निलंबन करेगा; बशर्ते कि ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के लिखित अनुरोध पर, प्राधिकरण 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की पूर्वोक्त अवधि को 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक की अवधि के लिए बढ़ाएगा; बशर्ते यह भी कि ऋणदाता प्रतिनिधि किसी भी समय इसके तहत अपने अभ्यावेदन को वापस ले सकता है और ऐसे वापस लेने पर, रियायतग्राही इसके उपबंधों के अनुसार इस समझौते को समाप्त कर सकता है।

3.4 प्रतिस्थापन की प्रक्रिया

3.4.1 प्राधिकरण और रियायतग्राही एतद्द्वारा सहमत होते हैं कि वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना की तिथि पर या उसके पश्चात अथवा खंड 3.3.2 के तहत प्राधिकरण को अभ्यावेदन की तिथि पर, जैसी भी स्थिति हो, ऋणदाता प्रतिनिधि वरिष्ठ ऋणदाताओं के किसी भी अन्य अधिकार या उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसी नामित कंपनी द्वारा रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के प्रति और वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं के प्रति रियायतग्राही के दायित्वों और उत्तरदायित्वों को ग्रहण करने पर, निजी बातचीत द्वारा या सार्वजनिक नीलामी या निविदाओं द्वारा नामित कंपनी को रियायत सहित हवाईअड्डे के अधिग्रहण और हस्तांतरण के लिए प्रस्ताव आमंत्रित कर सकता है, बातचीत कर सकता है और प्राप्त कर सकता है।

3.4.2 रियायतग्राही के स्थान पर प्रतिस्थापन के लिए पात्र होने के लिए, नामित कंपनी को उन पात्रता मानदंडों को पूरा करना आवश्यक होगा जो रियायत के आवंटन हेतु बोलीदाताओं को सूचीबद्ध करने के लिए प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किए गए थे; बशर्ते कि ऋणदाता प्रतिनिधि प्राधिकरण से यह अभ्यावेदन कर सकता है कि परियोजना के हित में ऐसे सभी या किसी भी मानदंड को माफ किया जा सकता है, और यदि प्राधिकरण यह निर्धारित करता है कि ऐसी छूट का परियोजना पर कोई भौतिक प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, तो वह ऐसे सभी या किसी भी पात्रता मानदंड को माफ कर सकता है।

3.4.3 एक नामित कंपनी के चयन पर, ऋणदाता प्रतिनिधि प्राधिकरण से निम्नलिखित अनुरोध करेगा:

(क) रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और अनुरक्षण के अधिकार को नामित कंपनी को हस्तांतरित करने की सहमति देना;

(ख) शेष रियायत अवधि के लिए समान निबंधनों और शर्तों पर नामित कंपनी को रियायत का पृष्ठांकन और हस्तांतरण करना; तथा

(ग) ऋणदाता प्रतिनिधि और नामित कंपनी के साथ उन्हीं निबंधनों पर एक प्रतिस्थापन समझौता करना जो इस समझौते में निहित हैं।

3.4.4 यदि प्राधिकरण को इस समझौते के अनुसार नामित कंपनी के पक्ष में रियायत के हस्तांतरण पर कोई आपत्ति है, तो वह ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा किए गए प्रस्ताव की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, ऋणदाता प्रतिनिधि की सुनवाई के पश्चात एक सकारण आदेश देगा। यदि प्राधिकरण द्वारा ऐसी कोई आपत्ति नहीं उठाई जाती है, तो नामित कंपनी को स्वीकृत माना जाएगा। प्राधिकरण उसके बाद नामित कंपनी की अपनी स्वीकृति/मानी गई स्वीकृति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर रियायत का हस्तांतरण और पृष्ठांकन करेगा; बशर्ते कि प्राधिकरण द्वारा ऐसी आपत्ति की स्थिति में, ऋणदाता प्रतिनिधि किसी अन्य नामित कंपनी का प्रस्ताव कर सकता है, जिसके बाद रियायतग्राही के स्थान पर ऐसी नामित कंपनी के प्रतिस्थापन के लिए इस खंड 3.4 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

3.4.5 इसके तहत एक नामित कंपनी को रियायत का हस्तांतरण, इस समझौते और रियायत समझौते में किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, रियायतग्राही की इक्विटी का कम से कम 75% (पचहत्तर प्रतिशत) नामित कंपनी को हस्तांतरित करके किया जा सकता है, और इसके तहत ऐसे हस्तांतरण पर, रियायतग्राही को इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार नामित कंपनी माना जाएगा।

3.5 चयन का बाध्यकारी होना

नामित कंपनी के चयन में ऋणदाता प्रतिनिधि और प्राधिकरण का निर्णय रियायतग्राही पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। रियायतग्राही अपरिवर्तनीय रूप से सहमत होता है और इस समझौते के अनुसरण में की गई ऋणदाता प्रतिनिधि या वरिष्ठ ऋणदाताओं या प्राधिकरण की कार्रवाइयों को चुनौती देने के किसी भी अधिकार का अधित्याग करता है, जिसमें नामित कंपनी के पक्ष में रियायत का हस्तांतरण/समनुदेशन शामिल है। रियायतग्राही सहमत होता है और पुष्टि करता है कि उसे परियोजना की परिसंपत्तियों या रियायतग्राही के शेयरों के पुनर्मूल्यांकन की मांग करने का कोई अधिकार नहीं होगा। पक्षकारों द्वारा एतद्द्वारा यह स्वीकार किया जाता है कि ऋणदाता प्रतिनिधि के अधिकार अपरिवर्तनीय हैं और किसी भी न्यायालय या प्राधिकरण के समक्ष किसी भी कार्यवाही में उनका विरोध नहीं किया जाएगा तथा रियायतग्राही के पास ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा अनुरोध किए गए अनुसार प्रतिस्थापन और पृष्ठांकन द्वारा रियायत के हस्तांतरण को प्रभावी करने या कराने से प्राधिकरण या ऋणदाता प्रतिनिधि को रोकने, बाधित करने या प्रतिबंधित करने का कोई अधिकार या उपाय नहीं होगा।

4. परियोजना समझौते

4.1 परियोजना समझौतों में नामित कंपनी का प्रतिस्थापन

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा और व्यवस्था करेगा कि प्रत्येक परियोजना समझौते में ऐसे उपबंध शामिल हों जो ऐसी नामित कंपनी द्वारा रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों और उत्तरदायित्वों को ग्रहण करने की स्थिति में, नामित कंपनी को अपने विवेक से, रियायतग्राही के स्थान पर और उसके प्रतिस्थापन के रूप में ऐसे परियोजना समझौते में कदम रखने का हकदार बनाते हैं।

5. रियायत समझौते की समाप्ति

5.1 वित्तीय व्यतिक्रम पर समाप्ति

वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना जारी होने के बाद किसी भी समय, ऋणदाता प्रतिनिधि लिखित सूचना द्वारा प्राधिकरण से रियायत समझौते को तत्काल समाप्त करने की अपेक्षा कर सकता है, और ऐसी सूचना प्राप्त होने पर, प्राधिकरण रियायत समझौते के अनुच्छेद 42 के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार समाप्ति की कार्रवाई करेगा।

5.2 किसी नामित कंपनी का चयन न होने पर समाप्ति

यदि ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा खंड 3.3.2 में निर्धारित 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि या उसके किसी विस्तार के भीतर प्राधिकरण को स्वीकार्य किसी भी नामित कंपनी का चयन और अनुशंसा नहीं की जाती है, तो प्राधिकरण रियायत समझौते को उसके उपबंधों के अनुसार तत्काल समाप्त कर सकता है।

5.3 शोध्य ऋण की वसूली

प्राधिकरण और रियायतग्राही एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि, उनके किसी अन्य अधिकार या उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऋणदाता प्रतिनिधि रियायत समझौते की समाप्ति पर शोध्य ऋण, रियायतग्राही के किसी और संदर्भ या सहमति के बिना, रियायतग्राही से प्राप्त करने का हकदार है। शोध्य ऋण की वसूली के लिए, ऋणदाता प्रतिनिधि रियायत समझौते और एस्क्रो समझौते के उपबंधों के अनुसार एस्क्रो खाते से अपना दावा करने का हकदार होगा।

6. समझौते की अवधि

6.1 समझौते की अवधि

यह समझौता आज की तिथि से लागू होगा और निम्नलिखित घटनाओं में से जो भी पहले घटित हो, समाप्त हो जाएगा:

(क) समझौते की समाप्ति; या

(ख) वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं को कोई राशि अग्रिम रूप में दी जानी शेष न हो और कोई राशि बकाया न हो।

7. क्षतिपूर्ति

7.1 सामान्य क्षतिपूर्ति

7.1.1 रियायतग्राही प्राधिकरण और ऋणदाता प्रतिनिधि को रियायतग्राही द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व के उल्लंघन से या रियायतग्राही द्वारा लागू कानूनों और लागू अनुमतियों का पालन करने में विफलता के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रकार और प्रकृति के नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उनकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा।

7.1.2 प्राधिकरण रियायतग्राही को प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते या इस समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय प्राधिकरण, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

7.1.3 ऋणदाता प्रतिनिधि रियायतग्राही को ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय ऋणदाता प्रतिनिधि, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

7.2 दावों की सूचना और विरोध

यदि इसके किसी पक्षकार को किसी तीसरे पक्ष से ऐसा दावा प्राप्त होता है जिसके संबंध में वह खंड 7.1 के तहत क्षतिपूर्ति के लाभ का हकदार है या जिसके संबंध में वह प्रतिपूर्ति का हकदार है ("क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार"), तो वह दावा प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर इसके तहत ऐसे दावे की क्षतिपूर्ति के लिए जिम्मेदार दूसरे पक्षकार ("क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार") को सूचित करेगा और क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार के पूर्व अनुमोदन के बिना दावे का निपटारा या भुगतान नहीं करेगा, ऐसे अनुमोदन को अनुचित रूप से रोका या विलंबित नहीं किया जाएगा। यदि क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार दावे का विरोध या विवाद करना चाहता है, तो वह क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार के नाम पर कार्यवाही का संचालन कर सकता है और उसका विरोध करने में शामिल सभी लागतों को वहन करेगा। क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार किसी भी दावे का विरोध करने में पूर्ण सहयोग और सहायता प्रदान करेगा और ऐसे सभी लेखों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा जिनकी क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार द्वारा उचित रूप से आवश्यकता हो सकती है।

8. विवाद समाधान

8.1 विवाद समाधान

8.1.1 इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में कोई भी विवाद, मतभेद या दावा, जिसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल नहीं किया जाता है, प्राधिकरण, रियायतग्राही और ऋणदाता प्रतिनिधि के एक-एक नामित व्यक्ति से मिलकर बनने वाले मध्यस्थ मंडल को मध्यस्थता के संदर्भ द्वारा तय किया जाएगा। ऐसी मध्यस्थता मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 तथा मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 के उपबंधों के अनुसार आयोजित की जाएगी।

8.1.2 मध्यस्थ एक सकारण पंचाट जारी करेंगे और ऐसा पंचाट पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। मध्यस्थता का स्थान राज्य की राजधानी होगी और मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

9. प्रकीर्ण उपबंध

9.1 शासी विधि और क्षेत्राधिकार

यह समझौता भारत के कानूनों के अनुसार समझा और निर्वचित किया जाएगा और उन्हीं से शासित होगा, तथा राज्य की अदालतों का इस समझौते से उत्पन्न या उससे संबंधित सभी मामलों पर क्षेत्राधिकार होगा।

9.2 संप्रभु उन्मुक्ति का अधित्याग

प्राधिकरण बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से:

(क) सहमत होता है कि उसके द्वारा इस समझौते का निष्पादन, सुपुर्दगी और पालन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए किए गए और निष्पादित वाणिज्यिक कार्य हैं;

(ख) सहमत होता है कि, यदि इस समझौते या इस समझौते द्वारा विचारित किसी लेनदेन के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के विरुद्ध कोई कार्यवाही की जाती है, तो उसकी परिसंपत्तियों के संबंध में प्राधिकरण द्वारा या उसकी ओर से ऐसी कार्यवाहियों से कोई उन्मुक्ति (चाहे संप्रभुता के आधार पर या अन्यथा) का दावा नहीं किया जाएगा;

(ग) उन्मुक्ति के किसी भी ऐसे अधिकार का अधित्याग करता है जो उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के पास अब है, भविष्य में प्राप्त हो सकता है या जो किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके लिए आरोपित किया जा सकता है; तथा

(घ) ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में कोई राहत देने या कोई आदेशिका जारी करने के लिए किसी भी निर्णय या पंचाट के निष्पादन के संबंध में आम तौर पर सहमति देता है (जिसमें इसके विरुद्ध या किसी भी परिसंपत्ति, संपत्ति या राजस्व के संबंध में कोई भी आदेश या निर्णय दिया जाना, लागू किया जाना या निष्पादित किया जाना शामिल है, चाहे उनका उपयोग या अभिप्रेत उपयोग कुछ भी हो)।

9.3 समझौतों की प्राथमिकता

रियायत समझौते और इस समझौते के बीच किसी भी विरोध की स्थिति में, रियायत समझौते में अंतर्विष्ट उपबंध इस समझौते पर प्रभावी होंगे।

9.4 शर्तों में परिवर्तन

इस समझौते में सभी जोड़, संशोधन, रूपांतरण और परिवर्तन केवल तभी प्रभावी और बाध्यकारी होंगे जब वे लिखित रूप में हों और पक्षकारों के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित हों।

9.5 अधित्याग

9.5.1 इस समझौते के किसी उपबंध या इसके तहत दायित्वों के अनुपालन और निष्पादन में किसी अन्य पक्षकार द्वारा व्यतिक्रम का किसी भी पक्षकार द्वारा अधित्याग:

(क) इसके किसी अन्य या परवर्ती व्यतिक्रम अथवा इस समझौते के अन्य उपबंधों या दायित्वों के अधित्याग के रूप में संचालित या निर्वचित नहीं होगा;

(ख) तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि यह लिखित रूप में न हो और पक्षकार के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निष्पादित न किया गया हो; तथा

(ग) इस समझौते की वैधता या प्रवर्तनीयता को किसी भी रीति से प्रभावित नहीं करेगा।

9.5.2 किसी भी पक्षकार द्वारा किसी भी अवसर पर इस समझौते के नियमों, शर्तों और उपबंधों या इसके तहत किसी दायित्व के निष्पादन पर जोर देने में विफलता और न ही किसी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दिया गया समय या अन्य रियायत, ऐसे उल्लंघन का अधित्याग या किसी परिवर्तन की स्वीकृति अथवा इसके तहत ऐसे किसी अधिकार का परित्याग मानी जाएगी।

9.6 कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

यह समझौता केवल पक्षकारों के लाभ के लिए है और किसी अन्य व्यक्ति या इकाई को इसके तहत कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

9.7 उत्तरजीविता

9.7.1 इस समझौते की समाप्ति:

(क) पक्षकारों को इसके तहत किसी भी ऐसे दायित्व से मुक्त नहीं करेगी जो स्पष्ट रूप से या निहितार्थ से इसकी समाप्ति के बाद भी जीवित रहते हैं; तथा

(ख) इस समझौते के किसी उपबंध में अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर जो स्पष्ट रूप से किसी भी पक्षकार के दायित्व को सीमित करता है, किसी भी पक्षकार को ऐसी समाप्ति के प्रभावी होने से पूर्व ऐसे पक्षकार के कृत्यों या चूकों से उत्पन्न होने वाले या ऐसी समाप्ति से उत्पन्न होने वाले दूसरे पक्षकार के नुकसान या क्षति के दायित्वों से मुक्त नहीं करेगी।

9.7.2 इस समझौते के रद्द होने, समाप्त होने या अवसान के बाद जीवित रहने वाले सभी दायित्व इस समझौते की ऐसी समाप्ति या अवसान की तिथि के बाद केवल 3 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए ही जीवित रहेंगे।

9.8 पृथक्करणीयता

यदि किसी भी कारण से इस समझौते का कोई उपबंध अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय है या हो जाता है या सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी अदालत या किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय घोषित किया जाता है, तो शेष उपबंधों की वैधता, संवैधानिकता या प्रवर्तनीयता किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होगी, और पक्षकार सद्भावपूर्वक ऐसे एक या अधिक उपबंधों पर सहमत होने की दृष्टि से बातचीत करेंगे जिन्हें ऐसे अमान्य, अप्रवर्तनीय या अवैध उपबंधों के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है, जो ऐसे अमान्य, अवैध या

अप्रवर्तनीय उपबंध के यथासंभव निकट हो। ऐसे किसी उपबंध पर सहमत होने में विफलता इस समझौते के खंड 8 के तहत या अन्यथा विवाद समाधान के अधीन नहीं होगी।

9.9 उत्तराधिकारी और समनुदेशिती

यह समझौता पक्षकारों और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुमत समनुदेशितियों पर बाध्यकारी होगा और उनके लाभ के लिए प्रभावी होगा।

9.10 सूचनाएं

इस समझौते के तहत दी जाने वाली या की जाने वाली सभी सूचनाएं या अन्य संसूचनाएं लिखित रूप में होंगी, या तो व्यक्तिगत रूप से वितरित की जाएंगी या कूरियर अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजी जाएंगी, जिसकी एक अतिरिक्त प्रति फैक्स या ई-मेल द्वारा भेजी जाएगी। प्रत्येक पक्षकार के तामील का पता, उसका फैक्स नंबर और ई-मेल पता इसके हस्ताक्षर पृष्ठों पर उसके नाम के नीचे दिया गया है। कोई सूचना उसकी वास्तविक प्राप्ति पर प्रभावी होगी, सिवाय इसके कि जहां यह किसी दिन सायं 5.30 (साढ़े पांच) बजे के बाद प्राप्त होती है, या ऐसे दिन प्राप्त होती है जो सार्वजनिक अवकाश है, वहां सूचना वास्तविक प्राप्ति की तिथि के बाद के पहले कार्य दिवस पर प्राप्त मानी जाएगी। पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, फैक्स या ई-मेल द्वारा सूचना या संसूचना देने वाला या करने वाला पक्षकार तुरंत उसकी एक प्रति व्यक्तिगत रूप से वितरित करेगा, या ऐसी सूचना या संसूचना के पाने वाले को कूरियर या पंजीकृत डाक द्वारा भेजेगा। एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है और स्वीकार किया जाता है कि कोई भी पक्षकार सूचना द्वारा उस पते को बदल सकता है जिस पर उसे ऐसी सूचनाएं और संसूचनाएं वितरित या प्रेषित की जानी हैं। ऐसा परिवर्तन तब प्रभावी होगा जब सभी पक्षकारों को इसकी सूचना मिल जाएगी।

9.11 भाषा

इस समझौते के तहत या इसके संबंध में सभी सूचनाएं, प्रमाण-पत्र, पत्राचार और कार्यवाहियां अंग्रेजी में होंगी।

9.12 प्राधिकृत प्रतिनिधि

प्रत्येक पक्षकार लिखित सूचना द्वारा अपने संबंधित प्राधिकृत प्रतिनिधियों को नामित करेगा जिनके माध्यम से ही सभी संसूचनाएं की जाएंगी। इसका एक पक्षकार समान सूचना द्वारा ऐसे प्राधिकृत प्रतिनिधि को हटाने और/या प्रतिस्थापित करने या उसकी नई नियुक्ति करने का हकदार होगा।

9.13 मूल दस्तावेज

यह समझौता तीन प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक निष्पादित और वितरित होने पर इस समझौते की एक मूल प्रति मानी जाएगी।

इसके साक्ष्य में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि को इस समझौते को निष्पादित और वितरित किया है।

हस्ताक्षर पृष्ठ

रियायतग्राही की सामान्य मुहर रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक ..... 20... को आयोजित अपनी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में ..... निदेशक की उपस्थिति में यहां लगाई गई है, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इन विलेखों पर हस्ताक्षर किए हैं और कंपनी सचिव/प्राधिकृत अधिकारी, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इस पर प्रति-हस्ताक्षर किए हैं।

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

प्राधिकरण के लिए और उसकी ओर से हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

वरिष्ठ ऋणदाताओं के लिए और उनकी ओर से ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

अनुसूची 'एक्स'

(खंड 5.6.1 देखें)

शेयरधारकों का समझौता

यह शेयरधारकों का समझौता ("समझौता") आज दिनांक..... माह..... 20... को निम्नलिखित के मध्य निष्पादित किया गया:

1. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, और जिसका मुख्य कार्यालय कार्यालय संख्या 1-15, ब्लॉक पी-2, सेक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है (इसके बाद इसे "प्राधिकरण" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे); प्रथम पक्षकार;

और

2. इसके अनुबंध-1 में सूचीबद्ध पक्षकार (इसके बाद इन्हें व्यक्तिगत रूप से "निजी सहभागी" और सामूहिक रूप से "निजी प्रतिभागीगण" कहा जाएगा (जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि यह इसके विषय या संदर्भ के प्रतिकूल या विपरीत न हो, उनके संबंधित कानूनी प्रतिनिधि और उत्तराधिकारी शामिल माने जाएंगे); द्वितीय पक्षकार;

और

3. ..... लिमिटेड, कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के तहत निगमित एक कंपनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद इसे "रियायतग्राही" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); तृतीय पक्षकार।

निजी प्रतिभागियों, प्राधिकरण और रियायतग्राही को इसके बाद सामूहिक रूप से "पक्षकार" और व्यक्तिगत रूप से "पक्षकार" कहा जाएगा। निजी प्रतिभागियों और प्राधिकरण को सामूहिक रूप से "शेयरधारक" कहा जाएगा।

चूंकि:

क) उत्तर प्रदेश सरकार ने सैद्धांतिक अनुमोदन में निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन, उत्तर प्रदेश राज्य में जेवर, जिला गौतम बुद्ध नगर के पास सार्वजनिक उपयोग के लिए एक हवाईअड्डे (इसके बाद "हवाई अड्डा" या "परियोजना" कहा जाएगा) की स्थापना के लिए भारत सरकार से सैद्धांतिक अनुमोदन (इसके बाद "सैद्धांतिक अनुमोदन" कहा जाएगा) प्राप्त किया था, और डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") आधार पर हवाईअड्डे को स्थापित करने का संकल्प लिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ("यूपी सरकार") ने

अपने सरकारी संकल्प संख्या ..... दिनांक ..... ("यूपी सरकार अनुमोदन") के माध्यम से परियोजना के कार्यान्वयन को मंजूरी दी और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को प्राधिकरण के रूप में सौंपा।

ख) प्राधिकरण ने सफल बोलीदाता के चयन के लिए अपने प्रस्ताव सह योग्यता मांग पत्र संख्या ..... दिनांक ..... ("प्रस्ताव सह योग्यता मांग पत्र" या "आरएफपी सह आरएक्यू") द्वारा प्रस्ताव आमंत्रित किए, जिसे परियोजना शुरू करने के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में कार्य करने हेतु एक कंपनी को निगमित करने का अधिकार होगा।

ग) निजी प्रतिभागियों में चयनित बोलीदाता के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने बोली लगाई थी, और जिन्हें बाद में सूचीबद्ध किया गया और अंततः प्राधिकरण द्वारा चुना गया, जिसके अनुसरण में प्राधिकरण ने परियोजना को शुरू करने के लिए रियायत समझौते को निष्पादित करने वाले विशेष प्रयोजन वाहन को निगमित करने के लिए आशय पत्र / अधिनिर्णय पत्र संख्या ..... दिनांक ..... को ..... को जारी किया ("रियायतग्राही")।

घ) चयनित बोलीदाता ने तब से कंपनी अधिनियम 2013 के तहत एक सीमित देयता कंपनी के रूप में रियायतग्राही को प्रवर्तित और निगमित किया है, और प्राधिकरण से रियायतग्राही को उस इकाई के रूप में स्वीकार करने का अनुरोध किया है जो रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों को पूरा करेगी और अधिकारों का प्रयोग करेगी और प्राधिकरण इस अनुरोध पर सहमत हो गया है।

ङ) प्रस्तावों के अनुरोध के हिस्से के रूप में यह परिकल्पना की गई थी कि प्राधिकरण इस शेयरधारकों के समझौते में निर्धारित नियमों और शर्तों पर एक गैर-हस्तांतरणीय स्वर्णिम शेयर (गोल्डन शेयर) (जैसा कि इसके बाद परिभाषित है) धारण करेगा।

च) इसलिए प्राधिकरण और निजी प्रतिभागी इस समझौते में रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपनी पारस्परिक क्षमता में संबंधों को नियंत्रित करने के लिए नियमों और शर्तों को निर्धारित करने और रियायतग्राही के प्रबंधन और कामकाज तथा उससे संबंधित अन्य मामलों के संबंध में अपने संबंधित अधिकारों और दायित्वों को दर्ज करने के इच्छुक हैं।

अब इसलिए, पूर्वगामी और इस समझौते में निर्धारित संबंधित वचनों और समझौतों के प्रतिफल के रूप में, जिसकी प्राप्ति और पर्याप्तता को एतद्द्वारा स्वीकार किया जाता है, और इसके द्वारा कानूनी रूप से बाध्य होने का इरादा रखते हुए, पक्षकार निम्नानुसार सहमत होते हैं:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1 परिभाषाएं

इस समझौते में (इसके साथ जुड़े किसी भी विवरण, अनुबंध, अनुसूचियों या प्रदर्श सहित), जहां संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, निम्नलिखित शब्दों और अभिव्यक्तियों का निम्नलिखित अर्थ होगा:

"प्रभावित पक्षकार" का अर्थ नीचे खंड 11.3 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"वैकल्पिक निदेशक" का अर्थ नीचे खंड 5.7.1 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"निदेशक मंडल" या "बोर्ड" का अर्थ रियायतग्राही के निदेशक मंडल से है;

"अध्यक्ष" का अर्थ कंपनी के बोर्ड के अध्यक्ष से है;

"चार्टर दस्तावेज" का अर्थ रियायतग्राही के संस्थापन ज्ञापन और अंतर्नियमों से है, जिसमें कानून द्वारा अनुमत सीमा तक, इस समझौते के नियमों और शर्तों को उपयुक्त रूप से शामिल किया गया है और जो उनके अनुरूप हैं;

"कंपनी अधिनियम" का अर्थ कंपनी अधिनियम, 1956 के निरसित उपबंधों के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और अन्यथा कंपनी अधिनियम, 1956 से है, जिसमें उसका कोई भी पुनरधिनियमन या संशोधन शामिल है;

"रियायत समझौता" का अर्थ परियोजना के संबंध में प्राधिकरण और रियायतग्राही के बीच निष्पादित रियायत समझौते से होगा;

"परिणामी नुकसान" का अर्थ नीचे खंड 11.14 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"व्यतिक्रमी पक्षकार" का अर्थ नीचे खंड 8.2.1 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"निदेशक" का अर्थ रियायतग्राही के निदेशक मंडल के एक निदेशक से है;

"समता शेयर" का अर्थ रियायतग्राही के प्रत्येक ..... रुपये के अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता समता शेयर से है;

"स्वर्णिम शेयर" का अर्थ प्राधिकरण को जारी किए गए/जारी किए जाने वाले रियायतग्राही के ..... रुपये के अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता समता शेयर से है;

"प्रबंध निदेशक" का अर्थ रियायतग्राही के पूर्णकालिक प्रबंध निदेशक से है;

"निजी सहभागी" का अर्थ इस समझौते की प्रस्तावना में इसे दिए गए अर्थ से होगा;

"निजी सहभागी समझौता" का अर्थ नीचे खंड 4.2.4 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"परियोजना" का अर्थ विवरण (क) में इसे दिए गए अर्थ से होगा;

"स्वामित्वगत जानकारी" का अर्थ नीचे खंड 9.1 के तहत इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"आरक्षित मामले" का अर्थ इसके अनुबंध-II के तहत सूचीबद्ध मामलों से है;

"शेयरधारक" या "शेयरधारकगण" का अर्थ इस समझौते की प्रस्तावना में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"शेयरधारकों का समझौता" या "समझौता" का अर्थ इस शेयरधारकों के समझौते से है;

"तृतीय पक्ष" का अर्थ किसी भी ऐसी इकाई से है जो इस समझौते का पक्षकार नहीं है;

"अंतरण" में (i) ऐसी प्रतिभूतियों या मतदान हितों या उसमें किसी भी हित का कोई भी अंतरण या अन्य व्ययन शामिल होगा, जिसमें बिना किसी सीमा के, लागू कानूनों के संचालन द्वारा, अदालती आदेश द्वारा, न्यायिक प्रक्रिया द्वारा, या ग्रहणाधिकार प्रवर्तन, जब्ती या कुर्की द्वारा; (ii) किसी समझौते, व्यवस्था, लिखत या समझ के अनुसरण में ऐसी प्रतिभूतियों या उसमें किसी भी हित की कोई भी बिक्री, समनुदेशन, उपहार, दान, मोचन, संपरिवर्तन या अन्य व्ययन, जिसके द्वारा ऐसी प्रतिभूतियों या उसमें किसी भी हित का कानूनी स्वत्व या लाभकारी स्वामित्व एक इकाई से दूसरी इकाई को या एक अलग कानूनी क्षमता में उसी इकाई को जाता है, चाहे मूल्य के लिए हो या नहीं; (iii) ऐसी प्रतिभूतियों या उसमें किसी भी हित में कोई भार (चाहे बंधक, गिरवी, ग्रहणाधिकार, दृष्टिबंधन या अन्यथा द्वारा) या प्रभार देना या बढ़ाना या संलग्न करना या किसी भी प्रकार का कोई विशेषाधिकार या प्राथमिकता जिसका सुरक्षा का प्रभाव हो।

1.2 निर्वचन

1.2.1 बड़े अक्षरों से प्रारंभ होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें उनके लिए निर्धारित किया गया है, तथा इस समझौते में प्रयुक्त और इसमें अपरिभाषित किंतु रियायत समझौते या कंपनी अधिनियम, जैसी भी स्थिति हो, में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते या कंपनी अधिनियम में उनके लिए निर्धारित किया गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

1.2.2 खंडों के संदर्भ, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.3 रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, यथायोग्य परिवर्तनों सहित, इस समझौते पर लागू होंगे।

2. प्रभावी तिथि

खंड 2, 3, 7, 9 और 10 के उपबंधों को छोड़कर जो इसके निष्पादन के तुरंत बाद प्रभावी हो जाएंगे, इस समझौते के उपबंध प्राधिकरण की संतुष्टि के अनुसार निम्नलिखित कार्रवाइयों के पूरा होने पर प्रभावी होंगे (ऐसी तिथि प्रभावी तिथि "प्रभावी तिथि" होगी):

(i) रियायतग्राही ने इस समझौते के निबंधनों को प्रतिबिंबित करने के लिए, आवश्यकतानुसार, रियायतग्राही के चार्टर दस्तावेजों में परिवर्तन के लिए रियायतग्राही के शेयरधारकों की एक असाधारण आम बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से संकल्प पारित किया हो;

(ii) रियायतग्राही ने संबंधित कंपनी रजिस्ट्रार के पास उपरोक्तानुसार संशोधित चार्टर दस्तावेज दाखिल किए हों, और प्राधिकरण को उक्त कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा जारी रसीद प्रदान की हो जो उपरोक्तानुसार संशोधित चार्टर दस्तावेजों के दाखिल होने का प्रमाण हो; तथा

(iii) रियायतग्राही ने प्राधिकरण को ऐसे सभी प्रस्तावों और/या इस खंड में विचारित कार्रवाइयों के निष्पादन को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य दस्तावेज की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि सौंपी हो और निजी प्रतिभागियों ने रियायतग्राही से यह प्रतिलिपि प्राधिकरण को दिलवाई हो।

3. पूंजी संरचना और स्वर्णिम शेयर का जारी किया जाना

3.1 प्राधिकरण को स्वर्णिम शेयर जारी करना

3.1.1 रियायतग्राही एतद्द्वारा वचन देता है कि वह इस समझौते के निष्पादन के साथ ही ऐसे स्वर्णिम शेयर के अंकित मूल्य के बराबर प्रतिफल के लिए प्राधिकरण को स्वर्णिम शेयर जारी और आवंटित करेगा, और निजी प्रतिभागी एतद्द्वारा रियायतग्राही से प्राधिकरण को स्वर्णिम शेयर जारी और आवंटित करवाने तथा स्वर्णिम शेयर का प्रतिनिधित्व करने वाले शेयर प्रमाण-पत्र को प्राधिकरण को सौंपने के लिए सहमत होते हैं।

3.1.2 रियायतग्राही कंपनी अधिनियम के उपबंधों के तहत आवश्यक सभी फाइलिंग करेगा और स्वर्णिम शेयर जारी करने के संबंध में लागू कानूनों की अन्य सभी आवश्यकताओं का अनुपालन करेगा।

3.1.3 पक्षकार सहमत होते हैं कि प्राधिकरण के नामित निदेशकों को कंपनी के निदेशक मंडल की बैठकों में सकारात्मक वोट (स्वीकारात्मक मत) का अधिकार होगा, और प्राधिकरण को आरक्षित मामलों के संबंध में शेयरधारकों की आम बैठक में स्वीकारात्मक मत का अधिकार होगा। संदेह के निवारण के लिए, इस समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकार किसी भी अन्य अधिकार के अतिरिक्त होंगे जो प्राधिकरण के पास रियायत समझौते या किसी अन्य परियोजना समझौते के तहत हो सकते हैं।

3.1.4 पक्षकार स्पष्ट रूप से सहमत होते हैं कि स्वर्णिम शेयर में, जब तक कि इस समझौते के तहत अन्यथा प्रदान न किया गया हो, लाभांश और अन्य सभी मामलों के संबंध में समता शेयरों के समान अधिकार और विशेषाधिकार होंगे।

3.2 अंतरण प्रतिबंध

3.2.1 कोई भी शेयरधारक (प्राधिकरण के अलावा), इस समझौते के उपबंधों के अधीन और लागू कानूनों के अनुपालन में, अपने/उनके सभी या किसी भी समता शेयर या इस समझौते के तहत अपने अधिकारों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तीसरे पक्ष को अंतरित कर सकता है, बशर्ते कि (i) ऐसा अंतरण रियायतग्राही को रियायत समझौते के उल्लंघन में न डाले; और (ii) ऐसा तीसरा पक्ष क्रेता इस समझौते के नियमों और शर्तों से बाध्य होने के लिए सहमत हो और वचन दे तथा अनुबंध III में संलग्न प्रारूप और तरीके से एक अनुपालन विलेख ("अनुपालन विलेख") निष्पादित करे।

3.2.2 एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया जाता है कि जहां निजी सहभागी मुख्य रूप से रियायतग्राही में समता शेयर रखने के प्रयोजनों के लिए स्थापित एक विशेष प्रयोजन वाहन है (ऐसा निजी सहभागी एक "एसपीवी पीपी" होने के नाते), ऐसे एसपीवी पीपी में किसी भी शेयरधारिता का अंतरण इस समझौते के प्रयोजनों के लिए एसपीवी पीपी द्वारा समता शेयरों का अप्रत्यक्ष अंतरण माना जाएगा और इस समझौते में निर्धारित शेयरों के अंतरण पर प्रतिबंधों के अधीन होगा, जिसमें (i) तीसरे पक्ष के अंतरिती द्वारा अनुपालन विलेख के निष्पादन की आवश्यकता शामिल है।

3.2.3 पक्षकार स्पष्ट रूप से सहमत होते हैं कि प्राधिकरण किसी भी समय स्वर्णिम शेयर को अंतरित करने का हकदार नहीं होगा, सिवाय इसके कि जब प्राधिकरण की कोई उत्तराधिकारी इकाई रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकारों और दायित्वों को ग्रहण करती है।

4. रियायतग्राही का दायरा और उद्देश्य

4.1 रियायतग्राही का प्रयोजन और इस समझौते का दायरा

रियायतग्राही का उद्देश्य रियायत समझौते में निहित उपबंधों के अनुसार और उनके अधीन रियायतग्राही के दायित्वों को पूरा करना और अधिकारों का प्रयोग करना है।

4.2 शेयरधारक प्रतिबद्धताएं

4.2.1 प्रत्येक शेयरधारक एतद्द्वारा प्रत्येक अन्य शेयरधारक के साथ और रियायतग्राही के साथ सहयोग करने और रियायतग्राही की सफलता को बढ़ावा देने के लिए उस सीमा तक अपने उचित प्रयासों का उपयोग करने के लिए सहमत होता है जिस सीमा तक उसके पास ऐसा करने

का अधिकार और क्षमता है। बशर्ते, हालांकि, पक्षकार एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि प्राधिकरण की जिम्मेदारियां और दायित्व रियायत समझौते में स्पष्ट रूप से निर्धारित मामलों तक ही सीमित होंगे: बशर्ते यह भी कि इस अनुच्छेद 4.2.1 में निहित किसी भी बात का अर्थ रियायत समझौते में स्पष्ट रूप से निर्धारित दायित्वों के अलावा प्राधिकरण पर कोई दायित्व बनाने के रूप में नहीं लगाया जाएगा, और न ही यह प्राधिकरण के किसी संयुक्त और कई दायित्व को सूचित करेगा।

4.2.2 प्रत्येक शेयरधारक एतद्द्वारा अन्य शेयरधारकों के प्रति और रियायतग्राही के लाभ के लिए वचन देता है:

(क) इस समझौते और चार्टर दस्तावेजों के सभी उपबंधों का पालन और निष्पादन करना; तथा

(ख) आरक्षित मामलों के संबंध में प्राधिकरण के स्वीकारात्मक मत के अधिकार (जिसका प्रयोग प्राधिकरण के एक नामित व्यक्ति के माध्यम से किया जा सकता है) के अधीन, और पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, यह सुनिश्चित करना कि (i) शेयरधारक के रूप में अपनी क्षमता में उसका प्रतिनिधित्व करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, और (ii) इस समझौते के निबंधनों के अनुसार निदेशक के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति, रियायतग्राही के शेयरधारकों या बोर्ड की किसी भी बैठक में, जैसी भी स्थिति हो, मतदान की किसी भी शक्ति का प्रयोग करेगा या मतदान की शक्ति का प्रयोग करवाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रियायतग्राही के मामलों को रियायत समझौते के अनुसार संचालित करने के लिए आवश्यक या वांछनीय किसी भी और प्रत्येक संकल्प का अनुमोदन सुनिश्चित हो और अन्यथा इस समझौते को पूर्ण प्रभाव दिया जा सके, और इसी तरह यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी ऐसा संकल्प पारित न हो जो रियायत समझौते और/या इस समझौते के उपबंधों के अनुसार न हो; बशर्ते, हालांकि, जैसा कि स्पष्ट रूप से निर्देशित है या जैसा कि इस समझौते के किसी उपबंध द्वारा विचारित है, प्रत्येक शेयरधारक के पास इस बात पर पूर्ण विवेक होगा कि वह अपने स्वामित्व वाले समता शेयरों पर कैसे मतदान करे या रियायतग्राही के संचालन में कार्य करने के लिए ऐसे शेयरधारक द्वारा नियुक्त किसी भी व्यक्ति को कैसे कार्य करवाए, जो केवल लागू कानूनों के अधीन होगा।

4.2.3 यदि खंड 5 के अनुसरण में किसी शेयरधारक द्वारा नामित कोई निदेशक, किसी भी कारण से इस समझौते के उपबंधों के अनुसार अपने विवेक का प्रयोग करने से इनकार करता है, तो ऐसा शेयरधारक ऐसे निदेशक को प्रतिस्थापित करने के लिए अपनी शक्ति या नियंत्रण के भीतर तुरंत सभी कार्रवाई करेगा।

4.2.4 पक्षकार सहमत होते हैं कि चार्टर दस्तावेजों में, लागू कानूनों के तहत अनुमत सीमा तक, प्राधिकरण के स्वीकारात्मक मत के अधिकार सहित बिना किसी सीमा के इस समझौते के उपबंधों को शामिल किया जाएगा और जिस सीमा तक चार्टर दस्तावेज इस समझौते के असंगत हैं, शेयरधारक रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपनी शक्ति का प्रयोग यह सुनिश्चित करने के लिए करेंगे कि ऐसी किसी भी असंगति को दूर करने के लिए लागू कानून के तहत अनुमत सीमा तक चार्टर दस्तावेजों में संशोधन किया जाए। इसके अलावा, पक्षकार इस बात पर भी सहमत हैं कि निजी सहभागी रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपने पारस्परिक संबंधों को विनियमित करने के लिए आपस में कोई समझौता कर सकते हैं ("निजी सहभागी समझौता"), बशर्ते कि ऐसे निजी सहभागी समझौते के उपबंध इस समझौते के उपबंधों के विपरीत या असंगत नहीं होंगे, या किसी भी तरह से, इस समझौते और/या रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के हित के लिए हानिकारक नहीं होंगे और लागू कानूनों के तहत अनुमत होंगे। संदेह के निवारण के लिए, पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की जाती है कि निजी प्रतिभागी समझौते और इस समझौते के बीच किसी विरोध या असंगति की स्थिति में, इस समझौते के उपबंध मान्य होंगे।

4.2.5 निजी प्रतिभागी एतद्द्वारा परियोजना से संबंधित सभी दायित्वों और देनदारियों के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग जिम्मेदार होने का वचन देते हैं, जब तक कि रियायत समझौते के अनुसार परियोजना के लिए वित्तीय समापन प्राप्त नहीं हो जाता।

5. प्रबंधन और निदेशक मंडल

5.1 प्रबंधन

रियायतग्राही का प्रबंधन और संचालन बोर्ड के समग्र अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के तहत किया जाएगा। रियायतग्राही और परियोजना के विकास और प्रबंधन के संबंध में बोर्ड के पास समग्र अधिकार होंगे। रियायतग्राही के अधिकारियों के पास चार्टर दस्तावेजों और इस समझौते के अनुरूप, निदेशक मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट अधिकार और जिम्मेदारियां होंगी।

5.2 बोर्ड की संरचना

5.2.1 बोर्ड की संरचना निम्नानुसार निर्धारित की जाएगी:

(क) प्राधिकरण हर समय रियायतग्राही के बोर्ड में निदेशकों के रूप में नियुक्ति के लिए अपनी पसंद के 2 व्यक्तियों को नामित करने का हकदार होगा, और ऐसे नामांकन पर, रियायतग्राही लागू कानूनों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को गैर-सेवानिवृत्त निदेशकों के रूप में नियुक्त करेगा।

(ख) निजी प्रतिभागियों और प्राधिकरण के अलावा अन्य शेयरधारकों को शेष निदेशकों को नामित करने का अधिकार होगा।

5.2.2 शेयरधारक एतद्द्वारा समय-समय पर निदेशकों के रूप में प्राधिकरण और निजी प्रतिभागियों के नामितों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए रियायतग्राही में अपनी संबंधित शेयरधारिता का मतदान करने के लिए स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं।

5.3 अध्यक्ष

पक्षकार एतद्द्वारा वचन देते हैं और सहमत होते हैं कि निजी प्रतिभागियों को रियायतग्राही के अध्यक्ष को नामित करने का अधिकार होगा, जिसे बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

5.4 प्रबंध निदेशक

5.4.1 निजी प्रतिभागी रियायतग्राही के प्रबंध निदेशक को भी नामित करेंगे, जिसे एक बोर्ड संकल्प के बाद, बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

5.4.2 प्रबंध निदेशक रियायतग्राही के दिन-प्रतिदिन के प्रबंधन और परियोजना को लागू करने के लिए जिम्मेदार होगा। प्रबंध निदेशक बोर्ड के समग्र अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के अधीन अपनी शक्तियों का प्रयोग करेगा।

5.5 योग्यता

निदेशकों के लिए रियायतग्राही में कोई योग्यता शेयर रखना आवश्यक नहीं है।

5.6 त्यागपत्र और निष्कासन

सिवाय इसके कि जहां किसी निदेशक को लागू कानूनों या चार्टर दस्तावेजों के तहत पद खाली करने की आवश्यकता होती है, किसी भी निदेशक को उस अवधि के दौरान जिसके लिए वह चुना गया था, उस शेयरधारक की सहमति के बिना नहीं हटाया जाएगा जिसने बोर्ड में उसकी नियुक्ति की सिफारिश की थी। पूर्वगामी के होते हुए भी, एक शेयरधारक ऐसे शेयरधारक द्वारा नामित निदेशकों में से किसी को भी हटाने, प्रतिस्थापित करने या वापस बुलाने के लिए कह सकता है और ऐसा निदेशक हटाने, प्रतिस्थापन या वापस बुलाने के निर्देश से बाध्य होगा। प्रत्येक शेयरधारक ऐसे निष्कासन को प्रभावी करने के लिए रियायतग्राही के शेयरधारकों की बैठक बुलाने और यदि आवश्यक हो तो उसके पक्ष में मतदान करने में अन्य शेयरधारकों के साथ सहयोग करने के लिए सहमत होता है।

5.7 वैकल्पिक निदेशक

5.7.1 प्रबंध निदेशक के अलावा कोई अन्य निदेशक ("मूल निदेशक") किसी भी समय और समय-समय पर, मूल निदेशक के विकल्प ("वैकल्पिक निदेशक") के रूप में कार्य करने के लिए

किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने का हकदार होगा (और शेयरधारक यह सुनिश्चित करेंगे कि बोर्ड ऐसे व्यक्ति को उसके विकल्प के रूप में नियुक्त करे) और ऐसे वैकल्पिक निदेशक की नियुक्ति को समाप्त करने का निर्देश देने का हकदार होगा (और शेयरधारक यह सुनिश्चित करेंगे कि बोर्ड ऐसे वैकल्पिक निदेशक की नियुक्ति समाप्त करे)।

5.7.2 वैकल्पिक निदेशक, इस रूप में पद धारण करते हुए, बोर्ड या उसकी किसी भी समिति की बैठकों की सूचनाएं प्राप्त करने का हकदार होगा जिसमें मूल निदेशक को नियुक्त किया गया है, और ऐसी किसी भी बैठक में निदेशक के रूप में उपस्थित होने और मतदान करने का हकदार होगा जिसमें मूल निदेशक उपस्थित नहीं है और आम तौर पर सभी शक्तियों, अधिकारों (खंड 5.7.1 में दिए गए वैकल्पिक निदेशक की नियुक्ति के अधिकार के अलावा), कर्तव्यों और प्राधिकारों का प्रयोग करने और मूल निदेशक के सभी कार्यों को निष्पादित करने का हकदार होगा। इसके अलावा, ऐसा वैकल्पिक निदेशक कोरम के गठन के उद्देश्य से गिने जाने, मतदान करने और बोर्ड या उसकी किसी समिति की किसी भी बैठक में मूल निदेशक की ओर से एक लिखित संकल्प पर हस्ताक्षर करने का हकदार होगा और लागू कानूनों द्वारा अनुमत सीमा तक उसके हस्ताक्षर, वोट, उपस्थिति और सहमति को स्वयं (मानो वह अपने अधिकार में एक निदेशक हो) और मूल निदेशक जिसके लिए वह एक वैकल्पिक निदेशक है, का माना जाएगा।

5.8 रिक्ति

यदि किसी भी कारण से ऐसे किसी पद में कोई रिक्ति होती है, या कोई निदेशक उस स्थान से जहां बोर्ड की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं, लगातार 1 (एक) महीने की अवधि के लिए अनुपस्थित रहता है और उसके स्थान पर कोई वैकल्पिक निदेशक नियुक्त नहीं किया गया है, तो जिस शेयरधारक ने ऐसे निदेशक को नामित किया था, वह एक प्रतिस्थापन निदेशक को नामित करने का हकदार होगा, और शेयरधारक ऐसे निदेशक को हटाने और ऐसे प्रतिस्थापन निदेशक के चुनाव के लिए सर्वसम्मति से अपने शेयरों का मतदान करने के लिए सहमत होते हैं।

5.9 मंडल की बैठक आयोजित करने का ढंग

बोर्ड की बैठकें प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार भारत में ऐसे स्थानों पर आयोजित की जाएंगी जैसा कि बोर्ड निर्धारित कर सकता है और ऐसे किसी निर्धारण के अभाव में रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाएंगी जो ..... पर स्थित है। यदि और जब लागू कानूनों के तहत अनुमति हो, एक निदेशक टेलीफोन, ऑडियो और/या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य संचार सुविधाओं के माध्यम से बोर्ड की बैठक या बोर्ड की एक समिति/उप-समिति की

बैठक में भाग ले सकता है, और ऐसे माध्यमों से ऐसी बैठक में भाग लेने वाले निदेशक को इस समझौते के प्रयोजनों के लिए, उस बैठक में उपस्थित माना जाएगा।

5.10 बैठक हेतु सूचना और कार्यसूची

5.10.1 जब तक कि सभी निदेशकों द्वारा सूचना की आवश्यकता को माफ न कर दिया जाए, सभी निदेशकों और उनके वैकल्पिक निदेशकों को बोर्ड की बैठकों की न्यूनतम 14 (चौदह) दिनों की लिखित सूचना (या ऐसी छोटी अवधि जैसा कि सभी निदेशक सहमत हो सकते हैं) दी जाएगी। बोर्ड की बैठक की प्रत्येक सूचना में अन्य बातों के साथ-साथ, संबंधित बैठक में चर्चा किए जाने वाले मामलों को उचित विवरण में विनिर्दिष्ट करने वाली एक कार्यसूची शामिल होगी और इसके साथ सभी आवश्यक लिखित जानकारी होगी।

5.10.2 बोर्ड केवल निदेशकों को सूचना के साथ संलग्न कार्यसूची में निर्धारित व्यवसाय का संचालन करेगा। बशर्ते हालांकि कि प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक की उपस्थिति और पक्ष में मतदान के साथ सभी निदेशकों की सर्वसम्मत सहमति से, बोर्ड उस व्यवसाय का संचालन कर सकता है जो कार्यसूची में निर्धारित नहीं है।

5.11 मंडल की बैठकों हेतु गणपूर्ति (कोरम)

5.11.1 बोर्ड की बैठकों या उसके किसी स्थगन के लिए कोरम में अनिवार्य रूप से प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक शामिल होगा यदि ऐसी बैठक में किसी आरक्षित मामले पर विचार किया जाना है; और ऐसी बैठक में किसी भी आरक्षित मामले पर विचार नहीं किया जाएगा, यदि प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक ऐसी बैठक में उपस्थित नहीं है।

5.11.2 ऐसी बैठकों में जहां कोरम इस प्रकार गठित नहीं है, किए गए सभी कार्य या लिए गए निर्णय शून्य और निष्प्रभावी होंगे।

5.12 मंडल की समितियां

यदि बोर्ड एक समिति या उप-समिति का गठन करना आवश्यक समझता है, तो बोर्ड ऐसी समिति या उप-समिति की शक्तियों (दायरा, समाप्ति, संशोधन और उसे वापस लेने सहित) का निर्धारण करेगा। समिति या उप-समिति बोर्ड के अधीन होगी और उसकी देखरेख में होगी। इसमें निहित किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, प्राधिकरण को बोर्ड द्वारा गठित प्रत्येक समिति और उप-समिति में अपने नामित व्यक्ति को नामित करने का अधिकार होगा: बशर्ते, हालांकि, ऐसी समिति और/या उप-समिति को कोई भी आरक्षित मामला नहीं सौंपा जाएगा।

5.13 निर्णय

5.13.1 कंपनी अधिनियम के उपबंधों के अधीन, निदेशक मंडल का एक संकल्प उस बैठक में उपस्थित निदेशकों के साधारण बहुमत के सकारात्मक वोट द्वारा अपनाया जाएगा जिसमें निदेशक मंडल का कोरम उपस्थित हो। बशर्ते, हालांकि, कि रियायतग्राही के निदेशक मंडल की बैठक में पारित किए जाने वाले आरक्षित मामलों पर सभी प्रस्ताव प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक के सकारात्मक वोट के अधीन होंगे और ऐसा कोई संकल्प पारित नहीं किया जाएगा यदि प्राधिकरण द्वारा नामित ऐसा कोई निदेशक उपस्थित नहीं है और ऐसे संकल्प के पक्ष में मतदान नहीं करता है।

5.13.2 रियायतग्राही या उसका कोई भी निदेशक, अधिकारी, एजेंट या प्रतिनिधि ऊपर खंड 5.13.1 में दिए गए तरीके से बोर्ड द्वारा पूर्व अनुमोदन के बिना कोई भी आरक्षित मामला नहीं करेगा और ऐसे पूर्व अनुमोदन के बिना रियायतग्राही या उसके किसी निदेशक, अधिकारी, एजेंट या प्रतिनिधि द्वारा किया गया कोई भी कार्य अमान्य और शून्य होगा।

5.14 परिचालन द्वारा संकल्प

लागू कानूनों के अधीन और आरक्षित मामलों के अलावा अन्य मामलों के लिए, बोर्ड के संकल्प परिचालन द्वारा पारित किए जा सकते हैं, यदि संकल्प को आवश्यक कागजात (यदि कोई हो) के साथ, सभी निदेशकों को, जो उस समय भारत में हों या भारत से बाहर हों, प्रारूप में परिचालित किया गया हो, और निदेशकों के बहुमत द्वारा हस्ताक्षरित किया गया हो। ऐसे संकल्पों पर निदेशकों द्वारा एकल दस्तावेज के रूप में या प्रतियों में हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

5.15 प्राधिकार

जब तक बोर्ड द्वारा अन्यथा प्राधिकृत न किया जाए, निदेशकों में से किसी को भी व्यक्तिगत रूप से रियायतग्राही को बाध्य करने का अधिकार नहीं होगा।

5.16 निदेशकों की अयोग्यता

लागू कानूनों के अधीन, किसी भी निदेशक को किसी अन्य निगमित निकाय का अधिकारी, निदेशक या शेयरधारक होने के कारण सेवा करने के लिए अयोग्य नहीं माना जाएगा।

5.17 निरीक्षण और जानकारी

5.17.1 पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है कि प्राधिकरण को रियायतग्राही द्वारा रखे जाने वाले बहीखातों, अभिलेखों और खातों की जांच करने का अधिकार

होगा और वह मासिक प्रबंधन खातों और परिचालन सांख्यिकी तथा अन्य व्यापारिक और वित्तीय जानकारी सहित सभी जानकारी प्राप्त करने का हकदार होगा।

5.17.2 खंड 5.17.1 की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही प्राधिकरण को निम्नलिखित की प्रतियां प्रदान करेगा:

(क) रियायतग्राही के लेखापरीक्षित खाते (सभी प्रासंगिक कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन करते हुए); तथा

(ख) रियायतग्राही के प्रत्येक मुख्य प्रभाग के मासिक/तिमाही प्रबंधन खाते; इनमें एक समेकित लाभ और हानि खाता, तुलन पत्र और नकदी प्रवाह विवरण शामिल होगा जो रियायतग्राही के मुख्य प्रभागों के अनुसार विभाजित होगा, जिसमें प्रासंगिक व्यवसाय योजना के मुकाबले प्रगति का विवरण, त्रैमासिक राजस्व बजट से किसी भी भिन्नता का विवरण और प्रासंगिक लेखा वर्ष के शेष के लिए अद्यतन पूर्वानुमान शामिल होगा तथा उस अवधि के दौरान रियायतग्राही के प्रत्येक मुख्य प्रभाग द्वारा शुरू किए गए रियायतग्राही के पूंजीगत कार्यक्रम के संबंध में सभी व्यय का मदवार विवरण शामिल होगा।

6. शेयरधारकों के अधिकार और दायित्व

6.1 आम बैठक और शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता वाले मामले

6.1.1 बोर्ड जब भी उचित समझे रियायतग्राही की एक आम बैठक बुला सकता है। यदि कंपनी अधिनियम और चार्टर दस्तावेजों के उपबंधों के अनुसार रियायतग्राही के शेयरधारकों द्वारा मांग की जाती है तो बोर्ड एक आम बैठक बुलाने के लिए भी आगे बढ़ेगा।

6.1.2 इस समझौते और चार्टर दस्तावेजों में निहित किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, किसी आरक्षित मामले के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो ऊपर खंड 3.1.3 में प्रदान किए गए अनुसार प्राधिकरण के स्वीकारात्मक मत अधिकारों के अधीन है, जब तक कि प्राधिकरण के प्राधिकृत प्रतिनिधि के सकारात्मक वोट द्वारा अनुमोदित न हो। पक्षकार विशेष रूप से सहमत होते हैं कि आरक्षित मामलों से संबंधित एक संकल्प केवल शेयरधारकों की बैठक में पारित किया जाएगा न कि परिचालन के माध्यम से।

6.1.3 शेयरधारकों की बैठकों या उसके किसी स्थगन के लिए कोरम में अनिवार्य रूप से प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि शामिल होगा यदि ऐसी बैठक में किसी आरक्षित मामले पर विचार किया जाना है; और ऐसी बैठक में किसी भी आरक्षित मामले पर विचार नहीं किया जाएगा, यदि प्राधिकरण का कोई प्रतिनिधि ऐसी बैठक में उपस्थित नहीं है।

6.1.4 ऐसी बैठकों में जहां कोरम इस प्रकार गठित नहीं है, किए गए सभी कार्य या लिए गए निर्णय शून्य और निष्प्रभावी होंगे।

7. वचनबंध, अभ्यावेदन और वारंटियां

7.1 प्रत्येक निजी प्रतिभागी एतद्द्वारा प्राधिकरण, रियायतग्राही और अन्य निजी प्रतिभागियों के लाभ के लिए वारंटी देता है और अभ्यावेदन करता है कि:

(क) यह कानून के तहत विधिवत संगठित और वैध रूप से अस्तित्व में है और इसके पास इस समझौते को निष्पादित करने और इसके नियमों, शर्तों और उपबंधों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कानूनी शक्ति और अधिकार हैं;

(ख) निजी प्रतिभागी द्वारा इस समझौते का निष्पादन और सुपुर्दगी सभी आवश्यक कॉर्पोरेट और अन्य कार्रवाई द्वारा विधिवत प्राधिकृत की गई है और यह किसी अन्य समझौते या लिखत के किसी भी उपबंध का उल्लंघन नहीं करेगी या उसके तहत व्यतिक्रम का गठन नहीं करेगी जिसका वह एक पक्षकार है या जिससे वह बाध्य हो सकता है;

(ग) यह समझौता और इसके द्वारा विचारित लेन-देन के संबंध में किए गए और शुरू किए गए अन्य सभी समझौते और लिखित दायित्व जिनका वह एक पक्षकार है, ऐसे निजी प्रतिभागी के वैध और कानूनी रूप से बाध्यकारी दायित्वों का गठन करते हैं या इसके निष्पादन और वितरण के बाद गठित करेंगे, जो इसके संबंधित निबंधनों के अनुसार इसके खिलाफ प्रवर्तनीय हैं, जो उपचारों के प्रवर्तन के संबंध में लागू दिवालियापन, दिवाला, पुनर्गठन और सामान्य रूप से लेनदारों के अधिकारों के प्रवर्तन को प्रभावित करने वाले अन्य कानूनों के अधीन हैं और विशिष्ट निष्पादन या अन्य साम्यापूर्ण उपचारों का आदेश देने वाली डिक्री देने के संबंध में अदालत के विवेकाधिकार के अधीन हैं;

(घ) यह दिवालिया नहीं है और इसके द्वारा या इसके खिलाफ कोई दिवाला कार्यवाही शुरू नहीं की गई है, न ही धमकी दी गई है या लंबित है;

(ङ) इसने सभी भौतिक मामलों में लागू कानूनों का अनुपालन किया है और किसी भी जुर्माने, दंड, व्यादेशात्मक राहत या किसी अन्य नागरिक या आपराधिक देनदारियों के अधीन नहीं रहा है, जिसका कुल मिलाकर इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की इसकी क्षमता पर कोई भौतिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है या पड़ सकता है; तथा

(च) निजी प्रतिभागी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, कानून में, साम्या में, या अन्यथा, चाहे नागरिक या आपराधिक प्रकृति की हो, किसी भी अदालत, आयोग, मध्यस्थ या सरकारी प्राधिकरण के समक्ष या उसके द्वारा उसके खिलाफ लिखित रूप में कोई कार्रवाई, मुकदमा, दावा, कार्यवाही या जांच लंबित नहीं है या धमकी नहीं दी गई है, और किसी भी ऐसी

अदालत, आयोग, मध्यस्थ या सरकारी प्राधिकरण का कोई बकाया निर्णय, डिक्री या आदेश नहीं है, जो इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की इसकी क्षमता को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है।

7.2 प्रत्येक निजी प्रतिभागी और रियायतग्राही एतद्द्वारा प्राधिकरण के लाभ के लिए अपरिवर्तनीय रूप से वचन देते हैं, वारंटी देते हैं और अभ्यावेदन करते हैं कि:

(क) इस समझौते और रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण में निहित अधिकारों को निजी प्रतिभागियों या रियायतग्राही द्वारा किए गए या किए जाने वाले किसी भी कार्य द्वारा संक्षिप्त, समाप्त या किसी भी तरह से प्रभावित नहीं किया जाएगा; तथा

(ख) रियायतग्राही में इक्विटी का कोई भी विनिवेश किसी भी तरह से इसमें प्राधिकरण के अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगा और यह कि रियायतग्राही के उत्तराधिकारी, समनुदेशिती और प्रतिस्थानी ऐसे वचनबंध से बाध्य होंगे।

7.3 प्राधिकरण एतद्द्वारा रियायतग्राही और निजी प्रतिभागियों के लाभ के लिए वारंटी देता है और अभ्यावेदन करता है कि उसके पास इस समझौते को निष्पादित करने और इसके नियमों, शर्तों और उपबंधों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कानूनी शक्ति और अधिकार हैं।

8. समाप्ति

8.1 समाप्ति

पक्षकार सहमत होते हैं कि यदि कोई शेयरधारक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रियायतग्राही के किसी भी समता शेयर को रखना बंद कर देता है, तो यह समझौता ऐसे शेयरधारक के संबंध में स्वतः समाप्त हो जाएगा। बशर्ते, हालांकि, गोपनीयता (खंड 9) और विवाद समाधान (खंड 10) से संबंधित इस समझौते के तहत ऐसे शेयरधारक के दायित्व और इस समझौते के ऐसे अन्य उपबंध जो अपनी प्रकृति से जीवित रहने के लिए अभिप्रेत हैं, इस समझौते की किसी भी समाप्ति के बाद भी जीवित रहेंगे।

8.2 कारणवश समाप्त करने का अधिकार

8.2.1 किसी शेयरधारक ("व्यतिक्रमी पक्षकार") की ओर से इस समझौते के किसी भी नियम और शर्त या इसमें निर्धारित किसी वचन, अभ्यावेदन, वारंटी या समझौते के भौतिक उल्लंघन ("भौतिक उल्लंघन") की स्थिति में, कोई अन्य शेयरधारक ("गैर-व्यतिक्रमी पक्षकार") व्यतिक्रमी पक्षकार को कथित उल्लंघन की लिखित सूचना ("उल्लंघन सूचना") दे सकता है।

8.2.2 एक समाप्ति घटना ("समाप्ति घटना") घटित मानी जाएगी यदि ऐसा भौतिक उल्लंघन, यदि उचित रूप से ठीक होने योग्य है, तो उल्लंघन सूचना की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के

भीतर ("उपचार अवधि") व्यतिक्रमी पक्षकार द्वारा ठीक नहीं किया जाता है, या यदि ऐसा भौतिक उल्लंघन उचित रूप से ठीक होने योग्य नहीं है, तो उल्लंघन सूचना जारी होने के तुरंत बाद घटित माना जाएगा।

8.2.3 निजी प्रतिभागियों में से किसी की ओर से एक समाप्ति घटना घटित होने पर, प्राधिकरण, अपने विवेक से, ऐसे निजी प्रतिभागी से उसके द्वारा धारित सभी, लेकिन सभी से कम नहीं, समता शेयरों को समता शेयरों के बाजार मूल्य या उसके अंकित मूल्य के 25% (पच्चीस प्रतिशत) में से जो भी कम हो, पर प्राधिकरण को अंतरित करने की अपेक्षा कर सकता है; और ऐसे शेयरों का अंतरण इस संबंध में प्राधिकरण द्वारा सूचना की तिथि से 30 (तीस) दिनों के भीतर रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय में होगा।

9. गोपनीयता

9.1 पक्षकार एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि उनमें से प्रत्येक के पास ऐसी जानकारी है और आगे भी रहेगी जो उनके द्वारा बनाई गई है, खोजी गई है, विकसित की गई है, या अन्यथा ज्ञात और उनके स्वामित्व में है, जिस जानकारी का उस व्यवसाय में वाणिज्यिक मूल्य है जिसमें वे लगे हुए हैं या संलग्न हो सकते हैं (उपर्युक्त जानकारी को इसके बाद "स्वामित्वगत जानकारी" कहा जाता है)। पक्षकार सहमत होते हैं कि इस समझौते की अवधि के दौरान और इसके समाप्त होने या अवसान के बाद, उनमें से प्रत्येक दूसरे पक्षकार से प्राप्त सभी स्वामित्वगत जानकारी को विश्वास और न्यास में रखेगा, और वे अन्य पक्षकार (पक्षकारों) की लिखित सहमति के बिना ऐसी किसी स्वामित्वगत जानकारी या उससे सीधे संबंधित किसी भी चीज़ का उपयोग या खुलासा नहीं करेंगे।

9.2 किसी भी कारण से इस समझौते के अवसान या समाप्ति की स्थिति में, पक्षकार ऐसी स्वामित्वगत जानकारी के स्वामी के निर्देश पर तुरंत ऐसी स्वामित्वगत जानकारी से संबंधित किसी भी प्रकृति के सभी दस्तावेजों और डेटा का उपयोग बंद कर देंगे, उन्हें नष्ट कर देंगे या मालिक को वापस कर देंगे, और किसी भी स्वामित्वगत जानकारी से युक्त या संबंधित किसी भी विवरण के किसी भी दस्तावेज या डेटा या किसी भी विवरण के पुनरुत्पादन को अपने पास नहीं रखेंगे या किसी अन्य को नहीं सौंपेंगे।

9.3 यह खंड, हालांकि, उस जानकारी पर लागू नहीं होगा जो:

(क) किसी पक्षकार की गलती के बिना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है या हो जाती है;

(ख) प्रकटीकरण से पूर्व किसी पक्षकार को गैर-गोपनीय आधार पर ज्ञात थी;

(ग) स्वामित्वगत जानकारी के उपयोग के बिना किसी पक्षकार द्वारा स्वतंत्र रूप से विकसित की गई है;

(घ) ऐसी जानकारी के स्वामी द्वारा किसी तीसरे पक्ष को यहां निहित प्रतिबंधों के समान प्रतिबंधों के बिना प्रकट की जाती है;

(ङ) ऋण की बिक्री/आहरण को सक्षम करने के लिए या प्रस्तावित तीसरे पक्ष के अंतरितियों को प्रकट की जाती है, बशर्ते कि प्राप्तकर्ता केवल उस उद्देश्य के लिए जानकारी का उपयोग करने के लिए एक गोपनीयता वचनबंध निष्पादित करे;

(च) रियायतग्राही या किसी ऐसी इकाई के स्टॉक एक्सचेंज लिस्टिंग के लिए किसी भी आवश्यकता सहित लागू कानूनों की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए प्रकट की जाती है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समता शेयर रखती है;

(छ) पक्षकारों के किसी भी सलाहकार (कानूनी, वित्तीय, तकनीकी या अन्यथा) को प्रकट की जाती है, बशर्ते कि प्राप्तकर्ता केवल प्रकट किए गए उद्देश्य के लिए जानकारी का उपयोग करने के लिए एक गोपनीयता वचनबंध निष्पादित करे।

9.4 शेयरधारक एक-दूसरे के साथ और रियायतग्राही के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सर्वोत्तम प्रयासों का उपयोग करने और रियायतग्राही से ऐसा करवाने के लिए सहमत होते हैं कि रियायतग्राही के व्यवसाय के संबंध में प्रकट की गई सभी जानकारी और जो अन्यथा आम तौर पर उपलब्ध नहीं है, गोपनीय रखी जाएगी और प्रकट नहीं की जाएगी।

10. शासी विधि और क्षेत्राधिकार की सहमति; मध्यस्थता

10.1 यह समझौता और इसके निर्वचन के सभी प्रश्न भारत के कानूनों के अनुसार समझे जाएंगे। खंड 10.3 के अधीन, राज्य की अदालतों का इस समझौते पर अनन्य क्षेत्राधिकार होगा।

10.2 पक्षकार सहमत होते हैं कि वे सद्भावपूर्वक परामर्श के माध्यम से, पक्षकारों के बीच इस समझौते (इसके निर्वचन सहित) के तहत या उसके संबंध में किसी भी प्रकृति के सभी और किसी भी मुद्दे, विवाद, मतभेद या विवाद को हल करने का प्रयास करेंगे, और किसी भी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को लिखित रूप में अधिसूचित किया जाएगा ("विवाद") और ऐसा परामर्श किसी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को ऐसे परामर्श के लिए लिखित अनुरोध देने के तुरंत बाद शुरू होगा: बशर्ते कि यदि ऐसे सद्भावपूर्वक परामर्श के परिणामस्वरूप ऐसे परामर्श शुरू होने के 60 (साठ) दिनों के भीतर विवाद का समाधान नहीं हुआ है, तो खंड 10.3 के उपबंध लागू होंगे।

10.3 मध्यस्थता

10.3.1 इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में कोई भी विवाद, मतभेद या दावा, जिसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल नहीं किया जाता है, क्षेत्राधिकार वाले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एकमात्र मध्यस्थ के संदर्भ द्वारा अंतिम रूप से तय किया जाएगा। ऐसी मध्यस्थता वैकल्पिक विवाद समाधान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के मध्यस्थता नियमों ("नियम") या ऐसे अन्य नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी जो पक्षकारों द्वारा पारस्परिक रूप से सहमत हो सकते हैं, और मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 तथा मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 के उपबंधों के अधीन होगी।

10.3.2 मध्यस्थ एक सकारण पंचाट जारी करेगा और ऐसा पंचाट पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। मध्यस्थता का स्थान राज्य की राजधानी होगी और मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

10.3.3 यह समझौता और पक्षकारों के अधिकार और दायित्व इसके तहत किसी भी मध्यस्थता कार्यवाही में पंचाट आने तक पूर्ण रूप से प्रभावी और लागू रहेंगे।

11. प्रकीर्ण

11.1 सूचनाएं

इस समझौते के तहत दी जाने वाली या की जाने वाली सभी सूचनाएं या अन्य संसूचनाएं लिखित रूप में होंगी, या तो व्यक्तिगत रूप से वितरित की जाएंगी या कूरियर अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजी जाएंगी, जिसकी एक अतिरिक्त प्रति फैक्स या ई-मेल द्वारा भेजी जाएगी। प्रत्येक पक्षकार के तामील का पता, उसका फैक्स नंबर और ई-मेल पता इसके हस्ताक्षर पृष्ठों पर उसके नाम के नीचे दिया गया है। कोई सूचना उसकी वास्तविक प्राप्ति पर प्रभावी होगी, सिवाय इसके कि जहां यह किसी दिन सायं 5.30 (साढ़े पांच) बजे के बाद प्राप्त होती है, या ऐसे दिन प्राप्त होती है जो सार्वजनिक अवकाश है, वहां सूचना वास्तविक प्राप्ति की तिथि के बाद के पहले कार्य दिवस पर प्राप्त मानी जाएगी। पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, फैक्स या ई-मेल द्वारा सूचना या संसूचना देने वाला या करने वाला पक्षकार तुरंत उसकी एक प्रति व्यक्तिगत रूप से वितरित करेगा, या ऐसी सूचना या संसूचना के पाने वाले को कूरियर या पंजीकृत डाक द्वारा भेजेगा। एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है और स्वीकार किया जाता है कि कोई भी पक्षकार सूचना द्वारा उस पते को बदल सकता है जिस पर उसे ऐसी सूचनाएं और संसूचनाएं वितरित या प्रेषित की जानी हैं। ऐसा परिवर्तन तब प्रभावी होगा जब सभी पक्षकारों को इसकी सूचना मिल जाएगी।

11.2 अप्रत्याशित घटना

इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की जाती है कि इस समझौते के तहत किसी भी पक्षकार को अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) के लिए या उसके कारण कोई राहत नहीं दी जाएगी।

11.3 दायित्वों का विनिर्दिष्ट पालन

इस समझौते के पक्षकार सहमत होते हैं कि, लागू कानूनों के तहत अनुमत सीमा तक, इस समझौते के तहत पक्षकारों के अधिकार और दायित्व विनिर्दिष्ट पालन के अधिकार के अधीन होंगे और एक व्यतिक्रमी पक्षकार के खिलाफ विशेष रूप से लागू किए जा सकते हैं। पक्षकार स्वीकार करते हैं कि इस समझौते के उपबंधों के किसी भी उल्लंघन से प्रतिकूल रूप से प्रभावित पक्षकार ("प्रभावित पक्षकार") को तत्काल अपूरणीय क्षति होगी जिसके लिए नुकसानी के रूप में देय कोई भी मुआवजा एक पर्याप्त उपाय नहीं होगा। तदनुसार, पक्षकार सहमत होते हैं कि किसी अन्य पक्षकार द्वारा ऐसे किसी उल्लंघन या आसन्न उल्लंघन की स्थिति में प्रभावित पक्षकार सक्षम क्षेत्राधिकार की अदालत से तत्काल और स्थायी व्यादेशात्मक राहत, विनिर्दिष्ट पालन या किसी अन्य साम्यापूर्ण राहत का हकदार होगा। पक्षकार सहमत होते हैं और अनुबंध करते हैं कि प्रभावित पक्षकार (i) वास्तविक नुकसान साबित करने की आवश्यकता के बिना; या (ii) कोई बांड या अन्य सुरक्षा पोस्ट किए बिना ऐसी व्यादेशात्मक राहत, विनिर्दिष्ट पालन या अन्य साम्यापूर्ण राहत का हकदार होगा। इसमें निहित कोई भी बात कानून या साम्या में किसी भी उपाय के लिए प्रभावित पक्षकार के अधिकार को सीमित नहीं करेगी, जिसमें व्यतिक्रमी पक्षकार से नुकसानी की वसूली शामिल है।

11.4 संपूर्ण समझौता

11.4.1 खंड 11.4.2 के उपबंधों के अधीन, यह समझौता, इसके सभी अनुबंधों, अनुसूचियों, प्रदर्शनों और संलग्नकों के साथ, इस समझौते के विषय के संबंध में पक्षकारों के बीच संपूर्ण समझौते और समझ का प्रतिनिधित्व करता है और किसी भी पूर्व समझौते या समझ, लिखित या मौखिक, को अधिक्रमित करता है जो पक्षकारों के बीच हो सकती थी।

11.4.2 इसमें निहित कोई भी बात:

(क) रियायत समझौते के उपबंधों को प्रभावित नहीं करेगी;

(ख) निजी प्रतिभागियों को रियायतग्राही में अपनी शेयरधारिता के संबंध में कोई अन्य पारस्परिक व्यवस्था करने से नहीं रोकेगी, बशर्ते कि ऐसी कोई व्यवस्था इस समझौते या रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकारों को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करेगी।

संदेह के निवारण के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि रियायत समझौते और इस समझौते के उपबंधों के बीच विरोध की स्थिति में, रियायत समझौते के उपबंध प्रभावी होंगे।

11.5 संशोधन

इस समझौते के किसी भी उपबंध का कोई भी रूपांतरण, संशोधन या अधित्याग केवल तभी प्रभावी होगा, यदि वह लिखित रूप में हो और प्रत्येक पक्षकार द्वारा व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित हो।

11.6 पृथक्करणीयता

यदि इस समझौते का कोई अनुच्छेद, खंड, धारा या पैराग्राफ, या उसका कोई हिस्सा, या इसके साथ संलग्न या इसका हिस्सा बनाया गया कोई समझौता या दस्तावेज अमान्य है, सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी अदालत द्वारा अवैध ठहराया जाता है, या वर्तमान या भविष्य के लागू कानूनों के तहत अप्रवर्तनीय है, तो पक्षकारों का यह इरादा है कि समझौते का शेष भाग, या इसके साथ संलग्न या इसका हिस्सा बनाया गया कोई भी समझौता या दस्तावेज, उससे प्रभावित नहीं होगा जब तक कि ऐसे उपबंध को हटाने से यह समझौता किसी भी पक्षकार के लिए तात्विक रूप से प्रतिकूल न हो जाए, जिस स्थिति में पक्षकार समझौते में ऐसे परिवर्तनों के लिए सद्भावपूर्वक बातचीत करेंगे जो ऐसे उपबंध के तहत पक्षकारों के लिए लाभों और दायित्वों को सर्वोत्तम रूप से सुरक्षित रखेंगे।

11.7 मूल प्रतियां

यह समझौता दो या दो से अधिक मूल प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, और प्रत्येक पक्षकार द्वारा समान या अलग-अलग प्रतियों पर निष्पादित किया जा सकता है, लेकिन ऐसी सभी प्रतियां मिलकर एक ही लिखत का गठन करेंगी।

11.8 अधित्याग

किसी पक्षकार द्वारा इस समझौते के उल्लंघन या किसी अन्य पक्षकार द्वारा व्यतिक्रम के संबंध में कोई कार्रवाई करने में विफलता, इस समझौते के किसी उपबंध को लागू करने या ऐसे उल्लंघन या व्यतिक्रम या किसी बाद के उल्लंघन या व्यतिक्रम के संबंध में कार्रवाई करने के पूर्व पक्षकार के अधिकार का अधित्याग नहीं बनेगी। किसी पक्षकार द्वारा इस समझौते के किसी उपबंध के उल्लंघन या अनुपालन में विफलता का अधित्याग, ऐसे उपबंध का निरंतर अधित्याग नहीं माना जाएगा या उसका गठन नहीं करेगा, या इस समझौते के किसी अन्य उपबंध के किसी अन्य उल्लंघन या अनुपालन में विफलता का अधित्याग नहीं होगा।

11.9 कोई एजेंसी नहीं

यह समझौता किसी भी पक्षकार को दूसरे पक्षकार के कानूनी प्रतिनिधि या एजेंट के रूप में गठित नहीं करेगा, और न ही किसी पक्षकार के पास किसी अन्य पक्षकार के खिलाफ, उसके नाम पर, या उसकी ओर से कोई दायित्व या बाध्यता, व्यक्त या निहित, मानने, बनाने या उपगत करने का अधिकार या प्राधिकार होगा।

11.10 कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

इस समझौते में व्यक्त या उल्लिखित कुछ भी इसके पक्षकारों (और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुमत समनुदेशितियों) के अलावा किसी भी इकाई को इस समझौते या इसमें निहित किसी भी उपबंध के तहत या उसके संबंध में कोई कानूनी या साम्यापूर्ण अधिकार, उपाय या दावा देने के लिए अभिप्रेत नहीं है या ऐसा नहीं माना जाएगा।

11.11 एक-दूसरे और रियायतग्राही के संबंध में पक्षकारों की स्वतंत्रता

पक्षकार स्वतंत्र हैं और रहेंगे। पक्षकारों में से किसी को भी दूसरे का एजेंट नहीं माना जाएगा, और न ही उनके पास कोई अनुबंध करने या कोई दायित्व लेने, या दूसरे या रियायतग्राही की ओर से कोई वारंटी या अभ्यावेदन देने का प्राधिकार होगा।

11.12 पूर्ण निष्पक्षता (आर्म्स लेंथ)

एक ओर प्रत्येक पक्षकार और दूसरी ओर रियायतग्राही के बीच सभी संबंध पूर्ण निष्पक्षता के आधार पर और प्रतिस्पर्धी शर्तों पर संचालित किए जाएंगे।

11.13 भार

पक्षकार सहमत होते हैं कि निजी प्रतिभागी वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं के पक्ष में या उनके लाभ के लिए और/या हवाईअड्डे के लिए कार्यशील पूंजी व्यवस्था के अलावा रियायतग्राही में अपनी शेयरधारिता पर कोई भार उत्पन्न करने के हकदार नहीं होंगे।

11.14 परिणामी नुकसान

इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, किसी भी स्थिति में कोई भी पक्षकार, उसके अधिकारी, कर्मचारी या एजेंट किसी अन्य पक्षकार द्वारा झेले गए किसी भी परिणामी नुकसान के संबंध में इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में किसी भी मामले के लिए किसी अन्य पक्षकार के प्रति (अनुबंध, क्षतिपूर्ति, वारंटी या लापरवाही और सख्त या पूर्ण दायित्व या सांविधिक कर्तव्य के उल्लंघन या अन्यथा सहित अपकृत्य के आधार पर) उत्तरदायी नहीं होंगे। इस उपबंध के प्रयोजनों के लिए, "परिणामी नुकसान" का अर्थ ऐसे उल्लंघन के परिणामस्वरूप होने वाला कोई भी अप्रत्यक्ष या परिणामी नुकसान (लाभ की हानि, राजस्व

की हानि, अनुबंध की हानि, साख की हानि, अन्य समझौतों के तहत दायित्व, या तीसरे पक्ष के प्रति दायित्व सहित) है और चाहे उल्लंघन करने वाले पक्षकार को यह पता होना चाहिए था या नहीं कि ऐसे उल्लंघन के परिणामस्वरूप ऐसा अप्रत्यक्ष या परिणामी नुकसान होने की संभावना है और इसमें समय-समय पर पीड़ित पक्षकार के ऋणदाताओं या लेनदारों को किसी भी राशि का भुगतान या पुनर्भुगतान (या उसका कोई त्वरण) शामिल है, लेकिन उत्तरदायी पक्षकार, उसके अधिकारियों, कर्मचारियों या एजेंटों की लापरवाही के परिणामस्वरूप होने वाली मृत्यु या व्यक्तिगत चोट को बाहर रखा गया है।

इसके साक्ष्य में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि को इस समझौते को निष्पादित और वितरित किया है।

हस्ताक्षर पृष्ठ

रियायतग्राही की सामान्य मुहर रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक ..... 20... को आयोजित अपनी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में ..... निदेशक की उपस्थिति में यहां लगाई गई है, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इन विलेखों पर हस्ताक्षर किए हैं और कंपनी सचिव/प्राधिकृत अधिकारी, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इस पर प्रति-हस्ताक्षर किए हैं।

प्राधिकरण के लिए और उसकी ओर से हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

निजी प्रतिभागी के लिए और उसकी ओर से हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर:

.....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

अनुबंध - I

(अनुसूची-एक्स)

निजी प्रतिभागीगण

{निजी प्रतिभागियों के नाम दर्ज करें}

अनुबंध - II

(अनुसूची-एक्स)

आरक्षित मामले

(क) संस्थापन ज्ञापन के उपबंधों में परिवर्तन करना या जोड़ना;

(ख) अंतर्नियमों में परिवर्तन करना या जोड़ना;

(ग) रियायतग्राही का नाम बदलना;

(घ) रियायतग्राही के स्वयं के शेयरों या विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को क्रय करना;

(ङ) स्वेट इक्विटी शेयर जारी करना;

(च) गैर-सदस्यों को पूर्व-क्रय अधिकारों के बिना अतिरिक्त शेयर जारी करना या ऋणों अथवा ऋणपत्रों को शेयरों में परिवर्तित करना;

(छ) शेयर पूंजी को कम करना;

(ज) रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय को उस राज्य की सीमाओं से बाहर ले जाना जहां यह स्थित है;

(झ) व्यवसाय की कोई भी नई शाखा या कार्यक्षेत्र प्रारंभ करना;

(ञ) जिस शहर, कस्बे या गांव में पंजीकृत कार्यालय स्थित है, उसके अलावा किसी अन्य स्थान पर रजिस्टर और विवरणियां रखना;

(ट) रियायतग्राही के प्रबंध निदेशक, प्रबंधक, बैंकर, या डिबेंचर-धारकों के न्यासी के पद को छोड़कर, किसी निदेशक या उसके रिश्तेदार या साझेदार या फर्म या निजी कंपनी को लाभ का कोई पद या स्थान धारण करने के लिए सहमति देना;

(ठ) अंतर-कॉर्पोरेट ऋण और निवेश करना या गारंटी/सुरक्षा दिया जाना, आदि, यदि उसकी कुल राशि रियायतग्राही की चुकता शेयर पूंजी के 10 प्रतिशत की सीमा से अधिक है;

(ड) रियायतग्राही के समापन के लिए अदालत में आवेदन करना;

(ढ) रियायतग्राही का स्वेच्छा से समापन करना;

(ण) रियायतग्राही के समापन से संबंधित विभिन्न अन्य मामलों के लिए; तथा

(त) कोई अन्य मामला जिसे कंपनी अधिनियम, 2013, या उसके किसी पुनरधिनियमन या संशोधन द्वारा कंपनी के शेयरधारकों के एक विशेष संकल्प द्वारा पारित किया जाना आवश्यक है।

अनुबंध - III

(अनुसूची-एक्स)

अनुपालन विलेख

यह अनुपालन विलेख ("विलेख") आज दिनांक ..... माह ....., को भारत के कानूनों के तहत निगमित कंपनी/निगमित निकाय, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद "अंतरिती" कहा जाएगा) द्वारा निष्पादित किया जाता है;

चूंकि:

क. प्राधिकरण, ... और रियायतग्राही के बीच दिनांक ..... 20... के शेयरधारकों के समझौते ("शेयरधारकों का समझौता") द्वारा, शेयरधारक रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपने अधिकारों और देनदारियों के पारस्परिक वितरण/विनियमन पर सहमत हुए थे।

ख. शेयरधारकों के समझौते के खंड 3.2.1 (ii) में अन्य बातों के साथ-साथ यह अपेक्षा की गई है कि किसी भी शेयरधारक ("मूल कंपनी") द्वारा किसी तीसरे पक्ष को समता पूंजी में शेयरों के अंतरण के साथ-साथ, ऐसा तीसरा पक्ष, उसे शेयरों के ऐसे अंतरण की पूर्व-शर्त के रूप में, इस विलेख को निष्पादित करेगा और शेयरधारकों के समझौते से बाध्य होगा।

अब यह विलेख निम्नानुसार साक्ष्य प्रस्तुत करता है:

1. परिभाषाएं और निर्वचन:

इस विलेख में प्रयुक्त किंतु अपरिभाषित बड़े अक्षरों वाले शब्दों का, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, वही अर्थ होगा जो शेयरधारकों के समझौते में उनके लिए निर्धारित किया गया है।

2. वचनबंध:

अंतरिती एतद्द्वारा स्वीकार करता है कि उसने इससे पूर्व शेयरधारकों के समझौते, रियायत समझौते और अन्य परियोजना समझौतों की एक प्रति प्राप्त कर ली है, तथा उन्हें पढ़ और समझ लिया है, और वचन देता है, सहमत होता है और पुष्टि करता है कि वह शेयरधारकों के समझौते के सभी उपबंधों से इस प्रकार बाध्य होगा मानो वह उसका मूल पक्षकार हो, जिसमें उसमें निहित अंतरणकर्ता पक्षकार के अधिकारों और दायित्वों के संबंध में शामिल है, और शेयरधारकों का समझौता उस पर पूर्ण रूप से प्रभावी और लागू होगा, तथा उसे उस पर बाध्यकारी माना और समझा जाएगा।

3. शासी विधि:

यह विलेख भारत के कानूनों के अनुसार शासित और निर्वचित होगा। मध्यस्थता और अन्य नियमों और शर्तों के संबंध में शेयरधारकों के समझौते के नियमों और शर्तों को इस विलेख में शामिल माना जाएगा।

द्वारा: .....

नाम और पदवी: .....

उपस्थिति में:

गवाह:

1.....

2.....

अनुसूची-वाई

(खंड 22.2.1 देखें)

सीएनएस/एटीएम करार

[उपयुक्त मूल्य के स्टाम्प पेपर पर निष्पादित किया जाना है]

सीएनएस/एटीएम (संचार, संचालन और निगरानी / वायु यातायात प्रबंधन) सुविधाओं और सेवाओं के प्रावधान हेतु करार

यह करार निम्नलिखित पक्षों के मध्य ..... को निष्पादित किया गया है:

1) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, जिसे इसके पश्चात् भा.वि.प्रा. कहा गया है, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत गठित एक प्राधिकरण है, जिसका निगमित कार्यालय राजीव गांधी भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली-110003, भारत में स्थित है ("भा.वि.प्रा."); तथा

2)..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम), जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत सीमित देयता वाली निगमित एक कंपनी है, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है, जिसे इसके पश्चात् ("विमानपत्तन कंपनी") कहा गया है।

अभिव्यक्ति "भा.वि.प्रा." और "विमानपत्तन कंपनी" का संदर्भ जहाँ कहीं भी प्रयुक्त हो, उसमें उनके संबंधित हित-उत्तराधिकारी तथा अनुमत समनुदेशिती सम्मिलित और अभिप्रेत होंगे और उन्हें सामूहिक रूप से "पक्षकार" तथा व्यक्तिगत रूप से "पक्ष" कहा जाएगा।

चूंकि:

क. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उड़ान संचालन हेतु ..... के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में ..... पर एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास, डिजाइन, वित्तपोषण, निर्माण, पूर्णता और संचालन का प्रस्ताव करती है।

ख. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 के अनुसार भा.वि.प्रा. भारतीय वायुक्षेत्र के भीतर तथा भारत के सभी नागरिक हवाई अड्डों पर वायु यातायात सेवाएं प्रदान करने हेतु उत्तरदायी है।

ग. उपरोक्त अधिनियम के अनुसार, भा.वि.प्रा. इस करार में निर्धारित निबंधनों और शर्तों पर हवाईअड्डे पर वायु यातायात सेवाएं प्रदान करेगा।

एतद्द्वारा निम्नानुसार सहमति व्यक्त की जाती है:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1. परिभाषाएं

इस करार में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:

"भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाएं" का अर्थ खंड 4.3 के अनुसार भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं हैं;

"भा.वि.प्रा. उपकरण" का अर्थ ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के अतिरिक्त वे सभी उपकरण हैं, जो भा.वि.प्रा. को प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार भा.वि.प्रा. सेवाओं का निष्पादन करने में सक्षम बनाने हेतु अपेक्षित हैं;

"भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाएं" का अर्थ खंड 5.1 के अनुसार भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं हैं;

"भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाएं" का अर्थ खंड 3.2 के अनुसार भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं हैं;

"भा.वि.प्रा. सेवाएं" का अर्थ भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाएं, भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाएं और भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाएं हैं;

"प्रभावित पक्ष" का अर्थ वही होगा जो इसे खंड 9 में दिया गया है;

"संबद्ध संस्था/संबद्ध व्यक्ति" से अभिप्रेत है:

क) कोई व्यक्ति जो किसी पक्षकार की सहायक संस्था है;

ख) कोई व्यक्ति जिसका सहायक पक्षकार है;

ग) कोई व्यक्ति जो ऐसे व्यक्ति की सहायक संस्था है जिसका कोई पक्षकार सहायक है। इस परिभाषा के प्रयोजनों के लिए, कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति का "सहायक" तब होता है जब उत्तरवर्ती विधिक या लाभकारी रूप से, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, पूर्ववर्ती के इतने शेयरों का स्वामी हो जो शेयरधारकों की सामान्य बैठक में सामान्य परिस्थितियों में 51% या उससे अधिक मत देने के लिए पर्याप्त हों।

"एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था प्रणाली" का अर्थ प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार प्रस्तावित विमान संचालन और हवाई अड्डा श्रेणी के लिए अपेक्षित हवाईअड्डे पर प्रकाश व्यवस्था (रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच के संबंध में शामिल) से है;

"हवाई अड्डा" का अर्थ ..... राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में ..... पर प्रारंभिक चरण से युक्त ग्रीनफील्ड घरेलू हवाईअड्डे से है और इसमें इसके सभी भवन, उपकरण, सुविधाएं और प्रणालियां सम्मिलित हैं और जहां परिस्थितियां अपेक्षित हों, इसका कोई भी विस्तार सम्मिलित है;

"हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि" का अर्थ वह तिथि है जिस पर प्रारंभिक चरण का वाणिज्यिक प्रचालन प्रारंभ होता है;

"हवाई अड्डा उद्घाटन लक्षित तिथि" का अर्थ वित्तीय समापन के तुरंत बाद छत्तीस (36) महीने की अवधि समाप्त होने वाली तिथि अथवा.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय-समय पर संशोधित तिथि है;

"शिकागो अभिसमय" का अर्थ शिकागो अभिसमय 1944 है जैसा कि समय-समय पर संशोधित और/या पूरक किया गया है; और शिकागो अभिसमय के "अनुबंध" के संदर्भों से अभिप्रेत समय-समय पर यथा संशोधित और/या पूरक ऐसा अनुबंध होगा;

"स्वीकृति/निकासी" का अर्थ लिखित सहमति, लाइसेंस, अनुमोदन, परमिट, व्यवस्था, छूट, अनापत्ति प्रमाण पत्र या किसी भी प्रकृति का अन्य प्राधिकरण या अनुमति है जिसे भारत सरकार से प्राप्त किया जाना और/या भारत सरकार द्वारा दिया जाना परियोजना के संबंध में समय-समय पर अपेक्षित हो;

"सीएनएस/एटीएम सेवाएं" का अर्थ संचार, संचालन और निगरानी तथा वायु यातायात प्रबंधन सेवाएं हैं जैसा कि अनुसूची 3 में अधिक विशेष रूप से वर्णित है;

"रियायत करार" का अर्थ भारत सरकार और..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच निष्पादित रियायत करार दिनांक ..... से है जिसके तहत भारत सरकार ने ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को परियोजना हेतु रियायत प्रदान की है;

"सक्षम प्राधिकारी" का अर्थ कोई भी एजेंसी, प्राधिकरण, विभाग, निरीक्षणालय या सांविधिक निकाय (चाहे स्वायत्त हो या नहीं) है जो भारत के कानूनों के तहत स्थापित है और जिसका इस करार पर क्षेत्राधिकार है;

"ऋण" का अर्थ परियोजना हेतु वित्तपोषण करारों के तहत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के ऋणदाताओं को देय बकाया ऋण से है;

"डीजीसीए" का अर्थ नागर विमानन महानिदेशक, भारत सरकार है;

"प्रभावी तिथि" का अर्थ वही होगा जो इसे खंड 2.3 में दिया गया है;

"ईपीसी ठेकेदार" का अर्थ ईपीसी अनुबंधों में नामित कोई एक या अधिक पक्षकार हैं;

"ईपीसी अनुबंध" का अर्थ ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और ईपीसी ठेकेदारों के बीच निष्पादित या निष्पादित किए जाने वाले करार हैं जिनके तहत ईपीसी ठेकेदार हवाईअड्डे का डिजाइन, खरीद, निर्माण और पूर्ण करेंगे;

"मौजूदा हवाई अड्डा" का अर्थ ..... (विमानपत्तन कंपनी के स्थान का नाम) में स्थित मौजूदा हवाई अड्डा है जिसे ..... (हवाईअड्डे का नाम) के रूप में जाना जाता है;

"विस्तार" का अर्थ मास्टर प्लान के अनुसार समय-समय पर हवाईअड्डे की सुविधाओं के विस्तार से है;

"सुविधा" का अर्थ हवाईअड्डे पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा निर्मित किए जाने वाले वायु यातायात सेवा परिसर से है, जिसमें नियंत्रण टॉवर, तकनीकी ब्लॉक और भा.वि.प्रा. कर्मियों के लिए कार्यालय आवास के साथ-साथ स्थल पर और/या स्थल से बाहर नेविगेशनल एड्स/रडार हेतु भवन सम्मिलित होंगे, जिसमें वातानुकूलन, बिजली और पानी की निरंतर आपूर्ति और हाउसकीपिंग का प्रावधान होगा, जैसा कि अनुसूची 2 में अधिक व्यापक रूप से निर्धारित है;

"वित्तीय समापन" का अर्थ वह तिथि है जिस पर वित्तपोषण करार (जहां तक वे प्रारंभिक चरण के विकास और निर्माण से संबंधित हैं) उन सभी पक्षों द्वारा निष्पादित और सौंप दिए गए हैं और उनके तहत पूर्व-शर्तों को इस सीमा तक पूरा कर लिया गया है जो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित निधियों तक तत्काल पहुंच प्राप्त करने की अनुमति देने हेतु आवश्यक हो, जो केवल तद्नुसार अपेक्षित आहरण की सूचना देने के अधीन हो;

"वित्तपोषण करार" का अर्थ (i) ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा ऋणदाताओं के साथ ऋण उपलब्ध कराने के लिए किए गए करार और (ii) उपर्युक्त (i) में संदर्भित करारों के अनुसरण में अपेक्षित ऋणदाताओं के पक्ष में सुरक्षा दस्तावेज, प्रत्यक्ष करार और अन्य आनुषंगिक वचनबद्धता से है;

"अपरिहार्य घटना (फोर्स मेज्योर)" का अर्थ अनुसूची 4 में निर्धारित अर्थ होगा;

"भावी कमीशनिंग तिथि" का अर्थ वह तिथि है जिस पर कोई भावी कमीशनिंग अवधि प्रारंभ होगी, जैसा कि खंड 4.1 के अनुसरण में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा भा.वि.प्रा. को अधिसूचित किया जाएगा;

"भावी कमीशनिंग अवधि" का अर्थ हवाईअड्डे के किसी भी विस्तार के लिए आवश्यक किसी भी अतिरिक्त भा.वि.प्रा. उपकरणों के संबंध में पक्षों के बीच यथा-सहमति कोई भावी कमीशनिंग अवधि है;

"भारत सरकार" का अर्थ भारत सरकार और उसकी कोई भी विधिवत अधिकृत एजेंसी, प्राधिकरण (किसी भी नियामक प्राधिकरण सहित), विभाग, निरीक्षणालय, मंत्रालय या सांविधिक व्यक्ति (स्वायत्त हो या नहीं) जो नागर विमानन मंत्रालय के सीधे नियंत्रण और निर्देशन में हो;

"विमानपत्तन कंपनी कमीशनिंग दायित्व" का अर्थ खंड 4.2 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा पूरे किए जाने वाले दायित्व हैं;

"विमानपत्तन कंपनी उपकरण" का अर्थ अनुसूची 1 के भाग I में निर्धारित वस्तुएं हैं;

"विमानपत्तन कंपनी दायित्व" का अर्थ विमानपत्तन कंपनी पूर्व-कमीशनिंग दायित्व, विमानपत्तन कंपनी कमीशनिंग दायित्व और विमानपत्तन कंपनी प्रचालन दायित्व हैं;

"विमानपत्तन कंपनी प्रचालन दायित्व" का अर्थ खंड 5.3 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा पूरे किए जाने वाले दायित्व हैं;

"विमानपत्तन कंपनी पूर्व-कमीशनिंग दायित्व" का अर्थ खंड 3.1 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा पूरे किए जाने वाले दायित्व हैं;

"प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि" का अर्थ वह तिथि है जिस पर प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि प्रारंभ होगी, जैसा कि खंड 4.1 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा भा.वि.प्रा. को अधिसूचित किया गया है;

"प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि" का अर्थ प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से प्रारंभ होने वाली तीन (3) महीने की अवधि है;

"आईसीएओ" का अर्थ शिकागो अभिसमय द्वारा गठित अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन और उसका कोई भी उत्तराधिकारी है;

"घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया" का अर्थ घटनाओं और आपात स्थितियों की रिपोर्टिंग के लिए भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय-समय पर सहमत की जाने वाली प्रक्रिया है;

"प्रारंभिक चरण" का अर्थ रियायत करार में यथा-प्रावधानित हवाईअड्डे के प्रारंभिक चरण का डिजाइन, वित्तपोषण, निर्माण, पूर्णता और कमीशनिंग है;

"भूमि पट्टा करार" का अर्थ ..... सरकार और..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच निष्पादित दिनांक ..... का करार है

जिसके तहत ..... सरकार ने..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को स्थल में पट्टाधृति अधिकार और हित प्रदान किए हैं;

"ऋणदाता" का अर्थ बैंक, वित्तीय संस्थान, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (NBFC) और इसी प्रकार के निकाय हैं जिन पर प्रारंभिक चरण और/या किसी विस्तार के वित्तपोषण (जिसमें इन प्रयोजनों हेतु कोई पुनर्वित्तपोषण भी शामिल होगा) हेतु वित्तपोषण करारों के तहत ऋण देय है, बशर्ते कि अनुसूची 5 विस्तार चरण के ऋणदाताओं पर लागू नहीं होगी;

"हानि" का अर्थ कोई भी हानि, देनदारियां, लागत, व्यय, दावे, कार्यवाहियां, वाद, मांगें, दायित्व, कमियां, मुकदमे, निर्णय, व्यादेश (इंजंक्शन), अधिनिर्णय या नुकसानी है;

"मास्टर प्लान" का अर्थ.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा तैयार किया गया और रियायत करार के साथ संलग्न मास्टर प्लान है, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया जा सकता है;

"कार्यालय आवास" का अर्थ इस करार की अनुसूची 2 में निर्धारित आवास और कार पार्किंग स्थल है;

"प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया" का अर्थ भा.वि.प्रा. सेवाओं और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के दायित्वों से संबंधित प्रावधानों के दैनिक निर्वहन के संबंध में सूचना के संचार हेतु भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय-समय पर सहमत की जाने वाली प्रक्रिया है;

"कार्मिक" का अर्थ भा.वि.प्रा. सेवाएं और सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने वाले भा.वि.प्रा. कर्मी हैं;

"परियोजना" का अर्थ हवाईअड्डे का डिजाइन, वित्तपोषण, निर्माण, पूर्णता, कमीशनिंग, रखरखाव, प्रचालन, प्रबंधन और विकास है;

"आरईएसए या रनवे छोर सुरक्षा क्षेत्र" का अर्थ विस्तारित रनवे केंद्र रेखा के सममित और पट्टी के छोर से सटा हुआ एक क्षेत्र है जिसका मुख्य उद्देश्य किसी विमान के रनवे से पहले उतरने (अंडरशूटिंग) या रनवे से आगे निकल जाने (ओवररनिंग) की स्थिति में क्षति के जोखिम को कम करना है;

"मार्ग संचालन सुविधा शुल्क" का अर्थ भा.वि.प्रा. के वर्तमान आदेशों के अनुसार मार्ग संचालन सुविधाओं के प्रावधान के लिए एयरलाइनों और/या विमान ऑपरेटरों से भा.वि.प्रा. द्वारा प्रभारित राशियां हैं;

"प्रतिभूति" में कोई बंधक, गिरवी, धारणाधिकार (ग्रहणाधिकार), प्रतिभूति हित या अन्य प्रभार या भार तथा पर्याप्त रूप से समान आर्थिक प्रभाव वाला कोई अन्य करार या व्यवस्था सम्मिलित है;

"सेवा प्रदाता अधिकार धारक" का अर्थ वही होगा जो इसे रियायत करार में दिया गया है;

"स्थल" का अर्थ वह भूमि है जिसमें भूमि पट्टा करार के अनुसरण में..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के पास पट्टाधृति हित है या होगा, जिसका क्षेत्रफल लगभग ..... एकड़ है, जिस पर, जिसके ऊपर और जिसके नीचे हवाईअड्डे का निर्माण किया जाना है;

"राज्य सहायता करार" का अर्थ ..... सरकार और..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच निष्पादित दिनांक ..... का करार है;

"लक्षित कमीशनिंग तिथि" का अर्थ वही होगा जो इसे खंड 4.1 में दिया गया है;

"टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क" का अर्थ सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए एयरलाइनों से भा.वि.प्रा. द्वारा प्रभारित या प्रभारित की जाने वाली राशियां हैं।

1.2. निर्वचन

इस करार में, सिवाय उस सीमा के जहां संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित हो:

1.2.1. संसद के किसी अधिनियम या संसद के किसी अधिनियम की किसी धारा, या अनुसूची, या अन्य प्रावधान के किसी भी संदर्भ का अर्थ उस विशेष समय पर, उसमें उस समय लागू किसी संशोधन, विस्तार या पुनरधिनियमन तथा संबंधित अधिनियम या प्रावधान के तहत निर्मित या उससे वैधता प्राप्त करने वाले उस समय लागू सभी नियमों, आदेशों या विनियमों के संदर्भ के रूप में लगाया जाएगा;

1.2.2. "निर्णय" के संदर्भ में भारतीय क्षेत्राधिकार में कोई भी ऐसा आदेश, व्यादेश, अवधारण, डिक्री या अन्य न्यायिक या मध्यस्थता अधिकरण उपाय सम्मिलित है जो अंतिम और बाध्यकारी हो;

1.2.3. "विधि/कानून" के संदर्भ में सामान्य विधि (कॉमन लॉ), भारत का संविधान और किसी भी क्षेत्राधिकार की कोई डिक्री, निर्णय, कानून, आदेश, अध्यादेश, विनियम, उप-विधि, संविधि, अधिसूचना, परिपत्र, दिशानिर्देश, सांविधिक लिखत या अन्य विधायी उपाय सम्मिलित हैं (तथा "वैध" और "अवैध" का अर्थ तद्नुसार लगाया जाएगा);

1.2.4. एकवचन के संदर्भों में बहुवचन और इसके विपरीत भी सम्मिलित होंगे;

1.2.5. "दिन" के संदर्भ का अर्थ कैलेंडर दिवस है;

1.2.6. किसी विशेष खंड, पैराग्राफ, उप-पैराग्राफ या अनुसूची के संदर्भ, जहां संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस करार के या इस करार में दिए गए उस खंड, पैराग्राफ, उप-पैराग्राफ या अनुसूची के संदर्भ होंगे;

1.2.7. शीर्षक केवल सुविधा के लिए सम्मिलित किए गए हैं और निर्वचन के प्रयोजनों हेतु उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा;

1.2.8. इस करार की अनुसूचियों में परिभाषित शब्दों के वही अर्थ होंगे जो अनुसूचियों में दिए गए हैं, जब उनका उपयोग इस करार में अन्यत्र किया जाता है;

1.2.9. इस करार की अनुसूचियां इस करार का हिस्सा हैं और पूरी तरह से प्रभावी होंगी मानो वे इस करार के मुख्य भाग में स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हों;

1.2.10. किसी भी करार, विलेख, लिखत, लाइसेंस कोड या किसी भी विवरण के अन्य दस्तावेज के किसी भी संदर्भ का अर्थ उस विशिष्ट समय पर उस करार, विलेख, लिखत, लाइसेंस कोड या अन्य दस्तावेज के संदर्भ के रूप में लगाया जाएगा जैसा कि उसे उस समय संशोधित, परिवर्तित, पूरक, रूपांतरित, निलंबित या नवीकृत किया गया हो;

1.2.11. "लिखित" और "लिखित रूप में" शब्दों में फैक्स संदेश तथा किसी मूर्त और स्थायी रूप से दृश्य रूप में कार्यों को पुनरुत्पादित करने का कोई भी साधन सम्मिलित है;

1.2.12. "सम्मिलित" और "सहित" शब्दों का निर्वचन बिना किसी सीमा के किया जाएगा;

1.2.13. "निर्माण" के संदर्भों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, डिजाइन, खरीद, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, पूर्णता, कमीशनिंग और निर्माण प्रक्रिया की अन्य आनुषंगिक गतिविधियां सम्मिलित हैं;

1.2.14. किसी पक्षकार के संदर्भों में उसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती सम्मिलित होंगे;

1.2.15. खंडों के भीतर दी गई परिभाषाओं के वही अर्थ होंगे जो उनमें दिए गए हैं; तथा

1.2.16. "व्यक्ति" के संदर्भ में (जैसा कि संदर्भ में अपेक्षित हो) कोई भी प्राकृतिक और/या विधिक इकाई (भारत सरकार या ..... सरकार सहित) सम्मिलित है।

2. पूर्व-शर्तें

2.1. सेवाओं हेतु पूर्व-शर्तें

इस करार के प्रावधान (खंड 1, 2, 10 से 12 और 14 से 19 तक के अतिरिक्त जो इस करार की तिथि से पक्षों पर बाध्यकारी होंगे) उस तिथि से प्रभावी और पक्षों पर बाध्यकारी होंगे जिस तिथि पर निम्नलिखित पूर्व-शर्तें पूरी तरह से संतुष्ट हो जाएंगी:

i..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से भा.वि.प्रा. को इस आशय की अपरिवर्तनीय सूचना प्राप्त होना कि रियायत करार उसके सभी पक्षों द्वारा निष्पादित और सौंप दिया गया है और उसमें निर्धारित सभी पूर्व-शर्तें पूरी कर ली गई हैं या छोड़ (माफ) दी गई हैं, जो सूचना पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगी;

ii..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से भा.वि.प्रा. को इस आशय की अपरिवर्तनीय सूचना प्राप्त होना कि ईपीसी अनुबंध उसके सभी पक्षों द्वारा निष्पादित और सौंप दिए गए हैं और उसमें निर्धारित सभी पूर्व-शर्तें (इस करार से संबंधित किसी भी पूर्व-शर्त को छोड़कर) पूरी कर ली गई हैं या छोड़ दी गई हैं, जो सूचना पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगी;

iii..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से भा.वि.प्रा. को इस आशय की अपरिवर्तनीय सूचना प्राप्त होना कि वित्तीय समापन हो चुका है, जो सूचना पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगी, बशर्ते कि ऐसी किसी भी पूर्व-शर्त को भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच लिखित समझौते द्वारा छोड़ा (वेव किया) जा सकता है।

2.2. पूर्व-शर्तों की पूर्ति न होना

2.2.1. पूर्ति न होने पर समाप्ति

यदि खंड 2.1 में निर्धारित पूर्व-शर्तें इस करार की तिथि के बारह (12) महीने बाद की तिथि तक पूर्ण रूप से संतुष्ट नहीं होती हैं या छोड़ी नहीं जाती हैं, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और भा.वि.प्रा. को खंड 2.2.2 के अधीन रहते हुए, दूसरे पक्ष को इक्कीस (21) दिनों की लिखित सूचना देकर इस करार को समाप्त करने का अधिकार होगा और ऐसी सूचना की समाप्ति पर यह करार समाप्त हो जाएगा, बशर्ते कि यदि सूचना अवधि के दौरान पूर्व-शर्तें पूरी हो जाती हैं या छोड़ दी जाती हैं तो यह करार खंड 2.1 के तहत यथा-परिकल्पित लागू हो जाएगा।

2.2.2. पूर्ति हेतु समय का विस्तार

खंड 2.2.1 में निर्दिष्ट तिथि से पूर्व किसी भी समय, पक्षों को पारस्परिक समझौते द्वारा पूर्व-शर्तों की संतुष्टि या छूट की तिथि को अतिरिक्त तीन (3) महीनों के लिए विस्तारित करने का अधिकार होगा।

2.3. प्रभावी तिथि

खंड 2.1 के अधीन रहते हुए, यह करार इसके पक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए जाने की तिथि (प्रभावी तिथि) से प्रभावी होगा।

3. सेवाओं का दायरा - पूर्व-कमीशनिंग चरण

3.1. विमानपत्तन कंपनी के पूर्व-कमीशनिंग दायित्व

वित्तीय समापन के पश्चात्, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) निम्नलिखित कार्य करेगा:

i. प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से 180 दिन पूर्व तक अपने स्वयं के व्यय पर सुविधा का डिजाइन और निर्माण करेगा, सिवाय वातानुकूलन के प्रावधान के जो प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से 90 दिन पूर्व प्रदान किया जाएगा;

ii. अपने स्वयं के व्यय पर..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरणों का डिजाइन, अधिग्रहण और स्थापना करेगा, जिनका स्वामित्व..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के पास होगा, स्थल पर अथवा यदि हवाईअड्डे के एप्रोच के संबंध में आवश्यक हो तो स्थल से बाहर। भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के परीक्षण और/या कमीशनिंग के लिए उत्तरदायी नहीं होगा, जो कि..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) का उत्तरदायित्व होगा। यदि..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित हो, तो..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) अपने उपकरणों को कैलिब्रेट करने में सक्षम बनाने हेतु भा.वि.प्रा. के साथ कैलिब्रेशन उड़ानों का समन्वय करेगा;

iii. सुविधा के संचालन हेतु आवश्यक और पारस्परिक रूप से सहमत पानी, बिजली और वातानुकूलन, टेलीफोन, क्रैश अलार्म और अन्य सेवा माध्यमों का प्रावधान अपने खर्च पर स्थापित करेगा;

iv. यह सुनिश्चित करेगा कि..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि तक, या हवाईअड्डे के किसी भी विस्तार के लिए आवश्यक किसी भी अतिरिक्त ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण के मामले में भावी कमीशनिंग तिथि तक, अपने खर्च पर स्थापित, परीक्षित और कमीशन किए जाएं;

v. भा.वि.प्रा. को भा.वि.प्रा. उपकरणों और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरणों के बीच इंटरफेस की पहचान कराएगा; तथा

vi. भा.वि.प्रा. को हवाईअड्डे पर या उसके कर्मियों, वाहनों और एजेंटों को ऐसी पहुंच प्रदान करेगा जो भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा उचित रूप से अपेक्षित हो;

vii..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) रनवे का डिजाइन तैयार करने और विभिन्न सीएनएस/एटीएम सुविधाओं के स्थान की योजना बनाने से पूर्व, भारतीय सर्वेक्षण

विभाग या भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निकटवर्ती भौगोलिक केंद्र से 30 समुद्री मील के क्षेत्र का सर्वेक्षण कराएगा। सीएनएस/एटीएम सुविधाओं की स्थिति को अंतिम रूप देने और विभिन्न संरचनाओं आदि के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए भा.वि.प्रा. की सहमति प्राप्त करते समय उपरोक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट भा.वि.प्रा. को प्रस्तुत की जाएगी।

3.2. भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाएं

वित्तीय समापन के पश्चात् भा.वि.प्रा. निम्नलिखित कार्य करेगा:

i. भा.वि.प्रा. उन भा.वि.प्रा. उपकरणों का डिजाइन, खरीद और स्थापना करेगा, जिनका स्वामित्व भा.वि.प्रा. के पास होगा, सुविधा में, स्थल पर, या यदि हवाईअड्डे के एप्रोच के संबंध में आवश्यक हो तो स्थल से बाहर;

ii. यह सुनिश्चित करेगा कि भा.वि.प्रा. उपकरण प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि या भावी कमीशनिंग तिथि तक स्थापित, परीक्षित और कमीशन किए जाएं। यदि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों में निर्धारित आवश्यकताओं से अधिक भा.वि.प्रा. उपकरणों को अपग्रेड करने की मांग करता है, तो उपकरणों के ऐसे उन्नयन की लागत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन की जाएगी;

iii. भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों और इंटरफेस के बीच समन्वय और अनुकूलता सुनिश्चित करेगा। किसी भी पक्ष द्वारा इंटरफेस की आवश्यकता के संबंध में, उक्त इंटरफेस की लागत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन की जाएगी;

iv. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर, यदि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित हो, तो किसी भी ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण के संबंध में ईपीसी ठेकेदारों द्वारा आयोजित किसी भी बेंचमार्क परीक्षण में भाग लेगा;

v. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर मानचित्र, चार्ट, सर्वेक्षण, आईएएल (IAL) प्रक्रिया तैयार करेगा, स्थल का दौरा करेगा और संबंधित कार्य करेगा।

3.3. समन्वय

भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) स्वीकार करते हैं कि, इस करार के खंड 3.1, 3.2, 3.4, 4.2, 4.3, 5.1, 5.2 और 5.3 के तहत अपने दायित्वों का पालन करने के लिए प्रत्येक पक्ष को दूसरे के साथ समन्वय करने की आवश्यकता होगी और इस उद्देश्य हेतु:

i. वित्तीय समापन के बाद पहले महीने से प्रारंभ करते हुए, पक्षकार एक संयुक्त समन्वय समिति-सीएनएस/एटीएम की स्थापना करेंगे, जिसकी बैठक ..... (वह स्थान जहां हवाई अड्डा स्थित है) में त्रैमासिक आधार पर या जेसीसी-सीएनएस/एटीएम के किसी भी सदस्य द्वारा बुलाए जाने पर अधिक नियमित आधार पर होगी;

ii. जेसीसी की अध्यक्षता ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा की जाएगी;

iii. जेसीसी-सीएनएस/एटीएम में चार सदस्य होंगे जिसमें प्रत्येक पक्ष दो सदस्यों को नामित और नियुक्त करेगा। पक्षों द्वारा जेसीसी-सीएनएस/एटीएम के सदस्यों को जेसीसी-सीएनएस/एटीएम के समक्ष रखे जाने वाले सभी मामलों के संबंध में संबंधित पक्ष का प्रतिनिधित्व करने और बाध्य करने का पूर्ण अधिकार प्रत्यायोजित माना जाएगा। समिति के सदस्य अपनी ओर से बैठक में भाग लेने के लिए सदस्यों के वैकल्पिक नामों को भी नामित और प्रस्तावित कर सकते हैं;

iv. यदि जेसीसी-सीएनएस/एटीएम किसी भी मामले पर पक्षों के लिए संतोषजनक निष्कर्ष पर पहुंचने में असमर्थ रहता है, तो किसी भी पक्ष को पहली बार में ऐसे मामले को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और भा.वि.प्रा. के अध्यक्ष को संदर्भित करने का अधिकार होगा। यदि उपरोक्त वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी मामले को उन्हें संदर्भित किए जाने की तिथि से 15 कार्य दिवसों के भीतर हल करने में असमर्थ रहते हैं, तो कोई भी पक्ष खंड 12 के तहत समाधान के लिए मामले को संदर्भित करने का हकदार होगा।

3.4. भा.वि.प्रा. के सामान्य दायित्व

भा.वि.प्रा. इस करार के निष्पादन के संबंध में:

i. ईपीसी ठेकेदारों को ऐसी जानकारी और ऐसे समय पर बातचीत प्रदान करेगा जिससे ईपीसी ठेकेदार हवाईअड्डे के पूरा होने के साथ-साथ समय पर, व्यवस्थित, तार्किक और सुसंगत तरीके से सुविधा और कार्यालय आवास का डिजाइन और निर्माण पूर्ण करने में सक्षम हो सकें;

ii. अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार अपने कार्य स्थल पर सुरक्षा और कार्यों की देखरेख के लिए पूरी तरह से उत्तरदायी होगा;

iii. किसी भी कारण से होने वाले विलंब के कारण सुविधा और/या कार्यालय आवास के संबंध में अपेक्षित किसी भी पुन: प्रोग्रामिंग में ईपीसी ठेकेदार के साथ सहयोग करेगा;

iv. सुविधा और/या कार्यालय आवास के संबंध में प्रगति में तेजी लाने के लिए ईपीसी ठेकेदार द्वारा अपनाए गए किसी भी त्वरण उपायों में ईपीसी ठेकेदार के साथ सहयोग करेगा; तथा

v. सुविधा और/या कार्यालय आवास के डिजाइन या निष्पादन के कारण अथवा यदि कोई असुरक्षित स्थिति मौजूद है या उत्पन्न होने की संभावना है या यदि स्थल पर परिस्थितियों के कारण यह आवश्यक है अथवा यदि रियायत करार के अनुसार भारत सरकार की किसी कार्रवाई के कारण आवश्यक है, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के आदेश पर सुविधा और/या कार्यालय आवास पर कार्य को निलंबित करेगा।

4. सेवाओं का दायरा - कमीशनिंग चरण

4.1. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि और भावी कमीशनिंग अवधि का प्रारंभ

4.1.1. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) यथाशीघ्र व्यावहारिक रूप से और वित्तीय समापन से तीन सौ पैंसठ (365) दिनों की समाप्ति तक भा.वि.प्रा. को उस तिथि की सूचना देगा जिस पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि प्रारंभ होने की प्रत्याशा है ("लक्षित कमीशनिंग तिथि")।

4.1.2. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपरोक्त खंड 4.1.1 के अनुसार भा.वि.प्रा. को सूचित लक्षित कमीशनिंग तिथि से कम से कम एक सौ अस्सी (180) दिन पूर्व भा.वि.प्रा. को उस तिथि की अतिरिक्त सूचना देगा जिस पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि होने की प्रत्याशा है और लक्षित कमीशनिंग तिथि को तदनुसार संशोधित किया जाएगा।

4.1.3. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उस तिथि से कम से कम तीन सौ पैंसठ दिन पूर्व भा.वि.प्रा. को सूचित करेगा जिस पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को किसी भावी कमीशनिंग तिथि के घटित होने की संभावना है।

4.2. विमानपत्तन कंपनी कमीशनिंग दायित्व

4.2.1. प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि या भावी कमीशनिंग तिथि, जैसा भी मामला हो, से कम से कम तीस (30) दिन पूर्व, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को लिखित रूप में पुष्टि करेगा कि:

i. प्रारंभिक चरण के संबंध में रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच का निर्माण प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि तक हवाईअड्डे पर प्रस्तावित विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा और हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि तक विमान संचालन के लिए उपलब्ध होगा;

ii. रनवे के लिए पट्टियाँ, शोल्डर, स्टॉप वे और आरईएसए तथा प्रारंभिक चरण के लिए टैक्सीवे के लिए पट्टियाँ एवं शोल्डर प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि तक निर्मित किए जाएंगे और उसके बाद प्रस्तावित विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार बनाए रखे जाएंगे;

iii. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि से हवाईअड्डे की बाधा सीमा सतहों तथा एप्रोच और टेक-ऑफ क्षेत्र को बाधाओं से मुक्त रखा जाएगा या नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत सरकार के राजपत्र एसओ84ई में निहित प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार बाधाओं को अनुमेय सीमा तक सीमित रखा जाएगा, जिसके लिए संरचनाओं के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की स्वीकृति हेतु भा.वि.प्रा. से संपर्क किया जाएगा;

iv. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि से प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार बचाव और अग्निशमन सेवाओं की उपयुक्त श्रेणी उपलब्ध कराई जाएगी;

v. प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) फायर वॉच टॉवर में पर्याप्त स्थान प्रदान करेगा ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए एक वैकल्पिक सुविधा स्थापित करने हेतु भा.वि.प्रा. कार्मिक सक्षम हो सकें;

a. हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि से परिचालन क्षेत्र में और उसके आसपास पक्षी/पशु उपद्रव को रोकने के लिए हवाईअड्डे पर उचित व्यवस्थाएं की जाएंगी।

4.2.2. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि या भावी कमीशनिंग अवधि के दौरान, जैसा भी मामला हो, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम):

i. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि या भावी कमीशनिंग अवधि के प्रारंभ होने के चौदह (14) दिनों के भीतर, जैसा भी मामला हो, भा.वि.प्रा. को लिखित रूप में पुष्टि करेगा कि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण की आपूर्ति और स्थापना कर दी गई है। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को लिखित रूप में यह भी पुष्टि करेगा कि हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि तक प्रारंभिक चरण के लिए अपेक्षित ऐसे उपकरणों का परीक्षण कर लिया गया है और संचालन हेतु अनुमोदित कर दिया गया है;

ii. भा.वि.प्रा. को उसके कर्मियों, वाहनों और एजेंटों के लिए हवाईअड्डे तक ऐसी पहुंच प्रदान करेगा जो भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा उचित रूप से अपेक्षित हो;

iii. भा.वि.प्रा. को भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं को निष्पादित करने में सक्षम बनाने हेतु पर्याप्त विद्युत शक्ति और पानी की निरंतर आपूर्ति प्रदान करेगा;

iv. इस सीमा तक कि भा.वि.प्रा. यह निर्धारित करता है कि, हवाईअड्डे के विस्तार के परिणामस्वरूप, हवाईअड्डे पर विद्युत शक्ति की अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति की आवश्यकता है, भा.वि.प्रा. अपनी अतिरिक्त आवश्यकताओं के बारे में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सूचित करेगा और दोनों पक्ष भा.वि.प्रा. द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति के संबंध में विचार-विमर्श करने और समझौते पर पहुंचने का प्रयास करने के लिए बैठक करेंगे; तथा

v. भा.वि.प्रा. और/या उसके कर्मियों को ऐसी जानकारी प्रदान करेगा जो वे भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के लिए उचित रूप से अपेक्षित कर सकते हैं;

vi. भा.वि.प्रा. को अपने दायित्वों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए परिवहन और आवास (कार्यालय, आवासीय और नेविगेशनल एड्स/रडार के लिए भवन) प्रदान करेगा;

vii. एटीसी में एसटीडी सुविधा युक्त डायरेक्ट टेलीफोन भा.वि.प्रा. को प्रदान करेगा।

4.3. भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाएं

4.3.1. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि और किसी भी भावी कमीशनिंग अवधि के दौरान, तथा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा निर्धारित हवाई अड्डा संचालन परीक्षणों के दौरान, भा.वि.प्रा.:

i. खंड 4.2.1 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से प्राप्त नोटिस की प्राप्ति के चौदह (14) दिनों के भीतर लिखित रूप में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को पुष्टि करेगा कि सभी भा.वि.प्रा. उपकरणों की आपूर्ति और स्थापना कर दी गई है और भा.वि.प्रा. उपकरण ईपीसी ठेकेदारों द्वारा प्रदान किए गए उपकरणों के साथ संगत हैं;

ii. सभी भा.वि.प्रा. उपकरणों का परीक्षण और कमीशनिंग करेगा ताकि वे पूरी तरह से प्रचालन योग्य हों;

iii. भा.वि.प्रा. उपकरणों को भा.वि.प्रा. द्वारा संचालित किसी भी प्रासंगिक हवाई नेविगेशन और मौसम विज्ञान उपकरणों और प्रणालियों के साथ तथा अपेक्षित सीमा तक ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ एकीकृत करने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाएगा। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ ऐसे एकीकरण की कोई भी लागत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन की जाएगी;

iv. भा.वि.प्रा. उपकरणों को कमीशन करने के लिए आवश्यक ऐसी अंशांकन (कैलिब्रेशन) उड़ानें संचालित करेगा और व्यावहारिक सीमा तक, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के साथ उन उड़ानों का समन्वय करेगा ताकि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उसी समय ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरणों को कैलिब्रेट करने में सक्षम हो सके। संदेह के निवारण के लिए, भा.वि.प्रा. अपने उपकरणों को कैलिब्रेट करने के लिए ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा किए गए खर्च के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरण को कैलिब्रेट करने के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा किए गए खर्च की वसूली ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से की जाएगी;

v. जहां उपयुक्त हो, हवाईअड्डे को कमीशन करने के लिए आवश्यक किसी भी जांच और प्रक्रियाओं के निष्पादन में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और डीजीसीए की सहायता करेगा;

vi. आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार हवाईअड्डे पर तथा हवाईअड्डे के आसपास के हवाई क्षेत्र में विमानों के सुरक्षित, त्वरित और व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक भा.वि.प्रा. सेवाओं से संबंधित ऐसी सभी प्रक्रियाओं, पुस्तिकाओं और चार्टों को तैयार और प्रकाशित करेगा;

vii. आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों के अनुसार तथा समग्र वायुक्षेत्र प्रबंधन, रक्षा की आवश्यकताओं और उड़ान सूचना क्षेत्र (एफआईआर) जिसमें यह संचालित होता है, के अनुरूप..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के साथ प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया और घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त करेगा; तथा

viii. हवाईअड्डे पर किसी भी परीक्षण संचालन के दौरान..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और अन्य एजेंसियों को ऐसी सहायता प्रदान करेगा जो उचित रूप से अपेक्षित हो।

4.3.2. भा.वि.प्रा., भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के दौरान, ईपीसी ठेकेदारों को यह सुनिश्चित करने के लिए ऐसी उचित सहायता प्रदान करेगा जो यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो कि भा.वि.प्रा. उपकरण ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ पर्याप्त रूप से एकीकृत हैं।

4.3.3. खंड 4.3.1 के अनुसार भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के बाद और प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि या भावी कमीशनिंग अवधि, जैसा भी मामला हो, की समाप्ति से पहले, भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को लिखित रूप में पुष्टि करेगा कि भा.वि.प्रा. उपकरण पूरी तरह से प्रचालन योग्य हैं और ..... (विमानपत्तन

कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ एकीकृत हैं और यह कि भा.वि.प्रा. उपकरण ऐसे हैं कि भा.वि.प्रा. प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं का निष्पादन कर सकता है।

5. सेवाओं का दायरा - प्रचालन चरण

5.1. भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाएं

भा.वि.प्रा. हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि से और इसमें सम्मिलित करते हुए, प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार एक पाली (शिफ्ट) प्रचालन के साथ प्रारंभ करेगा।

5.1.1. अनुसूची 3 में परिभाषित अनुसार त्रैमासिक लागत वसूली आधार पर सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करेगा; और भा.वि.प्रा. तथा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच पारस्परिक समझौते के आधार पर बहु-पाली (मल्टी-शिफ्ट) संचालन को पूरा करने के लिए अपनी सीएनएस/एटीएम सेवाओं का विस्तार करेगा;

5.1.2. भा.वि.प्रा. उपकरणों का रखरखाव करेगा जिसमें भा.वि.प्रा. उपकरणों का आवधिक उड़ान अंशांकन (कैलिब्रेशन) और अन्य परीक्षण करना सम्मिलित है;

5.1.3. प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों का कम से कम पालन करने के लिए समय-समय पर भा.वि.प्रा. उपकरणों का उन्नयन करेगा;

5.1.4. हवाईअड्डे पर प्रासंगिक सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने में भा.वि.प्रा. को सक्षम बनाने के लिए समय-समय पर अपेक्षित ऐसे उपकरणों की खरीद करेगा;

5.1.5..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर, हवाईअड्डे पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित संशोधन/विस्तार/उन्नयन के कारणों से इसकी प्रचालन सुविधा के लिए भा.वि.प्रा. उपकरणों को स्थानांतरित करेगा, बशर्ते कि इस प्रकार के स्थानांतरण से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के दायित्वों और/या हवाईअड्डे के सुचारू संचालन पर कोई प्रभाव न पड़े;

5.1.6. वायु यातायात के सुरक्षित, त्वरित और व्यवस्थित प्रवाह के लिए आवश्यक ऐसी प्रक्रियाओं की समय-समय पर समीक्षा करेगा;

5.1.7. समय-समय पर सहमत अनुसार हवाई अड्डा समुदाय नेटवर्क के माध्यम से सहमत प्रारूप, आवृत्ति और वितरण पद्धति में दैनिक, साप्ताहिक और मासिक गतिविधियों के लिए

हवाई यातायात संचलन के सभी आंकड़े..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को प्रदान करेगा; तथा

5.1.8. ऐसी जानकारी प्रदान करेगा और उसका रिकॉर्ड रखेगा तथा प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया और घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया के तहत अपेक्षित नोटिस..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और वैमानिकों (Airmen) को जारी करेगा, जिसमें सीएनएस/एटीएम सेवा का बंद होना सम्मिलित है;

5.1.9. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर, यदि आवश्यक हो, तो हवाईअड्डे से जुड़े यातायात को सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने हेतु ऐसे मार्गस्थ (एन-रूट) उपकरण प्रदान करेगा।

5.2. एटीएम-मार्गस्थ (एन-रूट) और अन्य सेवाएं (यदि आवश्यक हो)

यदि भा.वि.प्रा. को आवश्यकता हो, तो वह ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की पूर्व सहमति प्राप्त करने के अधीन (जिसे अनुचित रूप से रोका नहीं जाएगा), मार्गस्थ विमान संचालन सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक किसी भी उपकरण या सुविधाओं को हवाईअड्डे पर या स्थल पर स्थापित कर सकता है। हवाईअड्डे पर ऐसे उपकरण या अन्य सुविधाओं को स्थापित करने में, भा.वि.प्रा. हवाईअड्डे के सामान्य संचालन में किसी भी प्रकार के व्यवधान से बचने के लिए उचित उपाय करेगा। संदेह के निवारण के लिए, भा.वि.प्रा. हवाईअड्डे के सामान्य प्रचालन में किसी भी व्यवधान के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा जो सीधे ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के कृत्यों के कारण उत्पन्न होता है। भा.वि.प्रा. यह सुनिश्चित करेगा कि उनके द्वारा निर्मित, संचालित या अनुरक्षित सभी भवन, कार्य या सुविधाएं (यदि कोई हों) समय-समय पर डिजाइन और वास्तुकला दिशानिर्देशों और मास्टर प्लान के अनुरूप हों।

5.3. विमानपत्तन कंपनी के प्रचालन दायित्व

हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि के बाद, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) निम्नलिखित कार्य करेगा:

5.3.1. यह सुनिश्चित करेगा कि प्रारंभिक चरण के लिए रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच का निर्माण किया गया है और हवाईअड्डे पर प्रस्तावित विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार उनका रखरखाव किया जाएगा और वे विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं;

5.3.2. यह सुनिश्चित करेगा कि रनवे के लिए पट्टियाँ, शोल्डर, स्टॉप वे और आरईएसए तथा प्रारंभिक चरण के लिए टैक्सीवे के लिए पट्टियाँ एवं शोल्डर निर्मित किए गए हैं और प्रस्तावित

विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार उनका रखरखाव किया जाएगा;

5.3.3. यह सुनिश्चित करेगा कि हवाईअड्डे की बाधा सीमा सतहों तथा एप्रोच और टेक-ऑफ क्षेत्र को बाधाओं से मुक्त रखा जाएगा या नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत सरकार के राजपत्र SO84E में निहित प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार बाधाओं को अनुमेय सीमा तक सीमित रखा जाएगा, जिसके लिए संरचनाओं के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की स्वीकृति हेतु भा.वि.प्रा. से संपर्क किया जाएगा;

5.3.4. यह सुनिश्चित करेगा कि विभिन्न सीएनएस/एटीएम उपकरणों/सुविधाओं के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा पहचाने गए संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों को किसी भी बाधा से मुक्त रखा जाएगा और इन क्षेत्रों में किसी भी बाधा की अनुमति नहीं दी जाएगी जिससे इन उपकरणों/सुविधाओं के कामकाज में बाधा उत्पन्न हो सकती है और विमान संचालन की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है;

5.3.5. यह सुनिश्चित करेगा कि प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार बचाव और अग्निशमन सेवाओं की उपयुक्त श्रेणी उपलब्ध कराई जाएगी और उसका रखरखाव किया जाएगा;

5.3.6. यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन क्षेत्र में और उसके आसपास पक्षी/पशु उपद्रव को रोकने के लिए हवाईअड्डे पर उचित व्यवस्थाएं की गई हैं;

5.3.7. यह सुनिश्चित करेगा कि निम्नलिखित घटनाओं से निपटने के लिए हवाईअड्डे पर उपयुक्त आकस्मिक व्यवस्थाएं की गई हैं:

i. रनवे से अक्षम विमान को हटाना;

ii. विमान या हवाईअड्डे पर बम की धमकी;

iii. हवाईअड्डे के निकट और आसपास के क्षेत्र में विमान दुर्घटनाएं;

iv. गैर-अनुसूचित विमान का हवाईअड्डे पर आपातकालीन उतरना;

v. हवाईअड्डे पर आग लगना;

vi. प्राकृतिक आपदाएं और विपदाएं;

vii. हवाईअड्डे और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक अशांति;

viii. हवाईड्डे पर नागर विमानन के साथ गैर-कानूनी हस्तक्षेप से निपटने के लिए विमान अपहरण-रोधी उपाय;

ix. हवाईअड्डे पर टर्मिनल भवन या किसी परिचालन क्षेत्र पर चरमपंथियों का हमला।

5.3.8. यह सुनिश्चित करेगा कि सुविधा को आपातकालीन सेवाओं (अग्निशमन, चिकित्सा और पुलिस) तथा हवाई अड्डा प्रबंधक से जोड़ने के लिए आपातकालीन अलार्म घंटियाँ स्थापित की गई हैं;

5.3.9. भा.वि.प्रा. को उसके कर्मियों, वाहनों और एजेंटों के लिए हवाईअड्डे और सभी परिचालन क्षेत्रों तक ऐसी पहुंच प्रदान करेगा जो भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं के निष्पादन के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा उचित रूप से अपेक्षित हो;

5.3.10. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर भा.वि.प्रा. को प्रदान करेगा:

क. भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं को निष्पादित करने में सक्षम बनाने हेतु पर्याप्त विद्युत शक्ति और पानी की निरंतर आपूर्ति।

ख. भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं को निष्पादित करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधा। प्रदान किए जाने वाले वाहनों की संख्या ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और भा.वि.प्रा. द्वारा पारस्परिक रूप से तय की जाएगी।

ग. ईपीएबीएक्स एक्सटेंशन, एटीसी में एसटीडी सुविधा युक्त ऑटो टेलीफोन, फैक्स, हॉटलाइन, सेल फोन।

5.3.11. इस सीमा तक कि भा.वि.प्रा. यह निर्धारित करता है कि, हवाईअड्डे के विस्तार के परिणामस्वरूप, हवाईअड्डे पर विद्युत शक्ति की अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति की आवश्यकता है, भा.वि.प्रा. अपनी अतिरिक्त आवश्यकताओं के बारे में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सूचित करेगा और दोनों पक्ष भा.वि.प्रा. द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति के संबंध में विचार-विमर्श करने और समझौते पर पहुंचने का प्रयास करने के लिए बैठक करेंगे;

5.3.12. भा.वि.प्रा. और/या उसके कर्मियों को ऐसी जानकारी प्रदान करेगा जो वे भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं के निष्पादन के लिए उचित रूप से अपेक्षित करते हैं;

5.3.13. भा.वि.प्रा. सेवाओं के प्रावधान में हवाईअड्डे पर तैनात भा.वि.प्रा. कर्मियों और एजेंटों के लिए कार्यालय, आवासीय आवास और नेविगेशनल एड्स/रडार सुविधा के भवनों को हर समय उपलब्ध कराएगा;

5.3.14. अपने खर्च पर, प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था प्रणाली, मुख्य और स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति प्रणालियों का रखरखाव करेगा;

5.3.15. यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कर्मचारी और एजेंट, प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया के अनुसार, एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था प्रणाली में किसी भी विफलता या दोष और किसी भी .....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण की अनुपलब्धता की सूचना भा.वि.प्रा. को ऐसी विफलता या दोष के बारे में पता चलते ही तुरंत देंगे;

5.3.16. आपातकालीन स्थिति को छोड़कर, दोनों पक्षों के बीच लिखित रूप में पारस्परिक सहमति के अनुसार प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया के अनुसार,..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा प्रदान की गई किसी भी बुनियादी संरचना या सुविधाओं के किसी भी प्रस्तावित बंद होने या वापस लेने के बारे में भा.वि.प्रा. को सूचित करेगा;

5.3.17. भा.वि.प्रा. के निर्देश पर, रनवे या आवागमन क्षेत्रों से किसी भी बाधा को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर हटाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कर्मचारी और एजेंट ऐसी किसी भी बाधा की जानकारी मिलने पर प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया या घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया के अनुसार, जैसा भी मामला हो, भा.वि.प्रा. को सूचित करें;

5.3.18. हवाईअड्डे पर किसी भी परिवर्तन या संशोधन के कारणों से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर भा.वि.प्रा. उपकरणों को स्थानांतरित करेगा;

5.3.19. उन्नयन या विस्तार के मामले में..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उन भा.वि.प्रा. उपकरणों की कुल लागत वहन करेगा जो आईसीएओ की सिफारिशों से अधिक हैं और जिनका अनुरोध ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा किया गया है;

5.3.20. विमान के आगमन के अनुमानित समय (ईटीए) की प्राप्ति पर विमानों के लिए पार्किंग बे और एयरोब्रिज आवंटित करेगा और भा.वि.प्रा. को सूचित करेगा तथा भा.वि.प्रा. विमान को तद्नुसार निर्देशित करेगा।

6. सुविधा में परिवर्तन

6.1. परिवर्तन हेतु अनुरोध

यदि भा.वि.प्रा. को प्रभावी तिथि के बाद सुविधा और/या कार्यालय आवास में किसी परिवर्तन या फेरबदल की आवश्यकता होती है, तो वह ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को लिखित रूप में ऐसी आवश्यकताओं के बारे में सूचित करेगा जिसमें अनुरोध किए जा रहे परिवर्तन या फेरबदल का पूरा विवरण और ऐसे परिवर्तन या फेरबदल के कारण दिए जाएंगे।

6.2. ऐसे परिवर्तन जिनसे विमानपत्तन कंपनी की लागत प्रभावित न होती हो

यदि खंड 6.1 के अनुसरण में भा.वि.प्रा. द्वारा अनुरोधित परिवर्तन या फेरबदल से प्रारंभिक चरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, विलंब नहीं होता है या व्यवधान नहीं पड़ता है, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) परिवर्तन को लागू करने के लिए ऐसे कदम उठाएगा जो उचित रूप से आवश्यक हों।

7. राजस्व और प्रभार

7.1. मार्ग संचालन सुविधा शुल्क

भा.वि.प्रा., संबंधित सेवाओं के निष्पादन के प्रतिफल स्वरूप, एयरलाइनों से सीधे मार्ग संचालन सुविधा शुल्क (RNFC) वसूल करने का हकदार होगा और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ऐसे शुल्कों के संबंध में कोई देनदारी नहीं उठाएगा।

7.2. टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क

एयरलाइनों द्वारा देय टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क का भुगतान एयरलाइनों द्वारा सीधे भा.वि.प्रा. को किया जाएगा और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ऐसे शुल्कों के संबंध में कोई देनदारी नहीं उठाएगा।

7.3. संग्रहण

भा.वि.प्रा. द्वारा मार्ग संचालन सुविधा शुल्क या टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग शुल्क में से किसी एक को एकत्र करने में विफलता और/या किसी एयरलाइन द्वारा भुगतान न किया जाना किसी भी तरह से या किसी भी रूप में भा.वि.प्रा. को भा.वि.प्रा. सेवाओं के निष्पादन या खंड 7.4 में निर्धारित शुल्क का भुगतान करने के उसके दायित्व से मुक्त नहीं करेगा। बशर्ते कि किसी विशेष एयरलाइन द्वारा भा.वि.प्रा. को मार्ग संचालन सुविधा शुल्क और/या टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग शुल्क का भुगतान करने में बार-बार चूक करने की स्थिति में, भा.वि.प्रा. को ऐसी एयरलाइन को भा.वि.प्रा. सेवाएं प्रदान न करने का पूरा अधिकार होगा और इसे इस करार में यथा-प्रावधानित भा.वि.प्रा. की ओर से भा.वि.प्रा. सेवाओं के निष्पादन में चूक नहीं माना जाएगा।

7.4. सीएनएस-एटीएम सेवा प्रभार

पैरा 5.1 में उल्लिखित सीएनएस-एटीएम सेवाओं का प्रावधान लागत वसूली के आधार पर होगा। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) प्रत्येक वर्ष के 15 जनवरी/अप्रैल/जुलाई/अक्टूबर तक सीएनएस/एटीएम सेवाओं की त्रैमासिक, अनुमानित लागत अग्रिम रूप से जमा करेगा। तथापि, पिछले वर्ष के दौरान भा.वि.प्रा. द्वारा एकत्र किए गए

टीएनएलसी (TNLC) को उस वर्ष के दौरान सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने की वास्तविक लागत से काट लिया जाएगा। किसी भी घाटे के मामले में उसे ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त,.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को सीएनएस/एटीएम सेवाओं की छह महीने की लागत के बराबर बैंक गारंटी देगा। यह बैंक गारंटी प्रारंभ में 2 वर्ष की अवधि के लिए होगी, जिसे अवधि की समाप्ति पर समय-समय पर नवीनीकृत किया जाएगा।

7.5. भा.वि.प्रा. द्वारा देय किराया शुल्क

अनुसूची 2 में निर्धारित सुविधा और कार्यालय आवास प्रदान करने के प्रतिफल के रूप में आवासीय आवास को छोड़कर भा.वि.प्रा. द्वारा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को कोई किराया शुल्क देय नहीं होगा।

8. सेवाओं के मानक और निष्पादन में विफलता

8.1. सेवाओं के मानक

8.1.1. भा.वि.प्रा. हर समय प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार भा.वि.प्रा. सेवाएं प्रदान करेगा और कार्य जमा (वर्क डिपॉजिट) के माध्यम से भा.वि.प्रा. सेवाओं या भा.वि.प्रा. उपकरणों के प्रावधान के संबंध में सभी खर्च वहन करने के लिए ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से अपेक्षा करेगा।

8.1.2. भा.वि.प्रा. यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कर्मी, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर,..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा किसी भी समय शुरू किए गए किसी भी गुणवत्ता सुधार उपायों में, यदि आवश्यक हो, भाग लेंगे और रियायत करार द्वारा अपेक्षित सेवा स्तर मानकों को प्राप्त करने और बनाए रखने में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की सहायता करेंगे।

8.2. गैर-हस्तक्षेप

भा.वि.प्रा. हवाईअड्डे के डिजाइन, निर्माण, कमीशनिंग, पूर्णता, विकास, वित्तपोषण और/या रखरखाव में हस्तक्षेप नहीं करेगा, बाधा नहीं डालेगा या कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं करेगा, और यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कार्मिक और एजेंट भी ऐसा न करें, तथा हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि के बाद, सिवाय इसके कि जैसा भा.वि.प्रा. सेवाओं के प्रावधान के लिए आवश्यक हो, हवाईअड्डे के संचालन में किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप या बाधा नहीं डालेगा।

8.3. क्षतिपूर्ति

8.3.1. प्रत्येक पक्ष दूसरे पक्ष और उसके ठेकेदारों, प्रिंसिपलों और एजेंटों को किसी भी पक्ष के दायित्वों के निष्पादन (चाहे कृत्य द्वारा या चूक द्वारा) से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, पूर्णतः या अंशतः उत्पन्न होने वाले तीसरे पक्षों के दावों के परिणामस्वरूप होने वाले नुकसान, लागत, व्यय, देनदारी या नुकसानी के बराबर सभी भुगतानों से और उनके विरुद्ध क्षतिपूर्ति करेगा, बचाव करेगा और हानिरहित रखेगा (अपरिहार्य घटना घटित होने को छोड़कर), जिसमें व्यक्तियों की मृत्यु या चोट के दावे अथवा संपत्ति के नुकसान या संपत्ति के नुकसान के दावे शामिल हैं।

8.3.2. देयता

पक्षों का आशय है कि इस करार में निहित अधिकार, दायित्व और देनदारियां इस करार से या इसके संबंध में उत्पन्न होने वाले पक्षों के अधिकारों, दायित्वों और देनदारियों का एक संपूर्ण विवरण होंगी। तद्नुसार, इस करार में और इसके अनुसरण में निष्पादित किसी भी दस्तावेज में स्पष्ट रूप से बताए गए उपचार इस करार से या इसके संबंध में उत्पन्न होने वाली एक-दूसरे के प्रति देनदारियों के लिए पक्षों के एकमात्र और अनन्य उपचार होंगे, जिसमें इसके संबंध में दिए गए किसी भी प्रतिनिधित्व, वारंटी या वचनबद्धता शामिल हैं, भले ही कानून या साम्या (इक्विटी) में अन्यथा कोई उपचार उपलब्ध हो।

9. अपरिहार्य घटना

9.1. अपरिहार्य घटना

खंड 9 तब लागू होगा यदि इस करार के तहत किसी पक्ष ("प्रभावित पक्ष") द्वारा अपने दायित्वों का निष्पादन अनुसूची 4 में परिभाषित अपरिहार्य घटना के कारण पूर्णतः या अंशतः बाधित, अवरुद्ध या विलंबित होता है।

9.2. अपरिहार्य घटना के परिणाम

9.2.1. निष्पादन दायित्व: प्रभावित पक्ष इस करार के तहत या इसके अनुसरण में किसी भी दायित्व का पालन करने में किसी भी विफलता या अनुपालन में देरी के लिए उत्तरदायी नहीं होगा और उसे उस सीमा तक अपने दायित्वों का पालन करने की आवश्यकता नहीं होगी जिस सीमा तक ऐसी विफलता या देरी सीधे तौर पर अपरिहार्य घटना के किसी भी कारण से हुई हो और विशेष रूप से, लेकिन बिना किसी सीमा के, ऐसे किसी भी दायित्व के निष्पादन के लिए अनुमत समय तद्नुसार बढ़ाया जाएगा।

9.2.2. अधिसूचना: यदि प्रभावित पक्ष यह दावा करता है कि उसे अपरिहार्य घटना की किसी घटना के कारण इस करार के तहत अपने किसी भी दायित्व को पूरा करने से रोका गया है,

तो वह दावे के आधार और परिणामों का उल्लेख करते हुए अन्य पक्षों को लिखित रूप में यथाशीघ्र सूचित करेगा।

9.2.3. शमन: प्रभावित पक्ष अपरिहार्य घटना के प्रभाव को कम करने के लिए सभी उचित कदम उठाएगा।

10. समाप्ति

10.1. विमानपत्तन कंपनी समाप्ति की घटनाएं

भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को समाप्ति की सूचना जारी करने का हकदार होगा, यदि:

i. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) इस करार के तहत उसे देय किसी भी राशि का देय और देय तिथि पर भुगतान करने में विफल रहता है और ऐसी विफलता भा.वि.प्रा. से चूक निर्दिष्ट करने और इसे सुधारने की मांग करने वाली सूचना प्राप्त होने के बीस (20) दिनों के भीतर सुधारी नहीं जाती है;

ii.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) के परिसमापन, दिवालियापन या विघटन के लिए कोई आदेश पारित किया जाता है या कोई प्रस्ताव पारित किया जाता है, जो यदि ऐसा होने में सक्षम है, तो उसके नब्बे (90) दिनों के भीतर उन्मोचित या रद्द नहीं किया जाता है;

iii.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) इस करार में किसी भी दायित्व (पैसे का भुगतान करने के दायित्व के अलावा) को पूरा करने या उसका पालन करने में इस हद तक विफल रहता है जिसका भा.वि.प्रा. के अधिकारों और दायित्वों पर भौतिक और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और यदि सुधारे जाने में सक्षम है, तो ऐसी विफलता भा.वि.प्रा. से चूक निर्दिष्ट करने और इसे सुधारने की आवश्यकता वाली सूचना प्राप्त होने के बाद 7 दिनों की अवधि तक जारी रहती है। बशर्ते कि भा.वि.प्रा. समाप्ति की ऐसी सूचना जारी करने का हकदार नहीं होगा यदि उपर्युक्त (i), (ii) और/या (iii) में निर्धारित घटनाएं और/या परिस्थितियां अपरिहार्य घटना का परिणाम और/या परिणाम हैं;

iv. रियायत करार के तहत भारत सरकार द्वारा इस करार को समाप्त करने का निर्देश दिया जाता है;

v. यदि रियायत करार समाप्त हो जाता है;

और आगे प्रत्येक मामले में बशर्ते कि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय पर उपचारात्मक कार्रवाई को भारत सरकार .....राज्य की सरकार या भा.वि.प्रा. द्वारा रोका न गया हो।

10.2. भा.वि.प्रा. समाप्ति की घटनाएं

..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को समाप्ति की सूचना जारी करने का हकदार होगा, यदि लागू कानून रियायत करार में उपयुक्त संशोधनों के अधीन, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सीएनएस/एटीएम सेवाएं निष्पादित करने की अनुमति देता है।

10.3. समाप्ति सूचना का प्रभाव

यदि इस खंड 10 के अनुसरण में भा.वि.प्रा. या ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समाप्ति की सूचना दी जाती है, तो समाप्ति की सूचना तामील होने की तिथि के नब्बे (90) दिनों की अवधि की समाप्ति के बाद किसी भी समय, जब तक कि समाप्ति की सूचना जारी करने वाली परिस्थितियों का पूरी तरह से निवारण न कर दिया गया हो या वे लागू न रह गई हों, समाप्ति की सूचना जारी करने वाला पक्ष तत्काल प्रभाव से इस करार को समाप्त कर सकता है।

10.4. समाप्ति के परिणाम

यदि यह करार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा इस खंड 10.2 के अनुसरण में समाप्त होता है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि भा.वि.प्रा. सेवाओं की अनुपलब्धता के कारण हवाईअड्डे का संचालन बंद न हो, भा.वि.प्रा. सेवाओं के निष्पादन में भा.वि.प्रा. द्वारा तैयार किए गए सभी भा.वि.प्रा. उपकरणों, मैनुअल, चार्ट और अन्य ज्ञापनों को पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर "जैसा है जहां है" की स्थिति में भारत सरकार को तुरंत सौंप देगा ताकि भारत सरकार को भा.वि.प्रा. अधिनियम, 1994 की धारा 38 के अनुसार तुरंत कार्रवाई करने में सक्षम बनाया जा सके। भा.वि.प्रा. उपरोक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा।

तत्पश्चात यह पूरी तरह से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के विवेक पर होगा कि वह भारत सरकार से परामर्श करके ऐसे उचित कदम उठाए जो वह हवाईअड्डे में भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली भा.वि.प्रा. सेवाओं के समकक्ष सेवाएं किसी तीसरे पक्ष के माध्यम से प्रदान किए जाने के लिए उपयुक्त समझे। भा.वि.प्रा. उपरोक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। यह इस करार के तहत उपलब्ध किसी भी पक्ष के अधिकार या उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा।

11. समनुदेशन

11.1. भा.वि.प्रा. द्वारा समनुदेशन

इसमें निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की पूर्व लिखित सहमति के बिना इस करार के तहत अपने सभी या किसी भी अधिकार या दायित्व को समनुदेशित या अन्यथा हस्तांतरित नहीं करेगा, बशर्ते कि भा.वि.प्रा. के अधिकारों या दायित्वों का ऐसा समनुदेशन या हस्तांतरण कानून के अधिनियमन के अनुसरण में हो। ऐसा समनुदेशिती या अंतरिती इस करार के निबंधनों और शर्तों से बाध्य होगा।

11.2. विमानपत्तन कंपनी द्वारा समनुदेशन

इसमें निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, लेकिन खंड 16.5 के अधीन रहते हुए, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. की पूर्व लिखित सहमति के बिना इस करार के तहत अपने अधिकारों या दायित्वों के सभी या किसी भी हिस्से को समनुदेशित या अन्यथा हस्तांतरित नहीं करेगा; तथापि, यह प्रावधान है कि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ऐसी पूर्व लिखित सहमति के बिना, लेकिन भा.वि.प्रा. को पूर्व लिखित सूचना देकर:

i. इसके तहत अपने सभी या सारभूत रूप से सभी अधिकारों और दायित्वों को..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की संबद्ध संस्था को हस्तांतरित कर सकता है;

ii. इसके तहत अपने सभी या किसी भी हिस्से के अधिकारों और दायित्वों को..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) में स्वामित्व हितों के क्रेता को हस्तांतरित कर सकता है;

iii. किसी भी वित्तपोषण करार जिसके तहत..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ने धन उधार लिया है, देय राशियों के लिए संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में इस करार के तहत..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के अधिकारों को ऋणदाताओं को हस्तांतरित कर सकता है; अथवा

iv. रियायत करार की शर्तों के अनुसरण में इसके तहत अपने सभी या सारभूत रूप से सभी अधिकारों और दायित्वों को भारत सरकार को हस्तांतरित कर सकता है।

12. विवाद समाधान

12.1. बातचीत और सुलह

पक्षकार इस करार से उत्पन्न होने वाले, इसके संबंध में या इसके संदर्भ में पक्षों के बीच किसी भी विवाद, मतभेद, दावे, प्रश्न या विवाद ("विवाद") को बातचीत के माध्यम से आपस में सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए अपने संबंधित उचित प्रयासों का उपयोग करेंगे।

12.2. मध्यस्थ को संदर्भ

विवादों के निपटारे के संबंध में प्रासंगिक स्वतंत्र नियामक प्राधिकरण कानून में निहित किसी भी बात के अधीन रहते हुए, कोई भी विवाद जिसे पक्षकार अनुच्छेद 12.1 के अनुसरण में किसी एक पक्ष द्वारा दूसरे को विवाद के अस्तित्व की लिखित अधिसूचना के साठ (60) दिनों (या ऐसी लंबी अवधि जिस पर पक्ष सहमत हो सकते हैं) के भीतर हल करने में असमर्थ हैं, उसे भारतीय मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 ("अधिनियम") और/या उसके किसी वैधानिक संशोधन के अनुसार तथा अधिनियम के अनुसार नियुक्त तीन मध्यस्थों द्वारा यूएनसीआईट्राल नियमों ("नियम") के अनुसार मध्यस्थता द्वारा अंतिम रूप से निर्धारित किया जाएगा।

12.3. विविध

मध्यस्थता का स्थान नई दिल्ली होगा। प्रत्येक पक्ष नियमों के अनुसार मध्यस्थता के खर्चों का भुगतान करेगा और लागत के लिए अंतिम दायित्व मध्यस्थता निर्णय (अवार्ड) की शर्तों के अनुसार होगा। कोई भी मध्यस्थ किसी भी पक्ष का वर्तमान या पूर्व कर्मचारी या एजेंट, या सलाहकार या वकील नहीं होगा अथवा किसी भी तरह से पक्षों से संबंधित या निकटता से जुड़ा हुआ नहीं होगा। मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

12.4. निर्णय / अधिनिर्णय

इस खंड 12 के अनुसरण में नियुक्त मध्यस्थ अधिकरण का कोई भी निर्णय या अधिनिर्णय पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। पक्ष सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी भी अदालत या अधिकरण द्वारा ऐसे अधिनिर्णय की अपील या किसी भी समीक्षा के किसी भी अधिकार को त्यागते हैं, जहां तक ऐसा अधियाग (वेवर) वैध रूप से किया जा सकता है। पक्ष सहमत हैं कि दिया गया कोई भी मध्यस्थता निर्णय संबंधित पक्ष की संपत्तियों के विरुद्ध पक्षों द्वारा लागू किया जा सकता है, जहां कहीं भी वे संपत्तियां स्थित हैं या पाई जा सकती हैं, और किसी भी मध्यस्थता निर्णय पर निर्णय (जहां भी आवश्यक हो) उसके किसी भी सक्षम क्षेत्राधिकार के

न्यायालय द्वारा दर्ज किया जा सकता है। पक्ष किसी भी मध्यस्थता निर्णय के प्रवर्तन के प्रयोजनों के लिए ऐसी किसी भी अदालत के क्षेत्राधिकार को स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं।

13. बीमा का रखरखाव

13.1. भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से लागत वसूली आधार / कार्य जमा आधार पर अपनी संपत्ति के नुकसान या क्षति, तीसरे पक्ष की देयता, कर्मकार क्षतिपूर्ति नीति और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार आवश्यक या विवेकपूर्ण समझे जाने वाले किसी अन्य बीमा को कवर करने के लिए आवश्यक बीमा हर समय प्रभावी और बनाए रखेगा,..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और ऋणदाताओं को इस करार के तहत भा.वि.प्रा. की बीमा पॉलिसियों के तहत सह-बीमाकृत नामित किया जाएगा।

13.2. पॉलिसियां: खंड 13.1 के तहत प्राप्त किए जाने और बनाए रखे जाने के लिए अपेक्षित बीमा के संबंध में कोई भी बीमा पॉलिसी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के तीस (30) दिनों के भीतर, भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सूचित करेगा कि ऐसे बीमा प्राप्त कर लिए गए हैं और ऋणदाताओं द्वारा अनुरोध किए जाने पर..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को ऐसे पॉलिसी प्रमाण पत्रों की प्रतियां, बीमा पॉलिसियों की प्रतियां और इस बात का साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि ऐसे बीमा के संबंध में बीमा प्रीमियम का भुगतान कर दिया गया है। किसी भी बीमा को तब तक रद्द, संशोधित या समाप्त/व्यपगत होने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि भा.वि.प्रा. द्वारा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को ऐसे रद्दीकरण, संशोधन या गैर-नवीनीकरण की कम से कम पैंतालीस (45) दिनों की पूर्व सूचना न दे दी गई हो।

13.3. बीमा कराने में विफलता का उपचार: यदि भा.वि.प्रा. उन सभी बीमाओं को प्रभावी करने और लागू रखने में विफल रहता है जिनके लिए वह इसके अनुसार उत्तरदायी है, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के पास ऐसे किसी भी बीमा को लागू रखने, और ऐसे प्रीमियम का भुगतान करने तथा उसकी लागत भा.वि.प्रा. से वसूल करने का विकल्प होगा।

13.4. बीमा प्राप्तियों का उपयोग: भौतिक क्षति से असंबंधित बीमा प्राप्तियों को छोड़कर, करार के तहत भा.वि.प्रा. को भुगतान किए गए सभी बीमा दावों का उपयोग क्षतिग्रस्त संपत्ति के पुनर्निर्माण के लिए किया जाएगा।

14. सूचनाएं

14.1. लिखित संचार

प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया और घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया के संबंध को छोड़कर, इस करार के तहत या इसके संबंध में किया जाने वाला कोई भी संचार लिखित रूप में किया जाएगा और, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, फैक्स या पत्र द्वारा किया जा सकता है।

14.2. पते

इस करार के तहत या इसके संबंध में किए जाने वाले या दिए जाने वाले किसी भी संचार या दस्तावेज के लिए प्रत्येक पक्ष का पता और फैक्स नंबर (और विभाग या अधिकारी, यदि कोई हो, जिसके ध्यानार्थ संचार किया जाना है) निम्नानुसार है:

..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम):

फैक्स सं.: .....

ध्यानार्थ: .....

भा.वि.प्रा.:

राजीव गांधी भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली - 110 003, भारत

फैक्स: [011 24641088]

ध्यानार्थ: अध्यक्ष

या कोई वैकल्पिक पता, फैक्स नंबर या विभाग या अधिकारी जिसे पक्ष कम से कम पांच कार्य दिवसों की पूर्व सूचना देकर दूसरे पक्ष को सूचित कर सकता है।

15. मानी गई डिलीवरी

इस करार में अन्यथा प्रदान किए गए के अधीन, इस करार के तहत या इसके अनुसरण में कोई भी संचार प्राप्तकर्ता द्वारा प्राप्त किया गया माना जाएगा (यदि फैक्स द्वारा भेजा गया है) उस स्थान पर अगले कार्य दिवस पर जहां यह भेजा गया है या (किसी अन्य मामले में) जब खंड 14.2 द्वारा अपेक्षित पते पर छोड़ दिया गया हो या पंजीकृत डाक द्वारा डाक शुल्क पूर्व-भुगतान करके उस पते पर भेजे जाने के 10 ऐसे कार्य दिवसों के भीतर प्राप्त माना जाएगा। इन प्रयोजनों के लिए, कार्य दिवस शनिवार, रविवार और राजपत्रित अवकाशों के अतिरिक्त अन्य दिन हैं।

16. विविध

16.1. पृथक्करणीयता

इस करार के पूर्वगामी अनुभागों या प्रावधानों में से किसी की भी पूर्ण या आंशिक रूप से अमान्यता या अप्रवर्तनीयता, ऐसे अनुभागों या प्रावधानों के शेष भाग की वैधता या प्रवर्तनीयता को प्रभावित नहीं करेगी। यदि इस करार का कोई महत्वपूर्ण प्रावधान अमान्य या अप्रवर्तनीय माना जाता है, तो पक्ष ऐसे अमान्य या अप्रवर्तनीय प्रावधान को बदलने के लिए सद्भावपूर्वक नए प्रावधानों पर तुरंत फिर से बातचीत करेंगे ताकि इस करार को यथासंभव इसके मूल आशय और प्रभाव में बहाल किया जा सके।

16.2. संपूर्ण करार

इस करार में, इसकी किसी भी अनुसूची या संलग्नक सहित, इस करार की विषय-वस्तु के संबंध में भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच संपूर्ण करार सम्मिलित है और ऐसी विषय-वस्तु के संबंध में अन्य सभी लिखित या मौखिक समझौतों को अधिक्रमित करता है।

16.3. संशोधन

कोई भी संशोधन, परिवर्तन या अन्य बदलाव किसी भी पक्ष पर तब तक बाध्यकारी नहीं होगा जब तक कि दोनों पक्षों द्वारा लिखित रूप में सहमति न दी गई हो।

16.4. अतिरिक्त दस्तावेज और कार्रवाइयां

16.4.1..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) वाणिज्यिक प्रचालन प्रारंभ करने में सक्षम बनाने हेतु दो वर्ष की प्रारंभिक अवधि के लिए डीजीसीए से हवाई अड्डा लाइसेंस प्राप्त करने के लिए और उसके बाद तुरंत पूर्ववर्ती दो वर्ष की अवधि के लिए जारी हवाई अड्डा लाइसेंस की समाप्ति से पहले दो वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए इसके नवीनीकरण हेतु सभी आवश्यक कदम उठाएगा। समय-समय पर ऐसे लाइसेंस को प्राप्त करने, नवीनीकृत करने और बनाए रखने के लिए, भा.वि.प्रा. किसी भी लाइसेंस को प्राप्त करने के लिए अपेक्षित अपने सभी उत्तरदायित्वों को पूरा करेगा और किसी भी जांच और प्रक्रियाओं के निष्पादन में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और डीजीसीए की सहायता करेगा तथा सीएनएस-एटीएम सेवाओं के संबंध में डीजीसीए के सभी नुस्खों/निर्देशों का पालन करेगा।

16.4.2. प्रत्येक पक्ष दूसरे पक्ष को ऐसे अतिरिक्त दस्तावेजों को निष्पादित करने और सौंपने के लिए सहमत होता है, और ऐसी अतिरिक्त कार्रवाई करने और ऐसा सहयोग प्रदान करने

के लिए सहमत होता है, जो इस करार द्वारा परिकल्पित लेन-देन को पूरा करने और इसके आशय को प्रभावी करने के लिए उचित रूप से आवश्यक हो सकता है।

16.5. प्रत्यक्ष करार

भा.वि.प्रा. ऋणदाताओं के अनुरोध पर, ऋणदाताओं के साथ पर्याप्त रूप से इस करार के साथ अनुसूची 5 के रूप में संलग्न प्रारूप में एक प्रत्यक्ष करार निष्पादित करेगा, जिसके तहत, अन्य बातों के साथ-साथ, भा.वि.प्रा. करार के तहत अपने समाप्ति के अधिकारों का प्रयोग करने के अपने किसी भी इरादे की पूर्व सूचना देने, ऐसे ऋणदाताओं को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की ओर से हुई चूक को सुधारने का अधिकार देने, और/या ऐसे ऋणदाताओं को कुछ परिस्थितियों में स्वयं को प्रतिस्थापित करने या करार के तहत..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के दायित्वों को पूरा करने और लाभों का उपभोग करने के लिए एक तीसरे पक्ष के स्थानापन्न को नियुक्त करने की अनुमति देने के लिए सहमत होता है।

16.6. विलंबित भुगतान हेतु ब्याज

इस करार के अनुसरण में किसी पक्ष को उचित रूप से देय कोई भी राशि और भुगतान देय होने की तिथि के बाद अदत्त रहने पर ब्याज देय होगा (निर्णय से पहले और बाद में दोनों), ऐसा ब्याज भुगतान देय होने की तिथि से लेकर ऐसी राशि का पूर्ण भुगतान होने तक दैनिक आधार पर अर्जित होगा, जिसकी दर समय-समय पर प्रभावी भारतीय रिज़र्व बैंक की प्रधान ऋण दर से दो (2) प्रतिशत अंक अधिक होगी।

16.7. कोई भागीदारी नहीं

न तो यह करार और न ही कोई अन्य करार या व्यवस्था जिसका यह हिस्सा है, और न ही ऐसे किसी करार या व्यवस्था के तहत पक्षों द्वारा अपने संबंधित दायित्वों का निष्पादन, पक्षों के बीच भागीदारी (साझेदारी) का गठन करेगा। किसी भी पक्ष के पास किसी अन्य पक्ष को अपने एजेंट के रूप में या अन्यथा बाध्य करने का कोई अधिकार नहीं होगा (जब तक कि इस करार के आधार पर या अन्यथा लिखित रूप में स्पष्ट रूप से प्रदान न किया गया हो और रद्द न किया गया हो)।

16.8. कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

यह करार इसके पक्षों के एकमात्र और अनन्य लाभ के लिए है और, इसके तहत ऋणदाताओं को स्पष्ट रूप से दिए गए अधिकारों को छोड़कर, किसी तीसरे पक्ष के साथ संविदात्मक संबंध नहीं बनाएगा, न ही किसी तीसरे पक्ष के पक्ष में कार्रवाई का कोई कारण उत्पन्न करेगा।

16.9. मूल प्रतियां (काउंटरपार्ट्स)

यह करार एक या अधिक मूल प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक को मूल माना जाएगा और वे सभी मिलकर एक ही करार माने जाएंगे।

16.10. समय का महत्व

समय इस करार का सार होगा, उल्लिखित तिथियों, अवधियों या दिन के समय के संबंध में और किसी भी तिथि, अवधि या दिन के समय के संबंध में भी जिन्हें इस करार के अनुसार उनके स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है।

16.11. समय की गणना

इस करार में संदर्भित समय भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार है। इस करार के तहत निर्धारित या अनुमत किसी भी समय अवधि की गणना करने में, उस कृत्य, घटना या चूक का दिन जिससे निर्दिष्ट समय अवधि शुरू होती है, सम्मिलित किया जाएगा। यदि इस प्रकार गणना की गई अवधि का अंतिम दिन व्यावसायिक कार्य दिवस नहीं है, तो अवधि अगले व्यावसायिक कार्य दिवस के अंत तक चलेगी।

17. अधिशासी भाषा

इस करार के निर्वचन को नियंत्रित करने वाली भाषा अंग्रेजी भाषा है। किसी भी पक्ष द्वारा दूसरे को दिए जाने वाले सभी आवश्यक नोटिस और अन्य सभी संचार एवं दस्तावेज जो किसी भी तरह से इस करार के लिए प्रासंगिक हैं और जो इस करार के निष्पादन, कार्यान्वयन और समाप्ति के लिए प्रासंगिक हैं, जिनमें किसी भी विवाद समाधान की कार्यवाही सम्मिलित है किंतु सीमित नहीं है, अंग्रेजी भाषा में होंगे।

18. लागू कानून (अधिशासी विधि)

यह करार भारत के कानूनों द्वारा शासित होगा और उनके अनुसार इसका निर्वचन किया जाएगा।

19. भा.वि.प्रा. द्वारा प्रतिज्ञाएं

भा.वि.प्रा. बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से:

i. सहमत होता है कि, यदि इस करार या इस करार द्वारा परिकल्पित किसी भी लेन-देन के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके या उसकी संपत्ति के विरुद्ध कोई कार्यवाही की जाती है, तो उसके द्वारा या उसकी ओर से स्वयं के संबंध में या उसकी संपत्ति के संबंध में ऐसी कार्यवाहियों से कोई उन्मुक्ति का दावा नहीं किया जाएगा;

ii. सामान्यतः किसी भी क्षेत्राधिकार में ऐसी किसी भी कार्यवाही में अपने विरुद्ध किसी भी निर्णय या अधिनिर्णय के प्रवर्तन के संबंध में किसी भी राहत देने या ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में किसी भी प्रक्रिया को जारी करने के लिए सहमति देता है (जिसमें किसी भी संपत्ति के विरुद्ध या उसके संबंध में किसी भी निर्णय या अधिनिर्णय अथवा ऐसे किसी निर्णय या अधिनिर्णय से उत्पन्न किसी आदेश को देना, लागू करना या निष्पादित करना सम्मिलित है, भले ही उसका उपयोग या इच्छित उपयोग कुछ भी हो)।

जिसके साक्ष्य के रूप में यह करार प्रारंभ में उल्लिखित तिथि को निष्पादित किया गया है।

भा.वि.प्रा. की ओर से हस्ताक्षरित:

.....

..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की ओर से
हस्ताक्षरित:.....

साक्षीगण:

(1) .....

(2) .....

अनुसूची 1

भाग 1: विमानपत्तन कंपनी उपकरण

1. रनवे
2. रनवे प्रकाश व्यवस्था और अंकन
3. टैक्सीवे
4. टैक्सीवे प्रकाश व्यवस्था और अंकन
5. साइनेज (संकेतक)
6. एप्रन
7. एप्रन प्रकाश व्यवस्था और अंकन
8. सुविधा
9. भा.वि.प्रा. उपकरणों से संबंधित सिविल कार्य (केवल नींव)
10. पीएपीआई और एप्रोच प्रकाश व्यवस्था
11. हवाई अड्डा बीकन (टॉवर पर)
12. लैंडिंग दिन और रात का अंकन
13. वायु दिशा सूचक (प्रकाशित)
14. आइसोलेशन बे
15. द्वितीयक विद्युत आपूर्ति
16. एटीसी और हवाईअड्डा अग्निशमन दल के बीच हॉटलाइन
17. क्रैश बेल, केबलिंग और सायरन
18. एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था के लिए नियंत्रण कक्ष और निगरानी प्रणाली
19. विजुअल एड्स का उन्नयन (भावी)
20. परिचालन क्षेत्र तक जाने वाले एप्रोच मार्ग के अलावा हवाई अड्डा नेविगेशन एड्स/रडार स्थल तक पहुंच मार्ग।
21. भा.वि.प्रा. कर्मियों और उसके एजेंटों के लिए कार्यालय और आवासीय आवास।
22. नेविगेशनल एड्स/रडार प्रतिष्ठानों के लिए भवन।
23. ईपीएबीएक्स एक्सटेंशन, एटीसी में एसटीडी सुविधा युक्त ऑटो टेलीफोन, फैक्स, हॉटलाइन और सेल फोन।
24. आईसीएओ विनिर्देशों के अनुसार सिग्नल क्षेत्र।
25. एटीसी टॉवर में प्रिंटर और इंटरनेट कनेक्शन युक्त कंप्यूटर।

भाग 2: भा.वि.प्रा. उपकरण

भा.वि.प्रा. प्रस्तावित विमान संचालन के लिए अपेक्षित प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार सीएनएस-एटीएम उपकरण प्रदान करेगा, जिसमें न्यूनतम निम्नलिखित उपकरण प्रदान किए जाएंगे:

1. सहायक उपकरणों सहित वीएचएफ संचार सेट
2. डीवीओआर/डीएमई या एनडीबी
3. वॉयस रिकॉर्डर

अनुसूची II

भा.वि.प्रा. कर्मियों और भा.वि.प्रा. उपकरणों के लिए कार्यालय और आवासीय आवास, कार पार्किंग और स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति

1. नियंत्रण टॉवर:.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) आवश्यकतानुसार विभिन्न एटीएस इकाइयों को रखने के लिए 21/32/50 वर्ग मीटर (यथा लागू) का क्षेत्र, तकनीकी ब्लॉक, नेव-एड्स और रडार भवन उपलब्ध कराएगा।

2. कार्यालय:.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) विनिर्दिष्ट वर्ग मीटर का क्षेत्र उपलब्ध कराएगा।

3. कार पार्किंग: ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) हवाईअड्डे पर 25 (पच्चीस) कार पार्किंग स्थल उपलब्ध कराएगा।

4. स्टैंडबाय आपूर्ति: ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. सेवाओं के प्रावधान हेतु हवाईअड्डे पर भा.वि.प्रा. को पर्याप्त स्टैंडबाय विद्युत क्षमता उपलब्ध कराएगा।

5. भा.वि.प्रा. कर्मियों और उसके एजेंटों के लिए आवासीय आवास।*

* भा.वि.प्रा. कर्मचारियों की ओर से आवासीय आवास के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा भुगतान किया जाने वाला लाइसेंस शुल्क डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार होगा।

अनुसूची III

सीएनएस/एटीएम सेवाएं

भा.वि.प्रा. ऐसे वायुक्षेत्र की क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर सीमाओं के भीतर वायुक्षेत्र विन्यास के लिए उपयुक्त हवाईअड्डे पर निम्नलिखित सेवाओं का प्रावधान और समन्वय करेगा:

i. हवाई अड्डा नियंत्रण सेवा जिसमें सतह संचलन नियंत्रण / एप्रन नियंत्रण सेवा शामिल है;

ii. एप्रोच नियंत्रण / एप्रोच रडार नियंत्रण सेवा (यदि नियोजित हो);

iii. क्षेत्र नियंत्रण / क्षेत्र रडार नियंत्रण सेवा (यदि नियोजित हो);

iv. संबद्ध सेवाएं जैसे वैमानिकी मोबाइल सेवा (एएमएस), वैमानिकी स्थिर सेवाएं (एएफएस), वैमानिकी सूचना सेवा (एआईएस), उड़ान सूचना सेवा, सलाहकार सेवा, सतर्कता सेवा और खोज एवं बचाव समन्वय सेवाएं, जैसा उपयुक्त हो।

ये सभी प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार और प्रस्तावित विमान संचालन के लिए अपेक्षित अनुसार प्रदान की जाएंगी।

अनुसूची IV

अपरिहार्य घटना (फोर्स मेज्योर) की परिभाषा

इस करार में, "अपरिहार्य घटना" (फोर्स मेज्योर) का अर्थ पैराग्राफ (क) में संदर्भित कोई भी ऐसा कृत्य, घटना या परिस्थिति अथवा कृत्यों, घटनाओं और परिस्थितियों का संयोजन है जो प्रभावित पक्ष के उचित नियंत्रण से परे हैं और जिन्हें प्रभावित पक्ष किसी भी सुविधा के निर्माण के संबंध में अच्छे उद्योग अभ्यास द्वारा या उचित कौशल और सावधानी का प्रयोग करके नहीं रोक सकता था, और जो, या जिनका कोई भी परिणाम, इस करार के तहत किसी भी पक्ष द्वारा अपने दायित्वों के निष्पादन को पूर्ण या आंशिक रूप से रोकता है, बाधित करता है या विलंबित करता है।

"अपरिहार्य घटना" में निम्नलिखित घटनाएं और परिस्थितियां उस सीमा तक शामिल हैं जहां तक वे, या उनके परिणाम, उपरोक्त आवश्यकताओं को संतुष्ट करते हैं:

क. **निम्नलिखित प्रकार के कृत्य, घटनाएं या परिस्थितियां:**

i. भारत के भीतर कार्य के निष्पादन या भारत के भीतर वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति पर नियोजित किसी भी पक्ष या उसके ठेकेदारों, या उनके संबंधित उप-ठेकेदारों, कर्मचारियों या एजेंटों से जुड़ी हड़तालें, तालाबंदी या अन्य औद्योगिक कार्रवाई या श्रम विवाद;

ii. आकाशीय बिजली, भूकंप, आंधी, चक्रवात, तूफान, बवंडर, तूफान, बाढ़, जलप्लावन, भूस्खलन, मिट्टी का कटाव, धंसाव, सूखा या पानी की कमी, और अन्य असामान्य या अत्यधिक प्रतिकूल मौसम या पर्यावरणीय परिस्थितियां या प्राकृतिक तत्वों के कृत्य, उल्कापिंड या विमान या अन्य हवाई उपकरणों से गिरने वाली वस्तुएं, सुपरसोनिक गति से यात्रा करने वाले विमान या अन्य हवाई उपकरणों के कारण उत्पन्न दबाव तरंगों का होना, आग या विस्फोट, रासायनिक या रेडियोधर्मी संदूषण या आयनकारी विकिरण (उन परिस्थितियों को छोड़कर जहां विस्फोट या संदूषण या विकिरण का स्रोत या कारण प्रभावित पक्ष द्वारा या प्रभावित पक्ष द्वारा नियोजित या संलग्न व्यक्तियों द्वारा स्थल पर या उसके पास लाया गया है या लाया गया था, जब तक कि यह हवाईअड्डे के किसी भी हिस्से के निर्माण या संचालन के लिए आवश्यक नहीं है या नहीं था);

iii. हवाईअड्डे पर कोई भी दुर्घटना;

iv. हवाईअड्डा उद्घाटन तिथि से पहले किसी भी साधन से पारगमन के दौरान हवाईअड्डे में समावेशन के लिए इच्छित कार्गो का कोई आकस्मिक नुकसान या क्षति;

v. हवाईअड्डे को क्षति या गंभीर आकस्मिक क्षति;

vi. महामारी;

vii. युद्ध का कृत्य (चाहे घोषित हो या अघोषित), आक्रमण, सशस्त्र संघर्ष या विदेशी शत्रु का कृत्य, नाकाबंदी, प्रतिबंध, क्रांति, दंगा, बम या नागरिक अशांति;

viii. तोड़फोड़, आतंकवाद या ऐसे कृत्यों की धमकी;

ix. दैवीय आपदा (एक्ट ऑफ गॉड); अथवा

x. पूर्वगामी के सदृश प्रकृति का कोई भी कृत्य, घटना या परिस्थिति;

ख. बशर्ते कि निम्नलिखित मामलों या उनके परिणामों में से कोई भी अपरिहार्य घटना का गठन या कारण बनने में सक्षम नहीं होगा:

i. कोई भी भुगतान करने में विफलता या असमर्थता; अथवा

ii. बाजार स्थितियों के प्रभाव जब तक कि ऐसी बाजार स्थितियां स्वयं किसी अपरिहार्य घटना के कारण उत्पन्न न हुई हों या उसका परिणाम न हों।

ग. और आगे बशर्ते कि:

उपरोक्त पैराग्राफ (क) में संदर्भित कोई कृत्य, घटना या परिस्थिति जो मुख्य रूप से किसी तीसरे पक्ष या तीसरे पक्षों को प्रभावित करती है (जिसमें बिना किसी सीमा के, हवाईअड्डे का निर्माण ठेकेदार या ऑपरेटर, किसी पक्ष की संबद्ध संस्था या किसी पक्ष या उसकी संबद्ध संस्था के उप-ठेकेदार शामिल हैं) जो किसी पक्ष को उसके दायित्वों के निष्पादन में रोकती है, बाधित करती है या विलंबित करती है, इस करार के तहत ऐसे पक्ष के लिए उपयुक्त रूप में अपरिहार्य घटना मानी जाएगी यदि और उस सीमा तक कि वह इस प्रकार की प्रकृति या चरित्र की हो कि यदि वह इस खंड पर निर्भर रहने के इच्छुक पक्ष के साथ घटित होती, तो वह इस अनुसूची 4 के तहत अपरिहार्य घटना की परिभाषा के अंतर्गत आती।

अनुसूची V

(सीए में सहमति के अनुसार उसी प्रारूप में होना है)

भा.वि.प्रा. प्रत्यक्ष करार का प्रारूप

विमानपत्तन कंपनी
पता
[अध्यक्ष]
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
राजीव गांधी भवन
सफदरजंग हवाई अड्डा परिसर, नई दिल्ली - 110 003

[तिथि]

प्रिय [अध्यक्ष महोदय],

हम भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ("भा.वि.प्रा.") और विमानपत्तन कंपनी ("कंपनी") के बीच दिनांक [.....] को निष्पादित सीएनएस/एटीएम सुविधाओं और सेवाओं के प्रावधान हेतु करार ("सीएनएस/एटीएम करार") का संदर्भ लेते हैं।

जैसा कि सीएनएस/एटीएम करार में परिकल्पित है, कंपनी वित्तपोषण करारों (जैसा कि सीएनएस/एटीएम करार में परिभाषित है और जिनकी प्रतियां आपको सौंप दी गई हैं) में प्रवेश करने का प्रस्ताव करती है, जिसके अनुसरण में सुरक्षित पक्षकारों (नीचे परिभाषित) ने ..... राज्य में ..... पर एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास हेतु कंपनी को वित्तपोषण प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है।

ऐसे वित्तपोषण हेतु प्रतिभूति के रूप में, हम आपको एतद्द्वारा सूचित करते हैं कि कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ("ऋणदाताओं") के लाभ हेतु ट्रस्टी ("बंधक ट्रस्टी") के रूप में [.....] के पक्ष में निष्पादित किए जाने वाले बंधक ("बंधक") के अनुसरण में कंपनी ने ऋणदाताओं के लाभ के लिए बंधक ट्रस्टी को कंपनी की सभी संपत्तियों ("संपार्श्विक") में प्रथम वरीयता प्रतिभूति हित प्रदान किया है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, सीएनएस/एटीएम करार सम्मिलित है।

बंधक ट्रस्टी के साथ ऋणदाताओं को यहां "सुरक्षित पक्षकार" कहा गया है।

कंपनी अनुरोध करती है कि इस पावती और सहमति ("करार") की संलग्न प्रति पर हस्ताक्षर करके और लौटाकर, भा.वि.प्रा. सुरक्षित पक्षकारों के लाभ हेतु निम्नलिखित की पुष्टि करे और सहमति व्यक्त करे:

क) भा.वि.प्रा.:

i. बंधक की एक प्रति प्राप्त होने की पुष्टि करता है,

ii. सुरक्षित पक्षकारों को देय दायित्वों की प्रतिभूति के रूप में सीएनएस/एटीएम करार में कंपनी के सभी अधिकारों, हक और हितों के सुरक्षित पक्षकारों के लाभ हेतु बंधक के तहत समनुदेशन (और बंधक के तहत समनुदेशन में सक्षम न होने की सीमा तक, प्रभार) के लिए सहमति देता है,

iii. सहमत होता है कि ऐसे समनुदेशन (या जैसा भी मामला हो, प्रभार) सीएनएस/एटीएम करार का उल्लंघन नहीं करते हैं या नहीं करेंगे, तथा

iv. सहमत होता है कि इस करार का उसका निष्पादन और सुपुर्दगी ऐसे समनुदेशन (या जैसा भी मामला हो, प्रभार) और सीएनएस/एटीएम करार के खंड 11.2 में दिए गए अनुसार संभावित समनुदेशन के लिए उसकी उचित लिखित सहमति का गठन करती है।

ख) भा.वि.प्रा. सहमत है कि:

i. यदि बंधक ट्रस्टी ने सीएनएस/एटीएम करार के तहत कंपनी के स्थान पर स्वयं को या अपने नामित व्यक्ति को प्रतिस्थापित करने के लिए कंपनी द्वारा दिए गए प्रतिभूति हितों के अनुसरण में अपने अधिकारों का प्रयोग करने का विकल्प चुना है,

(ग) (1) तो ऐसा बंधक न्यासी (मॉर्टगेज ट्रस्टी) या उसका नामित व्यक्ति कंपनी के स्थान पर प्रतिस्थापित हो जाएगा; तथा

(2) यदि बंधक न्यासी कंपनी द्वारा प्रदत्त प्रतिभूति हितों के अंतर्गत उपचारों के प्रयोग के अनुसरण में (चाहे मोचन-अधिकार की जब्ती / पुरोबंध द्वारा अथवा अन्यथा) संपार्श्विक (कोलैटरल) के संपूर्ण या किसी भाग का विक्रय अथवा अन्यथा निपटान करता है, तो क्रेता, बंधक न्यासी के अनुरोध पर तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की पूर्व लिखित सहमति से, जिस सहमति को अनुचित रूप से नहीं रोका जाएगा, सीएनएस/एटीएम (संचार, दिक्चालन और निगरानी / वायु यातायात प्रबंधन) समझौते के अंतर्गत कंपनी के स्थान पर प्रतिस्थापित हो जाएगा, और दोनों ही मामलों में, प्रतिस्थापित पक्षकार सीएनएस/एटीएम समझौते के अंतर्गत बेची गई या निपटाई गई ऐसी संपार्श्विक के संबंध में कंपनी के समस्त अधिकारों, स्वत्वों और हितों का उत्तराधिकारी होगा तथा वह सीएनएस/एटीएम समझौते के लाभों का निष्पादन कर सकेगा एवं उनका हकदार होगा मानो वह सीएनएस/एटीएम समझौते के अधीन कंपनी ही हो।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह सीएनएस/एटीएम समझौते के अंतर्गत कंपनी को देय राशि का भुगतान विशेष रूप से (विमानपत्तन स्थल के स्थान का नाम) स्थित ऐसे

खाते में सीधे और तत्काल उपलब्ध निधि के रूप में जमा करने हेतु करेगा, जैसा कि बंधक न्यासी समय-समय पर निर्देशित करे (और कंपनी इसके द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को पूर्वोक्त अनुसार ऐसे भुगतान करने हेतु अधिकृत एवं निर्देशित करती है)। कंपनी द्वारा प्रदत्त प्रतिभूति हितों के अनुसरण में बंधक न्यासी या उसके नामित व्यक्ति द्वारा अपने अधिकारों के प्रयोग की स्थिति में, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, पूर्ववर्ती वाक्य में निर्दिष्ट खाते में ऐसी राशि का भुगतान करने के बदले, सीएनएस/एटीएम समझौते के अधीन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा देय राशि का भुगतान सीधे बंधक न्यासी को या उसके आदेशानुसार करने के संबंध में बंधक न्यासी से प्राप्त किसी भी और समस्त लिखित निर्देशों का अनुपालन करेगा (ऐसे भुगतानों के अन्य सभी नियम एवं शर्तें पूर्ववर्ती वाक्य में दिए गए अनुसार ही रहेंगी) और यह कंपनी को इन राशियों के भुगतान के अपने दायित्वों के पूर्ण उन्मोचन/संतुष्टि के रूप में होगा।

(घ) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह बंधक के अनुसरण में बंधक प्रतिभूति न्यासी को कंपनी के वास्तविक और वैध मुख्तार (अटॉर्नी) के रूप में मान्यता देगा।

(ङ) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह बंधक न्यासी को नोटिस जारी किए बिना सीएनएस/एटीएम समझौते को समाप्त नहीं करेगा और न ही उसके अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन को निलंबित करेगा।

(च) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि बंधक न्यासी किसी भी समय सीएनएस/एटीएम समझौते की शर्तों के अनुरूप ऐसी कार्रवाई करने या कराने का हकदार होगा जो उस घटना के निवारण/उपचार के लिए आवश्यक हो जिसके कारण नोटिस दिया गया है।

(छ) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह ऐसी किसी भी घटना के घटित होने पर, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को सीएनएस/एटीएम समझौते के खंड 10.1 के अधीन अपने अधिकारों का प्रयोग करने का हकदार बनाती है, तुरंत प्रतिभूति न्यासी को सूचित करेगा और प्रतिभूति न्यासी को (कंपनी को ऐसे नोटिस जारी करने के साथ ही) ऐसी घटनाओं के घटित होने के किसी भी नोटिस की एक प्रति उपलब्ध कराएगा, जिसमें उसके अंतर्गत निर्धारित उपचार अवधि की समाप्ति से पूर्व और समाप्ति के बाद का कोई भी नोटिस शामिल है।

(ज) यह समझौता भारत के कानूनों द्वारा शासित होगा और उनके अनुसार ही इसका अर्थान्वयन किया जाएगा।

(झ) इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में होने वाला कोई भी विवाद या मतभेद, चाहे उसका स्वरूप कुछ भी हो, सीएनएस/एटीएम समझौते के खंड 12 के प्रावधानों के अनुसरण में विवाद समाधान हेतु संदर्भित किया जाएगा, जिन प्रावधानों को संदर्भ द्वारा इसमें शामिल

किया गया है और इसका एक भाग बनाया गया है, मानो ऐसे प्रावधान पूर्ण रूप से यहीं निर्धारित किए गए हों।

(ञ) सीएनएस/एटीएम समझौते के खंड 18 के प्रावधान इस समझौते पर लागू होंगे और संदर्भ द्वारा इसमें सम्मिलित किए जाते हैं तथा इसका एक भाग बनाए जाते हैं, मानो ऐसे प्रावधान पूर्ण रूप से यहीं निर्धारित किए गए हों।

(ट) यह समझौता किसी भी पक्षकार द्वारा बिना किसी अग्रिम कार्रवाई के उस तिथि को समाप्त हो जाएगा जिस तिथि पर ऋणदाताओं का कोई भी बकाया ऋण शेष नहीं रह जाएगा।

(ठ) यह समझौता प्रभावी तिथि से प्रभावी होगा।

भवदीय,

विमानपत्तन कंपनी

द्वारा: _____

नाम: _____

पदनाम: _____

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इसके द्वारा आज दिनांक [ ] माह [ ] वर्ष [ ] से इस समझौते की पूर्वोक्त शर्तों से बाध्य होने की पावती देता है और सहमति व्यक्त करता है।

द्वारा: _____

नाम: _____

पदनाम: _____

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के निष्पादन की तिथि से स्वीकृत, अंगीकृत और सहमत।

[ ], बंधक न्यासी के रूप में।

द्वारा: _____

नाम: _____

पदनाम: _____

अनुसूची 'ज़ेड'

सहमति ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग)

की स्थापना के संबंध में

[भारत सरकार]

तथा

[_____]

के मध्य

[संशोधन नागर विमानन मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारूप समझौते के अनुसार हैं]

सहमति ज्ञापन

यह सहमति ज्ञापन [ ] में वर्ष 20[ ] के [ ] माह के [ ]वें दिन निम्न के मध्य निष्पादित किया गया है:

1. भारत के राष्ट्रपति, जो सचिव, नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से कार्य कर रहे हैं (जिन्हें इसके बाद "भारत सरकार" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में इसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती शामिल माने जाएंगे), प्रथम पक्षकार; तथा

2. [ ], जो कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत भारत में निगमित एक कंपनी है, जिसका पंजीकृत कार्यालय [ ] में स्थित है (जिन्हें इसके बाद "रियायतग्राही" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में इसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती शामिल माने जाएंगे), द्वितीय पक्षकार।

भारत सरकार और रियायतग्राही को इसके बाद संयुक्त रूप से "पक्षकार" तथा व्यक्तिगत रूप से "पक्ष" कहा गया है।

चूँकि (प्रस्तावना):

क. भारत सरकार ने सैद्धांतिक अनुमोदन में निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन, उत्तर प्रदेश राज्य के जेवर, गौतम बुद्ध नगर में सार्वजनिक उपयोग हेतु एक विमानपत्तन ("विमानपत्तन") की स्थापना के लिए प्राधिकरण को अपना सैद्धांतिक अनुमोदन ("सैद्धांतिक अनुमोदन") प्रदान किया है।

ख. प्राधिकरण ने डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण आधार ("परियोजना") पर जेवर के निकट नोएडा अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन स्थापित करने का संकल्प लिया है। प्राधिकरण ने तदनुसार डीबीएफओटी आधार पर विमानपत्तन के निर्माण, संचालन और रख-रखाव हेतु अपने प्रस्ताव-सह-योग्यता आमंत्रण संख्या____ दिनांक_____ ("आरएफपी-सह-आरएफक्यू") द्वारा प्रस्ताव आमंत्रित किए थे। बोलियों के मूल्यांकन के अनुसरण में, प्राधिकरण ने रियायतग्राही की बोली स्वीकार कर ली।

ग. प्राधिकरण और रियायतग्राही ने एक रियायत समझौता (इसके बाद "रियायत समझौता") संपन्न किया है, जिसके द्वारा वे उन नियमों और शर्तों पर सहमत हुए हैं जिनके आधार पर रियायतग्राही डीबीएफओटी आधार पर जेवर के निकट नोएडा अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन का निर्माण, संचालन और रख-रखाव करेगा।

घ. भारत सरकार स्वीकार करती है कि परियोजना के कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा रियायतग्राही को निरंतर सहयोग तथा इसके बाद निर्धारित कतिपय अधिकारों का प्रदान किया जाना आवश्यक है और यह परियोजना हेतु संसाधनों को जुटाने के लिए एक अनिवार्य पूर्व-शर्त है।

ङ. रियायतग्राही द्वारा रियायत समझौते में प्रवेश करने के प्रतिफल में तथा रियायतग्राही के सुचारु संचालन और व्यवहार्यता को बढ़ाने हेतु, रियायत समझौते के अधीन प्राधिकरण के दायित्वों के अतिरिक्त, भारत सरकार रियायतग्राही को यहाँ वर्णित अनुसार कुछ सहयोग प्रदान करने के लिए सहमत है।

अब, अतएव, इसके द्वारा निम्नानुसार सहमति व्यक्त की जाती है:

खंड 1: परिभाषाएँ एवं निर्वचन

1.1 परिभाषाएँ

इस सहमति ज्ञापन में, सिवाय उस सीमा के जहाँ संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित हो, निम्नलिखित शब्दों के निम्नलिखित अर्थ होंगे:

"पशु संगरोध सेवाएँ" (एनिमल क्वारंटाइन सर्विसेज) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 1 में निर्धारित अनुसार संगरोध सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"पशु संगरोध सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, पशु संगरोध सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"लागू अनुमतियाँ" (एप्लीकेबल परमिट्स) का अर्थ इस सहमति ज्ञापन के अस्तित्व के दौरान परियोजना के संबंध में लागू कानूनों के अंतर्गत भारत सरकार या भारत सरकार के किसी विभाग/एजेंसी से प्राप्त किए जाने हेतु अपेक्षित और/या तत्पश्चात बनाए रखे जाने वाले समस्त स्वीकृतियाँ, लाइसेंस, परमिट, प्राधिकार, अनापत्ति प्रमाण पत्र, सहमतियाँ, अनुमोदन और छूट होंगी;

"मध्यस्थता अधिकरण" (आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल) का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 7.3.2 में इस पद को दिया गया है;

"प्राधिकरण" का अर्थ [_____] होगा, जिसका प्रतिनिधित्व [_____] द्वारा किया जाएगा;

"प्राधिकरण प्रतिनिधि" का अर्थ प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर नामित प्राधिकरण का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"सीएनएस/एटीएम सेवाएँ" का अर्थ वायु यातायात प्रबंधन हेतु संचार, दिक्चालन और निगरानी प्रणालियों से संबंधित सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी, जैसा कि इसके साथ संलग्न अनुसूची 2 में निर्धारित किया गया है;

"सीएनएस/एटीएम सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"रियायत समझौता" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (ग) में इसे दिया गया है;

"रियायतग्राही" का वही अर्थ होगा जो पक्षकारों की सूची में इस शब्द को दिया गया है अथवा ऐसा कोई अन्य पक्षकार जिसे प्राधिकरण द्वारा परियोजना हेतु रियायतग्राही के रूप में स्वीकार किया जाए;

"रियायतग्राही प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में रियायतग्राही द्वारा समय-समय पर नामित कम से कम निदेशक स्तर का प्रतिनिधि होगा;

"सीमा शुल्क नियंत्रण" (कस्टम्स कंट्रोल) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 3 में निर्धारित सीमा शुल्क संबंधी सेवाएँ होंगी;

"सीमा शुल्क नियंत्रण प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, सीमा शुल्क नियंत्रण सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"डीजीसीए" (नागर विमानन महानिदेशालय) का अर्थ नागर विमानन महानिदेशालय या उसका कोई स्थानापन्न निकाय होगा;

"प्रभावी तिथि" का अर्थ भारत सरकार और प्राधिकरण के बीच परस्पर सहमत तिथि होगी, परंतु यह रियायत समझौते में उपबंधित नियत तिथि (अपॉइंटेड डेट) से बाद की नहीं होगी;

"भारत सरकार" का वही अर्थ होगा जो इस सहमति ज्ञापन की प्रस्तावना में इस पद को दिया गया है;

"भारत सरकार का सहयोग" का वही अर्थ होगा जो इस सहमति ज्ञापन के खंड 3 में इस पद को दिया गया है;

"स्वास्थ्य सेवाएँ" का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 4 में निर्धारित अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"स्वास्थ्य सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"आव्रजन सेवाएँ" (इमिग्रेशन सर्विसेज) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 5 में निर्धारित लागू कानून के अनुसार आव्रजन सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"आव्रजन सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, आव्रजन सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"संयुक्त समन्वय समिति" का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 4.1.1 में इस पद को दिया गया है;

"मास्टर प्लान" का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में इसे दिया गया है;

"मौसम विज्ञान सेवाएँ" का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 6 में निर्धारित अनुसार मौसम संबंधी सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"मौसम विज्ञान सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, मौसम विज्ञान सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"सहमति ज्ञापन" या "यह सहमति ज्ञापन" का अर्थ यह सहमति ज्ञापन होगा;

"पादप संगरोध सेवाएँ" (प्लांट क्वारंटाइन सर्विसेज) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 7 में निर्धारित अनुसार संगरोध सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"पादप संगरोध सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, पादप संगरोध सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"परियोजना" का अर्थ रियायत समझौते के प्रावधानों के अनुसार विमानपत्तन का निर्माण, संचालन और रख-रखाव होगा;

"आरक्षित सेवाएँ" का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 3.3.1 में इस पद को दिया गया है;

"सुरक्षा सेवाएँ" का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 8 में निर्धारित अनुसार सुरक्षा सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"सुरक्षा सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, सुरक्षा सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा; तथा

"अवधि" (टर्म) का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 5.1 में इस पद को दिया गया है।

यहाँ प्रयुक्त (और यहाँ अनिर्धारित) अन्य बड़े अक्षरों वाले शब्दों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते के अधीन उस शब्द को दिया गया है।

1.2 निर्वचन

इस सहमति ज्ञापन में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, रियायत समझौते के खंड 1.2 में उल्लिखित निर्वचन के नियम लागू होंगे।

खंड 2: प्रभावी तिथि

इस सहमति ज्ञापन के प्रावधान (खंड 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 और 9 में अंतर्विष्ट प्रावधानों के अतिरिक्त, जो तदनुसार इस सहमति ज्ञापन की तिथि से ही पक्षकारों पर बाध्यकारी हैं) प्रभावी तिथि से प्रभावी होंगे और पक्षकारों पर बाध्यकारी होंगे।

खंड 3: भारत सरकार का सहयोग

प्रभावी तिथि से, भारत सरकार इसके द्वारा परियोजना के संबंध में निम्नलिखित सहयोग ("भारत सरकार का सहयोग") प्रदान करने का वचन देती है:

3.1 लागू अनुमतियाँ

3.1.1 भारत सरकार, रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर और रियायतग्राही द्वारा लागू कानूनों के अनुपालन के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही को प्रासंगिक सांविधिक अवधि (यदि कोई हो) के भीतर परियोजना हेतु या उसके संबंध में अपेक्षित ऐसी लागू अनुमतियाँ प्रदान करेगी। पक्षकार सहमत हैं कि जहाँ कोई सांविधिक अवधि निर्धारित नहीं है, वहाँ भारत सरकार, रियायतग्राही द्वारा लागू अनुमति प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट सभी मानदंडों को पूर्ण करने के अधीन, रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने की तिथि से पैंतालीस (45) दिनों के भीतर परियोजना हेतु या उसके संबंध में अपेक्षित ऐसी लागू अनुमतियाँ प्रदान करने के लिए सभी उचित प्रयास करेगी।

3.1.2 रियायतग्राही इसके द्वारा वचन देता है कि लागू अनुमतियों को शीघ्रता से प्राप्त करने हेतु, वह तत्परतापूर्वक और समयबद्ध तरीके से, (एक) संबंधित प्राधिकरणों के समक्ष ऐसे आवेदन तैयार करेगा और प्रस्तुत करेगा जो लागू कानून के पूर्ण अनुपालन में हों; (दो) संबंधित प्राधिकरणों के साथ पूर्वोक्त आवेदनों की निरंतर पैरवी करेगा; तथा (तीन) अतिरिक्त जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए सभी अनुरोधों का समय पर उत्तर देगा।

3.2 एकल खिड़की अनापत्ति

भारत सरकार इसके द्वारा भारत सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन संबंधित एजेंसियों, प्राधिकरणों, विभागों, निरीक्षणालयों, मंत्रालयों के साथ संपर्क स्थापित करने में रियायतग्राही को

सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार में एकल संपर्क बिंदु के माध्यम से एक एकल खिड़की अनापत्ति तंत्र/मार्ग स्थापित करने का वचन देती है।

3.3 आरक्षित सेवाएँ

3.3.1 भारत सरकार, संपूर्ण अवधि के दौरान, विमानपत्तन पर निम्नलिखित सेवाएँ ("आरक्षित सेवाएँ") प्रदान करेगी या प्रदान करवाएगी:

(1) सीएनएस/एटीएम सेवाएँ;

(2) सीमा शुल्क नियंत्रण;

(3) आव्रजन सेवाएँ;

(4) पादप संगरोध सेवाएँ;

(5) पशु संगरोध सेवाएँ;

(6) स्वास्थ्य सेवाएँ;

(7) मौसम विज्ञान सेवाएँ; तथा

(8) सुरक्षा सेवाएँ।

(9) ऐसी कोई अन्य सेवाएँ जो भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट की जाएँ।

3.3.2 पक्षकार स्वीकार करते हैं कि सुरक्षा सेवाओं के लिए लगाया गया शुल्क तथा उसका संग्रहण एवं उपयोग समय-समय पर नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी लागू दिशा-निर्देशों के अनुसार विनियमित होगा।

3.3.3 रियायतग्राही, आरेखन/डिजाइनिंग चरण के दौरान, आव्रजन ब्यूरो, राजस्व विभाग (सीमा शुल्क सेवाओं हेतु), और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा नागर विमानन मंत्रालय द्वारा सुझाए गए अन्य प्रासंगिक सरकारी एजेंसियों से परामर्श करेगा। ऐसी एजेंसियों के उचित सुझावों/अनुरोधों का सामान्यतः रियायतग्राही द्वारा पालन किया जाएगा, जब तक कि उन सुझावों और अनुरोधों का पालन न कर पाने का कोई अधिभावी/प्रबल कारण विद्यमान न हो।

3.4 भारत सरकार की एजेंसियों के साथ सहमति ज्ञापन

भारत सरकार इसके द्वारा रियायतग्राही और निम्नलिखित आरक्षित सेवाएँ प्रदान करने वाली भारत सरकार की प्रत्येक एजेंसी/विभाग के मध्य सहमति ज्ञापन के निष्पादन को कराने का वचन देती है, जिसमें वे नियम और शर्तें निर्धारित होंगी जिन पर संबंधित भारत सरकार की एजेंसियों/विभागों द्वारा आरक्षित सेवाएँ प्रदान की जाएँगी।

3.5 मास्टर प्लान

भारत सरकार वचन देती है कि यदि विमानपत्तन के मास्टर प्लान में किसी संशोधन की आवश्यकता होती है, जो डीजीसीए द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों या किसी अन्य लागू दिशा-निर्देशों से भिन्न/विचलित है, तो भारत सरकार प्राधिकरण से लिखित अनुरोध प्राप्त होने के 30 (तीस) दिनों के भीतर उपयुक्त प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान का अनुमोदन प्राप्त करवाएगी। बशर्ते कि यदि ऐसे संशोधन विमानपत्तन के समग्र डिजाइन और पर्यावरण के अनुरूप नहीं हैं, तो भारत सरकार ऐसा अनुमोदन देने से इनकार कर सकती है।

3.6 वैमानिक प्रभारों के निर्धारण और पुनरीक्षण के सिद्धांत

3.6.1 इसके पक्षकार स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि कोई भी और समस्त वैमानिक प्रभार (एरोनॉटिकल चार्जेज) जिन्हें रियायतग्राही किसी उपयोगकर्ता से लगा सकता है, एकत्र कर सकता है और विनियोजित कर सकता है, वे ऐरा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार और ऐरा द्वारा जारी वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार, ऐरा के एक आदेश के माध्यम से, ऐरा द्वारा निर्धारित और पुनरीक्षित किए जाएँगे।

3.6.2 भारत सरकार ने अपने पत्र संख्या एफ. सं. एवी.24011/12/2013-एडी दिनांक 13 अप्रैल 2015 के माध्यम से विमानपत्तन पर वैमानिक प्रभारों के निर्धारण और विनियमन हेतु 30% (तीस प्रतिशत) शेयर्ड-टिल (साझा टिल) व्यवस्था को मंजूरी दी है, और ऐरा द्वारा तदनुसार इस पर विचार किया जाएगा। संदेह के निवारण हेतु, नगर पक्षीय विकास (सिटी साइड डेवलपमेंट) से रियायतग्राही के राजस्व को वैमानिक प्रभारों के निर्धारण और विनियमन हेतु शेयर्ड-टिल व्यवस्था से बाहर रखा जाएगा।

3.6.3 वार्षिक प्रीमियम को विमानपत्तन के पूंजीगत परिव्यय या विनियामक परिसंपत्ति आधार अथवा वैमानिक प्रभारों के निर्धारण के प्रयोजन हेतु परिचालन व्यय का हिस्सा नहीं माना जाएगा, और इसे वैमानिक प्रभारों के निर्धारण हेतु लागत के हिस्से के रूप में माने जाने से सदैव बाहर रखा जाएगा। रियायतग्राही इसके द्वारा स्वीकार करता है और सहमत होता है कि प्राधिकरण को रियायतग्राही द्वारा देय वार्षिक प्रीमियम पर ऐरा द्वारा वैमानिक प्रभारों के निर्धारण या पुनरीक्षण हेतु किसी भी प्रयोजन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

3.6.4 रियायतग्राही विमानपत्तन के उपयोगकर्ताओं से चरण I हेतु वाणिज्यिक प्रचालन तिथि (सीओडी) से ऐरा द्वारा अनुमोदित टैरिफ की प्रारंभिक/तदर्थ दरों पर वैमानिक प्रभार लगाने, एकत्र करने और विनियोजित करने का हकदार होगा। टैरिफ की ऐसी प्रारंभिक/तदर्थ दरें ऐरा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ऐरा द्वारा वैमानिक प्रभारों के अनुमोदन तक लागू और वैध रहेंगी।

3.6.5 चरण I हेतु सीओडी से प्रारंभ होने वाली प्रथम टैरिफ नियंत्रण अवधि (वर्तमान में 5 (पांच) वर्ष) के लिए ऐरा द्वारा अनुमोदित तदर्थ या अंतिम वैमानिक प्रभारों के संबंध में वैमानिक राजस्व की किसी भी अल्प-वसूली (अंडर-रिकवरी) या अति-वसूली (ओवर-रिकवरी) को ऐरा अधिनियम और ऐरा द्वारा जारी वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार द्वितीय टैरिफ नियंत्रण अवधि में अनुमत वैमानिक राजस्व का निर्धारण करते समय ऐरा द्वारा आगे ले जाया जाएगा और समायोजित किया जाएगा।

3.6.6 प्रथम टैरिफ नियंत्रण अवधि के बाद वैमानिक राजस्व की किसी भी अल्प-वसूली या अति-वसूली को ऐरा द्वारा ऐरा अधिनियम के अनुसार और ऐरा द्वारा जारी वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार समायोजित किया जाएगा।

3.6.7 रियायतग्राही को निकटवर्ती विमानपत्तनों के टैरिफ के साथ टैरिफ को तुलनीय रखने के तरीके तलाशने के लिए ऐरा के साथ मिलकर कार्य करना होगा।

3.6.8 संप्रभु कार्यों को प्रदान करने हेतु किसी भी सरकारी तंत्र/माध्यम को रियायतग्राही द्वारा किए गए किसी भी भुगतान को विमानपत्तन के पूंजीगत परिव्यय का हिस्सा और वैमानिक प्रभारों के निर्धारण के प्रयोजन हेतु एक परिचालन व्यय माना जाएगा, और तदनुसार वैमानिक प्रभारों के निर्धारण हेतु लागत के हिस्से के रूप में विचार किया जाएगा।

खंड 4: संयुक्त समन्वय समिति

4.1 संयुक्त समन्वय समिति

4.1.1 आरक्षित सेवाओं का सुचारु और कुशल निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए, पक्षकार इसके द्वारा एक संयुक्त समन्वय समिति ("संयुक्त समन्वय समिति") गठित करने का वचन देते हैं और सहमति व्यक्त करते हैं, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे:

(1) प्राधिकरण का प्रतिनिधि;
(2) सीएनएस/एटीएम सेवा प्रतिनिधि;
(3) सीमा शुल्क नियंत्रण प्रतिनिधि;
(4) आव्रजन सेवा प्रतिनिधि;
(5) मौसम विज्ञान सेवा प्रतिनिधि;
(6) सुरक्षा सेवा प्रतिनिधि;
(7) पादप संगरोध सेवा प्रतिनिधि;
(8) पशु संगरोध सेवा प्रतिनिधि;

(9) स्वास्थ्य सेवा प्रतिनिधि; तथा
(10) रियायतग्राही का प्रतिनिधि।

4.1.2 संयुक्त समन्वय समिति, जब तक कि पक्षकारों द्वारा बाद की तिथि पर बैठक आयोजित करने पर अन्यथा सहमति न हो, प्रभावी तिथि के तीस (30) दिनों के भीतर पहली बैठक के साथ प्रारंभ करते हुए, विमानपत्तन पर प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करेगी।

खंड 5: अवधि और समाप्ति

5.1 उपर्युक्त खंड 2 के अधीन रहते हुए, यह सहमति ज्ञापन प्रभावी तिथि से पूर्णतः लागू और प्रभावी होगा और तब तक पूर्ण रूप से प्रभावी रहेगा जब तक कि पक्षकारों द्वारा परस्पर समाप्त न कर दिया जाए ("अवधि")। बशर्ते कि रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार उसकी समाप्ति पर, रियायतग्राही इस सहमति ज्ञापन का पक्षकार नहीं रहेगा और, जब तक कि प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को किसी अन्य इकाई द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है, इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत रियायतग्राही के अधिकार और दायित्व प्राधिकरण में निहित होंगे। संदेह के निवारण हेतु, रियायत समझौते की समाप्ति का इस अवधि (टर्म) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

खंड 6: अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर)

6.1 कोई भी पक्षकार इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत अपने संबंधित दायित्वों के निष्पादन को उस सीमा तक निलंबित करने या उससे छूट पाने का हकदार होगा जिस सीमा तक वह/वे किसी अप्रत्याशित घटना के कारण ऐसा निष्पादन करने में असमर्थ हैं।

6.2 जहाँ कोई पक्षकार अप्रत्याशित घटना के कारण अपने दायित्वों के निलंबन का दावा कर रहा है, वह अप्रत्याशित घटना के घटित होने के तुरंत बाद, किंतु किसी भी स्थिति में सात (7) दिनों के बाद नहीं, अन्य पक्षकारों को लिखित रूप में सूचित करेगा, जिसमें अप्रत्याशित घटना का पूर्ण विवरण, उसकी अनुमानित अवधि, प्रभावित दायित्व और इसके निलंबन के कारण दिए जाएँगे।

6.3 अप्रत्याशित घटना का दावा करने वाला पक्षकार अप्रत्याशित घटना पर काबू पाने तथा इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन पर उसके प्रभावों को कम करने के लिए उचित तत्परता का प्रयोग करेगा। प्रभावित पक्षकार अन्य पक्षकारों को तुरंत सूचित करेगा जैसे ही अप्रत्याशित घटना समाप्त हो जाती है और उसे उन दायित्वों का पालन करने से नहीं रोकती है जो निलंबित किए गए थे, और तत्पश्चात यथाशीघ्र ऐसे दायित्वों का पुनः अनुपालन प्रारंभ करेगा।

6.4 जहाँ किसी पक्षकार को अप्रत्याशित घटना के कारण इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत किन्हीं अधिकारों का प्रयोग करने या किन्हीं दायित्वों का निष्पादन करने से रोका जाता है, तो उससे प्रभावित दायित्वों के निष्पादन का समय या उस पर निर्भर किसी अधिकार के प्रयोग का समय, निष्पादन को रोकने और/या विलंबित करने वाली अप्रत्याशित घटना की लंबित अवधि के अनुरूप ऐसी अतिरिक्त अवधि तक, या पक्षकारों के बीच सहमत ऐसी अन्य अवधि तक बढ़ा दिया जाएगा।

6.5 उपर्युक्त में किसी बात के होते हुए भी, यदि कोई अप्रत्याशित घटना घटित होती है और नब्बे (90) दिनों की अवधि तक जारी रहती है, तो पक्षकार ऐसी अप्रत्याशित घटना के परिणामों और उसके प्रभावों को कम करने हेतु की जाने वाली कार्रवाई के मार्ग अथवा परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले मार्ग पर चर्चा करने के लिए बैठक करेंगे।

खंड 7: शासी कानून और विवाद समाधान

7.1 यह सहमति ज्ञापन (इस खंड 7 सहित) और इसके निर्वचन के सभी प्रश्नों का अर्थ भारत गणराज्य के कानूनों के अनुसार लगाया जाएगा।

7.2 पक्षकार सहमत हैं कि वे इस सहमति ज्ञापन के संबंध में उत्पन्न होने वाले विवादों को सद्भावनापूर्ण परामर्श के माध्यम से हल करने का प्रयास करेंगे, और ऐसा परामर्श एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को ऐसे परामर्श हेतु लिखित अनुरोध दिए जाने के तुरंत बाद प्रारंभ होगा। बशर्ते कि यदि ऐसे परामर्श प्रारंभ होने के साठ (60) दिनों के भीतर सद्भावनापूर्ण परामर्श से विवाद का समाधान नहीं निकलता है, तो खंड 7.3 के प्रावधान लागू होंगे।

7.3 मध्यस्थता

7.3.1 कोई भी विवाद, जिसे पक्षकारों द्वारा सौहार्दपूर्ण समाधान (जैसा कि ऊपर खंड 7.2 के अंतर्गत उपबंधित है) के माध्यम से नहीं सुलझाया जा सका, भारतीय मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अनुसार मध्यस्थता द्वारा अंतिम रूप से निपटाया जाएगा।

7.3.2 विवादों को तीन (3) मध्यस्थों वाले एक अधिकरण को संदर्भित किया जाएगा। मध्यस्थता का प्रत्येक पक्षकार एक मध्यस्थ नियुक्त करेगा और इस प्रकार नियुक्त दो मध्यस्थ तीसरे मध्यस्थ का चयन करेंगे जो अधिकरण के पीठासीन मध्यस्थ के रूप में कार्य करेगा (संयुक्त रूप से "मध्यस्थता अधिकरण" का गठन करते हुए)। किसी भी पक्षकार द्वारा अपने मध्यस्थ की नियुक्ति करने में विफलता की स्थिति में या पक्षकारों द्वारा नियुक्त दो मध्यस्थों द्वारा

तीसरे मध्यस्थ की नियुक्ति करने में विफलता की स्थिति में, उक्त मध्यस्थ (मध्यस्थों) की नियुक्ति उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा की जाएगी।

7.3.3 ऐसी मध्यस्थता, जब तक कि पक्षकारों द्वारा अन्यथा सहमति न हो, लखनऊ, भारत में आयोजित की जाएगी। ऐसी मध्यस्थता की सभी कार्यवाहियाँ अंग्रेजी भाषा में होंगी।

7.3.4 मध्यस्थता अधिकरण का निर्णय पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा।

7.3.5 इस खंड 7 के अधीन रहते हुए, उत्तर प्रदेश की अदालतों का इस सहमति ज्ञापन पर क्षेत्राधिकार होगा।

खंड 8: विविध

8.1 नोटिस

8.1.1 इस सहमति ज्ञापन की शर्तों के अंतर्गत अपेक्षित या अनुमत अथवा कानून द्वारा अपेक्षित कोई भी नोटिस (जब तक कि अन्यथा सहमति न हो) लिखित रूप में होगा और व्यक्तिगत रूप से दिया जाएगा, यथोचित पंजीकृत डाक या हवाई डाक द्वारा भेजा जाएगा, विधिवत रूप से पोस्ट किया जाएगा और विधिवत पते वाले लिफाफे में पूर्णतः पूर्व-भुगतान किया जाएगा अथवा संबंधित पक्षकारों को निम्नानुसार फैक्स द्वारा भेजा जाएगा:

भारत सरकार:
सचिव, भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय
पता: राजीव गांधी भवन, नई दिल्ली।
फैक्स सं.: 011 [_____]
रियायतग्राही:
[•] ध्यानार्थ: [_____]
फैक्स सं.: [_____]
अथवा ऐसे अन्य पते या फैक्स नंबर पर जिसे इसके अंतर्गत नोटिस द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाए।

8.1.2 ऐसा कोई भी नोटिस अंग्रेजी भाषा में होगा और उसे उस समय दिया गया माना जाएगा जब वह व्यक्तिगत रूप से सुपुर्द किए जाने पर वास्तव में वितरित किया गया हो, या फैक्स द्वारा भेजे जाने के बाद अगले कार्य दिवस पर, अथवा किसी अन्य स्थिति में पूर्वोक्त रीति से डाक द्वारा भेजे जाने के तीन (3) दिनों के भीतर दिया गया माना जाएगा।

8.2 पृथक्करणीयता (सेवरेबिलिटी)

8.2.1 यदि इस सहमति ज्ञापन में निहित नियमों, शर्तों या प्रावधानों में से कोई भी या कोई भाग किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी सीमा तक अमान्य, गैर-कानूनी या अप्रवर्तनीय निर्धारित किया जाता है, तो ऐसे नियम, शर्तें या प्रावधान उस सीमा तक शेष नियमों, शर्तों और प्रावधानों से पृथक कर दिए जाएँगे जो लागू कानून द्वारा अनुमत पूर्ण सीमा तक मान्य और प्रवर्तनीय बने रहेंगे।

8.3 संपूर्ण समझौता

8.3.1 यह सहमति ज्ञापन, इसके सभी अनुसूचियों और संलग्नकों के साथ, इस सहमति ज्ञापन की विषय-वस्तु के संबंध में पक्षकारों के बीच संपूर्ण समझौते और समझ का प्रतिनिधित्व करता है और पक्षकारों के बीच हुए किसी भी पूर्व लिखित या मौखिक समझौते या समझ को निष्प्रभावी करता है।

8.4 संशोधन

8.4.1 इस सहमति ज्ञापन में कोई भी जोड़, संशोधन या परिवर्तन तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि वह लिखित रूप में न हो और पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षरित न हो।

8.5 समनुदेशन (असाइनमेंट)

8.5.1 इस तिथि के बाद लागू कानून में किसी भी परिवर्तन के बावजूद जो अन्यथा इस सहमति ज्ञापन के समनुदेशन की अनुमति दे सकता है, कोई भी पक्षकार इस सहमति ज्ञापन को या इसके अंतर्गत या इसके अनुसरण में उत्पन्न होने वाले किसी अधिकार या दायित्व अथवा इसमें किसी लाभ या हित को समनुदेशित नहीं कर सकता है।

8.5.2 परंतु तथापि, पूर्वोक्त के होते हुए भी, भारत सरकार इसके द्वारा प्रतिस्थापन समझौते की शर्तों के अनुसरण में चयनित प्रतिस्थापित इकाई के पक्ष में या परियोजना के संबंध में प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही के रूप में स्वीकृत किसी अन्य इकाई के पक्ष में इस सहमति ज्ञापन को हस्तांतरित और नवीनीकृत (नोवेट) करने के लिए स्पष्ट रूप से सहमत है।

8.6 कोई साझेदारी नहीं

8.6.1 यह सहमति ज्ञापन पक्षकारों के बीच साझेदारी का गठन नहीं करेगा और न ही ऐसा गठन माना जाएगा। किसी भी पक्षकार के पास किसी अन्य पक्षकार को अपने एजेंट के रूप में या अन्यथा बाध्य करने का कोई अधिकार नहीं होगा (जब तक कि इस सहमति ज्ञापन के आधार पर या अन्यथा लिखित रूप में स्पष्ट रूप से प्रदान न किया गया हो और रद्द न किया गया हो)।

8.7 कोई अधित्याग नहीं (नो वेवर)

8.7.1 इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत किसी भी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार का प्रयोग करने में भारत सरकार की ओर से कोई विफलता, और उनके द्वारा इसके प्रयोग में

कोई देरी, उसके अधित्याग के रूप में कार्य नहीं करेगी, और न ही किसी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार का कोई एकल या आंशिक प्रयोग इसके किसी अन्य या आगे के प्रयोग अथवा किसी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार के प्रयोग को रोकेगा। जब तक अन्यथा निर्दिष्ट न हो, इस सहमति ज्ञापन में प्रदान किए गए अधिकार, शक्तियाँ, विशेषाधिकार और उपचार संचयी हैं और किसी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार (चाहे कानून द्वारा या अन्यथा प्रदान किए गए हों) के अनन्य नहीं हैं।

8.8 द्विपक्षीय समझौते

8.8.1 भारत सरकार के संप्रभु अधिकारों पर आघात किए बिना या उन्हें किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित किए बिना, भारत सरकार, जहाँ साध्य हो, विमानपत्तन के संबंध में सभी मौजूदा समझौतों को नवीनीकृत करने का प्रयास करेगी और विमानपत्तन को प्रभावित करने वाले किसी भी मौजूदा समझौते को रद्द या समाप्त न करने का प्रयास करेगी। संदेह के निवारण हेतु, भारत सरकार किसी अन्य राज्य या उसके नामित वाहक (वाहकों) द्वारा ऐसे विमान सेवा समझौते के अंतर्गत अपने दायित्वों का पालन करने में विफलता के कारण, अथवा दूसरे पक्षकार द्वारा ऐसे हवाई सेवा समझौते के उल्लंघन या व्यतिक्रम के परिणामस्वरूप ऐसे किसी भी मौजूदा समझौते को रद्द या समाप्त करने की हकदार होगी।

अनुसूची - 9

रक्षा एवं सैन्य सेवाएँ

[खंड रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और नागर विमानन मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श एवं सहमत अन्य शर्तों के अनुसार होगा]

जिसके साक्ष्य के रूप में पक्षकारों ने इस सहमति ज्ञापन को ऊपर सर्वप्रथम लिखित दिन और वर्ष को अपने विधिवत अधिकृत अधिकारियों और प्रतिनिधियों द्वारा निष्पादित करवाया है।

हस्ताक्षरित:
भारत सरकार की ओर से और उनके निमित्त
नाम: _____
पदनाम: _____

हस्ताक्षरित:
रियायतग्राही की ओर से और उनके निमित्त
नाम: _____
पदनाम: _____

हस्ताक्षरित:
साक्षीगण:
1. _____
2. _____

अनुसूची - 1
पशु संगरोध सेवाएँ

विनियामक कार्य:

आगमन से पूर्व:

- पशु के आयात हेतु आवेदन प्राप्त होने पर, सभी बाड़ों (शेड्स) और चारा कक्षों को अच्छी तरह से साफ किया जाता है, उपयुक्त कीटाणुनाशकों से कीटाणुरहित किया जाता है और धूमन (फ्यूमिगेशन) भी किया जाता है।
- विभिन्न प्रजातियों के पशुओं के मानकों और आवश्यकताओं के अनुसार सभी पशुओं का परिवहन एक उपयुक्त पशु वाहक में किया जाता है।
- पशुओं के आगमन की निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व पशु वाहक को उचित रूप से कीटाणुरहित किया जाता है।
- आवश्यक नमूनों के संग्रहण के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जाती हैं।

प्रवेश बिंदु पर आगमन पर:

- आगमन के दिन और आयातक के साथ तय किए गए समय पर, क्षेत्रीय/संगरोध अधिकारी और अन्य कर्मचारी विमानपत्तन पर पहुँचते हैं।
- पशु या उत्पादों का शारीरिक रूप से गहन परीक्षण किया जाता है।
- निर्दिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए पशुओं या उत्पादों के साथ संलग्न पशु चिकित्सा प्रमाण पत्र की गहन जाँच की जाती है।
- यह सुनिश्चित करने के पश्चात कि पशु नैदानिक रूप से स्वस्थ हैं और खेप के साथ संलग्न स्वास्थ्य प्रमाण पत्र व्यवस्थित हैं, सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात करने वाली एजेंसी को मामले के आधार पर अनंतिम संगरोध निकासी प्रमाण पत्र (आयात) या पशु चिकित्सा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (आयात) जारी किया जाता है।
- आयातित जीवित पशुओं को क्षेत्रीय/संगरोध अधिकारी की देखरेख में संगरोध स्टेशन पर लाया जाता है।
- पशुओं की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी के लिए पशुओं को 30 दिनों के लिए या भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य प्रोटोकॉल में निर्दिष्ट अवधि के लिए संगरोध में रखा जाता है।
- पशुधन उत्पादों के मामले में, स्वच्छता आयात परमिट (सैनिटरी इम्पोर्ट परमिट) में निर्धारित शर्तों के अनुसार प्रतिनिधि नमूने लिए जाएँगे और संबंधित प्रयोगशालाओं में उनका परीक्षण किया जाएगा।

अनुसूची - 2

सीएनएस/एटीएम सेवाएँ (संचार, दिक्चालन और निगरानी / वायु यातायात प्रबंधन सेवाएँ)

भारत सरकार, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण या नामित भारत सरकार की एजेंसी के माध्यम से, पूरी अवधि के दौरान, एक पृथक सीएनएस/एटीएम समझौते के माध्यम से विमानपत्तन पर निम्नलिखित सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करेगी या प्रदान करवाएगी:

(क) शिकागो अभिसमय (शिकागो कन्वेंशन) के अनुसरण में समय-समय पर स्थापित या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार और भारत के अन्य विमानपत्तनों पर समान सेवाओं के लिए लागू समान शर्तों पर, तथा डीजीसीए के निर्देशों के अनुपालन में, विमानपत्तन पर सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करवाना;

(ख) सीएनएस/एटीएम उपकरणों का रख-रखाव करवाना, जिसमें सीएनएस/एटीएम उपकरणों का समय-समय पर उड़ान अंशांकन (फ्लाइट कैलिब्रेशन) और परीक्षण करना शामिल है;

(ग) सीएनएस/एटीएम उपकरणों का समय-समय पर उन्नयन करवाना (एक) न्यूनतम रूप से वर्तमान यातायात मांग की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु और प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों एवं अनुलग्नकों सहित लागू कानूनों के अनुसार डीजीसीए द्वारा अधिसूचित नागर विमानन आवश्यकताओं के प्रासंगिक प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए; तथा (दो) विमानपत्तन के विस्तार/उन्नयन के परिणामस्वरूप;

(घ) विमानपत्तन पर सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करने के लिए समय-समय पर आवश्यक उपकरणों को अपनी लागत पर अथवा नामित भारत सरकार की एजेंसी की लागत पर, जैसा भी मामला हो, क्रय करवाना;

(ङ) शिकागो अभिसमय के अनुसरण में समय-समय पर स्थापित या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार और उन्हीं शर्तों पर, जैसा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण भारत के अन्य समान विमानपत्तनों पर प्रदान करता है, विमानपत्तन पर सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान हेतु मौसम विज्ञान संबंधी सुविधाएँ प्राप्त करना; तथा

(च) लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथाओं के अनुसार रनवे पर विमानों की आवाजाही को सक्षम करने के लिए हवाई यातायात को नियंत्रित और विनियमित करने हेतु सशक्त नामित भारत सरकार की एजेंसी द्वारा व्यवस्था करवाना।

अनुसूची 3

सीमा शुल्क नियंत्रण (कस्टम्स कंट्रोल)

कार्य:

- वॉकथ्रू चैनल पर सीमा शुल्क नियंत्रण
- ग्रीन / रेड चैनल में सामान (बैगेज) परीक्षण काउंटरों पर सीमा शुल्क नियंत्रण
- बैगेज मॉल के भीतर बैगेज सहायक / उप आयुक्त की सेवाओं का प्रावधान
- रोके गए सामान (डिटेन्ड गुड्स) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- गलत तरीके से संभाले गए सामान (मिस-हैंडल्ड बैगेज) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- बहुमूल्य वस्तुओं के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- पुनः लदान माल (री-शिपमेंट गुड्स) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- जब्त किए गए माल (कॉन्फिस्केटेड गुड्स) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- निकास द्वार के निकट गेट अधिकारी द्वारा तैनाती
- निर्यात प्रमाण पत्र जारी करना
- सीमा शुल्क कार्यों के संबंध में संबंधित अधिकारियों की सेवाएं
- - वायु आसूचना इकाई (एयर इंटेलिजेंस यूनिट)

अनुसूची 4

स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के दायित्व

पक्षकार एतद्द्वारा यह दर्ज करते हैं कि डीजीएचएस का यह आशय है कि वह हवाई अड्डा टर्मिनल पर निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करने और निम्नलिखित गतिविधियों को संचालित करने का प्रयास करेगा (इसके बाद इन्हें सामूहिक रूप से "स्वास्थ्य सेवाएं" कहा जाएगा):

क) यात्रियों, आगंतुकों, एयरलाइन कर्मचारियों, भारत सरकार, प्राधिकरण, रियायतग्राही (कन्सेशनर) तथा अन्य संबंधित सरकारी विभागों के कर्मचारियों और अन्य कर्मियों के लाभ हेतु दिन के सभी समय हवाई अड्डा टर्मिनल तथा कार्गो परिसर में चिकित्सा सुविधाएं;

ख) डीजीएचएस द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णय के अनुसार हवाई अड्डा टर्मिनल पर तैनात किए जाने वाले चिकित्सा अधिकारी और अन्य डीजीएचएस कर्मी;

ग) डीजीएचएस समय-समय पर कर्मचारियों की संख्या निर्धारित करेगा और हवाईअड्डे पर/हवाईअड्डे के आसपास चिकित्सा सुविधाओं का समय तय करेगा;

घ) डीजीएचएस हवाईअड्डे पर ऐसे अन्य कार्य भी करेगा जो केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्देशित किए जाएं।

2. यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि डीजीएचएस उपरोक्त खंड 1 में उल्लिखित सभी या किसी भी स्वास्थ्य सेवाओं और/या सुविधाओं को प्रदान नहीं करता है, तो रियायतग्राही के प्रति उसका किसी भी प्रकार का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। ऐसे किसी भी उत्तरदायित्व को एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से अस्वीकार किया जाता है। रियायतग्राही एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करता है कि उपरोक्त खंड 1 में उल्लिखित किसी भी स्वास्थ्य सेवा या सुविधा के प्रदान न किए जाने अथवा आंशिक रूप से प्रदान किए जाने के लिए डीजीएचएस या किसी अन्य सरकारी निकाय के विरुद्ध उसका कोई कानूनी उपचार/दावा (रिकोर्स) नहीं होगा।

अनुसूची 5

आव्रजन सेवाएं (इमिग्रेशन सर्विसेज)

हवाईअड्डे पर आव्रजन सुविधा सेवा प्रदान करना तथा विभिन्न अधिनियमों के तहत विदेशियों के पंजीकरण से संबंधित कार्य।

अनुसूची 6

मौसम विज्ञान सेवाएं

इसमें अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ), अनुलग्नक 3 और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के तकनीकी प्रावधानों के साथ-साथ नामित भारत सरकार एजेंसी के मानकों और अनुशंसित प्रथाओं तथा विमान संचालन की सुरक्षा के लिए विमानन संबंधी अभिसमयों के अनुसार विमानन मौसम सेवाएं शामिल हैं।

अनुसूची 7

पादप संरक्षण और संगरोध सेवाएं (प्लांट प्रोटेक्शन एंड क्वारंटीन सर्विसेज)

विनियामक कार्य

(क) विदेशी कीटों और रोगों के प्रवेश को रोकने के लिए आयातित कृषि वस्तुओं का निरीक्षण, परीक्षण, उपचार और निकासी (रिलीज)

(ख) निर्यात के लिए अभीष्ट कृषि वस्तुओं का दृश्य परीक्षण और उपचार

(ग) निर्यात के लिए अभीष्ट कृषि वस्तुओं हेतु पादप-स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (फाइटोसैनिटरी सर्टिफिकेट) जारी करना

(घ) आयातित लकड़ी पैकेजिंग सामग्री का निरीक्षण और उपचार

(ङ) प्रवेशोपरांत संगरोध (पोस्ट एंट्री क्वारंटीन) निरीक्षण

(च) कृषि वस्तुओं का धूम्रीकरण / विसंक्रमण / कीटाणुशोधन

ये कार्य विनाशकारी कीट एवं नाशीजीव अधिनियम, 1914 और पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 तथा इसके संशोधनों के तहत देश में विदेशी कीटों और रोगों के प्रवेश के जोखिम को कम करने के लिए किए जाते हैं, जो भारतीय कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। ये प्रथाएं अंतर्राष्ट्रीय पादप संरक्षण अभिसमय के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत हैं तथा डब्ल्यूटीओ के सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी समझौते के तहत मान्यता प्राप्त हैं।

अनुसूची 8

सुरक्षा सेवाएं

कार्य

- विमानपत्तन संचालकों, एयरलाइंस संचालकों और विमानन सुरक्षा (एवसेक) उपायों को लागू करने के लिए उत्तरदायी उनकी सुरक्षा एजेंसियों के लिए, आईसीएओ के शिकागो अभिसमय के अनुलग्नक 17 के अनुसार तथा बीसीएएस द्वारा प्रदान किए गए प्रारूप के अनुसार रियायतग्राही और बीसीएएस के मध्य निष्पादित समझौते में निहित शर्तों के अनुसार नामित भारत सरकार एजेंसी के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि नामित भारत सरकार एजेंसी और सुरक्षा नियंत्रण लागू करने वाले उसके कार्मिक उचित रूप से प्रशिक्षित हैं तथा अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए आवश्यक सभी दक्षताएं रखते हैं।
- विमानन सुरक्षा मामलों का नियोजन और समन्वय।
- सुरक्षा कर्मचारियों की व्यावसायिक दक्षता और सतर्कता का परीक्षण करने के लिए नामित भारत सरकार एजेंसी के माध्यम से आकस्मिक/नकली (सरप्राइज/डमी) जांच आयोजित करना तथा आकस्मिक योजनाओं की प्रभावकारिता और विभिन्न एजेंसियों की परिचालन तैयारियों का परीक्षण करने के लिए मॉक अभ्यास आयोजित करना।

अनुसूची कक)

राज्य सरकार समर्थन समझौता

(खंड 4.1.2(ग)(vi) देखें)

यह राज्य सरकार समर्थन समझौता _____ के _____ दिन 201__ को _____ पर निष्पादित किया गया;

द्वारा और इनके मध्य:

1. उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, जिनका प्रतिनिधित्व _____ द्वारा किया गया है, जिनका मुख्य कार्यालय _____ पर स्थित है (इसके बाद इन्हें "उत्तर प्रदेश सरकार (GoUP)" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ से प्रतिकूल न हो, उनके उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे);

और

2. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय 1-15 ब्लॉक पी-2-सेक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है (इसके बाद इसे "प्राधिकरण" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ से प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे);

और

3. [कंपनी अधिनियम, 2013] के प्रावधानों के तहत निगमित एक कंपनी _____, जिसकी कॉर्पोरेट पहचान संख्या _____ है और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है (इसके बाद इसे "रियायतग्राही" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ से प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी, अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे)।

यथा संदर्भ अपेक्षित हो, उत्तर प्रदेश सरकार, प्राधिकरण और रियायतग्राही को इसके बाद सामूहिक रूप से "पक्षकार" और व्यक्तिगत रूप से "पक्ष" कहा जाएगा।

जबकि:

क. भारत सरकार ("भारत सरकार") ने अपने पत्र संख्या _____ दिनांकित _____ ("भारत सरकार का अनुमोदन") के माध्यम से सार्वजनिक निजी भागीदारी ("पीपीपी") के माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य के जेवर में सार्वजनिक उपयोग हेतु एक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की स्थापना के लिए उसमें निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन अपना अनुमोदन प्रदान किया था, और इस समझौते में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार हवाई अड्डा स्थापित करने का संकल्प लिया था।

ख. भारत सरकार के अनुमोदन के आधार पर, उत्तर प्रदेश सरकार ("जीओयूपी") ने अपने सरकारी संकल्प संख्या _____ दिनांकित _____ ("उत्तर प्रदेश सरकार का अनुमोदन") के माध्यम से परियोजना (जैसा कि नीचे परिभाषित है) के कार्यान्वयन को मंजूरी दी, और परियोजना के विकास, संचालन और रखरखाव के प्रयोजनों के लिए प्राधिकरण को एक नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया।

ग. परियोजना के लिए दी गई स्वीकृतियों के आधार पर, पसंदीदा बोलीदाता के चयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय बोलियां आमंत्रित की गईं, और ऐसी प्रक्रिया के पूरा होने के अनुसरण में, पसंदीदा बोलीदाता का चयन किया गया और रियायतग्राही को निगमित किया गया।

घ. रियायतग्राही के निगमन पर, प्राधिकरण और रियायतग्राही ने दिनांकित [_____] रियायत समझौते ("रियायत समझौता") में प्रवेश किया, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उन नियमों और शर्तों पर सहमति व्यक्त की गई और प्रावधान किया गया, जिनके तहत रियायतग्राही डीबीएफओटी (डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण) आधार पर हवाईअड्डे का विकास, संचालन और रखरखाव करेगा।

ङ. उत्तर प्रदेश सरकार यह स्वीकार करती है कि परियोजना के कार्यान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राधिकरण और रियायतग्राही को निरंतर समर्थन और कुछ अधिकारों का प्रदान किया जाना आवश्यक है, जैसा कि इसके बाद निर्धारित किया गया है, और यह परियोजना के लिए संसाधनों को जुटाने हेतु एक आवश्यक पूर्व-शर्त है।

च. रियायतग्राही द्वारा रियायत समझौते में प्रवेश करने के प्रतिफल में और रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के दायित्वों के अतिरिक्त, रियायतग्राही के सुचारू कामकाज और व्यवहार्यता को बढ़ाने के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार रियायतग्राही को कुछ समर्थन प्रदान करने के लिए सहमत है, जैसा कि इसमें वर्णित है।

अब, अतएव, एतद्द्वारा निम्नानुसार सहमति व्यक्त की जाती है:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1. परिभाषाएं

इस समझौते में, उस सीमा को छोड़कर जहां संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित हो और जब तक कि नीचे या इस समझौते में विशेष रूप से कहीं अन्य परिभाषित न किया गया हो, इसमें प्रयुक्त अन्य बड़े अक्षरों (कैपिटलाइज्ड) वाले शब्दों (और जो यहां परिभाषित नहीं हैं) लेकिन जो रियायत समझौते के तहत परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते के तहत उस शब्द को दिया गया है:

"समझौता" से तात्पर्य इस राज्य सरकार समर्थन समझौते से होगा;

"स्वीकृतियां" (क्लियरेंस) से तात्पर्य लिखित सहमति, लाइसेंस, अनुमोदन, परमिट, व्यवस्था/आदेश (रूलिंग), छूट, अनापत्ति प्रमाण पत्र या किसी भी प्रकृति के अन्य प्राधिकरण या अनुमति से है, जिसे परियोजना के संबंध में समय-समय पर उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त किया जाना और/या उसके द्वारा प्रदान किया जाना आवश्यक है;

"इकाई" (एंटिटी) से तात्पर्य किसी भी व्यक्ति, निगमित निकाय, ट्रस्ट, साझेदारी फर्म या व्यक्तियों/व्यक्तियों के अन्य संघ से है, चाहे वह पंजीकृत हो या नहीं;

"मौजूदा पहुंच और निकास" का वही अर्थ है जो नीचे खंड 2.1 में दिया गया है;

"भारत सरकार/GOI" से तात्पर्य भारत सरकार और भारत सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन कोई भी एजेंसी, प्राधिकरण (किसी विनियामक प्राधिकरण सहित), विभाग, निरीक्षणालय, मंत्रालय या सांविधिक व्यक्ति (चाहे स्वायत्त हो या नहीं) से है;

"भारत सरकार का अनुमोदन" का वही अर्थ है जो नीचे प्राक्कथन (रिसाइटल) 'क' में दिया गया है;

"उत्तर प्रदेश सरकार" से तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन कोई भी एजेंसी, प्राधिकरण (किसी विनियामक प्राधिकरण सहित), विभाग, निरीक्षणालय, मंत्रालय या सांविधिक व्यक्ति (चाहे स्वायत्त हो या नहीं) से है;

"उत्तर प्रदेश सरकार का अनुमोदन" का वही अर्थ है जो प्राक्कथन 'ग' में दिया गया है;

"पीपीपी" का वही अर्थ है जो प्राक्कथन 'ख' के तहत दिया गया है;

"परियोजना" से तात्पर्य हवाईअड्डे के डिजाइन, विकास, निर्माण, आधुनिकीकरण, उन्नयन, वित्तपोषण, प्रबंधन, संचालन और रखरखाव से है, जैसा कि रियायत समझौते के तहत प्रदान किया गया है;

"अवधि" (टर्म) का वही अर्थ है जो नीचे खंड 3.1 में दिया गया है;

"तृतीय पक्ष" से तात्पर्य किसी भी ऐसी इकाई से होगा जो इस समझौते की पक्षकार नहीं है;

"उपयोगिताएं" (यूटिलिटीज) से सामूहिक रूप से हवाईअड्डे पर पानी, बिजली और सीवेज निपटान तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के बुनियादी ढांचे से संबंधित है, और "उपयोगिता" (यूटिलिटी) उनमें से किसी एक को संदर्भित करती है।

1.2. निर्वचन के नियम

1.2.1. बड़े अक्षरों से शुरू होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें दिया गया है, और इस समझौते में प्रयुक्त और यहां परिभाषित नहीं किए गए लेकिन रियायत समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो, वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में दिया गया है।

1.2.2. खंडों के संदर्भ, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.3. रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, आवश्यक परिवर्तनों सहित (यथाआवश्यक संशोधन सहित), इस समझौते पर लागू होंगे।

2. उत्तर प्रदेश सरकार का समर्थन

2.1. हवाईअड्डे तक सतही पहुंच (सरफेस एक्सेस)

पक्षकार एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं कि वर्तमान में हवाईअड्डे तक पहुंचने या वहां से बाहर निकलने का एकमात्र मार्ग _____ के माध्यम से है ("मौजूदा पहुंच और निकास")। पक्षकार आगे यह स्वीकार करते हैं कि मौजूदा पहुंच और निकास हवाईअड्डे पर बढ़ते यात्री और अन्य यातायात को पूरा करने के लिए अपर्याप्त हो सकता है। पूर्वगामी के आलोक में, उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा पुष्टि करती है कि (i) वह हवाईअड्डे के लिए 4 लेन पहुंच कनेक्टिविटी प्राप्त/उपलब्ध कराएगी और (ii) वह हवाईअड्डे पर बढ़ते यात्री और अन्य यातायात के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए मौजूदा पहुंच और निकास को उन्नत, आधुनिक और बनाए रखने का सर्वोत्तम प्रयास करेगी और रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार, हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र के लिए समग्र नगर नियोजन के अनुसार और उत्तर प्रदेश सरकार अपने विवेकाधिकार में रियायतग्राही द्वारा प्रदान किए गए ऐसे सुझावों/सूचनाओं (यदि कोई हो) को ध्यान में रखते हुए, हवाईअड्डे तक पहुंचने और वहां से बाहर निकलने के सार्वजनिक परिवहन के अतिरिक्त साधनों (जैसे रेलवे/मेट्रो कनेक्शन) को विकसित करने के लिए उचित प्रयास करेगी। इस उद्देश्य के लिए, सतही पहुंच विकास के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए मास्टर प्लान के विकास के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और रियायतग्राही एक दूसरे से परामर्श करेंगे।

2.2. उपयोगिताएं

पक्षकार स्वीकार करते हैं कि भविष्य में, जैसे-जैसे रियायत समझौते में परिकल्पित तरीके से हवाईअड्डे का विकास और विस्तार होगा और समय बीतने के साथ हवाईअड्डे पर यात्री और अन्य यातायात बढ़ेगा, उपयोगिताओं की क्षमता का विस्तार करने की आवश्यकता हो सकती है। पूर्वगामी के आलोक में, उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा पुष्टि करती है कि वह हवाईअड्डे के लिए साइट सीमा पर पर्याप्त मात्रा में उपयोगिताएं प्रदान करने का सर्वोत्तम प्रयास करेगी (उस सीमा तक जहां तक ये सेवाएं आम तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार या उसके विभागों/एजेंसियों/उत्तर प्रदेश सरकार के पर्याप्त स्वामित्व या नियंत्रण वाली इकाइयों द्वारा प्रदान की जाती हैं), ताकि हवाईअड्डे के विकास और विस्तार को सक्षम बनाया जा सके और बढ़ते यात्री तथा अन्य यातायात की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार आगे पुष्टि करती है कि वह उपयोगिताओं के संबंध में मौजूदा सुविधाओं को बनाए रखने और विकसित करने का सर्वोत्तम प्रयास करेगी (उस सीमा तक जहां तक ये सेवाएं आम तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार या उसके विभागों/एजेंसियों/उत्तर प्रदेश सरकार के पर्याप्त स्वामित्व या नियंत्रण वाली इकाइयों द्वारा अनुरक्षित की जाती हैं)।

2.3. हवाईअड्डे पर सुरक्षा और संरक्षा आवश्यकताएं

2.3.1. पक्षकार एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं कि हवाईअड्डे के भीतर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति से बचा जा सके जो हवाईअड्डे के सुचारू संचालन में बाधा डाल सकते हैं और विमान की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। तदनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा पुष्टि करती है कि वह हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति के परिणामस्वरूप हवाईअड्डे के संचालन में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप या नुकसान को रोकने के लिए हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने का प्रयास करेगी।

2.3.2. उत्तर प्रदेश सरकार कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए हवाईअड्डे पर सामान्य और नियमित पुलिसिंग प्रदान करने का कार्य अपने खर्च पर करेगी। रियायतग्राही उत्तर प्रदेश सरकार को उक्त कार्य को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए अपने खर्च पर हवाईअड्डे पर उचित कार्यालय आवास उपलब्ध कराएगा।

2.4. स्वीकृतियां (क्लियरेंस)

2.4.1. इस समझौते में निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, पक्षकार एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने से उत्पन्न होने वाली, या उसके संबंध में, किसी भी तीसरे पक्ष या रियायतग्राही की किसी भी और सभी कार्रवाइयों, कार्यवाहियों, क्षतियों, हानियों, दायित्वों, दावों, लागतों और खर्चों के लिए न तो उत्तरदायी होगी और न ही जिम्मेदार होगी। पक्षकार एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि रियायत समझौते में विस्तार से निर्धारित परियोजना को शुरू करने और कार्यान्वित करने के लिए लागू कानून द्वारा आवश्यक सभी स्वीकृतियों को प्राप्त करना और हर समय बनाए रखना रियायतग्राही की एकमात्र जिम्मेदारी और दायित्व होगा। इस उद्देश्य के लिए, लागू कानून के पूर्ण अनुपालन और निरंतरता में रियायतग्राही द्वारा आवेदन किए जाने पर (बशर्ते कि लागू कानून के तहत, रियायतग्राही ऐसी स्वीकृति प्राप्त करने का हकदार हो और रियायतग्राही ने उचित प्रक्रिया और समय में अपना आवेदन किया हो), उत्तर प्रदेश सरकार प्रासंगिक वैधानिक अवधि (यदि कोई हो) के भीतर परियोजना के लिए या उसके संबंध में आवश्यक ऐसी स्वीकृतियां प्रदान करने का प्रयास करेगी, और जहां कोई वैधानिक अवधि निर्धारित नहीं है, उत्तर प्रदेश सरकार प्रासंगिक आवेदन विधिवत पूरा होने और लागू कानूनों के पूर्ण अनुपालन में प्रस्तुत किए जाने के बाद उचित समय के भीतर परियोजना के लिए या उसके संबंध में आवश्यक ऐसी स्वीकृतियां प्रदान करने का प्रयास करेगी।

2.4.2. उत्तर प्रदेश सरकार सक्षम स्थानीय प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान के अनुमोदन प्राप्त करने में अपनी पूरी सहायता प्रदान करने का भी वचन देती है।

2.4.3. स्वीकृतियां प्रदान करने में सुविधा के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार _____ या उससे उच्च पद के एक वरिष्ठ अधिकारी को नामित करेगी, जो रियायतग्राही को उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन संबंधित एजेंसियों, प्राधिकरणों, विभागों, निरीक्षणालयों, मंत्रालयों के साथ संपर्क स्थापित करने में सहायता प्रदान करेगा।

रियायतग्राही एतद्द्वारा वचन देता है कि स्वीकृतियों को शीघ्रता से प्राप्त करने के लिए, वह तत्परता और समयबद्ध तरीके से: (क) संबंधित प्राधिकरणों के पास लागू कानून के पूर्ण अनुपालन में आवेदन तैयार करेगा और दाखिल करेगा; और (ख) संबंधित अधिकारियों के साथ उक्त आवेदनों पर अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप) करेगा। विलोपित।

3. अवधि और समाप्ति

3.1. अवधि

3.1.1. खंड 2 और खंड 5 को छोड़कर, यह समझौता इसके ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि से प्रभावी होगा।

3.1.2. इस समझौते का खंड 2 और खंड 5 नियत तिथि (अपॉइंटेड डेट) से मान्य और प्रभावी होगा।

3.1.3. यह समझौता रियायत समझौते के किसी भी कारण से निर्धारण और/या समयपूर्व समाप्ति के साथ स्वतः ही समाप्त हो जाएगा ("अवधि")।

3.2. समाप्ति

3.2.1. यह समझौता तत्काल प्रभाव से समाप्त हो जाएगा और प्रभावी नहीं होगा यदि रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार रियायतग्राही द्वारा नियत तिथि प्राप्त नहीं की जाती है।

3.2.2. यह समझौता रियायत समझौते के साथ सह-समाप्त (सह-आवधिक) होगा।

3.2.3. इस समझौते के अनुसरण में रियायतग्राही को दिए गए अधिकार और लाभ रियायतग्राही के किसी भी उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती या किसी अन्य व्यक्ति (प्राधिकरण या प्राधिकरण के किसी उत्तराधिकारी सहित) को हस्तांतरित होंगे और उसके लाभ के लिए सुरक्षित रहेंगे, जो रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार किसी भी समय हवाईअड्डे का संचालन कर सकता है।

4. अभ्यावेदन और वारंटियां

4.1. रियायतग्राही द्वारा

रियायतग्राही एतद्द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को यह अभ्यावेदन करता है और वारंटी देता है कि, रियायत समझौते के तहत उसके द्वारा किए गए प्रत्येक अभ्यावेदन और वारंटी इस समझौते के प्रयोजनों के लिए उसमें निहित प्रपत्र और तरीके से यथोचित परिवर्तनों सहित सत्य और सही होंगे, जिसमें इस समझौते के निष्पादन और निष्पादन हेतु इसकी शक्ति और अधिकार तथा अपेक्षित कॉर्पोरेट कार्रवाइयां शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

4.2. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा

उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा कंपनी को यह अभ्यावेदन करती है और वारंटी देती है कि उसके पास इस समझौते को निष्पादित करने, अपने अधिकारों का प्रयोग करने और सर्वोत्तम प्रयास के आधार पर इस समझौते के तहत अपने कार्यों का निष्पादन करने का अधिकार, शक्ति और अधिकार है, और उसने इसके लिए सभी आवश्यक कार्रवाइयां की हैं।

5. समन्वय तंत्र

इस समझौते से उत्पन्न होने वाले किसी भी मुद्दे का समाधान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित की जाने वाली एक समन्वय समिति के तंत्र के माध्यम से किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की जाएगी, जिसमें भारत सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

यह समझौता उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा किसी भी दायित्व के प्रवर्तन के लिए और परिणामस्वरूप रियायतग्राही या किसी भी पक्ष द्वारा उठाई गई क्षति/हानि आदि के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के विरुद्ध कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा।

6. शासी कानून और विवाद समाधान

6.1. यह समझौता (इस खंड 6 सहित) और इसके निर्वचन के सभी प्रश्नों का अर्थ भारत गणराज्य के कानूनों के अनुसार लगाया जाएगा।

6.2. पक्षकार सहमत हैं कि वे इस समझौते के संबंध में उत्पन्न होने वाले विवादों को सद्भावपूर्वक परामर्श के माध्यम से हल करने का प्रयास करेंगे, और ऐसा परामर्श एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को ऐसे परामर्श के लिए लिखित अनुरोध दिए जाने के तुरंत बाद शुरू होगा। बशर्ते कि यदि ऐसे सद्भावपूर्ण परामर्श शुरू होने के 60 (साठ) दिनों के भीतर विवाद का समाधान नहीं निकलता है, तो खंड 6.3 के प्रावधान लागू होंगे।

6.3. माध्यस्थम (मध्यस्थता)

6.3.1. कोई भी विवाद, जिसे पक्षकारों द्वारा सौहार्दपूर्ण समाधान (जैसा कि ऊपर खंड 6.2 के तहत प्रदान किया गया है) के माध्यम से नहीं सुलझाया जा सका, उसे माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अनुसार मध्यस्थता द्वारा अंतिम रूप से सुलझाया जाएगा।

6.3.2. विवादों को 3 (तीन) मध्यस्थों वाले अधिकरण को संदर्भित किया जाएगा। मध्यस्थता का प्रत्येक पक्ष एक मध्यस्थ नियुक्त करेगा, और इस प्रकार नियुक्त दो मध्यस्थ तीसरे मध्यस्थ का चयन करेंगे जो अधिकरण के पीठासीन मध्यस्थ के रूप में कार्य करेगा (एक साथ "माध्यस्थम अधिकरण" का गठन करेंगे)। मध्यस्थता की कार्यवाही नियमों के अनुसार संचालित की जाएगी।

6.3.3. ऐसी मध्यस्थता, जब तक कि पक्षकारों के लिए अन्यथा सहमत न हो, [लखनऊ], भारत में आयोजित की जाएगी। ऐसी मध्यस्थता की सभी कार्यवाहियां अंग्रेजी भाषा में होंगी।

6.3.4. माध्यस्थम अधिकरण का/के निर्णय पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा/होंगे।

6.3.5. इस खंड 6 के अधीन, _____ स्थित न्यायालयों का इस समझौते पर क्षेत्राधिकार होगा।

7. प्रकीर्ण (विविध)

7.1. सूचना (नोटिस)

7.1.1. इस समझौते की शर्तों के तहत आवश्यक या अनुमत या कानून द्वारा आवश्यक कोई भी सूचना (जब तक कि अन्यथा सहमति न हो) लिखित रूप में होगी और व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी, पंजीकृत डाक या उपयुक्त हवाई डाक द्वारा भेजी जाएगी, विधिवत पते वाले लिफाफे में उचित रूप से डाक टिकट लगाकर और पूरी तरह से प्रीपेड करके भेजी जाएगी या संबंधित पक्षों को निम्नानुसार फैक्स द्वारा भेजी जाएगी:

रियायतग्राही:	उत्तर प्रदेश सरकार:	प्राधिकरण:
पता: [_____]	पता: [_____]	पता: [_____]
ध्यानार्थ: [_____]	ध्यानार्थ: [_____]	ध्यानार्थ: [_____]
ई-मेल: [_____]	ई-मेल: [_____]	ई-मेल: [_____]
फैक्स संख्या: [_____]	फैक्स संख्या: [_____]	फैक्स संख्या: [_____]

या ऐसे अन्य पते या फैक्स नंबर पर जिसे समय-समय पर इसके तहत सूचना द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

7.1.2. ऐसी कोई भी सूचना अंग्रेजी भाषा में होगी और उसे हाथ से दिए जाने पर वास्तविक रूप से सौंपे जाने के समय, या फैक्स द्वारा भेजे जाने के अगले कार्य दिवस पर या किसी अन्य स्थिति में पूर्वोक्त रीति से डाक द्वारा भेजे जाने के 7 दिनों के भीतर दी गई मानी जाएगी।

7.2. पृथक्करणीयता

यदि इस समझौते में निहित नियमों, शर्तों या प्रावधानों में से कोई भी या उसका कोई भाग किसी भी सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी सीमा तक अमान्य, गैर-कानूनी या अप्रवर्तनीय निर्धारित किया जाता है, तो ऐसे नियम, शर्तें या प्रावधान उस सीमा तक शेष नियमों, शर्तों और प्रावधानों से पृथक कर दिए जाएंगे, जो कानून द्वारा अनुमत पूर्ण सीमा तक वैध और प्रवर्तनीय बने रहेंगे।

7.3. संपूर्ण समझौता

यह समझौता इस समझौते के विषय वस्तु के संबंध में पक्षकारों के बीच संपूर्ण समझौते और समझ का प्रतिनिधित्व करता है और पक्षकारों के बीच हुए किसी भी पूर्व समझौते या समझ, चाहे लिखित हो या मौखिक, को अधिक्रमित करता है।

7.4. संशोधन

इस समझौते में कोई भी परिवर्धन, संशोधन या रूपांतरण तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि वह लिखित रूप में न हो और दोनों पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षरित न हो।

7.5. समनुदेशन

इस तिथि के बाद लागू कानून में किसी भी परिवर्तन के बावजूद, जो अन्यथा इस समझौते के समनुदेशन की अनुमति दे सकता है, कोई भी पक्ष इस समझौते या इसके तहत या इसके अनुसरण में उत्पन्न होने वाले किसी भी अधिकार या दायित्व या इसमें किसी लाभ या हित का समनुदेशन नहीं कर सकता है अथवा इस समझौते या इसके तहत या इसके अनुसरण में उत्पन्न होने वाले किसी अधिकार या दायित्व या इसमें किसी लाभ या हित पर कोई प्रतिभूति निर्मित नहीं कर सकता है या उसे बनाए रखने की अनुमति नहीं दे सकता है।

7.6. कोई अधित्याग नहीं

उत्तर प्रदेश सरकार या प्राधिकरण की ओर से इस समझौते के तहत किसी भी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय का प्रयोग करने में कोई विफलता, और उनके प्रयोग में कोई देरी, उसके अधित्याग के रूप में कार्य नहीं करेगी, और न ही किसी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय का कोई एकल या आंशिक प्रयोग उसके किसी अन्य या आगे के प्रयोग या किसी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय के प्रयोग को रोकेगा। जब तक कि अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो, इस समझौते में प्रदान किए गए अधिकार, शक्तियां, विशेषाधिकार और उपाय संचयी हैं और किसी भी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय (चाहे कानून द्वारा प्रदान किए गए हों या अन्यथा) के अनन्य नहीं हैं।

जिसके साक्ष्य के रूप में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखे गए दिन और वर्ष को अपने विधिवत अधिकृत अधिकारियों और प्रतिनिधियों द्वारा इस समझौते को निष्पादित कराया है।

हस्ताक्षरित द्वारा:	साक्षीकृत द्वारा:
_____	_____
उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से और उनके निमित्त	
हस्ताक्षरित द्वारा:	साक्षीकृत द्वारा:
_____	_____
प्राधिकरण की ओर से और उसके निमित्त	
हस्ताक्षरित द्वारा:	साक्षीकृत द्वारा:
_____	_____
रियायतग्राही की ओर से और उसके निमित्त	

****

53. परिभाषाएं

53.16. परिभाषाएं

इस करार में, निम्नलिखित शब्दों और अभिव्यक्तियों का, जब तक संदर्भ या उनके अर्थ के विपरीत न हो, वही अर्थ होगा जो इसके बाद उन्हें क्रमशः सौंपा गया है:

"एएआई" का अर्थ है भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत स्थापित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण;

"अधिनियम" का वही अर्थ होगा जो खंड 49.3 के अंतर्गत इसे सौंपा गया है;

"एईआर" का अर्थ है एईआर अधिनियम के अंतर्गत स्थापित भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण, और इसमें लागू कानूनों के अनुसार एईआर के कार्यों और प्राधिकारों को प्रतिस्थापित या अधिक्रमित करने वाला कोई अन्य विनियामक प्राधिकरण शामिल होगा;

"एईआर अधिनियम" का अर्थ है विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 2008, जैसा समय-समय पर संशोधित, परिवर्तित और अधिक्रमित हो;

"एटीसी" का अर्थ है विमान यातायात नियंत्रण, और इसमें हवाईअड्डे पर स्थित टावर तथा संबद्ध भवन और उपकरण शामिल हैं;

"एटीसी सुविधा" का अर्थ है हवाईअड्डे पर वायु यातायात सेवा परिसर, जिसमें एटीसी टावर, तकनीकी ब्लॉक और इसके कर्मियों के लिए संलग्न पार्किंग सहित कार्यालय आवास शामिल है, जिसमें वातानुकूलन तथा बिजली और पानी की निरंतर आपूर्ति का प्रावधान है;

"लेखा वर्ष" का अर्थ है किसी भी कैलेंडर वर्ष की 1 अप्रैल से प्रारंभ होने वाला और अगले कैलेंडर वर्ष की 31 मार्च को समाप्त होने वाला वित्तीय वर्ष;

"अतिरिक्त अंकेक्षक" का वही अर्थ होगा जो खंड 38.2.3 में निर्धारित है;

"अतिरिक्त समाप्ति भुगतान" का अर्थ है विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियों के संबंध में समाप्ति पर देय राशि, यदि कोई हो, जैसा खंड 42.4.3, 42.4.4 और 42.4.5 के प्रावधानों द्वारा सीमित हो, जैसा भी मामला हो;

"समायोजित मूल्यह्रासित मूल्य" का अर्थ है किसी परिसंपत्ति के मूल्यह्रासित बही मूल्य (जैसा रियायतग्राही के लेखा बहियों में बताया गया हो, सिवाय भवनों और स्थायी संरचनाओं के मामले में जहां मूल्यह्रासित बही मूल्य लिखित-डाउन मूल्य पद्धति के आधार पर 3% (तीन प्रतिशत) की वार्षिक मूल्यह्रास दर लागू करके निर्धारित किया जाएगा) को समायोजित करने के बाद प्राप्त राशि, ताकि इसकी खरीद की तारीख और हस्तांतरण तिथि के बीच मूल्य सूचकांक में होने वाले परिवर्तन को दर्शाया जा सके;

"समायोजित इक्विटी" का अर्थ है भारतीय रुपयों में वित्तपोषित इक्विटी जिसे वर्तमान माह के पहले दिन ("संदर्भ तिथि") पर, मूल्यह्रास और मूल्य सूचकांक में परिवर्तनों के खाते में इसके मूल्य में परिवर्तन को दर्शाने के लिए, नीचे निर्धारित रीति से समायोजित किया गया हो, और होने वाली किसी भी संदर्भ तिथि के लिए:

चरण-I के सीओडी पर या उससे पहले, समायोजित इक्विटी भारतीय रुपयों में वित्तपोषित और परियोजना पर व्यय की गई इक्विटी के बराबर एक राशि होगी, जिसे नियत तिथि के माह के पहले दिन और संदर्भ तिथि के बीच होने वाले मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के आधे के अनुसार संशोधित किया जाएगा;

(ग) चरण-I के सीओडी से और उसकी चौथी वर्षगांठ तक, चरण-I के सीओडी पर समायोजित इक्विटी के बराबर राशि को आधार ("आधार समायोजित इक्विटी") माना जाएगा और इस अंतर्गत समायोजित इक्विटी आधार समायोजित इक्विटी के बराबर एक राशि होगी, जिसे चरण-I के सीओडी का अनुसरण करने वाले प्रत्येक माह के प्रारंभ में चरण-I के सीओडी और संदर्भ तिथि के बीच होने वाले मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के अनुसार संशोधित किया जाएगा; और

(घ) चरण-I के सीओडी की चौथी वर्षगांठ के बाद, इस अंतर्गत समायोजित इक्विटी आधार समायोजित इक्विटी के बराबर एक राशि होगी, जिसे चरण-I के सीओडी की चौथी वर्षगांठ का अनुसरण करने वाले प्रत्येक माह के प्रारंभ में इसके 0.17% (शून्य दशमलव एक सात प्रतिशत) से घटाया जाएगा और इस प्रकार प्राप्त राशि को चरण-I के सीओडी और संदर्भ तिथि के बीच होने वाले मूल्य सूचकांक में परिवर्तन के अनुसार संशोधित किया जाएगा;

और पूर्वोक्त, यथोचित परिवर्तनों सहित, खंड 12.8 और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के विस्तार के लिए वित्तपोषित और व्यय की गई भारतीय रुपयों में इक्विटी पर लागू होगा। संदेह की निवृत्ति के लिए, समायोजित इक्विटी की, समाप्ति की स्थिति में, हस्तांतरण तिथि से ठीक पूर्ववर्ती संदर्भ तिथि पर गणना की जाएगी; बशर्ते कि समायोजित इक्विटी में उस अवधि के बराबर अवधि के लिए कोई कमी नहीं की जाएगी, यदि कोई हो, जिसके लिए रियायत अवधि का विस्तार किया गया है, किंतु मूल्य सूचकांक के खाते में संशोधन जारी रहेगा;

"वैमानिकी परिसंपत्तियां" का अर्थ है वे परिसंपत्तियां जो हवाईअड्डे पर वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के लिए आवश्यक या अपेक्षित हैं और इसमें ऐसी अन्य परिसंपत्तियां शामिल होंगी जिन्हें रियायतग्राही इस करार के प्रावधानों के अनुसार, वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के लिए या उसके संबंध में, समय-समय पर खरीद सकता है, और इसमें गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां और सिटी साइड विकास शामिल नहीं हैं;

"वैमानिकी प्रभार" का अर्थ है एईआर द्वारा अनुमोदित वैमानिकी सेवाओं के लिए प्रभार, जिन्हें रियायतग्राही द्वारा लगाया, एकत्रित और विनियोजित किया जा सकता है;

"वैमानिकी राजस्व" का अर्थ है लागू कानूनों के अनुसार एईआर द्वारा निर्धारित समग्र राजस्व आवश्यकता;

"वैमानिकी सेवाएं" का वही अर्थ है जो हवाईअड्डे पर प्रदान की जाने वाली सेवाओं के संबंध में एईआर अधिनियम में निर्धारित है;

"प्रभावित पक्षकार" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.1 में निर्धारित है;

"करार" या "रियायत करार" का अर्थ है यह करार, इसकी प्रस्तावनाएं, इसकी अनुसूचियां तथा इस करार में निहित प्रावधानों के अनुसार किए गए इसमें कोई भी संशोधन;

"विमान ईंधन भरण सेवाएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 18.3.1 में निर्धारित है;

"एयरफील्ड लाइटिंग प्रणाली" का अर्थ है हवाईअड्डे पर प्रकाश व्यवस्था प्रणालियां, जिसमें रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच के संबंध में वे प्रणालियां शामिल हैं जो संबंधित आईसीएओ

दस्तावेजों और अनुबंधों में निहित प्रावधानों के अनुसार विमान संचालन और वायुक्षेत्र श्रेणी हवाई अड्डों के लिए अपेक्षित हैं;

"हवाईअड्डा" का अर्थ है प्रस्तावनाओं में विनिर्दिष्ट स्थान पर स्थित हवाईअड्डा, और इसमें सिविल, मैकेनिकल और विद्युत कार्य, टर्मिनल भवन, रनवे और हवाईअड्डे के संचालन के लिए आवश्यक तथा उससे संबद्ध सभी परियोजना परिसंपत्तियां शामिल हैं, और इसमें सिटी साइड विकास भी शामिल होगा;

"उपांग" का वही अर्थ होगा जो खंड 10.3.1 में निर्धारित है;

"लागू कानून" का अर्थ है जीओआई या राज्य सरकार द्वारा बल और प्रभाव में लाए गए सभी कानून, जिसमें उनके अंतर्गत बनाए गए नियम, विनियम और अधिसूचनाएं, तथा इस करार पर तथा इसके अंतर्गत पक्षकारों के संबंधित अधिकारों और दायित्वों के प्रयोग, निष्पादन और निर्वहन पर लागू किसी भी अभिलेख न्यायालय के निर्णय, डिक्री, व्यादेश, रिट और आदेश शामिल हैं, जैसा इस करार के अस्तित्व के दौरान बल और प्रभाव में हो;

"लागू अनुज्ञप्तियां" का अर्थ है इस करार के अस्तित्व के दौरान हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और रखरखाव के संबंध में लागू कानूनों के अंतर्गत प्राप्त या बनाए रखने के लिए अपेक्षित सभी क्लीयरेंस, लाइसेंस, अनुज्ञाएं, प्राधिकरण, अनापत्ति प्रमाणपत्र, सहमतियां, अनुमोदन और छूटें;

"नियत तिथि" का अर्थ है वह तारीख जिसको वित्तीय समापन प्राप्त होता है और इस करार के प्रावधानों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, प्रत्येक पूर्ववर्ती शर्त या तो पूर्ण होती है या इसका त्याग किया जाता है, और ऐसी तारीख रियायत अवधि के प्रारंभ की तारीख होगी;

"अनुमोदित मूल्यांकनकर्ता" का अर्थ है आयकर विभाग द्वारा ऐसे रूप में मान्यता प्राप्त मूल्यांकनकर्ताओं की एक फर्म तथा जिसे प्रत्येक रु. 100 करोड़ (एक सौ करोड़ रुपये) से अधिक मूल्य की कम से कम 5 (पांच) संपत्तियों के मूल्यांकन का अनुभव हो;

"वास्तुशिल्प डिजाइन" का वही अर्थ होगा जो खंड 12.1.2 में निर्धारित है;

"सहयोगी" या "संबद्ध कंपनी" का अर्थ है, किसी भी पक्षकार के संबंध में, ऐसा व्यक्ति जो ऐसे पक्षकार को नियंत्रित करता है, उसके द्वारा नियंत्रित है, या उसके साथ सामान्य नियंत्रण

के अंतर्गत है (इस परिभाषा में प्रयुक्त, "नियंत्रण" की अभिव्यक्ति का अर्थ, किसी ऐसे व्यक्ति के संबंध में जो एक कंपनी या निगम है,

(च) ऐसे व्यक्ति के मतदान शेयरों के 50% (पचास प्रतिशत) से अधिक का प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष स्वामित्व; या

(छ) एक करार के आधार पर ऐसे व्यक्ति के मतदान अधिकारों का 50% (पचास प्रतिशत) से अधिक धारण करना; या

(ज) किसी संविधि या करार के अंतर्गत ऐसे व्यक्ति के नीतिगत निर्णयों को शासित करने की शक्ति; या

(झ) निदेशक मंडल के बहुसंख्यक सदस्यों को नियुक्त या हटाना; या

(ञ) निदेशक मंडल की बैठक में बहुसंख्यक मत डालना; और ऐसे व्यक्ति के संबंध में जो कंपनी या निगम नहीं है, कानून के प्रवर्तन द्वारा या संविदा द्वारा या अन्यथा ऐसे व्यक्ति के प्रबंधन और नीतियों को निर्देशित करने की शक्ति।

"प्राधिकरण" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावनाओं में निर्धारित पक्षकारों की सूची में इसे बताया गया है;

"प्राधिकरण की ओर से चूक" का वही अर्थ होगा जो खंड 42.2.1 में निर्धारित है;

"प्राधिकरण प्रतिनिधि" का अर्थ है ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति जिसे प्राधिकरण द्वारा इस करार के अंतर्गत उसकी ओर से कार्य करने के लिए लिखित रूप में प्राधिकृत किया जा सकता है और इसमें ऐसा कोई भी व्यक्ति या व्यक्ति शामिल होंगे जिन्हें इस करार के अंतर्गत प्राधिकरण के किसी भी अधिकार का प्रयोग करने या किसी भी दायित्व को निष्पादित और पूरा करने का प्राधिकार हो;

"औसत दैनिक राजस्व" का अर्थ है ठीक पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की कुल फीस को 365 (तीन सौ पैंसठ) से विभाजित करके प्राप्त राशि, तथा उसके भागफल को 5% (पांच प्रतिशत) से बढ़ाना; बशर्ते कि चरण-I के सीओडी के बाद पहले लेखा वर्ष के पूर्ण होने से पूर्व किसी भी अवधि के लिए औसत दैनिक राजस्व, चरण-I के सीओडी और इस अंतर्गत गणना की आवश्यकता वाली

घटना घटित होने की तारीख से ठीक पूर्ववर्ती माह के अंतिम दिन के बीच प्रतिदिन एकत्रित फीस का एक साधारण औसत होगा, और यदि यातायात के किसी भाग द्वारा देय फीस किसी भी कारण से प्राप्त नहीं हुई है, तो ऐसी अवधि के औसत दैनिक राजस्व का भाग बनाने के लिए स्वतंत्र अभियंता द्वारा इसका एक आकलन किया जाएगा;

"पंचाट" का वही अर्थ होगा जो खंड 49.3.3 में निर्धारित है;

"बीसीएएस" का अर्थ है नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो;

"बैंक" का अर्थ है भारत में निगमित तथा रु. 1,000 करोड़ (एक हजार करोड़ रुपये) की न्यूनतम शुद्ध संपत्ति रखने वाला एक बैंक या वरिष्ठ ऋणदाताओं को स्वीकार्य कोई अन्य बैंक;

"बैंक दर" का अर्थ है भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 49 के अनुसरण में समय-समय पर भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विनिर्दिष्ट ब्याज दर या तत्समय प्रभावी ऐसी बैंक दर का कोई प्रतिस्थापन;

"बोली" का अर्थ है अर्हता अनुरोध सह प्रस्ताव के अनुसरण में चयनित बोलीदाता द्वारा उसके प्रावधानों के अनुसार प्रस्तुत बोली में सम्मिलित संपूर्णता में दस्तावेज तथा "बोलियों" का अर्थ किसी भी और सभी बोलीदाताओं द्वारा प्रस्तुत बोलियां होंगी;

"बोली तिथि" का अर्थ है अर्हता अनुरोध सह प्रस्ताव के प्रावधानों के अनुसार बोली प्रस्तुत किए जाने की अंतिम तारीख;

"बोली प्रतिभूति" का अर्थ है अर्हता अनुरोध सह प्रस्तावों के अनुसार बोली के साथ रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को प्रदान की गई प्रतिभूति, जो निष्पादन प्रतिभूति द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने तक बल में बनी रहेगी;

"सीएनएस/एटीएम उपकरण" का अर्थ है सीएनएस/एटीएम सेवाओं के निष्पादन के लिए नामित जीओआई अभिकरण द्वारा अपेक्षित सभी उपकरण;

"सीएनएस/एटीएम सेवाएं" का अर्थ है संचार, नेविगेशन और निगरानी, तथा वायु यातायात प्रबंधन सेवाएं जो हवाईअड्डे पर ऐसे वायुक्षेत्र के पार्श्विक और उर्ध्वाधर सीमाओं के भीतर वायुक्षेत्र विन्यास के अनुरूप प्रदान की जानी हैं, और इसमें शामिल हैं:

(ङ) एप्रन नियंत्रण को छोड़कर सतह संचलन नियंत्रण या भू-नियंत्रण सहित एयरोड्रोम नियंत्रण सेवा;

(च) एप्रोच नियंत्रण/एप्रोच रडार नियंत्रण सेवा;

(छ) क्षेत्र नियंत्रण/क्षेत्र रडार नियंत्रण सेवा (यदि योजनाबद्ध हो); और

(ज) संबद्ध सेवाएं जैसे वैमानिकी सूचना सेवा, उड़ान सूचना सेवा, परामर्शी सेवा, चेतावनी सेवा और खोज व बचाव समन्वय सेवाएं, जैसा उपयुक्त हो, सभी संबंधित आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों में निहित प्रावधानों के अनुसार तथा हवाईअड्डे पर विमान संचालन के लिए अपेक्षित;

"सीओडी" या "वाणिज्यिक संचालन तिथि" का वही अर्थ होगा जो खंड 15.1 में निर्धारित है;

"सीपीआई (आईडब्लू)" का अर्थ है श्रम ब्यूरो, भारत सरकार द्वारा प्रकाशित औद्योगिक श्रमिकों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक और इसमें सीपीआई (आईडब्लू) को प्रतिस्थापित करने वाला कोई भी सूचकांक शामिल होगा, तथा सीपीआई (आईडब्लू) के किसी भी संदर्भ का, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, पूर्ववर्ती तिमाही के साथ समाप्त होने वाली अवधि के लिए प्रकाशित सीपीआई (आईडब्लू) के संदर्भ के रूप में निर्वचन किया जाएगा;

"कार पार्क" का वही अर्थ होगा जो खंड 12.6.1 में निर्धारित है;

"कार्गो सुविधाएं" का अर्थ है इस करार के अनुच्छेद 21 के प्रावधानों के अनुसार आवक और जावक कार्गो के संचालन के लिए अपेक्षित रियल एस्टेट, भवन, संरचनाएं और उपकरण, जिसमें उसका अल्पकालिक भंडारगृहीकरण भी शामिल है, जैसा भी मामला हो;

"कानून में परिवर्तन" का अर्थ है बोली तिथि के बाद निम्नलिखित में से किसी की घटना:

(च) किसी नए भारतीय कानून का अधिनियमन;

(छ) किसी विद्यमान भारतीय कानून का निरसन, संशोधन या पुनःअधिनियमन;

(ज) किसी भारतीय कानून का प्रारंभ जो बोली तिथि तक प्रभावी नहीं हुआ था;

(झ) किसी अभिलेख न्यायालय के निर्णय द्वारा किसी भारतीय कानून के निर्वचन या अनुप्रयोग में परिवर्तन जो अंतिम, निर्णायक और बाध्यकारी हो गया हो, जैसा बोली तिथि से पूर्व किसी अभिलेख न्यायालय द्वारा ऐसे निर्वचन या अनुप्रयोग की तुलना में हो; या

(ञ) परियोजना पर प्रत्यक्ष प्रभाव रखने वाले किसी भी करों की दरों में कोई परिवर्तन;

"स्वामित्व में परिवर्तन" का अर्थ है किसी भी शेयरों, या शेयरों में परिवर्तनीय प्रतिभूतियों के प्रत्यक्ष और/या अप्रत्यक्ष विधिक या हितलाभी स्वामित्व का हस्तांतरण, जो (i) चयनित बोलीदाता की, उसके सहयोगियों सहित, कुल इक्विटी में समग्र धारिता को चरण-I के सीओडी की 7वीं (सातवीं) वर्षगांठ तक 51% (इक्यावन प्रतिशत) से नीचे गिरने का कारण बनता है, और (ii) प्रत्येक कंसोर्शियम सदस्य की, उसके सहयोगियों सहित, इक्विटी धारिता को, जिनकी तकनीकी और वित्तीय क्षमता का मूल्यांकन आरएफक्यू-सीयूएस-आरएफपी के अनुसरण में पूर्व-अर्हता और लघु-सूचीकरण के प्रयोजनों के लिए किया गया था, चरण-I के सीओडी की 7वीं (सातवीं) वर्षगांठ तक 26% (छब्बीस प्रतिशत) से नीचे गिरने का कारण बनता है; बशर्ते कि चयनित बोलीदाता की कुल इक्विटी में इक्विटी धारिता के अनुपात में कोई भी सारभूत परिवर्तन (बोली प्रक्रिया के दौरान पात्रता की न्यूनतम शर्तों को पूरा करने के प्रयोजनों के लिए या उसके आवेदन या बोली के मूल्यांकन के लिए रियायतग्राही द्वारा किए गए प्रतिनिधित्वों की तुलना में, जैसा भी मामला हो), यदि यह चरण-I के सीओडी से पूर्व होता है, तो स्वामित्व में परिवर्तन होगा;

"क्षेत्र परिवर्तन" का वही अर्थ होगा जो खंड 16.1 में निर्धारित है;

"क्षेत्र परिवर्तन आदेश" का वही अर्थ होगा जो खंड 16.2.3 में निर्धारित है;

"क्षेत्र परिवर्तन सूचना" का वही अर्थ होगा जो खंड 16.2.1 में निर्धारित है;

"चेक-इन सेवाएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 19.6.1 में निर्धारित है;

"शिकागो अभिसमय" का अर्थ है शिकागो अभिसमय 1944, जैसा समय-समय पर संशोधित और/या पूरक हो; और शिकागो अभिसमय के किसी "अनुबंध" के संदर्भों का अर्थ ऐसे अनुबंध से होगा, जैसा समय-समय पर संशोधित और/या पूरक हो;

“सिटी साइड” का अर्थ है साइट का भाग बनने वाली रियल एस्टेट जो अनुसूची-क में सिटी साइड के रूप में चिह्नित है;

“सिटी साइड विकास” का वही अर्थ होगा जो खंड 3.2 में निर्धारित है;

“कंपनी” का अर्थ है इस करार के अंतर्गत रियायतग्राही के रूप में कार्य करने वाली कंपनी;

“शिकायतकर्ता” का वही अर्थ होगा जो खंड 51.1 में निर्धारित है;

“शिकायत रजिस्टर” का वही अर्थ होगा जो खंड 51.1 में निर्धारित है;

“पूर्णता प्रमाणपत्र” का वही अर्थ होगा जो खंड 14.2 में निर्धारित है;

“रियायत” का वही अर्थ होगा जो खंड 3.1.1 में निर्धारित है;

“रियायतग्राही” का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावनाओं में निर्धारित पक्षकारों की सूची में इसे बताया गया है;

“रियायत फीस” का वही अर्थ होगा जो खंड 31.1 में निर्धारित है;

“रियायत अवधि” का अर्थ है नियत तिथि से प्रारंभ होकर और हस्तांतरण तिथि पर समाप्त होने वाली अवधि;

“रियायतग्राही की ओर से चूक” का वही अर्थ होगा जो खंड 42.1.1 में निर्धारित है;

“समवर्ती अंकेक्षक” का वही अर्थ होगा जो खंड 38.2.4 में निर्धारित है;

“पूर्ववर्ती शर्तें” का वही अर्थ होगा जो खंड 4.1.1 में निर्धारित है;

“कंसोर्शियम” का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (ई) में निर्धारित है;

“कंसोर्शियम सदस्य” का अर्थ है प्रस्तावना (ई) में कंसोर्शियम के सदस्य के रूप में विनिर्दिष्ट एक कंपनी;

“निर्माण अवधि” का अर्थ है नियत तिथि से प्रारंभ होकर चरण-I के लिए सीओडी पर समाप्त होने वाली अवधि तथा बाद के चरणों के संबंध में, ऐसी अवधि प्राधिकरण द्वारा इस प्रकार अधिसूचित तारीख से प्रारंभ होगी और उस चरण के संबंधित सीओडी पर समाप्त होगी;

"निर्माण कार्य" का अर्थ है इस करार के अनुसार हवाईअड्डे को पूर्ण करने के लिए आवश्यक सभी कार्य और चीजें और इसमें वैमानिकी परिसंपत्तियां, गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां, परियोजना सुविधाएं और रियायत अवधि के दौरान किसी भी समय हवाईअड्डे पर किए गए कोई अन्य निर्माण कार्य शामिल हैं;

"ठेकेदार" का अर्थ है वह व्यक्ति या व्यक्ति, जैसा भी मामला हो, जिनके साथ रियायतग्राही ने ईपीसी संविदा, औ ओर एस संविदाओं या हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और/या रखरखाव या इससे संबद्ध मामलों के लिए किसी अन्य सारभूत करार या संविदा में प्रवेश किया हो, किंतु इसमें ऐसा व्यक्ति शामिल नहीं है जिसने रियायतग्राही को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए एक करार में प्रवेश किया हो;

"उपचार अवधि" का अर्थ है इस करार में ऐसे उल्लंघन या डिफॉल्ट के लिए उत्तरदायी पक्षकार द्वारा इस करार के किसी भी प्रावधान के किसी भी उल्लंघन या डिफॉल्ट को ठीक करने के लिए विनिर्दिष्ट अवधि और यह:

(घ) उस तारीख से प्रारंभ होगी जिसको एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को उसमें विनिर्दिष्ट उल्लंघन या डिफॉल्ट को ठीक करने के लिए कहते हुए एक सूचना सुपुर्द की जाती है;

(ङ) इस करार के प्रावधानों के अंतर्गत क्षतियों या प्रतिकर का भुगतान करने के दायित्व से किसी भी पक्षकार को मुक्त नहीं करेगी; और

(च) इस करार के अंतर्गत निलंबन की किसी भी अवधि द्वारा किसी भी रीति से विस्तारित नहीं की जाएगी;

बशर्ते कि यदि रियायतग्राही द्वारा किसी उल्लंघन के उपचार के लिए रियायतग्राही द्वारा कोई युक्तियुक्त कार्रवाई अपेक्षित हो जिसे इस अंतर्गत प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए, तो लागू उपचार अवधि को प्राधिकरण या स्वतंत्र अभियंता द्वारा अपना अनुमोदन देने में लिए गए समय से बढ़ाया जाएगा;

"डीबीएफओटी" या "डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (क) में निर्धारित है;

"डीजीसीए" का अर्थ है नागर विमानन महानिदेशालय या उसका कोई प्रतिस्थापन;

"क्षतियां" का वही अर्थ होगा जो खंड 1.2.1 के उप-खंड (एक्स) में निर्धारित है;

"ऋण देय" का अर्थ है हस्तांतरण तिथि पर बकाया, भारतीय रुपयों में व्यक्त, निम्नलिखित राशियों का समग्र योग:

(घ) कुल परियोजना लागत ("मूलधन") के वित्तपोषण के लिए वित्तपोषण करारों के अंतर्गत वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा प्रदान की गई ऋण की मूलधन राशि, किंतु हस्तांतरण तिथि से 2 (दो) वर्ष पूर्व चुकौती के लिए देय हो गए मूलधन के किसी भी भाग को छोड़कर;

(ङ) उपरोक्त उप-खंड (के) में संदर्भित ऋण पर या उसके संबंध में हस्तांतरण तिथि तक वित्तपोषण करारों के अंतर्गत देय सभी उपचित ब्याज, वित्तपोषण फीस और प्रभार, किंतु (i) हस्तांतरण तिथि से 1 (एक) वर्ष पूर्व देय हो गए किसी ब्याज, फीस या प्रभारों, (ii) किसी वरिष्ठ ऋणदाता को वित्तपोषण करारों के अंतर्गत देय किसी दंड ब्याज या प्रभारों, और (iii) ऋण की त्वरित चुकौती के संबंध में किसी पूर्व-भुगतान प्रभारों को छोड़कर, सिवाय जहां ऐसे प्रभार प्राधिकरण डिफॉल्ट के कारण उत्पन्न हुए हों; और

(च) वित्तीय पैकेज में शामिल और कुल परियोजना लागत के वित्तपोषण के लिए ऋणदाताओं द्वारा संवितरित कोई अधीनस्थ ऋण;

बशर्ते कि यदि ऋण देय का सभी या कोई भाग वरिष्ठ ऋणदाताओं और/या रियायतग्राही के विकल्प पर इक्विटी में परिवर्तनीय हो, तो इसे इस करार के प्रयोजनों के लिए ऐसे परिवर्तन के बाद भी ऋण देय माना जाएगा और इसके मूलधन को इस प्रकार व्यवहार किया जाएगा मानो ऐसा परिवर्तन नहीं किया गया हो;

आगे बशर्ते कि चरण-I के सीओडी पर या उसके बाद ऋण देय किसी भी स्थिति में कुल परियोजना लागत के 70% (सत्तर प्रतिशत) से अधिक नहीं होगा;

"ऋण सेवा" का अर्थ है वित्तपोषण करारों की शर्तों के अनुसार, लेखा वर्ष में वरिष्ठ ऋणदाताओं को देय और भुगतान योग्य मूलधन, ब्याज, वित्तपोषण फीस और प्रभारों के खाते में सभी भुगतानों का योग;

"मानित निष्पादन प्रतिभूति" का वही अर्थ होगा जो खंड 9.4 में निर्धारित है;

"रक्षा बल" का अर्थ है भारतीय थल सेना, नौसेना या वायुसेना और इसमें भारत की रक्षा में संलग्न अर्धसैनिक बल शामिल हैं;

"नामित जीओआई अभिकरण" का अर्थ है जीओआई के नियंत्रण के अंतर्गत तथा सीमा शुल्क नियंत्रण, आप्रवासन नियंत्रण, संगरोध, वायु यातायात नियंत्रण या हवाई अड्डा सुरक्षा जैसे सांविधिक कार्यों को सौंपा गया एक विभाग या अन्य संस्था;

"विकास अवधि" का अर्थ है इस करार की तारीख से नियत तिथि तक की अवधि;

"विकास योजना" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची क के परिशिष्ट II की खंड 8 में निर्धारित है

"निदेशक" का अर्थ है रियायतग्राही का एक निदेशक जिसे कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार नियुक्त किया गया हो;

"विवाद" का वही अर्थ होगा जो खंड 49.1.1 में निर्धारित है;

"विवाद समाधान प्रक्रिया" का अर्थ है अनुच्छेद 49 में निर्धारित विवादों के समाधान की प्रक्रिया;

"विनिवेश आवश्यकताएं" का अर्थ है खंड 43.1 में निर्धारित समाप्ति के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही के दायित्व;

"दस्तावेज" या "प्रलेखन" का अर्थ है मुद्रित या लिखित रूप में, या टेपों, डिस्कों, रेखाचित्रों, कंप्यूटर कार्यक्रमों, लेखनों, रिपोर्टों, फोटोग्राफों, फिल्मों, कैसेटों में, या किसी अन्य लिखित, इलेक्ट्रॉनिक, ऑडियो या दृश्य रूप में व्यक्त प्रलेखन;

"रेखाचित्र" का अर्थ है अनुसूची-H में निर्धारित हवाईअड्डे से संबंधित सभी रेखाचित्र, गणनाएं और दस्तावेज, और इसमें हवाईअड्डे के 'जैसा निर्मित' रेखाचित्र शामिल होंगे;

"ईपीसी संविदा" का अर्थ है इस करार के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे की अभियांत्रिकी और निर्माण के लिए, अन्य बातों के साथ, रियायतग्राही द्वारा एक या अधिक ठेकेदारों के साथ प्रवेश की गई अभियांत्रिकी, खरीद और निर्माण संविदा या संविदाएं;

"ईपीसी ठेकेदार" का अर्थ है वह व्यक्ति जिसके साथ रियायतग्राही ने एक ईपीसी संविदा में प्रवेश किया हो;

"आपातकाल" का अर्थ है ऐसी स्थिति या परिस्थिति जो हवाईअड्डे पर या उसके आसपास व्यक्तियों की सुरक्षा को खतरे में डालने की संभावना रखती है या जो किसी भी परियोजना परिसंपत्तियों को सारभूत क्षति का तत्काल खतरा उत्पन्न करती है, और इसमें सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा शामिल है;

"भार" का अर्थ है, हवाईअड्डे और सिटी साइड विकास के संबंध में, कोई भी भार जैसे बंधक, प्रभार, प्रतिज्ञा, धारणाधिकार, हाइपोथिकेशन, प्रतिभूति हित, समनुदेशन, विशेषाधिकार या किसी भी प्रकार की प्राथमिकता जिसका प्रभाव प्रतिभूति या ऐसे अन्य दायित्वों का हो, और इसमें कोई भी

हवाईअड्डे से संबंधित किसी भी बीमा पॉलिसी के अंतर्गत हानि प्राप्तकर्ताओं या लाभार्थियों का नामांकन या कोई समान व्यवस्था शामिल है, जहां यहां लागू हो किंतु खंड 11.1 में संदर्भित उपयोगिताओं को छोड़कर;

"इक्विटी" का अर्थ है कुल परियोजना लागत के इक्विटी घटक को पूरा करने के लिए रियायतग्राही की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी का प्रतिनिधित्व करने वाली भारतीय रुपयों में व्यक्त राशि, और इस करार के प्रयोजनों के लिए इसमें परिवर्तनीय लिखतें या पूंजी के अन्य समान रूप शामिल होंगे, जो कंपनी की इक्विटी शेयर पूंजी में अनिवार्य रूप से परिवर्तित होंगे, और ऐसे इक्विटी घटक को पूरा करने के लिए कंपनी के किसी भी शेयरधारक द्वारा अग्रिम किया गया कोई भी ब्याज-मुक्त निधि शामिल होगा;

"एस्क्रो खाता" का अर्थ है वह खाता जिसे रियायतग्राही एक बैंक के साथ खोलेगा और बनाए रखेगा, जिसमें इस करार के प्रावधानों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, पूंजीगत और राजस्व प्राप्तियों और व्ययों के खाते में नकदी के सभी अंतर्वाह और बहिर्वाह जमा और नामे किए जाएंगे, और इसमें ऐसे एस्क्रो खाते के उप-खाते शामिल हैं;

"एस्क्रो करार" का वही अर्थ होगा जो खंड 36.1.2 में निर्धारित है;

"एस्क्रो बैंक" का वही अर्थ होगा जो खंड 36.1.1 में निर्धारित है;

"एस्क्रो डिफॉल्ट" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची-टी में निर्धारित है;

"छूट प्राप्त व्यक्ति" का अर्थ है:

(द) भारत के राष्ट्रपति;

(ध) भारत के उपराष्ट्रपति;

(न) भारत के प्रधानमंत्री;

(ऩ) भारत के मुख्य न्यायाधीश;

(प) राज्यपाल और उपराज्यपाल;

(फ) संघ मंत्री;

(ब) मुख्यमंत्री;

(भ) भारत के उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश;

(म) केंद्रीय और राज्य विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारी;

(य) उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीश और; उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश;

(र) सभी राज्य सरकारों के मंत्री;

(ऱ़) राजकीय यात्रा पर विदेशी गणमान्य व्यक्ति;

(ल) जीओआई द्वारा इस रूप में अधिसूचित व्यक्ति;

(ळ) कानून और व्यवस्था बनाए रखने में संलग्न व्यक्ति;

(ऴ) अग्निशमन कर्मी और आपातकालीन चिकित्सा सेवा पर व्यक्ति;

(व) निरीक्षण, सर्वेक्षण, निर्माण, या उसके संचालन और रखरखाव के लिए टर्मिनल भवन में प्रवेश करने वाले व्यक्ति; और

(श) कोई भी व्यक्ति जिसे टर्मिनल भवन में प्रवेश के लिए या आरक्षित कार पार्क के उपयोग के लिए प्राधिकरण द्वारा एक पास जारी किया गया है; बशर्ते कि ऐसे व्यक्ति का नाम और विवरण रियायतग्राही को तत्काल अधिसूचित किया जाएगा;

"फीस" का अर्थ है (क) एईआरए अधिनियम और इस करार के प्रावधानों के अनुसार एईआरए द्वारा निर्धारित या संशोधित और अनुमोदित दरों के अनुसार किसी भी या सभी वैमानिकी सेवाओं का लाभ उठाने के लिए; और (ख) गैर-वैमानिकी सेवाओं के लिए किसी उपयोगकर्ता द्वारा लगाया और देय प्रभार;

"वित्तीय समापन" का अर्थ है वित्तपोषण करारों के अंतर्गत निधियों की प्रारंभिक उपलब्धता के लिए सभी पूर्ववर्ती शर्तों की पूर्ति;

"वित्तीय की ओर से चूक" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची-डब्लू में निर्धारित है;

"वित्तीय मॉडल" का अर्थ है वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा अपनाया गया वित्तीय मॉडल, जो परियोजना की पूंजीगत और परिचालन लागतों तथा उससे राजस्वों को निर्धारित करता है, जिसके आधार पर वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा परियोजना की वित्तीय व्यवहार्यता निर्धारित की गई है, और इसमें गणनाओं और अनुमानों के लिए उपयोग की गई मान्यताओं और मापदंडों का विवरण शामिल है;

"वित्तीय पैकेज" का अर्थ है वित्तपोषण पैकेज जो हवाईअड्डे की कुल पूंजीगत लागत और उसके वित्तपोषण के साधन को दर्शाता है, जैसा वित्तीय मॉडल में निर्धारित और वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा अनुमोदित हो, और इसमें इक्विटी, वित्तपोषण करारों में विनिर्दिष्ट सभी वित्तीय सहायता, अधीनस्थ ऋण शामिल हैं;

"वित्तपोषण करार" का अर्थ है वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा ऋण, गारंटी, गैर-परिवर्तनीय डिबेंचरों की सदस्यता और अन्य ऋण लिखतों के माध्यम से प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता के संबंध में रियायतग्राही द्वारा निष्पादित करार, जिसमें ऋण करार, गारंटी, नोट, डिबेंचर, बॉन्ड और अन्य ऋण लिखत, प्रतिभूति करार, तथा परियोजना के संबंधित चरणों के वित्तपोषण (पुनर्वित्तपोषण सहित) से संबंधित अन्य दस्तावेज शामिल हैं, जिसमें विदेशी उधारियों के मामले में कोई हेजिंग व्यवस्थाएं शामिल हैं तथा इसमें खंड 5.2.2 के अनुसार किए गए संशोधन या परिवर्तन शामिल हैं;

"फोर्स मेज्योर" या "फोर्स मेज्योर घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.1 में इसे सौंपा गया है;

"फोर्स मेज्योर लागतें" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.7.2 में निर्धारित है;

"जीओआई" का अर्थ है भारत सरकार;

"गोल्डन शेयर" का वही अर्थ होगा जो खंड 5.4.1 में निर्धारित है;

"अच्छा उद्योग व्यवहार" का अर्थ है वे व्यवहार, विधियां, तकनीकें, डिजाइन, मानक, कौशल, तत्परता, दक्षता, विश्वसनीयता और विवेक जो इस करार के अंतर्गत परिकल्पित समान प्रकार के उपक्रम में संलग्न एक युक्तियुक्त रूप से कुशल और अनुभवी संचालक से सामान्यतः और युक्तियुक्त रूप से अपेक्षित हैं तथा जिससे रियायतग्राही द्वारा इस करार, लागू कानूनों और लागू अनुज्ञप्तियों के अनुसार अपने दायित्वों का निष्पादन विश्वसनीय, सुरक्षित, किफायती और कुशल रीति से तथा सुरक्षित, किफायती, विश्वसनीय और कुशल वैमानिकी और गैर-वैमानिकी सेवाएं प्रदान करने के लिए होने की अपेक्षा हो;

"सरकार" का अर्थ है राज्य की सरकार;

"सरकारी उपकरण" का अर्थ है भारत सरकार या राज्य सरकार का कोई भी विभाग, प्रभाग या उपप्रभाग और इसमें कोई आयोग, बोर्ड, प्राधिकरण, अभिकरण या नगरपालिका और अन्य स्थानीय प्राधिकरण या सांविधिक निकाय शामिल हैं, जिसमें भारत सरकार या राज्य सरकार, जैसा भी मामला हो, के नियंत्रण के अंतर्गत पंचायत शामिल है, तथा जिसे हवाईअड्डे के सभी या किसी भाग पर या इस करार के अंतर्गत या इसके अनुसरण में रियायतग्राही की सभी या किसी सेवाओं या दायित्वों के निष्पादन पर अधिकारिता प्राप्त हो;

"भू-हैंडलिंग सेवाएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 18.2.1 में निर्धारित है;

"सकल राजस्व" का अर्थ है इस करार के निष्पादन की तारीख से हस्तांतरण तिथि तक किसी भी समय, इस करार के अंतर्गत या इसके अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा अर्जित सभी कर-पूर्व सकल राजस्व, और इसमें उप-लाइसेंसधारियों और अन्य व्यक्तियों से रियायतग्राही द्वारा जमाओं (वापसी योग्य या अन्यथा) के रूप में प्राप्त कोई भी धनराशियां शामिल होंगी किंतु इसमें केवल निम्नलिखित को छोड़ा जाएगा:

(ङ) रियायतग्राही द्वारा प्राप्त कोई भी बीमा आगम राशि जो (i) तृतीय पक्ष दायित्व बीमा से संबंधित हो जो उस व्यक्ति को भुगतान की गई हो या भुगतान की जानी हो जिसके

दावे बीमाकृत जोखिम या दायित्व का गठन करते हों; और (ii) परिसंपत्तियों की किसी भी भौतिक क्षति के रूप में, तथा रियायतग्राही ने ऐसी परिसंपत्तियों की तत्परता और युक्तियुक्तता से मरम्मत, पुनर्स्थापन या अन्यथा प्रतिस्थापन के लिए प्राप्त ऐसी आगम राशि से अधिक या बराबर व्यय किया हो या करेगा;

(च) किसी सरकारी उपकरण (जैसा रियायत करार में परिभाषित है) के अधिकृत अभिकर्ता के रूप में, ऐसे सरकारी उपकरण के लिए या उसकी ओर से रियायतग्राही द्वारा प्राप्त कोई भी धनराशि; और

(छ) किसी विशेष रियायत वर्ष में संबंधित उप-लाइसेंसधारी या प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति को वापस की गई कोई जमा राशि, बशर्ते ये उन पिछली जमाओं से संबंधित हों जिन पर प्राधिकरण को प्रीमियम का भुगतान किया गया हो।

(ज) भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी-एएस) 11, निर्माण संविदाएं तथा उसमें संदर्भों के परिशिष्ट क (सेवा रियायत व्यवस्थाएं) के प्रावधानों के अंतर्गत निर्माण या उन्नयन सेवाओं के लिए मान्यता प्राप्त कोई भी राजस्व, जिसमें आईएनडी-एएस के अंतर्गत निर्माण या उन्नयन सेवाओं के लिए राजस्व/प्रतिफल की मान्यता के संबंध में उसके बाद के संशोधन शामिल हैं, जैसा लागू कानूनों के अनुसार हो

यह विशेष रूप से स्पष्ट किया जाता है कि:

i. उपरोक्त अपवर्जन (क) में संदर्भित बीमा आगम राशि में राजस्वों की हानि और/या व्यवसाय व्यवधान के लिए प्राप्त बीमा आगम राशि का कोई अपवर्जन शामिल नहीं होगा; उपरोक्त अपवर्जन (ख) में संदर्भित धनराशियां केवल तभी अपवर्जित की जाएंगी यदि वही रियायतग्राही द्वारा संबंधित सरकारी उपकरण को तत्परता और युक्तियुक्तता से जमा की गई हो या जमा की जाएगी और लागू कानूनों के अंतर्गत ऐसी धनराशियों के अभुगतान या विलंबित भुगतान के परिणामस्वरूप उपचित होने वाला कोई जुर्माना, दंड या समान प्रकृति की अन्य राशियां अपवर्जित नहीं की जाएंगी;

ii. सकल राजस्व की गणना लेखा वर्ष के लिए वार्षिक आधार पर, आरएफपी जारी होने की तारीख पर लागू भारतीय लेखांकन मानकों के अनुसार की जाएगी; और

iii. सकल राजस्व की गणना किसी लेखा वर्ष के लिए वार्षिक आधार पर, कंपनी (भारतीय लेखांकन मानक) नियम, 2015 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट भारतीय लेखांकन मानकों (आईएनडी-एएस) के अनुसार की जाएगी, जिसमें लागू कानूनों के अनुसार समय-समय पर उसके संशोधन शामिल हैं, सिवाय उपरोक्त सकल राजस्व की परिभाषा में संदर्भित जमाओं (वापसी योग्य या अन्यथा) के समावेशन और अपवर्जन के संबंध में विशिष्ट प्रावधानों के।

iv. सकल राजस्व की गणना और/या अर्थ से संबंधित किसी भी विवाद, विसंगति, अस्पष्टता, संदेह या अन्यथा की स्थिति में, प्राधिकरण का निर्णय, उसके एकमात्र विवेकानुसार, अंतिम होगा।

"आईएटीए" का अर्थ है अंतरराष्ट्रीय वायु परिवहन संघ;

"आईएएफ" का अर्थ है भारतीय वायुसेना;

"आईसीएओ" का अर्थ है शिकागो अभिसमय द्वारा गठित अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन और उसका कोई उत्तराधिकारी;

"आईसीएओ दस्तावेज और अनुबंध" का अर्थ है अंतरराष्ट्रीय नागर विमानन संगठन के दस्तावेज और अनुबंध, जैसा समय-समय पर संशोधित और प्रकाशित हो;

"क्षतिपूर्तित पक्षकार" का अर्थ है वह पक्षकार जो अनुच्छेद 47 के अनुसरण में क्षतिपूर्ति के लाभ का हकदार है;

"क्षतिपूर्ति देने वाला पक्षकार" का अर्थ है वह पक्षकार जो अनुच्छेद 47 के अनुसरण में दूसरे पक्षकार को क्षतिपूर्ति देने के लिए बाध्य है;

"स्वतंत्र अभियंता" का वही अर्थ होगा जो खंड 27.1 में निर्धारित है;

"अप्रत्यक्ष राजनीतिक घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.3 में निर्धारित है;

"सैद्धांतिक अनुमोदन" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (क) में निर्धारित है;

"निरीक्षण रिपोर्ट" का वही अर्थ होगा जो खंड 13.2 में निर्धारित है;

"बीमा कवर" का अर्थ है अनुच्छेद 37 के अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा प्राप्त बीमों के अंतर्गत बीमाकृत अधिकतम राशियों का समग्र योग, और इसमें खंड 37.2 के अंतर्गत

रियायतग्राही द्वारा प्राप्त किए जाने के लिए अपेक्षित किंतु वास्तव में प्राप्त न किए गए सभी बीमे शामिल हैं, और किसी भी कार्य या घटना के संदर्भ में प्रयुक्त होने पर, इसका अर्थ ऐसे कार्य या घटना के संबंध में बीमाकृत और देय या बीमाकृत और देय माने जाने वाली अधिकतम राशियों का समग्र योग होगा;

"बौद्धिक संपदा" का अर्थ है सभी पेटेंट, ट्रेडमार्क, सेवा चिह्न, लोगो, गेट-अप, व्यापार नाम, इंटरनेट डोमेन नाम, डिजाइनों में अधिकार, ब्लू प्रिंट, कार्यक्रम और नियमावली, रेखाचित्र, कॉपीराइट (कंप्यूटर सॉफ्टवेयर में अधिकार सहित), डेटाबेस अधिकार, अर्धचालक, स्थलाकृति अधिकार, उपयोगिता मॉडल, जानकारी में अधिकार तथा अन्य बौद्धिक संपदा अधिकार, प्रत्येक मामले में चाहे पंजीकृत हो या अपंजीकृत तथा इसमें पंजीकरण के लिए आवेदन शामिल हैं, तथा विश्व में कहीं भी समतुल्य या समान प्रभाव रखने वाले सभी अधिकार या संरक्षण के रूप;

"आईएमडी" का अर्थ है भारत मौसम विभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार;

"प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक" का, रियायतग्राही के संबंध में, अर्थ है:

(ङ) मुख्य कार्यकारी अधिकारी या प्रबंध निदेशक;

(च) पूर्णकालिक निदेशक;

(छ) मुख्य वित्तीय अधिकारी, मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी, मुख्य परिचालन अधिकारी, कंपनी सचिव या उनके एक स्तर नीचे के मुख्य प्रबंधन अधिकारी जो बोर्ड के अधीक्षण, नियंत्रण और निर्देशन के अधीन, रियायतग्राही के सारभूत मामलों का प्रबंधन करते हैं; और

(ज) वे व्यक्ति जिनके पास रियायतग्राही की विभिन्न गतिविधियों और कार्यों की योजना बनाने, निर्देशित करने और नियंत्रित करने का प्राधिकार और दायित्व है;

"प्रमुख निष्पादन संकेतक" का वही अर्थ होगा जो खंड 26.1 में निर्धारित है;

"एलओए" या "अवार्ड पत्र" का अर्थ है प्रस्तावना (रिसाइटल) (ई) में संदर्भित अवार्ड पत्र;

"प्रमुख सदस्य" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (ई) में निर्धारित है;

"ऋणदाताओं का प्रतिनिधि" का अर्थ है वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा इस करार से उत्पन्न या इससे संबंधित मामलों के संबंध में वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से और उनके लिए कार्य करने हेतु विधिवत प्राधिकृत व्यक्ति, और इसमें उसके उत्तराधिकारी, समनुदेशिती और प्रतिस्थापन शामिल हैं;

"एमआरओ" का अर्थ है रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल;

"रखरखाव नियमावली" का वही अर्थ होगा जो खंड 17.3 में निर्धारित है;

"रखरखाव कार्यक्रम" का वही अर्थ होगा जो खंड 17.4.1 में इसे सौंपा गया है;

"रखरखाव आवश्यकताएं" का वही अर्थ होगा जो खंड 17.2 में निर्धारित है;

"प्रमुख हवाई अड्डा" का अर्थ है वह हवाई अड्डा जिसमें 35 लाख (पैंतीस लाख) से अधिक वार्षिक यात्री थ्रूपुट को संभालने की क्षमता हो या कोई अन्य थ्रूपुट सीमा हो, या कोई अन्य हवाई अड्डा जिसे केंद्र सरकार एईआरए अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत अधिसूचना द्वारा इस रूप में विनिर्दिष्ट करे;

"मास्टर प्लान" का अर्थ है इस करार के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के निर्माण और विकास के लिए अनुसूची-क में निर्धारित रियायतग्राही द्वारा विकसित की जाने वाली मास्टर योजना;

"सारभूत प्रतिकूल प्रभाव" का अर्थ है किसी भी पक्षकार की इस करार के प्रावधानों के अंतर्गत और उसके अनुसार अपने किसी भी दायित्व को निष्पादित करने की क्षमता पर किसी कार्य या घटना का सारभूत प्रतिकूल प्रभाव तथा जो कार्य या घटना किसी भी पक्षकार पर सारभूत वित्तीय बोझ या हानि का कारण बनती है;

"नामित कंपनी" का अर्थ है ऋणदाताओं के प्रतिनिधि द्वारा चयनित तथा प्रतिस्थापन करार के प्रावधानों के अनुसार रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के लिए प्राधिकरण को प्रस्तावित एक कंपनी;

"गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां" का अर्थ है वे परिसंपत्तियां जो हवाईअड्डे पर गैर-वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के लिए आवश्यक या अपेक्षित हैं और इसमें ऐसी अन्य परिसंपत्तियां शामिल होंगी जिन्हें रियायतग्राही इस करार के प्रावधानों के अनुसार, गैर-वैमानिकी सेवाओं के निष्पादन के

लिए या उसके संबंध में, समय-समय पर खरीद सकता है, और इसमें वैमानिकी परिसंपत्तियां और सिटी साइड विकास शामिल नहीं हैं;

"गैर-वैमानिकी सेवाएं" का अर्थ है (i) वैमानिकी सेवाओं और (ii) सिटी साइड विकास के अलावा अन्य सेवाएं;

"गैर-राजनीतिक घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.2 में निर्धारित है;

"ओओरएम" का अर्थ है हवाईअड्डे का संचालन और रखरखाव और इसमें इस करार के प्रावधानों के अनुसार ऐसे संचालन और रखरखाव से संबंधित या उसके आनुषंगिक सभी मामले, सेवाओं और सुविधाओं का प्रावधान, तथा फीस का संग्रह शामिल हैं;

"ओओरएम संविदाएं" का अर्थ है वे संचालन और रखरखाव संविदाएं जो ओओरएम दायित्वों के सभी या किसी के निष्पादन के लिए रियायतग्राही और ओओरएम ठेकेदारों के बीच प्रवेश की जा सकती हैं;

"ओओरएम ठेकेदार" का अर्थ है वे व्यक्ति, यदि कोई हों, जिनके साथ रियायतग्राही ने रियायतग्राही की ओर से और उसके लिए ओओरएम दायित्वों के निर्वहन के लिए ओओरएम संविदाओं में प्रवेश किया हो;

"ओओरएम व्यय" का अर्थ है रियायतग्राही द्वारा या उसकी ओर से या प्राधिकरण द्वारा, जैसा भी मामला हो, सभी ओओरएम के लिए उपगत व्यय, जिसमें (क) कर्मचारियों को वेतन और अन्य प्रतिकर की लागत, (ख) सामग्रियों, आपूर्तियों, उपयोगिताओं और अन्य सेवाओं की लागत, (ग) बीमे के लिए प्रीमियम, (घ) ओओरएम के लिए देय और भुगतान योग्य सभी कर, शुल्क, उपकर और फीस, (ङ) सभी मरम्मत, प्रतिस्थापन, पुनर्निर्माण, पुनर्स्थापन, सुधार और रखरखाव लागतें, (च) ओओरएम संविदाओं, फीस संग्रह संविदा या ओओरएम से संबंधित या उसके आनुषंगिक किसी अन्य संविदा के अंतर्गत किए जाने वाले भुगतान, और (छ) लागू कानूनों, लागू अनुज्ञप्तियों या इस करार के अंतर्गत उपगत किए जाने वाले अन्य सभी व्यय शामिल हैं;

"ओओरएम निरीक्षण रिपोर्ट" का वही अर्थ होगा जो खंड 24.4 में निर्धारित है;

"संचालन अवधि" का अर्थ है चरण-I के सीओडी से प्रारंभ होकर हस्तांतरण तिथि पर समाप्त होने वाली अवधि;

"चार्टर्ड अकाउंटेंट पैनल" का वही अर्थ होगा जो खंड 38.2.1 में निर्धारित है;

"पक्षकार" का अर्थ है सामूहिक रूप से इस करार के पक्षकार और "पक्षकार" का अर्थ इस करार के पक्षकारों में से कोई एक व्यक्तिगत रूप से होगा;

"यात्री चार्टर" का वही अर्थ होगा जो खंड 26.10 में निर्धारित है;

"यात्री यातायात" का अर्थ है लेखा वर्ष के दौरान हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले, प्रस्थान और आगमन करने वाले यात्रियों सहित, यात्रियों की कुल संख्या किंतु इसमें वे यात्री शामिल नहीं होंगे जो एक ही संख्या वाली उड़ान पर हवाईअड्डे पर आते और वहां से प्रस्थान करते हैं;

"पीक ऑवर" का अर्थ है पूर्ववर्ती लेखा वर्ष में उस घंटे के आधार पर निर्धारित घंटा जिसमें यात्री यातायात उस वर्ष के दौरान तीसवां सबसे व्यस्त था;

"पीक ऑवर यातायात" का अर्थ है प्रत्येक दिन पीक ऑवर के दौरान यात्री यातायात;

"पीक अवधि" का अर्थ है दिन के दौरान वे 4 (चार) घंटे जब यात्री यातायात सबसे अधिक होता है; और दिन के शेष घंटों को "ऑफ पीक अवधि" माना जाएगा;

"निष्पादन गारंटी" का वही अर्थ होगा जो खंड 44.2.3 में निर्धारित है;

"निष्पादन प्रतिभूति" का वही अर्थ होगा जो खंड 9.1 में निर्धारित है;

"चरण" का अर्थ है इस करार की शर्तों के अनुसार, मास्टर प्लान के अनुसार ऐसे चरण के लिए विनिर्दिष्ट वार्षिक यात्री थ्रूपुट को संभालने के लिए हवाईअड्डे का भाग बनने वाला कार्य;

"चरण पूर्णता अनुसूची" का अर्थ है अनुसूची जी (बिंदु 9) में परिभाषित के अनुसार;

"चरण-I" का अर्थ है इस करार की शर्तों के अनुसार, मास्टर प्लान के अनुसार प्रति वर्ष न्यूनतम 12 (बारह) मिलियन यात्रियों के वार्षिक यात्री थ्रूपुट को संभालने के लिए हवाईअड्डे का भाग बनने वाले सभी कार्य;

“पुलिस” का अर्थ है एक कानून प्रवर्तन अभिकरण और इसमें राज्य पुलिस, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल या कोई अन्य संगठन शामिल है जिसे लागू कानूनों के अंतर्गत सुरक्षा, अपराध निवारण या कानून और व्यवस्था के रखरखाव से संबंधित शक्तियों का प्रयोग करने और कार्यों का निर्वहन करने के लिए सशक्त किया गया हो;

“राजनीतिक घटना” का वही अर्थ होगा जो खंड 39.4 में निर्धारित है;

“संरक्षण लागत” का वही अर्थ होगा जो खंड 13.5.3 में निर्धारित है;

“प्रीमियम” का वही अर्थ होगा जो खंड 31.2.1 में निर्धारित है;

“प्रीमियम दर” का वही अर्थ होगा जो खंड 31.2.1 में निर्धारित है;

“मूल्य सूचकांक” में शामिल होगा:

क) डब्लूपीआई का 70% (सत्तर प्रतिशत); और

ख) सीपीआई (आईडब्लू) का 30% (तीस प्रतिशत),

जिन घटकों को पक्षकारों द्वारा पारस्परिक सहमति से ऐसे वैकल्पिक सूचकांक या सूचकांकों द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सकता है;

“परियोजना” का अर्थ है इस करार और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे का डिजाइन, वित्त, निर्माण, संचालन और रखरखाव, और इसमें परियोजना के क्षेत्र से संबंधित या उसके संबंध में सभी कार्य, सेवाएं और उपकरण शामिल हैं;

“परियोजना प्रभावित परिवार” का अर्थ है:

(छ) एक परिवार जिसकी भूमि या अन्य अचल संपत्ति अर्जित की गई हो;

(ज) एक परिवार जिसके पास कोई भूमि नहीं है किंतु ऐसे परिवार का एक या अधिक सदस्य कृषि मजदूर, काश्तकार हो सकते हैं जिसमें किसी भी प्रकार की काश्तकारी या उपभोग अधिकार, बंटाईदार या कारीगर शामिल हैं या जो भूमि के अधिग्रहण से पहले तीन वर्षों तक प्रभावित क्षेत्र में कार्य कर रहे हों, जिनकी आजीविका का प्राथमिक स्रोत भूमि के अधिग्रहण से प्रभावित हो;

(झ) अनुसूचित जनजातियां और अन्य पारंपरिक वन निवासी जिन्होंने अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) के अंतर्गत मान्यता प्राप्त अपने वन अधिकारों में से किसी को भूमि के अधिग्रहण के कारण खो दिया हो;

(ञ) एक परिवार जिसकी भूमि के अधिग्रहण से तीन वर्ष पूर्व आजीविका का प्राथमिक स्रोत वनों या जल निकायों पर निर्भर रहा हो और इसमें वन उत्पाद एकत्र करने वाले, शिकारी, मछुआरे और नाविक शामिल हैं और ऐसी आजीविका भूमि के अधिग्रहण के कारण प्रभावित हो;

(ट) परिवार का एक सदस्य जिसे राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा उसकी किसी भी योजना के अंतर्गत भूमि सौंपी गई हो और ऐसी भूमि अधिग्रहण के अधीन हो;

(ठ) एक परिवार जो भूमि के अधिग्रहण से पहले तीन वर्ष या उससे अधिक समय से नगरीय क्षेत्रों में किसी भूमि पर निवास कर रहा हो या जिसकी भूमि के अधिग्रहण से तीन वर्ष पूर्व आजीविका का प्राथमिक स्रोत ऐसी भूमि के अधिग्रहण से प्रभावित हो;

"परियोजना करार" का अर्थ है यह करार, वित्तपोषण करार, ईपीसी संविदा, ओओरएम संविदाएं, फीस संग्रह संविदा, सिटी साइड विकास से संबंधित सभी करार और उप-लाइसेंस तथा रियायतग्राही द्वारा किसी भी व्यक्ति के साथ परियोजना से संबंधित, उससे उत्पन्न या उसके आनुषंगिक मामलों के संबंध में प्रवेश किए जा सकने वाले कोई अन्य सारभूत करार या संविदाएं, किंतु इसमें एस्क्रो करार, प्रतिस्थापन करार, या रु. 25 करोड़ (पच्चीस करोड़ रुपये) तक के प्रतिफल वाले माल और सेवाओं की खरीद के लिए किसी भी करार को शामिल नहीं किया गया है;

"परियोजना परिसंपत्तियां" का अर्थ है साइट से संबंधित और उसका भाग बनने वाली सभी भौतिक और अन्य परिसंपत्तियां, जिसमें शामिल हैं:

(ञ) लाइसेंस, पहुंच अधिकार या अन्यथा के रूप में साइट पर अधिकार;

(ट) वैमानिकी परिसंपत्तियां और गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियां;

(ठ) मूर्त परिसंपत्तियां जैसे नींव, जल निकासी कार्य, विद्युत प्रणालियां, संचार प्रणालियां और प्रशासनिक कार्यालयों सहित सिविल कार्य और उपकरण;

(ड) साइट पर स्थित परियोजना सुविधाएं;

(ढ) सिटी साइड विकास का भाग बनने वाले भवन और अचल जुड़नार या संरचनाएं;

(ण) परियोजना करारों के अंतर्गत रियायतग्राही के सभी अधिकार;

(त) प्राप्य, प्रतिभूति जमाओं आदि जैसी वित्तीय परिसंपत्तियां;

(थ) बीमा आगम राशि; और

(द) हवाईअड्डे से संबंधित या उसके संबंध में लागू अनुज्ञप्तियां और प्राधिकरण, जिसमें सिटी साइड विकास शामिल है;

"परियोजना पूर्णता अनुसूची" का अर्थ है अनुसूचित पूर्णता तिथि पर या उससे पूर्व हवाईअड्डे की पूर्णता के लिए अनुसूची-जी में निर्धारित क्रमिक परियोजना मील के पत्थर;

"परियोजना सुविधाएं" का अर्थ है अनुसूची-सी में वर्णित साइट पर स्थित सभी सुविधाएं और सुविधाजनक सेवाएं;

"परियोजना मील के पत्थर" का अर्थ है अनुसूची-जी में निर्धारित परियोजना मील के पत्थर;

"अनंतिम प्रमाणपत्र" का वही अर्थ होगा जो खंड 14.3 में निर्धारित है;

"पंच लिस्ट" का वही अर्थ होगा जो खंड 14.3 में इसे सौंपा गया है;

"आरई.", "आरएस." या "रुपये" या "भारतीय रुपये" का अर्थ है भारत गणराज्य की वैधानिक मुद्रा;

"आरईएसए" या "रनवे एंड सेफ्टी एरिया" का अर्थ है विस्तारित रनवे केंद्र रेखा के बारे में सममित तथा पट्टी के छोर से सटा हुआ क्षेत्र जिसका मुख्य उद्देश्य किसी विमान के अंडरशूटिंग या रनवे को पार करने से क्षति के जोखिम को कम करना है;

“संदर्भ विनिमय दर” का अर्थ है, इस करार के प्रावधानों के अनुसार किसी अन्य मुद्रा में परिवर्तित की जाने वाली किसी एक मुद्रा के संबंध में, संबंधित तारीख को 12.00 (बारह) बजे दोपहर में दिल्ली में भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उद्धृत विनिमय दर, और ऐसी दर के अभाव में, दिल्ली में बैंक ऑफ इंडिया और बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा उद्धृत समान दरों का औसत;

“अर्हता अनुरोध सह प्रस्ताव” या “आरएफक्यू सीयूएस आरएफपी” का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (डी) में निर्धारित है;

“आरक्षित क्षेत्र” का अर्थ है खंड 19.4 और 22.8 के प्रावधानों के अनुसार प्राधिकरण और नामित जीओआई अभिकरणों के लिए आरक्षित स्थान और क्षेत्र;

“आरक्षित कार पार्क” का वही अर्थ होगा जो खंड 20.2 में निर्धारित है;

“आरक्षित सेवाएं” का वही अर्थ होगा जो खंड 22.1 में निर्धारित है;

“पहुंच अधिकार” का अर्थ है इस करार के अनुसार हवाईअड्डे और सिटी साइड विकास के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए आवश्यक, सभी मार्ग अधिकारों, सुखाधिकारों, अप्रतिबंधित पहुंच और अन्य पहुंच अधिकारों सहित, चाहे इसे किसी भी रीति से वर्णित किया गया हो, साइट का रचनात्मक कब्जा;

“मार्ग नेविगेशन सुविधा प्रभार” का अर्थ है लागू कानूनों के अनुसार मार्ग नेविगेशन सुविधाओं के प्रावधान के लिए प्राधिकरण द्वारा एयरलाइनों और/या विमान संचालकों से लगाई जाने वाली राशियां;

“रनवे” का अर्थ है हवाईअड्डे पर भूमि की पट्टी, जिस पर विमान उड़ान भरेंगे और उतरेंगे और यह डामर, कंक्रीट या दोनों के मिश्रण के उपयोग सहित एक मानव निर्मित सतह हो सकती है;

“सुरक्षा आवश्यकताएं” का वही अर्थ होगा जो खंड 23.1 में निर्धारित है;

“अनुसूचित पूर्णता तिथि” का वही अर्थ होगा जो चरण-I के लिए खंड 12.4.1 में और बाद के चरणों के लिए खंड 12.8.3 में निर्धारित है;

“परियोजना का क्षेत्र” का वही अर्थ होगा जो खंड 2.1 में निर्धारित है;

"वरिष्ठ ऋणदाता" का अर्थ है वित्तीय संस्थाएं, बैंक, बहुपक्षीय ऋण देने वाले अभिकरण, न्यास, निधियां और डिबेंचर धारकों के अभिकर्ता या न्यासी, जिनमें उनके उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल हैं, जो किसी भी वित्तपोषण करारों के अंतर्गत रियायतग्राही को गारंटी देने या वित्त प्रदान करने के लिए सहमत हुए हैं और जो रियायतग्राही की परिसंपत्तियों, अधिकारों, स्वत्व और हितों पर समान स्तर पर प्रभार रखते हैं;

"सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं" का वही अर्थ होगा जो अनुसूची-एल के अनुबंध-I में निर्धारित है;

"शेयरधारक करार" का वही अर्थ होगा जो खंड 5.4.1 में निर्धारित है;

"साइट" का वही अर्थ होगा जो खंड 10.1 में निर्धारित है;

"विनिर्देश और मानक" का अर्थ है हवाईअड्डे के लिए गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता और अन्य आवश्यकताओं से संबंधित विनिर्देश और मानक, जैसा अनुसूची-डी में निर्धारित है, तथा उसमें कोई भी संशोधन, या उसमें जोड़, जैसा रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को प्रस्तुत हवाईअड्डे के लिए डिजाइन और अभियांत्रिकी में शामिल हो और प्राधिकरण द्वारा स्पष्ट रूप से अनुमोदित हो;

"विनिर्दिष्ट परिसंपत्तियां" का अर्थ है और इसमें निम्नलिखित में से सभी या कोई भी शामिल हैं:

(घ) परियोजना परिसंपत्तियों में से ऐसी परिसंपत्तियां जो चरण-I के सीओडी की 5वीं (पांचवीं) वर्षगांठ के बाद, किंतु नियत तिथि की 30वीं (तीसवीं) वर्षगांठ से अनधिक बाद, निर्मित, अर्जित या स्थापित की गई हों;

(ङ) सिटी साइड विकास का भाग बनने वाले सभी भवन और अचल जुड़नार या संरचनाएं; और

(च) खंड 12.8 और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के विस्तार का भाग बनने वाली परिसंपत्तियां; किंतु इसमें किसी भी स्थिति में भूमि शामिल नहीं होगी;

"विनिर्दिष्ट दस्तावेज" का वही अर्थ होगा जो खंड 50.1 में निर्धारित है;

"राज्य" का अर्थ है वह राज्य जिसमें प्राधिकरण का मुख्यालय स्थित है और "राज्य सरकार" का अर्थ है उस राज्य की सरकार;

"सांविधिक अंकेक्षक" का अर्थ है चार्टर्ड अकाउंटेंट की एक प्रतिष्ठित फर्म जो कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अंतर्गत, जिसमें इसका कोई पुनःअधिनियमन या संशोधन शामिल है, जो तत्समय बल में हो, रियायतग्राही के सांविधिक अंकेक्षक के रूप में कार्य करती है, और खंड 38.2.1 के अनुसार नियुक्त की गई हो;

"अधीनस्थ ऋण" का अर्थ है हस्तांतरण तिथि पर बकाया, भारतीय रुपयों में या ऋण की मुद्रा में, जैसा भी मामला हो, व्यक्त निम्नलिखित राशियों का समग्र योग:

(ग) परियोजना लागत को पूरा करने के लिए ऋणदाताओं या रियायतग्राही के शेयरधारकों द्वारा प्रदान की गई ऋण की मूलधन राशि जो वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा प्रदान की गई वित्तीय सहायता के अधीनस्थ हो; और

(घ) उपरोक्त उप-खंड (क) में संदर्भित ऋण पर सभी उपचित ब्याज किंतु भारतीय रुपयों में व्यक्त ऋणों के मामले में वास्तविक ब्याज दर और बैंक दर से 5% (पांच प्रतिशत) अधिक के बराबर दर में से जो कम हो, तथा विदेशी मुद्रा में व्यक्त ऋणों के मामले में वास्तविक ब्याज दर और 6 (छह) माह एलआईबीओआर (लंदन इंटर बैंक ऑफर रेट) प्लस 2% (दो प्रतिशत) में से जो कम हो, तक सीमित, किंतु इसमें हस्तांतरण तिथि से 1 (एक) वर्ष पूर्व देय हो गए किसी ब्याज को शामिल नहीं किया जाएगा;

बशर्ते कि यदि अधीनस्थ ऋण का सभी या कोई भाग ऋणदाताओं और/या रियायतग्राही के शेयरधारकों के विकल्प पर इक्विटी में परिवर्तनीय हो, तो इसे इस करार के प्रयोजनों के लिए ऐसे परिवर्तन के बाद भी अधीनस्थ ऋण माना जाएगा और इसके मूलधन को इस प्रकार व्यवहार किया जाएगा मानो ऐसा परिवर्तन नहीं किया गया हो;

"प्रतिस्थापन करार" का वही अर्थ होगा जो खंड 45.3 में निर्धारित है;

"निलंबन" का वही अर्थ होगा जो खंड 41.1 में निर्धारित है;

"कर" का अर्थ है जीएसटी, उत्पाद शुल्क, सीमा शुल्क, मूल्य वर्धित कर, बिक्री कर, स्थानीय कर, उपकर तथा हवाईअड्डे में समाविष्ट और उसका भाग बनने वाले माल, सामग्रियों, उपकरणों

और सेवाओं पर किसी सरकारी उपकरण द्वारा प्रभारित, लगाए गए या आरोपित समान प्रकृति के किसी भी अधिभार सहित कोई भी भारतीय कर (चाहे केंद्रीय, राज्य या स्थानीय हो), किंतु इससे संबंधित किसी भी खाते में आरोपित किसी भी ब्याज, दंड और अन्य राशियों को छोड़कर। संदेह की निवृत्ति के लिए, करों में कॉर्पोरेट आय या सिटी साइड विकास पर कर शामिल नहीं होंगे;

"टर्मिनल" का अर्थ है और इसमें टर्मिनल भवन, कार पार्क, पहुंच मार्ग, कार्गो सुविधाएं और उससे संबद्ध भूमि शामिल है, किंतु इसमें सिटी साइड शामिल नहीं है;

"टर्मिनल भवन" का अर्थ है साइट पर स्थित यात्री टर्मिनल भवन और उससे संबद्ध भूमि, जिसमें कर्ब साइड और पहुंच मार्ग शामिल हैं, जैसा अनुसूची-ए में वर्णित और सीमांकित है;

"टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग प्रभार" का अर्थ है हवाईअड्डे पर टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग सेवाओं के प्रावधान के लिए प्राधिकरण द्वारा एयरलाइनों या विमान संचालकों से प्रभारित या प्रभारित की जाने वाली राशियां;

"समाप्ति" का अर्थ है इस करार और इसके अंतर्गत रियायत की समाप्ति या अवसान;

"समाप्ति सूचना" का अर्थ है इस करार के अनुसार एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को इस करार को समाप्त करते हुए जारी किया गया संचार;

"समाप्ति भुगतान" का अर्थ है समाप्ति पर, इस करार के प्रावधानों के अंतर्गत और उसके अनुसार, प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को देय राशि;

"परीक्षण" का अर्थ है इस करार के प्रावधानों, संबंधित आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों तथा डीजीसीए द्वारा विहित लागू दिशानिर्देशों के अनुसार हवाईअड्डे की पूर्णता को निर्धारित करने के लिए अनुसूची-I में निर्धारित परीक्षण, तथा इसमें, यथोचित परिवर्तनों सहित, खंड 12.8 और मास्टर प्लान के प्रावधानों के अनुसार हवाईअड्डे के विस्तार की पूर्णता को निर्धारित करने के लिए समान परीक्षण शामिल होंगे;

"कुल परियोजना लागत" का अर्थ है परियोजना, वैमानिकी परिसंपत्तियों और गैर-वैमानिकी परिसंपत्तियों के निर्माण और वित्तपोषण पर उपगत पूंजीगत लागत, सिटी साइड विकास को छोड़कर, और यह निम्नलिखित में से न्यूनतम तक सीमित होगी:

क) वित्तीय पैकेज में निर्धारित परियोजना की पूंजीगत लागत; और

ख) आईएनआर 4588 करोड़ के बराबर राशि

बशर्ते कि यदि मूल्य सूचकांक इस करार की तारीख और चरण-I के सीओडी के बीच की अवधि के लिए, औसत रूप में, प्रति वर्ष 3% (तीन प्रतिशत) से अधिक बढ़ता है, तो पक्षकार यथासंभव शीघ्र मिलेंगे, और इससे पूर्व विनिर्दिष्ट राशि के संशोधन पर सहमत होंगे ताकि ऐसे 3% (तीन प्रतिशत) से अधिक मूल्य सूचकांक में वृद्धि का प्रभाव कुल परियोजना लागत में परिलक्षित हो;

आगे बशर्ते कि समाप्ति की स्थिति में, कुल परियोजना लागत को, इस करार के प्रावधानों के अनुसार, जैसा भी मामला हो, समायोजित इक्विटी और ऋण देय के संबंध में होने वाले मूल्य सूचकांक या संदर्भ विनिमय दर में परिवर्तन की सीमा तक संशोधित माना जाएगा;

यह भी बशर्ते कि कुल परियोजना लागत हवाईअड्डे के चरण-1 के पूर्ण होने पर निर्माण कार्यों की वास्तविक पूंजीगत लागत से अधिक नहीं होगी,

"हस्तांतरण तिथि" का अर्थ है वह तारीख जिसको यह करार और इसके अंतर्गत रियायत, इस करार के प्रावधानों के अनुसरण में समाप्त हो जाती है या समाप्ति सूचना द्वारा समाप्त की जाती है;

"अप्रत्याशित घटना" का वही अर्थ होगा जो खंड 39.12.1 में निर्धारित है;

"उपयोगकर्ता" का अर्थ है किसी भी एयरलाइन, यात्री, आगंतुक या अन्य व्यक्ति सहित एक व्यक्ति, जो हवाईअड्डे या उसके किसी भाग का उपयोग करता है या उपयोग करने का इरादा रखता है, जिसमें किसी भी या सभी वैमानिकी सेवाओं या गैर-वैमानिकी सेवाओं का उपयोग शामिल है, फीस के भुगतान पर या इस करार और लागू कानूनों के प्रावधानों के अनुसार;

"निहित प्रमाणपत्र" का वही अर्थ होगा जो खंड 43.4 में निर्धारित है; और

"डब्लूपीआई" का अर्थ है उद्योग मंत्रालय, जीओआई द्वारा प्रकाशित सभी वस्तुओं के लिए थोक मूल्य सूचकांक और इसमें डब्लूपीआई को प्रतिस्थापित करने वाला कोई भी सूचकांक शामिल होगा, तथा डब्लूपीआई के किसी भी संदर्भ का, जब तक संदर्भ अन्यथा अपेक्षित न करे, पूर्ववर्ती माह के साथ समाप्त होने वाली अवधि के लिए प्रकाशित डब्लूपीआई के संदर्भ के

रूप में निर्वचन किया जाएगा, सिवाय इसके कि खंड 32.3 के प्रावधानों के अनुसार फीस के वार्षिक संशोधन के प्रयोजनों के लिए, किसी भी वर्ष की 1 अप्रैल को देय संशोधन की गणना उस वर्ष की 31 जनवरी तक डब्लूपीआई के संदर्भ में की जाएगी।

इस साक्ष्य में पक्षकारों ने इस करार को सर्वप्रथम ऊपर लिखे गए दिन, माह और वर्ष को निष्पादित और सुपुर्द किया है।

की ओर से और के लिए हस्ताक्षरित:	**की ओर से और के लिए हस्ताक्षरित:**
प्राधिकरण	यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड की सामान्य मुहर, रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा 29 सितंबर 2020 को आयोजित इसकी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में, निम्नलिखित की उपस्थिति में लगाई गई मुहर
द्वारा: ..... नाम: डॉ. अरुण वीर सिंह पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड फैक्स: +91 1202395150 ई-मेल पता: ceo@nialjewar.com	..... नाम: श्री क्रिस्टॉफ श्नेलमन पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड पता: एस्क हाउस, 155, प्रथम और द्वितीय तल, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज 3, नई दिल्ली 110020

साक्षी के हस्ताक्षर: ..... नाम: श्री सुरेंद्र सिंह पदनाम: निदेशक, नागर विमानन, उत्तर प्रदेश सरकार	..... नाम: सुश्री किरणजीत कौर जैन पदनाम: मुख्य परिचालन अधिकारी, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड पता: एस्क हाउस, 155, प्रथम और द्वितीय तल, ओखला इंडस्ट्रियल एस्टेट, फेज 3, नई दिल्ली 110020
साक्षी के हस्ताक्षर: नाम: सुश्री रितु माहेश्वरी पदनाम: मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नोएडा	**साक्षी के हस्ताक्षर:** नाम: श्री शोभित गुप्ता पदनाम: प्रमुख, विधि, यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड

अनुसूचियां

अनुसूची-क

(खंड 10.1 देखें)

रियायत समझौता - अनुसूचियां

1. स्थल

हवाईअड्डे का स्थल

1.1. हवाई अड्डे के स्थल का विवरण इस अनुसूची-क के परिशिष्ट-1 में दिया गया है।

1.2. प्राधिकरण के प्रतिनिधि और रियायतग्राही (कन्सेशनर) द्वारा संयुक्त रूप से स्थल की एक सूची (इन्वेंट्री) तैयार की जाएगी, जिसमें भूमि, भवन, संरचनाएं, सड़क निर्माण कार्य, वृक्ष और स्थल पर स्थित अथवा उससे संलग्न कोई अन्य अचल संपत्ति शामिल होगी; और ऐसी सूची समझौते के खंड 10.3.1 में संदर्भित ज्ञापन का हिस्सा बनेगी।

1.3. सेवा क्षेत्रों, अनुषंगी भवनों अथवा कार्यक्षेत्र परिवर्तन आदेश में विनिर्दिष्ट निर्माण कार्यों के लिए आवश्यक अतिरिक्त भूमि का अधिग्रहण इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। अधिग्रहण के उपरांत ऐसी भूमि स्थल का हिस्सा बनेगी और प्राधिकरण में निहित होगी।

2. स्थल हेतु मास्टर प्लान

2.1. स्थल हेतु विकसित की जाने वाली मास्टर योजना का विवरण इस अनुसूची-क के परिशिष्ट-II में दिया गया है।

2.2. मास्टर प्लान, मानचित्र 1 में दी गई भू-उपयोग योजना के अनुरूप होगा और इसमें हवाई अड्डे के लिए निर्धारित सभी भूमि सम्मिलित होगी, तथा यह इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार वैमानिकी आस्तियों, टर्मिनल भवन, गैर-वैमानिकी आस्तियों और सिटी साइड विकास के संबंध में अवस्थिति और भू-उपयोग को विनिर्दिष्ट करेगा।

3. सिटी साइड विकास

3.1. सिटी साइड विकास के लिए निर्धारित भूमि का विवरण इस अनुसूची-क के परिशिष्ट-III और मानचित्र 1 में दिया गया है, और ऐसी भूमि स्थल का अभिन्न हिस्सा होगी।

परिशिष्ट-I

(अनुसूची क)

हवाईअड्डे हेतु स्थल

1. स्थल की अवस्थिति

1.1. हवाई अड्डे का स्थल उत्तर प्रदेश राज्य के पश्चिमी क्षेत्र में स्थित गौतम बुद्ध नगर जिले के जेवर गाँव के उत्तर में (अक्षांश 28°09' उत्तर और देशांतर 77°35' पूर्व) स्थित है। इस स्थल में सात गाँवों अर्थात् बनवारीवास, दयानतपुर, किशोरपुर, कुरेब, परोही, रन्हेरा और रोही की भूमि सम्मिलित है।

1.2. स्थल के निर्देशांक नीचे दी गई तालिका में दिए गए हैं, जो स्थल सीमांकन के अनुसार मामूली परिवर्तन के अधीन होंगे:

सीमा निर्देशांकों की सूची

क्र.सं.	अक्षांश	देशांतर	ईस्टिंग	नॉर्थिंग
1	28°11'06.79" एन	77°34'49.69" ई	753331.98	3120416.03
2	28°11'06.71" एन	77°34'30.01" ई	752794.06	3120402.12
3	28°10'31.52" एन	77°34'37.37" ई	753018.95	3119323.87
4	28°10'23.89" एन	77°34'39.02" ई	753068.14	3119089.89
5	28°10'05.60" एन	77°34'42.84" ई	753184.08	3118528.04
6	28°09'53.23" एन	77°35'35.97" ई	754642.96	3118178.11
7	28°09'59.59" एन	77°35'37.89" ई	754690.88	3118375.05

8	28°09'23.51" एन	77°38'12.58" ई	758935.98	3117355.57
9	28°09'53.13" एन	77°38'24.24" ई	759233.39	3118274.99
10	28°09'58.20" एन	77°38'05.29" ई	758713.96	3118419.86
11	28°10'13.34" एन	77°38'10.17" ई	758836.98	3118888.91
12	28°10'09.83" एन	77°38'20.39" ई	759117.09	3118786.88
13	28°10'30.73" एन	77°38'29.81" ई	759360.10	3119435.99
14	28°10'35.16" एन	77°38'17.31" ई	759016.11	3119564.04
15	28°10'41.02" एन	77°37'54.73" ई	758396.95	3119731.10
16	28°10'56.87" एन	77°36'53.50" ई	756715.89	3120183.89
17	28°11'07.61" एन	77°35'54.49" ई	755098.12	3120479.01

1.3. स्थल का कुल क्षेत्रफल 1334 हेक्टेयर है, जिसमें से 24 हेक्टेयर क्षेत्र सिटी साइड विकास के लिए निर्धारित किया गया है।

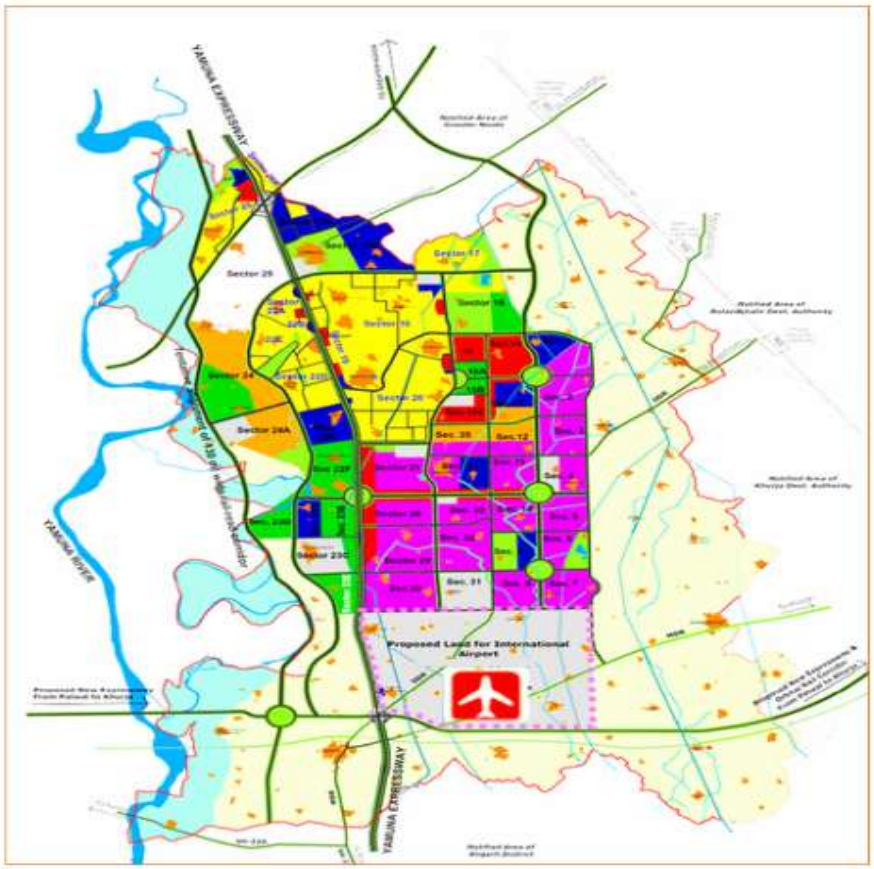
1.4. चूंकि यह स्थल समुद्र तट से बहुत दूर स्थित है (उच्च ज्वार रेखा से 500 मीटर से परे), अतः तटीय विनियमन नियम लागू नहीं होते हैं। स्थल का अनुमानित भू-तल माध्य समुद्र तल से 200 मीटर ऊपर है, जो यमुना नदी के तल स्तर से लगभग 30 मीटर ऊपर है।

1.5. इस स्थल तक सिकंदराबाद-जेवर मार्ग से पहुँचा जा सकता है जो प्रस्तावित हवाई अड्डे के स्थल के पश्चिम की ओर यमुना एक्सप्रेसवे में विलीन हो जाता है। यह स्थल एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) के साथ-साथ पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विभिन्न अन्य जिलों से भी भली-

भाँति जुड़ा हुआ है। स्थल राज्य राजमार्ग एसएच-22ए (एसएच-22ए) अर्थात पलवल और अलीगढ़ को जोड़ने वाले राजमार्ग से लगभग 30 किमी दूर है। फॉर्मूला वन ट्रैक पर यमुना एक्सप्रेसवे से होकर गुजरने वाला 100 मीटर चौड़ा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे है, जो इस स्थल को पलवल, मानेसर, गाजियाबाद, बागपत और मेरठ से जोड़ता है। दक्षिणी हिस्से में, हवाई अड्डे को प्रस्तावित पलवल-खुर्जा एक्सप्रेसवे से जोड़े जाने की योजना है। यह ग्रेटर नोएडा के माध्यम से नोएडा से भी 130 मीटर चौड़ी सड़क द्वारा जुड़ा हुआ है।

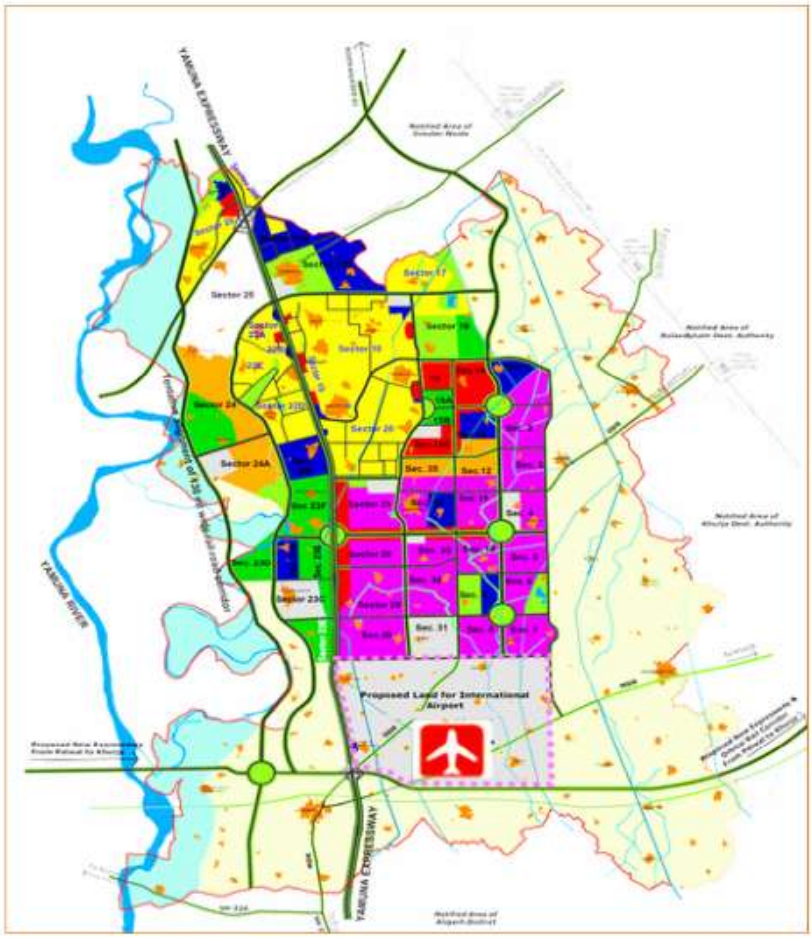
1.6. स्थल की अवस्थिति और स्थल तक पहुँच मार्गों को प्रदर्शित करने वाला एक संदर्भ रेखाचित्र (रेफरेंस ड्रॉइंग) नीचे दिया गया है:

मानचित्र 1क: स्थल की अवस्थिति



यमुना एक्सप्रेसवे, यमुना नदी, सेक्टर 20, कॉरिडोर, एस12, अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे हेतु प्रस्तावित भूमि

मानचित्र 1ख: भू-उपयोग योजना



यमुना नदी, एक्सप्रेसवे, मास्टर प्लान भू-उपयोग, यमुना एक्सप्रेसवे

मानचित्र 2: नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डा - विद्यमान पहुँच एवं प्रस्तावित एक्सप्रेसवे

- 100 मीटर चौड़ा यमुना एक्सप्रेसवे (ग्रेटर नोएडा को आगरा से जोड़ता हुआ)
- 100 मीटर चौड़ा ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे, फॉर्मूला वन ट्रैक पर यमुना एक्सप्रेसवे से गुजरता हुआ, जो पलवल, मानेसर, गाजियाबाद, बागपत, मेरठ को जोड़ता है
- 100 मीटर चौड़ा प्रस्तावित एक्सप्रेसवे - पलवल से खुर्जा (दक्षिणी भाग)
- ग्रेटर नोएडा के रास्ते नोएडा हेतु 130 मीटर चौड़ी सड़क (पूर्वी भाग)
- एक्सप्रेसवे के समानांतर 60 मीटर चौड़ी सड़क (जेवर तक 100 मीटर चौड़ा किया जाना प्रस्तावित) - पश्चिमी भाग
- 75 मीटर चौड़ी सड़क (उत्तरी भाग)

परिशिष्ट-II

(अनुसूची क)

(खंड 12.2.1 देखें)

स्थल हेतु मास्टर प्लान

1. हवाई अड्डे की परिकल्पना घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों प्रकार के यात्रियों तथा कार्गो हेतु मॉड्यूलर और विस्तार-योग्य सुविधाओं से युक्त एक विश्वस्तरीय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में की गई है।

2. रियायत अवधि के दौरान हवाई अड्डे को चरणबद्ध तरीके से विकसित करने का प्रस्ताव है। चरण I में, रियायतग्राही को प्रति वर्ष 12 मिलियन यात्रियों (12 एमपीपीए) की यातायात डिज़ाइन क्षमता वाले हवाई अड्डे का निर्माण करना होगा।

3. आगामी चरण नीचे दी गई तालिका में उल्लिखित यातायात ट्रिगर की प्राप्ति पर आधारित होंगे।

तालिका 1: चरणबद्ध विकास हेतु डिज़ाइन क्षमता और यातायात ट्रिगर्स

चरणबद्ध विकास	यातायात डिज़ाइन क्षमता	चरण विकास हेतु ट्रिगर
चरण I	12 एमपीपीए (मिलियन यात्री प्रति वर्ष)	-
चरण II	30 एमपीपीए	चरण I क्षमता का 80%
चरण III	50 एमपीपीए	चरण II क्षमता का 80%
चरण IV	70 एमपीपीए या अधिक	चरण III क्षमता का 80%

आगामी चरणों के निर्माण के प्रयोजनार्थ यातायात की गणना ठीक पूर्ववर्ती 12 (बारह) महीनों की अवधि में यात्री यातायात के आधार पर की जाएगी। एक कैलेंडर माह की समाप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर, रियायतग्राही उस माह के यात्री यातायात और ठीक पूर्ववर्ती 12 (बारह) महीनों की अवधि के यात्री यातायात का विवरण प्राधिकरण को प्रस्तुत करेगा।

4. रियायतग्राही इसके साथ संलग्न भू-उपयोग योजना (मानचित्र 1 देखें) को एक मार्गदर्शिका के रूप में उपयोग करते हुए निम्नलिखित प्रावधानों के साथ मास्टर प्लान तैयार करेगा:

क. रियायतग्राही इस समझौते के मानचित्र 1ख में दिए गए विभिन्न भू-उपयोगों के तहत पहचानी गई सुविधाओं की योजना और निर्माण करेगा। रियायतग्राही के पास इस समझौते के प्रावधानों के अधीन परिभाषित भू-उपयोग के भीतर सुविधाओं की योजना बनाने और डिज़ाइन करने का लचीलापन है।

ख. मास्टर प्लान डीजीसीए द्वारा निर्धारित नागर विमानन अपेक्षाओं (सीएआर), आईसीएओ के दिशानिर्देशों के अनुसार और उत्तम उद्योग पद्धतियों के अनुरूप होना चाहिए।

ग. टर्मिनल भवन हेतु सेवा स्तर - आईएटीए सेवा स्तर 'ऑप्टिमम' के अनुरूप। टर्मिनल भवन का कुल क्षेत्रफल डिज़ाइन वर्ष के लिए पीक आवर यात्री प्रति न्यूनतम 30 वर्ग मीटर होगा।

घ. टर्मिनल का डिज़ाइन वर्तमान प्रचालनों पर न्यूनतम प्रभाव डालते हुए क्रमिक विस्तार (इंक्रीमेंटल एक्सपेंशन) में सक्षम होना चाहिए।

ङ. सिटी साइड विकास इस समझौते के प्रावधानों, लागू विकास नियंत्रण विनियमों और लागू कानून के अनुसार होगा।

5. रियायतग्राही उपर्युक्त दिशानिर्देशों और इस अनुसूची क, अनुसूची ख, ग और घ में उल्लिखित प्रावधानों के आधार पर मास्टर प्लान तैयार करेगा। मास्टर प्लान में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

i. समग्र विकास रणनीति और दर्शन का विवरण;

ii. यातायात पूर्वानुमानों का विवरण और प्रत्येक परियोजना सुविधा के विकास के लिए यातायात ट्रिगर, जो यातायात वृद्धि से जुड़े हैं;

iii. प्रत्येक चरण में हवाई अड्डा और उसका प्रत्येक परिसर कैसा दिखेगा, इसका विज़न तथा उस अवधि के अंत में जब हवाई अड्डा अपनी पूर्ण क्षमता तक पहुँचेगा, हवाई अड्डे का अंतिम विज़न;

iv. हवाई अड्डे तथा पहुँच (एप्रोच) और उड़ान भरने (टेक-ऑफ) क्षेत्रों के लिए बाधा परिसीमा सतहें;

v. चरणबद्ध तरीके से हवाई अड्डे के विकास का चित्रात्मक प्रस्तुतीकरण;

vi. अवधारणाओं और विकल्पों के तकनीकी, आर्थिक और पर्यावरणीय अनुसंधान के माध्यम से प्रस्तावित विकास;

vii. ऐसे अन्य विषय जो प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं।

6. यह मास्टर प्लान इस समझौते की तिथि से 60 दिनों के भीतर प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जाना है। मास्टर प्लान प्राप्त होने के 30 (तीस) दिनों के भीतर, प्राधिकरण मास्टर प्लान पर अपनी कोई भी टिप्पणी या परिवर्तन रियायतग्राही को प्रदान करेगा। यदि प्राधिकरण मास्टर प्लान पर कोई टिप्पणी और/अथवा सुझाव देता है, तो रियायतग्राही उसकी प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर प्राधिकरण द्वारा सुझाए गए ऐसे सुझावों और/अथवा परिवर्तनों को मास्टर प्लान में उपयुक्त रूप से शामिल करेगा। यह मास्टर प्लान रियायत समझौते का हिस्सा बन जाएगा।

7. रियायतग्राही, मास्टर प्लान की स्वीकृति की तिथि से 90 (नब्बे) दिनों के भीतर चरण-I के लिए विकास योजना प्रस्तुत करेगा। आगामी चरणों के लिए विकास योजना इस अनुसूची क के परिशिष्ट-II की तालिका 1 में उल्लिखित संबंधित चरणों के ट्रिगर प्राप्त करने की तिथि से 90 (नब्बे) दिनों के भीतर तैयार और प्रस्तुत की जाएगी। प्राधिकरण विकास योजना-- की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रदान करेगा। रियायतग्राही प्राधिकरण की टिप्पणियों को समाहित करेगा और प्राधिकरण से टिप्पणियाँ प्राप्त होने के 30 (तीस) दिनों के भीतर विकास योजना प्रस्तुत करेगा।

8. प्रत्येक चरण के लिए विकास योजना ("विकास योजना") निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए तैयार की जाएगी:

क. विकास योजना इनके अनुरूप होगी:

(i) मास्टर प्लान;

(ii) यहाँ दी गई अनुसूची क, अनुसूची ख, अनुसूची ग और अनुसूची घ में निर्धारित आवश्यकताएं;

(iii) नागर विमानन महानिदेशालय, भारत सरकार (डीजीसीए) द्वारा निर्धारित अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओ) के दिशानिर्देश, यह समझौता और उत्तम उद्योग पद्धतियों के अनुरूप।

ख. विकास योजना में निम्नलिखित सम्मिलित होंगे:

(i) पहचानी गई प्रत्येक परियोजना सुविधा के लिए इंजीनियरिंग डिज़ाइन और रेखाचित्र (ड्रॉइंग्स);

(ii) मात्रा और लागत अनुमान;

(iii) विनिर्देश और मानक;

(iv) पूर्णता अनुसूची;

(v) सांकेतिक वित्तपोषण योजना; तथा

(vi) प्राधिकरण या किसी संबंधित सरकारी तंत्र द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट कोई अन्य मानदंड।

9. रियायतग्राही चरण-I के सीओडी (वाणिज्यिक परिचालन तिथि से आरंभ करके प्रत्येक 5 (पांच) वर्ष में मास्टर प्लान को अद्यतन करेगा और प्राधिकरण की समीक्षा व टिप्पणियों हेतु पुनः प्रस्तुत करेगा।

10. रियायतग्राही, रियायत अवधि के दौरान किसी भी समय, वैमानिकी सेवाओं में सुधार या वृद्धि करने के लिए अथवा भीड़-भाड़ को कम करने या समाप्त करने हेतु हवाई अड्डे के किसी भी हिस्से का विस्तार करने के लिए मास्टर प्लान में संशोधनों हेतु प्राधिकरण की स्वीकृति मांग सकता है, और इसके तहत कोई अनुरोध प्राप्त होने पर प्राधिकरण 30 (तीस) दिनों की अवधि के भीतर यथोचित आवश्यक सीमा तक अनुमोदन प्रदान कर सकता है।

11. आगामी चरणों के लिए विकास योजनाओं में अन्य बातों के साथ-साथ यातायात ट्रिगरों से जुड़ी विशिष्ट पूंजीगत व्यय परियोजनाओं को प्रारंभ करने का प्रावधान होगा। रियायतग्राही चरण I के बाद के आगामी चरणों के लिए विकास योजना, मास्टर प्लान में परिभाषित ऐसे चरण के निर्माण कार्यों के प्रारंभ होने की नियोजित तिथि से कम से कम 3 (तीन) महीने पूर्व प्रस्तुत करेगा।

चरण I के बाद के चरणों का निर्माण समझौते के खंड 12.8 में उल्लिखित आवश्यकताओं के अनुरूप होगा।

परिशिष्ट-III

(अनुसूची क)

(खंड 28 देखें)

सिटी साइड/वाणिज्यिक विकास के लिए उपलब्ध कुल भूमि 24 हेक्टेयर है। रियायतग्राही को परिशिष्ट IV के तहत अनुमत वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए निर्धारित क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति है।

परिशिष्ट-IV

(अनुसूची क)

(खंड 28)

क. आतिथ्य सत्कार

1. रिसॉर्ट
2. 3-4 सितारा होटल
3. 5 सितारा होटल
4. रेस्तरां
5. बजट होटल

ख. सार्वजनिक संस्थाएं

1. डाकघर
2. टेलीफोन एक्सचेंज
3. पुलिस स्टेशन
4. स्वास्थ्य केंद्र
5. अस्पताल

ग. वाणिज्यिक कार्यालय स्थल

1. शॉपिंग प्लाजा
2. कार्यालय स्थल
3. एयरलाइन कार्यालय
4. सरकारी कार्यालय

घ. शिक्षा और प्रशिक्षण

1. विमानन संस्थान
2. विमानन संबंधी प्रशिक्षण जैसे उड़ान परिचारक (केबिन क्रू) प्रशिक्षण आदि
3. कॉलेज / विश्वविद्यालय
4. कौशल विकास केंद्र

ङ. लॉजिस्टिक्स कार्यालय

1. लॉजिस्टिक्स ऑपरेटर कार्यालय
2. सीमा शुल्क क्लीयरेंस कार्यालय
3. गोदाम / वेयरहाउस
4. शीतगृह / कोल्ड स्टोरेज

च. पैकेजिंग केंद्र

1. लदान/उतरान सुविधाएं, वे-ब्रिज (धर्मकांटा) आदि
2. ट्रक पार्किंग
3. चालक सुविधाएं
4. पेट्रोल/डीजल/सीएनजी पंप और अन्य सहायता सेवाएं

छ. पर्यटक/आगंतुक केंद्र और प्रदर्शनी मैदान

5. अवकाश, मनोरंजन और सांस्कृतिक स्थल
6. सूचना डेस्क और कियोस्क
7. पर्यटक सुविधाएं, विश्राम कक्ष
8. सम्मेलन क्षेत्र (कॉन्फ्रेंस एरिया)
9. कैफे और मनोरंजन स्थल
10. आंतरिक एवं बाह्य प्रदर्शनी स्थल
11. सांस्कृतिक केंद्र
12. संग्रहालय और कला दीर्घाएं
13. एम्फीथिएटर
14. खुला प्रदर्शनी मैदान
15. कला और शिल्प कार्यशाला
16. मनोरंजन क्लब
17. पर्यटन संवर्धन गतिविधियाँ

स्पष्टीकरण हेतु, आवासीय विकास की अनुमति नहीं है।

अनुसूची-ख

(खंड 2.1 देखें)

हवाईअड्डे का विकास

1. हवाईअड्डे का विकास

हवाई अड्डे के विकास में इस अनुसूची-ख और अनुसूची-ग में वर्णित अनुसार हवाईअड्डे का निर्माण सम्मिलित होगा।

2. हवाईअड्डा

2.1. हवाई अड्डे के विकास में निम्नलिखित शामिल होंगे:

i. निम्नलिखित अपेक्षाओं के साथ रनवे, टैक्सीवे, एप्रन, विमान पार्किंग बे और संबंधित सुविधाओं सहित वैमानिकी आस्तियों (एरोनॉटिकल एसेट्स) का निर्माण और अधिप्राप्ति:

क. आईसीएओ एयरोड्रोम संदर्भ कोड: सुविधाओं का ज्यामितीय लेआउट सभी चरणों में कोड एफ प्रचालन के अनुरूप होना चाहिए। हवाई अड्डे का निर्माण कोड 4ई प्रचालनों के लिए किया जाना है और किसी भी उपयोगकर्ता द्वारा मांग किए जाने पर इसे कोड एफ में उन्नत किया जाएगा।

ख. रनवे की अवस्थिति:

विवरण	**नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का विवरण**
एयरोड्रोम उन्नयन	**199 मीटर (माध्य समुद्र तल से ऊपर)**
	निर्देशांक
एआरपी (एयरोड्रोम संदर्भ बिंदु)	28°10'32.20" एन, 77°36'22.47" ई
रनवे 10एल (रनवे 10L)	28°11'00.46" एन, 77°35'32.74" ई
रनवे 28आर (रनवे 28R)	28°10'34.69" एन, 77°37'52.67" ई
रनवे 10आर (रनवे 10R)	28°10'10.41" एन, 77°35'16.26" ई
रनवे 28एल (रनवे 28L)	28°09'43.00" एन, 77°37'45.15" ई
रनवे आयाम	
10L-28आर	3900 × 60 मीटर
10R-28आर	4150 × 60 मीटर

ii. टर्मिनल भवन का निर्माण और अधिप्राप्ति निम्नानुसार होगी:

क. टर्मिनल भवन हेतु सेवा स्तर - आईएटीए सेवा स्तर 'ऑप्टिमम' के अनुरूप।

ख. प्रत्येक अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू विमान द्वारों का 75% (पचहत्तर प्रतिशत) बोर्डिंग ब्रिजों (एयरोब्रिज) द्वारा सेवित होगा।

ग. पीक आवर यात्री (आगमन और प्रस्थान सहित) प्रति टर्मिनल भवन का इकाई क्षेत्र (सभी विविध और सहायक स्थलों सहित) न्यूनतम 30 वर्ग मीटर होगा।

घ. अंतर्राष्ट्रीय मानक स्तर की खुदरा और अन्य यात्री सेवाएं प्रदान करना; और

ङ. टर्मिनल डिज़ाइन वर्तमान प्रचालनों पर न्यूनतम प्रभाव डालते हुए क्रमिक विस्तार में सक्षम होना चाहिए।

च. सभी सुविधाएं और सेवाएं अत्याधुनिक तकनीक तथा अंतर्राष्ट्रीय मानकों की होनी चाहिए।

2.2. हवाईअड्डे का निर्माण रियायतग्राही द्वारा अनुसूची-क में निर्धारित मास्टर प्लान और अनुसूची-डी में निर्धारित विनिर्देशों एवं मानकों के अनुरूप किया जाएगा।

3. आरक्षित क्षेत्र

रियायतग्राही, प्राधिकरण और भारत सरकार की नामित एजेंसियों द्वारा आरक्षित सेवाओं के निष्पादन हेतु आरक्षित क्षेत्र को चिह्नित और आवंटित करेगा तथा नामित भारत सरकार एजेंसी से अनुमोदन प्राप्त करेगा।

4. सिटी साइड विकास

4.1. सिटी साइड विकास के लिए निर्दिष्ट समग्र 24 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 2.5 का एफएसआई लागू होगा। इस क्षेत्र का उपयोग केवल अनुसूची-क के परिशिष्ट IV के अनुसार आर्थिक गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाना चाहिए।

4.2. सिटी साइड विकास अनुसूची-घ में निर्धारित विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप किया जाएगा।

5. कार्गो सुविधाएं

5.1. रियायतग्राही हवाई अड्डे पर कार्गो सुविधा के विकास के लिए स्थल के भीतर भूमि निर्धारित करेगा।

5.2. एप्रन, अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कार्गो हेतु कार्गो टर्मिनल तथा अन्य संबद्ध सुविधाओं सहित कार्गो सुविधाओं को लागू मानकों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार चरणबद्ध तरीके से विकसित किया जाएगा।

6. एमआरओ सुविधाएं

6.1. रियायतग्राही लागू मानकों और विनिर्देशों के अनुसार हवाई अड्डे पर एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत एवं ओवरहाल) सुविधा के विकास के लिए स्थल के भीतर न्यूनतम 40 एकड़ भूमि निर्धारित करेगा।

6.2. इस निर्धारित क्षेत्र का उपयोग किसी अन्य गतिविधि के लिए नहीं किया जा सकता है।

6.3. रियायतग्राही को अनिवार्य रूप से किसी तीसरे पक्ष के साथ कोई व्यवस्था करनी होगी या रियायतग्राही स्वयं चरण I के सीओडी की 10वीं वर्षगांठ तक एमआरओ सुविधाओं और संबद्ध गतिविधियों के विकास व संचालन का निर्णय लेगा।

6.4. एमआरओ सुविधा को, रियायत समझौते के खंड 12.10 में विनिर्दिष्ट आवश्यकताओं के अधीन, स्थापित मांग के अनुसार प्रकार और आकार के विमानों की सेवा के लिए विकसित किया जाएगा, जिसमें डीजीसीए के सीएआर-145 के प्रावधानों के अनुसार विमान के लिए आवश्यक भवन, संरचनाएं और उपकरण शामिल होंगे। इसका निर्माण इस समझौते के प्रावधानों, लागू कानूनों, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों, सीएआर दिशानिर्देशों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार किया जाएगा।

7. कार पार्क

7.1. रियायतग्राही लागू कानून और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार आरक्षित कार पार्क सुविधा सहित कार पार्क सुविधा के लिए स्थल के भीतर भूमि निर्धारित करेगा।

अनुसूची-ग

(खंड 2.1 देखें)

परियोजना सुविधाएं

1. परियोजना सुविधाएं

रियायतग्राही इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार परियोजना सुविधाओं का निर्माण या स्थापना करेगा।

2. हवाईअड्डे हेतु परियोजना सुविधाएं

हवाई अड्डे का हिस्सा बनने वाली और प्रत्येक चरण के सीओडी पर या उससे पहले पूरी की जाने वाली परियोजना सुविधाओं का विवरण इस अनुसूची-ग के परिशिष्ट-I में दिया गया है।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-ग)

हवाई अड्डे हेतु परियोजना सुविधाएं

रियायतग्राही हवाई अड्डे का हिस्सा बनने के लिए इस परिशिष्ट I में वर्णित परियोजना सुविधाओं का निर्माण करेगा। परियोजना सुविधाओं में निम्नलिखित शामिल होंगे:

(क) सुविधाओं का ज्यामितीय लेआउट सभी चरणों में कोड-एफ प्रचालन के अनुरूप होना चाहिए। हवाई अड्डे का निर्माण कोड 4ई प्रचालनों के लिए किया जाना है और किसी भी उपयोगकर्ता द्वारा मांग किए जाने पर इसे कोड एफ में उन्नत किया जाएगा;

(ख) आईएटीए स्तर की सेवा 'ऑप्टिमम' आवश्यकताओं के लिए आवश्यक सभी सेवाओं और सुविधाओं से युक्त यात्री टर्मिनल भवन;

(ग) हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) और मौसम संबंधी सुविधाएं;

(घ) एयरसाइड और लैंडसाइड पहुँच मार्ग तथा अग्रप्रांगण (फोरकोर्ट), जिसमें कर्ब-साइड, ट्रैफिक सिग्नल, उपयुक्त साइनेज के माध्यम से मार्ग-दर्शन शामिल हैं;

(ङ) प्रसंस्करण और भंडारण हेतु कार्गो टर्मिनल और अनुषंगी सुविधाएं;

(च) विमान बचाव एवं अग्निशमन (एआरएफएफ) सुविधाएं;

(छ) विमान ईंधन भरने की सेवाओं हेतु अवसंरचना;

(ज) आरक्षित सेवाएं ;

(झ) आपातकालीन सेवाएं;

(ञ) दूषित जल (फाउल) और सतही जल की निकासी व्यवस्था;

(ट) विमान ग्राउंड सर्विस उपकरण रखरखाव सुविधाएं;

(ठ) हैंगर;

(ड) उड़ान खानपान सेवाएं;

(ढ) वाहन पार्किंग;

(ण) पुलिस स्टेशन और सीमा शुल्क भवन;

(त) हवाई अड्डे पर यात्री सेवाओं से संबंधित अन्य गतिविधियाँ;

(थ) इसके अतिरिक्त, आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों, लागू कानूनों और प्राधिकरण के निर्देशानुसार आवश्यक किसी भी सुविधा को इस समझौते के हिस्से के रूप में प्रदान करने की आवश्यकता होगी।

अनुसूची-घ

(खंड 2.1 देखें)

विनिर्देश और मानक

1. हवाईअड्डा

रियायतग्राही हवाई अड्डे के निर्माण के लिए इस अनुसूची-घ के परिशिष्ट-I में निर्धारित विनिर्देशों और मानकों का अनुपालन करेगा।

2. सिटी साइड विकास

सिटी साइड विकास लागू कानूनों, उत्तम उद्योग पद्धति और भारत में व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले भवन निर्माण कोड के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा। यदि भारतीय कोड उपलब्ध नहीं हैं, तो लागू यूके या यूएसए कोड का उपयोग किया जाएगा।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-घ)

हवाई अड्डे हेतु विनिर्देश और मानक

1. अनिवार्य मानक और आवश्यकताएं

रियायतग्राही निम्नलिखित में विनिर्दिष्ट निर्माण मानकों और अन्य आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य करेगा:

(क) धारा 4, श्रृंखला खB (भाग I), नागर विमानन आवश्यकताएं (सीएआर), एयरोड्रोम मानक और हवाई यातायात सेवाएं (26 अगस्त 2015); समय-समय पर यथासंशोधित।

(ख) डीजीसीए सीएआर धारा 4 - एयरोड्रोम मानक और हवाई यातायात सेवाएं; श्रृंखला 'एफ' भाग-I दिनांक 16 अक्टूबर 2006, एयरोड्रोम लाइसेंस जारी करने के संबंध में;

(ग) अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (इकाओ) अंतर्राष्ट्रीय मानक और अनुशंसित पद्धतियां, एयरोड्रोम, अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन अभिसमय का अनुलग्नक 14: खंड 1 एयरोड्रोम डिज़ाइन और प्रचालन, आठवां संस्करण, जुलाई 2018;

(घ) आईसीएओ एयरोड्रोम डिज़ाइन मैनुअल (डोक 9157);

(ङ) आईसीएओ हवाई अड्डा सेवा मैनुअल (डोक 9137);

(च) कोई अन्य आईसीएओ मैनुअल और मानक, जो यथा लागू हों;

(छ) हवाई अड्डा टर्मिनल भवनों, ईंधन भरने वाले रैंप ड्रेनेज और लोडिंग वॉकवे पर अमेरिकी राष्ट्रीय अग्नि सुरक्षा संघ (एनएफपीए) के मानक;

(ज) अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ (आयटा) हवाई अड्डा विकास संदर्भ मैनुअल, 11वां संस्करण, मार्च 2019;

(झ) राष्ट्रीय भवन कोड (एनबीसी, 2016); और

(ञ) भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित प्रासंगिक भारतीय मानक कोड;

(ट) ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा जारी ऊर्जा संरक्षण भवन कोड, 2017, समय-समय पर यथासंशोधित;

(ठ) सांविधिक एजेंसी आवश्यकताएं, जिनमें डीजीसीए, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस), रक्षा मंत्रालय, सीमा शुल्क और आप्रवासन प्राधिकरण, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शामिल हैं;

(ड) लागू स्थानीय उप-नियम और विकास नियंत्रण विनियम;

(ढ) कोई अन्य लागू मैनुअल, मानक, विनिर्देश, दिशानिर्देश जो ऊपर सूचीबद्ध नहीं हैं।

अनुसूची-ड.

(खंड 4.1.3 देखें)

लागू अनुमतियां

भाग I

1. नियत तिथि से पूर्व लागू अनुमतियां

रियायतग्राही लागू कानूनों के तहत आवश्यक निम्नलिखित लागू अनुमतियां नियत तिथि पर या उससे पहले प्राप्त करेगा, सिवाय उस सीमा तक जहां समझौते के खंड 4.1.3 के अनुसार प्राधिकरण द्वारा छूट प्रदान की गई हो:

(क) हवाई अड्डे के निर्माण के लिए डीजीसीए का 'सैद्धांतिक' अनुमोदन; और

भाग II

2. सीओडी से पूर्व लागू अनुमतियां

रियायतग्राही संबंधित गतिविधि शुरू करने से पहले, लागू कानूनों के तहत आवश्यक निम्नलिखित लागू अनुमतियां प्राप्त करेगा:

(i) हवाई अड्डे के संचालन के लिए डीजीसीए लाइसेंस;

(ii) खदान से बोल्डर निकालने के लिए राज्य सरकार की अनुमति;

(iii) क्रशर लगाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनुमति;

(iv) विस्फोटकों के उपयोग के लिए लाइसेंस;

(v) नदी/जलाशय से जल आहरण हेतु राज्य सरकार की अनुमति;

(vi) बैचिंग प्लांट स्थापित करने के लिए कारखाना निरीक्षक या अन्य सक्षम प्राधिकारी से लाइसेंस;

(vii) बैचिंग प्लांट स्थापित करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अनापत्ति/स्वीकृति;

(viii) डामर (एस्फाल्ट) प्लांट के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्वीकृति;

(ix) डीजल जनरेटर सेट की स्थापना के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की स्वीकृति;

(x) पेड़ों की कटाई के लिए राज्य सरकार की अनुमति; तथा

(xi) लागू कानूनों के तहत आवश्यक कोई अन्य परमिट या स्वीकृतियां।

जब तक कि इस समझौते में अन्यथा विनिर्दिष्ट न हो, हवाई अड्डे के पर्यावरणीय संरक्षण और संवर्धन से संबंधित लागू अनुमतियां (यदि कोई हों), सिटी साइड विकास को छोड़कर, प्राधिकरण द्वारा एक पूर्ववर्ती शर्त के रूप में प्राप्त की गई होंगी।

अनुसूची-एफ

(खंड 9.1 देखें)

कार्यान्वयन गारंटी / निष्पादन सुरक्षा

सेवा में,

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड

प्रथम तल, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, सेक्टर- ओमेगा 1, ग्रेटर नोएडा

चूंकि :

(क) _____ (जिन्हें आगे "रियायतग्राही" कहा गया है) और _____ (जिन्हें आगे "प्राधिकरण" कहा गया है) ने दिनांक _____ को एक रियायत समझौता ("समझौता") निष्पादित किया है जिसके द्वारा प्राधिकरण ने समझौते के प्रावधानों के अधीन और उनके अनुसार डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") के आधार पर उत्तर प्रदेश राज्य के जेवर में नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण, संचालन, रखरखाव और प्रबंधन का कार्य रियायतग्राही को सौंपने पर सहमति व्यक्त की है।

(ख) समझौते के अनुसार रियायतग्राही को निर्माण अवधि के दौरान समझौते के तहत और उसके अनुसार अपने दायित्वों के उचित और निष्ठावान निष्पादन हेतु सुरक्षा के रूप में प्राधिकरण को _____ करोड़ रुपये (रुपये _____ करोड़) ("गारंटी राशि") की निष्पादन सुरक्षा (परफॉर्मेंस सिक्योरिटी) प्रस्तुत करना आवश्यक है।

(ग) हम, _____ अपनी _____ स्थित शाखा के माध्यम से (जिन्हें आगे "बैंक" कहा गया है) निष्पादन सुरक्षा के रूप में यह बैंक गारंटी प्रस्तुत करने पर सहमत हुए हैं।

अतएव, अब बैंक इसके द्वारा बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से निम्नानुसार गारंटी देता है और पुष्टि करता है:

1. बैंक इसके द्वारा बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से गारंटी देता है और वचनबद्धता करता है कि निर्माण अवधि के दौरान समझौते के प्रावधानों के तहत और उनके अनुसार रियायतग्राही के सभी या किसी भी दायित्व के उचित और निष्ठावान निष्पादन में कोई विफलता या चूक होने पर, प्राधिकरण की पहली लिखित मांग पर, बिना किसी आपत्ति, आरक्षण, आश्रय, विवाद या विरोध के और रियायतग्राही के किसी संदर्भ के बिना, प्राधिकरण द्वारा दावा की गई गारंटी राशि की कुल राशि तक की ऐसी राशि या राशियों का भुगतान प्राधिकरण को करेगा,

जिसके लिए प्राधिकरण को अपनी मांग और/या उसमें विनिर्दिष्ट राशि के आधार या कारण सिद्ध करने या प्रदर्शित करने की आवश्यकता नहीं होगी।

2. प्राधिकरण द्वारा _____ के पद से अनिम्न रैंक के अधिकारी के हस्ताक्षर से जारी पत्र, जिसमें यह उल्लेख हो कि रियायतग्राही ने समझौते के तहत अपने सभी या किसी दायित्व के उचित और निष्ठावान निष्पादन में चूक की है, बैंक पर निर्णायक, अंतिम और बाध्यकारी होगा। बैंक आगे सहमति व्यक्त करता है कि समझौते के तहत निर्माण अवधि के दौरान रियायतग्राही अपने दायित्वों के उचित और निष्ठावान निष्पादन में चूककर्ता है या नहीं, इसका एकमात्र निर्णायक प्राधिकरण होगा और उसका यह निर्णय कि रियायतग्राही चूककर्ता है, बैंक पर अंतिम और बाध्यकारी होगा, भले ही प्राधिकरण और रियायतग्राही के बीच कोई मतभेद हो, या किसी न्यायालय, न्यायाधिकरण, मध्यस्थ या किसी अन्य प्राधिकरण या निकाय के समक्ष कोई विवाद लंबित हो, या किसी भी कारण से रियायतग्राही का दायित्वमुक्ति हुई हो।

3. इस गारंटी को प्रभावी करने के लिए प्राधिकरण ऐसे कार्य करने का हकदार होगा मानो बैंक मुख्य देनदार हो, और रियायतग्राही और/या बैंक के गठन में कोई भी परिवर्तन, चाहे वह किसी अन्य निकाय या निगम के साथ विलय द्वारा हो या अन्यथा, इस गारंटी के तहत बैंक के दायित्व या बाध्यता को किसी भी तरह या तरीके से प्रभावित नहीं करेगा।

4. प्राधिकरण के लिए यह आवश्यक नहीं होगा, और बैंक इसके द्वारा ऐसी किसी भी आवश्यकता को त्यागता है, कि वह इस गारंटी के तहत बैंक के समक्ष अपनी मांग प्रस्तुत करने से पहले रियायतग्राही के विरुद्ध कोई कानूनी कार्यवाही करे।

5. प्राधिकरण को इस गारंटी के तहत बैंक के दायित्व को किसी भी तरह से प्रभावित किए बिना, समझौते के नियमों और शर्तों को किसी भी समय बदलने, या समझौते में निहित रियायतग्राही के सभी या किसी दायित्व के अनुपालन, पूर्ति और/या निष्पादन के लिए समय या अवधि बढ़ाने, या रियायतग्राही के विरुद्ध प्राधिकरण द्वारा प्रयोग करने योग्य अपने किसी भी अधिकार और शक्तियों को किसी भी समय और समय-समय पर स्थगित करने, और समझौते में निहित किसी भी नियम और शर्त और/या प्राधिकरण के पास उपलब्ध प्रतिभूतियों को लागू करने या लागू करने से विरत रहने की पूरी स्वतंत्रता होगी; और बैंक को प्राधिकरण द्वारा पूर्वोक्त मामलों के संदर्भ में स्वतंत्रता के किसी भी प्रयोग से या रियायतग्राही को समय दिए जाने के कारण या प्राधिकरण की ओर से किसी अन्य सहनशीलता, अनुग्रह, कार्य या चूक के कारण या किसी भी अन्य मामले या वस्तु के कारण अपने दायित्व और बाध्यता से मुक्त नहीं माना जाएगा, जो ज़मानतदारों और गारंटरों से संबंधित किसी भी कानून के तहत इस प्रावधान के अभाव में बैंक को इस गारंटी के तहत उसके दायित्व और बाध्यता से मुक्त करने

का प्रभाव रखता हो; और बैंक इसके द्वारा ऐसे किसी भी कानून के तहत अपने सभी अधिकारों का त्याग करता है।

6. यह गारंटी समझौते के संबंध में या उसके तहत रियायतग्राही के सभी या किसी भी दायित्व की पूर्ति, अनुपालन और/या निष्पादन के लिए प्राधिकरण द्वारा अब या इसके बाद रखी जाने वाली किसी भी अन्य गारंटी या प्रतिभूति के अतिरिक्त है, न कि उसके प्रतिस्थापन में।

7. इसमें पूर्वोक्त किसी भी बात के होते हुए भी, इस गारंटी के तहत बैंक का दायित्व गारंटी राशि तक सीमित है और यह गारंटी नियत तिथि) की पहली वर्षगांठ अर्थात _____ तिथि तक या नीचे पैराग्राफ 8 में विनिर्दिष्ट शर्तों के अनुपालन (जो भी पहले हो) तक लागू रहेगी; और जब तक कि प्राधिकरण द्वारा इस गारंटी के तहत बैंक पर इस गारंटी की समाप्ति की तिथि से 6 (छह) महीने के भीतर लिखित रूप में मांग या दावा प्रस्तुत न किया जाए, इस गारंटी के तहत प्राधिकरण के सभी अधिकार जब्त हो जाएंगे और बैंक अपने दायित्वों से मुक्त हो जाएगा।

8. यह निष्पादन सुरक्षा, इस गारंटी के प्रयोजनार्थ परियोजना के चरण I के सीओडी से 2 वर्ष की अवधि की समाप्ति के बाद प्रभावी और लागू नहीं रहेगी, बशर्ते रियायतग्राही इस समझौते के उल्लंघन में न हो। रियायतग्राही के वैधानिक लेखापरीक्षक द्वारा विधिवत प्रमाणित अपेक्षित विवरणों के साथ निष्पादन सुरक्षा जारी करने के लिए रियायतग्राही द्वारा किए गए अनुरोध पर, प्राधिकरण चरण I के पूरा होने के दो वर्ष बाद निष्पादन सुरक्षा तुरंत जारी करेगा।

9. बैंक प्राधिकरण की पूर्व स्पष्ट लिखित सहमति के बिना, इसके प्रचलन के दौरान इस गारंटी को वापस न लेने का वचन देता है, और यह घोषणा करता है और वारंटी देता है कि उसके पास इस गारंटी को जारी करने का अधिकार है और अधोहस्ताक्षरी के पास बैंक की ओर से ऐसा करने के पूर्ण अधिकार हैं।

10. इसके तहत अनुरोध, मांग या अन्यथा कोई भी नोटिस बैंक को उसकी उपर्युक्त संदर्भित शाखा के पते पर डाक द्वारा भेजा जा सकता है, जिसे ऐसा नोटिस प्राप्त करने और उसके तहत तत्काल भुगतान करने के लिए विधिवत अधिकृत माना जाएगा; और यदि डाक द्वारा भेजा जाता है तो इसे उस समय दिया गया माना जाएगा जब इसे डाक के सामान्य क्रम में वितरित किया जाना चाहिए था, और ऐसे नोटिस को साबित करने में यह साबित करना पर्याप्त होगा कि नोटिस वाला लिफाफा डाक में डाला गया था, और प्राधिकरण के किसी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र कि लिफाफा इस प्रकार डाक में डाला गया था, निर्णायक होगा।

1. यह गारंटी तत्काल प्रभाव से लागू होगी और आज की तिथि से दो वर्ष की अवधि तक प्रभावी और लागू रहेगी अथवा जब तक कि इसे समझौते के प्रावधानों के अनुसरण में प्राधिकरण द्वारा पहले जारी/मुक्त न कर दिया जाए।

आज दिनांक _____ 20__ को _____ पर हस्ताक्षरित एवं मुद्रित।

बैंक की ओर से और उसके निमित्त हस्ताक्षरित, मुद्रित और प्रदत्त:

(हस्ताक्षर)

(नाम)

(पदनाम) (कोड संख्या) (पता)

नोट:

i. बैंक गारंटी में गारंटी पर हस्ताक्षर करने वाले अधिकारी (अधिकारियों) का नाम, पदनाम और कोड संख्या होनी चाहिए।

ii. बैंक के प्रधान कार्यालय के साथ-साथ जारीकर्ता शाखा का पता, टेलीफोन नंबर और अन्य विवरण जारीकर्ता शाखा के कवरिंग लेटर पर उल्लिखित होने चाहिए।

अनुसूची-छ

(खंड 12.1 देखें)

परियोजना पूर्णता अनुसूची

1. परियोजना पूर्णता अनुसूची

निर्माण अवधि के दौरान, रियायतग्राही प्रत्येक परियोजना माइलस्टोन और अनुसूचित पूर्णता तिथि ("परियोजना पूर्णता अनुसूची") के लिए इस अनुसूची-जी में निर्धारित आवश्यकताओं का अनुपालन करेगा। प्रत्येक परियोजना मील के पत्थर की तिथि के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, रियायतग्राही उसके आवश्यक विवरणों के साथ इस तरह के अनुपालन की सूचना प्राधिकरण को देगा। संदेह निवारण हेतु, यह सहमति व्यक्त की जाती है कि इस अनुसूची के प्रावधान सिटी साइड विकास पर लागू नहीं होंगे।

2. परियोजना मील का पत्थर-I

2.1. परियोजना मील का पत्थर-I नियत तिथि से 180वें (एक सौ अस्सीवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा **("परियोजना माइलस्टोन-I")**।

2.2. परियोजना मील का पत्थर-I के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही हवाई अड्डे का निर्माण कार्य शुरू कर चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत के कम से कम 5% (पांच प्रतिशत) का व्यय कर चुका होगा।

3. परियोजना मील का पत्थर-II

3.1. परियोजना मील का पत्थर-II नियत तिथि से 365वें (तीन सौ पैंसठवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा **("परियोजना माइलस्टोन-I")**।

3.2. परियोजना मील का पत्थर-II के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही रनवे और टर्मिनल भवन का निर्माण कार्य शुरू कर चुका होगा तथा वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 15% (पंद्रह प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा और स्वतंत्र अभियंता को ऐसे व्यय वाले भौतिक प्रगति की प्रकृति और सीमा की जानकारी देगा ताकि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित कर सके कि भौतिक प्रगति किए गए व्यय के यथोचित अनुपात में है। बशर्ते, तथापि, पूर्वोक्त संदर्भित व्यय का कम से कम आधा हिस्सा भौतिक कार्यों पर किया गया हो, जिसमें किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अग्रिम या संयंत्र और मशीनरी पर किसी भी प्रकार का व्यय शामिल नहीं होगा।

4. परियोजना मील का पत्थर-III

4.1. परियोजना मील का पत्थर-III नियत तिथि से 550वें (पांच सौ पचासवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा **("परियोजना माइलस्टोन-III")।**

4.2. परियोजना मील का पत्थर-III के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही टैक्सीवे, एप्रन, एटीसी सुविधा का निर्माण शुरू कर चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 30% (तीस प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा तथा स्वतंत्र अभियंता को ऐसे व्यय वाले भौतिक प्रगति की प्रकृति और सीमा की जानकारी देगा ताकि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित कर सके कि भौतिक प्रगति किए गए व्यय के यथोचित अनुपात में है। बशर्ते, तथापि, पूर्वोक्त संदर्भित व्यय का कम से कम आधा हिस्सा भौतिक कार्यों पर किया गया हो, जिसमें किसी व्यक्ति को किसी भी प्रकार का अग्रिम या संयंत्र और मशीनरी पर किसी भी प्रकार का व्यय शामिल नहीं होगा।

5. परियोजना माइलस्टोन-IV

5.1. परियोजना मील का पत्थर-IV नियत तिथि से 730वें (सात सौ तीसवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा ("**परियोजना माइलस्टोन-IV***")*।

5.2. परियोजना मील का पत्थर-IV के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही कार्गो सुविधाओं, कार पार्क और प्रशासनिक कार्यालय ब्लॉक का निर्माण शुरू कर चुका होगा या शुरू करवा चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 50% (पचास प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा।

6. परियोजना माइलस्टोन-V

6.1. परियोजना माइलस्टोन-V नियत तिथि से 920वें (नौ सौ बीसवें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगा ("**परियोजना माइलस्टोन-V**")।

6.2. परियोजना मील का पत्थर-V के घटित होने से पूर्व, रियायतग्राही रनवे का ट्रायल रन (परीक्षण संचालन) शुरू कर चुका होगा और वित्तीय पैकेज में निर्धारित कुल परियोजना लागत का कम से कम 75% (पचहत्तर प्रतिशत) व्यय कर चुका होगा।

7. अनुसूचित पूर्णता तिथि

7.1. अनुसूचित पूर्णता तिथि नियत तिथि से 1095वें (एक हजार पचानवे वें) दिन पड़ने वाली तिथि को घटित होगी।

7.2. अनुसूचित पूर्णता तिथि पर या उससे पहले, रियायतग्राही इस समझौते के अनुसार हवाई अड्डे का निर्माण पूरा कर लेगा।

8. अवधि का विस्तार

इस समझौते के प्रावधानों के तहत और उनके अनुसार, उपर्युक्त परियोजना मील के पत्थरों में से किसी या सभी अथवा अनुसूचित पूर्णता तिथि के विस्तार पर, जैसा भी मामला हो, परियोजना पूर्णता अनुसूची को तदनुसार संशोधित माना जाएगा।

9. आगामी चरणों हेतु परियोजना पूर्णता अनुसूची

हवाई अड्डा विकास के प्रत्येक आगामी चरण के लिए, रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता और प्राधिकरण को अनुसूची A के प्रावधानों के अनुसार विकास योजना तैयार कर प्रस्तुत करेगा, जिसमें परियोजना पूर्णता अनुसूची शामिल होगी, जो मापने योग्य समय इकाइयों (दिन/सप्ताह/माह/वर्ष) में मील के पत्थर को परिभाषित करती है, और विकास के संबंधित चरण के वित्तीय पैकेज में निर्धारित परियोजना लागत की खर्च की गई राशि को विनिर्दिष्ट करती है ("चरण पूर्णता अनुसूची")।

अनुसूची-एच

(खंड 12.3 देखें)

आरेखण

1. आरेखण

इस समझौते के खंड 12.3 में निर्धारित दायित्वों के अनुपालन में, रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता को इस अनुसूची-एच के परिशिष्ट-I में सूचीबद्ध सभी आरेखण निःशुल्क प्रस्तुत करेगा।

2. अतिरिक्त आरेखण

यदि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि इस समझौते के तहत अपने कर्तव्यों और कार्यों के निर्वहन के लिए, उसे परिशिष्ट-I में सूचीबद्ध रेखाचित्रों के अलावा किसी अन्य रेखाचित्र की आवश्यकता है, तो वह नोटिस द्वारा रियायतग्राही से ऐसे रेखाचित्र तत्काल तैयार करने और प्रस्तुत करने की मांग कर सकता है। इस आशय की मांग प्राप्त होने पर, रियायतग्राही तुरंत ऐसे रेखाचित्र तैयार करेगा और स्वतंत्र अभियंता को प्रस्तुत करेगा, मानो ऐसे रेखाचित्र इस अनुसूची-एच के परिशिष्ट-I का हिस्सा थे।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची एच)

रेखाचित्रों की सूची

रियायतग्राही रेखाचित्रों की निम्नलिखित सूची प्रस्तुत करेगा:

- चरणों के अनुसार मास्टर प्लान
- सभी भवनों के लिए वास्तुकला डिज़ाइन
- सभी भवनों के लिए संरचनात्मक रेखाचित्र
- सभी भवनों के लिए एमईपी रेखाचित्र - यांत्रिक, विद्युत एवं प्लंबिंग
- एयरसाइड, टर्मिनल और लैंडसाइड सहित सभी सुविधाओं के लिए सिविल डिज़ाइन।

अनुसूची-I

(खंड 14.1.2 देखें)

परीक्षण

1. परीक्षणों हेतु अनुसूची

1.1. रियायतग्राही, हवाईअड्डे के संभावित पूर्ण होने से कम से कम 90 (नब्बे) दिन पहले, हवाईअड्डे को परीक्षणों के अधीन करने के अपने इरादे के बारे में स्वतंत्र अभियंता और प्राधिकरण को सूचित करेगा, और परीक्षणों की वास्तविक तिथि से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले, स्वतंत्र अभियंता और प्राधिकरण को हवाईअड्डे का हिस्सा बनने वाले सभी कार्यों और उपकरणों की विस्तृत सूची और विवरण प्रस्तुत करेगा।

1.2. रियायतग्राही ऐसे नोटिस की तिथि से 7 (सात) दिनों के बाद किसी भी समय हवाई अड्डे को परीक्षणों के अधीन करने की अपनी तत्परता के बारे में स्वतंत्र अभियंता को सूचित करेगा, और ऐसा नोटिस प्राप्त होने पर, स्वतंत्र अभियंता, रियायतग्राही के परामर्श से, प्रत्येक परीक्षण के लिए तिथि और समय निर्धारित करेगा और प्राधिकरण को इसकी सूचना देगा जो परीक्षणों को देखने के लिए अपने प्रतिनिधि को नामित कर सकता है। तदनुसार स्वतंत्र अभियंता स्वयं परीक्षण आयोजित करेगा या अनुच्छेद 14 और इस अनुसूची-I के अनुसार किसी भी परीक्षण को आयोजित करवाएगा।

2. परीक्षण

2.1. इस समझौते के खंड 14.1.2 के प्रावधानों के अनुसरण में, स्वतंत्र अभियंता इस पैराग्राफ 2 में विनिर्दिष्ट परीक्षणों का संचालन करेगा या करवाएगा।

2.2. दृश्य और भौतिक परीक्षण: स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करने के लिए हवाई अड्डे की दृश्य और भौतिक जांच करेगा कि उसके हिस्से बनने वाले सभी कार्य और उपकरण इस समझौते के प्रावधानों के अनुरूप हैं।

2.3. रनवे, टैक्सीवे, एप्रन, एटीसी सुविधा और टर्मिनल भवन को पूर्ण संरचनाओं या उसके हिस्से के गैर-विनाशकारी परीक्षण के अधीन किया जाएगा, जिसे (आईएस-13311) में वर्णित प्रक्रिया, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों और डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों के अनुसार आयोजित किया जाएगा। यदि स्वतंत्र अभियंता को निम्नलिखित में से किसी भी कारण से ऐसी संरचना की मजबूती की पर्याप्तता के बारे में उचित संदेह है, तो वह रियायतग्राही से पूर्वोक्त परीक्षण करने या करवाने की अपेक्षा करेगा:

(क) कंक्रीट परीक्षण क्यूब्स पर संपीड़ित शक्ति (कंप्रेसिव स्ट्रेंथ) के परिणाम विनिर्दिष्ट शक्ति से कम होना;

(ख) फॉर्मवर्क को समय से पहले हटाना;

(ग) कंक्रीट की अपर्याप्त तराई;

(घ) संरचना या उसके हिस्से के निर्माण के दौरान अत्यधिक भार डालना;

(ङ) हनीकॉम्ब या क्षतिग्रस्त कंक्रीट की उपस्थिति जो डिज़ाइन लोड वहन करने के लिए संरचना की स्थिरता को प्रभावित कर सकती है; या

(च) कोई अन्य कारण जिसके परिणामस्वरूप संरचना या उसका कोई हिस्सा अपेक्षित मजबूती से कम हो सकता है।

2.4. उपकरणों के लिए परीक्षण: स्वतंत्र अभियंता विनिर्देशों और मानकों तथा सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ सभी उपकरणों के अनुपालन का निर्धारण करने के लिए, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार परीक्षण आयोजित करेगा या करवाएगा।

2.5. परीक्षण उड़ानों के लिए ट्रायल रन: रियायतग्राही द्वारा सीओडी से कम से कम 120 (एक सौ बीस) दिन पहले एटीसी सुविधा को प्राधिकरण या भारत सरकार की नामित एजेंसी को सौंपने और प्राधिकरण द्वारा सीओडी से कम से कम 90 (नब्बे) दिन पहले सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए एटीसी सुविधा को सीएनएस/एटीएम उपकरणों से सुसज्जित करने के अधीन, स्वतंत्र अभियंता प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों तथा डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों के साथ हवाई अड्डे के अनुपालन को निर्धारित करने के लिए हवाईअड्डे पर उड़ानों के लिए पर्याप्त ट्रायल रन आयोजित करेगा या करवाएगा।

2.6. हवाईअड्डे का ट्रायल रन : स्वतंत्र अभियंता विनिर्देशों और मानकों, रखरखाव आवश्यकताओं, प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों और सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ वैमानिकी आस्तियों, टर्मिनल भवन और गैर-वैमानिकी आस्तियों सहित हवाईअड्डे के अनुपालन को निर्धारित करने के लिए हवाईअड्डे के पर्याप्त ट्रायल रन आयोजित करेगा या करवाएगा।

2.7. पर्यावरणीय लेखापरीक्षा : स्वतंत्र अभियंता लागू कानूनों और लागू परमिटों में निर्धारित पर्यावरणीय आवश्यकताओं के साथ हवाईअड्डे की अनुरूपता निर्धारित करने के लिए जांच करेगा।

2.8. अन्य अनिवार्य परीक्षण: रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि डीजीसीए द्वारा हवाई अड्डा लाइसेंस प्रदान करने के लिए लागू कानूनों के अनुसार आवश्यक सभी सांविधिक परीक्षण सीओडी से 15 (पंद्रह) दिन पहले आयोजित और पूरे किए जाएं।

3. परीक्षण आयोजित करने वाली एजेंसी

इस अनुसूची-I में निर्धारित सभी परीक्षण स्वतंत्र अभियंता द्वारा या ऐसी अन्य एजेंसी या व्यक्ति द्वारा आयोजित किए जाएंगे जिसे वह प्राधिकरण के परामर्श से विनिर्दिष्ट करे।

4. सुरक्षा प्रमाणन हेतु परीक्षण

सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ हवाईअड्डे की अनुरूपता निर्धारित करने के लिए परीक्षण उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार और लागू कानूनों के अनुरूप आयोजित किए जाएंगे।

5. पूर्णता/अनंतिम प्रमाणपत्र

परीक्षणों के सफल समापन पर, स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 14 के प्रावधानों के अनुसार पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र, जैसा भी मामला हो, जारी करेगा।

6. निर्माण के दौरान परीक्षण

इस अनुसूची-I के प्रावधानों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, निर्माण के दौरान परीक्षण खंड 13.3.1 के प्रावधानों के अनुसार आयोजित किए जाएंगे।

अनुसूची-जे

(खंड 14.2 एवं 14.3 देखें)

पूर्णता प्रमाणपत्र

1. मैं/हम, _____ (स्वतंत्र अभियंता का नाम), स्वतंत्र अभियंता के रूप में कार्य करते हुए, डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण **("डीबीएफओटी**") के आधार पर जेवर के पास नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के विकास और संचालन के लिए दिनांक _____ के रियायत समझौते ("**समझौता**") के तहत और उसके अनुसार, _____ (रियायतग्राही का नाम) के माध्यम से, एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि समझौते के प्रावधानों के साथ हवाईअड्डे के अनुपालन को निर्धारित करने के लिए समझौते के अनुच्छेद 14 और अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है, और मैं/हम संतुष्ट हूँ/हैं कि हवाईअड्डे को इसके उपयोगकर्ताओं की वाणिज्यिक सेवा में सुरक्षित और विश्वसनीय रूप से रखा जा सकता है।

2. यह प्रमाणित किया जाता है कि, पूर्वोक्त समझौते के अनुसार, हवाईअड्डे का हिस्सा बनने वाले सभी कार्य पूरे हो चुके हैं, और हवाई अड्डा आज दिनांक _____ 20__ को वाणिज्यिक परिचालन में प्रवेश के लिए तैयार है।

स्वतंत्र अभियंता की ओर से और उनके निमित्त

हस्ताक्षरित, मुद्रित और प्रदत्त:

(हस्ताक्षर)

(नाम)

(पदनाम)

(पता)

अनंतिम प्रमाणपत्र

1. मैं/हम, _____ (स्वतंत्र अभियंता का नाम), स्वतंत्र अभियंता के रूप में कार्य करते हुए, डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("**डीबीएफओटी**") के आधार पर जेवर के पास नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे के विकास और संचालन के लिए दिनांक _____ के रियायत समझौते ("**समझौता**") के तहत और उसके अनुसार, _____ (रियायतग्राही का नाम) के माध्यम से, एतद्द्वारा प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि समझौते के प्रावधानों के साथ इसके अनुपालन को निर्धारित करने के लिए हवाईअड्डे के लिए समझौते के अनुच्छेद 14 और अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट परीक्षण किए गए हैं।

2. हवाईअड्डे का हिस्सा बनने वाले निर्माण कार्य जो अपूर्ण और/या त्रुटिपूर्ण पाए गए थे, उन्हें इसके साथ संलग्न पंच सूची में विनिर्दिष्ट किया गया है, और रियायतग्राही ने सहमति व्यक्त की है और स्वीकार किया है कि वह समझौते में निर्धारित समय और तरीके से ऐसे सभी कार्यों को पूरा करेगा और/या सुधारेगा। कुछ अपूर्ण कार्यों में प्राधिकरण के कारण या अप्रत्याशित घटना के कारण देरी हुई है और इस कारण से अनंतिम प्रमाणपत्र को रोका नहीं जा सकता है। यद्यपि शेष अपूर्ण कार्यों में रियायतग्राही के कारण देरी हुई है, मैं/हम संतुष्ट हूँ/हैं कि ऐसे अपूर्ण कार्यों की प्रकृति और सीमा को ध्यान में रखते हुए, उनके पूरा होने तक हवाईअड्डे के वाणिज्यिक परिचालन को रोकना विवेकपूर्ण नहीं होगा।

3. पूर्वगामी के आलोक में, मैं/हम संतुष्ट हूँ/हैं कि हवाईअड्डे को उसके उपयोगकर्ताओं की वाणिज्यिक सेवा में सुरक्षित और विश्वसनीय रूप से रखा जा सकता है, और समझौते की शर्तों के अनुसार, हवाई अड्डा आज दिनांक ___ 20__ को वाणिज्यिक परिचालन में प्रवेश के लिए अनंतिम रूप से तैयार है।

रियायतग्राही की ओर से एवं उनके निमित्त स्वीकृत, हस्ताक्षरित, मुद्रित एवं प्रदत्त:	**स्वतंत्र अभियंता की ओर से एवं उनके निमित्त हस्ताक्षरित, मुद्रित एवं प्रदत्त:**
(हस्ताक्षर)	**(हस्ताक्षर)**
(नाम एवं पदनाम)	**(नाम एवं पदनाम)**
(पता)	**(पता)**

अनुसूची-के

(खंड 17.2 देखें)

रखरखाव आवश्यकताएं

1. रखरखाव आवश्यकताएं

1.1. रियायतग्राही हर समय समझौते के प्रावधानों, लागू कानूनों और लागू परमिटों के अनुसार हवाईअड्डे का संचालन और रखरखाव करेगा।

1.2. रियायतग्राही इस अनुसूची-K के पैराग्राफ 2 में निर्धारित किसी भी दोष या कमी की मरम्मत या सुधार उसमें विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर करेगा और इस संबंध में कोई भी विफलता समझौते का उल्लंघन मानी जाएगी। इसके तहत किसी भी उल्लंघन के घटित होने पर, प्राधिकरण समझौते के खंड 17.8 में निर्धारित हर्जाना वसूलने का हकदार होगा, जिससे समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकारों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, जिसमें इसकी समाप्ति (टर्मिनेशन) भी शामिल है।

2. दोषों और कमियों की मरम्मत/सुधार

2.1. रखरखाव आवश्यकताओं के संबंध में रियायतग्राही के दायित्वों में लागू कानूनों, लागू परमिटों, प्रासंगिक डीजीसीए और आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों तथा उत्तम उद्योग पद्धति में विनिर्दिष्ट दोषों और कमियों की मरम्मत और सुधार करना अथवा हवाईअड्डे को यथोचित आवश्यक सीमा तक नवीनीकृत, प्रतिस्थापित और उन्नत करना शामिल होगा। सभी रखरखाव, मरम्मत और अन्य कार्य इस तरह से किए जाएंगे जिससे हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं को होने वाली असुविधा न्यूनतम हो।

2.2. रियायतग्राही रखरखाव आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हर समय स्पेयर पार्ट्स और उपभोग्य सामग्रियों की पर्याप्त सूची (इन्वेंट्री) बनाए रखेगा।

3. अन्य दोष और कमियां

3.1. उपर्युक्त दस्तावेजों या मानकों में से किसी में विनिर्दिष्ट नहीं किए गए किसी भी दोष या कमी के संबंध में, रियायतग्राही उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार और स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर मरम्मत या सुधार का कार्य करेगा।

3.2. इस अनुसूची-K के परिशिष्ट-I में विनिर्दिष्ट नहीं किए गए किसी भी दोष या कमी के संबंध में, स्वतंत्र अभियंता, उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप, विनिर्देशों और मानकों के संदर्भ में विचलन या गिरावट की स्वीकार्य सीमा विनिर्दिष्ट कर सकता है, और स्वीकार्य सीमा से परे

किसी भी विचलन या गिरावट की मरम्मत या सुधार रियायतग्राही द्वारा उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार और स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट समय सीमा के भीतर किया जाएगा।

4. समय सीमा का विस्तार

इस अनुसूची के में विनिर्दिष्ट किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, यदि किसी दोष या कमी की प्रकृति और सीमा उसकी मरम्मत या सुधार के लिए यहाँ विनिर्दिष्ट समय से अधिक समय को उचित ठहराती है, तो रियायतग्राही उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप अतिरिक्त समय का हकदार होगा। ऐसा अतिरिक्त समय स्वतंत्र अभियंता द्वारा निर्धारित किया जाएगा और इसके कारणों सहित रियायतग्राही और प्राधिकरण को सूचित किया जाएगा।

5. आपातकालीन मरम्मत/पुनर्स्थापना

इस अनुसूची-K में निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, यदि हवाईअड्डे में कोई दोष, कमी या गिरावट सुरक्षा के लिए खतरा या संपत्ति को नुकसान का जोखिम पैदा करती है, तो रियायतग्राही ऐसे खतरे को समाप्त या न्यूनतम करने के लिए तुरंत सभी उचित उपाय करेगा।

6. रियायतग्राही द्वारा दैनिक निरीक्षण

6.1. रियायतग्राही, अपने अभियंता के माध्यम से, हवाईअड्डे का दैनिक दृश्य निरीक्षण करेगा और उसका रिकॉर्ड एक रजिस्टर में रखेगा जिसे ऐसे रूप और तरीके से रखा जाएगा जैसा स्वतंत्र अभियंता विनिर्दिष्ट करे। ऐसा रिकॉर्ड रियायतग्राही की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा जाएगा और कार्यालय समय के दौरान किसी भी समय प्राधिकरण और स्वतंत्र अभियंता द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रहेगा।

7. विनिवेश आवश्यकताएं

रियायतग्राही द्वारा सभी दोषों और कमियों की मरम्मत और सुधार किया जाएगा ताकि हस्तांतरण तिथि पर हवाई अड्डा रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप हो।

8. अनुसूची-के का प्रदर्शन

रियायतग्राही अनुच्छेद 51 में निर्धारित शिकायत रजिस्टर के साथ इस अनुसूची-के की एक प्रति टर्मिनल भवन में प्रदर्शित करेगा।

अनुसूची-एल

(खंड 26.7 देखें)

सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं

1. सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं

रियायतग्राही हर समय यह सुनिश्चित करेगा कि वह इस अनुसूची-एल के परिशिष्ट-I में निर्धारित सेवा गुणवत्ता आवश्यकताओं को प्राप्त करे।

2. मासिक अनुपालन रिपोर्ट

रियायतग्राही प्रत्येक कैलेंडर माह की समाप्ति के 7 (सात) दिनों के भीतर सेवा गुणवत्ता आवश्यकताओं के अनुपालन पर एक मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

3. अनुसूची-एल का प्रदर्शन

रियायतग्राही अनुच्छेद 51 में निर्धारित शिकायत रजिस्टर के साथ इस अनुसूची-एल की एक प्रति टर्मिनल भवन में प्रदर्शित करेगा।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-एल)

सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं

रियायतग्राही हर समय यह सुनिश्चित करेगा कि हवाईअड्डे पर प्रदान की जाने वाली सेवाएं अनुसूची-L के इस परिशिष्ट-I में विनिर्दिष्ट न्यूनतम प्रदर्शन मानकों ("सेवा गुणवत्ता आवश्यकताएं") के अनुरूप हों।

निष्पादन संकेतक	मापक पैमाना	न्यूनतम निष्पादन मानक
स्थानांतरण प्रक्रिया	80% स्थानांतरण यात्रियों के लिए न्यूनतम कनेक्ट समय	घरेलू/अंतर्राष्ट्रीय: 60 मिनट अंतर्राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय: 45 मिनट घरेलू/घरेलू: 45 मिनट
टर्मिनल सेवाएं	शिकायतों का निवारण	100% शिकायतों का उत्तर 2 कार्य दिवसों के भीतर
	फोन कॉल का उत्तर	90% कॉल का उत्तर 60 सेकंड के भीतर
	उड़ान सूचना की उपलब्धता	98% उपलब्धता
	स्वचालित सेवाएं	98% उपलब्धता
	लिफ्ट, एस्केलेटर आदि	98% उपलब्धता
	मरम्मत पूर्णता समय	95% उच्च प्राथमिकता वाली शिकायतें 4 घंटे में, 95% अन्य शिकायतें 24 घंटे में
	सामान ट्रॉलियां (बैगेज ट्रॉली)	100% उपलब्धता
	दिव्यांगजनों हेतु सहायता	100% समय 5 मिनट के भीतर सहायता
चेक-इन	कतार में अधिकतम समय	बिजनेस क्लास हेतु 5 मिनट इकोनॉमी क्लास हेतु 20 मिनट

सुरक्षा जांच	कतार में प्रतीक्षा समय	ऐसा कि 95% यात्री 5 मिनट से कम प्रतीक्षा करें तथा सुरक्षा जांच बिंदु पर प्रति यात्री औसत समय 45 सेकंड हो।
आप्रवासन	आप्रवासन हेतु कतार में समय	ऐसा कि 95% यात्री 10 मिनट से कम प्रतीक्षा करें तथा काउंटर पर औसत समय 120 सेकंड हो।
सामान वितरण	विमान आगमन से सामान वितरण का समय	घरेलू - पहला बैग 10 मिनट, अंतिम बैग ऑन-ब्लॉक्स समय से 30 मिनट। अंतर्राष्ट्रीय - पहला बैग 15 मिनट, अंतिम बैग ऑन-ब्लॉक्स समय से 40 मिनट।
यात्री आगमन प्रक्रिया	विमान आगमन से कर्ब-साइड तक का समय	अंतर्राष्ट्रीय - 95% यात्री 45 मिनट से कम समय लें घरेलू - 95% यात्री 35 मिनट से कम समय लें
पार्किंग बे	% समय उपलब्धता	99%
यात्री बोर्डिंग ब्रिज	बोर्डिंग ब्रिज हेतु एयरलाइन अनुरोधों की पूर्ति का %	अंतर्राष्ट्रीय - 90% घरेलू - बी737/ए320 या बड़े विमानों हेतु 90% अनुरोध
कार पार्किंग	पार्किंग स्थल खोजने में लगा औसत समय (शुल्क भुगतान/टिकट संग्रह सहित)	95% चालकों को 5 मिनट से कम समय लगे
	पार्किंग स्लॉट से निकास द्वार तक औसत समय (शुल्क भुगतान सहित)	95% चालकों को 5 मिनट से कम समय लगे
टैक्सी	अधिकतम प्रतीक्षा समय	95% यात्री 5 मिनट से कम प्रतीक्षा करें
गेट लाउंज	बैठने की उपलब्धता	विमान क्षमता के 80% हेतु सीटें
लैंड साइड पहुँच	टर्मिनल अग्रभाग सड़क पर विलंब	95% वाहनों को 5 मिनट से कम का विलंब

II. व्यक्तिपरक सेवा गुणवत्ता मानदंड और बेंचमार्क

सेवा की व्यक्तिपरक गुणवत्ता को प्रत्येक तिमाही में आयोजित किए जाने वाले एआईसी एएसक्यू सर्वेक्षण में "हवाईअड्डे से समग्र संतुष्टि" के पैरामीटर पर मापा जाएगा। "हवाईअड्डे से समग्र संतुष्टि" पैरामीटर के लिए बेंचमार्क स्कोर कम से कम ऐसे स्कोर के बराबर होगा कि हवाईअड्डे को दुनिया में अपनी श्रेणी के सभी हवाई अड्डों के शीर्ष 20 (बीस) पर्सेंटाइल के भीतर पहचाना जाए। रियायतग्राही समझौते के प्रावधानों के अनुसार प्रस्तुत किए जा रहे विवरणों के हिस्से के रूप में एआईसी एएसक्यू सर्वेक्षण के सभी मापे गए मापदंडों पर प्रदर्शन भी प्रदान करेगा। निम्नलिखित मदों का मूल्यांकन रियायतग्राही के उचित नियंत्रण या प्रभाव के तहत किया जाएगा और रेटिंग की गणना के लिए उपयोग किया जाएगा। नीचे दी गई सूची एआईसी एएसक्यू सर्वेक्षण दिशानिर्देशों के अनुसार परिवर्तन के अधीन है:

क) दिक्चालन मदें :

- क. हवाईअड्डे के माध्यम से रास्ता खोजने में आसानी / साइनेज
- ख. उड़ान सूचना स्क्रीन
- ग. पैदल चलने की दूरी

ख) कनेक्टिविटी मदें:

- क. अन्य उड़ानों के साथ कनेक्शन बनाने में आसानी
- ख. हवाई अड्डों तक/से भू-परिवहन

ग) सेवा सुविधाएं:

- क. सामान गाड़ियों (बैगेज कार्ट) की उपलब्धता
- ख. रेस्तरां / खानपान सुविधाएं
- ग. खरीदारी की सुविधाएं
- घ. व्यावसायिक सुविधाएं
- ड. प्रसाधन कक्ष (वॉशरूम)
- च. पार्किंग सुविधाएं

घ) पैसे का मूल्य:

- क. रेस्तरां / खानपान सुविधाएं
- ख. खरीदारी सुविधाएं
- ग. पार्किंग सुविधाएं

अनुसूची-एम

(खंड 23.1 देखें)

सुरक्षा आवश्यकताएं

1. मार्गदर्शक सिद्धांत

(क) सुरक्षा आवश्यकताओं का उद्देश्य हवाईअड्डे पर या उसके आसपास दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाली चोटों, जीवन की हानि और संपत्ति के नुकसान में कमी लाना है, भले ही किसी भी व्यक्ति की गलती हो।

(ख) हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं में रियायतग्राही और हवाईअड्डे पर काम करने वाले उसके ठेकेदारों के कर्मचारी शामिल हैं।

(ग) सुरक्षा आवश्यकताएं दुर्घटनाओं से जुड़े कारकों की पहचान, उन पर विचार और उचित उपचारात्मक उपायों के कार्यान्वयन पर जोर देने के साथ निर्माण, संचालन और रखरखाव के सभी चरणों पर लागू होती हैं।

(घ) सुरक्षा आवश्यकताओं में इस अनुसूची-एम के परिशिष्ट-I में विनिर्दिष्ट सुरक्षा दिशानिर्देशों के विशेष संदर्भ में सुरक्षित आवागमन, सुरक्षा प्रबंधन, सुरक्षा उपकरण, अग्नि सुरक्षा, प्रवर्तन और आपातकालीन प्रतिक्रिया से जुड़े उपाय शामिल हैं।

2. रियायतग्राही के दायित्व

रियायतग्राही उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा से संबंधित निम्नलिखित का पालन करेगा:

(क) लागू कानून और लागू परमिट;

(ख) प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित सुरक्षा नियमावली;

(ग) इस समझौते के प्रावधान;

(घ) प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेज और अनुलग्नक, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देश और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत कोड में निहित अन्य प्रासंगिक मानक/दिशानिर्देश; और

(ङ) उत्तम उद्योग पद्धति।

3. सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति

3.1. इस अनुसूची-एम के तहत और उसके अनुसार हवाईअड्डे की सुरक्षा लेखापरीक्षा करने के लिए, प्राधिकरण समय-समय पर एक या अधिक योग्य फर्मों या संगठनों को अपने सलाहकार ("सुरक्षा सलाहकार") के रूप में नियुक्त करेगा। सुरक्षा सलाहकार हवाईअड्डे की सुरक्षा लेखापरीक्षा करने के लिए एक टीम नियुक्त करेगा जिसमें बिना किसी सीमा के, एक हवाई अड्डा सुरक्षा विशेषज्ञ और एक यातायात योजनाकार शामिल होगा।

3.2. प्रत्येक लेखा वर्ष में एक बार, सुरक्षा सलाहकार द्वारा सुरक्षा लेखापरीक्षा की जाएगी। यह पूर्ववर्ती वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट और दुर्घटना डेटा की समीक्षा, संकलन और विश्लेषण करेगा तथा हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा। सुरक्षा सलाहकार 1 (एक) महीने की अवधि के भीतर सुरक्षा लेखापरीक्षा पूरी करेगा और हवाईअड्डे में आवश्यक विशिष्ट सुधारों की सिफारिश करते हुए एक सुरक्षा रिपोर्ट ("सुरक्षा रिपोर्ट") प्रस्तुत करेगा। सुरक्षा रिपोर्ट प्राधिकरण को 5 (पांच) प्रतियों में प्रस्तुत की जाएगी। सुरक्षा रिपोर्ट की एक-एक प्रति प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही और स्वतंत्र अभियंता को तत्काल अग्रेषित की जाएगी।

4. परिचालन अवधि के दौरान सुरक्षा उपाय

4.1. रियायतग्राही उपयोगकर्ताओं के लिए एक निगरानी और सुरक्षा कार्यक्रम विकसित, कार्यान्वित और प्रशासित करेगा, जिसमें विमान के अपहरण पर प्रतिक्रिया, सुरक्षा उल्लंघनों और कमियों का सुधार और इस समझौते के अनुसार सुरक्षित वातावरण प्रदान करने के लिए आवश्यक अन्य सभी कार्रवाइयाँ शामिल हैं।

4.2. रियायतग्राही सीओडी पर और उसके बाद कार्य करने के लिए एक हवाई अड्डा सुरक्षा प्रबंधन इकाई ("एएसएमयू") स्थापित करेगा, और अपने अधिकारियों में से एक को एएसएमयू का प्रभारी नामित करेगा। ऐसे अधिकारी को इस विषय पर किसी प्रतिष्ठित संगठन द्वारा आयोजित पाठ्यक्रम में भाग लेने के माध्यम से हवाई अड्डा प्रणाली सुरक्षा में विशेषज्ञ ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त होना चाहिए।

4.3. रियायतग्राही हवाईअड्डे पर होने वाली किसी भी दुर्घटना के संबंध में पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्रत्येक प्रथम सूचना रिपोर्ट ("एफआईआर") की एक प्रति रखेगा। इसके अलावा, रियायतग्राही पुलिस द्वारा दर्ज नहीं किए गए दुर्घटनाओं के सभी मामलों का डेटा भी एकत्र करेगा। इस प्रकार एकत्र की गई जानकारी को इस उद्देश्य के लिए प्राधिकरण द्वारा निर्धारित प्रपत्र में संक्षेपित किया जाएगा। रियायतग्राही रूट मैप पर प्रत्येक दुर्घटना के सटीक स्थान को भी रिकॉर्ड करेगा। पूर्वोक्त डेटा प्रत्येक तिमाही की समाप्ति पर प्राधिकरण को प्रस्तुत किया जाएगा।

4.4. रियायतग्राही प्रत्येक वर्ष 31 (इकतीस) मई से पहले प्राधिकरण को एक वार्षिक रिपोर्ट (दस प्रतियों में) प्रस्तुत करेगा, जिसमें बिना किसी सीमा के, पूर्ववर्ती लेखा वर्ष की सभी दुर्घटनाओं की विस्तृत सूची और विश्लेषण तथा भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को टालने या न्यूनतम करने के लिए इस अनुसूची-एम के पैराग्राफ 6.1 के प्रावधानों के अनुसरण में रियायतग्राही द्वारा किए गए उपाय शामिल होंगे।

4.5. प्रत्येक लेखा वर्ष में एक बार, प्राधिकरण द्वारा नियुक्त किए जाने वाले सुरक्षा सलाहकार द्वारा सुरक्षा लेखापरीक्षा की जाएगी। यह पूर्ववर्ती वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट और दुर्घटना डेटा की

समीक्षा और विश्लेषण करेगा, और हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा। सुरक्षा सलाहकार 1 (एक) महीने की अवधि के भीतर सुरक्षा लेखापरीक्षा पूरी करेगा और हवाईअड्डे में किए जाने वाले विशिष्ट सुधारों की सिफारिश करते हुए एक सुरक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। ऐसी सिफारिशों पर इस अनुसूची-एम के पैराग्राफ 4.3, 4.4 और 4.5 में निर्धारित तरीके से यथोचित परिवर्तन सहित कार्रवाई की जाएगी।

5. लागत और व्यय

इस अनुसूची-एम के पैराग्राफ 2 के प्रावधानों सहित यहाँ निर्धारित सुरक्षा आवश्यकताओं के संबंध में किए गए खर्च और व्यय को अनुच्छेद 23 के अनुसार पूरा किया जाएगा।

परिशिष्ट - I

(अनुसूची-एम)

सुरक्षा दिशानिर्देश

2. सुरक्षित आवागमन

हवाईअड्डे के डिज़ाइन, निर्माण और संचालन में, उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसमें आपातकालीन स्थिति में सुरक्षित और कुशल निकासी की सुविधाएं शामिल होंगी। विशेष रूप से, टर्मिनल को सुरक्षित आवागमन के लिए डिज़ाइन और परीक्षण किया जाएगा।

2. प्रणाली अखंडता

बिजली आपूर्ति, प्रकाश व्यवस्था (लाइटिंग), सिग्नलिंग, संचार और सुरक्षा उपकरणों के डिज़ाइन में, विफलता की संभावित घटनाओं को कम करने के लिए विशेष ध्यान रखा जाएगा।

3. सेवा की पुनर्स्थापना

हवाईअड्डे को इस तरह से डिज़ाइन किया जाएगा कि कोई खराबी आने की स्थिति में, प्रभावित क्षेत्र या उपकरण को यथासंभव अलग (आइसोलेट) करके कुछ ही मिनटों के भीतर सीमित सेवा प्रदान की जा सके।

4. आकस्मिकता और सुरक्षा प्रबंधन

4.1. रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों व अनुलग्नकों और डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों के प्रावधानों के अनुसार निम्नलिखित घटनाओं से निपटने के लिए हवाईअड्डे पर उपयुक्त आकस्मिक व्यवस्थाएं मौजूद हों:

क) रनवे और टैक्सीवे से अक्षम विमान को हटाना;

ख) किसी विमान या हवाईअड्डे को बम की धमकी, या आतंकवाद का कोई कृत्य;

ग) हवाईअड्डे के आसपास और उसके निकट विमान दुर्घटनाएं;

घ) गैर-अनुसूचित विमान को हवाईअड्डे पर उतरने के लिए बाध्य होना;

ङ) हवाईअड्डे पर आग लगना;

च) प्राकृतिक आपदाएं और विपदाएं;

छ) हवाईअड्डे पर हड़ताल;

ज) नागर विमानन में गैर-कानूनी हस्तक्षेप; और

झ) हवाईअड्डे पर कोई अन्य आपातकालीन स्थिति।

4.2. रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा कि एटीसी सुविधा को हवाई अड्डा प्रबंधक और हवाईअड्डे पर स्थित सभी आपातकालीन सेवाओं से जोड़ने के लिए आपातकालीन अलार्म घंटियां स्थापित और संचालित की जाएं, जिनमें अग्निशमन सेवाएं, चिकित्सा सेवाएं, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और पुलिस शामिल हैं।

4.3. विभिन्न परिसंपत्तियों के लिए जांच और रखरखाव सहनशीलता (टॉलरेंस) की प्रबंधन प्रणाली और उसके अनुपालन को स्पष्ट रूप से सामने लाने के लिए रियायतग्राही द्वारा प्रत्येक तिमाही में एक बार एक सुरक्षा विवरण तैयार किया जाएगा। विवरण में ऐसी जांच और सहनशीलता से निपटने में कर्मचारियों के प्रशिक्षण और जागरूकता की प्रकृति और सीमा भी सामने लाई जाएगी। प्रत्येक तिमाही की समाप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर विवरण की दो प्रतियां स्वतंत्र अभियंता को भेजी जाएंगी।

5. सुरक्षा उपकरण

हवाईअड्डे पर निम्नलिखित सुरक्षा उपकरण प्रदान किए जाएंगे:

क) हवाईअड्डे पर उपयुक्त स्थानों पर अग्निशामक यंत्र और फायर अलार्म;

ख) पर्याप्त संख्या में स्ट्रेचर और मानक प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स; और

ग) ऐसे अन्य उपकरण जो प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुबंधों, डीजीसीए के लागू दिशानिर्देशों और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप आवश्यक हों।

6. आपातकाल

विभिन्न आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए आपातकालीन प्रक्रियाओं का एक सेट तैयार किया जाएगा और सीओडी से पहले रियायतग्राही द्वारा तैयार और प्रकाशित किए जाने वाले आपदा प्रबंधन मैनुअल ("आपदा प्रबंधन नियमावली") में निर्धारित आवधिक सिमुलेटेड अभ्यासों के माध्यम से आपातकाल के दौरान उचित प्रतिक्रिया देने के लिए परिचालन कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाएगा। रियायतग्राही सीओडी से कम से कम 30 (तीस) दिन पहले आपदा प्रबंधन मैनुअल की 5 (पांच) प्रतियां प्राधिकरण और स्वतंत्र अभियंता को प्रदान करेगा।

7. अग्नि सुरक्षा

7.1. रियायतग्राही हवाई अड्डा टर्मिनल भवनों, ईंधन भरने वाले रैंप ड्रेनेज और लोडिंग वॉकवे पर यूएस नेशनल फायर प्रोटेक्शन एसोसिएशन (एनएफपीए) में विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप कार्य करेगा।

7.2. यात्री क्षेत्रों में आग से बचाव के लिए, रियायतग्राही इसके निर्माण में अग्निरोधी सामग्री का उपयोग करेगा और ऐसी सामग्रियों के उपयोग से बचेगा जो कुछ हद तक ज्वलनशील हैं, या जो जलने पर धुआं और हानिकारक गैसें उत्सर्जित करती हैं।

7.3. आपातकालीन निकास बिना किसी बाधा के सुलभ होना चाहिए और निकास द्वार सामान्य तौर पर बंद रखे जाने चाहिए। आपातकालीन स्थिति में निकास द्वार टर्मिनल भवन के अंदर से खोलने में आसान होने चाहिए।

7.4. निकास मार्गों को सही दिशा में तीरों द्वारा स्पष्ट रूप से चिह्नित किया जाएगा और किसी भी गूढ़ (क्रिप्टिक) प्रतीक का उपयोग नहीं किया जाएगा। इस खंड 7.4 के प्रावधानों का अनुपालन करने में, धुएं के कारण दृश्यता की कमी की संभावना को विधिवत ध्यान में रखा जाएगा। सभी नोटिस और साइनेज एक समान और मानकीकृत होंगे।

7.5. प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों और अनुलग्नकों के प्रावधानों के अनुसार बचाव और अग्निशमन सेवाओं की उपयुक्त श्रेणियां उपलब्ध कराई जाएंगी और उनका रखरखाव किया जाएगा।

8. उपयोगकर्ता सुरक्षा और सूचना प्रणाली

8.1. रियायतग्राही एएसएमयू को यात्री क्षेत्रों और टर्मिनल भवन की निगरानी के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा, और उपयोगकर्ताओं को दृश्य जानकारी प्रदान करेगा। रियायतग्राही एक सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से टर्मिनल भवन में उपयोगकर्ताओं को एकतरफा संचार भी प्रदान करेगा। आपात स्थिति में उपयोगकर्ताओं को एएसएमयू से संपर्क करने की अनुमति देने के लिए उपयोगकर्ता कॉल पॉइंट सुविधाजनक स्थानों पर स्थित होने चाहिए।

8.2. उपयोगकर्ता सूचना प्रणाली में गतिशील दृश्य डिस्प्ले और लाउडस्पीकर शामिल होंगे।

अनुसूची-एन

मासिक विवरण

मासिक यातायात गणना

(खंड 25.3 देखें)

हवाईअड्डा: _____ माह: _____

उपयोगकर्ता का प्रकार	**पिछले वर्ष का संगत माह**	**पूर्ववर्ती माह**	**रिपोर्ट का माह**
क. विमान			
क1 अंतर्राष्ट्रीय आगमन			
क2 अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान			
क3 घरेलू आगमन			
क4 घरेलू प्रस्थान			
ख. यात्री			
ख1 अंतर्राष्ट्रीय आगमन			
ख2 अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान			
ख3 घरेलू आगमन			
ख4 घरेलू प्रस्थान			
ग. हवाईअड्डे में प्रवेश करने वाले वाहन			
ग1 2/3 पहिया वाहन			
ग2 कारें			

ग3 एलसीवी/मिनी ट्रक
ग4 बस/ट्रक
घ. हवाईअड्डे से बाहर निकलने वाले वाहन)
घ1 2/3 पहिया वाहन
घ2 कारें
घ3 एलसीवी/मिनी ट्रक
घ4 बस/ट्रक

दौरान परियोजना हवाईअड्डे का उपयोग करने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या:

(INT: अंतर्राष्ट्रीय, DOM: घरेलू, ग और घ हवाईअड्डे के प्रत्येक प्रवेश मार्ग के लिए अलग से प्रदान किए जाने हैं) टिप्पणियाँ, यदि कोई हों:

मासिक कार्गो गणना

(खंड 25.3 देखें)

हवाई अड्डा: _____ माह: _____

कार्गो का प्रकार	प्रेषणों की संख्या	सकल भार	मूल्य (रूपए में)
क. आवक			
क1 बल्क कार्गो (100 किग्रा से अधिक)			
क2 छोटा कार्गो			
क3 खराब होने वाला सामान			
कुल (क)			
ख. जावक			
ख1 बल्क कार्गो (100 किग्रा से अधिक)			
ख2 छोटा कार्गो			
ख3 खराब होने वाला सामान			
कुल (ख)			
ग. कुल योग (क+ख)			

नोट: अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू कार्गो के लिए अलग-अलग विवरण प्रस्तुत करें। टिप्पणियाँ, यदि कोई हों:

मासिक शुल्क विवरण)

(खंड 32.9 देखें)

हवाई अड्डा: _____ माह: _____

शुल्क का प्रकार एवं प्रयोजन	पिछले वर्ष का संगत माह उपयोगकर्ता | संगृहीत शुल्क	पूर्ववर्ती माह उपयोगकर्ता | संगृहीत शुल्क	वर्तमान माह उपयोगकर्ता | संगृहीत शुल्क
क. लैंडिंग			
ख. पार्किंग			
ग. हाउसिंग			
घ. यात्री सेवा			
ङ. चेक-इन सेवाएं			
च. आगंतुकों का प्रवेश			
छ. कार पार्क			
ज. कार्गो सुविधाएं			
झ. ग्राउंड हैंडलिंग			
कुल			

(उपरोक्त तालिका में शामिल नहीं की गई शुल्क मदों के लिए अतिरिक्त पंक्तियाँ जोड़ी जाएं) टिप्पणियाँ, यदि कोई हों:

अनुसूची-ओ

यातायात नमूनाकरण

1. यातायात नमूनाकरण

प्राधिकरण, अपने विवेक पर और अपनी लागत पर, हवाईअड्डे पर वास्तविक यात्री, वाहन, कार्गो और आगंतुक यातायात का निर्धारण करने के लिए खंड 25.4 के अनुसरण में यातायात नमूनाकरण कर सकता है। ऐसा यातायात नमूनाकरण स्वतंत्र अभियंता के माध्यम से नीचे निर्धारित तरीके से या ऐसे तरीके से किया जाएगा जिस पर दोनों पक्ष सहमत हों।

2. मैन्युअल यातायात गणना

स्वतंत्र अभियंता आवश्यक संख्या में प्रगणकों (गिनतीकर्ताओं) को नियुक्त करेगा जो सभी उपयोगकर्ताओं के गुजरने पर उनकी गिनती, वर्गीकरण और रिकॉर्ड करेंगे तथा सर्वेक्षण को निश्चित समय अवधियों में विभाजित करेंगे। गणना स्टेशन प्रवेश द्वारों के पास या शुल्क संग्रह बिंदुओं पर स्थित होंगे। सर्वेक्षण लगातार न्यूनतम 24 (चौबीस) घंटे और एक समय में अधिकतम 7 (सात) दिनों के लिए आयोजित किया जाएगा। पीक आवर यातायात का निर्धारण करने के लिए विशेष सर्वेक्षण भी किए जा सकते हैं और ऐसे सर्वेक्षण लगातार 7 (सात) दिनों की अवधि के लिए एक दिन में 4 (चार) पीक आवर्स तक किए जा सकते हैं। गणना अवधि 15 (पंद्रह) मिनट होगी जिसके परिणाम प्रति घंटा संक्षेपित होंगे। सभी सर्वेक्षण काफी हद तक इस अनुसूची-पी में विनिर्दिष्ट तरीके से या ऐसे तरीके से आयोजित किए जाएंगे जिस पर दोनों पक्ष सहमत हों।

3. स्वचालित यातायात गणना

रुक-रुक कर (गैर-निरंतर) आधार पर आयोजित की जाने वाली स्वचालित यातायात गणना के लिए, स्वतंत्र अभियंता प्रवेश या शुल्क संग्रह बिंदुओं से गुजरने वाले उपयोगकर्ताओं को वर्गीकृत और रिकॉर्ड करने के लिए उपयुक्त और मानकीकृत उपकरणों का उपयोग करेगा। इस प्रयोजनार्थ, यह सुनिश्चित करने के लिए कम से कम 1,000 (एक हजार) उपयोगकर्ताओं के साथ काउंटर की जांच की जाएगी कि उपयोगकर्ताओं की सही गणना और वर्गीकरण किया जा रहा है।

4. मैन्युअल और स्वचालित गणना के बीच भिन्नता

औसत दैनिक यातायात (एडीटी) पूर्वोक्त दो विधियों द्वारा अलग-अलग निर्धारित किया जाएगा और यदि मैन्युअल विधि द्वारा गिने गए उपयोगकर्ताओं की संख्या स्वचालित विधि द्वारा गिने गए ऐसे उपयोगकर्ताओं की संख्या से 1% (एक प्रतिशत) से अधिक भिन्न होती है, तो मैन्युअल और स्वचालित गणना दोहराई जाएगी, और दूसरी गणना में दोनों गणनाओं के बीच किसी भी विसंगति की स्थिति में, उसका औसत वास्तविक यातायात माना जाएगा। संदेह

निवारण के लिए, यह स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की जाती है कि प्राधिकरण, रियायतग्राही के परामर्श से, ऐसे नमूनाकरण की विश्वसनीयता में सुधार के लिए यातायात नमूनाकरण की संशोधित या वैकल्पिक प्रक्रियाओं को अपना सकता है, और मैन्युअल और स्वचालित यातायात गणना करने के बजाय, केवल स्वचालित यातायात गणना या उसके किसी विकल्प पर निर्भर हो सकता है।

अनुसूची-पी

(खंड 26.10 देखें)

यात्री चार्टर

1. सुरक्षा के साथ सेवा

हमारा उद्देश्य पूर्ण ग्राहक संतुष्टि के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से हवाई अड्डा प्रबंधन में सुरक्षा और गुणवत्ता प्रदान करना है। यह चार्टर हमारे हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं के प्रति हमारी प्रतिबद्धताओं और वे हमसे क्या उम्मीद कर सकते हैं, इसकी व्याख्या करता है।

2. विषय-सूची

1. प्रस्तावना
2. यात्री सेवा हेतु हमारे मानक
3. सूचना की उपलब्धता
4. सहायता की आवश्यकता वाले यात्री
5. टिकट खरीदना
6. खोई हुई संपत्ति
7. आपके विचारों को सुनना
8. हमारा वादा किया गया प्रतिक्रिया समय

2.1. प्रस्तावना

ग्राहकों की संतुष्टि हमारा ध्येय है! हवाई अड्डा प्रबंधन का यह इरादा है कि वह अपने प्रशिक्षित कर्मचारियों और ठेकेदारों के माध्यम से इस हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं को गुणवत्तापूर्ण सेवा प्रदान करे। हमारा लक्ष्य प्रदान करना है:

क) हवाईअड्डे के उपयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा और संरक्षा

ख) स्वच्छ और स्वच्छ वातावरण

ग) विश्वसनीय और समझने में आसान जानकारी

घ) विनम्र, ग्राहक-अनुकूल और मददगार कर्मचारी

ङ) सुखद और उचित खरीदारी और खानपान का अनुभव

च) आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता

2.2. यात्री सेवा हेतु हमारे मानक

हम अपने हवाईअड्डे पर आपको एक विश्वसनीय और आरामदायक सेवा प्रदान करने के लिए अपने प्रदर्शन में सुधार करने हेतु निरंतर कठिन प्रयास करेंगे।

2.2.1. हवाईअड्डे तक पहुँच

हम हवाईअड्डे के क्षेत्र के भीतर पहुँच को सुचारू और आरामदायक बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। हमारी यातायात योजनाएं इस प्रकार उन्मुख होंगी कि हवाई अड्डा क्षेत्र में आसानी से प्रवेश और निकास संभव हो सके। आपकी पहुँच को आरामदायक बनाने के लिए, हम हवाई अड्डा क्षेत्र के भीतर पहुँच मार्ग पर अनधिकृत रूप से पार्क की गई कारों को क्रेन से हटा देंगे।

2.2.2. टर्मिनल भवन में प्रवेश

हम यह सुनिश्चित करेंगे कि टर्मिनल भवन में प्रवेश परेशानी मुक्त हो और जब कई प्रवेश द्वार उपलब्ध हों, तो विशिष्ट एयरलाइनों को समर्पित प्रवेश द्वारों पर जानकारी उपयुक्त रूप से प्रदर्शित की जाएगी। टर्मिनल भवन में प्रवेश गैर-भेदभावपूर्ण होगा। हालांकि, यात्रियों के साथ आने वाले आगंतुकों को निर्धारित अनुसार प्रवेश शुल्क का भुगतान करना होगा। सुरक्षा की आवश्यकताओं के अनुसार आगंतुकों के प्रवेश को समय-समय पर सीमित या निलंबित किया जा सकता है।

2.2.3. सामान / बैगेज

हम उन सभी यात्रियों को लगेज ट्रॉली की उपलब्धता सुनिश्चित करेंगे जिन्हें इसकी आवश्यकता है। आपकी सुविधा के लिए सशुल्क कुली सेवा (पोर्टरेज सर्विस) भी उपलब्ध कराई जाएगी।

2.2.4. वाहनों की पार्किंग

कार, स्कूटर, बस आदि विभिन्न वाहनों की पार्किंग के लिए पर्याप्त पार्किंग स्थल प्रदान करना हमारा प्रयास होगा। पार्किंग सुविधाओं का उपयोग निर्धारित शुल्क के भुगतान पर उपलब्ध होगा जो वाहनों और उपयोग की जाने वाली पार्किंग के प्रकार के अनुसार भिन्न हो सकता है। हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आप अपने वाहन को पार्क करने/बाहर निकालने में 5 मिनट से अधिक समय न लगाएं।

2.2.5. कतार की लंबाई

पर्याप्त संख्या में चेक-इन काउंटर, एक्स-रे बैगेज मशीन, कन्वेयर बेल्ट आदि प्रदान किए जाएंगे ताकि कतारों में लगने वाला समय न्यूनतम रहे।

2.2.6. सुविधाएं

आप शौचालय, स्वच्छ पेयजल, लिक्विड सोप, पेपर ग्लास और चाइल्ड केयर रूम जैसी मुफ्त सुविधाओं के हकदार हैं। निःसंदेह, अन्य सभी सुविधाएं भुगतान के आधार पर उपलब्ध होंगी। यात्रियों की जरूरतों के लिए खाने-पीने और खरीदारी की सभी आवश्यक सुविधाएं एक सुखद माहौल में उपलब्ध होंगी। उचित मूल्य पर बुनियादी पेय पदार्थों और खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए, सुविधाजनक स्थानों पर वेंडिंग मशीनें लगाई जाएंगी। हम यह

सुनिश्चित करेंगे कि विक्रेता एमआरपी (अधिकतम खुदरा मूल्य) से संबंधित कानूनों के अनुसार अपनी वस्तुओं की कीमत तय करें। यात्रियों को प्रतिस्पर्धा और विकल्प सुनिश्चित करने के लिए प्रतिस्पर्धी विक्रेताओं की वेंडिंग मशीनें प्रदान की जाएंगी। हम टर्मिनल भवन की स्वच्छता और स्वच्छता भी सुनिश्चित करेंगे ताकि आप अपना समय सुकून भरे और सुखद तरीके से बिता सकें।

हमारा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना होगा कि आपको अधिकांश सेवाओं के लिए 5 मिनट से अधिक और अपने सामान/बैगेज के लिए 20 मिनट से अधिक समय तक कतार में न खड़ा होना पड़े।

2.2.7. बैठने की व्यवस्था

उपयोगकर्ताओं के लिए प्रतीक्षालय की योजना इस प्रकार बनाई जाएगी कि पीक आवर क्षमता के कम से कम 30% लोगों को आरामदायक सीटें प्रदान की जाएं।

आपकी सुविधा के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था प्रदान की जाएगी और बाहर का तापमान 40°सें से कम होने पर टर्मिनल भवन के अंदर का तापमान 25°सें बनाए रखा जाएगा। अन्य मामलों में टर्मिनल भवन के बाहर के तापमान और टर्मिनल भवन के अंदर के तापमान के बीच का अंतर 15°से से कम नहीं होगा। शीत ऋतु के दौरान तापमान 15°सें से कम नहीं होगा।

2.2.8. टैक्सियाँ

हम सुनिश्चित करेंगे कि आपके आगमन पर प्रीपेड टैक्सियाँ उपलब्ध हों। कम से कम 95% (पंचानवे प्रतिशत) यात्रियों के लिए अधिकतम प्रतीक्षा समय 5 मिनट से अधिक नहीं होगा।

2.2.9. नियोजित / अनियोजित इंजीनियरिंग कार्य

हम सुनिश्चित करेंगे कि जब भी कोई संशोधन/मरम्मत कार्य किया जाए, तो क्षेत्र की पर्याप्त रूप से घेराबंदी की जाए, स्पष्ट साइनेज उपलब्ध हों और हवाईअड्डे का सामान्य कामकाज किसी भी तरह से प्रभावित न हो।

2.3. सूचना की उपलब्धता

सूचना ही शक्ति है। हम उड़ानों के आगमन और प्रस्थान के समय पर समय पर जानकारी प्रदान करेंगे। टर्मिनल भवन में प्रवेश करने से पहले भी जानकारी उपलब्ध होगी ताकि किसी भी देरी की स्थिति में आप अपने रिश्तेदारों/दोस्तों के साथ अधिक समय बिता सकें। हम

टर्मिनल भवन के अंदर स्पष्ट और समझने में आसान सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत साइनेज भी प्रदान करेंगे ताकि आप किसी की मदद मांगे बिना सभी सुविधाओं का लाभ उठा सकें।

हालाँकि, यदि आपको किसी भी सहायता की आवश्यकता है, तो हमारे प्रशिक्षित कर्मचारी आपकी सहायता के लिए मौजूद रहेंगे। उड़ान के समय की सटीकता और असामान्य देरी काफी हद तक एयरलाइनों के सहयोग पर निर्भर करती है। हम एयरलाइनों के साथ समन्वय करने और जानकारी प्राप्त होने पर उसे तुरंत अपडेट करने के सभी प्रयास करेंगे।

2.4. सहायता की आवश्यकता वाले यात्री

हम दिव्यांग यात्रियों की जरूरतों के प्रति संवेदनशील हैं। हम प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं:
2.4.1. यात्रियों को सहायता: जैसे ही आप टर्मिनल प्रभारी के संज्ञान में आवश्यकता लाएंगे, हमारे प्रशिक्षित कर्मचारी आपकी सहायता के लिए तैयार रहेंगे।

2.4.2. प्रसाधन कक्ष: हम दिव्यांग-अनुकूल शौचालय प्रदान करेंगे जो उपयोग में आसान हों।
2.4.3. रैंप: जहाँ भी संभव हो, व्हीलचेयर यात्रियों के लिए रैंप प्रदान किए जाएंगे।
2.4.4. प्राथमिक चिकित्सा सुविधाएं: किसी भी अप्रत्याशित चिकित्सीय आपात स्थिति से निपटने के लिए सुविधाएं उपलब्ध होंगी और योग्य पेशेवर द्वारा प्राथमिक चिकित्सा प्रदान की जाएगी।

2.5. टिकट खरीदना

हमारे हवाईअड्डे पर टिकट खरीदना बहुत आसान और सुविधाजनक है।

हवाईअड्डे पर सभी प्रमुख एयरलाइनों के टिकट काउंटरों की पर्याप्त संख्या प्रदान की जाएगी। वे जनता के लिए खुले रहेंगे और शहर की तरफ खुलेंगे। हवाई मार्ग से आने वाले और किसी अन्य गंतव्य पर जाने वाले यात्री भी टर्मिनल भवन से बाहर निकले बिना अपने टिकट खरीद सकते हैं।

2.6. खोई हुई संपत्ति

हवाईअड्डे पर कुछ खो गया? आप इसे टर्मिनल भवन में स्थित खोई हुई संपत्ति कार्यालय से वापस प्राप्त कर सकते हैं।

सभी खोई और पाई गई वस्तुएं खोई हुई संपत्ति अधिकारी प्रभारी को भेजी जाएंगी। आप अपने खोए हुए सामान की पुनर्प्राप्ति के लिए उनसे संपर्क कर सकते हैं। उन तक उनके ईमेल पते पर संपर्क किया जा सकता है।

2.7. आपके विचारों को सुनना

ग्राहक हमेशा सही होता है। ग्राहक संतुष्टि हमारा ध्येय है। निरंतर सुधार हमारा लक्ष्य है। हमारी सेवा के विभिन्न पहलुओं पर उपयोगकर्ता संतुष्टि सर्वेक्षण का समय-समय पर विश्लेषण

किया जाएगा। आपके सुझावों/शिकायतों को दर्ज करने के लिए विभिन्न स्थानों पर सुझाव पुस्तिकाएं उपलब्ध कराई गई हैं। आप पत्राचार या हमारी फोन लाइनों या हमारी वेबसाइट के माध्यम से भी हमसे संपर्क कर सकते हैं।

2.8. हमारा वादा किया गया प्रतिक्रिया समय

जब आप हमें लिखते हैं, तो आपको सात कार्य दिवसों के भीतर हमारी ओर से उत्तर मिलना चाहिए।

क) यदि पूर्ण उत्तर प्रदान करने के लिए अधिक समय की आवश्यकता है, तो हम आपको 7 (सात) कार्य दिवसों के भीतर एक पावती भेजेंगे और 25 (पच्चीस) कार्य दिवसों के भीतर उत्तर देंगे।

ख) यदि 25 कार्य दिवसों के भीतर पूर्ण उत्तर नहीं दिया जा सकता है, तो हम आपसे संपर्क करेंगे और आपको अद्यतन करेंगे।

ग) हवाईअड्डे पर विभिन्न सेवाएं प्रदान करने में कई एजेंसियां शामिल हैं। ऊपर हमारे द्वारा वादा की गई कुछ सेवाओं में इन एजेंसियों के साथ बातचीत और समन्वय शामिल हो सकता है जो सेवा के प्रावधान के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार हैं। इस मामले में, हम आपकी चिंताओं को दूर करने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करेंगे।

यदि आप हमारे उत्तर से असंतुष्ट हैं, तो हम अपनी प्रतिक्रिया से आपको संतुष्ट करने के लिए अपने सभी प्रयास करेंगे। कृपया हमें बताएं। इससे हमें कमजोर स्थानों की पहचान करने और अपने प्रदर्शन में निरंतर सुधार करने में मदद मिलेगी।

अनुसूची-क्यू

(खंड 27.1 देखें)

स्वतंत्र अभियंता का चयन

1. स्वतंत्र अभियंता का चयन

1.1. वित्त मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कार्यालय ज्ञापन 24(23)/PF-II/2008 दिनांक 21 मई 2009 के माध्यम से जारी तकनीकी सलाहकारों के चयन हेतु मॉडल प्रस्ताव अनुरोध (मॉडल आरएफपी), या इसके किसी भी विकल्प के प्रावधान, स्वतंत्र अभियंता के कार्यों और कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए एक अनुभवी फर्म के चयन हेतु लागू होंगे। बशर्ते, तथापि, प्राधिकरण के स्वामित्व या नियंत्रण वाली कोई भी संस्था इसके तहत स्वतंत्र अभियंता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगी।

1.2. पैराग्राफ 1.1 के प्रावधानों के अनुसार नियुक्त स्वतंत्र अभियंता की समाप्ति की स्थिति में, प्राधिकरण तुरंत तकनीकी सलाहकारों की दूसरी फर्म नियुक्त करेगा या इस अनुसूची क्यू के पैराग्राफ 5 के प्रावधानों के अनुसार सरकार के स्वामित्व वाली संस्था को संलग्न कर सकता है।

1.3. रियायतग्राही, अपने विवेक से, इस अनुसूची-क्यू के तहत प्राधिकरण द्वारा की जाने वाली चयन प्रक्रिया में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधि नामित कर सकता है।

2. विचारार्थ विषय

स्वतंत्र अभियंता के लिए विचारार्थ विषय (टीओआर) काफी हद तक अनुसूची-आर के अनुरूप होंगे।

3. शुल्क और व्यय

3.1. विकास अवधि और निर्माण अवधि के दौरान स्वतंत्र अभियंता द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों और सेवाओं की प्रकृति और मात्रा का निर्धारण करते समय, प्राधिकरण यह प्रयास करेगा कि शुल्क और खर्चों के मद में स्वतंत्र अभियंता को भुगतान कुल परियोजना लागत के 1% (एक प्रतिशत) से अधिक न हो। ऐसे 1% (एक प्रतिशत) से अधिक न होने वाले भुगतानों को इस समझौते के प्रावधानों के अनुसार प्राधिकरण और रियायतग्राही द्वारा समान रूप से वहन किया जाएगा और इसके अतिरिक्त किसी भी भुगतान को प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाएगा।

3.2. परिचालन अवधि के दौरान स्वतंत्र अभियंता द्वारा किए जाने वाले कर्तव्यों और सेवाओं की प्रकृति और मात्रा प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के प्रावधानों के अनुरूप और व्यय में मितव्ययिता को ध्यान में रखते हुए निर्धारित की जाएगी। परिचालन अवधि के दौरान शुल्क

और खर्चों के मद में स्वतंत्र अभियंता को किए गए सभी भुगतान प्राधिकरण और रियायतग्राही द्वारा समान रूप से वहन किए जाएंगे।

4. प्रत्येक तीन वर्ष में चयन

इस अनुसूची-क्यू के पैराग्राफ 1 के प्रावधानों के अनुसरण में स्वतंत्र अभियंता की नियुक्ति की तिथि से 3 (तीन) वर्ष के भीतर, और उसके बाद प्रत्येक 3 (तीन) वर्ष में, प्राधिकरण इस अनुसूची-क्यू में निर्धारित मानदंडों के अनुसार दूसरी फर्म को संलग्न करेगा।

5. स्वतंत्र अभियंता के रूप में सरकारी संस्था की नियुक्ति

इस अनुसूची में निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, प्राधिकरण अपने विवेक से सरकार के स्वामित्व वाली संस्था को स्वतंत्र अभियंता के रूप में नियुक्त कर सकता है; बशर्ते कि ऐसी संस्था एक निगमित निकाय हो जिसका प्राथमिक कार्य इंजीनियरिंग परियोजनाओं के लिए परामर्श, सलाहकार और पर्यवेक्षी सेवाएं प्रदान करना हो; आगे बशर्ते कि राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण वाली सरकारी संस्था स्वतंत्र अभियंता के रूप में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगी।

अनुसूची-आर

(खंड 27.2.1 देखें)

स्वतंत्र अभियंता हेतु विचारार्थ विषय

1. कार्यक्षेत्र

1.1. स्वतंत्र अभियंता के लिए ये विचारार्थ विषय ("टीओआर") दिनांक _____ के उस रियायत समझौते ("समझौता") के अनुसरण में विनिर्दिष्ट किए जा रहे हैं जो डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") के आधार पर _____ शहर में _____ स्थित हवाईअड्डे के लिए प्राधिकरण और _____ ("रियायतग्राही") के बीच निष्पादित किया गया है, और जिसकी एक प्रति इसके साथ संलग्न है तथा इस टीओआर का हिस्सा बनने के लिए परिशिष्ट-क के रूप में चिह्नित है।

1.2. यह टीओआर हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और रखरखाव पर लागू होगा।

2. परिभाषाएं और व्याख्या

2.1. इस टीओआर में प्रयुक्त बड़े अक्षरों (कैपिटल लेटर्स) से शुरू होने वाले शब्द और अभिव्यक्तियां जो यहाँ परिभाषित नहीं हैं बल्कि समझौते में परिभाषित हैं, उनका वही अर्थ होगा जो समझौते में उन्हें क्रमशः सौंपा गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

2.2. इस टीओआर में अनुच्छेदों, खंडों और अनुसूचियों के संदर्भ, सिवाय इसके जहां संदर्भ में अन्यथा आवश्यक हो, समझौते के अनुच्छेदों, खंडों और अनुसूचियों के संदर्भ माने जाएंगे, और पैराग्राफ के संदर्भ इस टीओआर के पैराग्राफ के संदर्भ माने जाएंगे।

2.3. समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में बताए गए व्याख्या के नियम इस टीओआर पर यथोचित परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

3. स्वतंत्र अभियंता की भूमिका और कार्य

3.1. स्वतंत्र अभियंता की भूमिका और कार्यों में निम्नलिखित शामिल होंगे:

क. पैराग्राफ 4 में निर्धारित अनुसार रेखाचित्रों और दस्तावेजों की समीक्षा;

ख. पैराग्राफ 5 में निर्धारित अनुसार निर्माण कार्यों की समीक्षा, निरीक्षण और निगरानी;

ग. निर्माण पूरा होने पर परीक्षण आयोजित करना और पैराग्राफ 5 में निर्धारित अनुसार पूर्णता/अनंतिम प्रमाणपत्र जारी करना;

घ. पैराग्राफ 6 में निर्धारित अनुसार ओएंडएम (संचालन एवं रखरखाव) की समीक्षा, निरीक्षण और निगरानी;

ङ. पैराग्राफ 7 में निर्धारित अनुसार विनिवेश आवश्यकताओं की समीक्षा, निरीक्षण और निगरानी;

च. समझौते के तहत आवश्यक अनुसार, किसी भी कार्य या सेवाओं की लागत और/या उनकी तर्कसंगतता का निर्धारण करना;

छ. समझौते के तहत आवश्यक अनुसार, किसी भी कर्तव्य या दायित्व को पूरा करने के लिए अवधि या उसके किसी भी विस्तार का निर्धारण करना;

ज. पैराग्राफ 9 में निर्धारित अनुसार विवादों के समाधान में पक्षों की सहायता करना; और

झ. समझौते के अनुसार अन्य सभी कर्तव्यों और कार्यों का निर्वहन करना।

3.2. स्वतंत्र अभियंता की भूमिका और कार्यों में सिटी साइड विकास से जुड़े निर्माण कार्य शामिल नहीं होंगे।

3.3. स्वतंत्र अभियंता पेशेवर अखंडता और उत्तम उद्योग पद्धति के उच्चतम मानकों के अनुरूप, निष्पक्ष, तटस्थ और कुशल तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेगा।

4. विकास अवधि

4.1. विकास अवधि के दौरान, स्वतंत्र अभियंता भू-तकनीकी और जल-वैज्ञानिक जांच, उधार क्षेत्रों और खदान स्थलों से सामग्रियों की विशेषताएं, स्थलाकृतिक सर्वेक्षण और यातायात सर्वेक्षण सहित सहायक डेटा के साथ रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले रेखाचित्रों की विस्तृत समीक्षा करेगा। स्वतंत्र अभियंता ऐसी समीक्षा पूरी करेगा और ऐसे रेखाचित्र प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी टिप्पणियाँ/अवलोकन भेजेगा। विशेष रूप से, ऐसी टिप्पणियों में परियोजना के कार्यक्षेत्र और विनिर्देशों एवं मानकों के साथ ऐसे रेखाचित्रों की अनुरूपता या अन्यथा का उल्लेख होग।

4.2. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा भेजे गए किसी भी संशोधित रेखाचित्र या सहायक दस्तावेजों की समीक्षा करेगा और ऐसे रेखाचित्र या दस्तावेज प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

4.3. स्वतंत्र अभियंता अनुसूची-एम के अनुसार रेखाचित्रों की समीक्षा करेगा और ऐसे रेखाचित्र प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा। स्वतंत्र अभियंता सुरक्षा रिपोर्ट की भी समीक्षा करेगा और ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण को उस पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

4.4. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा उसे भेजे गए विस्तृत डिज़ाइन, निर्माण पद्धति, गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं और खरीद, इंजीनियरिंग एवं निर्माण समय सारिणी की समीक्षा करेगा और उसकी प्राप्ति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

4.5. प्राधिकरण द्वारा संदर्भ दिए जाने पर, स्वतंत्र अभियंता ईपीसी अनुबंध या हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और रखरखाव के लिए किसी अन्य अनुबंध की समीक्षा करेगा और टिप्पणी

करेगा, तथा प्राधिकरण से ऐसा संदर्भ प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करेगा।

5. निर्माण अवधि

5.1. निर्माण अवधि के दौरान स्वतंत्र अभियंता द्वारा अपनी समीक्षा और टिप्पणियों के लिए प्राप्त रेखाचित्रों, दस्तावेजों और सुरक्षा रिपोर्ट के संबंध में पैराग्राफ 4 के प्रावधान यथोचित परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

5.2. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत मासिक प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा करेगा और ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

5.3. स्वतंत्र अभियंता महीने में एक बार निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेगा, अधिमानतः रियायतग्राही से मासिक प्रगति रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, लेकिन किसी भी मामले में प्रत्येक माह के 20वें दिन से पहले, और निर्माण की स्थिति, प्रगति, गुणवत्ता और सुरक्षा का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए ऐसे निरीक्षण की एक रिपोर्ट ("निरीक्षण रिपोर्ट") तैयार करेगा, जिसमें अपनाई गई कार्य पद्धति, उपयोग की गई सामग्री और उनके स्रोत, तथा परियोजना के कार्यक्षेत्र और विनिर्देशों एवं मानकों के साथ निर्माण कार्यों की अनुरूपता शामिल होगी। निरीक्षण रिपोर्ट के एक अलग खंड में, स्वतंत्र अभियंता हवाईअड्डे के निर्माण में अपने द्वारा देखी गई खामियों, दोषों या कमियों का उचित विवरण देगा। स्वतंत्र अभियंता निरीक्षण के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी निरीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति भेजेगा।

5.4. यदि कोई खामी, दोष या कमी ऐसे निरीक्षणों की मांग करती है तो स्वतंत्र अभियंता एक महीने में एक से अधिक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण कर सकता है।

5.5. यह निर्धारित करने के लिए कि निर्माण कार्य विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप हैं, स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से नमूना (सैंपल) के आधार पर गुणवत्ता आश्वासन के लिए उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने वाले परीक्षण करने या करवाने की अपेक्षा करेगा। इस पैराग्राफ 5.5 के प्रयोजनों के लिए, संरचनाओं, भवनों और उपकरणों के संबंध में प्राधिकरण द्वारा विनिर्दिष्ट प्रासंगिक नियमावलियों ("गुणवत्ता नियंत्रण नियमावली") या उसके किसी संशोधन/प्रतिस्थापन में विनिर्दिष्ट परीक्षणों को गुणवत्ता आश्वासन के लिए उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप परीक्षण माना जाएगा। स्वतंत्र अभियंता यह सुनिश्चित करने के लिए रियायतग्राही को आवश्यक निर्देश जारी करेगा कि परीक्षण निष्पक्ष और कुशल तरीके से आयोजित किए जाएं, और उनके परिणामों की निगरानी और समीक्षा करेगा।

5.6. पैराग्राफ 5.5 के तहत स्वतंत्र अभियंता द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाने वाले परीक्षणों का नमूना आकार (सैंपल साइज) गुणवत्ता नियंत्रण मैनुअल में परीक्षणों की प्रत्येक श्रेणी या प्रकार

के लिए निर्धारित परीक्षणों की मात्रा या संख्या का 10% (दस प्रतिशत) होगा; बशर्ते कि स्वतंत्र अभियंता, लिखित में दर्ज किए जाने वाले कारणों से, परीक्षणों की कुछ श्रेणियों या प्रकारों के लिए पूर्वोक्त नमूना आकार को 10% (दस प्रतिशत) तक बढ़ा सकता है।

5.7. पैराग्राफ 5.5 में संदर्भित परीक्षणों का समय, और उनके परिणामों की स्वीकृति/अस्वीकृति के मानदंड गुणवत्ता नियंत्रण नियमावली के अनुसार स्वतंत्र अभियंता द्वारा निर्धारित किए जाएंगे। परीक्षण यादृच्छिक (रैंडम) नमूना आधार पर किए जाएंगे और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के गुणवत्ता आश्वासन के लिए किए जाने वाले परीक्षणों के अतिरिक्त और स्वतंत्र होंगे।

5.8. यदि रियायतग्राही किसी भी दोष या कमी को दूर करने या सुधारने के लिए कोई उपचारात्मक कार्य करता है, तो स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही से यह निर्धारित करने के लिए परीक्षण करने या करवाने की अपेक्षा करेगा कि ऐसे उपचारात्मक कार्यों ने निर्माण कार्यों को विनिर्देशों और मानकों के अनुरूप ला दिया है, और इस पैराग्राफ 5 के प्रावधान ऐसे परीक्षणों पर लागू होंगे।

5.9. यदि रियायतग्राही परियोजना के किसी भी मील के पत्थर को प्राप्त करने में विफल रहता है, तो स्वतंत्र अभियंता निर्माण की प्रगति की समीक्षा करेगा और संभावित देरी की पहचान करेगा। यदि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि समझौते में विनिर्दिष्ट समय के भीतर हवाईअड्डे का पूरा होना संभव नहीं है, तो वह रियायतग्राही से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्रगति में तेजी लाने के लिए प्रस्तावित कदमों और उस अवधि को इंगित करने की अपेक्षा करेगा जिसके भीतर चरण I के लिए सीओडी प्राप्त किया जाएगा। रियायतग्राही से रिपोर्ट प्राप्त होने पर, स्वतंत्र अभियंता उसकी समीक्षा करेगा और प्राधिकरण तथा रियायतग्राही को तत्काल अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

5.10. यदि निर्माण अवधि के दौरान किसी भी समय, स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि रियायतग्राही ने निर्माण क्षेत्र में श्रमिकों और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की है या कोई काम इस तरह से किया जा रहा है जिससे श्रमिकों और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा को खतरा है, तो वह प्राधिकरण को तत्काल एक सिफारिश करेगा, जिसमें निर्माण कार्यों के उस पूरे या हिस्से की पहचान की जाएगी जिसे सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निलंबित किया जाना चाहिए।

5.11. यदि रियायतग्राही निलंबित कार्यों और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कोई उपचारात्मक उपाय करता है, तो वह लिखित नोटिस द्वारा स्वतंत्र अभियंता से ऐसे कार्यों का निरीक्षण करने की मांग कर सकता है, और ऐसा नोटिस प्राप्त होने के 3 (तीन) दिनों के भीतर, स्वतंत्र अभियंता निलंबित कार्यों का निरीक्षण करेगा और प्राधिकरण को तत्काल

एक रिपोर्ट देगा, जिसमें सिफारिश की जाएगी कि क्या ऐसा निलंबन प्राधिकरण द्वारा रद्द किया जा सकता है या नहीं।

5.12. यदि निर्माण कार्यों का निलंबन ऐसे कारणों से है जो रियायतग्राही के कारण नहीं हैं, तो स्वतंत्र अभियंता परियोजना पूर्णता अनुसूची में निर्धारित तिथियों के विस्तार का निर्धारण करेगा, जिसके लिए रियायतग्राही यथोचित हकदार है, और प्राधिकरण तथा रियायतग्राही को इसकी सूचना देगा।

5.13. स्वतंत्र अभियंता अनुसूची-I में विनिर्दिष्ट सभी परीक्षणों को संचालित करेगा या करवाएगा और पूर्णता प्रमाणपत्र या अनंतिम प्रमाणपत्र, जैसा भी मामला हो, जारी करेगा। इस पैराग्राफ 5.13 और उससे जुड़े सभी मामलों के तहत अपने कार्यों को पूरा करने के लिए, स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 14 और अनुसूची-I के प्रावधानों के तहत और उनके अनुसार कार्य करेगा।
5.14. प्राधिकरण से संदर्भ प्राप्त होने पर, स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 16 में निर्धारित जानकारी, कार्य और सेवाएं प्रदान करने की लागत का एक निष्पक्ष और उचित मूल्यांकन करेगा और प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को भुगतान के लिए ऐसी लागतों की तर्कसंगतता को प्रमाणित करेगा।

5.15. स्वतंत्र अभियंता रखरखाव नियमावली तैयार करने में रियायतग्राही की सहायता और सलाह देगा।

6. परिचालन अवधि

6.1. परिचालन अवधि के दौरान अपनी समीक्षा और टिप्पणियों के लिए स्वतंत्र अभियंता द्वारा प्राप्त रेखाचित्रों, दस्तावेजों और सुरक्षा रिपोर्ट के संबंध में, पैराग्राफ 4 के प्रावधान यथोचित परिवर्तनों सहित लागू होंगे।

6.2. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत वार्षिक रखरखाव कार्यक्रम की समीक्षा करेगा और रखरखाव कार्यक्रम प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

6.3. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा प्रस्तुत त्रैमासिक स्थिति रिपोर्ट की समीक्षा करेगा और ऐसी रिपोर्ट प्राप्त होने के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को उस पर अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

6.4. स्वतंत्र अभियंता महीने में एक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा, अधिमानतः रियायतग्राही से मासिक स्थिति रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद, लेकिन किसी भी मामले में प्रत्येक माह के 20वें दिन से पहले, और मुख्य प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई), रखरखाव आवश्यकताओं और सुरक्षा आवश्यकताओं के साथ इसकी अनुरूपता सहित ओ एंड एम की स्थिति, गुणवत्ता और सुरक्षा का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए एक ओ एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेगा। ओ

एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट के एक अलग खंड में, स्वतंत्र अभियंता हवाईअड्डे के ओ एंड एम में अपने द्वारा देखी गई खामियों, दोषों या कमियों का उचित विस्तार से वर्णन करेगा। स्वतंत्र अभियंता निरीक्षण के 7 (सात) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी ओ एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट की एक प्रति भेजेगा।

6.5. यदि कोई खामी, दोष या कमी ऐसे निरीक्षणों की आवश्यकता पैदा करती है तो स्वतंत्र अभियंता एक महीने में एक से अधिक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण कर सकता है।

6.6. स्वतंत्र अभियंता अपनी ओ एंड एम निरीक्षण रिपोर्ट में उन परीक्षणों को विनिर्दिष्ट करेगा, यदि कोई हों, जिन्हें रियायतग्राही यह निर्धारित करने के उद्देश्य से संचालित करेगा या करवाएगा कि हवाई अड्डा रखरखाव आवश्यकताओं के अनुरूप है। वह ऐसे परीक्षणों के परिणामों और इस संबंध में रियायतग्राही द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों की निगरानी और समीक्षा करेगा।

6.7. अनुसूची-L के पैराग्राफ 3 में संदर्भित किसी भी दोष या कमी के संबंध में, स्वतंत्र अभियंता, उत्तम उद्योग पद्धति के अनुरूप, विनिर्देशों और मानकों के संदर्भ में विचलन या गिरावट की स्वीकार्य सीमा विनिर्दिष्ट करेगा और स्वीकार्य सीमा से परे किसी भी विचलन या गिरावट की मरम्मत या सुधार के लिए समय सीमा भी विनिर्दिष्ट करेगा।

6.8. स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करेगा कि क्या समझौते के अनुसार मरम्मत या उपचारात्मक कार्यों को पूरा करने में कोई देरी हुई है, और ऐसी देरी के लिए रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय हर्जाना, यदि कोई हो, भी निर्धारित करेगा।

6.9. स्वतंत्र अभियंता यातायात में व्यवधान को कम करने की आवश्यकता और उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार ऐसे रखरखाव/मरम्मत को पूरा करने के लिए आवश्यक समय को ध्यान में रखते हुए हवाईअड्डे के रखरखाव/मरम्मत के लिए हवाईअड्डे को बंद करने के रियायतग्राही के अनुरोध की जांच करेगा। वह रियायतग्राही से अनुरोध प्राप्त होने के 3 (तीन) दिनों के भीतर ऐसे संशोधनों के साथ अनुमति प्रदान करेगा, जैसा वह आवश्यक समझे। बंद करने की अनुमत अवधि की समाप्ति पर, स्वतंत्र अभियंता हवाईअड्डे के ऐसे खंड को फिर से खोलने की निगरानी करेगा, और देरी के मामले में, खंड 17.7 के तहत रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय हर्जाने का निर्धारण करेगा।

6.10. स्वतंत्र अभियंता खंड 24.5 में निर्धारित अनुसार रियायतग्राही द्वारा दोषों और कमियों को दूर करने की निगरानी और समीक्षा करेगा।

6.11. यदि रियायतग्राही स्वतंत्र अभियंता को किसी ऐसे संशोधन के बारे में सूचित करता है जिसे वह हवाईअड्डे में करने का प्रस्ताव करता है, तो स्वतंत्र अभियंता उसकी समीक्षा करेगा

और प्रस्ताव प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपनी टिप्पणियाँ भेजेगा।

6.12. शुल्क संग्रह प्रणाली का ऑडिट: स्वतंत्र अभियंता, महीने में कम से कम एक बार, उपयोगकर्ताओं के प्रवेश और निकास को रिकॉर्ड करने तथा शुल्क को रिकॉर्ड करने में इसकी सटीकता की जांच करने के लिए रियायतग्राही द्वारा स्थापित स्वचालित शुल्क संग्रह प्रणाली के कामकाज का ऑडिट करेगा।

6.13. स्वतंत्र अभियंता अनुच्छेद 20 और अनुसूची-पी के तहत और उनके अनुसार, प्राधिकरण द्वारा आवश्यकतानुसार यातायात नमूनाकरण का कार्य करेगा।

7. समाप्ति

7.1. समाप्ति से 90 (नब्बे) दिन पहले से अनधिक लेकिन ऐसी समाप्ति से कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले किसी भी समय, स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही के प्रतिनिधि की उपस्थिति में, खंड 43.1 में निर्धारित विनिवेश आवश्यकताओं के रियायतग्राही द्वारा अनुपालन का निर्धारण करने के लिए हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा और यदि आवश्यक हो, तो ऐसे अनुपालन का निर्धारण करने के लिए रियायतग्राही की लागत पर परीक्षण करवाएगा। यदि स्वतंत्र अभियंता यह निर्धारित करता है कि हवाईअड्डे की स्थिति ऐसी है कि उसकी मरम्मत और सुधार के लिए खंड 44.2 में निर्धारित राशि से अधिक राशि की आवश्यकता होगी, तो वह एस्क्रो खाते में आवश्यक राशि बनाए रखने और उसे बनाए रखने की अवधि की सिफारिश करेगा।

7.2. स्वतंत्र अभियंता उसमें विनिर्दिष्ट दोषों या कमियों के संबंध में अनुच्छेद 44 के तहत रियायतग्राही के दायित्व का निर्धारण करने के लिए समाप्ति के बाद 90 (नब्बे) दिनों की अवधि के दौरान प्रत्येक 15 (पंद्रह) दिनों में एक बार हवाईअड्डे का निरीक्षण करेगा। यदि स्वतंत्र अभियंता द्वारा ऐसा कोई दोष या कमी पाई जाती है, तो वह उचित विवरण में एक रिपोर्ट तैयार करेगा और उसे तत्काल प्राधिकरण तथा रियायतग्राही को भेजेगा।

8. लागत और समय का निर्धारण

8.1. स्वतंत्र अभियंता उन लागतों और/या उनकी तर्कसंगतता का निर्धारण करेगा, जिनका निर्धारण समझौते के तहत उसके द्वारा किया जाना आवश्यक है।

8.2. स्वतंत्र अभियंता उस अवधि या उसके किसी विस्तार का निर्धारण करेगा, जिसका निर्धारण समझौते के तहत उसके द्वारा किया जाना आवश्यक है।

9. विवाद समाधान में सहायता

9.1. किसी भी विवाद की स्थिति में दोनों में से किसी भी पक्ष द्वारा बुलाए जाने पर, स्वतंत्र अभियंता मध्यस्थता करेगा और पक्षों को एक सौहार्दपूर्ण समाधान पर पहुँचने में सहायता करेगा।

9.2. समझौते के किसी भी प्रावधान में निर्धारित उत्तम उद्योग पद्धति के अर्थ, कार्यक्षेत्र और प्रकृति के संबंध में पक्षों के बीच किसी भी असहमति की स्थिति में, स्वतंत्र अभियंता उत्तम उद्योग पद्धति और प्रामाणिक साहित्य पर भरोसा करते हुए एक तर्कसंगत लिखित बयान जारी करके ऐसे अर्थ, कार्यक्षेत्र और प्रकृति को विनिर्दिष्ट करेगा।

10. अन्य कर्तव्य और कार्य

स्वतंत्र अभियंता समझौते में विनिर्दिष्ट अन्य सभी कर्तव्यों और कार्यों का पालन करेगा।

11. विविध

11.1. स्वतंत्र अभियंता प्राधिकरण और रियायतग्राही को अपने निरीक्षण कार्यक्रम की सूचना देगा, जो अपने विवेक से निरीक्षण के दौरान उपस्थित रहने के लिए अपने संबंधित प्रतिनिधियों को प्रतिनियुक्त कर सकते हैं।

11.2. इस टीओआर के अनुसरण में स्वतंत्र अभियंता द्वारा रियायतग्राही को भेजे गए सभी संचार, टिप्पणियों, निर्देशों, रेखाचित्रों या दस्तावेजों की एक प्रति और उस पर स्वतंत्र अभियंता की टिप्पणियों के साथ सभी परीक्षण परिणामों की एक प्रति स्वतंत्र अभियंता द्वारा प्राधिकरण को तत्काल प्रस्तुत की जाएगी।

11.3. स्वतंत्र अभियंता रियायतग्राही द्वारा स्वतंत्र अभियंता को इस समझौते के तहत प्रस्तुत किए जाने वाले सभी संचार और रिपोर्ट 2 (दो) प्रतियों में प्राप्त करेगा, जिसके बाद स्वतंत्र अभियंता अपनी टिप्पणियों के साथ 1 (एक) प्रति प्राधिकरण को भेजेगा।

11.4. स्वतंत्र अभियंता अपने द्वारा प्राप्त सभी रेखाचित्रों और दस्तावेजों की कम से कम एक प्रति, जिसमें 'ऐज़-बिल्ट' रेखाचित्र शामिल हैं, अपने पास रखेगा और उन्हें अपनी सुरक्षित अभिरक्षा में रखेगा।

11.5. इसके तहत अपने कार्य को पूरा करने पर, स्वतंत्र अभियंता सभी रेखाचित्रों, दस्तावेजों, परीक्षणों के परिणामों और अन्य प्रासंगिक रिकॉर्डों को विधिवत वर्गीकृत और सूचीबद्ध करेगा और उन्हें प्राधिकरण या ऐसे अन्य व्यक्ति को सौंप देगा जिसे प्राधिकरण विनिर्दिष्ट करे, और उसकी लिखित रसीद प्राप्त करेगा। उक्त दस्तावेजों की दो प्रतियां उनके संपादन योग्य डिजिटल प्रारूप में या ऐसे अन्य माध्यम या तरीके से भी प्रस्तुत की जाएंगी जो प्राधिकरण को स्वीकार्य हों।

11.6. जहां स्वतंत्र अभियंता द्वारा सेवाओं के वितरण के लिए कोई अवधि विनिर्दिष्ट नहीं की गई है, स्वतंत्र अभियंता उत्तम उद्योग पद्धति के अनुसार अपने कार्यों के निर्वहन के लिए आवश्यक दक्षता और तात्कालिकता के साथ कार्य करेगा।

अनुसूची-एस

हटा दिया गया

अनुसूची-टी

(खंड 36.1.2 देखें)

एस्क्रो समझौता

यह एस्क्रो समझौता आज दिनांक _____ 20__ को निम्नलिखित के बीच निष्पादित किया गया:

के मध्य :

1. _____ लिमिटेड, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत निगमित कंपनी और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है (जिसे इसके बाद "रियायतग्राही" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारी, अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे);

2. _____ (ऋणदाता प्रतिनिधि का नाम और विवरण दर्ज करें) और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है, इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में मामलों के संबंध में अपने विधिवत अधिकृत एजेंट के रूप में वरिष्ठ ऋणदाताओं के लिए और उनकी ओर से कार्य करते हुए (जिन्हें इसके बाद "ऋणदाता प्रतिनिधि" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारी और प्रतिस्थानी शामिल होंगे);

3. _____ (एस्क्रो बैंक का नाम और विवरण दर्ज करें) और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है (जिन्हें इसके बाद "एस्क्रो बैंक" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके उत्तराधिकारी और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); तथा

4. _____ (जिन्हें इसके बाद "प्राधिकरण" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, उसके प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे)।

चूंकि :

क. प्राधिकरण ने डिज़ाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") के आधार पर _____ राज्य के _____ में हवाईअड्डे के लिए रियायतग्राही के साथ दिनांक _____ का एक रियायत समझौता ("रियायत समझौता") निष्पादित किया है, और जिसकी एक प्रति इसके साथ संलग्न है तथा इस समझौते का हिस्सा बनने के लिए परिशिष्ट-क के रूप में चिह्नित है।

ख. वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार परियोजना को वित्तपोषित करने पर सहमत हुए हैं।

ग. रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही को अन्य बातों के साथ-साथ उसमें बताए गए नियमों और शर्तों पर एक एस्क्रो खाता स्थापित करने की आवश्यकता है।

अतएव, अब पूर्वगामी के प्रतिफल में और इस समझौते में निर्धारित संबंधित वचनों और समझौतों के तहत, जिनकी प्राप्ति और पर्याप्तता को एतद्द्वारा स्वीकार किया जाता है, और कानूनी रूप से बाध्य होने के इरादे से, पक्ष निम्नानुसार सहमत होते हैं:

1. परिभाषाएं और व्याख्या

1.1. परिभाषाएं:

"समझौता" का अर्थ है यह एस्क्रो समझौता और इसमें निहित प्रावधानों के अनुसार किया गया कोई भी संशोधन;

"रियायत समझौता" का अर्थ ऊपर विवरण (क) में संदर्भित तथा इसके साथ अनुबंध-क के रूप में संलग्न रियायत समझौते से है, और इसमें इसके सभी विवरण और अनुसूचियां तथा इसमें इसके निमित्त अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार इसमें किए गए कोई भी संशोधन सम्मिलित होंगे;

"उपचार अवधि" का अर्थ रियायतग्राही द्वारा इस समझौते के किसी भी उपबंध के किसी भी उल्लंघन या व्यतिक्रम के उपचार के लिए इस समझौते में विनिर्दिष्ट अवधि से है, और यह उस तिथि से प्रारंभ होगी जिस दिन प्राधिकरण या ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा, जैसी भी स्थिति हो, रियायतग्राही को ऐसी सूचना में विनिर्दिष्ट उल्लंघन या व्यतिक्रम का उपचार करने हेतु सूचना दी जाती है;

"एस्क्रो खाता" का अर्थ इस समझौते के निबंधनों के अनुसार और इसके तहत स्थापित एक एस्क्रो खाते से है, और इसमें उप-खाते सम्मिलित होंगे;

"एस्क्रो व्यतिक्रम" का अर्थ खंड 6.1 में इसके लिए निर्धारित अर्थ होगा;

"ऋणदाता प्रतिनिधि" का अर्थ पूर्वगामी विवरणों में ऋणदाता प्रतिनिधि के रूप में संदर्भित व्यक्ति से है;

"पक्षकार" का अर्थ सामूहिक रूप से इस समझौते के पक्षकारों से है और "पक्षकार" का अर्थ व्यक्तिगत रूप से इस समझौते के किसी भी पक्षकार से होगा;

"भुगतान तिथि" का अर्थ खंड 4.1 में विनिर्दिष्ट किसी भी भुगतान के संबंध में, ऐसे भुगतान के लिए विनिर्दिष्ट तिथि (तिथियों) से है; तथा

"उप-खाते" का अर्थ एस्क्रो खाते के संबंधित उप-खातों से है, जिनमें खंड 4.1 में विनिर्दिष्ट धनराशि प्रत्येक माह जमा की जाएगी और यदि देय हो तो भुगतान की जाएगी, और यदि किसी माह में देय न हो तो उस माह में आनुपातिक रूप से विनियोजित की जाएगी और संबंधित उप-खातों में बनाए रखी जाएगी तथा भुगतान तिथि (तिथियों) पर उसमें से भुगतान की जाएगी।

1.2 निर्वचन

1.2.1 ऋणदाता प्रतिनिधि के संदर्भों का अर्थ, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से और उनके निमित्त कार्य करने वाले ऋणदाता प्रतिनिधि से होगा।

1.2.2 बड़े अक्षरों से प्रारंभ होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें उनके लिए निर्धारित किया गया है, तथा इस समझौते में प्रयुक्त और इसमें अपरिभाषित किंतु रियायत समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में उनके लिए निर्धारित किया गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

1.2.3 खंडों के संदर्भ, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.4 रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, यथायोग्य परिवर्तनों सहित, इस समझौते पर लागू होंगे।

2. एस्क्रो खाता

2.1 एस्क्रो बैंक का न्यासी के रूप में कार्य करना

2.1.1 रियायतग्राही एतद्द्वारा प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के लिए इसके संबंध में न्यासी के रूप में कार्य करने हेतु एस्क्रो बैंक को नियुक्त करता है तथा एस्क्रो बैंक को ऐसे अधिकारों, शक्तियों, प्राधिकारों और विवेक का प्रयोग करने हेतु प्राधिकृत करता है जो विशेष रूप से इसके निबंधनों द्वारा एस्क्रो बैंक को सौंपे गए हैं, साथ ही वे सभी अधिकार, शक्तियां, प्राधिकार और विवेक जो इसके प्रासंगिक रूप से उचित हैं, और एस्क्रो बैंक इसके निबंधनों के अनुसरण में ऐसी नियुक्ति स्वीकार करता है।

2.1.2 रियायतग्राही एतद्द्वारा घोषित करता है कि एस्क्रो खाते में और उसके प्रति सभी अधिकार, स्वत्व और हित एस्क्रो बैंक में निहित होंगे तथा प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और

रियायतग्राही के लिए न्यास के रूप में रखे जाएंगे, और इस समझौते के निबंधनों के अनुसार उपयोग किए जाएंगे। प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति को इस समझौते के तहत लाभार्थियों के रूप में या तीसरे पक्ष के लाभार्थियों के रूप में कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

2.2 एस्क्रो बैंक की स्वीकृति

एस्क्रो बैंक एतद्द्वारा इस रूप में कार्य करने तथा इस समझौते के उपबंधों के अनुसरण में एस्क्रो बैंक को सौंपे जाने वाले और उसके द्वारा रखे जाने वाले सभी भुगतानों और अन्य राशियों को स्वीकार करने के लिए सहमत होता है। एस्क्रो बैंक इस समझौते की अवधि के दौरान एस्क्रो खाते को धारित और सुरक्षित रखेगा तथा एस्क्रो खाते की राशि को रियायतग्राही, वरिष्ठ ऋणदाताओं या प्राधिकरण द्वारा एस्क्रो बैंक के पास जमा की गई धनराशि के रूप में मानेगा। इस समझौते के तहत अपने कार्यों और कर्तव्यों का निष्पादन करते हुए, एस्क्रो बैंक इस समझौते के उपबंधों के अनुसार, प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही या उनके नामितों, उत्तराधिकारियों या समनुदेशितियों के लाभार्थ न्यास के रूप में और उनके एजेंट के रूप में कार्य करेगा।

2.3 एस्क्रो खाते की स्थापना और संचालन

2.3.1 इस समझौते की तिथि से 30 (तीस) दिनों के भीतर, और किसी भी स्थिति में नियत तिथि से पूर्व, रियायतग्राही एस्क्रो बैंक की (शाखा का नाम) शाखा में एस्क्रो खाता खोलेगा और स्थापित करेगा। एस्क्रो खाता भारतीय रुपये में होगा।

2.3.2 एस्क्रो बैंक इस समझौते के निबंधनों तथा अपने सामान्य व्यवहारों और लागू विनियमों के अनुसार एस्क्रो खाते का रख-रखाव करेगा, और उक्त खाते में शेष राशि पर समय-समय पर समान ग्राहकों को देय अधिकतम ब्याज दर का भुगतान करेगा।

2.3.3 एस्क्रो बैंक और रियायतग्राही, ऋणदाता प्रतिनिधि के साथ परामर्श के पश्चात, एस्क्रो खाते के विस्तृत अधिदेशों, निबंधनों और शर्तों तथा संचालन प्रक्रियाओं पर सहमति व्यक्त करेंगे, किंतु इस समझौते और ऐसे अधिदेशों, निबंधनों और शर्तों या प्रक्रियाओं के बीच किसी भी विरोध या असंगति की स्थिति में, यह समझौता प्रभावी होगा।

2.4 एस्क्रो बैंक का शुल्क

एस्क्रो बैंक ऐसी राशि में और ऐसे समय पर अपना शुल्क और व्यय प्राप्त करने का हकदार होगा, जैसा कि एस्क्रो बैंक और रियायतग्राही के बीच सहमति हो सकती है। संदेह के निवारण के लिए, ऐसा शुल्क और व्यय परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय का हिस्सा होगा और खंड 4.1 के अनुसार एस्क्रो खाते से विनियोजित किया जाएगा।

2.5 पक्षकारों के अधिकार

रियायत समझौते में अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर, एस्क्रो खाते में रखी गई धनराशि में प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के अधिकार इस समझौते में पूरी तरह से निर्धारित हैं और प्राधिकरण, ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही का एस्क्रो खाते की धनराशि पर या उसके विरुद्ध कोई अन्य अधिकार नहीं होगा।

2.6 रियायतग्राही का प्रतिस्थापन

इसके पक्षकार स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि प्रतिस्थापन समझौते के अनुसरण में, नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही के प्रतिस्थापन पर, इस समझौते के प्रयोजनों के लिए यह माना जाएगा कि नामित कंपनी इसकी एक पक्षकार है और तदनुसार नामित कंपनी को नामित कंपनी के साथ रियायतग्राही के प्रतिस्थापन की तिथि से और उसके प्रभाव से इस समझौते के तहत रियायतग्राही के अधिकारों और दायित्वों का उत्तराधिकारी माना जाएगा।

3. एस्क्रो खाते में जमा

3.1 रियायतग्राही द्वारा जमा

3.1.1 रियायतग्राही सहमत होता है और वचन देता है कि वह निम्नलिखित आगमों और प्राप्तियों को एस्क्रो खाते में जमा करेगा या करवाएगा:

(क) बैंकों, बीमा कंपनियों, अन्य ऋणदाताओं और शेयरधारकों से परियोजना के संबंध में प्राप्त सभी राशियां;

(ख) हवाईअड्डे से या उसके संबंध में सभी शुल्क और कोई अन्य राजस्व, जिसमें किसी भी किराये, जमा, पूंजीगत प्राप्तियों या बीमा दावों की आय शामिल है; तथा

(ग) किसी भी बकाया रियायत शुल्क की कटौती के पश्चात प्राधिकरण द्वारा किए गए सभी भुगतान; तथा

बशर्ते कि वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में इस निमित्त अंतर्विष्ट स्पष्ट उपबंधों के अनुसार ईपीसी ठेकेदार को प्रत्यक्ष संवितरण कर सकते हैं।

3.1.2 रियायतग्राही किसी भी समय अपनी अन्य निधियों को एस्क्रो खाते में जमा कर सकता है, बशर्ते कि इस समझौते के उपबंध ऐसी जमाओं पर लागू होंगे।

3.2 प्राधिकरण द्वारा जमा

प्राधिकरण सहमत होता है और वचन देता है कि जब भी देय और संदेय होगा, वह एस्क्रो खाते में निम्नलिखित को जमा करेगा और/या क्रेडिट करेगा:

(क) प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को संवितरित कोई भी धनराशि;

(ख) रियायत समझौते के तहत अपने अधिकारों के प्रयोग में प्राधिकरण द्वारा एकत्र किया गया संपूर्ण शुल्क; तथा

(ग) समाप्ति भुगतान:

बशर्ते कि, खंड 4.1.1 के उपबंधों के होते हुए भी, प्राधिकरण पूर्वोक्त राशियों में से रियायतग्राही द्वारा उसे देय और संदेय किसी भी रियायत शुल्क को विनियोजित करने का हकदार होगा, और शेष बची राशि एस्क्रो खाते में जमा की जाएगी।

3.3 वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा जमा

ऋणदाता प्रतिनिधि सहमत होता है, पुष्टि करता है और वचन देता है कि वरिष्ठ ऋणदाता परियोजना के संबंध में उनके द्वारा किए गए सभी संवितरणों को एस्क्रो खाते में जमा करेंगे और/या क्रेडिट करेंगे; बशर्ते कि इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में इस निमित्त अंतर्विष्ट स्पष्ट उपबंधों के अधीन और उनके अनुसार ईपीसी ठेकेदार को सीधे भुगतान करने के हकदार होंगे।

3.4 जमा पर ब्याज

एस्क्रो बैंक सहमत होता है और वचन देता है कि एस्क्रो खाते के शेष पर उपार्जित होने वाला समस्त ब्याज एस्क्रो खाते में क्रेडिट किया जाएगा; बशर्ते कि एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते के संबंध में रियायतग्राही से उसे देय शुल्क और व्यय को उसमें से विनियोजित करने और शेष बची राशि को एस्क्रो खाते में क्रेडिट करने का हकदार होगा।

4. एस्क्रो खाते से निकासी

4.1 रियायत अवधि के दौरान निकासी

4.1.1 प्रत्येक माह के प्रारंभ में, या ऐसे छोटे अंतरालों पर जैसा कि ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही लिखित निर्देशों द्वारा निर्धारित करें, एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते से राशियां निकालेगा और देय भुगतान करने के लिए संबंधित उप-खातों में ऐसी राशियां जमा करके निम्नलिखित क्रम में उन्हें विनियोजित करेगा, और यदि ऐसे भुगतान किसी माह में देय नहीं हैं, तो ऐसे उप-खातों में ऐसी धनराशि बनाए रखेगा और भुगतान तिथि (तिथियों) पर उसमें से भुगतान करेगा:

क) नगर पक्षीय विकास को छोड़कर हवाईअड्डे के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही द्वारा देय और संदेय सभी कर;

ख) वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित शर्तों (यदि कोई हों) के अधीन और उनके अनुसार हवाईअड्डे के निर्माण से संबंधित सभी भुगतान;

ग) वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित सीमा (यदि कोई हो) के अधीन परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय;

घ) समझौते के उपबंधों के अनुसार प्राधिकरण द्वारा किए गए परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय तथा अन्य लागतें और व्यय, और प्राधिकरण द्वारा उसे देय और संदेय के रूप में प्रमाणित;

ङ) प्राधिकरण को देय और संदेय रियायत शुल्क;

च) एक लेखा वर्ष में देय ऋण शोधन का मासिक आनुपातिक प्रावधान;

छ) रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय और संदेय के रूप में उसके द्वारा प्रमाणित सभी भुगतान और नुकसानी;

ज) अधीनस्थ ऋण के संबंध में एक लेखा वर्ष में देय ऋण शोधन भुगतानों का मासिक आनुपातिक प्रावधान;

झ) वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित कोई भी आरक्षित आवश्यकताएं; तथा

ञ) शेष राशि, यदि कोई हो, रियायतग्राही के निर्देशों के अनुसार।

4.1.2 प्रत्येक लेखा वर्ष के प्रारंभ से कम से कम 60 (साठ) दिन पूर्व, रियायतग्राही ऋणदाता प्रतिनिधि के पूर्व लिखित अनुमोदन के साथ, एस्क्रो बैंक को इस खंड 4.1 में निर्धारित प्रत्येक भुगतान दायित्व के लिए आवश्यक संभावित राशियों का विवरण प्रदान करेगा; बशर्ते कि ऐसी राशियों को ऋणदाता प्रतिनिधि के पूर्व लिखित अनुमोदन से बाद में संशोधित किया जा सकता है, यदि वर्ष के दौरान प्राप्त नई जानकारी ऐसा संशोधन आवश्यक बनाती है।

4.2 समाप्ति पर निकासी

रियायत समझौते की समाप्ति पर, एस्क्रो खाते में जमा सभी राशियां, इस समझौते में किसी भी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित क्रम में विनियोजित और निपटाई जाएंगी:

क) हवाईअड्डे के लिए और उसके संबंध में रियायतग्राही द्वारा देय और संदेय सभी कर;

ख) अधीनस्थ ऋण को छोड़कर शोध्य ऋण का 90% (नब्बे प्रतिशत);

ग) बकाया रियायत शुल्क;

घ) रियायतग्राही द्वारा प्राधिकरण को देय और संदेय के रूप में उसके द्वारा प्रमाणित सभी भुगतान और नुकसानी;

ङ) रियायत समझौते के अनुच्छेद 44 में निर्धारित दोषों और कमियों के लिए दायित्व से उत्पन्न या उसके संबंध में रोक (प्रतिधारण) और भुगतान;

च) शोध्य ऋण के शेष सहित बकाया ऋण शोधन;

छ) बकाया अधीनस्थ ऋण;

ज) उपगत या प्रोद्भूत परिचालन एवं अनुरक्षण व्यय;

झ) रियायत समझौते के तहत किए जाने वाले कोई भी अन्य भुगतान; तथा

ञ) शेष राशि, यदि कोई हो, रियायतग्राही के निर्देशों के अनुसार:

बशर्ते कि इस खंड 4.2 के उप-खंड (ञ) में विनिर्दिष्ट संवितरण प्राधिकरण द्वारा निहितीकरण प्रमाण-पत्र जारी किए जाने के पश्चात ही किए जाएंगे।

4.3 अपर्याप्त निधियों का विनियोग

एस्क्रो खाते की निधियां, जैसी भी स्थिति हो, खंड 4.1 और 4.2 में निर्धारित प्राथमिकता के क्रमिक क्रम में लागू की जाएंगी। यदि उपलब्ध निधियां सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं, तो एस्क्रो बैंक ऐसी निधियों को समाप्त होने तक प्राथमिकता के क्रमिक क्रम में लागू करेगा।

4.4 बीमा आगमों का विनियोग

इस समझौते में किसी भी बात के होते हुए भी, जीवन और चोट को छोड़कर सभी बीमा दावों से प्राप्त राशि एस्क्रो खाते में जमा और/या क्रेडिट की जाएगी और हवाईअड्डे की किसी भी आवश्यक मरम्मत, पुनर्निर्माण, पुनर्स्थापना, प्रतिस्थापन या सुधार के लिए उपयोग की जाएगी, और शेष बची राशि, यदि कोई हो, वित्तपोषण समझौतों में इस निमित्त अंतर्विष्ट उपबंधों के अनुसार लागू की जाएगी।

4.5 निलंबन के दौरान निकासी

इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, प्राधिकरण रियायत समझौते के अनुच्छेद 41 के तहत निलंबन की अवधि के दौरान रियायतग्राही के सभी या किसी भी अधिकार का प्रयोग कर सकता है। ऐसी अवधि के दौरान प्राधिकरण द्वारा एस्क्रो बैंक को दिए गए किसी भी निर्देश का अनुपालन इस प्रकार किया जाएगा मानो ऐसे निर्देश इस समझौते के तहत रियायतग्राही द्वारा दिए गए हों और इसके तहत प्राधिकरण की सभी कार्रवाइयों को रियायतग्राही की ओर से और उसके निमित्त की गई माना जाएगा।

5. एस्क्रो बैंक के दायित्व

5.1 निधियों का पृथक्करण

इस समझौते के तहत एस्क्रो बैंक द्वारा प्राप्त धनराशि और अन्य संपत्ति, जब तक कि इस समझौते के अनुसार उपयोग या लागू न की जाए, एस्क्रो बैंक द्वारा उन उद्देश्यों के लिए न्यास के रूप में रखी जाएगी जिनके लिए वे प्राप्त की गई थीं, और एस्क्रो बैंक की अन्य निधियों और संपत्ति से पृथक रखी जाएंगी।

5.2 शेष राशियों की अधिसूचना

प्रत्येक भुगतान तिथि से 7 (सात) कार्य दिवस पूर्व (और इस प्रयोजन के लिए एस्क्रो बैंक प्रासंगिक भुगतान तिथियों के संबंध में रियायतग्राही और/या ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा दिए गए प्रतिज्ञान पर भरोसा करने का हकदार होगा), एस्क्रो बैंक ऋणदाता प्रतिनिधि को ठीक पूर्ववर्ती कार्य दिवस के कारोबार की समाप्ति पर एस्क्रो खाते और उप-खातों में शेष राशि की सूचना देगा।

5.3 संसूचनाएं और सूचनाएं

इसके तहत अपने कर्तव्यों और दायित्वों के निर्वहन में, एस्क्रो बैंक:

क) अपनी ओर से दुर्भावना या घोर लापरवाही के अभाव में, तथ्य के किसी भी ऐसे मामले के संबंध में जो उचित रूप से रियायतग्राही के ज्ञान के भीतर होने की उम्मीद की जा सकती है, रियायतग्राही द्वारा या उसकी ओर से हस्ताक्षरित प्रमाण-पत्र पर भरोसा कर सकता है;

ख) अपनी ओर से दुर्भावना या घोर लापरवाही के अभाव में, किसी भी ऐसी संसूचना या दस्तावेज की प्रामाणिकता पर भरोसा कर सकता है जिसे वह प्रामाणिक मानता है;

ग) प्राप्ति के 5 (पांच) कार्य दिवसों के भीतर, एस्क्रो बैंक के रूप में अपनी क्षमता में रियायतग्राही से या इसके तहत या इसके संबंध में किसी अन्य व्यक्ति से प्राप्त किसी भी सूचना या दस्तावेज की एक प्रति ऋणदाता प्रतिनिधि को सौंपेगा; तथा

घ) प्रा प्ति के 5 (पांच) कार्य दिवसों के भीतर, इसके संबंध में ऋणदाता प्रतिनिधि से प्राप्त किसी भी सूचना या दस्तावेज की एक प्रति रियायतग्राही को सौंपेगा।

5.4 कोई मुजरा (सेट-ऑफ) नहीं

एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते में जमा राशियों के संबंध में मुजरा (सेट-ऑफ), बैंकर के ग्रहणाधिकार या अन्य अधिकार या उपाय का दावा या प्रयोग न करने के लिए सहमत होता है। संदेह के निवारण के लिए, एस्क्रो बैंक द्वारा एतद्द्वारा यह स्वीकार और सहमति व्यक्त की जाती है

कि एस्क्रो खाते में एस्क्रो बैंक द्वारा रखी गई धनराशि और संपत्तियों को एस्क्रो बैंक की परिसंपत्तियों का हिस्सा नहीं माना जाएगा और न्यास संपत्ति होने के कारण, एस्क्रो बैंक के दिवालियापन या परिसमापन के मामले में, ऐसे दिवालियापन या परिसमापन में एस्क्रो बैंक की परिसंपत्तियों से पूरी तरह बाहर रखा जाएगा।

5.5 विनियामक स्वीकृतियां

एस्क्रो बैंक एस्क्रो खाते की स्थापना और संचालन के लिए आवश्यक सभी विनियामक स्वीकृतियां प्राप्त करने, और उसके पश्चात बनाए रखने और उनका अनुपालन करने के लिए अपने सर्वोत्तम प्रयासों का उपयोग करेगा। एस्क्रो बैंक अभ्यावेदन करता है और वारंटी देता है कि वह ऐसे किसी कारण से अवगत नहीं है जिससे ऐसी विनियामक स्वीकृतियां सामान्यतः एस्क्रो बैंक को प्रदान नहीं की जाएंगी।

6. एस्क्रो व्यतिक्रम

6.1 निम्नलिखित घटनाएं रियायतग्राही द्वारा व्यतिक्रम की एक घटना ("एस्क्रो व्यतिक्रम") मानी जाएंगी, जब तक कि ऐसी व्यतिक्रम की घटना अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) या प्राधिकरण या ऋणदाता प्रतिनिधि के किसी कार्य या चूक के परिणामस्वरूप न हुई हो:

क) रियायतग्राही इसमें दिए गए उपबंधों के अनुसार एस्क्रो खाते में कोई प्राप्ति जमा करने में विफल होकर इस समझौते का उल्लंघन करता है और 5 (पांच) कार्य दिवसों की उपचार अवधि के भीतर एस्क्रो खाते में उसे जमा करके ऐसे उल्लंघन का उपचार करने में विफल रहता है;

ख) रियायतग्राही इस समझौते के निबंधनों के उल्लंघन में एस्क्रो बैंक से रियायतग्राही के किसी खाते में धनराशि स्थानांतरित करवाता है और 5 (पांच) कार्य दिवसों की उपचार अवधि के भीतर संबंधित धनराशि को एस्क्रो खाते या किसी उप-खाते में, जिसमें ऐसा स्थानांतरण किया जाना चाहिए था, जमा करके ऐसे उल्लंघन का उपचार करने में विफल रहता है; या

ग) रियायतग्राही इस समझौते के उपबंधों का कोई अन्य उल्लंघन करता है या करवाता है और 5 (पांच) कार्य दिवसों की उपचार अवधि के भीतर उसका उपचार करने में विफल रहता है।

6.2 एस्क्रो व्यतिक्रम की घटना होने पर, इसके परिणामों से रियायत समझौते के उपबंधों के अधीन और उनके अनुसार निपटा जाएगा।

7. एस्क्रो समझौते की समाप्ति

7.1 एस्क्रो समझौते की अवधि

यह समझौता तब तक पूर्ण रूप से प्रभावी और लागू रहेगा जब तक कि वरिष्ठ ऋणदाताओं से प्राप्त ऋण, गारंटी या वित्तीय सहायता के संबंध में रियायतग्राही से कोई राशि अग्रिम रूप में दी जानी शेष हो या बकाया हो, या प्राधिकरण के प्रति उसके किसी भी दायित्व का निर्वहन होना शेष हो, जब तक कि सभी पक्षकारों की सहमति से या अन्यथा इस समझौते के उपबंधों के अनुसार इसे पहले समाप्त न कर दिया जाए।

7.2 एस्क्रो बैंक का प्रतिस्थापन

रियायतग्राही एस्क्रो बैंक, प्राधिकरण और ऋणदाता प्रतिनिधि को कम से कम 45 (पैंतालीस) दिन पूर्व सूचना देकर इस समझौते को समाप्त कर सकता है और एक नए एस्क्रो बैंक की नियुक्ति कर सकता है, बशर्ते कि नया एस्क्रो बैंक ऋणदाता प्रतिनिधि को स्वीकार्य हो और उत्तराधिकारी एस्क्रो बैंक के साथ स्थापित नए एस्क्रो खाते में एस्क्रो खाते में जमा राशियों के हस्तांतरण के लिए ऋणदाता प्रतिनिधि को संतोषजनक व्यवस्था की गई हो।

इस समझौते की समाप्ति प्रतिस्थापन एस्क्रो बैंक के साथ एस्क्रो समझौते के लागू होने पर ही प्रभावी होगी।

7.3 एस्क्रो खाते का बंद होना

एस्क्रो बैंक, रियायत समझौते और खंड 4.2 में विनिर्दिष्ट भुगतानों सहित वित्तपोषण समझौतों के तहत सभी बकाया राशियों के रियायतग्राही द्वारा भुगतान पर या उसके पश्चात किए गए रियायतग्राही और ऋणदाता प्रतिनिधि के अनुरोध पर, तथा ऐसे भुगतानों की प्राप्ति की पुष्टि पर, एस्क्रो खाते और उप-खातों को बंद करेगा और उसमें जमा किसी भी राशि का भुगतान रियायतग्राही को करेगा। इसके तहत एस्क्रो खाते के बंद होने पर, एस्क्रो समझौता समाप्त माना जाएगा।

8. अनुपूरक एस्क्रो समझौता

8.1 अनुपूरक एस्क्रो समझौता

ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही एस्क्रो बैंक के साथ एक अनुपूरक एस्क्रो समझौता करने के हकदार होंगे, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, खंड 4.1.1 के अनुसरण में उप-खातों से निकासी के लिए विस्तृत प्रक्रियाओं और प्रलेखन तथा इस समझौते के तहत कवर न किए गए मामलों जैसे वरिष्ठ ऋणदाताओं और अधीनस्थ ऋण के ऋणदाताओं के अधिकार और दायित्व, अधिशेष निधियों का निवेश, इस समझौते के उल्लंघन की स्थिति में या एस्क्रो व्यतिक्रम की

घटना पर रियायतग्राही द्वारा निकासी पर प्रतिबंध, एस्क्रो खाते के संचालन और उससे निकासी से संबंधित प्रक्रियाएं, रिपोर्टिंग आवश्यकताएं और उससे संबंधित कोई भी प्रासंगिक मामले शामिल हैं; बशर्ते कि ऐसे अनुपूरक एस्क्रो समझौते में कोई ऐसा उपबंध नहीं होगा जो इस समझौते के असंगत हो और इस समझौते के उपबंधों तथा ऐसे अनुपूरक एस्क्रो समझौते के बीच किसी भी विरोध या असंगति की स्थिति में, इस समझौते के उपबंध मान्य होंगे।

9. क्षतिपूर्ति

9.1 सामान्य क्षतिपूर्ति

9.1.1 रियायतग्राही प्राधिकरण, एस्क्रो बैंक और ऋणदाता प्रतिनिधि के माध्यम से कार्य करने वाले वरिष्ठ ऋणदाताओं को रियायतग्राही द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व के उल्लंघन से या रियायतग्राही द्वारा लागू कानूनों और लागू अनुमतियों का पालन करने में विफलता के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उनकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा।

9.1.2 प्राधिकरण रियायतग्राही को प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते या इस समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय प्राधिकरण, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

9.1.3 एस्क्रो बैंक रियायतग्राही को एस्क्रो बैंक द्वारा इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय एस्क्रो बैंक, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

9.2 दावों की सूचना और विरोध

यदि इसके किसी पक्षकार को किसी तीसरे पक्ष से ऐसा दावा प्राप्त होता है जिसके संबंध में वह खंड 9.1 के तहत क्षतिपूर्ति के लाभ का हकदार है या जिसके संबंध में वह प्रतिपूर्ति का

हकदार है ("क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार"), तो वह दावा प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर इसके तहत ऐसे दावे की क्षतिपूर्ति के लिए जिम्मेदार दूसरे पक्षकार ("क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार") को सूचित करेगा और क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार के पूर्व अनुमोदन के बिना दावे का निपटारा या भुगतान नहीं करेगा, जिस अनुमोदन को अनुचित रूप से रोका या विलंबित नहीं किया जाएगा। यदि क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार दावे का विरोध या विवाद करना चाहता है, तो वह क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार के नाम पर कार्यवाही का संचालन कर सकता है और उसका विरोध करने में शामिल सभी लागतों को वहन करेगा। क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार किसी भी दावे का विरोध करने में पूर्ण सहयोग और सहायता प्रदान करेगा और ऐसे सभी लेखों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा जिनकी क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार द्वारा उचित रूप से आवश्यकता हो सकती है।

10. विवाद समाधान

10.1 विवाद समाधान

10.1.1 इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में कोई भी विवाद, मतभेद या दावा, जिसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल नहीं किया जाता है, विवाद के प्रत्येक पक्षकार के एक-एक नामित व्यक्ति से मिलकर बनने वाले मध्यस्थ मंडल को मध्यस्थता के संदर्भ द्वारा अंतिम रूप से तय किया जाएगा, और जहां ऐसे नामितों की संख्या एक सम संख्या है, वहां नामित व्यक्ति ऐसे मंडल में एक अन्य व्यक्ति का चुनाव करेंगे। ऐसी मध्यस्थता वैकल्पिक विवाद समाधान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के मध्यस्थता नियमों ("नियम") या ऐसे अन्य नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी जो पक्षकारों द्वारा पारस्परिक रूप से सहमत हो सकते हैं, और मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 तथा मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 के उपबंधों के अधीन होगी।

10.1.2 मध्यस्थ एक सकारण पंचाट जारी करेंगे और ऐसा पंचाट पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। मध्यस्थता का स्थान राज्य की राजधानी होगी और मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

11. प्रकीर्ण उपबंध

11.1 शासी विधि और क्षेत्राधिकार

यह समझौता भारत के कानूनों के अनुसार समझा और निर्वचित किया जाएगा और उन्हीं से शासित होगा, तथा राज्य की अदालतों का इस समझौते से उत्पन्न या उससे संबंधित सभी मामलों पर क्षेत्राधिकार होगा।

11.2 संप्रभु उन्मुक्ति का अधित्याग

प्राधिकरण बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से:

क) सहमत होता है कि उसके द्वारा इस समझौते का निष्पादन, सुपुर्दगी और पालन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए किए गए और निष्पादित वाणिज्यिक कार्य हैं;

ख) सहमत होता है कि, यदि इस समझौते या इस समझौते द्वारा विचारित किसी लेनदेन के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के विरुद्ध कोई कार्यवाही की जाती है, तो उसकी परिसंपत्तियों के संबंध में प्राधिकरण द्वारा या उसकी ओर से ऐसी कार्यवाहियों से कोई उन्मुक्ति (चाहे संप्रभुता के आधार पर या अन्यथा) का दावा नहीं किया जाएगा;

ग) उन्मुक्ति के किसी भी ऐसे अधिकार का अधित्याग करता है जो उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के पास अब है, भविष्य में प्राप्त हो सकता है या जो किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके लिए आरोपित किया जा सकता है; तथा

घ) ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में कोई राहत देने या कोई आदेशिका जारी करने के लिए किसी भी निर्णय या पंचाट के निष्पादन के संबंध में आम तौर पर सहमति देता है (जिसमें इसके विरुद्ध या किसी भी परिसंपत्ति, संपत्ति या राजस्व के संबंध में कोई भी आदेश या निर्णय दिया जाना, लागू किया जाना या निष्पादित किया जाना शामिल है, चाहे उनका उपयोग या अभिप्रेत उपयोग कुछ भी हो)।

11.3 समझौतों की प्राथमिकता

रियायत समझौते और इस समझौते के बीच किसी भी विरोध की स्थिति में, रियायत समझौते में अंतर्विष्ट उपबंध इस समझौते पर प्रभावी होंगे।

11.4 शर्तों में परिवर्तन

इस समझौते में सभी जोड़, संशोधन, रूपांतरण और परिवर्तन केवल तभी प्रभावी और बाध्यकारी होंगे जब वे लिखित रूप में हों और पक्षकारों के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित हों।

11.5 अधित्याग

11.5.1 इस समझौते के किसी उपबंध या इसके तहत दायित्वों के अनुपालन और निष्पादन में किसी अन्य पक्षकार द्वारा व्यतिक्रम का किसी भी पक्षकार द्वारा अधित्याग:

क) इसके किसी अन्य या परवर्ती व्यतिक्रम अथवा इस समझौते के अन्य उपबंधों या दायित्वों के अधित्याग के रूप में संचालित या निर्वचित नहीं होगा;

ख) तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि यह लिखित रूप में न हो और पक्षकार के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निष्पादित न किया गया हो; तथा

ग) इस समझौते की वैधता या प्रवर्तनीयता को किसी भी रीति से प्रभावित नहीं करेगा।

11.5.2 किसी भी पक्षकार द्वारा किसी भी अवसर पर इस समझौते के नियमों, शर्तों और उपबंधों या इसके तहत किसी दायित्व के निष्पादन पर जोर देने में विफलता और न ही किसी

पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दिया गया समय या अन्य रियायत, ऐसे उल्लंघन का अधित्याग या किसी परिवर्तन की स्वीकृति अथवा इसके तहत ऐसे किसी अधिकार का परित्याग मानी जाएगी।

11.6 कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

यह समझौता केवल पक्षकारों के लाभ के लिए है और किसी अन्य व्यक्ति या इकाई को इसके तहत कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

11.7 उत्तरजीविता

11.7.1 इस समझौते की समाप्ति:

क) पक्षकारों को इसके तहत किसी भी ऐसे दायित्व से मुक्त नहीं करेगी जो स्पष्ट रूप से या निहितार्थ से इसकी समाप्ति के बाद भी जीवित रहते हैं; तथा

ख) इस समझौते के किसी उपबंध में अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर जो स्पष्ट रूप से किसी भी पक्षकार के दायित्व को सीमित करता है, किसी भी पक्षकार को ऐसी समाप्ति के प्रभावी होने से पूर्व ऐसे पक्षकार के कृत्यों या चूकों से उत्पन्न होने वाले या ऐसी समाप्ति से उत्पन्न होने वाले दूसरे पक्षकार के नुकसान या क्षति के दायित्वों से मुक्त नहीं करेगी।

11.7.2 इस समझौते के रद्द होने, समाप्त होने या अवसान के बाद जीवित रहने वाले सभी दायित्व इस समझौते की ऐसी समाप्ति या अवसान की तिथि के बाद केवल 3 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए ही जीवित रहेंगे।

11.8 पृथक्करणीयता

यदि किसी भी कारण से इस समझौते का कोई उपबंध अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय है या हो जाता है या सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी अदालत या किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय घोषित किया जाता है, तो शेष उपबंधों की वैधता, संवैधानिकता या प्रवर्तनीयता किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होगी, और पक्षकार सद्भावपूर्वक ऐसे एक या अधिक उपबंधों पर सहमत होने की दृष्टि से बातचीत करेंगे जिन्हें ऐसे अमान्य, अप्रवर्तनीय या अवैध उपबंधों के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है, जो ऐसे अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय उपबंध के यथासंभव निकट हो। ऐसे किसी उपबंध पर सहमत होने में विफलता इस समझौते के खंड 10.1 के तहत या अन्यथा विवाद समाधान के अधीन नहीं होगी।

11.9 उत्तराधिकारी और समनुदेशिती

यह समझौता पक्षकारों और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुमत समनुदेशितियों पर बाध्यकारी होगा और उनके लाभ के लिए प्रभावी होगा।

11.10 सूचनाएं

इस समझौते के तहत दी जाने वाली या की जाने वाली सभी सूचनाएं या अन्य संसूचनाएं लिखित रूप में होंगी और या तो व्यक्तिगत रूप से वितरित की जाएंगी या कूरियर अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजी जाएंगी, जिसकी एक अतिरिक्त प्रति फैक्स या ई-मेल द्वारा भेजी जाएगी। प्रत्येक पक्षकार के तामील का पता, उसका फैक्स नंबर और ई-मेल पता इसके हस्ताक्षर पृष्ठों पर उसके नाम के नीचे दिया गया है। कोई सूचना उसकी वास्तविक प्राप्ति पर प्रभावी होगी, सिवाय इसके कि जहां यह किसी कार्य दिवस पर सायं 5.30 (साढ़े पांच) बजे के बाद प्राप्त होती है, या ऐसे दिन प्राप्त होती है जो कार्य दिवस नहीं है, वहां सूचना वास्तविक प्राप्ति की तिथि के बाद के पहले कार्य दिवस पर प्राप्त मानी जाएगी। पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, फैक्स या ई-मेल द्वारा सूचना या संसूचना देने वाला या करने वाला पक्षकार तुरंत उसकी एक प्रति व्यक्तिगत रूप से वितरित करेगा, या ऐसी सूचना या संसूचना के पाने वाले को कूरियर या पंजीकृत डाक द्वारा भेजेगा। एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है और स्वीकार किया जाता है कि कोई भी पक्षकार सूचना द्वारा उस पते को बदल सकता है जिस पर उसे ऐसी सूचनाएं और संसूचनाएं वितरित या प्रेषित की जानी हैं। ऐसा परिवर्तन तब प्रभावी होगा जब सभी पक्षकारों को इसकी सूचना मिल जाएगी।

11.11 भाषा

इस समझौते के तहत या इसके संबंध में सभी सूचनाएं, प्रमाण-पत्र, पत्राचार और कार्यवाहियां अंग्रेजी में होंगी।

11.12 प्राधिकृत प्रतिनिधि

प्रत्येक पक्षकार, लिखित सूचना द्वारा, अपने संबंधित प्राधिकृत प्रतिनिधियों को नामित करेगा जिनके माध्यम से ही सभी संसूचनाएं की जाएंगी। इसका एक पक्षकार समान सूचना द्वारा ऐसे प्राधिकृत प्रतिनिधि को हटाने और/या प्रतिस्थापित करने या उसकी नई नियुक्ति करने का हकदार होगा।

11.13 मूल दस्तावेज

यह समझौता चार प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक निष्पादित और वितरित होने पर इस समझौते की एक मूल प्रति मानी जाएगी।

इसके साक्ष्य में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि को इस समझौते को निष्पादित और वितरित किया है।

हस्ताक्षर

रियायतग्राही की सामान्य मुहर रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक ..... 20... को आयोजित अपनी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में ..... निदेशक की उपस्थिति में यहां लगाई गई है, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इन विलेखों पर हस्ताक्षर किए हैं और कंपनी सचिव/प्राधिकृत अधिकारी, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इस पर प्रति-हस्ताक्षर किए हैं।

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

वरिष्ठ ऋणदाताओं के लिए और उनकी ओर से ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

अनुसूची 'यू'

(खंड 38.2.1 देखें)

सनदी लेखाकारों (चार्टर्ड एकाउंटेंट्स) का पैनल

1. सनदी लेखाकारों का पैनल

समझौते के खंड 38.2.1 के उपबंधों के अनुसरण में, प्राधिकरण और रियायतग्राही भारत में अपने पंजीकृत कार्यालय रखने वाली सनदी लेखाकारों की 5 (पांच) प्रतिष्ठित फर्मों का एक पारस्परिक रूप से सहमत पैनल तैयार करेंगे ("सनदी लेखाकारों का पैनल")। ऐसा पैनल तैयार करने के मानदंड और इस संबंध में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया इस अनुसूची-यू में निर्धारित अनुसार होगी।

2. पैनल में शामिल करने हेतु आमंत्रण

2.1 प्राधिकरण सनदी लेखाकारों की उन सभी प्रतिष्ठित फर्मों से प्रस्ताव आमंत्रित करेगा जो निम्नलिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करती हैं, अर्थात्:

(क) फर्म ने कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कम से कम एक सौ कंपनियों के वार्षिक खातों का सांविधिक लेखापरीक्षा किया हो, जिसमें उसका कोई भी पुनरधिनियमन या संशोधन शामिल है, जिनमें से कम से कम दस सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम होने चाहिए;

(ख) फर्म के पास कम से कम 5 (पांच) सेवारत सनदी लेखाकार होने चाहिए, जिनमें से प्रत्येक के पास इस पेशे में न्यूनतम 10 (दस) वर्ष का अनुभव हो;

(ग) फर्म या उसके किसी भी साझेदार को भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक या प्राधिकरण द्वारा अयोग्य या काली सूची में न डाला गया हो; तथा

(घ) फर्म का उस राज्य में या किसी निकटवर्ती राज्य में एक कार्यालय होना चाहिए जिसमें ऐसे राज्य में उसके पास कम से कम 2 (दो) सेवारत सनदी लेखाकार कार्यरत हों।

2.2 पात्रता मानदंडों को पूरा करने वाली इच्छुक फर्मों को अपनी क्षमता का विवरण प्रस्तुत करना आवश्यक होगा, जिसमें उनके सभी सेवारत सनदी लेखाकारों का जीवन-वृत्त शामिल होगा। विशेष रूप से, प्रत्येक फर्म को पूर्ववर्ती 5 (पांच) लेखा वर्षों में से किसी में भी ऐसी फर्म द्वारा वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की गई 25,00,00,000 रुपये (पच्चीस करोड़ रुपये) से अधिक के वार्षिक कारोबार वाली सभी कंपनियों के नामों से संबंधित वर्षवार जानकारी प्रस्तुत करना आवश्यक होगा।

3. मूल्यांकन और चयन

3.1 प्रत्येक फर्म द्वारा प्रस्तुत जानकारी की प्राधिकरण द्वारा संवीक्षा और मूल्यांकन किया जाएगा और ऊपर पैरा 2.2 में विनिर्दिष्ट कंपनियों के प्रत्येक वार्षिक लेखापरीक्षा के लिए 1 (एक) अंक दिया जाएगा। (संदेह के निवारण के लिए और दृष्टांत के रूप में, जिस फर्म ने 5 (पांच) वर्षों के लिए ऐसी किसी कंपनी के वार्षिक खातों की लेखापरीक्षा की है, उसे 5 (पांच) अंक दिए जाएंगे)।

3.2 प्राधिकरण प्रत्येक ऐसी फर्म द्वारा प्राप्त अंकों के साथ सभी पात्र फर्मों की एक सूची तैयार करेगा और उच्चतम अंक प्राप्त करने वाली 5 (पांच) फर्मों की पहचान की जाएगी और उन्हें सनदी लेखाकारों के प्रारूप पैनल में शामिल किया जाएगा।

4. रियायतग्राही के साथ परामर्श

प्राधिकरण फर्मों के पूर्वोक्त पैनल को रियायतग्राही को संवीक्षा और टिप्पणियों (यदि कोई हों) के लिए भेजेगा। रियायतग्राही यह सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकरण के प्रासंगिक अभिलेखों की संवीक्षा करने का हकदार होगा कि क्या फर्मों का चयन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया गया है और वह पूर्वोक्त पैनल प्राप्त करने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर अपनी टिप्पणियां, यदि कोई हों, प्राधिकरण को भेजेगा।

5. पारस्परिक रूप से सहमत पैनल

5.1 प्राधिकरण, रियायतग्राही की टिप्पणियों (यदि कोई हों) सहित सभी प्रासंगिक कारकों पर विचार करने के पश्चात, 5 (पांच) फर्मों के एक पैनल को अंतिम रूप देगा और गठित करेगा जिसे सनदी लेखाकारों का पारस्परिक रूप से सहमत पैनल माना जाएगा।

5.2 सनदी लेखाकारों के पारस्परिक रूप से सहमत पैनल को तैयार करने की तिथि से प्रत्येक 5 (पांच) वर्ष पूरे होने के बाद, या ऐसी पूर्व अवधि के बाद जो प्राधिकरण और रियायतग्राही के बीच सहमत हो, इस अनुसूची-यू के उपबंधों के अनुसार एक नया पैनल तैयार किया जाएगा।

अनुसूची 'वी'

(खंड 43.4 देखें)

निहितीकरण प्रमाण-पत्र

1. ..... के राज्यपाल, जिनका प्रतिनिधित्व..... (प्राधिकरण) द्वारा किया जा रहा है,..... राज्य में स्थित ..... हवाईअड्डे के लिए डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") आधार पर प्राधिकरण और ..... ("रियायतग्राही") के बीच निष्पादित दिनांक ..... के रियायत समझौते ("समझौता") का संदर्भ लेते हैं।

2. प्राधिकरण एतद्द्वारा समझौते के खंड 43.1 में निर्धारित विनिवेश आवश्यकताओं के रियायतग्राही द्वारा अनुपालन और पूर्ति को इस आधार पर स्वीकार करता है कि इस निहितीकरण प्रमाण-पत्र के जारी होने पर, यह माना जाएगा कि प्राधिकरण ने अधिग्रहण कर लिया है, और हवाईअड्डे में या उसके संबंध में रियायतग्राही के सभी स्वत्व और हित किसी भी प्रकार के भार, प्रभार और ग्रहणाधिकार से मुक्त होकर प्राधिकरण में निहित माने जाएंगे।

3. ऊपर अंतर्विष्ट किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, यह इस निहितीकरण प्रमाण-पत्र की एक शर्त होगी कि इसमें निहित किसी भी बात का अर्थ विनिवेश आवश्यकताओं में से किसी में भी किसी भी दोष या कमी को सुधारने और उसका उपचार करने के रियायतग्राही के दायित्व के अधित्याग के रूप में नहीं लगाया जाएगा और/या रियायतग्राही को किसी भी रीति से उससे मुक्त नहीं किया जाएगा।

स्वीकृत, अंगीकृत एवं रियायतग्राही के लिए और उसकी ओर से:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

स्वीकृत, अंगीकृत एवं प्राधिकरण के लिए और उसकी ओर से:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

उपस्थिति

(क) .....

(ख).....

अनुसूची 'डब्ल्यू'

(खंड 45.3.1 देखें)

प्रतिस्थापन समझौता

यह प्रतिस्थापन समझौता आज दिनांक ..... माह ..... 20... को निम्नलिखित के मध्य निष्पादित किया गया:

1. ....., और जिसका मुख्य कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद इसे "प्राधिकरण" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे); प्रथम पक्षकार;

2. ..... लिमिटेड, कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के तहत निगमित एक कंपनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद इसे "रियायतग्राही" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी, अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); द्वितीय पक्षकार; तथा

3. ..... (ऋणदाता प्रतिनिधि का नाम और विवरण दर्ज करें) और जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है, जो इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में वरिष्ठ ऋणदाताओं के विधिवत प्राधिकृत एजेंट के रूप में उनकी ओर से और उनके निमित्त कार्य कर रहा है (इसके बाद इसे "ऋणदाता प्रतिनिधि" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); तृतीय पक्षकार।

चूंकि:

क. प्राधिकरण ने ..... राज्य में स्थित ..... हवाईअड्डे के लिए डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण आधार ("डीबीएफओटी") पर रियायतग्राही के साथ दिनांक ..... का एक रियायत समझौता ("रियायत समझौता") किया है, जिसकी एक प्रति इसके साथ अनुबंध-क के रूप में संलग्न है और इस समझौते का हिस्सा बनेगी।

ख. वरिष्ठ ऋणदाता वित्तपोषण समझौतों में निर्धारित निबंधनों और शर्तों के अनुसार परियोजना को वित्तपोषित करने के लिए सहमत हुए हैं।

ग. वरिष्ठ ऋणदाताओं ने इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसार एक नामित कंपनी को रियायत के समनुदेशन, हस्तांतरण और प्रतिस्थापन के माध्यम से अपने हितों को सुरक्षित करने के लिए इस प्रतिस्थापन समझौते में प्रवेश करने हेतु प्राधिकरण से अनुरोध किया है।

घ. इसके वित्तपोषण, निर्माण, संचालन और अनुरक्षण सहित परियोजना के कार्यान्वयन को सक्षम बनाने के लिए, प्राधिकरण इस समझौते और रियायत समझौते में निर्धारित निबंधनों और शर्तों के अनुसार रियायत को एक नामित कंपनी को हस्तांतरित और समनुदेशित करने के लिए सहमत हुआ है और वचन दिया है।

अब, इसलिए, पूर्वगामी और इस समझौते में निर्धारित संबंधित वचनों और समझौतों के प्रतिफल के रूप में, जिसकी प्राप्ति और पर्याप्तता को एतद्द्वारा स्वीकार किया जाता है, और इसके द्वारा कानूनी रूप से बाध्य होने का इरादा रखते हुए, पक्षकार निम्नलिखित रूप से सहमत होते हैं:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1 परिभाषाएं

इस प्रतिस्थापन समझौते में, निम्नलिखित शब्दों और अभिव्यक्तियों का, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, क्रमशः निम्नलिखित अर्थ होगा:

"समझौता" का अर्थ इस प्रतिस्थापन समझौते और इस समझौते में निहित उपबंधों के अनुसार इसमें किए गए किसी भी संशोधन से है;

"वित्तीय व्यतिक्रम" का अर्थ वित्तपोषण समझौतों के निबंधनों और शर्तों के एक तात्विक उल्लंघन की घटना या रियायतग्राही द्वारा न्यूनतम 3 (तीन) महीने की अवधि के लिए ऋण शोधन में निरंतर व्यतिक्रम से है;

"ऋणदाता प्रतिनिधि" का अर्थ पूर्वगामी विवरणों में ऋणदाता प्रतिनिधि के रूप में संदर्भित व्यक्ति से है;

"नामित कंपनी" का अर्थ कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के तहत निगमित एक कंपनी से है, जिसमें उसका कोई भी पुनरधिनियमन या संशोधन शामिल है, जिसे वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा चुना जाता है और इस समझौते में दिए गए उपबंधों के अनुसार रियायत के समनुदेशन/हस्तांतरण के लिए प्राधिकरण को प्रस्तावित किया जाता है;

"वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना" का अर्थ खंड 3.2.1 में इसके लिए निर्धारित अर्थ होगा; तथा

"पक्षकार" का अर्थ सामूहिक रूप से इस समझौते के पक्षकारों से है और "पक्षकार" का अर्थ व्यक्तिगत रूप से इस समझौते के किसी भी पक्षकार से होगा।

1.2 निर्वचन

1.2.1 ऋणदाता प्रतिनिधि के संदर्भों का अर्थ, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, वरिष्ठ ऋणदाताओं की ओर से और उनके निमित्त कार्य करने वाले ऋणदाता प्रतिनिधि से होगा।

1.2.2 खंडों के संदर्भ, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.3 बड़े अक्षरों से प्रारंभ होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें उनके लिए निर्धारित किया गया है, तथा इस समझौते में प्रयुक्त और इसमें अपरिभाषित किंतु रियायत समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में उनके लिए निर्धारित किया गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

1.2.4 रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, यथायोग्य परिवर्तनों सहित, इस समझौते पर लागू होंगे।

2. समनुदेशन

2.1 समनुदेशन

रियायतग्राही एतद्द्वारा वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं द्वारा वित्तपोषण के संबंध में सुरक्षा के रूप में इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसरण में और उनके अनुसार ऋणदाता प्रतिनिधि को और उसके पक्ष में रियायत में अधिकार, स्वत्व और हित समनुदेशित करने के लिए सहमत होता है।

3. रियायतग्राही का प्रतिस्थापन

3.1 प्रतिस्थापन के अधिकार

3.1.1 खंड 2.1 के तहत समनुदेशित अधिकारों, स्वत्व और हित के अनुसरण में, ऋणदाता प्रतिनिधि इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने का हकदार होगा।

प्राधिकरण एतद्द्वारा इस समझौते के अनुसार ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा चुनी गई नामित कंपनी के पक्ष में रियायत समझौते पर पृष्ठांकन द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के लिए सहमत होता है। संदेह के निवारण के लिए, वरिष्ठ ऋणदाता या ऋणदाता प्रतिनिधि व्यक्तिगत रूप से या सामूहिक रूप से रियायतग्राही के रूप में हवाईअड्डे का संचालन और अनुरक्षण करने के हकदार नहीं होंगे।

3.2 वित्तीय व्यतिक्रम की स्थिति में प्रतिस्थापन

3.2.1 वित्तीय व्यतिक्रम होने पर, ऋणदाता प्रतिनिधि रियायतग्राही को उसके विवरण के साथ एक सूचना ("वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना") जारी कर सकता है, और इसकी एक प्रति प्राधिकरण को उसकी जानकारी और अभिलेख के लिए भेज सकता है। इस खंड 3 के तहत वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना ऐसे वित्तीय व्यतिक्रम का निर्णायक साक्ष्य होगी और यह इस समझौते के प्रयोजनों के लिए रियायतग्राही पर अंतिम और बाध्यकारी होगी।

3.2.2 इसके तहत वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना जारी होने पर, ऋणदाता प्रतिनिधि, इस समझौते या वित्तपोषण समझौतों के तहत अपने किसी भी अधिकार या उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, इस समझौते के उपबंधों के अनुसार रियायतग्राही को एक नामित कंपनी द्वारा प्रतिस्थापित कर सकता है।

3.2.3 ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना जारी किए जाने के बाद किसी भी समय, वह सूचना द्वारा प्राधिकरण से रियायतग्राही के सभी अधिकारों को निलंबित करने और रियायत समझौते के अनुच्छेद 41 के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे के संचालन और अनुरक्षण का कार्य अपने हाथ में लेने की अपेक्षा कर सकता है, और ऐसी सूचना प्राप्त होने पर, प्राधिकरण रियायत समझौते के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार निलंबन की कार्रवाई करेगा। पूर्वोक्त निलंबन को एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही के प्रतिस्थापन पर निरस्त कर दिया जाएगा, और यदि ऐसा प्रतिस्थापन ऐसे निलंबन की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों के भीतर पूरा नहीं होता है, तो प्राधिकरण रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसार समाप्ति सूचना जारी करके रियायत समझौते को तत्काल समाप्त कर सकता है; बशर्ते कि ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के लिखित अनुरोध पर, प्राधिकरण 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की पूर्वोक्त अवधि को 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक की अवधि के लिए बढ़ा सकता है। संदेह के निवारण के लिए, प्राधिकरण स्पष्ट रूप से सहमत होता है और इसके तहत निलंबन की तिथि से 240 (दो सौ चालीस) दिनों के बाद किसी भी समय ऋणदाता प्रतिनिधि से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर, रियायत समझौते को तत्काल समाप्त करने का वचन देता है।

3.3 रियायतग्राही व्यतिक्रम की स्थिति में प्रतिस्थापन

3.3.1 रियायतग्राही व्यतिक्रम की घटना होने पर, प्राधिकरण एक सूचना द्वारा ऋणदाता प्रतिनिधि को समाप्ति सूचना जारी करने के अपने इरादे की जानकारी देगा और ऋणदाता प्रतिनिधि को एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने के इरादे को बताते हुए अभ्यावेदन करने के लिए 15 (पंद्रह) दिनों का समय देगा।

3.3.2 यदि ऋणदाता प्रतिनिधि खंड 3.3.1 में विनिर्दिष्ट 15 (पंद्रह) दिनों की अवधि के भीतर प्राधिकरण को यह बताते हुए एक अभ्यावेदन करता है कि उसका इरादा एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही को प्रतिस्थापित करने का है, तो ऋणदाता प्रतिनिधि ऐसे अभ्यावेदन की तिथि से 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि के भीतर इस समझौते के उपबंधों के अनुसार एक नामित कंपनी द्वारा रियायतग्राही के प्रतिस्थापन का कार्य करने और उसे पूरा करने का हकदार होगा, और प्राधिकरण या तो समाप्ति को रोकेगा या पूर्वोक्त 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि के लिए निलंबन करेगा; बशर्ते कि ऋणदाता प्रतिनिधि और रियायतग्राही के लिखित अनुरोध पर, प्राधिकरण 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की पूर्वोक्त अवधि को 90 (नब्बे) दिनों से अनधिक की अवधि के लिए बढ़ाएगा; बशर्ते यह भी कि ऋणदाता प्रतिनिधि किसी भी समय इसके तहत अपने अभ्यावेदन को वापस ले सकता है और ऐसे वापस लेने पर, रियायतग्राही इसके उपबंधों के अनुसार इस समझौते को समाप्त कर सकता है।

3.4 प्रतिस्थापन की प्रक्रिया

3.4.1 प्राधिकरण और रियायतग्राही एतद्द्वारा सहमत होते हैं कि वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना की तिथि पर या उसके पश्चात अथवा खंड 3.3.2 के तहत प्राधिकरण को अभ्यावेदन की तिथि पर, जैसी भी स्थिति हो, ऋणदाता प्रतिनिधि वरिष्ठ ऋणदाताओं के किसी भी अन्य अधिकार या उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसी नामित कंपनी द्वारा रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के प्रति और वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं के प्रति रियायतग्राही के दायित्वों और उत्तरदायित्वों को ग्रहण करने पर, निजी बातचीत द्वारा या सार्वजनिक नीलामी या निविदाओं द्वारा नामित कंपनी को रियायत सहित हवाईअड्डे के अधिग्रहण और हस्तांतरण के लिए प्रस्ताव आमंत्रित कर सकता है, बातचीत कर सकता है और प्राप्त कर सकता है।

3.4.2 रियायतग्राही के स्थान पर प्रतिस्थापन के लिए पात्र होने के लिए, नामित कंपनी को उन पात्रता मानदंडों को पूरा करना आवश्यक होगा जो रियायत के आवंटन हेतु बोलीदाताओं को सूचीबद्ध करने के लिए प्राधिकरण द्वारा निर्धारित किए गए थे; बशर्ते कि ऋणदाता प्रतिनिधि प्राधिकरण से यह अभ्यावेदन कर सकता है कि परियोजना के हित में ऐसे सभी या किसी भी मानदंड को माफ किया जा सकता है, और यदि प्राधिकरण यह निर्धारित करता है कि ऐसी छूट का परियोजना पर कोई भौतिक प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, तो वह ऐसे सभी या किसी भी पात्रता मानदंड को माफ कर सकता है।

3.4.3 एक नामित कंपनी के चयन पर, ऋणदाता प्रतिनिधि प्राधिकरण से निम्नलिखित अनुरोध करेगा:

(क) रियायत समझौते के उपबंधों के अनुसार हवाईअड्डे के निर्माण, संचालन और अनुरक्षण के अधिकार को नामित कंपनी को हस्तांतरित करने की सहमति देना;

(ख) शेष रियायत अवधि के लिए समान निबंधनों और शर्तों पर नामित कंपनी को रियायत का पृष्ठांकन और हस्तांतरण करना; तथा

(ग) ऋणदाता प्रतिनिधि और नामित कंपनी के साथ उन्हीं निबंधनों पर एक प्रतिस्थापन समझौता करना जो इस समझौते में निहित हैं।

3.4.4 यदि प्राधिकरण को इस समझौते के अनुसार नामित कंपनी के पक्ष में रियायत के हस्तांतरण पर कोई आपत्ति है, तो वह ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा किए गए प्रस्ताव की तिथि से 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर, ऋणदाता प्रतिनिधि की सुनवाई के पश्चात एक सकारण आदेश देगा। यदि प्राधिकरण द्वारा ऐसी कोई आपत्ति नहीं उठाई जाती है, तो नामित कंपनी को स्वीकृत माना जाएगा। प्राधिकरण उसके बाद नामित कंपनी की अपनी स्वीकृति/मानी गई स्वीकृति के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर रियायत का हस्तांतरण और पृष्ठांकन करेगा; बशर्ते कि प्राधिकरण द्वारा ऐसी आपत्ति की स्थिति में, ऋणदाता प्रतिनिधि किसी अन्य नामित कंपनी का प्रस्ताव कर सकता है, जिसके बाद रियायतग्राही के स्थान पर ऐसी नामित कंपनी के प्रतिस्थापन के लिए इस खंड 3.4 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा।

3.4.5 इसके तहत एक नामित कंपनी को रियायत का हस्तांतरण, इस समझौते और रियायत समझौते में किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, रियायतग्राही की इक्विटी का कम से कम 75% (पचहत्तर प्रतिशत) नामित कंपनी को हस्तांतरित करके किया जा सकता है, और इसके तहत ऐसे हस्तांतरण पर, रियायतग्राही को इस समझौते और रियायत समझौते के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार नामित कंपनी माना जाएगा।

3.5 चयन का बाध्यकारी होना

नामित कंपनी के चयन में ऋणदाता प्रतिनिधि और प्राधिकरण का निर्णय रियायतग्राही पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। रियायतग्राही अपरिवर्तनीय रूप से सहमत होता है और इस समझौते के अनुसरण में की गई ऋणदाता प्रतिनिधि या वरिष्ठ ऋणदाताओं या प्राधिकरण की कार्रवाइयों को चुनौती देने के किसी भी अधिकार का अधित्याग करता है, जिसमें नामित कंपनी के पक्ष में रियायत का हस्तांतरण/समनुदेशन शामिल है। रियायतग्राही सहमत होता है और पुष्टि करता है कि उसे परियोजना की परिसंपत्तियों या रियायतग्राही के शेयरों के पुनर्मूल्यांकन की मांग करने का कोई अधिकार नहीं होगा। पक्षकारों द्वारा एतद्द्वारा यह स्वीकार किया जाता है कि ऋणदाता प्रतिनिधि के अधिकार अपरिवर्तनीय हैं और किसी भी न्यायालय या प्राधिकरण के समक्ष किसी भी कार्यवाही में उनका विरोध नहीं किया जाएगा तथा रियायतग्राही के पास ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा अनुरोध किए गए अनुसार प्रतिस्थापन और पृष्ठांकन द्वारा रियायत के हस्तांतरण को प्रभावी करने या कराने से प्राधिकरण या ऋणदाता प्रतिनिधि को रोकने, बाधित करने या प्रतिबंधित करने का कोई अधिकार या उपाय नहीं होगा।

4. परियोजना समझौते

4.1 परियोजना समझौतों में नामित कंपनी का प्रतिस्थापन

रियायतग्राही यह सुनिश्चित करेगा और व्यवस्था करेगा कि प्रत्येक परियोजना समझौते में ऐसे उपबंध शामिल हों जो ऐसी नामित कंपनी द्वारा रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों और उत्तरदायित्वों को ग्रहण करने की स्थिति में, नामित कंपनी को अपने विवेक से, रियायतग्राही के स्थान पर और उसके प्रतिस्थापन के रूप में ऐसे परियोजना समझौते में कदम रखने का हकदार बनाते हैं।

5. रियायत समझौते की समाप्ति

5.1 वित्तीय व्यतिक्रम पर समाप्ति

वित्तीय व्यतिक्रम की सूचना जारी होने के बाद किसी भी समय, ऋणदाता प्रतिनिधि लिखित सूचना द्वारा प्राधिकरण से रियायत समझौते को तत्काल समाप्त करने की अपेक्षा कर सकता है, और ऐसी सूचना प्राप्त होने पर, प्राधिकरण रियायत समझौते के अनुच्छेद 42 के उपबंधों के तहत और उनके अनुसार समाप्ति की कार्रवाई करेगा।

5.2 किसी नामित कंपनी का चयन न होने पर समाप्ति

यदि ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा खंड 3.3.2 में निर्धारित 180 (एक सौ अस्सी) दिनों की अवधि या उसके किसी विस्तार के भीतर प्राधिकरण को स्वीकार्य किसी भी नामित कंपनी का चयन और अनुशंसा नहीं की जाती है, तो प्राधिकरण रियायत समझौते को उसके उपबंधों के अनुसार तत्काल समाप्त कर सकता है।

5.3 शोध्य ऋण की वसूली

प्राधिकरण और रियायतग्राही एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि, उनके किसी अन्य अधिकार या उपाय पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऋणदाता प्रतिनिधि रियायत समझौते की समाप्ति पर शोध्य ऋण, रियायतग्राही के किसी और संदर्भ या सहमति के बिना, रियायतग्राही से प्राप्त करने का हकदार है। शोध्य ऋण की वसूली के लिए, ऋणदाता प्रतिनिधि रियायत समझौते और एस्क्रो समझौते के उपबंधों के अनुसार एस्क्रो खाते से अपना दावा करने का हकदार होगा।

6. समझौते की अवधि

6.1 समझौते की अवधि

यह समझौता आज की तिथि से लागू होगा और निम्नलिखित घटनाओं में से जो भी पहले घटित हो, समाप्त हो जाएगा:

(क) समझौते की समाप्ति; या

(ख) वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं को कोई राशि अग्रिम रूप में दी जानी शेष न हो और कोई राशि बकाया न हो।

7. क्षतिपूर्ति

7.1 सामान्य क्षतिपूर्ति

7.1.1 रियायतग्राही प्राधिकरण और ऋणदाता प्रतिनिधि को रियायतग्राही द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व के उल्लंघन से या रियायतग्राही द्वारा लागू कानूनों और लागू अनुमतियों का पालन करने में विफलता के कारण उत्पन्न होने वाले किसी भी प्रकार और प्रकृति के नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उनकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा।

7.1.2 प्राधिकरण रियायतग्राही को प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के तहत अपने किसी भी दायित्व को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते या इस समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय प्राधिकरण, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

7.1.3 ऋणदाता प्रतिनिधि रियायतग्राही को ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने में विफलता से उत्पन्न होने वाले किसी भी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के लिए किसी भी और सभी कार्यवाहियों, मुकदमों और तीसरे पक्ष के दावों से क्षतिरहित रखेगा, उसकी रक्षा करेगा और क्षतिपूर्ति करेगा, जो रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों के निष्पादन को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, सिवाय ऋणदाता प्रतिनिधि, उसके अधिकारियों, सेवकों और एजेंटों द्वारा अपने वैध कार्यों के निर्वहन में किए गए कार्यों से उत्पन्न किसी नुकसान, क्षति, लागत और व्यय के।

7.2 दावों की सूचना और विरोध

यदि इसके किसी पक्षकार को किसी तीसरे पक्ष से ऐसा दावा प्राप्त होता है जिसके संबंध में वह खंड 7.1 के तहत क्षतिपूर्ति के लाभ का हकदार है या जिसके संबंध में वह प्रतिपूर्ति का हकदार है ("क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार"), तो वह दावा प्राप्त होने के 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर इसके तहत ऐसे दावे की क्षतिपूर्ति के लिए जिम्मेदार दूसरे पक्षकार ("क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार") को सूचित करेगा और क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार के पूर्व अनुमोदन के बिना दावे का निपटारा या भुगतान नहीं करेगा, ऐसे अनुमोदन को अनुचित रूप से रोका या विलंबित नहीं किया जाएगा। यदि क्षतिपूर्ति करने वाला पक्षकार दावे का विरोध या विवाद करना चाहता है, तो वह क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार के नाम पर कार्यवाही का संचालन कर सकता है और उसका विरोध करने में शामिल सभी लागतों को वहन करेगा। क्षतिपूर्ति प्राप्त पक्षकार किसी भी दावे का विरोध करने में पूर्ण सहयोग और सहायता प्रदान करेगा और ऐसे सभी लेखों और दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करेगा जिनकी क्षतिपूर्ति करने वाले पक्षकार द्वारा उचित रूप से आवश्यकता हो सकती है।

8. विवाद समाधान

8.1 विवाद समाधान

8.1.1 इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में कोई भी विवाद, मतभेद या दावा, जिसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल नहीं किया जाता है, प्राधिकरण, रियायतग्राही और ऋणदाता प्रतिनिधि के एक-एक नामित व्यक्ति से मिलकर बनने वाले मध्यस्थ मंडल को मध्यस्थता के संदर्भ द्वारा तय किया जाएगा। ऐसी मध्यस्थता मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 तथा मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 के उपबंधों के अनुसार आयोजित की जाएगी।

8.1.2 मध्यस्थ एक सकारण पंचाट जारी करेंगे और ऐसा पंचाट पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। मध्यस्थता का स्थान राज्य की राजधानी होगी और मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

9. प्रकीर्ण उपबंध

9.1 शासी विधि और क्षेत्राधिकार

यह समझौता भारत के कानूनों के अनुसार समझा और निर्वचित किया जाएगा और उन्हीं से शासित होगा, तथा राज्य की अदालतों का इस समझौते से उत्पन्न या उससे संबंधित सभी मामलों पर क्षेत्राधिकार होगा।

9.2 संप्रभु उन्मुक्ति का अधित्याग

प्राधिकरण बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से:

(क) सहमत होता है कि उसके द्वारा इस समझौते का निष्पादन, सुपुर्दगी और पालन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए किए गए और निष्पादित वाणिज्यिक कार्य हैं;

(ख) सहमत होता है कि, यदि इस समझौते या इस समझौते द्वारा विचारित किसी लेनदेन के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के विरुद्ध कोई कार्यवाही की जाती है, तो उसकी परिसंपत्तियों के संबंध में प्राधिकरण द्वारा या उसकी ओर से ऐसी कार्यवाहियों से कोई उन्मुक्ति (चाहे संप्रभुता के आधार पर या अन्यथा) का दावा नहीं किया जाएगा;

(ग) उन्मुक्ति के किसी भी ऐसे अधिकार का अधित्याग करता है जो उसके या उसकी परिसंपत्तियों, संपत्ति या राजस्व के पास अब है, भविष्य में प्राप्त हो सकता है या जो किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके लिए आरोपित किया जा सकता है; तथा

(घ) ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में कोई राहत देने या कोई आदेशिका जारी करने के लिए किसी भी निर्णय या पंचाट के निष्पादन के संबंध में आम तौर पर सहमति देता है (जिसमें इसके विरुद्ध या किसी भी परिसंपत्ति, संपत्ति या राजस्व के संबंध में कोई भी आदेश या निर्णय दिया जाना, लागू किया जाना या निष्पादित किया जाना शामिल है, चाहे उनका उपयोग या अभिप्रेत उपयोग कुछ भी हो)।

9.3 समझौतों की प्राथमिकता

रियायत समझौते और इस समझौते के बीच किसी भी विरोध की स्थिति में, रियायत समझौते में अंतर्विष्ट उपबंध इस समझौते पर प्रभावी होंगे।

9.4 शर्तों में परिवर्तन

इस समझौते में सभी जोड़, संशोधन, रूपांतरण और परिवर्तन केवल तभी प्रभावी और बाध्यकारी होंगे जब वे लिखित रूप में हों और पक्षकारों के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा हस्ताक्षरित हों।

9.5 अधित्याग

9.5.1 इस समझौते के किसी उपबंध या इसके तहत दायित्वों के अनुपालन और निष्पादन में किसी अन्य पक्षकार द्वारा व्यतिक्रम का किसी भी पक्षकार द्वारा अधित्याग:

(क) इसके किसी अन्य या परवर्ती व्यतिक्रम अथवा इस समझौते के अन्य उपबंधों या दायित्वों के अधित्याग के रूप में संचालित या निर्वचित नहीं होगा;

(ख) तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि यह लिखित रूप में न हो और पक्षकार के विधिवत प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा निष्पादित न किया गया हो; तथा

(ग) इस समझौते की वैधता या प्रवर्तनीयता को किसी भी रीति से प्रभावित नहीं करेगा।

9.5.2 किसी भी पक्षकार द्वारा किसी भी अवसर पर इस समझौते के नियमों, शर्तों और उपबंधों या इसके तहत किसी दायित्व के निष्पादन पर जोर देने में विफलता और न ही किसी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को दिया गया समय या अन्य रियायत, ऐसे उल्लंघन का अधित्याग या किसी परिवर्तन की स्वीकृति अथवा इसके तहत ऐसे किसी अधिकार का परित्याग मानी जाएगी।

9.6 कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

यह समझौता केवल पक्षकारों के लाभ के लिए है और किसी अन्य व्यक्ति या इकाई को इसके तहत कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा।

9.7 उत्तरजीविता

9.7.1 इस समझौते की समाप्ति:

(क) पक्षकारों को इसके तहत किसी भी ऐसे दायित्व से मुक्त नहीं करेगी जो स्पष्ट रूप से या निहितार्थ से इसकी समाप्ति के बाद भी जीवित रहते हैं; तथा

(ख) इस समझौते के किसी उपबंध में अन्यथा प्रदान किए गए को छोड़कर जो स्पष्ट रूप से किसी भी पक्षकार के दायित्व को सीमित करता है, किसी भी पक्षकार को ऐसी समाप्ति के प्रभावी होने से पूर्व ऐसे पक्षकार के कृत्यों या चूकों से उत्पन्न होने वाले या ऐसी समाप्ति से उत्पन्न होने वाले दूसरे पक्षकार के नुकसान या क्षति के दायित्वों से मुक्त नहीं करेगी।

9.7.2 इस समझौते के रद्द होने, समाप्त होने या अवसान के बाद जीवित रहने वाले सभी दायित्व इस समझौते की ऐसी समाप्ति या अवसान की तिथि के बाद केवल 3 (तीन) वर्ष की अवधि के लिए ही जीवित रहेंगे।

9.8 पृथक्करणीयता

यदि किसी भी कारण से इस समझौते का कोई उपबंध अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय है या हो जाता है या सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी अदालत या किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा अमान्य, अवैध या अप्रवर्तनीय घोषित किया जाता है, तो शेष उपबंधों की वैधता, संवैधानिकता या प्रवर्तनीयता किसी भी तरह से प्रभावित नहीं होगी, और पक्षकार सद्भावपूर्वक ऐसे एक या अधिक उपबंधों पर सहमत होने की दृष्टि से बातचीत करेंगे जिन्हें ऐसे अमान्य, अप्रवर्तनीय या अवैध उपबंधों के स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है, जो ऐसे अमान्य, अवैध या

अप्रवर्तनीय उपबंध के यथासंभव निकट हो। ऐसे किसी उपबंध पर सहमत होने में विफलता इस समझौते के खंड 8 के तहत या अन्यथा विवाद समाधान के अधीन नहीं होगी।

9.9 उत्तराधिकारी और समनुदेशिती

यह समझौता पक्षकारों और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुमत समनुदेशितियों पर बाध्यकारी होगा और उनके लाभ के लिए प्रभावी होगा।

9.10 सूचनाएं

इस समझौते के तहत दी जाने वाली या की जाने वाली सभी सूचनाएं या अन्य संसूचनाएं लिखित रूप में होंगी, या तो व्यक्तिगत रूप से वितरित की जाएंगी या कूरियर अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजी जाएंगी, जिसकी एक अतिरिक्त प्रति फैक्स या ई-मेल द्वारा भेजी जाएगी। प्रत्येक पक्षकार के तामील का पता, उसका फैक्स नंबर और ई-मेल पता इसके हस्ताक्षर पृष्ठों पर उसके नाम के नीचे दिया गया है। कोई सूचना उसकी वास्तविक प्राप्ति पर प्रभावी होगी, सिवाय इसके कि जहां यह किसी दिन सायं 5.30 (साढ़े पांच) बजे के बाद प्राप्त होती है, या ऐसे दिन प्राप्त होती है जो सार्वजनिक अवकाश है, वहां सूचना वास्तविक प्राप्ति की तिथि के बाद के पहले कार्य दिवस पर प्राप्त मानी जाएगी। पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, फैक्स या ई-मेल द्वारा सूचना या संसूचना देने वाला या करने वाला पक्षकार तुरंत उसकी एक प्रति व्यक्तिगत रूप से वितरित करेगा, या ऐसी सूचना या संसूचना के पाने वाले को कूरियर या पंजीकृत डाक द्वारा भेजेगा। एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है और स्वीकार किया जाता है कि कोई भी पक्षकार सूचना द्वारा उस पते को बदल सकता है जिस पर उसे ऐसी सूचनाएं और संसूचनाएं वितरित या प्रेषित की जानी हैं। ऐसा परिवर्तन तब प्रभावी होगा जब सभी पक्षकारों को इसकी सूचना मिल जाएगी।

9.11 भाषा

इस समझौते के तहत या इसके संबंध में सभी सूचनाएं, प्रमाण-पत्र, पत्राचार और कार्यवाहियां अंग्रेजी में होंगी।

9.12 प्राधिकृत प्रतिनिधि

प्रत्येक पक्षकार लिखित सूचना द्वारा अपने संबंधित प्राधिकृत प्रतिनिधियों को नामित करेगा जिनके माध्यम से ही सभी संसूचनाएं की जाएंगी। इसका एक पक्षकार समान सूचना द्वारा ऐसे प्राधिकृत प्रतिनिधि को हटाने और/या प्रतिस्थापित करने या उसकी नई नियुक्ति करने का हकदार होगा।

9.13 मूल दस्तावेज

यह समझौता तीन प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक निष्पादित और वितरित होने पर इस समझौते की एक मूल प्रति मानी जाएगी।

इसके साक्ष्य में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि को इस समझौते को निष्पादित और वितरित किया है।

हस्ताक्षर पृष्ठ

रियायतग्राही की सामान्य मुहर रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक ..... 20... को आयोजित अपनी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में ..... निदेशक की उपस्थिति में यहां लगाई गई है, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इन विलेखों पर हस्ताक्षर किए हैं और कंपनी सचिव/प्राधिकृत अधिकारी, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इस पर प्रति-हस्ताक्षर किए हैं।

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

प्राधिकरण के लिए और उसकी ओर से हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

वरिष्ठ ऋणदाताओं के लिए और उनकी ओर से ऋणदाता प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

अनुसूची 'एक्स'

(खंड 5.6.1 देखें)

शेयरधारकों का समझौता

यह शेयरधारकों का समझौता ("समझौता") आज दिनांक..... माह..... 20... को निम्नलिखित के मध्य निष्पादित किया गया:

1. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, और जिसका मुख्य कार्यालय कार्यालय संख्या 1-15, ब्लॉक पी-2, सेक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है (इसके बाद इसे "प्राधिकरण" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके प्रशासक, उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे); प्रथम पक्षकार;

और

2. इसके अनुबंध-1 में सूचीबद्ध पक्षकार (इसके बाद इन्हें व्यक्तिगत रूप से "निजी सहभागी" और सामूहिक रूप से "निजी प्रतिभागीगण" कहा जाएगा (जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि यह इसके विषय या संदर्भ के प्रतिकूल या विपरीत न हो, उनके संबंधित कानूनी प्रतिनिधि और उत्तराधिकारी शामिल माने जाएंगे); द्वितीय पक्षकार;

और

3. ..... लिमिटेड, कंपनी अधिनियम, 2013 के उपबंधों के तहत निगमित एक कंपनी, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद इसे "रियायतग्राही" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ के प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे); तृतीय पक्षकार।

निजी प्रतिभागियों, प्राधिकरण और रियायतग्राही को इसके बाद सामूहिक रूप से "पक्षकार" और व्यक्तिगत रूप से "पक्षकार" कहा जाएगा। निजी प्रतिभागियों और प्राधिकरण को सामूहिक रूप से "शेयरधारक" कहा जाएगा।

चूंकि:

क) उत्तर प्रदेश सरकार ने सैद्धांतिक अनुमोदन में निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन, उत्तर प्रदेश राज्य में जेवर, जिला गौतम बुद्ध नगर के पास सार्वजनिक उपयोग के लिए एक हवाईअड्डे (इसके बाद "हवाई अड्डा" या "परियोजना" कहा जाएगा) की स्थापना के लिए भारत सरकार से सैद्धांतिक अनुमोदन (इसके बाद "सैद्धांतिक अनुमोदन" कहा जाएगा) प्राप्त किया था, और डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण ("डीबीएफओटी") आधार पर हवाईअड्डे को स्थापित करने का संकल्प लिया था। उत्तर प्रदेश सरकार ("यूपी सरकार") ने

अपने सरकारी संकल्प संख्या ..... दिनांक ..... ("यूपी सरकार अनुमोदन") के माध्यम से परियोजना के कार्यान्वयन को मंजूरी दी और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड को प्राधिकरण के रूप में सौंपा।

ख) प्राधिकरण ने सफल बोलीदाता के चयन के लिए अपने प्रस्ताव सह योग्यता मांग पत्र संख्या ..... दिनांक ..... ("प्रस्ताव सह योग्यता मांग पत्र" या "आरएफपी सह आरएक्यू") द्वारा प्रस्ताव आमंत्रित किए, जिसे परियोजना शुरू करने के लिए एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में कार्य करने हेतु एक कंपनी को निगमित करने का अधिकार होगा।

ग) निजी प्रतिभागियों में चयनित बोलीदाता के सदस्य शामिल हैं, जिन्होंने बोली लगाई थी, और जिन्हें बाद में सूचीबद्ध किया गया और अंततः प्राधिकरण द्वारा चुना गया, जिसके अनुसरण में प्राधिकरण ने परियोजना को शुरू करने के लिए रियायत समझौते को निष्पादित करने वाले विशेष प्रयोजन वाहन को निगमित करने के लिए आशय पत्र / अधिनिर्णय पत्र संख्या ..... दिनांक ..... को ..... को जारी किया ("रियायतग्राही")।

घ) चयनित बोलीदाता ने तब से कंपनी अधिनियम 2013 के तहत एक सीमित देयता कंपनी के रूप में रियायतग्राही को प्रवर्तित और निगमित किया है, और प्राधिकरण से रियायतग्राही को उस इकाई के रूप में स्वीकार करने का अनुरोध किया है जो रियायत समझौते के तहत रियायतग्राही के दायित्वों को पूरा करेगी और अधिकारों का प्रयोग करेगी और प्राधिकरण इस अनुरोध पर सहमत हो गया है।

ङ) प्रस्तावों के अनुरोध के हिस्से के रूप में यह परिकल्पना की गई थी कि प्राधिकरण इस शेयरधारकों के समझौते में निर्धारित नियमों और शर्तों पर एक गैर-हस्तांतरणीय स्वर्णिम शेयर (गोल्डन शेयर) (जैसा कि इसके बाद परिभाषित है) धारण करेगा।

च) इसलिए प्राधिकरण और निजी प्रतिभागी इस समझौते में रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपनी पारस्परिक क्षमता में संबंधों को नियंत्रित करने के लिए नियमों और शर्तों को निर्धारित करने और रियायतग्राही के प्रबंधन और कामकाज तथा उससे संबंधित अन्य मामलों के संबंध में अपने संबंधित अधिकारों और दायित्वों को दर्ज करने के इच्छुक हैं।

अब इसलिए, पूर्वगामी और इस समझौते में निर्धारित संबंधित वचनों और समझौतों के प्रतिफल के रूप में, जिसकी प्राप्ति और पर्याप्तता को एतद्द्वारा स्वीकार किया जाता है, और इसके द्वारा कानूनी रूप से बाध्य होने का इरादा रखते हुए, पक्षकार निम्नानुसार सहमत होते हैं:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1 परिभाषाएं

इस समझौते में (इसके साथ जुड़े किसी भी विवरण, अनुबंध, अनुसूचियों या प्रदर्श सहित), जहां संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, निम्नलिखित शब्दों और अभिव्यक्तियों का निम्नलिखित अर्थ होगा:

"प्रभावित पक्षकार" का अर्थ नीचे खंड 11.3 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"वैकल्पिक निदेशक" का अर्थ नीचे खंड 5.7.1 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"निदेशक मंडल" या "बोर्ड" का अर्थ रियायतग्राही के निदेशक मंडल से है;

"अध्यक्ष" का अर्थ कंपनी के बोर्ड के अध्यक्ष से है;

"चार्टर दस्तावेज" का अर्थ रियायतग्राही के संस्थापन ज्ञापन और अंतर्नियमों से है, जिसमें कानून द्वारा अनुमत सीमा तक, इस समझौते के नियमों और शर्तों को उपयुक्त रूप से शामिल किया गया है और जो उनके अनुरूप हैं;

"कंपनी अधिनियम" का अर्थ कंपनी अधिनियम, 1956 के निरसित उपबंधों के लिए कंपनी अधिनियम, 2013 और अन्यथा कंपनी अधिनियम, 1956 से है, जिसमें उसका कोई भी पुनरधिनियमन या संशोधन शामिल है;

"रियायत समझौता" का अर्थ परियोजना के संबंध में प्राधिकरण और रियायतग्राही के बीच निष्पादित रियायत समझौते से होगा;

"परिणामी नुकसान" का अर्थ नीचे खंड 11.14 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"व्यतिक्रमी पक्षकार" का अर्थ नीचे खंड 8.2.1 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"निदेशक" का अर्थ रियायतग्राही के निदेशक मंडल के एक निदेशक से है;

"समता शेयर" का अर्थ रियायतग्राही के प्रत्येक ..... रुपये के अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता समता शेयर से है;

"स्वर्णिम शेयर" का अर्थ प्राधिकरण को जारी किए गए/जारी किए जाने वाले रियायतग्राही के ..... रुपये के अंकित मूल्य के पूर्ण चुकता समता शेयर से है;

"प्रबंध निदेशक" का अर्थ रियायतग्राही के पूर्णकालिक प्रबंध निदेशक से है;

"निजी सहभागी" का अर्थ इस समझौते की प्रस्तावना में इसे दिए गए अर्थ से होगा;

"निजी सहभागी समझौता" का अर्थ नीचे खंड 4.2.4 में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"परियोजना" का अर्थ विवरण (क) में इसे दिए गए अर्थ से होगा;

"स्वामित्वगत जानकारी" का अर्थ नीचे खंड 9.1 के तहत इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"आरक्षित मामले" का अर्थ इसके अनुबंध-II के तहत सूचीबद्ध मामलों से है;

"शेयरधारक" या "शेयरधारकगण" का अर्थ इस समझौते की प्रस्तावना में इस पद को दिए गए अर्थ से होगा;

"शेयरधारकों का समझौता" या "समझौता" का अर्थ इस शेयरधारकों के समझौते से है;

"तृतीय पक्ष" का अर्थ किसी भी ऐसी इकाई से है जो इस समझौते का पक्षकार नहीं है;

"अंतरण" में (i) ऐसी प्रतिभूतियों या मतदान हितों या उसमें किसी भी हित का कोई भी अंतरण या अन्य व्ययन शामिल होगा, जिसमें बिना किसी सीमा के, लागू कानूनों के संचालन द्वारा, अदालती आदेश द्वारा, न्यायिक प्रक्रिया द्वारा, या ग्रहणाधिकार प्रवर्तन, जब्ती या कुर्की द्वारा; (ii) किसी समझौते, व्यवस्था, लिखत या समझ के अनुसरण में ऐसी प्रतिभूतियों या उसमें किसी भी हित की कोई भी बिक्री, समनुदेशन, उपहार, दान, मोचन, संपरिवर्तन या अन्य व्ययन, जिसके द्वारा ऐसी प्रतिभूतियों या उसमें किसी भी हित का कानूनी स्वत्व या लाभकारी स्वामित्व एक इकाई से दूसरी इकाई को या एक अलग कानूनी क्षमता में उसी इकाई को जाता है, चाहे मूल्य के लिए हो या नहीं; (iii) ऐसी प्रतिभूतियों या उसमें किसी भी हित में कोई भार (चाहे बंधक, गिरवी, ग्रहणाधिकार, दृष्टिबंधन या अन्यथा द्वारा) या प्रभार देना या बढ़ाना या संलग्न करना या किसी भी प्रकार का कोई विशेषाधिकार या प्राथमिकता जिसका सुरक्षा का प्रभाव हो।

1.2 निर्वचन

1.2.1 बड़े अक्षरों से प्रारंभ होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें उनके लिए निर्धारित किया गया है, तथा इस समझौते में प्रयुक्त और इसमें अपरिभाषित किंतु रियायत समझौते या कंपनी अधिनियम, जैसी भी स्थिति हो, में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते या कंपनी अधिनियम में उनके लिए निर्धारित किया गया है, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो।

1.2.2 खंडों के संदर्भ, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.3 रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, यथायोग्य परिवर्तनों सहित, इस समझौते पर लागू होंगे।

2. प्रभावी तिथि

खंड 2, 3, 7, 9 और 10 के उपबंधों को छोड़कर जो इसके निष्पादन के तुरंत बाद प्रभावी हो जाएंगे, इस समझौते के उपबंध प्राधिकरण की संतुष्टि के अनुसार निम्नलिखित कार्रवाइयों के पूरा होने पर प्रभावी होंगे (ऐसी तिथि प्रभावी तिथि "प्रभावी तिथि" होगी):

(i) रियायतग्राही ने इस समझौते के निबंधनों को प्रतिबिंबित करने के लिए, आवश्यकतानुसार, रियायतग्राही के चार्टर दस्तावेजों में परिवर्तन के लिए रियायतग्राही के शेयरधारकों की एक असाधारण आम बैठक में विशेष संकल्प के माध्यम से संकल्प पारित किया हो;

(ii) रियायतग्राही ने संबंधित कंपनी रजिस्ट्रार के पास उपरोक्तानुसार संशोधित चार्टर दस्तावेज दाखिल किए हों, और प्राधिकरण को उक्त कंपनी रजिस्ट्रार द्वारा जारी रसीद प्रदान की हो जो उपरोक्तानुसार संशोधित चार्टर दस्तावेजों के दाखिल होने का प्रमाण हो; तथा

(iii) रियायतग्राही ने प्राधिकरण को ऐसे सभी प्रस्तावों और/या इस खंड में विचारित कार्रवाइयों के निष्पादन को प्रमाणित करने वाले किसी अन्य दस्तावेज की प्रमाणित सत्य प्रतिलिपि सौंपी हो और निजी प्रतिभागियों ने रियायतग्राही से यह प्रतिलिपि प्राधिकरण को दिलवाई हो।

3. पूंजी संरचना और स्वर्णिम शेयर का जारी किया जाना

3.1 प्राधिकरण को स्वर्णिम शेयर जारी करना

3.1.1 रियायतग्राही एतद्द्वारा वचन देता है कि वह इस समझौते के निष्पादन के साथ ही ऐसे स्वर्णिम शेयर के अंकित मूल्य के बराबर प्रतिफल के लिए प्राधिकरण को स्वर्णिम शेयर जारी और आवंटित करेगा, और निजी प्रतिभागी एतद्द्वारा रियायतग्राही से प्राधिकरण को स्वर्णिम शेयर जारी और आवंटित करवाने तथा स्वर्णिम शेयर का प्रतिनिधित्व करने वाले शेयर प्रमाण-पत्र को प्राधिकरण को सौंपने के लिए सहमत होते हैं।

3.1.2 रियायतग्राही कंपनी अधिनियम के उपबंधों के तहत आवश्यक सभी फाइलिंग करेगा और स्वर्णिम शेयर जारी करने के संबंध में लागू कानूनों की अन्य सभी आवश्यकताओं का अनुपालन करेगा।

3.1.3 पक्षकार सहमत होते हैं कि प्राधिकरण के नामित निदेशकों को कंपनी के निदेशक मंडल की बैठकों में सकारात्मक वोट (स्वीकारात्मक मत) का अधिकार होगा, और प्राधिकरण को आरक्षित मामलों के संबंध में शेयरधारकों की आम बैठक में स्वीकारात्मक मत का अधिकार होगा। संदेह के निवारण के लिए, इस समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकार किसी भी अन्य अधिकार के अतिरिक्त होंगे जो प्राधिकरण के पास रियायत समझौते या किसी अन्य परियोजना समझौते के तहत हो सकते हैं।

3.1.4 पक्षकार स्पष्ट रूप से सहमत होते हैं कि स्वर्णिम शेयर में, जब तक कि इस समझौते के तहत अन्यथा प्रदान न किया गया हो, लाभांश और अन्य सभी मामलों के संबंध में समता शेयरों के समान अधिकार और विशेषाधिकार होंगे।

3.2 अंतरण प्रतिबंध

3.2.1 कोई भी शेयरधारक (प्राधिकरण के अलावा), इस समझौते के उपबंधों के अधीन और लागू कानूनों के अनुपालन में, अपने/उनके सभी या किसी भी समता शेयर या इस समझौते के तहत अपने अधिकारों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी तीसरे पक्ष को अंतरित कर सकता है, बशर्ते कि (i) ऐसा अंतरण रियायतग्राही को रियायत समझौते के उल्लंघन में न डाले; और (ii) ऐसा तीसरा पक्ष क्रेता इस समझौते के नियमों और शर्तों से बाध्य होने के लिए सहमत हो और वचन दे तथा अनुबंध III में संलग्न प्रारूप और तरीके से एक अनुपालन विलेख ("अनुपालन विलेख") निष्पादित करे।

3.2.2 एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्पष्ट किया जाता है कि जहां निजी सहभागी मुख्य रूप से रियायतग्राही में समता शेयर रखने के प्रयोजनों के लिए स्थापित एक विशेष प्रयोजन वाहन है (ऐसा निजी सहभागी एक "एसपीवी पीपी" होने के नाते), ऐसे एसपीवी पीपी में किसी भी शेयरधारिता का अंतरण इस समझौते के प्रयोजनों के लिए एसपीवी पीपी द्वारा समता शेयरों का अप्रत्यक्ष अंतरण माना जाएगा और इस समझौते में निर्धारित शेयरों के अंतरण पर प्रतिबंधों के अधीन होगा, जिसमें (i) तीसरे पक्ष के अंतरिती द्वारा अनुपालन विलेख के निष्पादन की आवश्यकता शामिल है।

3.2.3 पक्षकार स्पष्ट रूप से सहमत होते हैं कि प्राधिकरण किसी भी समय स्वर्णिम शेयर को अंतरित करने का हकदार नहीं होगा, सिवाय इसके कि जब प्राधिकरण की कोई उत्तराधिकारी इकाई रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकारों और दायित्वों को ग्रहण करती है।

4. रियायतग्राही का दायरा और उद्देश्य

4.1 रियायतग्राही का प्रयोजन और इस समझौते का दायरा

रियायतग्राही का उद्देश्य रियायत समझौते में निहित उपबंधों के अनुसार और उनके अधीन रियायतग्राही के दायित्वों को पूरा करना और अधिकारों का प्रयोग करना है।

4.2 शेयरधारक प्रतिबद्धताएं

4.2.1 प्रत्येक शेयरधारक एतद्द्वारा प्रत्येक अन्य शेयरधारक के साथ और रियायतग्राही के साथ सहयोग करने और रियायतग्राही की सफलता को बढ़ावा देने के लिए उस सीमा तक अपने उचित प्रयासों का उपयोग करने के लिए सहमत होता है जिस सीमा तक उसके पास ऐसा करने

का अधिकार और क्षमता है। बशर्ते, हालांकि, पक्षकार एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि प्राधिकरण की जिम्मेदारियां और दायित्व रियायत समझौते में स्पष्ट रूप से निर्धारित मामलों तक ही सीमित होंगे: बशर्ते यह भी कि इस अनुच्छेद 4.2.1 में निहित किसी भी बात का अर्थ रियायत समझौते में स्पष्ट रूप से निर्धारित दायित्वों के अलावा प्राधिकरण पर कोई दायित्व बनाने के रूप में नहीं लगाया जाएगा, और न ही यह प्राधिकरण के किसी संयुक्त और कई दायित्व को सूचित करेगा।

4.2.2 प्रत्येक शेयरधारक एतद्द्वारा अन्य शेयरधारकों के प्रति और रियायतग्राही के लाभ के लिए वचन देता है:

(क) इस समझौते और चार्टर दस्तावेजों के सभी उपबंधों का पालन और निष्पादन करना; तथा

(ख) आरक्षित मामलों के संबंध में प्राधिकरण के स्वीकारात्मक मत के अधिकार (जिसका प्रयोग प्राधिकरण के एक नामित व्यक्ति के माध्यम से किया जा सकता है) के अधीन, और पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, यह सुनिश्चित करना कि (i) शेयरधारक के रूप में अपनी क्षमता में उसका प्रतिनिधित्व करने वाला प्रत्येक व्यक्ति, और (ii) इस समझौते के निबंधनों के अनुसार निदेशक के रूप में नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति, रियायतग्राही के शेयरधारकों या बोर्ड की किसी भी बैठक में, जैसी भी स्थिति हो, मतदान की किसी भी शक्ति का प्रयोग करेगा या मतदान की शक्ति का प्रयोग करवाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रियायतग्राही के मामलों को रियायत समझौते के अनुसार संचालित करने के लिए आवश्यक या वांछनीय किसी भी और प्रत्येक संकल्प का अनुमोदन सुनिश्चित हो और अन्यथा इस समझौते को पूर्ण प्रभाव दिया जा सके, और इसी तरह यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी ऐसा संकल्प पारित न हो जो रियायत समझौते और/या इस समझौते के उपबंधों के अनुसार न हो; बशर्ते, हालांकि, जैसा कि स्पष्ट रूप से निर्देशित है या जैसा कि इस समझौते के किसी उपबंध द्वारा विचारित है, प्रत्येक शेयरधारक के पास इस बात पर पूर्ण विवेक होगा कि वह अपने स्वामित्व वाले समता शेयरों पर कैसे मतदान करे या रियायतग्राही के संचालन में कार्य करने के लिए ऐसे शेयरधारक द्वारा नियुक्त किसी भी व्यक्ति को कैसे कार्य करवाए, जो केवल लागू कानूनों के अधीन होगा।

4.2.3 यदि खंड 5 के अनुसरण में किसी शेयरधारक द्वारा नामित कोई निदेशक, किसी भी कारण से इस समझौते के उपबंधों के अनुसार अपने विवेक का प्रयोग करने से इनकार करता है, तो ऐसा शेयरधारक ऐसे निदेशक को प्रतिस्थापित करने के लिए अपनी शक्ति या नियंत्रण के भीतर तुरंत सभी कार्रवाई करेगा।

4.2.4 पक्षकार सहमत होते हैं कि चार्टर दस्तावेजों में, लागू कानूनों के तहत अनुमत सीमा तक, प्राधिकरण के स्वीकारात्मक मत के अधिकार सहित बिना किसी सीमा के इस समझौते के उपबंधों को शामिल किया जाएगा और जिस सीमा तक चार्टर दस्तावेज इस समझौते के असंगत हैं, शेयरधारक रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपनी शक्ति का प्रयोग यह सुनिश्चित करने के लिए करेंगे कि ऐसी किसी भी असंगति को दूर करने के लिए लागू कानून के तहत अनुमत सीमा तक चार्टर दस्तावेजों में संशोधन किया जाए। इसके अलावा, पक्षकार इस बात पर भी सहमत हैं कि निजी सहभागी रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपने पारस्परिक संबंधों को विनियमित करने के लिए आपस में कोई समझौता कर सकते हैं ("निजी सहभागी समझौता"), बशर्ते कि ऐसे निजी सहभागी समझौते के उपबंध इस समझौते के उपबंधों के विपरीत या असंगत नहीं होंगे, या किसी भी तरह से, इस समझौते और/या रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के हित के लिए हानिकारक नहीं होंगे और लागू कानूनों के तहत अनुमत होंगे। संदेह के निवारण के लिए, पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की जाती है कि निजी प्रतिभागी समझौते और इस समझौते के बीच किसी विरोध या असंगति की स्थिति में, इस समझौते के उपबंध मान्य होंगे।

4.2.5 निजी प्रतिभागी एतद्द्वारा परियोजना से संबंधित सभी दायित्वों और देनदारियों के लिए संयुक्त रूप से और अलग-अलग जिम्मेदार होने का वचन देते हैं, जब तक कि रियायत समझौते के अनुसार परियोजना के लिए वित्तीय समापन प्राप्त नहीं हो जाता।

5. प्रबंधन और निदेशक मंडल

5.1 प्रबंधन

रियायतग्राही का प्रबंधन और संचालन बोर्ड के समग्र अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के तहत किया जाएगा। रियायतग्राही और परियोजना के विकास और प्रबंधन के संबंध में बोर्ड के पास समग्र अधिकार होंगे। रियायतग्राही के अधिकारियों के पास चार्टर दस्तावेजों और इस समझौते के अनुरूप, निदेशक मंडल द्वारा विनिर्दिष्ट अधिकार और जिम्मेदारियां होंगी।

5.2 बोर्ड की संरचना

5.2.1 बोर्ड की संरचना निम्नानुसार निर्धारित की जाएगी:

(क) प्राधिकरण हर समय रियायतग्राही के बोर्ड में निदेशकों के रूप में नियुक्ति के लिए अपनी पसंद के 2 व्यक्तियों को नामित करने का हकदार होगा, और ऐसे नामांकन पर, रियायतग्राही लागू कानूनों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों को गैर-सेवानिवृत्त निदेशकों के रूप में नियुक्त करेगा।

(ख) निजी प्रतिभागियों और प्राधिकरण के अलावा अन्य शेयरधारकों को शेष निदेशकों को नामित करने का अधिकार होगा।

5.2.2 शेयरधारक एतद्द्वारा समय-समय पर निदेशकों के रूप में प्राधिकरण और निजी प्रतिभागियों के नामितों की नियुक्ति सुनिश्चित करने के लिए रियायतग्राही में अपनी संबंधित शेयरधारिता का मतदान करने के लिए स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं।

5.3 अध्यक्ष

पक्षकार एतद्द्वारा वचन देते हैं और सहमत होते हैं कि निजी प्रतिभागियों को रियायतग्राही के अध्यक्ष को नामित करने का अधिकार होगा, जिसे बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

5.4 प्रबंध निदेशक

5.4.1 निजी प्रतिभागी रियायतग्राही के प्रबंध निदेशक को भी नामित करेंगे, जिसे एक बोर्ड संकल्प के बाद, बोर्ड द्वारा नियुक्त किया जाएगा।

5.4.2 प्रबंध निदेशक रियायतग्राही के दिन-प्रतिदिन के प्रबंधन और परियोजना को लागू करने के लिए जिम्मेदार होगा। प्रबंध निदेशक बोर्ड के समग्र अधीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण के अधीन अपनी शक्तियों का प्रयोग करेगा।

5.5 योग्यता

निदेशकों के लिए रियायतग्राही में कोई योग्यता शेयर रखना आवश्यक नहीं है।

5.6 त्यागपत्र और निष्कासन

सिवाय इसके कि जहां किसी निदेशक को लागू कानूनों या चार्टर दस्तावेजों के तहत पद खाली करने की आवश्यकता होती है, किसी भी निदेशक को उस अवधि के दौरान जिसके लिए वह चुना गया था, उस शेयरधारक की सहमति के बिना नहीं हटाया जाएगा जिसने बोर्ड में उसकी नियुक्ति की सिफारिश की थी। पूर्वगामी के होते हुए भी, एक शेयरधारक ऐसे शेयरधारक द्वारा नामित निदेशकों में से किसी को भी हटाने, प्रतिस्थापित करने या वापस बुलाने के लिए कह सकता है और ऐसा निदेशक हटाने, प्रतिस्थापन या वापस बुलाने के निर्देश से बाध्य होगा। प्रत्येक शेयरधारक ऐसे निष्कासन को प्रभावी करने के लिए रियायतग्राही के शेयरधारकों की बैठक बुलाने और यदि आवश्यक हो तो उसके पक्ष में मतदान करने में अन्य शेयरधारकों के साथ सहयोग करने के लिए सहमत होता है।

5.7 वैकल्पिक निदेशक

5.7.1 प्रबंध निदेशक के अलावा कोई अन्य निदेशक ("मूल निदेशक") किसी भी समय और समय-समय पर, मूल निदेशक के विकल्प ("वैकल्पिक निदेशक") के रूप में कार्य करने के लिए

किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने का हकदार होगा (और शेयरधारक यह सुनिश्चित करेंगे कि बोर्ड ऐसे व्यक्ति को उसके विकल्प के रूप में नियुक्त करे) और ऐसे वैकल्पिक निदेशक की नियुक्ति को समाप्त करने का निर्देश देने का हकदार होगा (और शेयरधारक यह सुनिश्चित करेंगे कि बोर्ड ऐसे वैकल्पिक निदेशक की नियुक्ति समाप्त करे)।

5.7.2 वैकल्पिक निदेशक, इस रूप में पद धारण करते हुए, बोर्ड या उसकी किसी भी समिति की बैठकों की सूचनाएं प्राप्त करने का हकदार होगा जिसमें मूल निदेशक को नियुक्त किया गया है, और ऐसी किसी भी बैठक में निदेशक के रूप में उपस्थित होने और मतदान करने का हकदार होगा जिसमें मूल निदेशक उपस्थित नहीं है और आम तौर पर सभी शक्तियों, अधिकारों (खंड 5.7.1 में दिए गए वैकल्पिक निदेशक की नियुक्ति के अधिकार के अलावा), कर्तव्यों और प्राधिकारों का प्रयोग करने और मूल निदेशक के सभी कार्यों को निष्पादित करने का हकदार होगा। इसके अलावा, ऐसा वैकल्पिक निदेशक कोरम के गठन के उद्देश्य से गिने जाने, मतदान करने और बोर्ड या उसकी किसी समिति की किसी भी बैठक में मूल निदेशक की ओर से एक लिखित संकल्प पर हस्ताक्षर करने का हकदार होगा और लागू कानूनों द्वारा अनुमत सीमा तक उसके हस्ताक्षर, वोट, उपस्थिति और सहमति को स्वयं (मानो वह अपने अधिकार में एक निदेशक हो) और मूल निदेशक जिसके लिए वह एक वैकल्पिक निदेशक है, का माना जाएगा।

5.8 रिक्ति

यदि किसी भी कारण से ऐसे किसी पद में कोई रिक्ति होती है, या कोई निदेशक उस स्थान से जहां बोर्ड की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं, लगातार 1 (एक) महीने की अवधि के लिए अनुपस्थित रहता है और उसके स्थान पर कोई वैकल्पिक निदेशक नियुक्त नहीं किया गया है, तो जिस शेयरधारक ने ऐसे निदेशक को नामित किया था, वह एक प्रतिस्थापन निदेशक को नामित करने का हकदार होगा, और शेयरधारक ऐसे निदेशक को हटाने और ऐसे प्रतिस्थापन निदेशक के चुनाव के लिए सर्वसम्मति से अपने शेयरों का मतदान करने के लिए सहमत होते हैं।

5.9 मंडल की बैठक आयोजित करने का ढंग

बोर्ड की बैठकें प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार भारत में ऐसे स्थानों पर आयोजित की जाएंगी जैसा कि बोर्ड निर्धारित कर सकता है और ऐसे किसी निर्धारण के अभाव में रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय में आयोजित की जाएंगी जो ..... पर स्थित है। यदि और जब लागू कानूनों के तहत अनुमति हो, एक निदेशक टेलीफोन, ऑडियो और/या वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग या अन्य संचार सुविधाओं के माध्यम से बोर्ड की बैठक या बोर्ड की एक समिति/उप-समिति की

बैठक में भाग ले सकता है, और ऐसे माध्यमों से ऐसी बैठक में भाग लेने वाले निदेशक को इस समझौते के प्रयोजनों के लिए, उस बैठक में उपस्थित माना जाएगा।

5.10 बैठक हेतु सूचना और कार्यसूची

5.10.1 जब तक कि सभी निदेशकों द्वारा सूचना की आवश्यकता को माफ न कर दिया जाए, सभी निदेशकों और उनके वैकल्पिक निदेशकों को बोर्ड की बैठकों की न्यूनतम 14 (चौदह) दिनों की लिखित सूचना (या ऐसी छोटी अवधि जैसा कि सभी निदेशक सहमत हो सकते हैं) दी जाएगी। बोर्ड की बैठक की प्रत्येक सूचना में अन्य बातों के साथ-साथ, संबंधित बैठक में चर्चा किए जाने वाले मामलों को उचित विवरण में विनिर्दिष्ट करने वाली एक कार्यसूची शामिल होगी और इसके साथ सभी आवश्यक लिखित जानकारी होगी।

5.10.2 बोर्ड केवल निदेशकों को सूचना के साथ संलग्न कार्यसूची में निर्धारित व्यवसाय का संचालन करेगा। बशर्ते हालांकि कि प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक की उपस्थिति और पक्ष में मतदान के साथ सभी निदेशकों की सर्वसम्मत सहमति से, बोर्ड उस व्यवसाय का संचालन कर सकता है जो कार्यसूची में निर्धारित नहीं है।

5.11 मंडल की बैठकों हेतु गणपूर्ति (कोरम)

5.11.1 बोर्ड की बैठकों या उसके किसी स्थगन के लिए कोरम में अनिवार्य रूप से प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक शामिल होगा यदि ऐसी बैठक में किसी आरक्षित मामले पर विचार किया जाना है; और ऐसी बैठक में किसी भी आरक्षित मामले पर विचार नहीं किया जाएगा, यदि प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक ऐसी बैठक में उपस्थित नहीं है।

5.11.2 ऐसी बैठकों में जहां कोरम इस प्रकार गठित नहीं है, किए गए सभी कार्य या लिए गए निर्णय शून्य और निष्प्रभावी होंगे।

5.12 मंडल की समितियां

यदि बोर्ड एक समिति या उप-समिति का गठन करना आवश्यक समझता है, तो बोर्ड ऐसी समिति या उप-समिति की शक्तियों (दायरा, समाप्ति, संशोधन और उसे वापस लेने सहित) का निर्धारण करेगा। समिति या उप-समिति बोर्ड के अधीन होगी और उसकी देखरेख में होगी। इसमें निहित किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, प्राधिकरण को बोर्ड द्वारा गठित प्रत्येक समिति और उप-समिति में अपने नामित व्यक्ति को नामित करने का अधिकार होगा: बशर्ते, हालांकि, ऐसी समिति और/या उप-समिति को कोई भी आरक्षित मामला नहीं सौंपा जाएगा।

5.13 निर्णय

5.13.1 कंपनी अधिनियम के उपबंधों के अधीन, निदेशक मंडल का एक संकल्प उस बैठक में उपस्थित निदेशकों के साधारण बहुमत के सकारात्मक वोट द्वारा अपनाया जाएगा जिसमें निदेशक मंडल का कोरम उपस्थित हो। बशर्ते, हालांकि, कि रियायतग्राही के निदेशक मंडल की बैठक में पारित किए जाने वाले आरक्षित मामलों पर सभी प्रस्ताव प्राधिकरण द्वारा नामित निदेशक के सकारात्मक वोट के अधीन होंगे और ऐसा कोई संकल्प पारित नहीं किया जाएगा यदि प्राधिकरण द्वारा नामित ऐसा कोई निदेशक उपस्थित नहीं है और ऐसे संकल्प के पक्ष में मतदान नहीं करता है।

5.13.2 रियायतग्राही या उसका कोई भी निदेशक, अधिकारी, एजेंट या प्रतिनिधि ऊपर खंड 5.13.1 में दिए गए तरीके से बोर्ड द्वारा पूर्व अनुमोदन के बिना कोई भी आरक्षित मामला नहीं करेगा और ऐसे पूर्व अनुमोदन के बिना रियायतग्राही या उसके किसी निदेशक, अधिकारी, एजेंट या प्रतिनिधि द्वारा किया गया कोई भी कार्य अमान्य और शून्य होगा।

5.14 परिचालन द्वारा संकल्प

लागू कानूनों के अधीन और आरक्षित मामलों के अलावा अन्य मामलों के लिए, बोर्ड के संकल्प परिचालन द्वारा पारित किए जा सकते हैं, यदि संकल्प को आवश्यक कागजात (यदि कोई हो) के साथ, सभी निदेशकों को, जो उस समय भारत में हों या भारत से बाहर हों, प्रारूप में परिचालित किया गया हो, और निदेशकों के बहुमत द्वारा हस्ताक्षरित किया गया हो। ऐसे संकल्पों पर निदेशकों द्वारा एकल दस्तावेज के रूप में या प्रतियों में हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।

5.15 प्राधिकार

जब तक बोर्ड द्वारा अन्यथा प्राधिकृत न किया जाए, निदेशकों में से किसी को भी व्यक्तिगत रूप से रियायतग्राही को बाध्य करने का अधिकार नहीं होगा।

5.16 निदेशकों की अयोग्यता

लागू कानूनों के अधीन, किसी भी निदेशक को किसी अन्य निगमित निकाय का अधिकारी, निदेशक या शेयरधारक होने के कारण सेवा करने के लिए अयोग्य नहीं माना जाएगा।

5.17 निरीक्षण और जानकारी

5.17.1 पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है कि प्राधिकरण को रियायतग्राही द्वारा रखे जाने वाले बहीखातों, अभिलेखों और खातों की जांच करने का अधिकार

होगा और वह मासिक प्रबंधन खातों और परिचालन सांख्यिकी तथा अन्य व्यापारिक और वित्तीय जानकारी सहित सभी जानकारी प्राप्त करने का हकदार होगा।

5.17.2 खंड 5.17.1 की व्यापकता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, रियायतग्राही प्राधिकरण को निम्नलिखित की प्रतियां प्रदान करेगा:

(क) रियायतग्राही के लेखापरीक्षित खाते (सभी प्रासंगिक कानूनी आवश्यकताओं का अनुपालन करते हुए); तथा

(ख) रियायतग्राही के प्रत्येक मुख्य प्रभाग के मासिक/तिमाही प्रबंधन खाते; इनमें एक समेकित लाभ और हानि खाता, तुलन पत्र और नकदी प्रवाह विवरण शामिल होगा जो रियायतग्राही के मुख्य प्रभागों के अनुसार विभाजित होगा, जिसमें प्रासंगिक व्यवसाय योजना के मुकाबले प्रगति का विवरण, त्रैमासिक राजस्व बजट से किसी भी भिन्नता का विवरण और प्रासंगिक लेखा वर्ष के शेष के लिए अद्यतन पूर्वानुमान शामिल होगा तथा उस अवधि के दौरान रियायतग्राही के प्रत्येक मुख्य प्रभाग द्वारा शुरू किए गए रियायतग्राही के पूंजीगत कार्यक्रम के संबंध में सभी व्यय का मदवार विवरण शामिल होगा।

6. शेयरधारकों के अधिकार और दायित्व

6.1 आम बैठक और शेयरधारकों के अनुमोदन की आवश्यकता वाले मामले

6.1.1 बोर्ड जब भी उचित समझे रियायतग्राही की एक आम बैठक बुला सकता है। यदि कंपनी अधिनियम और चार्टर दस्तावेजों के उपबंधों के अनुसार रियायतग्राही के शेयरधारकों द्वारा मांग की जाती है तो बोर्ड एक आम बैठक बुलाने के लिए भी आगे बढ़ेगा।

6.1.2 इस समझौते और चार्टर दस्तावेजों में निहित किसी भी विपरीत बात के होते हुए भी, किसी आरक्षित मामले के संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, जो ऊपर खंड 3.1.3 में प्रदान किए गए अनुसार प्राधिकरण के स्वीकारात्मक मत अधिकारों के अधीन है, जब तक कि प्राधिकरण के प्राधिकृत प्रतिनिधि के सकारात्मक वोट द्वारा अनुमोदित न हो। पक्षकार विशेष रूप से सहमत होते हैं कि आरक्षित मामलों से संबंधित एक संकल्प केवल शेयरधारकों की बैठक में पारित किया जाएगा न कि परिचालन के माध्यम से।

6.1.3 शेयरधारकों की बैठकों या उसके किसी स्थगन के लिए कोरम में अनिवार्य रूप से प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि शामिल होगा यदि ऐसी बैठक में किसी आरक्षित मामले पर विचार किया जाना है; और ऐसी बैठक में किसी भी आरक्षित मामले पर विचार नहीं किया जाएगा, यदि प्राधिकरण का कोई प्रतिनिधि ऐसी बैठक में उपस्थित नहीं है।

6.1.4 ऐसी बैठकों में जहां कोरम इस प्रकार गठित नहीं है, किए गए सभी कार्य या लिए गए निर्णय शून्य और निष्प्रभावी होंगे।

7. वचनबंध, अभ्यावेदन और वारंटियां

7.1 प्रत्येक निजी प्रतिभागी एतद्द्वारा प्राधिकरण, रियायतग्राही और अन्य निजी प्रतिभागियों के लाभ के लिए वारंटी देता है और अभ्यावेदन करता है कि:

(क) यह कानून के तहत विधिवत संगठित और वैध रूप से अस्तित्व में है और इसके पास इस समझौते को निष्पादित करने और इसके नियमों, शर्तों और उपबंधों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कानूनी शक्ति और अधिकार हैं;

(ख) निजी प्रतिभागी द्वारा इस समझौते का निष्पादन और सुपुर्दगी सभी आवश्यक कॉर्पोरेट और अन्य कार्रवाई द्वारा विधिवत प्राधिकृत की गई है और यह किसी अन्य समझौते या लिखत के किसी भी उपबंध का उल्लंघन नहीं करेगी या उसके तहत व्यतिक्रम का गठन नहीं करेगी जिसका वह एक पक्षकार है या जिससे वह बाध्य हो सकता है;

(ग) यह समझौता और इसके द्वारा विचारित लेन-देन के संबंध में किए गए और शुरू किए गए अन्य सभी समझौते और लिखित दायित्व जिनका वह एक पक्षकार है, ऐसे निजी प्रतिभागी के वैध और कानूनी रूप से बाध्यकारी दायित्वों का गठन करते हैं या इसके निष्पादन और वितरण के बाद गठित करेंगे, जो इसके संबंधित निबंधनों के अनुसार इसके खिलाफ प्रवर्तनीय हैं, जो उपचारों के प्रवर्तन के संबंध में लागू दिवालियापन, दिवाला, पुनर्गठन और सामान्य रूप से लेनदारों के अधिकारों के प्रवर्तन को प्रभावित करने वाले अन्य कानूनों के अधीन हैं और विशिष्ट निष्पादन या अन्य साम्यापूर्ण उपचारों का आदेश देने वाली डिक्री देने के संबंध में अदालत के विवेकाधिकार के अधीन हैं;

(घ) यह दिवालिया नहीं है और इसके द्वारा या इसके खिलाफ कोई दिवाला कार्यवाही शुरू नहीं की गई है, न ही धमकी दी गई है या लंबित है;

(ङ) इसने सभी भौतिक मामलों में लागू कानूनों का अनुपालन किया है और किसी भी जुर्माने, दंड, व्यादेशात्मक राहत या किसी अन्य नागरिक या आपराधिक देनदारियों के अधीन नहीं रहा है, जिसका कुल मिलाकर इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की इसकी क्षमता पर कोई भौतिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है या पड़ सकता है; तथा

(च) निजी प्रतिभागी की सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, कानून में, साम्या में, या अन्यथा, चाहे नागरिक या आपराधिक प्रकृति की हो, किसी भी अदालत, आयोग, मध्यस्थ या सरकारी प्राधिकरण के समक्ष या उसके द्वारा उसके खिलाफ लिखित रूप में कोई कार्रवाई, मुकदमा, दावा, कार्यवाही या जांच लंबित नहीं है या धमकी नहीं दी गई है, और किसी भी ऐसी

अदालत, आयोग, मध्यस्थ या सरकारी प्राधिकरण का कोई बकाया निर्णय, डिक्री या आदेश नहीं है, जो इस समझौते के तहत अपने दायित्वों को पूरा करने की इसकी क्षमता को भौतिक और प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है।

7.2 प्रत्येक निजी प्रतिभागी और रियायतग्राही एतद्द्वारा प्राधिकरण के लाभ के लिए अपरिवर्तनीय रूप से वचन देते हैं, वारंटी देते हैं और अभ्यावेदन करते हैं कि:

(क) इस समझौते और रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण में निहित अधिकारों को निजी प्रतिभागियों या रियायतग्राही द्वारा किए गए या किए जाने वाले किसी भी कार्य द्वारा संक्षिप्त, समाप्त या किसी भी तरह से प्रभावित नहीं किया जाएगा; तथा

(ख) रियायतग्राही में इक्विटी का कोई भी विनिवेश किसी भी तरह से इसमें प्राधिकरण के अधिकारों को प्रभावित नहीं करेगा और यह कि रियायतग्राही के उत्तराधिकारी, समनुदेशिती और प्रतिस्थानी ऐसे वचनबंध से बाध्य होंगे।

7.3 प्राधिकरण एतद्द्वारा रियायतग्राही और निजी प्रतिभागियों के लाभ के लिए वारंटी देता है और अभ्यावेदन करता है कि उसके पास इस समझौते को निष्पादित करने और इसके नियमों, शर्तों और उपबंधों को पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कानूनी शक्ति और अधिकार हैं।

8. समाप्ति

8.1 समाप्ति

पक्षकार सहमत होते हैं कि यदि कोई शेयरधारक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रियायतग्राही के किसी भी समता शेयर को रखना बंद कर देता है, तो यह समझौता ऐसे शेयरधारक के संबंध में स्वतः समाप्त हो जाएगा। बशर्ते, हालांकि, गोपनीयता (खंड 9) और विवाद समाधान (खंड 10) से संबंधित इस समझौते के तहत ऐसे शेयरधारक के दायित्व और इस समझौते के ऐसे अन्य उपबंध जो अपनी प्रकृति से जीवित रहने के लिए अभिप्रेत हैं, इस समझौते की किसी भी समाप्ति के बाद भी जीवित रहेंगे।

8.2 कारणवश समाप्त करने का अधिकार

8.2.1 किसी शेयरधारक ("व्यतिक्रमी पक्षकार") की ओर से इस समझौते के किसी भी नियम और शर्त या इसमें निर्धारित किसी वचन, अभ्यावेदन, वारंटी या समझौते के भौतिक उल्लंघन ("भौतिक उल्लंघन") की स्थिति में, कोई अन्य शेयरधारक ("गैर-व्यतिक्रमी पक्षकार") व्यतिक्रमी पक्षकार को कथित उल्लंघन की लिखित सूचना ("उल्लंघन सूचना") दे सकता है।

8.2.2 एक समाप्ति घटना ("समाप्ति घटना") घटित मानी जाएगी यदि ऐसा भौतिक उल्लंघन, यदि उचित रूप से ठीक होने योग्य है, तो उल्लंघन सूचना की प्राप्ति के 30 (तीस) दिनों के

भीतर ("उपचार अवधि") व्यतिक्रमी पक्षकार द्वारा ठीक नहीं किया जाता है, या यदि ऐसा भौतिक उल्लंघन उचित रूप से ठीक होने योग्य नहीं है, तो उल्लंघन सूचना जारी होने के तुरंत बाद घटित माना जाएगा।

8.2.3 निजी प्रतिभागियों में से किसी की ओर से एक समाप्ति घटना घटित होने पर, प्राधिकरण, अपने विवेक से, ऐसे निजी प्रतिभागी से उसके द्वारा धारित सभी, लेकिन सभी से कम नहीं, समता शेयरों को समता शेयरों के बाजार मूल्य या उसके अंकित मूल्य के 25% (पच्चीस प्रतिशत) में से जो भी कम हो, पर प्राधिकरण को अंतरित करने की अपेक्षा कर सकता है; और ऐसे शेयरों का अंतरण इस संबंध में प्राधिकरण द्वारा सूचना की तिथि से 30 (तीस) दिनों के भीतर रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय में होगा।

9. गोपनीयता

9.1 पक्षकार एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि उनमें से प्रत्येक के पास ऐसी जानकारी है और आगे भी रहेगी जो उनके द्वारा बनाई गई है, खोजी गई है, विकसित की गई है, या अन्यथा ज्ञात और उनके स्वामित्व में है, जिस जानकारी का उस व्यवसाय में वाणिज्यिक मूल्य है जिसमें वे लगे हुए हैं या संलग्न हो सकते हैं (उपर्युक्त जानकारी को इसके बाद "स्वामित्वगत जानकारी" कहा जाता है)। पक्षकार सहमत होते हैं कि इस समझौते की अवधि के दौरान और इसके समाप्त होने या अवसान के बाद, उनमें से प्रत्येक दूसरे पक्षकार से प्राप्त सभी स्वामित्वगत जानकारी को विश्वास और न्यास में रखेगा, और वे अन्य पक्षकार (पक्षकारों) की लिखित सहमति के बिना ऐसी किसी स्वामित्वगत जानकारी या उससे सीधे संबंधित किसी भी चीज़ का उपयोग या खुलासा नहीं करेंगे।

9.2 किसी भी कारण से इस समझौते के अवसान या समाप्ति की स्थिति में, पक्षकार ऐसी स्वामित्वगत जानकारी के स्वामी के निर्देश पर तुरंत ऐसी स्वामित्वगत जानकारी से संबंधित किसी भी प्रकृति के सभी दस्तावेजों और डेटा का उपयोग बंद कर देंगे, उन्हें नष्ट कर देंगे या मालिक को वापस कर देंगे, और किसी भी स्वामित्वगत जानकारी से युक्त या संबंधित किसी भी विवरण के किसी भी दस्तावेज या डेटा या किसी भी विवरण के पुनरुत्पादन को अपने पास नहीं रखेंगे या किसी अन्य को नहीं सौंपेंगे।

9.3 यह खंड, हालांकि, उस जानकारी पर लागू नहीं होगा जो:

(क) किसी पक्षकार की गलती के बिना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है या हो जाती है;

(ख) प्रकटीकरण से पूर्व किसी पक्षकार को गैर-गोपनीय आधार पर ज्ञात थी;

(ग) स्वामित्वगत जानकारी के उपयोग के बिना किसी पक्षकार द्वारा स्वतंत्र रूप से विकसित की गई है;

(घ) ऐसी जानकारी के स्वामी द्वारा किसी तीसरे पक्ष को यहां निहित प्रतिबंधों के समान प्रतिबंधों के बिना प्रकट की जाती है;

(ङ) ऋण की बिक्री/आहरण को सक्षम करने के लिए या प्रस्तावित तीसरे पक्ष के अंतरितियों को प्रकट की जाती है, बशर्ते कि प्राप्तकर्ता केवल उस उद्देश्य के लिए जानकारी का उपयोग करने के लिए एक गोपनीयता वचनबंध निष्पादित करे;

(च) रियायतग्राही या किसी ऐसी इकाई के स्टॉक एक्सचेंज लिस्टिंग के लिए किसी भी आवश्यकता सहित लागू कानूनों की आवश्यकताओं का अनुपालन करने के लिए प्रकट की जाती है, जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समता शेयर रखती है;

(छ) पक्षकारों के किसी भी सलाहकार (कानूनी, वित्तीय, तकनीकी या अन्यथा) को प्रकट की जाती है, बशर्ते कि प्राप्तकर्ता केवल प्रकट किए गए उद्देश्य के लिए जानकारी का उपयोग करने के लिए एक गोपनीयता वचनबंध निष्पादित करे।

9.4 शेयरधारक एक-दूसरे के साथ और रियायतग्राही के साथ यह सुनिश्चित करने के लिए अपने सर्वोत्तम प्रयासों का उपयोग करने और रियायतग्राही से ऐसा करवाने के लिए सहमत होते हैं कि रियायतग्राही के व्यवसाय के संबंध में प्रकट की गई सभी जानकारी और जो अन्यथा आम तौर पर उपलब्ध नहीं है, गोपनीय रखी जाएगी और प्रकट नहीं की जाएगी।

10. शासी विधि और क्षेत्राधिकार की सहमति; मध्यस्थता

10.1 यह समझौता और इसके निर्वचन के सभी प्रश्न भारत के कानूनों के अनुसार समझे जाएंगे। खंड 10.3 के अधीन, राज्य की अदालतों का इस समझौते पर अनन्य क्षेत्राधिकार होगा।

10.2 पक्षकार सहमत होते हैं कि वे सद्भावपूर्वक परामर्श के माध्यम से, पक्षकारों के बीच इस समझौते (इसके निर्वचन सहित) के तहत या उसके संबंध में किसी भी प्रकृति के सभी और किसी भी मुद्दे, विवाद, मतभेद या विवाद को हल करने का प्रयास करेंगे, और किसी भी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को लिखित रूप में अधिसूचित किया जाएगा ("विवाद") और ऐसा परामर्श किसी पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को ऐसे परामर्श के लिए लिखित अनुरोध देने के तुरंत बाद शुरू होगा: बशर्ते कि यदि ऐसे सद्भावपूर्वक परामर्श के परिणामस्वरूप ऐसे परामर्श शुरू होने के 60 (साठ) दिनों के भीतर विवाद का समाधान नहीं हुआ है, तो खंड 10.3 के उपबंध लागू होंगे।

10.3 मध्यस्थता

10.3.1 इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में कोई भी विवाद, मतभेद या दावा, जिसे सौहार्दपूर्ण ढंग से हल नहीं किया जाता है, क्षेत्राधिकार वाले उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नियुक्त किए जाने वाले एकमात्र मध्यस्थ के संदर्भ द्वारा अंतिम रूप से तय किया जाएगा। ऐसी मध्यस्थता वैकल्पिक विवाद समाधान अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के मध्यस्थता नियमों ("नियम") या ऐसे अन्य नियमों के अनुसार आयोजित की जाएगी जो पक्षकारों द्वारा पारस्परिक रूप से सहमत हो सकते हैं, और मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 तथा मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) अधिनियम, 2015 के उपबंधों के अधीन होगी।

10.3.2 मध्यस्थ एक सकारण पंचाट जारी करेगा और ऐसा पंचाट पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। मध्यस्थता का स्थान राज्य की राजधानी होगी और मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

10.3.3 यह समझौता और पक्षकारों के अधिकार और दायित्व इसके तहत किसी भी मध्यस्थता कार्यवाही में पंचाट आने तक पूर्ण रूप से प्रभावी और लागू रहेंगे।

11. प्रकीर्ण

11.1 सूचनाएं

इस समझौते के तहत दी जाने वाली या की जाने वाली सभी सूचनाएं या अन्य संसूचनाएं लिखित रूप में होंगी, या तो व्यक्तिगत रूप से वितरित की जाएंगी या कूरियर अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भेजी जाएंगी, जिसकी एक अतिरिक्त प्रति फैक्स या ई-मेल द्वारा भेजी जाएगी। प्रत्येक पक्षकार के तामील का पता, उसका फैक्स नंबर और ई-मेल पता इसके हस्ताक्षर पृष्ठों पर उसके नाम के नीचे दिया गया है। कोई सूचना उसकी वास्तविक प्राप्ति पर प्रभावी होगी, सिवाय इसके कि जहां यह किसी दिन सायं 5.30 (साढ़े पांच) बजे के बाद प्राप्त होती है, या ऐसे दिन प्राप्त होती है जो सार्वजनिक अवकाश है, वहां सूचना वास्तविक प्राप्ति की तिथि के बाद के पहले कार्य दिवस पर प्राप्त मानी जाएगी। पूर्वगामी पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, फैक्स या ई-मेल द्वारा सूचना या संसूचना देने वाला या करने वाला पक्षकार तुरंत उसकी एक प्रति व्यक्तिगत रूप से वितरित करेगा, या ऐसी सूचना या संसूचना के पाने वाले को कूरियर या पंजीकृत डाक द्वारा भेजेगा। एतद्द्वारा यह सहमति व्यक्त की जाती है और स्वीकार किया जाता है कि कोई भी पक्षकार सूचना द्वारा उस पते को बदल सकता है जिस पर उसे ऐसी सूचनाएं और संसूचनाएं वितरित या प्रेषित की जानी हैं। ऐसा परिवर्तन तब प्रभावी होगा जब सभी पक्षकारों को इसकी सूचना मिल जाएगी।

11.2 अप्रत्याशित घटना

इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, पक्षकारों के बीच एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से सहमति व्यक्त की जाती है कि इस समझौते के तहत किसी भी पक्षकार को अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) के लिए या उसके कारण कोई राहत नहीं दी जाएगी।

11.3 दायित्वों का विनिर्दिष्ट पालन

इस समझौते के पक्षकार सहमत होते हैं कि, लागू कानूनों के तहत अनुमत सीमा तक, इस समझौते के तहत पक्षकारों के अधिकार और दायित्व विनिर्दिष्ट पालन के अधिकार के अधीन होंगे और एक व्यतिक्रमी पक्षकार के खिलाफ विशेष रूप से लागू किए जा सकते हैं। पक्षकार स्वीकार करते हैं कि इस समझौते के उपबंधों के किसी भी उल्लंघन से प्रतिकूल रूप से प्रभावित पक्षकार ("प्रभावित पक्षकार") को तत्काल अपूरणीय क्षति होगी जिसके लिए नुकसानी के रूप में देय कोई भी मुआवजा एक पर्याप्त उपाय नहीं होगा। तदनुसार, पक्षकार सहमत होते हैं कि किसी अन्य पक्षकार द्वारा ऐसे किसी उल्लंघन या आसन्न उल्लंघन की स्थिति में प्रभावित पक्षकार सक्षम क्षेत्राधिकार की अदालत से तत्काल और स्थायी व्यादेशात्मक राहत, विनिर्दिष्ट पालन या किसी अन्य साम्यापूर्ण राहत का हकदार होगा। पक्षकार सहमत होते हैं और अनुबंध करते हैं कि प्रभावित पक्षकार (i) वास्तविक नुकसान साबित करने की आवश्यकता के बिना; या (ii) कोई बांड या अन्य सुरक्षा पोस्ट किए बिना ऐसी व्यादेशात्मक राहत, विनिर्दिष्ट पालन या अन्य साम्यापूर्ण राहत का हकदार होगा। इसमें निहित कोई भी बात कानून या साम्या में किसी भी उपाय के लिए प्रभावित पक्षकार के अधिकार को सीमित नहीं करेगी, जिसमें व्यतिक्रमी पक्षकार से नुकसानी की वसूली शामिल है।

11.4 संपूर्ण समझौता

11.4.1 खंड 11.4.2 के उपबंधों के अधीन, यह समझौता, इसके सभी अनुबंधों, अनुसूचियों, प्रदर्शनों और संलग्नकों के साथ, इस समझौते के विषय के संबंध में पक्षकारों के बीच संपूर्ण समझौते और समझ का प्रतिनिधित्व करता है और किसी भी पूर्व समझौते या समझ, लिखित या मौखिक, को अधिक्रमित करता है जो पक्षकारों के बीच हो सकती थी।

11.4.2 इसमें निहित कोई भी बात:

(क) रियायत समझौते के उपबंधों को प्रभावित नहीं करेगी;

(ख) निजी प्रतिभागियों को रियायतग्राही में अपनी शेयरधारिता के संबंध में कोई अन्य पारस्परिक व्यवस्था करने से नहीं रोकेगी, बशर्ते कि ऐसी कोई व्यवस्था इस समझौते या रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के अधिकारों को किसी भी तरह से प्रभावित नहीं करेगी।

संदेह के निवारण के लिए, यह स्पष्ट किया जाता है कि रियायत समझौते और इस समझौते के उपबंधों के बीच विरोध की स्थिति में, रियायत समझौते के उपबंध प्रभावी होंगे।

11.5 संशोधन

इस समझौते के किसी भी उपबंध का कोई भी रूपांतरण, संशोधन या अधित्याग केवल तभी प्रभावी होगा, यदि वह लिखित रूप में हो और प्रत्येक पक्षकार द्वारा व्यक्तिगत रूप से या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि द्वारा हस्ताक्षरित हो।

11.6 पृथक्करणीयता

यदि इस समझौते का कोई अनुच्छेद, खंड, धारा या पैराग्राफ, या उसका कोई हिस्सा, या इसके साथ संलग्न या इसका हिस्सा बनाया गया कोई समझौता या दस्तावेज अमान्य है, सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी अदालत द्वारा अवैध ठहराया जाता है, या वर्तमान या भविष्य के लागू कानूनों के तहत अप्रवर्तनीय है, तो पक्षकारों का यह इरादा है कि समझौते का शेष भाग, या इसके साथ संलग्न या इसका हिस्सा बनाया गया कोई भी समझौता या दस्तावेज, उससे प्रभावित नहीं होगा जब तक कि ऐसे उपबंध को हटाने से यह समझौता किसी भी पक्षकार के लिए तात्विक रूप से प्रतिकूल न हो जाए, जिस स्थिति में पक्षकार समझौते में ऐसे परिवर्तनों के लिए सद्भावपूर्वक बातचीत करेंगे जो ऐसे उपबंध के तहत पक्षकारों के लिए लाभों और दायित्वों को सर्वोत्तम रूप से सुरक्षित रखेंगे।

11.7 मूल प्रतियां

यह समझौता दो या दो से अधिक मूल प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, और प्रत्येक पक्षकार द्वारा समान या अलग-अलग प्रतियों पर निष्पादित किया जा सकता है, लेकिन ऐसी सभी प्रतियां मिलकर एक ही लिखत का गठन करेंगी।

11.8 अधित्याग

किसी पक्षकार द्वारा इस समझौते के उल्लंघन या किसी अन्य पक्षकार द्वारा व्यतिक्रम के संबंध में कोई कार्रवाई करने में विफलता, इस समझौते के किसी उपबंध को लागू करने या ऐसे उल्लंघन या व्यतिक्रम या किसी बाद के उल्लंघन या व्यतिक्रम के संबंध में कार्रवाई करने के पूर्व पक्षकार के अधिकार का अधित्याग नहीं बनेगी। किसी पक्षकार द्वारा इस समझौते के किसी उपबंध के उल्लंघन या अनुपालन में विफलता का अधित्याग, ऐसे उपबंध का निरंतर अधित्याग नहीं माना जाएगा या उसका गठन नहीं करेगा, या इस समझौते के किसी अन्य उपबंध के किसी अन्य उल्लंघन या अनुपालन में विफलता का अधित्याग नहीं होगा।

11.9 कोई एजेंसी नहीं

यह समझौता किसी भी पक्षकार को दूसरे पक्षकार के कानूनी प्रतिनिधि या एजेंट के रूप में गठित नहीं करेगा, और न ही किसी पक्षकार के पास किसी अन्य पक्षकार के खिलाफ, उसके नाम पर, या उसकी ओर से कोई दायित्व या बाध्यता, व्यक्त या निहित, मानने, बनाने या उपगत करने का अधिकार या प्राधिकार होगा।

11.10 कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

इस समझौते में व्यक्त या उल्लिखित कुछ भी इसके पक्षकारों (और उनके संबंधित उत्तराधिकारियों और अनुमत समनुदेशितियों) के अलावा किसी भी इकाई को इस समझौते या इसमें निहित किसी भी उपबंध के तहत या उसके संबंध में कोई कानूनी या साम्यापूर्ण अधिकार, उपाय या दावा देने के लिए अभिप्रेत नहीं है या ऐसा नहीं माना जाएगा।

11.11 एक-दूसरे और रियायतग्राही के संबंध में पक्षकारों की स्वतंत्रता

पक्षकार स्वतंत्र हैं और रहेंगे। पक्षकारों में से किसी को भी दूसरे का एजेंट नहीं माना जाएगा, और न ही उनके पास कोई अनुबंध करने या कोई दायित्व लेने, या दूसरे या रियायतग्राही की ओर से कोई वारंटी या अभ्यावेदन देने का प्राधिकार होगा।

11.12 पूर्ण निष्पक्षता (आर्म्स लेंथ)

एक ओर प्रत्येक पक्षकार और दूसरी ओर रियायतग्राही के बीच सभी संबंध पूर्ण निष्पक्षता के आधार पर और प्रतिस्पर्धी शर्तों पर संचालित किए जाएंगे।

11.13 भार

पक्षकार सहमत होते हैं कि निजी प्रतिभागी वित्तपोषण समझौतों के तहत वरिष्ठ ऋणदाताओं के पक्ष में या उनके लाभ के लिए और/या हवाईअड्डे के लिए कार्यशील पूंजी व्यवस्था के अलावा रियायतग्राही में अपनी शेयरधारिता पर कोई भार उत्पन्न करने के हकदार नहीं होंगे।

11.14 परिणामी नुकसान

इस समझौते में इसके विपरीत किसी बात के होते हुए भी, किसी भी स्थिति में कोई भी पक्षकार, उसके अधिकारी, कर्मचारी या एजेंट किसी अन्य पक्षकार द्वारा झेले गए किसी भी परिणामी नुकसान के संबंध में इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में किसी भी मामले के लिए किसी अन्य पक्षकार के प्रति (अनुबंध, क्षतिपूर्ति, वारंटी या लापरवाही और सख्त या पूर्ण दायित्व या सांविधिक कर्तव्य के उल्लंघन या अन्यथा सहित अपकृत्य के आधार पर) उत्तरदायी नहीं होंगे। इस उपबंध के प्रयोजनों के लिए, "परिणामी नुकसान" का अर्थ ऐसे उल्लंघन के परिणामस्वरूप होने वाला कोई भी अप्रत्यक्ष या परिणामी नुकसान (लाभ की हानि, राजस्व

की हानि, अनुबंध की हानि, साख की हानि, अन्य समझौतों के तहत दायित्व, या तीसरे पक्ष के प्रति दायित्व सहित) है और चाहे उल्लंघन करने वाले पक्षकार को यह पता होना चाहिए था या नहीं कि ऐसे उल्लंघन के परिणामस्वरूप ऐसा अप्रत्यक्ष या परिणामी नुकसान होने की संभावना है और इसमें समय-समय पर पीड़ित पक्षकार के ऋणदाताओं या लेनदारों को किसी भी राशि का भुगतान या पुनर्भुगतान (या उसका कोई त्वरण) शामिल है, लेकिन उत्तरदायी पक्षकार, उसके अधिकारियों, कर्मचारियों या एजेंटों की लापरवाही के परिणामस्वरूप होने वाली मृत्यु या व्यक्तिगत चोट को बाहर रखा गया है।

इसके साक्ष्य में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि को इस समझौते को निष्पादित और वितरित किया है।

हस्ताक्षर पृष्ठ

रियायतग्राही की सामान्य मुहर रियायतग्राही के निदेशक मंडल द्वारा दिनांक ..... 20... को आयोजित अपनी बैठक में पारित संकल्प के अनुसरण में ..... निदेशक की उपस्थिति में यहां लगाई गई है, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इन विलेखों पर हस्ताक्षर किए हैं और कंपनी सचिव/प्राधिकृत अधिकारी, जिन्होंने इसके प्रतीक स्वरूप इस पर प्रति-हस्ताक्षर किए हैं।

प्राधिकरण के लिए और उसकी ओर से हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर: .....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

निजी प्रतिभागी के लिए और उसकी ओर से हस्ताक्षरित, मुहरबंद और वितरित:

हस्ताक्षर:

.....

नाम: .....

पदनाम: .....

पता: .....

फैक्स नंबर: .....

ई-मेल पता: .....

अनुबंध - I

(अनुसूची-एक्स)

निजी प्रतिभागीगण

{निजी प्रतिभागियों के नाम दर्ज करें}

अनुबंध - II

(अनुसूची-एक्स)

आरक्षित मामले

(क) संस्थापन ज्ञापन के उपबंधों में परिवर्तन करना या जोड़ना;

(ख) अंतर्नियमों में परिवर्तन करना या जोड़ना;

(ग) रियायतग्राही का नाम बदलना;

(घ) रियायतग्राही के स्वयं के शेयरों या विनिर्दिष्ट प्रतिभूतियों को क्रय करना;

(ङ) स्वेट इक्विटी शेयर जारी करना;

(च) गैर-सदस्यों को पूर्व-क्रय अधिकारों के बिना अतिरिक्त शेयर जारी करना या ऋणों अथवा ऋणपत्रों को शेयरों में परिवर्तित करना;

(छ) शेयर पूंजी को कम करना;

(ज) रियायतग्राही के पंजीकृत कार्यालय को उस राज्य की सीमाओं से बाहर ले जाना जहां यह स्थित है;

(झ) व्यवसाय की कोई भी नई शाखा या कार्यक्षेत्र प्रारंभ करना;

(ञ) जिस शहर, कस्बे या गांव में पंजीकृत कार्यालय स्थित है, उसके अलावा किसी अन्य स्थान पर रजिस्टर और विवरणियां रखना;

(ट) रियायतग्राही के प्रबंध निदेशक, प्रबंधक, बैंकर, या डिबेंचर-धारकों के न्यासी के पद को छोड़कर, किसी निदेशक या उसके रिश्तेदार या साझेदार या फर्म या निजी कंपनी को लाभ का कोई पद या स्थान धारण करने के लिए सहमति देना;

(ठ) अंतर-कॉर्पोरेट ऋण और निवेश करना या गारंटी/सुरक्षा दिया जाना, आदि, यदि उसकी कुल राशि रियायतग्राही की चुकता शेयर पूंजी के 10 प्रतिशत की सीमा से अधिक है;

(ड) रियायतग्राही के समापन के लिए अदालत में आवेदन करना;

(ढ) रियायतग्राही का स्वेच्छा से समापन करना;

(ण) रियायतग्राही के समापन से संबंधित विभिन्न अन्य मामलों के लिए; तथा

(त) कोई अन्य मामला जिसे कंपनी अधिनियम, 2013, या उसके किसी पुनरधिनियमन या संशोधन द्वारा कंपनी के शेयरधारकों के एक विशेष संकल्प द्वारा पारित किया जाना आवश्यक है।

अनुबंध - III

(अनुसूची-एक्स)

अनुपालन विलेख

यह अनुपालन विलेख ("विलेख") आज दिनांक ..... माह ....., को भारत के कानूनों के तहत निगमित कंपनी/निगमित निकाय, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है (इसके बाद "अंतरिती" कहा जाएगा) द्वारा निष्पादित किया जाता है;

चूंकि:

क. प्राधिकरण, ... और रियायतग्राही के बीच दिनांक ..... 20... के शेयरधारकों के समझौते ("शेयरधारकों का समझौता") द्वारा, शेयरधारक रियायतग्राही के शेयरधारकों के रूप में अपने अधिकारों और देनदारियों के पारस्परिक वितरण/विनियमन पर सहमत हुए थे।

ख. शेयरधारकों के समझौते के खंड 3.2.1 (ii) में अन्य बातों के साथ-साथ यह अपेक्षा की गई है कि किसी भी शेयरधारक ("मूल कंपनी") द्वारा किसी तीसरे पक्ष को समता पूंजी में शेयरों के अंतरण के साथ-साथ, ऐसा तीसरा पक्ष, उसे शेयरों के ऐसे अंतरण की पूर्व-शर्त के रूप में, इस विलेख को निष्पादित करेगा और शेयरधारकों के समझौते से बाध्य होगा।

अब यह विलेख निम्नानुसार साक्ष्य प्रस्तुत करता है:

1. परिभाषाएं और निर्वचन:

इस विलेख में प्रयुक्त किंतु अपरिभाषित बड़े अक्षरों वाले शब्दों का, जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, वही अर्थ होगा जो शेयरधारकों के समझौते में उनके लिए निर्धारित किया गया है।

2. वचनबंध:

अंतरिती एतद्द्वारा स्वीकार करता है कि उसने इससे पूर्व शेयरधारकों के समझौते, रियायत समझौते और अन्य परियोजना समझौतों की एक प्रति प्राप्त कर ली है, तथा उन्हें पढ़ और समझ लिया है, और वचन देता है, सहमत होता है और पुष्टि करता है कि वह शेयरधारकों के समझौते के सभी उपबंधों से इस प्रकार बाध्य होगा मानो वह उसका मूल पक्षकार हो, जिसमें उसमें निहित अंतरणकर्ता पक्षकार के अधिकारों और दायित्वों के संबंध में शामिल है, और शेयरधारकों का समझौता उस पर पूर्ण रूप से प्रभावी और लागू होगा, तथा उसे उस पर बाध्यकारी माना और समझा जाएगा।

3. शासी विधि:

यह विलेख भारत के कानूनों के अनुसार शासित और निर्वचित होगा। मध्यस्थता और अन्य नियमों और शर्तों के संबंध में शेयरधारकों के समझौते के नियमों और शर्तों को इस विलेख में शामिल माना जाएगा।

द्वारा: .....

नाम और पदवी: .....

उपस्थिति में:

गवाह:

1.....

2.....

अनुसूची-वाई

(खंड 22.2.1 देखें)

सीएनएस/एटीएम करार

[उपयुक्त मूल्य के स्टाम्प पेपर पर निष्पादित किया जाना है]

सीएनएस/एटीएम (संचार, संचालन और निगरानी / वायु यातायात प्रबंधन) सुविधाओं और सेवाओं के प्रावधान हेतु करार

यह करार निम्नलिखित पक्षों के मध्य ..... को निष्पादित किया गया है:

1) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, जिसे इसके पश्चात् भा.वि.प्रा. कहा गया है, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 के अंतर्गत गठित एक प्राधिकरण है, जिसका निगमित कार्यालय राजीव गांधी भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली-110003, भारत में स्थित है ("भा.वि.प्रा."); तथा

2)..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम), जो भारतीय कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत सीमित देयता वाली निगमित एक कंपनी है, जिसका पंजीकृत कार्यालय ..... पर स्थित है, जिसे इसके पश्चात् ("विमानपत्तन कंपनी") कहा गया है।

अभिव्यक्ति "भा.वि.प्रा." और "विमानपत्तन कंपनी" का संदर्भ जहाँ कहीं भी प्रयुक्त हो, उसमें उनके संबंधित हित-उत्तराधिकारी तथा अनुमत समनुदेशिती सम्मिलित और अभिप्रेत होंगे और उन्हें सामूहिक रूप से "पक्षकार" तथा व्यक्तिगत रूप से "पक्ष" कहा जाएगा।

चूंकि:

क. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उड़ान संचालन हेतु ..... के राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में ..... पर एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास, डिजाइन, वित्तपोषण, निर्माण, पूर्णता और संचालन का प्रस्ताव करती है।

ख. भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण अधिनियम, 1994 के अनुसार भा.वि.प्रा. भारतीय वायुक्षेत्र के भीतर तथा भारत के सभी नागरिक हवाई अड्डों पर वायु यातायात सेवाएं प्रदान करने हेतु उत्तरदायी है।

ग. उपरोक्त अधिनियम के अनुसार, भा.वि.प्रा. इस करार में निर्धारित निबंधनों और शर्तों पर हवाईअड्डे पर वायु यातायात सेवाएं प्रदान करेगा।

एतद्द्वारा निम्नानुसार सहमति व्यक्त की जाती है:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1. परिभाषाएं

इस करार में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:

"भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाएं" का अर्थ खंड 4.3 के अनुसार भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं हैं;

"भा.वि.प्रा. उपकरण" का अर्थ ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के अतिरिक्त वे सभी उपकरण हैं, जो भा.वि.प्रा. को प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार भा.वि.प्रा. सेवाओं का निष्पादन करने में सक्षम बनाने हेतु अपेक्षित हैं;

"भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाएं" का अर्थ खंड 5.1 के अनुसार भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं हैं;

"भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाएं" का अर्थ खंड 3.2 के अनुसार भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएं हैं;

"भा.वि.प्रा. सेवाएं" का अर्थ भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाएं, भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाएं और भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाएं हैं;

"प्रभावित पक्ष" का अर्थ वही होगा जो इसे खंड 9 में दिया गया है;

"संबद्ध संस्था/संबद्ध व्यक्ति" से अभिप्रेत है:

घ) कोई व्यक्ति जो किसी पक्षकार की सहायक संस्था है;

ङ) कोई व्यक्ति जिसका सहायक पक्षकार है;

च) कोई व्यक्ति जो ऐसे व्यक्ति की सहायक संस्था है जिसका कोई पक्षकार सहायक है। इस परिभाषा के प्रयोजनों के लिए, कोई व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति का "सहायक" तब होता है जब उत्तरवर्ती विधिक या लाभकारी रूप से, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, पूर्ववर्ती के इतने शेयरों का स्वामी हो जो शेयरधारकों की सामान्य बैठक में सामान्य परिस्थितियों में 51% या उससे अधिक मत देने के लिए पर्याप्त हों।

"एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था प्रणाली" का अर्थ प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार प्रस्तावित विमान संचालन और हवाई अड्डा श्रेणी के लिए अपेक्षित हवाईअड्डे पर प्रकाश व्यवस्था (रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच के संबंध में शामिल) से है;

"हवाई अड्डा" का अर्थ ..... राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में ..... पर प्रारंभिक चरण से युक्त ग्रीनफील्ड घरेलू हवाईअड्डे से है और इसमें इसके सभी भवन, उपकरण, सुविधाएं और प्रणालियां सम्मिलित हैं और जहां परिस्थितियां अपेक्षित हों, इसका कोई भी विस्तार सम्मिलित है;

"हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि" का अर्थ वह तिथि है जिस पर प्रारंभिक चरण का वाणिज्यिक प्रचालन प्रारंभ होता है;

"हवाई अड्डा उद्घाटन लक्षित तिथि" का अर्थ वित्तीय समापन के तुरंत बाद छत्तीस (36) महीने की अवधि समाप्त होने वाली तिथि अथवा.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय-समय पर संशोधित तिथि है;

"शिकागो अभिसमय" का अर्थ शिकागो अभिसमय 1944 है जैसा कि समय-समय पर संशोधित और/या पूरक किया गया है; और शिकागो अभिसमय के "अनुबंध" के संदर्भों से अभिप्रेत समय-समय पर यथा संशोधित और/या पूरक ऐसा अनुबंध होगा;

"स्वीकृति/निकासी" का अर्थ लिखित सहमति, लाइसेंस, अनुमोदन, परमिट, व्यवस्था, छूट, अनापत्ति प्रमाण पत्र या किसी भी प्रकृति का अन्य प्राधिकरण या अनुमति है जिसे भारत सरकार से प्राप्त किया जाना और/या भारत सरकार द्वारा दिया जाना परियोजना के संबंध में समय-समय पर अपेक्षित हो;

"सीएनएस/एटीएम सेवाएं" का अर्थ संचार, संचालन और निगरानी तथा वायु यातायात प्रबंधन सेवाएं हैं जैसा कि अनुसूची 3 में अधिक विशेष रूप से वर्णित है;

"रियायत करार" का अर्थ भारत सरकार और..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच निष्पादित रियायत करार दिनांक ..... से है जिसके तहत भारत सरकार ने ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को परियोजना हेतु रियायत प्रदान की है;

"सक्षम प्राधिकारी" का अर्थ कोई भी एजेंसी, प्राधिकरण, विभाग, निरीक्षणालय या सांविधिक निकाय (चाहे स्वायत्त हो या नहीं) है जो भारत के कानूनों के तहत स्थापित है और जिसका इस करार पर क्षेत्राधिकार है;

"ऋण" का अर्थ परियोजना हेतु वित्तपोषण करारों के तहत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के ऋणदाताओं को देय बकाया ऋण से है;

"डीजीसीए" का अर्थ नागर विमानन महानिदेशक, भारत सरकार है;

"प्रभावी तिथि" का अर्थ वही होगा जो इसे खंड 2.3 में दिया गया है;

"ईपीसी ठेकेदार" का अर्थ ईपीसी अनुबंधों में नामित कोई एक या अधिक पक्षकार हैं;

"ईपीसी अनुबंध" का अर्थ ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और ईपीसी ठेकेदारों के बीच निष्पादित या निष्पादित किए जाने वाले करार हैं जिनके तहत ईपीसी ठेकेदार हवाईअड्डे का डिजाइन, खरीद, निर्माण और पूर्ण करेंगे;

"मौजूदा हवाई अड्डा" का अर्थ ..... (विमानपत्तन कंपनी के स्थान का नाम) में स्थित मौजूदा हवाई अड्डा है जिसे ..... (हवाईअड्डे का नाम) के रूप में जाना जाता है;

"विस्तार" का अर्थ मास्टर प्लान के अनुसार समय-समय पर हवाईअड्डे की सुविधाओं के विस्तार से है;

"सुविधा" का अर्थ हवाईअड्डे पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा निर्मित किए जाने वाले वायु यातायात सेवा परिसर से है, जिसमें नियंत्रण टॉवर, तकनीकी ब्लॉक और भा.वि.प्रा. कर्मियों के लिए कार्यालय आवास के साथ-साथ स्थल पर और/या स्थल से बाहर नेविगेशनल एड्स/रडार हेतु भवन सम्मिलित होंगे, जिसमें वातानुकूलन, बिजली और पानी की निरंतर आपूर्ति और हाउसकीपिंग का प्रावधान होगा, जैसा कि अनुसूची 2 में अधिक व्यापक रूप से निर्धारित है;

"वित्तीय समापन" का अर्थ वह तिथि है जिस पर वित्तपोषण करार (जहां तक वे प्रारंभिक चरण के विकास और निर्माण से संबंधित हैं) उन सभी पक्षों द्वारा निष्पादित और सौंप दिए गए हैं और उनके तहत पूर्व-शर्तों को इस सीमा तक पूरा कर लिया गया है जो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित निधियों तक तत्काल पहुंच प्राप्त करने की अनुमति देने हेतु आवश्यक हो, जो केवल तद्नुसार अपेक्षित आहरण की सूचना देने के अधीन हो;

"वित्तपोषण करार" का अर्थ (i) ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा ऋणदाताओं के साथ ऋण उपलब्ध कराने के लिए किए गए करार और (ii) उपर्युक्त (i) में संदर्भित करारों के अनुसरण में अपेक्षित ऋणदाताओं के पक्ष में सुरक्षा दस्तावेज, प्रत्यक्ष करार और अन्य आनुषंगिक वचनबद्धता से है;

"अपरिहार्य घटना (फोर्स मेज्योर)" का अर्थ अनुसूची 4 में निर्धारित अर्थ होगा;

"भावी कमीशनिंग तिथि" का अर्थ वह तिथि है जिस पर कोई भावी कमीशनिंग अवधि प्रारंभ होगी, जैसा कि खंड 4.1 के अनुसरण में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा भा.वि.प्रा. को अधिसूचित किया जाएगा;

"भावी कमीशनिंग अवधि" का अर्थ हवाईअड्डे के किसी भी विस्तार के लिए आवश्यक किसी भी अतिरिक्त भा.वि.प्रा. उपकरणों के संबंध में पक्षों के बीच यथा-सहमति कोई भावी कमीशनिंग अवधि है;

"भारत सरकार" का अर्थ भारत सरकार और उसकी कोई भी विधिवत अधिकृत एजेंसी, प्राधिकरण (किसी भी नियामक प्राधिकरण सहित), विभाग, निरीक्षणालय, मंत्रालय या सांविधिक व्यक्ति (स्वायत्त हो या नहीं) जो नागर विमानन मंत्रालय के सीधे नियंत्रण और निर्देशन में हो;

"विमानपत्तन कंपनी कमीशनिंग दायित्व" का अर्थ खंड 4.2 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा पूरे किए जाने वाले दायित्व हैं;

"विमानपत्तन कंपनी उपकरण" का अर्थ अनुसूची 1 के भाग I में निर्धारित वस्तुएं हैं;

"विमानपत्तन कंपनी दायित्व" का अर्थ विमानपत्तन कंपनी पूर्व-कमीशनिंग दायित्व, विमानपत्तन कंपनी कमीशनिंग दायित्व और विमानपत्तन कंपनी प्रचालन दायित्व हैं;

"विमानपत्तन कंपनी प्रचालन दायित्व" का अर्थ खंड 5.3 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा पूरे किए जाने वाले दायित्व हैं;

"विमानपत्तन कंपनी पूर्व-कमीशनिंग दायित्व" का अर्थ खंड 3.1 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा पूरे किए जाने वाले दायित्व हैं;

"प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि" का अर्थ वह तिथि है जिस पर प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि प्रारंभ होगी, जैसा कि खंड 4.1 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा भा.वि.प्रा. को अधिसूचित किया गया है;

"प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि" का अर्थ प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से प्रारंभ होने वाली तीन (3) महीने की अवधि है;

"आईसीएओ" का अर्थ शिकागो अभिसमय द्वारा गठित अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन और उसका कोई भी उत्तराधिकारी है;

"घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया" का अर्थ घटनाओं और आपात स्थितियों की रिपोर्टिंग के लिए भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय-समय पर सहमत की जाने वाली प्रक्रिया है;

"प्रारंभिक चरण" का अर्थ रियायत करार में यथा-प्रावधानित हवाईअड्डे के प्रारंभिक चरण का डिजाइन, वित्तपोषण, निर्माण, पूर्णता और कमीशनिंग है;

"भूमि पट्टा करार" का अर्थ ..... सरकार और..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच निष्पादित दिनांक ..... का करार है

जिसके तहत ..... सरकार ने..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को स्थल में पट्टाधृति अधिकार और हित प्रदान किए हैं;

"ऋणदाता" का अर्थ बैंक, वित्तीय संस्थान, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (NBFC) और इसी प्रकार के निकाय हैं जिन पर प्रारंभिक चरण और/या किसी विस्तार के वित्तपोषण (जिसमें इन प्रयोजनों हेतु कोई पुनर्वित्तपोषण भी शामिल होगा) हेतु वित्तपोषण करारों के तहत ऋण देय है, बशर्ते कि अनुसूची 5 विस्तार चरण के ऋणदाताओं पर लागू नहीं होगी;

"हानि" का अर्थ कोई भी हानि, देनदारियां, लागत, व्यय, दावे, कार्यवाहियां, वाद, मांगें, दायित्व, कमियां, मुकदमे, निर्णय, व्यादेश (इंजंक्शन), अधिनिर्णय या नुकसानी है;

"मास्टर प्लान" का अर्थ.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा तैयार किया गया और रियायत करार के साथ संलग्न मास्टर प्लान है, जैसा कि समय-समय पर संशोधित किया जा सकता है;

"कार्यालय आवास" का अर्थ इस करार की अनुसूची 2 में निर्धारित आवास और कार पार्किंग स्थल है;

"प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया" का अर्थ भा.वि.प्रा. सेवाओं और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के दायित्वों से संबंधित प्रावधानों के दैनिक निर्वहन के संबंध में सूचना के संचार हेतु भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय-समय पर सहमत की जाने वाली प्रक्रिया है;

"कार्मिक" का अर्थ भा.वि.प्रा. सेवाएं और सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने वाले भा.वि.प्रा. कर्मी हैं;

"परियोजना" का अर्थ हवाईअड्डे का डिजाइन, वित्तपोषण, निर्माण, पूर्णता, कमीशनिंग, रखरखाव, प्रचालन, प्रबंधन और विकास है;

"आरईएसए या रनवे छोर सुरक्षा क्षेत्र" का अर्थ विस्तारित रनवे केंद्र रेखा के सममित और पट्टी के छोर से सटा हुआ एक क्षेत्र है जिसका मुख्य उद्देश्य किसी विमान के रनवे से पहले उतरने (अंडरशूटिंग) या रनवे से आगे निकल जाने (ओवररनिंग) की स्थिति में क्षति के जोखिम को कम करना है;

"मार्ग संचालन सुविधा शुल्क" का अर्थ भा.वि.प्रा. के वर्तमान आदेशों के अनुसार मार्ग संचालन सुविधाओं के प्रावधान के लिए एयरलाइनों और/या विमान ऑपरेटरों से भा.वि.प्रा. द्वारा प्रभारित राशियां हैं;

"प्रतिभूति" में कोई बंधक, गिरवी, धारणाधिकार (ग्रहणाधिकार), प्रतिभूति हित या अन्य प्रभार या भार तथा पर्याप्त रूप से समान आर्थिक प्रभाव वाला कोई अन्य करार या व्यवस्था सम्मिलित है;

"सेवा प्रदाता अधिकार धारक" का अर्थ वही होगा जो इसे रियायत करार में दिया गया है;

"स्थल" का अर्थ वह भूमि है जिसमें भूमि पट्टा करार के अनुसरण में..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के पास पट्टाधृति हित है या होगा, जिसका क्षेत्रफल लगभग ..... एकड़ है, जिस पर, जिसके ऊपर और जिसके नीचे हवाईअड्डे का निर्माण किया जाना है;

"राज्य सहायता करार" का अर्थ ..... सरकार और..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच निष्पादित दिनांक ..... का करार है;

"लक्षित कमीशनिंग तिथि" का अर्थ वही होगा जो इसे खंड 4.1 में दिया गया है;

"टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क" का अर्थ सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए एयरलाइनों से भा.वि.प्रा. द्वारा प्रभारित या प्रभारित की जाने वाली राशियां हैं।

1.2. निर्वचन

इस करार में, सिवाय उस सीमा के जहां संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित हो:

1.2.1. संसद के किसी अधिनियम या संसद के किसी अधिनियम की किसी धारा, या अनुसूची, या अन्य प्रावधान के किसी भी संदर्भ का अर्थ उस विशेष समय पर, उसमें उस समय लागू किसी संशोधन, विस्तार या पुनरधिनियमन तथा संबंधित अधिनियम या प्रावधान के तहत निर्मित या उससे वैधता प्राप्त करने वाले उस समय लागू सभी नियमों, आदेशों या विनियमों के संदर्भ के रूप में लगाया जाएगा;

1.2.2. "निर्णय" के संदर्भ में भारतीय क्षेत्राधिकार में कोई भी ऐसा आदेश, व्यादेश, अवधारण, डिक्री या अन्य न्यायिक या मध्यस्थता अधिकरण उपाय सम्मिलित है जो अंतिम और बाध्यकारी हो;

1.2.3. "विधि/कानून" के संदर्भ में सामान्य विधि (कॉमन लॉ), भारत का संविधान और किसी भी क्षेत्राधिकार की कोई डिक्री, निर्णय, कानून, आदेश, अध्यादेश, विनियम, उप-विधि, संविधि, अधिसूचना, परिपत्र, दिशानिर्देश, सांविधिक लिखत या अन्य विधायी उपाय सम्मिलित हैं (तथा "वैध" और "अवैध" का अर्थ तद्नुसार लगाया जाएगा);

1.2.4. एकवचन के संदर्भों में बहुवचन और इसके विपरीत भी सम्मिलित होंगे;

1.2.5. "दिन" के संदर्भ का अर्थ कैलेंडर दिवस है;

1.2.6. किसी विशेष खंड, पैराग्राफ, उप-पैराग्राफ या अनुसूची के संदर्भ, जहां संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, इस करार के या इस करार में दिए गए उस खंड, पैराग्राफ, उप-पैराग्राफ या अनुसूची के संदर्भ होंगे;

1.2.7. शीर्षक केवल सुविधा के लिए सम्मिलित किए गए हैं और निर्वचन के प्रयोजनों हेतु उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा;

1.2.8. इस करार की अनुसूचियों में परिभाषित शब्दों के वही अर्थ होंगे जो अनुसूचियों में दिए गए हैं, जब उनका उपयोग इस करार में अन्यत्र किया जाता है;

1.2.9. इस करार की अनुसूचियां इस करार का हिस्सा हैं और पूरी तरह से प्रभावी होंगी मानो वे इस करार के मुख्य भाग में स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हों;

1.2.10. किसी भी करार, विलेख, लिखत, लाइसेंस कोड या किसी भी विवरण के अन्य दस्तावेज के किसी भी संदर्भ का अर्थ उस विशिष्ट समय पर उस करार, विलेख, लिखत, लाइसेंस कोड या अन्य दस्तावेज के संदर्भ के रूप में लगाया जाएगा जैसा कि उसे उस समय संशोधित, परिवर्तित, पूरक, रूपांतरित, निलंबित या नवीकृत किया गया हो;

1.2.11. "लिखित" और "लिखित रूप में" शब्दों में फैक्स संदेश तथा किसी मूर्त और स्थायी रूप से दृश्य रूप में कार्यों को पुनरुत्पादित करने का कोई भी साधन सम्मिलित है;

1.2.12. "सम्मिलित" और "सहित" शब्दों का निर्वचन बिना किसी सीमा के किया जाएगा;

1.2.13. "निर्माण" के संदर्भों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, डिजाइन, खरीद, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण, पूर्णता, कमीशनिंग और निर्माण प्रक्रिया की अन्य आनुषंगिक गतिविधियां सम्मिलित हैं;

1.2.14. किसी पक्षकार के संदर्भों में उसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती सम्मिलित होंगे;

1.2.15. खंडों के भीतर दी गई परिभाषाओं के वही अर्थ होंगे जो उनमें दिए गए हैं; तथा

1.2.16. "व्यक्ति" के संदर्भ में (जैसा कि संदर्भ में अपेक्षित हो) कोई भी प्राकृतिक और/या विधिक इकाई (भारत सरकार या ..... सरकार सहित) सम्मिलित है।

2. पूर्व-शर्तें

2.1. सेवाओं हेतु पूर्व-शर्तें

इस करार के प्रावधान (खंड 1, 2, 10 से 12 और 14 से 19 तक के अतिरिक्त जो इस करार की तिथि से पक्षों पर बाध्यकारी होंगे) उस तिथि से प्रभावी और पक्षों पर बाध्यकारी होंगे जिस तिथि पर निम्नलिखित पूर्व-शर्तें पूरी तरह से संतुष्ट हो जाएंगी:

i..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से भा.वि.प्रा. को इस आशय की अपरिवर्तनीय सूचना प्राप्त होना कि रियायत करार उसके सभी पक्षों द्वारा निष्पादित और सौंप दिया गया है और उसमें निर्धारित सभी पूर्व-शर्तें पूरी कर ली गई हैं या छोड़ (माफ) दी गई हैं, जो सूचना पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगी;

ii..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से भा.वि.प्रा. को इस आशय की अपरिवर्तनीय सूचना प्राप्त होना कि ईपीसी अनुबंध उसके सभी पक्षों द्वारा निष्पादित और सौंप दिए गए हैं और उसमें निर्धारित सभी पूर्व-शर्तें (इस करार से संबंधित किसी भी पूर्व-शर्त को छोड़कर) पूरी कर ली गई हैं या छोड़ दी गई हैं, जो सूचना पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगी;

iii..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से भा.वि.प्रा. को इस आशय की अपरिवर्तनीय सूचना प्राप्त होना कि वित्तीय समापन हो चुका है, जो सूचना पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगी, बशर्ते कि ऐसी किसी भी पूर्व-शर्त को भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच लिखित समझौते द्वारा छोड़ा (वेव किया) जा सकता है।

2.2. पूर्व-शर्तों की पूर्ति न होना

2.2.1. पूर्ति न होने पर समाप्ति

यदि खंड 2.1 में निर्धारित पूर्व-शर्तें इस करार की तिथि के बारह (12) महीने बाद की तिथि तक पूर्ण रूप से संतुष्ट नहीं होती हैं या छोड़ी नहीं जाती हैं, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और भा.वि.प्रा. को खंड 2.2.2 के अधीन रहते हुए, दूसरे पक्ष को इक्कीस (21) दिनों की लिखित सूचना देकर इस करार को समाप्त करने का अधिकार होगा और ऐसी सूचना की समाप्ति पर यह करार समाप्त हो जाएगा, बशर्ते कि यदि सूचना अवधि के दौरान पूर्व-शर्तें पूरी हो जाती हैं या छोड़ दी जाती हैं तो यह करार खंड 2.1 के तहत यथा-परिकल्पित लागू हो जाएगा।

2.2.2. पूर्ति हेतु समय का विस्तार

खंड 2.2.1 में निर्दिष्ट तिथि से पूर्व किसी भी समय, पक्षों को पारस्परिक समझौते द्वारा पूर्व-शर्तों की संतुष्टि या छूट की तिथि को अतिरिक्त तीन (3) महीनों के लिए विस्तारित करने का अधिकार होगा।

2.3. प्रभावी तिथि

खंड 2.1 के अधीन रहते हुए, यह करार इसके पक्षों द्वारा हस्ताक्षर किए जाने की तिथि (प्रभावी तिथि) से प्रभावी होगा।

3. सेवाओं का दायरा - पूर्व-कमीशनिंग चरण

3.1. विमानपत्तन कंपनी के पूर्व-कमीशनिंग दायित्व

वित्तीय समापन के पश्चात्, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) निम्नलिखित कार्य करेगा:

i. प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से 180 दिन पूर्व तक अपने स्वयं के व्यय पर सुविधा का डिजाइन और निर्माण करेगा, सिवाय वातानुकूलन के प्रावधान के जो प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से 90 दिन पूर्व प्रदान किया जाएगा;

ii. अपने स्वयं के व्यय पर..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरणों का डिजाइन, अधिग्रहण और स्थापना करेगा, जिनका स्वामित्व..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के पास होगा, स्थल पर अथवा यदि हवाईअड्डे के एप्रोच के संबंध में आवश्यक हो तो स्थल से बाहर। भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के परीक्षण और/या कमीशनिंग के लिए उत्तरदायी नहीं होगा, जो कि..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) का उत्तरदायित्व होगा। यदि..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित हो, तो..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) अपने उपकरणों को कैलिब्रेट करने में सक्षम बनाने हेतु भा.वि.प्रा. के साथ कैलिब्रेशन उड़ानों का समन्वय करेगा;

iii. सुविधा के संचालन हेतु आवश्यक और पारस्परिक रूप से सहमत पानी, बिजली और वातानुकूलन, टेलीफोन, क्रैश अलार्म और अन्य सेवा माध्यमों का प्रावधान अपने खर्च पर स्थापित करेगा;

iv. यह सुनिश्चित करेगा कि..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि तक, या हवाईअड्डे के किसी भी विस्तार के लिए आवश्यक किसी भी अतिरिक्त ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण के मामले में भावी कमीशनिंग तिथि तक, अपने खर्च पर स्थापित, परीक्षित और कमीशन किए जाएं;

v. भा.वि.प्रा. को भा.वि.प्रा. उपकरणों और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरणों के बीच इंटरफेस की पहचान कराएगा; तथा

vi. भा.वि.प्रा. को हवाईअड्डे पर या उसके कर्मियों, वाहनों और एजेंटों को ऐसी पहुंच प्रदान करेगा जो भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा उचित रूप से अपेक्षित हो;

vii..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) रनवे का डिजाइन तैयार करने और विभिन्न सीएनएस/एटीएम सुविधाओं के स्थान की योजना बनाने से पूर्व, भारतीय सर्वेक्षण

विभाग या भारतीय सर्वेक्षण विभाग द्वारा अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के निकटवर्ती भौगोलिक केंद्र से 30 समुद्री मील के क्षेत्र का सर्वेक्षण कराएगा। सीएनएस/एटीएम सुविधाओं की स्थिति को अंतिम रूप देने और विभिन्न संरचनाओं आदि के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) जारी करने के लिए भा.वि.प्रा. की सहमति प्राप्त करते समय उपरोक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट भा.वि.प्रा. को प्रस्तुत की जाएगी।

3.2. भा.वि.प्रा. पूर्व-कमीशनिंग सेवाएं

वित्तीय समापन के पश्चात् भा.वि.प्रा. निम्नलिखित कार्य करेगा:

i. भा.वि.प्रा. उन भा.वि.प्रा. उपकरणों का डिजाइन, खरीद और स्थापना करेगा, जिनका स्वामित्व भा.वि.प्रा. के पास होगा, सुविधा में, स्थल पर, या यदि हवाईअड्डे के एप्रोच के संबंध में आवश्यक हो तो स्थल से बाहर;

ii. यह सुनिश्चित करेगा कि भा.वि.प्रा. उपकरण प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि या भावी कमीशनिंग तिथि तक स्थापित, परीक्षित और कमीशन किए जाएं। यदि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों में निर्धारित आवश्यकताओं से अधिक भा.वि.प्रा. उपकरणों को अपग्रेड करने की मांग करता है, तो उपकरणों के ऐसे उन्नयन की लागत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन की जाएगी;

iii. भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों और इंटरफेस के बीच समन्वय और अनुकूलता सुनिश्चित करेगा। किसी भी पक्ष द्वारा इंटरफेस की आवश्यकता के संबंध में, उक्त इंटरफेस की लागत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन की जाएगी;

iv. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर, यदि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित हो, तो किसी भी ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण के संबंध में ईपीसी ठेकेदारों द्वारा आयोजित किसी भी बेंचमार्क परीक्षण में भाग लेगा;

v. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर मानचित्र, चार्ट, सर्वेक्षण, आईएएल (IAL) प्रक्रिया तैयार करेगा, स्थल का दौरा करेगा और संबंधित कार्य करेगा।

3.3. समन्वय

भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) स्वीकार करते हैं कि, इस करार के खंड 3.1, 3.2, 3.4, 4.2, 4.3, 5.1, 5.2 और 5.3 के तहत अपने दायित्वों का पालन करने के लिए प्रत्येक पक्ष को दूसरे के साथ समन्वय करने की आवश्यकता होगी और इस उद्देश्य हेतु:

i. वित्तीय समापन के बाद पहले महीने से प्रारंभ करते हुए, पक्षकार एक संयुक्त समन्वय समिति-सीएनएस/एटीएम की स्थापना करेंगे, जिसकी बैठक ..... (वह स्थान जहां हवाई अड्डा स्थित है) में त्रैमासिक आधार पर या जेसीसी-सीएनएस/एटीएम के किसी भी सदस्य द्वारा बुलाए जाने पर अधिक नियमित आधार पर होगी;

ii. जेसीसी की अध्यक्षता ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा की जाएगी;

iii. जेसीसी-सीएनएस/एटीएम में चार सदस्य होंगे जिसमें प्रत्येक पक्ष दो सदस्यों को नामित और नियुक्त करेगा। पक्षों द्वारा जेसीसी-सीएनएस/एटीएम के सदस्यों को जेसीसी-सीएनएस/एटीएम के समक्ष रखे जाने वाले सभी मामलों के संबंध में संबंधित पक्ष का प्रतिनिधित्व करने और बाध्य करने का पूर्ण अधिकार प्रत्यायोजित माना जाएगा। समिति के सदस्य अपनी ओर से बैठक में भाग लेने के लिए सदस्यों के वैकल्पिक नामों को भी नामित और प्रस्तावित कर सकते हैं;

iv. यदि जेसीसी-सीएनएस/एटीएम किसी भी मामले पर पक्षों के लिए संतोषजनक निष्कर्ष पर पहुंचने में असमर्थ रहता है, तो किसी भी पक्ष को पहली बार में ऐसे मामले को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और भा.वि.प्रा. के अध्यक्ष को संदर्भित करने का अधिकार होगा। यदि उपरोक्त वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी मामले को उन्हें संदर्भित किए जाने की तिथि से 15 कार्य दिवसों के भीतर हल करने में असमर्थ रहते हैं, तो कोई भी पक्ष खंड 12 के तहत समाधान के लिए मामले को संदर्भित करने का हकदार होगा।

3.4. भा.वि.प्रा. के सामान्य दायित्व

भा.वि.प्रा. इस करार के निष्पादन के संबंध में:

i. ईपीसी ठेकेदारों को ऐसी जानकारी और ऐसे समय पर बातचीत प्रदान करेगा जिससे ईपीसी ठेकेदार हवाईअड्डे के पूरा होने के साथ-साथ समय पर, व्यवस्थित, तार्किक और सुसंगत तरीके से सुविधा और कार्यालय आवास का डिजाइन और निर्माण पूर्ण करने में सक्षम हो सकें;

ii. अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार अपने कार्य स्थल पर सुरक्षा और कार्यों की देखरेख के लिए पूरी तरह से उत्तरदायी होगा;

iii. किसी भी कारण से होने वाले विलंब के कारण सुविधा और/या कार्यालय आवास के संबंध में अपेक्षित किसी भी पुन: प्रोग्रामिंग में ईपीसी ठेकेदार के साथ सहयोग करेगा;

iv. सुविधा और/या कार्यालय आवास के संबंध में प्रगति में तेजी लाने के लिए ईपीसी ठेकेदार द्वारा अपनाए गए किसी भी त्वरण उपायों में ईपीसी ठेकेदार के साथ सहयोग करेगा; तथा

v. सुविधा और/या कार्यालय आवास के डिजाइन या निष्पादन के कारण अथवा यदि कोई असुरक्षित स्थिति मौजूद है या उत्पन्न होने की संभावना है या यदि स्थल पर परिस्थितियों के कारण यह आवश्यक है अथवा यदि रियायत करार के अनुसार भारत सरकार की किसी कार्रवाई के कारण आवश्यक है, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के आदेश पर सुविधा और/या कार्यालय आवास पर कार्य को निलंबित करेगा।

4. सेवाओं का दायरा - कमीशनिंग चरण

4.1. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि और भावी कमीशनिंग अवधि का प्रारंभ

4.1.1. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) यथाशीघ्र व्यावहारिक रूप से और वित्तीय समापन से तीन सौ पैंसठ (365) दिनों की समाप्ति तक भा.वि.प्रा. को उस तिथि की सूचना देगा जिस पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि प्रारंभ होने की प्रत्याशा है ("लक्षित कमीशनिंग तिथि")।

4.1.2. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपरोक्त खंड 4.1.1 के अनुसार भा.वि.प्रा. को सूचित लक्षित कमीशनिंग तिथि से कम से कम एक सौ अस्सी (180) दिन पूर्व भा.वि.प्रा. को उस तिथि की अतिरिक्त सूचना देगा जिस पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि होने की प्रत्याशा है और लक्षित कमीशनिंग तिथि को तदनुसार संशोधित किया जाएगा।

4.1.3. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उस तिथि से कम से कम तीन सौ पैंसठ दिन पूर्व भा.वि.प्रा. को सूचित करेगा जिस पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को किसी भावी कमीशनिंग तिथि के घटित होने की संभावना है।

4.2. विमानपत्तन कंपनी कमीशनिंग दायित्व

4.2.1. प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि या भावी कमीशनिंग तिथि, जैसा भी मामला हो, से कम से कम तीस (30) दिन पूर्व, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को लिखित रूप में पुष्टि करेगा कि:

i. प्रारंभिक चरण के संबंध में रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच का निर्माण प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि तक हवाईअड्डे पर प्रस्तावित विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा और हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि तक विमान संचालन के लिए उपलब्ध होगा;

ii. रनवे के लिए पट्टियाँ, शोल्डर, स्टॉप वे और आरईएसए तथा प्रारंभिक चरण के लिए टैक्सीवे के लिए पट्टियाँ एवं शोल्डर प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि तक निर्मित किए जाएंगे और उसके बाद प्रस्तावित विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार बनाए रखे जाएंगे;

iii. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि से हवाईअड्डे की बाधा सीमा सतहों तथा एप्रोच और टेक-ऑफ क्षेत्र को बाधाओं से मुक्त रखा जाएगा या नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत सरकार के राजपत्र एसओ84ई में निहित प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार बाधाओं को अनुमेय सीमा तक सीमित रखा जाएगा, जिसके लिए संरचनाओं के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की स्वीकृति हेतु भा.वि.प्रा. से संपर्क किया जाएगा;

iv. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि से प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों के अनुसार बचाव और अग्निशमन सेवाओं की उपयुक्त श्रेणी उपलब्ध कराई जाएगी;

v. प्रारंभिक कमीशनिंग तिथि से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) फायर वॉच टॉवर में पर्याप्त स्थान प्रदान करेगा ताकि किसी भी आकस्मिक स्थिति में सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान के लिए एक वैकल्पिक सुविधा स्थापित करने हेतु भा.वि.प्रा. कार्मिक सक्षम हो सकें;

a. हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि से परिचालन क्षेत्र में और उसके आसपास पक्षी/पशु उपद्रव को रोकने के लिए हवाईअड्डे पर उचित व्यवस्थाएं की जाएंगी।

4.2.2. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि या भावी कमीशनिंग अवधि के दौरान, जैसा भी मामला हो, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम):

i. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि या भावी कमीशनिंग अवधि के प्रारंभ होने के चौदह (14) दिनों के भीतर, जैसा भी मामला हो, भा.वि.प्रा. को लिखित रूप में पुष्टि करेगा कि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण की आपूर्ति और स्थापना कर दी गई है। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को लिखित रूप में यह भी पुष्टि करेगा कि हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि तक प्रारंभिक चरण के लिए अपेक्षित ऐसे उपकरणों का परीक्षण कर लिया गया है और संचालन हेतु अनुमोदित कर दिया गया है;

ii. भा.वि.प्रा. को उसके कर्मियों, वाहनों और एजेंटों के लिए हवाईअड्डे तक ऐसी पहुंच प्रदान करेगा जो भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा उचित रूप से अपेक्षित हो;

iii. भा.वि.प्रा. को भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं को निष्पादित करने में सक्षम बनाने हेतु पर्याप्त विद्युत शक्ति और पानी की निरंतर आपूर्ति प्रदान करेगा;

iv. इस सीमा तक कि भा.वि.प्रा. यह निर्धारित करता है कि, हवाईअड्डे के विस्तार के परिणामस्वरूप, हवाईअड्डे पर विद्युत शक्ति की अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति की आवश्यकता है, भा.वि.प्रा. अपनी अतिरिक्त आवश्यकताओं के बारे में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सूचित करेगा और दोनों पक्ष भा.वि.प्रा. द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति के संबंध में विचार-विमर्श करने और समझौते पर पहुंचने का प्रयास करने के लिए बैठक करेंगे; तथा

v. भा.वि.प्रा. और/या उसके कर्मियों को ऐसी जानकारी प्रदान करेगा जो वे भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के लिए उचित रूप से अपेक्षित कर सकते हैं;

vi. भा.वि.प्रा. को अपने दायित्वों को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए परिवहन और आवास (कार्यालय, आवासीय और नेविगेशनल एड्स/रडार के लिए भवन) प्रदान करेगा;

vii. एटीसी में एसटीडी सुविधा युक्त डायरेक्ट टेलीफोन भा.वि.प्रा. को प्रदान करेगा।

4.3. भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाएं

4.3.1. प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि और किसी भी भावी कमीशनिंग अवधि के दौरान, तथा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा निर्धारित हवाई अड्डा संचालन परीक्षणों के दौरान, भा.वि.प्रा.:

i. खंड 4.2.1 के अनुसार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से प्राप्त नोटिस की प्राप्ति के चौदह (14) दिनों के भीतर लिखित रूप में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को पुष्टि करेगा कि सभी भा.वि.प्रा. उपकरणों की आपूर्ति और स्थापना कर दी गई है और भा.वि.प्रा. उपकरण ईपीसी ठेकेदारों द्वारा प्रदान किए गए उपकरणों के साथ संगत हैं;

ii. सभी भा.वि.प्रा. उपकरणों का परीक्षण और कमीशनिंग करेगा ताकि वे पूरी तरह से प्रचालन योग्य हों;

iii. भा.वि.प्रा. उपकरणों को भा.वि.प्रा. द्वारा संचालित किसी भी प्रासंगिक हवाई नेविगेशन और मौसम विज्ञान उपकरणों और प्रणालियों के साथ तथा अपेक्षित सीमा तक ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ एकीकृत करने के लिए आवश्यक सभी कदम उठाएगा। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ ऐसे एकीकरण की कोई भी लागत ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन की जाएगी;

iv. भा.वि.प्रा. उपकरणों को कमीशन करने के लिए आवश्यक ऐसी अंशांकन (कैलिब्रेशन) उड़ानें संचालित करेगा और व्यावहारिक सीमा तक, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के साथ उन उड़ानों का समन्वय करेगा ताकि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उसी समय ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरणों को कैलिब्रेट करने में सक्षम हो सके। संदेह के निवारण के लिए, भा.वि.प्रा. अपने उपकरणों को कैलिब्रेट करने के लिए ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा किए गए खर्च के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरण को कैलिब्रेट करने के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा किए गए खर्च की वसूली ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से की जाएगी;

v. जहां उपयुक्त हो, हवाईअड्डे को कमीशन करने के लिए आवश्यक किसी भी जांच और प्रक्रियाओं के निष्पादन में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और डीजीसीए की सहायता करेगा;

vi. आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) के अनुसार हवाईअड्डे पर तथा हवाईअड्डे के आसपास के हवाई क्षेत्र में विमानों के सुरक्षित, त्वरित और व्यवस्थित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक भा.वि.प्रा. सेवाओं से संबंधित ऐसी सभी प्रक्रियाओं, पुस्तिकाओं और चार्टों को तैयार और प्रकाशित करेगा;

vii. आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों के अनुसार तथा समग्र वायुक्षेत्र प्रबंधन, रक्षा की आवश्यकताओं और उड़ान सूचना क्षेत्र (एफआईआर) जिसमें यह संचालित होता है, के अनुरूप..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के साथ प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया और घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया पर पारस्परिक रूप से सहमति व्यक्त करेगा; तथा

viii. हवाईअड्डे पर किसी भी परीक्षण संचालन के दौरान..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और अन्य एजेंसियों को ऐसी सहायता प्रदान करेगा जो उचित रूप से अपेक्षित हो।

4.3.2. भा.वि.प्रा., भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के दौरान, ईपीसी ठेकेदारों को यह सुनिश्चित करने के लिए ऐसी उचित सहायता प्रदान करेगा जो यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो कि भा.वि.प्रा. उपकरण ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ पर्याप्त रूप से एकीकृत हैं।

4.3.3. खंड 4.3.1 के अनुसार भा.वि.प्रा. कमीशनिंग सेवाओं के निष्पादन के बाद और प्रारंभिक कमीशनिंग अवधि या भावी कमीशनिंग अवधि, जैसा भी मामला हो, की समाप्ति से पहले, भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को लिखित रूप में पुष्टि करेगा कि भा.वि.प्रा. उपकरण पूरी तरह से प्रचालन योग्य हैं और ..... (विमानपत्तन

कंपनी का नाम) के उपकरणों के साथ एकीकृत हैं और यह कि भा.वि.प्रा. उपकरण ऐसे हैं कि भा.वि.प्रा. प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं का निष्पादन कर सकता है।

5. सेवाओं का दायरा - प्रचालन चरण

5.1. भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाएं

भा.वि.प्रा. हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि से और इसमें सम्मिलित करते हुए, प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार एक पाली (शिफ्ट) प्रचालन के साथ प्रारंभ करेगा।

5.1.1. अनुसूची 3 में परिभाषित अनुसार त्रैमासिक लागत वसूली आधार पर सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करेगा; और भा.वि.प्रा. तथा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच पारस्परिक समझौते के आधार पर बहु-पाली (मल्टी-शिफ्ट) संचालन को पूरा करने के लिए अपनी सीएनएस/एटीएम सेवाओं का विस्तार करेगा;

5.1.2. भा.वि.प्रा. उपकरणों का रखरखाव करेगा जिसमें भा.वि.प्रा. उपकरणों का आवधिक उड़ान अंशांकन (कैलिब्रेशन) और अन्य परीक्षण करना सम्मिलित है;

5.1.3. प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रासंगिक प्रावधानों का कम से कम पालन करने के लिए समय-समय पर भा.वि.प्रा. उपकरणों का उन्नयन करेगा;

5.1.4. हवाईअड्डे पर प्रासंगिक सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने में भा.वि.प्रा. को सक्षम बनाने के लिए समय-समय पर अपेक्षित ऐसे उपकरणों की खरीद करेगा;

5.1.5..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर, हवाईअड्डे पर ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा अपेक्षित संशोधन/विस्तार/उन्नयन के कारणों से इसकी प्रचालन सुविधा के लिए भा.वि.प्रा. उपकरणों को स्थानांतरित करेगा, बशर्ते कि इस प्रकार के स्थानांतरण से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के दायित्वों और/या हवाईअड्डे के सुचारू संचालन पर कोई प्रभाव न पड़े;

5.1.6. वायु यातायात के सुरक्षित, त्वरित और व्यवस्थित प्रवाह के लिए आवश्यक ऐसी प्रक्रियाओं की समय-समय पर समीक्षा करेगा;

5.1.7. समय-समय पर सहमत अनुसार हवाई अड्डा समुदाय नेटवर्क के माध्यम से सहमत प्रारूप, आवृत्ति और वितरण पद्धति में दैनिक, साप्ताहिक और मासिक गतिविधियों के लिए

हवाई यातायात संचलन के सभी आंकड़े..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को प्रदान करेगा; तथा

5.1.8. ऐसी जानकारी प्रदान करेगा और उसका रिकॉर्ड रखेगा तथा प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया और घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया के तहत अपेक्षित नोटिस..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और वैमानिकों (Airmen) को जारी करेगा, जिसमें सीएनएस/एटीएम सेवा का बंद होना सम्मिलित है;

5.1.9. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर, यदि आवश्यक हो, तो हवाईअड्डे से जुड़े यातायात को सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने हेतु ऐसे मार्गस्थ (एन-रूट) उपकरण प्रदान करेगा।

5.2. एटीएम-मार्गस्थ (एन-रूट) और अन्य सेवाएं (यदि आवश्यक हो)

यदि भा.वि.प्रा. को आवश्यकता हो, तो वह ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की पूर्व सहमति प्राप्त करने के अधीन (जिसे अनुचित रूप से रोका नहीं जाएगा), मार्गस्थ विमान संचालन सेवाएं प्रदान करने के लिए आवश्यक किसी भी उपकरण या सुविधाओं को हवाईअड्डे पर या स्थल पर स्थापित कर सकता है। हवाईअड्डे पर ऐसे उपकरण या अन्य सुविधाओं को स्थापित करने में, भा.वि.प्रा. हवाईअड्डे के सामान्य संचालन में किसी भी प्रकार के व्यवधान से बचने के लिए उचित उपाय करेगा। संदेह के निवारण के लिए, भा.वि.प्रा. हवाईअड्डे के सामान्य प्रचालन में किसी भी व्यवधान के लिए उत्तरदायी नहीं ठहराया जाएगा जो सीधे ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के कृत्यों के कारण उत्पन्न होता है। भा.वि.प्रा. यह सुनिश्चित करेगा कि उनके द्वारा निर्मित, संचालित या अनुरक्षित सभी भवन, कार्य या सुविधाएं (यदि कोई हों) समय-समय पर डिजाइन और वास्तुकला दिशानिर्देशों और मास्टर प्लान के अनुरूप हों।

5.3. विमानपत्तन कंपनी के प्रचालन दायित्व

हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि के बाद, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) निम्नलिखित कार्य करेगा:

5.3.1. यह सुनिश्चित करेगा कि प्रारंभिक चरण के लिए रनवे, टैक्सीवे, एप्रन और एप्रोच का निर्माण किया गया है और हवाईअड्डे पर प्रस्तावित विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार उनका रखरखाव किया जाएगा और वे विमान संचालन के लिए उपलब्ध हैं;

5.3.2. यह सुनिश्चित करेगा कि रनवे के लिए पट्टियाँ, शोल्डर, स्टॉप वे और आरईएसए तथा प्रारंभिक चरण के लिए टैक्सीवे के लिए पट्टियाँ एवं शोल्डर निर्मित किए गए हैं और प्रस्तावित

विमान संचालन के लिए उपयुक्त प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार उनका रखरखाव किया जाएगा;

5.3.3. यह सुनिश्चित करेगा कि हवाईअड्डे की बाधा सीमा सतहों तथा एप्रोच और टेक-ऑफ क्षेत्र को बाधाओं से मुक्त रखा जाएगा या नागर विमानन मंत्रालय की वेबसाइट पर भारत सरकार के राजपत्र SO84E में निहित प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार बाधाओं को अनुमेय सीमा तक सीमित रखा जाएगा, जिसके लिए संरचनाओं के अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) की स्वीकृति हेतु भा.वि.प्रा. से संपर्क किया जाएगा;

5.3.4. यह सुनिश्चित करेगा कि विभिन्न सीएनएस/एटीएम उपकरणों/सुविधाओं के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा पहचाने गए संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्रों को किसी भी बाधा से मुक्त रखा जाएगा और इन क्षेत्रों में किसी भी बाधा की अनुमति नहीं दी जाएगी जिससे इन उपकरणों/सुविधाओं के कामकाज में बाधा उत्पन्न हो सकती है और विमान संचालन की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है;

5.3.5. यह सुनिश्चित करेगा कि प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार बचाव और अग्निशमन सेवाओं की उपयुक्त श्रेणी उपलब्ध कराई जाएगी और उसका रखरखाव किया जाएगा;

5.3.6. यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन क्षेत्र में और उसके आसपास पक्षी/पशु उपद्रव को रोकने के लिए हवाईअड्डे पर उचित व्यवस्थाएं की गई हैं;

5.3.7. यह सुनिश्चित करेगा कि निम्नलिखित घटनाओं से निपटने के लिए हवाईअड्डे पर उपयुक्त आकस्मिक व्यवस्थाएं की गई हैं:

i. रनवे से अक्षम विमान को हटाना;

ii. विमान या हवाईअड्डे पर बम की धमकी;

iii. हवाईअड्डे के निकट और आसपास के क्षेत्र में विमान दुर्घटनाएं;

iv. गैर-अनुसूचित विमान का हवाईअड्डे पर आपातकालीन उतरना;

v. हवाईअड्डे पर आग लगना;

vi. प्राकृतिक आपदाएं और विपदाएं;

vii. हवाईअड्डे और आसपास के क्षेत्रों में औद्योगिक अशांति;

viii. हवाईड्डे पर नागर विमानन के साथ गैर-कानूनी हस्तक्षेप से निपटने के लिए विमान अपहरण-रोधी उपाय;

ix. हवाईअड्डे पर टर्मिनल भवन या किसी परिचालन क्षेत्र पर चरमपंथियों का हमला।

5.3.8. यह सुनिश्चित करेगा कि सुविधा को आपातकालीन सेवाओं (अग्निशमन, चिकित्सा और पुलिस) तथा हवाई अड्डा प्रबंधक से जोड़ने के लिए आपातकालीन अलार्म घंटियाँ स्थापित की गई हैं;

5.3.9. भा.वि.प्रा. को उसके कर्मियों, वाहनों और एजेंटों के लिए हवाईअड्डे और सभी परिचालन क्षेत्रों तक ऐसी पहुंच प्रदान करेगा जो भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं के निष्पादन के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा उचित रूप से अपेक्षित हो;

5.3.10. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर भा.वि.प्रा. को प्रदान करेगा:

क. भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं को निष्पादित करने में सक्षम बनाने हेतु पर्याप्त विद्युत शक्ति और पानी की निरंतर आपूर्ति।

ख. भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं को निष्पादित करने में सक्षम बनाने के लिए पर्याप्त परिवहन सुविधा। प्रदान किए जाने वाले वाहनों की संख्या ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और भा.वि.प्रा. द्वारा पारस्परिक रूप से तय की जाएगी।

ग. ईपीएबीएक्स एक्सटेंशन, एटीसी में एसटीडी सुविधा युक्त ऑटो टेलीफोन, फैक्स, हॉटलाइन, सेल फोन।

5.3.11. इस सीमा तक कि भा.वि.प्रा. यह निर्धारित करता है कि, हवाईअड्डे के विस्तार के परिणामस्वरूप, हवाईअड्डे पर विद्युत शक्ति की अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति की आवश्यकता है, भा.वि.प्रा. अपनी अतिरिक्त आवश्यकताओं के बारे में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सूचित करेगा और दोनों पक्ष भा.वि.प्रा. द्वारा अपेक्षित अतिरिक्त स्टैंडबाय आपूर्ति के संबंध में विचार-विमर्श करने और समझौते पर पहुंचने का प्रयास करने के लिए बैठक करेंगे;

5.3.12. भा.वि.प्रा. और/या उसके कर्मियों को ऐसी जानकारी प्रदान करेगा जो वे भा.वि.प्रा. प्रचालन सेवाओं के निष्पादन के लिए उचित रूप से अपेक्षित करते हैं;

5.3.13. भा.वि.प्रा. सेवाओं के प्रावधान में हवाईअड्डे पर तैनात भा.वि.प्रा. कर्मियों और एजेंटों के लिए कार्यालय, आवासीय आवास और नेविगेशनल एड्स/रडार सुविधा के भवनों को हर समय उपलब्ध कराएगा;

5.3.14. अपने खर्च पर, प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था प्रणाली, मुख्य और स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति प्रणालियों का रखरखाव करेगा;

5.3.15. यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कर्मचारी और एजेंट, प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया के अनुसार, एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था प्रणाली में किसी भी विफलता या दोष और किसी भी .....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) उपकरण की अनुपलब्धता की सूचना भा.वि.प्रा. को ऐसी विफलता या दोष के बारे में पता चलते ही तुरंत देंगे;

5.3.16. आपातकालीन स्थिति को छोड़कर, दोनों पक्षों के बीच लिखित रूप में पारस्परिक सहमति के अनुसार प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया के अनुसार,..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा प्रदान की गई किसी भी बुनियादी संरचना या सुविधाओं के किसी भी प्रस्तावित बंद होने या वापस लेने के बारे में भा.वि.प्रा. को सूचित करेगा;

5.3.17. भा.वि.प्रा. के निर्देश पर, रनवे या आवागमन क्षेत्रों से किसी भी बाधा को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर हटाएगा और यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कर्मचारी और एजेंट ऐसी किसी भी बाधा की जानकारी मिलने पर प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया या घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया के अनुसार, जैसा भी मामला हो, भा.वि.प्रा. को सूचित करें;

5.3.18. हवाईअड्डे पर किसी भी परिवर्तन या संशोधन के कारणों से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर भा.वि.प्रा. उपकरणों को स्थानांतरित करेगा;

5.3.19. उन्नयन या विस्तार के मामले में..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) उन भा.वि.प्रा. उपकरणों की कुल लागत वहन करेगा जो आईसीएओ की सिफारिशों से अधिक हैं और जिनका अनुरोध ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा किया गया है;

5.3.20. विमान के आगमन के अनुमानित समय (ईटीए) की प्राप्ति पर विमानों के लिए पार्किंग बे और एयरोब्रिज आवंटित करेगा और भा.वि.प्रा. को सूचित करेगा तथा भा.वि.प्रा. विमान को तद्नुसार निर्देशित करेगा।

6. सुविधा में परिवर्तन

6.1. परिवर्तन हेतु अनुरोध

यदि भा.वि.प्रा. को प्रभावी तिथि के बाद सुविधा और/या कार्यालय आवास में किसी परिवर्तन या फेरबदल की आवश्यकता होती है, तो वह ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को लिखित रूप में ऐसी आवश्यकताओं के बारे में सूचित करेगा जिसमें अनुरोध किए जा रहे परिवर्तन या फेरबदल का पूरा विवरण और ऐसे परिवर्तन या फेरबदल के कारण दिए जाएंगे।

6.2. ऐसे परिवर्तन जिनसे विमानपत्तन कंपनी की लागत प्रभावित न होती हो

यदि खंड 6.1 के अनुसरण में भा.वि.प्रा. द्वारा अनुरोधित परिवर्तन या फेरबदल से प्रारंभिक चरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है, विलंब नहीं होता है या व्यवधान नहीं पड़ता है, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) परिवर्तन को लागू करने के लिए ऐसे कदम उठाएगा जो उचित रूप से आवश्यक हों।

7. राजस्व और प्रभार

7.1. मार्ग संचालन सुविधा शुल्क

भा.वि.प्रा., संबंधित सेवाओं के निष्पादन के प्रतिफल स्वरूप, एयरलाइनों से सीधे मार्ग संचालन सुविधा शुल्क (RNFC) वसूल करने का हकदार होगा और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ऐसे शुल्कों के संबंध में कोई देनदारी नहीं उठाएगा।

7.2. टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क

एयरलाइनों द्वारा देय टर्मिनल नेविगेशन लैंडिंग शुल्क का भुगतान एयरलाइनों द्वारा सीधे भा.वि.प्रा. को किया जाएगा और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ऐसे शुल्कों के संबंध में कोई देनदारी नहीं उठाएगा।

7.3. संग्रहण

भा.वि.प्रा. द्वारा मार्ग संचालन सुविधा शुल्क या टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग शुल्क में से किसी एक को एकत्र करने में विफलता और/या किसी एयरलाइन द्वारा भुगतान न किया जाना किसी भी तरह से या किसी भी रूप में भा.वि.प्रा. को भा.वि.प्रा. सेवाओं के निष्पादन या खंड 7.4 में निर्धारित शुल्क का भुगतान करने के उसके दायित्व से मुक्त नहीं करेगा। बशर्ते कि किसी विशेष एयरलाइन द्वारा भा.वि.प्रा. को मार्ग संचालन सुविधा शुल्क और/या टर्मिनल नेविगेशनल लैंडिंग शुल्क का भुगतान करने में बार-बार चूक करने की स्थिति में, भा.वि.प्रा. को ऐसी एयरलाइन को भा.वि.प्रा. सेवाएं प्रदान न करने का पूरा अधिकार होगा और इसे इस करार में यथा-प्रावधानित भा.वि.प्रा. की ओर से भा.वि.प्रा. सेवाओं के निष्पादन में चूक नहीं माना जाएगा।

7.4. सीएनएस-एटीएम सेवा प्रभार

पैरा 5.1 में उल्लिखित सीएनएस-एटीएम सेवाओं का प्रावधान लागत वसूली के आधार पर होगा। ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) प्रत्येक वर्ष के 15 जनवरी/अप्रैल/जुलाई/अक्टूबर तक सीएनएस/एटीएम सेवाओं की त्रैमासिक, अनुमानित लागत अग्रिम रूप से जमा करेगा। तथापि, पिछले वर्ष के दौरान भा.वि.प्रा. द्वारा एकत्र किए गए

टीएनएलसी (TNLC) को उस वर्ष के दौरान सीएनएस/एटीएम सेवाएं प्रदान करने की वास्तविक लागत से काट लिया जाएगा। किसी भी घाटे के मामले में उसे ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा वहन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त,.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को सीएनएस/एटीएम सेवाओं की छह महीने की लागत के बराबर बैंक गारंटी देगा। यह बैंक गारंटी प्रारंभ में 2 वर्ष की अवधि के लिए होगी, जिसे अवधि की समाप्ति पर समय-समय पर नवीनीकृत किया जाएगा।

7.5. भा.वि.प्रा. द्वारा देय किराया शुल्क

अनुसूची 2 में निर्धारित सुविधा और कार्यालय आवास प्रदान करने के प्रतिफल के रूप में आवासीय आवास को छोड़कर भा.वि.प्रा. द्वारा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को कोई किराया शुल्क देय नहीं होगा।

8. सेवाओं के मानक और निष्पादन में विफलता

8.1. सेवाओं के मानक

8.1.1. भा.वि.प्रा. हर समय प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निर्धारित प्रासंगिक मानकों के अनुसार भा.वि.प्रा. सेवाएं प्रदान करेगा और कार्य जमा (वर्क डिपॉजिट) के माध्यम से भा.वि.प्रा. सेवाओं या भा.वि.प्रा. उपकरणों के प्रावधान के संबंध में सभी खर्च वहन करने के लिए ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से अपेक्षा करेगा।

8.1.2. भा.वि.प्रा. यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कर्मी, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के खर्च पर,..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा किसी भी समय शुरू किए गए किसी भी गुणवत्ता सुधार उपायों में, यदि आवश्यक हो, भाग लेंगे और रियायत करार द्वारा अपेक्षित सेवा स्तर मानकों को प्राप्त करने और बनाए रखने में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की सहायता करेंगे।

8.2. गैर-हस्तक्षेप

भा.वि.प्रा. हवाईअड्डे के डिजाइन, निर्माण, कमीशनिंग, पूर्णता, विकास, वित्तपोषण और/या रखरखाव में हस्तक्षेप नहीं करेगा, बाधा नहीं डालेगा या कोई व्यवधान उत्पन्न नहीं करेगा, और यह सुनिश्चित करेगा कि उसके कार्मिक और एजेंट भी ऐसा न करें, तथा हवाई अड्डा उद्घाटन तिथि के बाद, सिवाय इसके कि जैसा भा.वि.प्रा. सेवाओं के प्रावधान के लिए आवश्यक हो, हवाईअड्डे के संचालन में किसी भी प्रकार से हस्तक्षेप या बाधा नहीं डालेगा।

8.3. क्षतिपूर्ति

8.3.1. प्रत्येक पक्ष दूसरे पक्ष और उसके ठेकेदारों, प्रिंसिपलों और एजेंटों को किसी भी पक्ष के दायित्वों के निष्पादन (चाहे कृत्य द्वारा या चूक द्वारा) से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से, पूर्णतः या अंशतः उत्पन्न होने वाले तीसरे पक्षों के दावों के परिणामस्वरूप होने वाले नुकसान, लागत, व्यय, देनदारी या नुकसानी के बराबर सभी भुगतानों से और उनके विरुद्ध क्षतिपूर्ति करेगा, बचाव करेगा और हानिरहित रखेगा (अपरिहार्य घटना घटित होने को छोड़कर), जिसमें व्यक्तियों की मृत्यु या चोट के दावे अथवा संपत्ति के नुकसान या संपत्ति के नुकसान के दावे शामिल हैं।

8.3.2. देयता

पक्षों का आशय है कि इस करार में निहित अधिकार, दायित्व और देनदारियां इस करार से या इसके संबंध में उत्पन्न होने वाले पक्षों के अधिकारों, दायित्वों और देनदारियों का एक संपूर्ण विवरण होंगी। तद्नुसार, इस करार में और इसके अनुसरण में निष्पादित किसी भी दस्तावेज में स्पष्ट रूप से बताए गए उपचार इस करार से या इसके संबंध में उत्पन्न होने वाली एक-दूसरे के प्रति देनदारियों के लिए पक्षों के एकमात्र और अनन्य उपचार होंगे, जिसमें इसके संबंध में दिए गए किसी भी प्रतिनिधित्व, वारंटी या वचनबद्धता शामिल हैं, भले ही कानून या साम्या (इक्विटी) में अन्यथा कोई उपचार उपलब्ध हो।

9. अपरिहार्य घटना

9.1. अपरिहार्य घटना

खंड 9 तब लागू होगा यदि इस करार के तहत किसी पक्ष ("प्रभावित पक्ष") द्वारा अपने दायित्वों का निष्पादन अनुसूची 4 में परिभाषित अपरिहार्य घटना के कारण पूर्णतः या अंशतः बाधित, अवरुद्ध या विलंबित होता है।

9.2. अपरिहार्य घटना के परिणाम

9.2.1. निष्पादन दायित्व: प्रभावित पक्ष इस करार के तहत या इसके अनुसरण में किसी भी दायित्व का पालन करने में किसी भी विफलता या अनुपालन में देरी के लिए उत्तरदायी नहीं होगा और उसे उस सीमा तक अपने दायित्वों का पालन करने की आवश्यकता नहीं होगी जिस सीमा तक ऐसी विफलता या देरी सीधे तौर पर अपरिहार्य घटना के किसी भी कारण से हुई हो और विशेष रूप से, लेकिन बिना किसी सीमा के, ऐसे किसी भी दायित्व के निष्पादन के लिए अनुमत समय तद्नुसार बढ़ाया जाएगा।

9.2.2. अधिसूचना: यदि प्रभावित पक्ष यह दावा करता है कि उसे अपरिहार्य घटना की किसी घटना के कारण इस करार के तहत अपने किसी भी दायित्व को पूरा करने से रोका गया है,

तो वह दावे के आधार और परिणामों का उल्लेख करते हुए अन्य पक्षों को लिखित रूप में यथाशीघ्र सूचित करेगा।

9.2.3. शमन: प्रभावित पक्ष अपरिहार्य घटना के प्रभाव को कम करने के लिए सभी उचित कदम उठाएगा।

10. समाप्ति

10.1. विमानपत्तन कंपनी समाप्ति की घटनाएं

भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को समाप्ति की सूचना जारी करने का हकदार होगा, यदि:

i. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) इस करार के तहत उसे देय किसी भी राशि का देय और देय तिथि पर भुगतान करने में विफल रहता है और ऐसी विफलता भा.वि.प्रा. से चूक निर्दिष्ट करने और इसे सुधारने की मांग करने वाली सूचना प्राप्त होने के बीस (20) दिनों के भीतर सुधारी नहीं जाती है;

ii.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) के परिसमापन, दिवालियापन या विघटन के लिए कोई आदेश पारित किया जाता है या कोई प्रस्ताव पारित किया जाता है, जो यदि ऐसा होने में सक्षम है, तो उसके नब्बे (90) दिनों के भीतर उन्मोचित या रद्द नहीं किया जाता है;

iii.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) इस करार में किसी भी दायित्व (पैसे का भुगतान करने के दायित्व के अलावा) को पूरा करने या उसका पालन करने में इस हद तक विफल रहता है जिसका भा.वि.प्रा. के अधिकारों और दायित्वों पर भौतिक और प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और यदि सुधारे जाने में सक्षम है, तो ऐसी विफलता भा.वि.प्रा. से चूक निर्दिष्ट करने और इसे सुधारने की आवश्यकता वाली सूचना प्राप्त होने के बाद 7 दिनों की अवधि तक जारी रहती है। बशर्ते कि भा.वि.प्रा. समाप्ति की ऐसी सूचना जारी करने का हकदार नहीं होगा यदि उपर्युक्त (i), (ii) और/या (iii) में निर्धारित घटनाएं और/या परिस्थितियां अपरिहार्य घटना का परिणाम और/या परिणाम हैं;

iv. रियायत करार के तहत भारत सरकार द्वारा इस करार को समाप्त करने का निर्देश दिया जाता है;

v. यदि रियायत करार समाप्त हो जाता है;

और आगे प्रत्येक मामले में बशर्ते कि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समय पर उपचारात्मक कार्रवाई को भारत सरकार .....राज्य की सरकार या भा.वि.प्रा. द्वारा रोका न गया हो।

10.2. भा.वि.प्रा. समाप्ति की घटनाएं

..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. को समाप्ति की सूचना जारी करने का हकदार होगा, यदि लागू कानून रियायत करार में उपयुक्त संशोधनों के अधीन, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सीएनएस/एटीएम सेवाएं निष्पादित करने की अनुमति देता है।

10.3. समाप्ति सूचना का प्रभाव

यदि इस खंड 10 के अनुसरण में भा.वि.प्रा. या ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा समाप्ति की सूचना दी जाती है, तो समाप्ति की सूचना तामील होने की तिथि के नब्बे (90) दिनों की अवधि की समाप्ति के बाद किसी भी समय, जब तक कि समाप्ति की सूचना जारी करने वाली परिस्थितियों का पूरी तरह से निवारण न कर दिया गया हो या वे लागू न रह गई हों, समाप्ति की सूचना जारी करने वाला पक्ष तत्काल प्रभाव से इस करार को समाप्त कर सकता है।

10.4. समाप्ति के परिणाम

यदि यह करार ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) द्वारा इस खंड 10.2 के अनुसरण में समाप्त होता है और यह सुनिश्चित करने के लिए कि भा.वि.प्रा. सेवाओं की अनुपलब्धता के कारण हवाईअड्डे का संचालन बंद न हो, भा.वि.प्रा. सेवाओं के निष्पादन में भा.वि.प्रा. द्वारा तैयार किए गए सभी भा.वि.प्रा. उपकरणों, मैनुअल, चार्ट और अन्य ज्ञापनों को पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर "जैसा है जहां है" की स्थिति में भारत सरकार को तुरंत सौंप देगा ताकि भारत सरकार को भा.वि.प्रा. अधिनियम, 1994 की धारा 38 के अनुसार तुरंत कार्रवाई करने में सक्षम बनाया जा सके। भा.वि.प्रा. उपरोक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा।

तत्पश्चात यह पूरी तरह से ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के विवेक पर होगा कि वह भारत सरकार से परामर्श करके ऐसे उचित कदम उठाए जो वह हवाईअड्डे में भा.वि.प्रा. द्वारा प्रदान की जाने वाली भा.वि.प्रा. सेवाओं के समकक्ष सेवाएं किसी तीसरे पक्ष के माध्यम से प्रदान किए जाने के लिए उपयुक्त समझे। भा.वि.प्रा. उपरोक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेगा। यह इस करार के तहत उपलब्ध किसी भी पक्ष के अधिकार या उपचार पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना होगा।

11. समनुदेशन

11.1. भा.वि.प्रा. द्वारा समनुदेशन

इसमें निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की पूर्व लिखित सहमति के बिना इस करार के तहत अपने सभी या किसी भी अधिकार या दायित्व को समनुदेशित या अन्यथा हस्तांतरित नहीं करेगा, बशर्ते कि भा.वि.प्रा. के अधिकारों या दायित्वों का ऐसा समनुदेशन या हस्तांतरण कानून के अधिनियमन के अनुसरण में हो। ऐसा समनुदेशिती या अंतरिती इस करार के निबंधनों और शर्तों से बाध्य होगा।

11.2. विमानपत्तन कंपनी द्वारा समनुदेशन

इसमें निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, लेकिन खंड 16.5 के अधीन रहते हुए, ... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. की पूर्व लिखित सहमति के बिना इस करार के तहत अपने अधिकारों या दायित्वों के सभी या किसी भी हिस्से को समनुदेशित या अन्यथा हस्तांतरित नहीं करेगा; तथापि, यह प्रावधान है कि ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ऐसी पूर्व लिखित सहमति के बिना, लेकिन भा.वि.प्रा. को पूर्व लिखित सूचना देकर:

i. इसके तहत अपने सभी या सारभूत रूप से सभी अधिकारों और दायित्वों को..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की संबद्ध संस्था को हस्तांतरित कर सकता है;

ii. इसके तहत अपने सभी या किसी भी हिस्से के अधिकारों और दायित्वों को..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) में स्वामित्व हितों के क्रेता को हस्तांतरित कर सकता है;

iii. किसी भी वित्तपोषण करार जिसके तहत..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) ने धन उधार लिया है, देय राशियों के लिए संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में इस करार के तहत..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के अधिकारों को ऋणदाताओं को हस्तांतरित कर सकता है; अथवा

iv. रियायत करार की शर्तों के अनुसरण में इसके तहत अपने सभी या सारभूत रूप से सभी अधिकारों और दायित्वों को भारत सरकार को हस्तांतरित कर सकता है।

12. विवाद समाधान

12.1. बातचीत और सुलह

पक्षकार इस करार से उत्पन्न होने वाले, इसके संबंध में या इसके संदर्भ में पक्षों के बीच किसी भी विवाद, मतभेद, दावे, प्रश्न या विवाद ("विवाद") को बातचीत के माध्यम से आपस में सौहार्दपूर्ण ढंग से निपटाने के लिए अपने संबंधित उचित प्रयासों का उपयोग करेंगे।

12.2. मध्यस्थ को संदर्भ

विवादों के निपटारे के संबंध में प्रासंगिक स्वतंत्र नियामक प्राधिकरण कानून में निहित किसी भी बात के अधीन रहते हुए, कोई भी विवाद जिसे पक्षकार अनुच्छेद 12.1 के अनुसरण में किसी एक पक्ष द्वारा दूसरे को विवाद के अस्तित्व की लिखित अधिसूचना के साठ (60) दिनों (या ऐसी लंबी अवधि जिस पर पक्ष सहमत हो सकते हैं) के भीतर हल करने में असमर्थ हैं, उसे भारतीय मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 ("अधिनियम") और/या उसके किसी वैधानिक संशोधन के अनुसार तथा अधिनियम के अनुसार नियुक्त तीन मध्यस्थों द्वारा यूएनसीआईट्राल नियमों ("नियम") के अनुसार मध्यस्थता द्वारा अंतिम रूप से निर्धारित किया जाएगा।

12.3. विविध

मध्यस्थता का स्थान नई दिल्ली होगा। प्रत्येक पक्ष नियमों के अनुसार मध्यस्थता के खर्चों का भुगतान करेगा और लागत के लिए अंतिम दायित्व मध्यस्थता निर्णय (अवार्ड) की शर्तों के अनुसार होगा। कोई भी मध्यस्थ किसी भी पक्ष का वर्तमान या पूर्व कर्मचारी या एजेंट, या सलाहकार या वकील नहीं होगा अथवा किसी भी तरह से पक्षों से संबंधित या निकटता से जुड़ा हुआ नहीं होगा। मध्यस्थता की भाषा अंग्रेजी होगी।

12.4. निर्णय / अधिनिर्णय

इस खंड 12 के अनुसरण में नियुक्त मध्यस्थ अधिकरण का कोई भी निर्णय या अधिनिर्णय पक्षों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा। पक्ष सक्षम क्षेत्राधिकार की किसी भी अदालत या अधिकरण द्वारा ऐसे अधिनिर्णय की अपील या किसी भी समीक्षा के किसी भी अधिकार को त्यागते हैं, जहां तक ऐसा अधियाग (वेवर) वैध रूप से किया जा सकता है। पक्ष सहमत हैं कि दिया गया कोई भी मध्यस्थता निर्णय संबंधित पक्ष की संपत्तियों के विरुद्ध पक्षों द्वारा लागू किया जा सकता है, जहां कहीं भी वे संपत्तियां स्थित हैं या पाई जा सकती हैं, और किसी भी मध्यस्थता निर्णय पर निर्णय (जहां भी आवश्यक हो) उसके किसी भी सक्षम क्षेत्राधिकार के

न्यायालय द्वारा दर्ज किया जा सकता है। पक्ष किसी भी मध्यस्थता निर्णय के प्रवर्तन के प्रयोजनों के लिए ऐसी किसी भी अदालत के क्षेत्राधिकार को स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं।

13. बीमा का रखरखाव

13.1. भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) से लागत वसूली आधार / कार्य जमा आधार पर अपनी संपत्ति के नुकसान या क्षति, तीसरे पक्ष की देयता, कर्मकार क्षतिपूर्ति नीति और अच्छे उद्योग अभ्यास के अनुसार आवश्यक या विवेकपूर्ण समझे जाने वाले किसी अन्य बीमा को कवर करने के लिए आवश्यक बीमा हर समय प्रभावी और बनाए रखेगा,..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और ऋणदाताओं को इस करार के तहत भा.वि.प्रा. की बीमा पॉलिसियों के तहत सह-बीमाकृत नामित किया जाएगा।

13.2. पॉलिसियां: खंड 13.1 के तहत प्राप्त किए जाने और बनाए रखे जाने के लिए अपेक्षित बीमा के संबंध में कोई भी बीमा पॉलिसी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के तीस (30) दिनों के भीतर, भा.वि.प्रा. ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को सूचित करेगा कि ऐसे बीमा प्राप्त कर लिए गए हैं और ऋणदाताओं द्वारा अनुरोध किए जाने पर..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को ऐसे पॉलिसी प्रमाण पत्रों की प्रतियां, बीमा पॉलिसियों की प्रतियां और इस बात का साक्ष्य प्रस्तुत करेगा कि ऐसे बीमा के संबंध में बीमा प्रीमियम का भुगतान कर दिया गया है। किसी भी बीमा को तब तक रद्द, संशोधित या समाप्त/व्यपगत होने की अनुमति नहीं दी जाएगी जब तक कि भा.वि.प्रा. द्वारा ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) को ऐसे रद्दीकरण, संशोधन या गैर-नवीनीकरण की कम से कम पैंतालीस (45) दिनों की पूर्व सूचना न दे दी गई हो।

13.3. बीमा कराने में विफलता का उपचार: यदि भा.वि.प्रा. उन सभी बीमाओं को प्रभावी करने और लागू रखने में विफल रहता है जिनके लिए वह इसके अनुसार उत्तरदायी है, तो ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के पास ऐसे किसी भी बीमा को लागू रखने, और ऐसे प्रीमियम का भुगतान करने तथा उसकी लागत भा.वि.प्रा. से वसूल करने का विकल्प होगा।

13.4. बीमा प्राप्तियों का उपयोग: भौतिक क्षति से असंबंधित बीमा प्राप्तियों को छोड़कर, करार के तहत भा.वि.प्रा. को भुगतान किए गए सभी बीमा दावों का उपयोग क्षतिग्रस्त संपत्ति के पुनर्निर्माण के लिए किया जाएगा।

14. सूचनाएं

14.1. लिखित संचार

प्रचालन रिपोर्टिंग प्रक्रिया और घटना रिपोर्टिंग प्रक्रिया के संबंध को छोड़कर, इस करार के तहत या इसके संबंध में किया जाने वाला कोई भी संचार लिखित रूप में किया जाएगा और, जब तक अन्यथा न कहा गया हो, फैक्स या पत्र द्वारा किया जा सकता है।

14.2. पते

इस करार के तहत या इसके संबंध में किए जाने वाले या दिए जाने वाले किसी भी संचार या दस्तावेज के लिए प्रत्येक पक्ष का पता और फैक्स नंबर (और विभाग या अधिकारी, यदि कोई हो, जिसके ध्यानार्थ संचार किया जाना है) निम्नानुसार है:

..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम):

फैक्स सं.: .....

ध्यानार्थ: .....

भा.वि.प्रा.:

राजीव गांधी भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली - 110 003, भारत

फैक्स: [011 24641088]

ध्यानार्थ: अध्यक्ष

या कोई वैकल्पिक पता, फैक्स नंबर या विभाग या अधिकारी जिसे पक्ष कम से कम पांच कार्य दिवसों की पूर्व सूचना देकर दूसरे पक्ष को सूचित कर सकता है।

15. मानी गई डिलीवरी

इस करार में अन्यथा प्रदान किए गए के अधीन, इस करार के तहत या इसके अनुसरण में कोई भी संचार प्राप्तकर्ता द्वारा प्राप्त किया गया माना जाएगा (यदि फैक्स द्वारा भेजा गया है) उस स्थान पर अगले कार्य दिवस पर जहां यह भेजा गया है या (किसी अन्य मामले में) जब खंड 14.2 द्वारा अपेक्षित पते पर छोड़ दिया गया हो या पंजीकृत डाक द्वारा डाक शुल्क पूर्व-भुगतान करके उस पते पर भेजे जाने के 10 ऐसे कार्य दिवसों के भीतर प्राप्त माना जाएगा। इन प्रयोजनों के लिए, कार्य दिवस शनिवार, रविवार और राजपत्रित अवकाशों के अतिरिक्त अन्य दिन हैं।

16. विविध

16.1. पृथक्करणीयता

इस करार के पूर्वगामी अनुभागों या प्रावधानों में से किसी की भी पूर्ण या आंशिक रूप से अमान्यता या अप्रवर्तनीयता, ऐसे अनुभागों या प्रावधानों के शेष भाग की वैधता या प्रवर्तनीयता को प्रभावित नहीं करेगी। यदि इस करार का कोई महत्वपूर्ण प्रावधान अमान्य या अप्रवर्तनीय माना जाता है, तो पक्ष ऐसे अमान्य या अप्रवर्तनीय प्रावधान को बदलने के लिए सद्भावपूर्वक नए प्रावधानों पर तुरंत फिर से बातचीत करेंगे ताकि इस करार को यथासंभव इसके मूल आशय और प्रभाव में बहाल किया जा सके।

16.2. संपूर्ण करार

इस करार में, इसकी किसी भी अनुसूची या संलग्नक सहित, इस करार की विषय-वस्तु के संबंध में भा.वि.प्रा. और ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के बीच संपूर्ण करार सम्मिलित है और ऐसी विषय-वस्तु के संबंध में अन्य सभी लिखित या मौखिक समझौतों को अधिक्रमित करता है।

16.3. संशोधन

कोई भी संशोधन, परिवर्तन या अन्य बदलाव किसी भी पक्ष पर तब तक बाध्यकारी नहीं होगा जब तक कि दोनों पक्षों द्वारा लिखित रूप में सहमति न दी गई हो।

16.4. अतिरिक्त दस्तावेज और कार्रवाइयां

16.4.1..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) वाणिज्यिक प्रचालन प्रारंभ करने में सक्षम बनाने हेतु दो वर्ष की प्रारंभिक अवधि के लिए डीजीसीए से हवाई अड्डा लाइसेंस प्राप्त करने के लिए और उसके बाद तुरंत पूर्ववर्ती दो वर्ष की अवधि के लिए जारी हवाई अड्डा लाइसेंस की समाप्ति से पहले दो वर्ष की अतिरिक्त अवधि के लिए इसके नवीनीकरण हेतु सभी आवश्यक कदम उठाएगा। समय-समय पर ऐसे लाइसेंस को प्राप्त करने, नवीनीकृत करने और बनाए रखने के लिए, भा.वि.प्रा. किसी भी लाइसेंस को प्राप्त करने के लिए अपेक्षित अपने सभी उत्तरदायित्वों को पूरा करेगा और किसी भी जांच और प्रक्रियाओं के निष्पादन में ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) और डीजीसीए की सहायता करेगा तथा सीएनएस-एटीएम सेवाओं के संबंध में डीजीसीए के सभी नुस्खों/निर्देशों का पालन करेगा।

16.4.2. प्रत्येक पक्ष दूसरे पक्ष को ऐसे अतिरिक्त दस्तावेजों को निष्पादित करने और सौंपने के लिए सहमत होता है, और ऐसी अतिरिक्त कार्रवाई करने और ऐसा सहयोग प्रदान करने

के लिए सहमत होता है, जो इस करार द्वारा परिकल्पित लेन-देन को पूरा करने और इसके आशय को प्रभावी करने के लिए उचित रूप से आवश्यक हो सकता है।

16.5. प्रत्यक्ष करार

भा.वि.प्रा. ऋणदाताओं के अनुरोध पर, ऋणदाताओं के साथ पर्याप्त रूप से इस करार के साथ अनुसूची 5 के रूप में संलग्न प्रारूप में एक प्रत्यक्ष करार निष्पादित करेगा, जिसके तहत, अन्य बातों के साथ-साथ, भा.वि.प्रा. करार के तहत अपने समाप्ति के अधिकारों का प्रयोग करने के अपने किसी भी इरादे की पूर्व सूचना देने, ऐसे ऋणदाताओं को ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की ओर से हुई चूक को सुधारने का अधिकार देने, और/या ऐसे ऋणदाताओं को कुछ परिस्थितियों में स्वयं को प्रतिस्थापित करने या करार के तहत..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) के दायित्वों को पूरा करने और लाभों का उपभोग करने के लिए एक तीसरे पक्ष के स्थानापन्न को नियुक्त करने की अनुमति देने के लिए सहमत होता है।

16.6. विलंबित भुगतान हेतु ब्याज

इस करार के अनुसरण में किसी पक्ष को उचित रूप से देय कोई भी राशि और भुगतान देय होने की तिथि के बाद अदत्त रहने पर ब्याज देय होगा (निर्णय से पहले और बाद में दोनों), ऐसा ब्याज भुगतान देय होने की तिथि से लेकर ऐसी राशि का पूर्ण भुगतान होने तक दैनिक आधार पर अर्जित होगा, जिसकी दर समय-समय पर प्रभावी भारतीय रिज़र्व बैंक की प्रधान ऋण दर से दो (2) प्रतिशत अंक अधिक होगी।

16.7. कोई भागीदारी नहीं

न तो यह करार और न ही कोई अन्य करार या व्यवस्था जिसका यह हिस्सा है, और न ही ऐसे किसी करार या व्यवस्था के तहत पक्षों द्वारा अपने संबंधित दायित्वों का निष्पादन, पक्षों के बीच भागीदारी (साझेदारी) का गठन करेगा। किसी भी पक्ष के पास किसी अन्य पक्ष को अपने एजेंट के रूप में या अन्यथा बाध्य करने का कोई अधिकार नहीं होगा (जब तक कि इस करार के आधार पर या अन्यथा लिखित रूप में स्पष्ट रूप से प्रदान न किया गया हो और रद्द न किया गया हो)।

16.8. कोई तृतीय पक्ष लाभार्थी नहीं

यह करार इसके पक्षों के एकमात्र और अनन्य लाभ के लिए है और, इसके तहत ऋणदाताओं को स्पष्ट रूप से दिए गए अधिकारों को छोड़कर, किसी तीसरे पक्ष के साथ संविदात्मक संबंध नहीं बनाएगा, न ही किसी तीसरे पक्ष के पक्ष में कार्रवाई का कोई कारण उत्पन्न करेगा।

16.9. मूल प्रतियां (काउंटरपार्ट्स)

यह करार एक या अधिक मूल प्रतियों में निष्पादित किया जा सकता है, जिनमें से प्रत्येक को मूल माना जाएगा और वे सभी मिलकर एक ही करार माने जाएंगे।

16.10. समय का महत्व

समय इस करार का सार होगा, उल्लिखित तिथियों, अवधियों या दिन के समय के संबंध में और किसी भी तिथि, अवधि या दिन के समय के संबंध में भी जिन्हें इस करार के अनुसार उनके स्थान पर प्रतिस्थापित किया जा सकता है।

16.11. समय की गणना

इस करार में संदर्भित समय भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार है। इस करार के तहत निर्धारित या अनुमत किसी भी समय अवधि की गणना करने में, उस कृत्य, घटना या चूक का दिन जिससे निर्दिष्ट समय अवधि शुरू होती है, सम्मिलित किया जाएगा। यदि इस प्रकार गणना की गई अवधि का अंतिम दिन व्यावसायिक कार्य दिवस नहीं है, तो अवधि अगले व्यावसायिक कार्य दिवस के अंत तक चलेगी।

17. अधिशासी भाषा

इस करार के निर्वचन को नियंत्रित करने वाली भाषा अंग्रेजी भाषा है। किसी भी पक्ष द्वारा दूसरे को दिए जाने वाले सभी आवश्यक नोटिस और अन्य सभी संचार एवं दस्तावेज जो किसी भी तरह से इस करार के लिए प्रासंगिक हैं और जो इस करार के निष्पादन, कार्यान्वयन और समाप्ति के लिए प्रासंगिक हैं, जिनमें किसी भी विवाद समाधान की कार्यवाही सम्मिलित है किंतु सीमित नहीं है, अंग्रेजी भाषा में होंगे।

18. लागू कानून (अधिशासी विधि)

यह करार भारत के कानूनों द्वारा शासित होगा और उनके अनुसार इसका निर्वचन किया जाएगा।

19. भा.वि.प्रा. द्वारा प्रतिज्ञाएं

भा.वि.प्रा. बिना शर्त और अपरिवर्तनीय रूप से:

i. सहमत होता है कि, यदि इस करार या इस करार द्वारा परिकल्पित किसी भी लेन-देन के संबंध में किसी भी क्षेत्राधिकार में उसके या उसकी संपत्ति के विरुद्ध कोई कार्यवाही की जाती है, तो उसके द्वारा या उसकी ओर से स्वयं के संबंध में या उसकी संपत्ति के संबंध में ऐसी कार्यवाहियों से कोई उन्मुक्ति का दावा नहीं किया जाएगा;

ii. सामान्यतः किसी भी क्षेत्राधिकार में ऐसी किसी भी कार्यवाही में अपने विरुद्ध किसी भी निर्णय या अधिनिर्णय के प्रवर्तन के संबंध में किसी भी राहत देने या ऐसी कार्यवाहियों के संबंध में किसी भी प्रक्रिया को जारी करने के लिए सहमति देता है (जिसमें किसी भी संपत्ति के विरुद्ध या उसके संबंध में किसी भी निर्णय या अधिनिर्णय अथवा ऐसे किसी निर्णय या अधिनिर्णय से उत्पन्न किसी आदेश को देना, लागू करना या निष्पादित करना सम्मिलित है, भले ही उसका उपयोग या इच्छित उपयोग कुछ भी हो)।

जिसके साक्ष्य के रूप में यह करार प्रारंभ में उल्लिखित तिथि को निष्पादित किया गया है।

भा.वि.प्रा. की ओर से हस्ताक्षरित:

.....

..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) की ओर से
हस्ताक्षरित:.....

साक्षीगण:

(1) .....

(2) .....

अनुसूची 1

भाग 1: विमानपत्तन कंपनी उपकरण

1. रनवे
2. रनवे प्रकाश व्यवस्था और अंकन
3. टैक्सीवे
4. टैक्सीवे प्रकाश व्यवस्था और अंकन
5. साइनेज (संकेतक)
6. एप्रन
7. एप्रन प्रकाश व्यवस्था और अंकन
8. सुविधा
9. भा.वि.प्रा. उपकरणों से संबंधित सिविल कार्य (केवल नींव)
10. पीएपीआई और एप्रोच प्रकाश व्यवस्था
11. हवाई अड्डा बीकन (टॉवर पर)
12. लैंडिंग दिन और रात का अंकन
13. वायु दिशा सूचक (प्रकाशित)
14. आइसोलेशन बे
15. द्वितीयक विद्युत आपूर्ति
16. एटीसी और हवाईअड्डा अग्निशमन दल के बीच हॉटलाइन
17. क्रैश बेल, केबलिंग और सायरन
18. एयरफील्ड प्रकाश व्यवस्था के लिए नियंत्रण कक्ष और निगरानी प्रणाली
19. विजुअल एड्स का उन्नयन (भावी)
20. परिचालन क्षेत्र तक जाने वाले एप्रोच मार्ग के अलावा हवाई अड्डा नेविगेशन एड्स/रडार स्थल तक पहुंच मार्ग।
21. भा.वि.प्रा. कर्मियों और उसके एजेंटों के लिए कार्यालय और आवासीय आवास।
22. नेविगेशनल एड्स/रडार प्रतिष्ठानों के लिए भवन।
23. ईपीएबीएक्स एक्सटेंशन, एटीसी में एसटीडी सुविधा युक्त ऑटो टेलीफोन, फैक्स, हॉटलाइन और सेल फोन।
24. आईसीएओ विनिर्देशों के अनुसार सिग्नल क्षेत्र।
25. एटीसी टॉवर में प्रिंटर और इंटरनेट कनेक्शन युक्त कंप्यूटर।

भाग 2: भा.वि.प्रा. उपकरण

भा.वि.प्रा. प्रस्तावित विमान संचालन के लिए अपेक्षित प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार सीएनएस-एटीएम उपकरण प्रदान करेगा, जिसमें न्यूनतम निम्नलिखित उपकरण प्रदान किए जाएंगे:

1. सहायक उपकरणों सहित वीएचएफ संचार सेट
2. डीवीओआर/डीएमई या एनडीबी
3. वॉयस रिकॉर्डर

अनुसूची II

भा.वि.प्रा. कर्मियों और भा.वि.प्रा. उपकरणों के लिए कार्यालय और आवासीय आवास, कार पार्किंग और स्टैंडबाय विद्युत आपूर्ति

1. नियंत्रण टॉवर:.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) आवश्यकतानुसार विभिन्न एटीएस इकाइयों को रखने के लिए 21/32/50 वर्ग मीटर (यथा लागू) का क्षेत्र, तकनीकी ब्लॉक, नेव-एड्स और रडार भवन उपलब्ध कराएगा।

2. कार्यालय:.....(विमानपत्तन कंपनी का नाम) विनिर्दिष्ट वर्ग मीटर का क्षेत्र उपलब्ध कराएगा।

3. कार पार्किंग: ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) हवाईअड्डे पर 25 (पच्चीस) कार पार्किंग स्थल उपलब्ध कराएगा।

4. स्टैंडबाय आपूर्ति: ..... (विमानपत्तन कंपनी का नाम) भा.वि.प्रा. सेवाओं के प्रावधान हेतु हवाईअड्डे पर भा.वि.प्रा. को पर्याप्त स्टैंडबाय विद्युत क्षमता उपलब्ध कराएगा।

5. भा.वि.प्रा. कर्मियों और उसके एजेंटों के लिए आवासीय आवास।*

* भा.वि.प्रा. कर्मचारियों की ओर से आवासीय आवास के लिए भा.वि.प्रा. द्वारा भुगतान किया जाने वाला लाइसेंस शुल्क डीपीई के दिशानिर्देशों के अनुसार होगा।

अनुसूची III

सीएनएस/एटीएम सेवाएं

भा.वि.प्रा. ऐसे वायुक्षेत्र की क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर सीमाओं के भीतर वायुक्षेत्र विन्यास के लिए उपयुक्त हवाईअड्डे पर निम्नलिखित सेवाओं का प्रावधान और समन्वय करेगा:

i. हवाई अड्डा नियंत्रण सेवा जिसमें सतह संचलन नियंत्रण / एप्रन नियंत्रण सेवा शामिल है;

ii. एप्रोच नियंत्रण / एप्रोच रडार नियंत्रण सेवा (यदि नियोजित हो);

iii. क्षेत्र नियंत्रण / क्षेत्र रडार नियंत्रण सेवा (यदि नियोजित हो);

iv. संबद्ध सेवाएं जैसे वैमानिकी मोबाइल सेवा (एएमएस), वैमानिकी स्थिर सेवाएं (एएफएस), वैमानिकी सूचना सेवा (एआईएस), उड़ान सूचना सेवा, सलाहकार सेवा, सतर्कता सेवा और खोज एवं बचाव समन्वय सेवाएं, जैसा उपयुक्त हो।

ये सभी प्रासंगिक आईसीएओ अनुबंधों और दस्तावेजों (समय-समय पर यथा संशोधित) में निहित प्रावधानों के अनुसार और प्रस्तावित विमान संचालन के लिए अपेक्षित अनुसार प्रदान की जाएंगी।

अनुसूची IV

अपरिहार्य घटना (फोर्स मेज्योर) की परिभाषा

इस करार में, "अपरिहार्य घटना" (फोर्स मेज्योर) का अर्थ पैराग्राफ (क) में संदर्भित कोई भी ऐसा कृत्य, घटना या परिस्थिति अथवा कृत्यों, घटनाओं और परिस्थितियों का संयोजन है जो प्रभावित पक्ष के उचित नियंत्रण से परे हैं और जिन्हें प्रभावित पक्ष किसी भी सुविधा के निर्माण के संबंध में अच्छे उद्योग अभ्यास द्वारा या उचित कौशल और सावधानी का प्रयोग करके नहीं रोक सकता था, और जो, या जिनका कोई भी परिणाम, इस करार के तहत किसी भी पक्ष द्वारा अपने दायित्वों के निष्पादन को पूर्ण या आंशिक रूप से रोकता है, बाधित करता है या विलंबित करता है।

"अपरिहार्य घटना" में निम्नलिखित घटनाएं और परिस्थितियां उस सीमा तक शामिल हैं जहां तक वे, या उनके परिणाम, उपरोक्त आवश्यकताओं को संतुष्ट करते हैं:

ख. **निम्नलिखित प्रकार के कृत्य, घटनाएं या परिस्थितियां:**

i. भारत के भीतर कार्य के निष्पादन या भारत के भीतर वस्तुओं या सेवाओं की आपूर्ति पर नियोजित किसी भी पक्ष या उसके ठेकेदारों, या उनके संबंधित उप-ठेकेदारों, कर्मचारियों या एजेंटों से जुड़ी हड़तालें, तालाबंदी या अन्य औद्योगिक कार्रवाई या श्रम विवाद;

ii. आकाशीय बिजली, भूकंप, आंधी, चक्रवात, तूफान, बवंडर, तूफान, बाढ़, जलप्लावन, भूस्खलन, मिट्टी का कटाव, धंसाव, सूखा या पानी की कमी, और अन्य असामान्य या अत्यधिक प्रतिकूल मौसम या पर्यावरणीय परिस्थितियां या प्राकृतिक तत्वों के कृत्य, उल्कापिंड या विमान या अन्य हवाई उपकरणों से गिरने वाली वस्तुएं, सुपरसोनिक गति से यात्रा करने वाले विमान या अन्य हवाई उपकरणों के कारण उत्पन्न दबाव तरंगों का होना, आग या विस्फोट, रासायनिक या रेडियोधर्मी संदूषण या आयनकारी विकिरण (उन परिस्थितियों को छोड़कर जहां विस्फोट या संदूषण या विकिरण का स्रोत या कारण प्रभावित पक्ष द्वारा या प्रभावित पक्ष द्वारा नियोजित या संलग्न व्यक्तियों द्वारा स्थल पर या उसके पास लाया गया है या लाया गया था, जब तक कि यह हवाईअड्डे के किसी भी हिस्से के निर्माण या संचालन के लिए आवश्यक नहीं है या नहीं था);

iii. हवाईअड्डे पर कोई भी दुर्घटना;

iv. हवाईअड्डा उद्घाटन तिथि से पहले किसी भी साधन से पारगमन के दौरान हवाईअड्डे में समावेशन के लिए इच्छित कार्गो का कोई आकस्मिक नुकसान या क्षति;

v. हवाईअड्डे को क्षति या गंभीर आकस्मिक क्षति;

vi. महामारी;

vii. युद्ध का कृत्य (चाहे घोषित हो या अघोषित), आक्रमण, सशस्त्र संघर्ष या विदेशी शत्रु का कृत्य, नाकाबंदी, प्रतिबंध, क्रांति, दंगा, बम या नागरिक अशांति;

viii. तोड़फोड़, आतंकवाद या ऐसे कृत्यों की धमकी;

ix. दैवीय आपदा (एक्ट ऑफ गॉड); अथवा

x. पूर्वगामी के सदृश प्रकृति का कोई भी कृत्य, घटना या परिस्थिति;

ख. बशर्ते कि निम्नलिखित मामलों या उनके परिणामों में से कोई भी अपरिहार्य घटना का गठन या कारण बनने में सक्षम नहीं होगा:

i. कोई भी भुगतान करने में विफलता या असमर्थता; अथवा

ii. बाजार स्थितियों के प्रभाव जब तक कि ऐसी बाजार स्थितियां स्वयं किसी अपरिहार्य घटना के कारण उत्पन्न न हुई हों या उसका परिणाम न हों।

ग. और आगे बशर्ते कि:

उपरोक्त पैराग्राफ (क) में संदर्भित कोई कृत्य, घटना या परिस्थिति जो मुख्य रूप से किसी तीसरे पक्ष या तीसरे पक्षों को प्रभावित करती है (जिसमें बिना किसी सीमा के, हवाईअड्डे का निर्माण ठेकेदार या ऑपरेटर, किसी पक्ष की संबद्ध संस्था या किसी पक्ष या उसकी संबद्ध संस्था के उप-ठेकेदार शामिल हैं) जो किसी पक्ष को उसके दायित्वों के निष्पादन में रोकती है, बाधित करती है या विलंबित करती है, इस करार के तहत ऐसे पक्ष के लिए उपयुक्त रूप में अपरिहार्य घटना मानी जाएगी यदि और उस सीमा तक कि वह इस प्रकार की प्रकृति या चरित्र की हो कि यदि वह इस खंड पर निर्भर रहने के इच्छुक पक्ष के साथ घटित होती, तो वह इस अनुसूची 4 के तहत अपरिहार्य घटना की परिभाषा के अंतर्गत आती।

अनुसूची V

(सीए में सहमति के अनुसार उसी प्रारूप में होना है)

भा.वि.प्रा. प्रत्यक्ष करार का प्रारूप

विमानपत्तन कंपनी
पता
[अध्यक्ष]
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
राजीव गांधी भवन
सफदरजंग हवाई अड्डा परिसर, नई दिल्ली - 110 003

[तिथि]

प्रिय [अध्यक्ष महोदय],

हम भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ("भा.वि.प्रा.") और विमानपत्तन कंपनी ("कंपनी") के बीच दिनांक [.....] को निष्पादित सीएनएस/एटीएम सुविधाओं और सेवाओं के प्रावधान हेतु करार ("सीएनएस/एटीएम करार") का संदर्भ लेते हैं।

जैसा कि सीएनएस/एटीएम करार में परिकल्पित है, कंपनी वित्तपोषण करारों (जैसा कि सीएनएस/एटीएम करार में परिभाषित है और जिनकी प्रतियां आपको सौंप दी गई हैं) में प्रवेश करने का प्रस्ताव करती है, जिसके अनुसरण में सुरक्षित पक्षकारों (नीचे परिभाषित) ने ..... राज्य में ..... पर एक ग्रीनफील्ड हवाईअड्डे के विकास हेतु कंपनी को वित्तपोषण प्रदान करने पर सहमति व्यक्त की है।

ऐसे वित्तपोषण हेतु प्रतिभूति के रूप में, हम आपको एतद्द्वारा सूचित करते हैं कि कुछ बैंकों और वित्तीय संस्थानों ("ऋणदाताओं") के लाभ हेतु ट्रस्टी ("बंधक ट्रस्टी") के रूप में [.....] के पक्ष में निष्पादित किए जाने वाले बंधक ("बंधक") के अनुसरण में कंपनी ने ऋणदाताओं के लाभ के लिए बंधक ट्रस्टी को कंपनी की सभी संपत्तियों ("संपार्श्विक") में प्रथम वरीयता प्रतिभूति हित प्रदान किया है, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ, सीएनएस/एटीएम करार सम्मिलित है।

बंधक ट्रस्टी के साथ ऋणदाताओं को यहां "सुरक्षित पक्षकार" कहा गया है।

कंपनी अनुरोध करती है कि इस पावती और सहमति ("करार") की संलग्न प्रति पर हस्ताक्षर करके और लौटाकर, भा.वि.प्रा. सुरक्षित पक्षकारों के लाभ हेतु निम्नलिखित की पुष्टि करे और सहमति व्यक्त करे:

क) भा.वि.प्रा.:

i. बंधक की एक प्रति प्राप्त होने की पुष्टि करता है,

ii. सुरक्षित पक्षकारों को देय दायित्वों की प्रतिभूति के रूप में सीएनएस/एटीएम करार में कंपनी के सभी अधिकारों, हक और हितों के सुरक्षित पक्षकारों के लाभ हेतु बंधक के तहत समनुदेशन (और बंधक के तहत समनुदेशन में सक्षम न होने की सीमा तक, प्रभार) के लिए सहमति देता है,

iii. सहमत होता है कि ऐसे समनुदेशन (या जैसा भी मामला हो, प्रभार) सीएनएस/एटीएम करार का उल्लंघन नहीं करते हैं या नहीं करेंगे, तथा

iv. सहमत होता है कि इस करार का उसका निष्पादन और सुपुर्दगी ऐसे समनुदेशन (या जैसा भी मामला हो, प्रभार) और सीएनएस/एटीएम करार के खंड 11.2 में दिए गए अनुसार संभावित समनुदेशन के लिए उसकी उचित लिखित सहमति का गठन करती है।

ख) भा.वि.प्रा. सहमत है कि:

i. यदि बंधक ट्रस्टी ने सीएनएस/एटीएम करार के तहत कंपनी के स्थान पर स्वयं को या अपने नामित व्यक्ति को प्रतिस्थापित करने के लिए कंपनी द्वारा दिए गए प्रतिभूति हितों के अनुसरण में अपने अधिकारों का प्रयोग करने का विकल्प चुना है,

(ग) (1) तो ऐसा बंधक न्यासी (मॉर्टगेज ट्रस्टी) या उसका नामित व्यक्ति कंपनी के स्थान पर प्रतिस्थापित हो जाएगा; तथा

(2) यदि बंधक न्यासी कंपनी द्वारा प्रदत्त प्रतिभूति हितों के अंतर्गत उपचारों के प्रयोग के अनुसरण में (चाहे मोचन-अधिकार की जब्ती / पुरोबंध द्वारा अथवा अन्यथा) संपार्श्विक (कोलैटरल) के संपूर्ण या किसी भाग का विक्रय अथवा अन्यथा निपटान करता है, तो क्रेता, बंधक न्यासी के अनुरोध पर तथा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) की पूर्व लिखित सहमति से, जिस सहमति को अनुचित रूप से नहीं रोका जाएगा, सीएनएस/एटीएम (संचार, दिक्चालन और निगरानी / वायु यातायात प्रबंधन) समझौते के अंतर्गत कंपनी के स्थान पर प्रतिस्थापित हो जाएगा, और दोनों ही मामलों में, प्रतिस्थापित पक्षकार सीएनएस/एटीएम समझौते के अंतर्गत बेची गई या निपटाई गई ऐसी संपार्श्विक के संबंध में कंपनी के समस्त अधिकारों, स्वत्वों और हितों का उत्तराधिकारी होगा तथा वह सीएनएस/एटीएम समझौते के लाभों का निष्पादन कर सकेगा एवं उनका हकदार होगा मानो वह सीएनएस/एटीएम समझौते के अधीन कंपनी ही हो।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह सीएनएस/एटीएम समझौते के अंतर्गत कंपनी को देय राशि का भुगतान विशेष रूप से (विमानपत्तन स्थल के स्थान का नाम) स्थित ऐसे

खाते में सीधे और तत्काल उपलब्ध निधि के रूप में जमा करने हेतु करेगा, जैसा कि बंधक न्यासी समय-समय पर निर्देशित करे (और कंपनी इसके द्वारा भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को पूर्वोक्त अनुसार ऐसे भुगतान करने हेतु अधिकृत एवं निर्देशित करती है)। कंपनी द्वारा प्रदत्त प्रतिभूति हितों के अनुसरण में बंधक न्यासी या उसके नामित व्यक्ति द्वारा अपने अधिकारों के प्रयोग की स्थिति में, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, पूर्ववर्ती वाक्य में निर्दिष्ट खाते में ऐसी राशि का भुगतान करने के बदले, सीएनएस/एटीएम समझौते के अधीन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा देय राशि का भुगतान सीधे बंधक न्यासी को या उसके आदेशानुसार करने के संबंध में बंधक न्यासी से प्राप्त किसी भी और समस्त लिखित निर्देशों का अनुपालन करेगा (ऐसे भुगतानों के अन्य सभी नियम एवं शर्तें पूर्ववर्ती वाक्य में दिए गए अनुसार ही रहेंगी) और यह कंपनी को इन राशियों के भुगतान के अपने दायित्वों के पूर्ण उन्मोचन/संतुष्टि के रूप में होगा।

(घ) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह बंधक के अनुसरण में बंधक प्रतिभूति न्यासी को कंपनी के वास्तविक और वैध मुख्तार (अटॉर्नी) के रूप में मान्यता देगा।

(ङ) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह बंधक न्यासी को नोटिस जारी किए बिना सीएनएस/एटीएम समझौते को समाप्त नहीं करेगा और न ही उसके अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन को निलंबित करेगा।

(च) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि बंधक न्यासी किसी भी समय सीएनएस/एटीएम समझौते की शर्तों के अनुरूप ऐसी कार्रवाई करने या कराने का हकदार होगा जो उस घटना के निवारण/उपचार के लिए आवश्यक हो जिसके कारण नोटिस दिया गया है।

(छ) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण सहमत है कि वह ऐसी किसी भी घटना के घटित होने पर, जो भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को सीएनएस/एटीएम समझौते के खंड 10.1 के अधीन अपने अधिकारों का प्रयोग करने का हकदार बनाती है, तुरंत प्रतिभूति न्यासी को सूचित करेगा और प्रतिभूति न्यासी को (कंपनी को ऐसे नोटिस जारी करने के साथ ही) ऐसी घटनाओं के घटित होने के किसी भी नोटिस की एक प्रति उपलब्ध कराएगा, जिसमें उसके अंतर्गत निर्धारित उपचार अवधि की समाप्ति से पूर्व और समाप्ति के बाद का कोई भी नोटिस शामिल है।

(ज) यह समझौता भारत के कानूनों द्वारा शासित होगा और उनके अनुसार ही इसका अर्थान्वयन किया जाएगा।

(झ) इस समझौते से उत्पन्न या इसके संबंध में होने वाला कोई भी विवाद या मतभेद, चाहे उसका स्वरूप कुछ भी हो, सीएनएस/एटीएम समझौते के खंड 12 के प्रावधानों के अनुसरण में विवाद समाधान हेतु संदर्भित किया जाएगा, जिन प्रावधानों को संदर्भ द्वारा इसमें शामिल

किया गया है और इसका एक भाग बनाया गया है, मानो ऐसे प्रावधान पूर्ण रूप से यहीं निर्धारित किए गए हों।

(ञ) सीएनएस/एटीएम समझौते के खंड 18 के प्रावधान इस समझौते पर लागू होंगे और संदर्भ द्वारा इसमें सम्मिलित किए जाते हैं तथा इसका एक भाग बनाए जाते हैं, मानो ऐसे प्रावधान पूर्ण रूप से यहीं निर्धारित किए गए हों।

(ट) यह समझौता किसी भी पक्षकार द्वारा बिना किसी अग्रिम कार्रवाई के उस तिथि को समाप्त हो जाएगा जिस तिथि पर ऋणदाताओं का कोई भी बकाया ऋण शेष नहीं रह जाएगा।

(ठ) यह समझौता प्रभावी तिथि से प्रभावी होगा।

भवदीय,

विमानपत्तन कंपनी

द्वारा: _____

नाम: _____

पदनाम: _____

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण इसके द्वारा आज दिनांक [ ] माह [ ] वर्ष [ ] से इस समझौते की पूर्वोक्त शर्तों से बाध्य होने की पावती देता है और सहमति व्यक्त करता है।

द्वारा: _____

नाम: _____

पदनाम: _____

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा इस समझौते के निष्पादन की तिथि से स्वीकृत, अंगीकृत और सहमत।

[ ], बंधक न्यासी के रूप में।

द्वारा: _____

नाम: _____

पदनाम: _____

अनुसूची 'ज़ेड'

सहमति ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग)

की स्थापना के संबंध में

[भारत सरकार]

तथा

[_____]

के मध्य

[संशोधन नागर विमानन मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारूप समझौते के अनुसार हैं]

सहमति ज्ञापन

यह सहमति ज्ञापन [ ] में वर्ष 20[ ] के [ ] माह के [ ]वें दिन निम्न के मध्य निष्पादित किया गया है:

1. भारत के राष्ट्रपति, जो सचिव, नागर विमानन मंत्रालय, भारत सरकार के माध्यम से कार्य कर रहे हैं (जिन्हें इसके बाद "भारत सरकार" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में इसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती शामिल माने जाएंगे), प्रथम पक्षकार; तथा

2. [ ], जो कंपनी अधिनियम, 2013 के अंतर्गत भारत में निगमित एक कंपनी है, जिसका पंजीकृत कार्यालय [ ] में स्थित है (जिन्हें इसके बाद "रियायतग्राही" कहा गया है, जिस अभिव्यक्ति में इसके उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती शामिल माने जाएंगे), द्वितीय पक्षकार।

भारत सरकार और रियायतग्राही को इसके बाद संयुक्त रूप से "पक्षकार" तथा व्यक्तिगत रूप से "पक्ष" कहा गया है।

चूँकि (प्रस्तावना):

क. भारत सरकार ने सैद्धांतिक अनुमोदन में निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अधीन, उत्तर प्रदेश राज्य के जेवर, गौतम बुद्ध नगर में सार्वजनिक उपयोग हेतु एक विमानपत्तन ("विमानपत्तन") की स्थापना के लिए प्राधिकरण को अपना सैद्धांतिक अनुमोदन ("सैद्धांतिक अनुमोदन") प्रदान किया है।

ख. प्राधिकरण ने डिजाइन, निर्माण, वित्तपोषण, संचालन और हस्तांतरण आधार ("परियोजना") पर जेवर के निकट नोएडा अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन स्थापित करने का संकल्प लिया है। प्राधिकरण ने तदनुसार डीबीएफओटी आधार पर विमानपत्तन के निर्माण, संचालन और रख-रखाव हेतु अपने प्रस्ताव-सह-योग्यता आमंत्रण संख्या____ दिनांक_____ ("आरएफपी-सह-आरएफक्यू") द्वारा प्रस्ताव आमंत्रित किए थे। बोलियों के मूल्यांकन के अनुसरण में, प्राधिकरण ने रियायतग्राही की बोली स्वीकार कर ली।

ग. प्राधिकरण और रियायतग्राही ने एक रियायत समझौता (इसके बाद "रियायत समझौता") संपन्न किया है, जिसके द्वारा वे उन नियमों और शर्तों पर सहमत हुए हैं जिनके आधार पर रियायतग्राही डीबीएफओटी आधार पर जेवर के निकट नोएडा अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन का निर्माण, संचालन और रख-रखाव करेगा।

घ. भारत सरकार स्वीकार करती है कि परियोजना के कार्यान्वयन हेतु भारत सरकार द्वारा रियायतग्राही को निरंतर सहयोग तथा इसके बाद निर्धारित कतिपय अधिकारों का प्रदान किया जाना आवश्यक है और यह परियोजना हेतु संसाधनों को जुटाने के लिए एक अनिवार्य पूर्व-शर्त है।

ङ. रियायतग्राही द्वारा रियायत समझौते में प्रवेश करने के प्रतिफल में तथा रियायतग्राही के सुचारु संचालन और व्यवहार्यता को बढ़ाने हेतु, रियायत समझौते के अधीन प्राधिकरण के दायित्वों के अतिरिक्त, भारत सरकार रियायतग्राही को यहाँ वर्णित अनुसार कुछ सहयोग प्रदान करने के लिए सहमत है।

अब, अतएव, इसके द्वारा निम्नानुसार सहमति व्यक्त की जाती है:

खंड 1: परिभाषाएँ एवं निर्वचन

1.1 परिभाषाएँ

इस सहमति ज्ञापन में, सिवाय उस सीमा के जहाँ संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित हो, निम्नलिखित शब्दों के निम्नलिखित अर्थ होंगे:

"पशु संगरोध सेवाएँ" (एनिमल क्वारंटाइन सर्विसेज) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 1 में निर्धारित अनुसार संगरोध सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"पशु संगरोध सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, पशु संगरोध सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"लागू अनुमतियाँ" (एप्लीकेबल परमिट्स) का अर्थ इस सहमति ज्ञापन के अस्तित्व के दौरान परियोजना के संबंध में लागू कानूनों के अंतर्गत भारत सरकार या भारत सरकार के किसी विभाग/एजेंसी से प्राप्त किए जाने हेतु अपेक्षित और/या तत्पश्चात बनाए रखे जाने वाले समस्त स्वीकृतियाँ, लाइसेंस, परमिट, प्राधिकार, अनापत्ति प्रमाण पत्र, सहमतियाँ, अनुमोदन और छूट होंगी;

"मध्यस्थता अधिकरण" (आर्बिट्रल ट्रिब्यूनल) का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 7.3.2 में इस पद को दिया गया है;

"प्राधिकरण" का अर्थ [_____] होगा, जिसका प्रतिनिधित्व [_____] द्वारा किया जाएगा;

"प्राधिकरण प्रतिनिधि" का अर्थ प्राधिकरण द्वारा समय-समय पर नामित प्राधिकरण का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"सीएनएस/एटीएम सेवाएँ" का अर्थ वायु यातायात प्रबंधन हेतु संचार, दिक्चालन और निगरानी प्रणालियों से संबंधित सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी, जैसा कि इसके साथ संलग्न अनुसूची 2 में निर्धारित किया गया है;

"सीएनएस/एटीएम सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"रियायत समझौता" का वही अर्थ होगा जो प्रस्तावना (ग) में इसे दिया गया है;

"रियायतग्राही" का वही अर्थ होगा जो पक्षकारों की सूची में इस शब्द को दिया गया है अथवा ऐसा कोई अन्य पक्षकार जिसे प्राधिकरण द्वारा परियोजना हेतु रियायतग्राही के रूप में स्वीकार किया जाए;

"रियायतग्राही प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में रियायतग्राही द्वारा समय-समय पर नामित कम से कम निदेशक स्तर का प्रतिनिधि होगा;

"सीमा शुल्क नियंत्रण" (कस्टम्स कंट्रोल) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 3 में निर्धारित सीमा शुल्क संबंधी सेवाएँ होंगी;

"सीमा शुल्क नियंत्रण प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, सीमा शुल्क नियंत्रण सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"डीजीसीए" (नागर विमानन महानिदेशालय) का अर्थ नागर विमानन महानिदेशालय या उसका कोई स्थानापन्न निकाय होगा;

"प्रभावी तिथि" का अर्थ भारत सरकार और प्राधिकरण के बीच परस्पर सहमत तिथि होगी, परंतु यह रियायत समझौते में उपबंधित नियत तिथि (अपॉइंटेड डेट) से बाद की नहीं होगी;

"भारत सरकार" का वही अर्थ होगा जो इस सहमति ज्ञापन की प्रस्तावना में इस पद को दिया गया है;

"भारत सरकार का सहयोग" का वही अर्थ होगा जो इस सहमति ज्ञापन के खंड 3 में इस पद को दिया गया है;

"स्वास्थ्य सेवाएँ" का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 4 में निर्धारित अनिवार्य स्वास्थ्य सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"स्वास्थ्य सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"आव्रजन सेवाएँ" (इमिग्रेशन सर्विसेज) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 5 में निर्धारित लागू कानून के अनुसार आव्रजन सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"आव्रजन सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, आव्रजन सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"संयुक्त समन्वय समिति" का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 4.1.1 में इस पद को दिया गया है;

"मास्टर प्लान" का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में इसे दिया गया है;

"मौसम विज्ञान सेवाएँ" का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 6 में निर्धारित अनुसार मौसम संबंधी सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"मौसम विज्ञान सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, मौसम विज्ञान सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"सहमति ज्ञापन" या "यह सहमति ज्ञापन" का अर्थ यह सहमति ज्ञापन होगा;

"पादप संगरोध सेवाएँ" (प्लांट क्वारंटाइन सर्विसेज) का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 7 में निर्धारित अनुसार संगरोध सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"पादप संगरोध सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, पादप संगरोध सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा;

"परियोजना" का अर्थ रियायत समझौते के प्रावधानों के अनुसार विमानपत्तन का निर्माण, संचालन और रख-रखाव होगा;

"आरक्षित सेवाएँ" का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 3.3.1 में इस पद को दिया गया है;

"सुरक्षा सेवाएँ" का अर्थ इसके साथ संलग्न अनुसूची 8 में निर्धारित अनुसार सुरक्षा सेवाएँ (आरक्षित सेवाओं का भाग बनने वाली) होंगी;

"सुरक्षा सेवा प्रतिनिधि" का अर्थ संयुक्त समन्वय समिति में भारत सरकार द्वारा समय-समय पर नामित, सुरक्षा सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग/एजेंसी का अधिकृत प्रतिनिधि होगा; तथा

"अवधि" (टर्म) का वही अर्थ होगा जो इसके नीचे खंड 5.1 में इस पद को दिया गया है।

यहाँ प्रयुक्त (और यहाँ अनिर्धारित) अन्य बड़े अक्षरों वाले शब्दों का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते के अधीन उस शब्द को दिया गया है।

1.2 निर्वचन

इस सहमति ज्ञापन में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, रियायत समझौते के खंड 1.2 में उल्लिखित निर्वचन के नियम लागू होंगे।

खंड 2: प्रभावी तिथि

इस सहमति ज्ञापन के प्रावधान (खंड 1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8 और 9 में अंतर्विष्ट प्रावधानों के अतिरिक्त, जो तदनुसार इस सहमति ज्ञापन की तिथि से ही पक्षकारों पर बाध्यकारी हैं) प्रभावी तिथि से प्रभावी होंगे और पक्षकारों पर बाध्यकारी होंगे।

खंड 3: भारत सरकार का सहयोग

प्रभावी तिथि से, भारत सरकार इसके द्वारा परियोजना के संबंध में निम्नलिखित सहयोग ("भारत सरकार का सहयोग") प्रदान करने का वचन देती है:

3.1 लागू अनुमतियाँ

3.1.1 भारत सरकार, रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने पर और रियायतग्राही द्वारा लागू कानूनों के अनुपालन के अधीन रहते हुए, रियायतग्राही को प्रासंगिक सांविधिक अवधि (यदि कोई हो) के भीतर परियोजना हेतु या उसके संबंध में अपेक्षित ऐसी लागू अनुमतियाँ प्रदान करेगी। पक्षकार सहमत हैं कि जहाँ कोई सांविधिक अवधि निर्धारित नहीं है, वहाँ भारत सरकार, रियायतग्राही द्वारा लागू अनुमति प्राप्त करने के प्रयोजनार्थ विनिर्दिष्ट सभी मानदंडों को पूर्ण करने के अधीन, रियायतग्राही से लिखित अनुरोध प्राप्त होने की तिथि से पैंतालीस (45) दिनों के भीतर परियोजना हेतु या उसके संबंध में अपेक्षित ऐसी लागू अनुमतियाँ प्रदान करने के लिए सभी उचित प्रयास करेगी।

3.1.2 रियायतग्राही इसके द्वारा वचन देता है कि लागू अनुमतियों को शीघ्रता से प्राप्त करने हेतु, वह तत्परतापूर्वक और समयबद्ध तरीके से, (एक) संबंधित प्राधिकरणों के समक्ष ऐसे आवेदन तैयार करेगा और प्रस्तुत करेगा जो लागू कानून के पूर्ण अनुपालन में हों; (दो) संबंधित प्राधिकरणों के साथ पूर्वोक्त आवेदनों की निरंतर पैरवी करेगा; तथा (तीन) अतिरिक्त जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए सभी अनुरोधों का समय पर उत्तर देगा।

3.2 एकल खिड़की अनापत्ति

भारत सरकार इसके द्वारा भारत सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन संबंधित एजेंसियों, प्राधिकरणों, विभागों, निरीक्षणालयों, मंत्रालयों के साथ संपर्क स्थापित करने में रियायतग्राही को

सहायता प्रदान करने के लिए भारत सरकार में एकल संपर्क बिंदु के माध्यम से एक एकल खिड़की अनापत्ति तंत्र/मार्ग स्थापित करने का वचन देती है।

3.3 आरक्षित सेवाएँ

3.3.1 भारत सरकार, संपूर्ण अवधि के दौरान, विमानपत्तन पर निम्नलिखित सेवाएँ ("आरक्षित सेवाएँ") प्रदान करेगी या प्रदान करवाएगी:

(1) सीएनएस/एटीएम सेवाएँ;

(2) सीमा शुल्क नियंत्रण;

(3) आव्रजन सेवाएँ;

(4) पादप संगरोध सेवाएँ;

(5) पशु संगरोध सेवाएँ;

(6) स्वास्थ्य सेवाएँ;

(7) मौसम विज्ञान सेवाएँ; तथा

(8) सुरक्षा सेवाएँ।

(9) ऐसी कोई अन्य सेवाएँ जो भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट की जाएँ।

3.3.2 पक्षकार स्वीकार करते हैं कि सुरक्षा सेवाओं के लिए लगाया गया शुल्क तथा उसका संग्रहण एवं उपयोग समय-समय पर नागर विमानन मंत्रालय द्वारा जारी लागू दिशा-निर्देशों के अनुसार विनियमित होगा।

3.3.3 रियायतग्राही, आरेखन/डिजाइनिंग चरण के दौरान, आव्रजन ब्यूरो, राजस्व विभाग (सीमा शुल्क सेवाओं हेतु), और केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा नागर विमानन मंत्रालय द्वारा सुझाए गए अन्य प्रासंगिक सरकारी एजेंसियों से परामर्श करेगा। ऐसी एजेंसियों के उचित सुझावों/अनुरोधों का सामान्यतः रियायतग्राही द्वारा पालन किया जाएगा, जब तक कि उन सुझावों और अनुरोधों का पालन न कर पाने का कोई अधिभावी/प्रबल कारण विद्यमान न हो।

3.4 भारत सरकार की एजेंसियों के साथ सहमति ज्ञापन

भारत सरकार इसके द्वारा रियायतग्राही और निम्नलिखित आरक्षित सेवाएँ प्रदान करने वाली भारत सरकार की प्रत्येक एजेंसी/विभाग के मध्य सहमति ज्ञापन के निष्पादन को कराने का वचन देती है, जिसमें वे नियम और शर्तें निर्धारित होंगी जिन पर संबंधित भारत सरकार की एजेंसियों/विभागों द्वारा आरक्षित सेवाएँ प्रदान की जाएँगी।

3.5 मास्टर प्लान

भारत सरकार वचन देती है कि यदि विमानपत्तन के मास्टर प्लान में किसी संशोधन की आवश्यकता होती है, जो डीजीसीए द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों या किसी अन्य लागू दिशा-निर्देशों से भिन्न/विचलित है, तो भारत सरकार प्राधिकरण से लिखित अनुरोध प्राप्त होने के 30 (तीस) दिनों के भीतर उपयुक्त प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान का अनुमोदन प्राप्त करवाएगी। बशर्ते कि यदि ऐसे संशोधन विमानपत्तन के समग्र डिजाइन और पर्यावरण के अनुरूप नहीं हैं, तो भारत सरकार ऐसा अनुमोदन देने से इनकार कर सकती है।

3.6 वैमानिक प्रभारों के निर्धारण और पुनरीक्षण के सिद्धांत

3.6.1 इसके पक्षकार स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि कोई भी और समस्त वैमानिक प्रभार (एरोनॉटिकल चार्जेज) जिन्हें रियायतग्राही किसी उपयोगकर्ता से लगा सकता है, एकत्र कर सकता है और विनियोजित कर सकता है, वे ऐरा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार और ऐरा द्वारा जारी वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार, ऐरा के एक आदेश के माध्यम से, ऐरा द्वारा निर्धारित और पुनरीक्षित किए जाएँगे।

3.6.2 भारत सरकार ने अपने पत्र संख्या एफ. सं. एवी.24011/12/2013-एडी दिनांक 13 अप्रैल 2015 के माध्यम से विमानपत्तन पर वैमानिक प्रभारों के निर्धारण और विनियमन हेतु 30% (तीस प्रतिशत) शेयर्ड-टिल (साझा टिल) व्यवस्था को मंजूरी दी है, और ऐरा द्वारा तदनुसार इस पर विचार किया जाएगा। संदेह के निवारण हेतु, नगर पक्षीय विकास (सिटी साइड डेवलपमेंट) से रियायतग्राही के राजस्व को वैमानिक प्रभारों के निर्धारण और विनियमन हेतु शेयर्ड-टिल व्यवस्था से बाहर रखा जाएगा।

3.6.3 वार्षिक प्रीमियम को विमानपत्तन के पूंजीगत परिव्यय या विनियामक परिसंपत्ति आधार अथवा वैमानिक प्रभारों के निर्धारण के प्रयोजन हेतु परिचालन व्यय का हिस्सा नहीं माना जाएगा, और इसे वैमानिक प्रभारों के निर्धारण हेतु लागत के हिस्से के रूप में माने जाने से सदैव बाहर रखा जाएगा। रियायतग्राही इसके द्वारा स्वीकार करता है और सहमत होता है कि प्राधिकरण को रियायतग्राही द्वारा देय वार्षिक प्रीमियम पर ऐरा द्वारा वैमानिक प्रभारों के निर्धारण या पुनरीक्षण हेतु किसी भी प्रयोजन के लिए विचार नहीं किया जाएगा।

3.6.4 रियायतग्राही विमानपत्तन के उपयोगकर्ताओं से चरण I हेतु वाणिज्यिक प्रचालन तिथि (सीओडी) से ऐरा द्वारा अनुमोदित टैरिफ की प्रारंभिक/तदर्थ दरों पर वैमानिक प्रभार लगाने, एकत्र करने और विनियोजित करने का हकदार होगा। टैरिफ की ऐसी प्रारंभिक/तदर्थ दरें ऐरा अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार ऐरा द्वारा वैमानिक प्रभारों के अनुमोदन तक लागू और वैध रहेंगी।

3.6.5 चरण I हेतु सीओडी से प्रारंभ होने वाली प्रथम टैरिफ नियंत्रण अवधि (वर्तमान में 5 (पांच) वर्ष) के लिए ऐरा द्वारा अनुमोदित तदर्थ या अंतिम वैमानिक प्रभारों के संबंध में वैमानिक राजस्व की किसी भी अल्प-वसूली (अंडर-रिकवरी) या अति-वसूली (ओवर-रिकवरी) को ऐरा अधिनियम और ऐरा द्वारा जारी वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार द्वितीय टैरिफ नियंत्रण अवधि में अनुमत वैमानिक राजस्व का निर्धारण करते समय ऐरा द्वारा आगे ले जाया जाएगा और समायोजित किया जाएगा।

3.6.6 प्रथम टैरिफ नियंत्रण अवधि के बाद वैमानिक राजस्व की किसी भी अल्प-वसूली या अति-वसूली को ऐरा द्वारा ऐरा अधिनियम के अनुसार और ऐरा द्वारा जारी वर्तमान दिशा-निर्देशों के अनुसार समायोजित किया जाएगा।

3.6.7 रियायतग्राही को निकटवर्ती विमानपत्तनों के टैरिफ के साथ टैरिफ को तुलनीय रखने के तरीके तलाशने के लिए ऐरा के साथ मिलकर कार्य करना होगा।

3.6.8 संप्रभु कार्यों को प्रदान करने हेतु किसी भी सरकारी तंत्र/माध्यम को रियायतग्राही द्वारा किए गए किसी भी भुगतान को विमानपत्तन के पूंजीगत परिव्यय का हिस्सा और वैमानिक प्रभारों के निर्धारण के प्रयोजन हेतु एक परिचालन व्यय माना जाएगा, और तदनुसार वैमानिक प्रभारों के निर्धारण हेतु लागत के हिस्से के रूप में विचार किया जाएगा।

खंड 4: संयुक्त समन्वय समिति

4.1 संयुक्त समन्वय समिति

4.1.1 आरक्षित सेवाओं का सुचारु और कुशल निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए, पक्षकार इसके द्वारा एक संयुक्त समन्वय समिति ("संयुक्त समन्वय समिति") गठित करने का वचन देते हैं और सहमति व्यक्त करते हैं, जिसमें निम्नलिखित शामिल होंगे:

(1) प्राधिकरण का प्रतिनिधि;
(2) सीएनएस/एटीएम सेवा प्रतिनिधि;
(3) सीमा शुल्क नियंत्रण प्रतिनिधि;
(4) आव्रजन सेवा प्रतिनिधि;
(5) मौसम विज्ञान सेवा प्रतिनिधि;
(6) सुरक्षा सेवा प्रतिनिधि;
(7) पादप संगरोध सेवा प्रतिनिधि;
(8) पशु संगरोध सेवा प्रतिनिधि;

(9) स्वास्थ्य सेवा प्रतिनिधि; तथा
(10) रियायतग्राही का प्रतिनिधि।

4.1.2 संयुक्त समन्वय समिति, जब तक कि पक्षकारों द्वारा बाद की तिथि पर बैठक आयोजित करने पर अन्यथा सहमति न हो, प्रभावी तिथि के तीस (30) दिनों के भीतर पहली बैठक के साथ प्रारंभ करते हुए, विमानपत्तन पर प्रत्येक तिमाही में कम से कम एक बार बैठक करेगी।

खंड 5: अवधि और समाप्ति

5.1 उपर्युक्त खंड 2 के अधीन रहते हुए, यह सहमति ज्ञापन प्रभावी तिथि से पूर्णतः लागू और प्रभावी होगा और तब तक पूर्ण रूप से प्रभावी रहेगा जब तक कि पक्षकारों द्वारा परस्पर समाप्त न कर दिया जाए ("अवधि")। बशर्ते कि रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार उसकी समाप्ति पर, रियायतग्राही इस सहमति ज्ञापन का पक्षकार नहीं रहेगा और, जब तक कि प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही को किसी अन्य इकाई द्वारा प्रतिस्थापित नहीं किया जाता है, इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत रियायतग्राही के अधिकार और दायित्व प्राधिकरण में निहित होंगे। संदेह के निवारण हेतु, रियायत समझौते की समाप्ति का इस अवधि (टर्म) पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

खंड 6: अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर)

6.1 कोई भी पक्षकार इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत अपने संबंधित दायित्वों के निष्पादन को उस सीमा तक निलंबित करने या उससे छूट पाने का हकदार होगा जिस सीमा तक वह/वे किसी अप्रत्याशित घटना के कारण ऐसा निष्पादन करने में असमर्थ हैं।

6.2 जहाँ कोई पक्षकार अप्रत्याशित घटना के कारण अपने दायित्वों के निलंबन का दावा कर रहा है, वह अप्रत्याशित घटना के घटित होने के तुरंत बाद, किंतु किसी भी स्थिति में सात (7) दिनों के बाद नहीं, अन्य पक्षकारों को लिखित रूप में सूचित करेगा, जिसमें अप्रत्याशित घटना का पूर्ण विवरण, उसकी अनुमानित अवधि, प्रभावित दायित्व और इसके निलंबन के कारण दिए जाएँगे।

6.3 अप्रत्याशित घटना का दावा करने वाला पक्षकार अप्रत्याशित घटना पर काबू पाने तथा इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत अपने दायित्वों के निष्पादन पर उसके प्रभावों को कम करने के लिए उचित तत्परता का प्रयोग करेगा। प्रभावित पक्षकार अन्य पक्षकारों को तुरंत सूचित करेगा जैसे ही अप्रत्याशित घटना समाप्त हो जाती है और उसे उन दायित्वों का पालन करने से नहीं रोकती है जो निलंबित किए गए थे, और तत्पश्चात यथाशीघ्र ऐसे दायित्वों का पुनः अनुपालन प्रारंभ करेगा।

6.4 जहाँ किसी पक्षकार को अप्रत्याशित घटना के कारण इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत किन्हीं अधिकारों का प्रयोग करने या किन्हीं दायित्वों का निष्पादन करने से रोका जाता है, तो उससे प्रभावित दायित्वों के निष्पादन का समय या उस पर निर्भर किसी अधिकार के प्रयोग का समय, निष्पादन को रोकने और/या विलंबित करने वाली अप्रत्याशित घटना की लंबित अवधि के अनुरूप ऐसी अतिरिक्त अवधि तक, या पक्षकारों के बीच सहमत ऐसी अन्य अवधि तक बढ़ा दिया जाएगा।

6.5 उपर्युक्त में किसी बात के होते हुए भी, यदि कोई अप्रत्याशित घटना घटित होती है और नब्बे (90) दिनों की अवधि तक जारी रहती है, तो पक्षकार ऐसी अप्रत्याशित घटना के परिणामों और उसके प्रभावों को कम करने हेतु की जाने वाली कार्रवाई के मार्ग अथवा परिस्थितियों में अपनाए जाने वाले मार्ग पर चर्चा करने के लिए बैठक करेंगे।

खंड 7: शासी कानून और विवाद समाधान

7.1 यह सहमति ज्ञापन (इस खंड 7 सहित) और इसके निर्वचन के सभी प्रश्नों का अर्थ भारत गणराज्य के कानूनों के अनुसार लगाया जाएगा।

7.2 पक्षकार सहमत हैं कि वे इस सहमति ज्ञापन के संबंध में उत्पन्न होने वाले विवादों को सद्भावनापूर्ण परामर्श के माध्यम से हल करने का प्रयास करेंगे, और ऐसा परामर्श एक पक्षकार द्वारा दूसरे पक्षकार को ऐसे परामर्श हेतु लिखित अनुरोध दिए जाने के तुरंत बाद प्रारंभ होगा। बशर्ते कि यदि ऐसे परामर्श प्रारंभ होने के साठ (60) दिनों के भीतर सद्भावनापूर्ण परामर्श से विवाद का समाधान नहीं निकलता है, तो खंड 7.3 के प्रावधान लागू होंगे।

7.3 मध्यस्थता

7.3.1 कोई भी विवाद, जिसे पक्षकारों द्वारा सौहार्दपूर्ण समाधान (जैसा कि ऊपर खंड 7.2 के अंतर्गत उपबंधित है) के माध्यम से नहीं सुलझाया जा सका, भारतीय मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अनुसार मध्यस्थता द्वारा अंतिम रूप से निपटाया जाएगा।

7.3.2 विवादों को तीन (3) मध्यस्थों वाले एक अधिकरण को संदर्भित किया जाएगा। मध्यस्थता का प्रत्येक पक्षकार एक मध्यस्थ नियुक्त करेगा और इस प्रकार नियुक्त दो मध्यस्थ तीसरे मध्यस्थ का चयन करेंगे जो अधिकरण के पीठासीन मध्यस्थ के रूप में कार्य करेगा (संयुक्त रूप से "मध्यस्थता अधिकरण" का गठन करते हुए)। किसी भी पक्षकार द्वारा अपने मध्यस्थ की नियुक्ति करने में विफलता की स्थिति में या पक्षकारों द्वारा नियुक्त दो मध्यस्थों द्वारा तीसरे मध्यस्थ की नियुक्ति करने में विफलता की स्थिति में, उक्त मध्यस्थ (मध्यस्थों) की नियुक्ति उत्तर प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा की जाएगी।

7.3.3 ऐसी मध्यस्थता, जब तक कि पक्षकारों द्वारा अन्यथा सहमति न हो, लखनऊ, भारत में आयोजित की जाएगी। ऐसी मध्यस्थता की सभी कार्यवाहियाँ अंग्रेजी भाषा में होंगी।

7.3.4 मध्यस्थता अधिकरण का निर्णय पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा।

7.3.5 इस खंड 7 के अधीन रहते हुए, उत्तर प्रदेश की अदालतों का इस सहमति ज्ञापन पर क्षेत्राधिकार होगा।

खंड 8: विविध

8.1 नोटिस

8.1.1 इस सहमति ज्ञापन की शर्तों के अंतर्गत अपेक्षित या अनुमत अथवा कानून द्वारा अपेक्षित कोई भी नोटिस (जब तक कि अन्यथा सहमति न हो) लिखित रूप में होगा और व्यक्तिगत रूप से दिया जाएगा, यथोचित पंजीकृत डाक या हवाई डाक द्वारा भेजा जाएगा, विधिवत रूप से पोस्ट किया जाएगा और विधिवत पते वाले लिफाफे में पूर्णतः पूर्व-भुगतान किया जाएगा अथवा संबंधित पक्षकारों को निम्नानुसार फैक्स द्वारा भेजा जाएगा:

भारत सरकार:
सचिव, भारत सरकार, नागर विमानन मंत्रालय
पता: राजीव गांधी भवन, नई दिल्ली।
फैक्स सं.: 011 [_____]
रियायतग्राही:
[•] ध्यानार्थ: [_____]
फैक्स सं.: [_____]

अथवा ऐसे अन्य पते या फैक्स नंबर पर जिसे इसके अंतर्गत नोटिस द्वारा समय-समय पर निर्दिष्ट किया जाए।

8.1.2 ऐसा कोई भी नोटिस अंग्रेजी भाषा में होगा और उसे उस समय दिया गया माना जाएगा जब वह व्यक्तिगत रूप से सुपुर्द किए जाने पर वास्तव में वितरित किया गया हो, या फैक्स द्वारा भेजे जाने के बाद अगले कार्य दिवस पर, अथवा किसी अन्य स्थिति में पूर्वोक्त रीति से डाक द्वारा भेजे जाने के तीन (3) दिनों के भीतर दिया गया माना जाएगा।

8.2 पृथक्करणीयता (सेवरेबिलिटी)

8.2.1 यदि इस सहमति ज्ञापन में निहित नियमों, शर्तों या प्रावधानों में से कोई भी या कोई भाग किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी सीमा तक अमान्य, गैर-कानूनी या अप्रवर्तनीय निर्धारित किया जाता है, तो ऐसे नियम, शर्तें या प्रावधान उस सीमा तक शेष नियमों, शर्तों

और प्रावधानों से पृथक कर दिए जाएँगे जो लागू कानून द्वारा अनुमत पूर्ण सीमा तक मान्य और प्रवर्तनीय बने रहेंगे।

8.3 संपूर्ण समझौता

8.3.1 यह सहमति ज्ञापन, इसके सभी अनुसूचियों और संलग्नकों के साथ, इस सहमति ज्ञापन की विषय-वस्तु के संबंध में पक्षकारों के बीच संपूर्ण समझौते और समझ का प्रतिनिधित्व करता है और पक्षकारों के बीच हुए किसी भी पूर्व लिखित या मौखिक समझौते या समझ को निष्प्रभावी करता है।

8.4 संशोधन

8.4.1 इस सहमति ज्ञापन में कोई भी जोड़, संशोधन या परिवर्तन तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि वह लिखित रूप में न हो और पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षरित न हो।

8.5 समनुदेशन (असाइनमेंट)

8.5.1 इस तिथि के बाद लागू कानून में किसी भी परिवर्तन के बावजूद जो अन्यथा इस सहमति ज्ञापन के समनुदेशन की अनुमति दे सकता है, कोई भी पक्षकार इस सहमति ज्ञापन को या इसके अंतर्गत या इसके अनुसरण में उत्पन्न होने वाले किसी अधिकार या दायित्व अथवा इसमें किसी लाभ या हित को समनुदेशित नहीं कर सकता है।

8.5.2 परंतु तथापि, पूर्वोक्त के होते हुए भी, भारत सरकार इसके द्वारा प्रतिस्थापन समझौते की शर्तों के अनुसरण में चयनित प्रतिस्थापित इकाई के पक्ष में या परियोजना के संबंध में प्राधिकरण द्वारा रियायतग्राही के रूप में स्वीकृत किसी अन्य इकाई के पक्ष में इस सहमति ज्ञापन को हस्तांतरित और नवीनीकृत (नोवेट) करने के लिए स्पष्ट रूप से सहमत है।

8.6 कोई साझेदारी नहीं

8.6.1 यह सहमति ज्ञापन पक्षकारों के बीच साझेदारी का गठन नहीं करेगा और न ही ऐसा गठन माना जाएगा। किसी भी पक्षकार के पास किसी अन्य पक्षकार को अपने एजेंट के रूप में या अन्यथा बाध्य करने का कोई अधिकार नहीं होगा (जब तक कि इस सहमति ज्ञापन के आधार पर या अन्यथा लिखित रूप में स्पष्ट रूप से प्रदान न किया गया हो और रद्द न किया गया हो)।

8.7 कोई अधित्याग नहीं (नो वेवर)

8.7.1 इस सहमति ज्ञापन के अंतर्गत किसी भी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार का प्रयोग करने में भारत सरकार की ओर से कोई विफलता, और उनके द्वारा इसके प्रयोग में कोई देरी, उसके अधित्याग के रूप में कार्य नहीं करेगी, और न ही किसी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार का कोई एकल या आंशिक प्रयोग इसके किसी अन्य या आगे के प्रयोग अथवा किसी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार के प्रयोग को रोकेगा। जब तक अन्यथा निर्दिष्ट न हो, इस सहमति ज्ञापन में प्रदान किए गए अधिकार, शक्तियाँ,

विशेषाधिकार और उपचार संचयी हैं और किसी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपचार (चाहे कानून द्वारा या अन्यथा प्रदान किए गए हों) के अनन्य नहीं हैं।

8.8 द्विपक्षीय समझौते

8.8.1 भारत सरकार के संप्रभु अधिकारों पर आघात किए बिना या उन्हें किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित किए बिना, भारत सरकार, जहाँ साध्य हो, विमानपत्तन के संबंध में सभी मौजूदा समझौतों को नवीनीकृत करने का प्रयास करेगी और विमानपत्तन को प्रभावित करने वाले किसी भी मौजूदा समझौते को रद्द या समाप्त न करने का प्रयास करेगी। संदेह के निवारण हेतु, भारत सरकार किसी अन्य राज्य या उसके नामित वाहक (वाहकों) द्वारा ऐसे विमान सेवा समझौते के अंतर्गत अपने दायित्वों का पालन करने में विफलता के कारण, अथवा दूसरे पक्षकार द्वारा ऐसे हवाई सेवा समझौते के उल्लंघन या व्यतिक्रम के परिणामस्वरूप ऐसे किसी भी मौजूदा समझौते को रद्द या समाप्त करने की हकदार होगी।

अनुसूची - 9

रक्षा एवं सैन्य सेवाएँ

[खंड रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और नागर विमानन मंत्रालय के साथ विचार-विमर्श एवं सहमत अन्य शर्तों के अनुसार होगा]

जिसके साक्ष्य के रूप में पक्षकारों ने इस सहमति ज्ञापन को ऊपर सर्वप्रथम लिखित दिन और वर्ष को अपने विधिवत अधिकृत अधिकारियों और प्रतिनिधियों द्वारा निष्पादित करवाया है।

हस्ताक्षरित:
भारत सरकार की ओर से और उनके निमित्त
नाम: _____
पदनाम: _____

हस्ताक्षरित:
रियायतग्राही की ओर से और उनके निमित्त
नाम: _____
पदनाम: _____

हस्ताक्षरित:
साक्षीगण:
1. _____
2. _____

अनुसूची - 1
पशु संगरोध सेवाएँ

विनियामक कार्य:

आगमन से पूर्व:

- पशु के आयात हेतु आवेदन प्राप्त होने पर, सभी बाड़ों (शेड्स) और चारा कक्षों को अच्छी तरह से साफ किया जाता है, उपयुक्त कीटाणुनाशकों से कीटाणुरहित किया जाता है और धूमन (फ्यूमिगेशन) भी किया जाता है।
- विभिन्न प्रजातियों के पशुओं के मानकों और आवश्यकताओं के अनुसार सभी पशुओं का परिवहन एक उपयुक्त पशु वाहक में किया जाता है।
- पशुओं के आगमन की निर्धारित तिथि से एक दिन पूर्व पशु वाहक को उचित रूप से कीटाणुरहित किया जाता है।
- आवश्यक नमूनों के संग्रहण के लिए सभी व्यवस्थाएँ की जाती हैं।

प्रवेश बिंदु पर आगमन पर:

- आगमन के दिन और आयातक के साथ तय किए गए समय पर, क्षेत्रीय/संगरोध अधिकारी और अन्य कर्मचारी विमानपत्तन पर पहुँचते हैं।
- पशु या उत्पादों का शारीरिक रूप से गहन परीक्षण किया जाता है।
- निर्दिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं का पता लगाने के लिए पशुओं या उत्पादों के साथ संलग्न पशु चिकित्सा प्रमाण पत्र की गहन जाँच की जाती है।
- यह सुनिश्चित करने के पश्चात कि पशु नैदानिक रूप से स्वस्थ हैं और खेप के साथ संलग्न स्वास्थ्य प्रमाण पत्र व्यवस्थित हैं, सीमा शुल्क निकासी के लिए आयात करने वाली एजेंसी को मामले के आधार पर अनंतिम संगरोध निकासी प्रमाण पत्र (आयात) या पशु चिकित्सा स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (आयात) जारी किया जाता है।
- आयातित जीवित पशुओं को क्षेत्रीय/संगरोध अधिकारी की देखरेख में संगरोध स्टेशन पर लाया जाता है।
- पशुओं की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी के लिए पशुओं को 30 दिनों के लिए या भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य प्रोटोकॉल में निर्दिष्ट अवधि के लिए संगरोध में रखा जाता है।
- पशुधन उत्पादों के मामले में, स्वच्छता आयात परमिट (सैनिटरी इम्पोर्ट परमिट) में निर्धारित शर्तों के अनुसार प्रतिनिधि नमूने लिए जाएँगे और संबंधित प्रयोगशालाओं में उनका परीक्षण किया जाएगा।

अनुसूची - 2

सीएनएस/एटीएम सेवाएँ (संचार, दिक्चालन और निगरानी / वायु यातायात प्रबंधन सेवाएँ)

भारत सरकार, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण या नामित भारत सरकार की एजेंसी के माध्यम से, पूरी अवधि के दौरान, एक पृथक सीएनएस/एटीएम समझौते के माध्यम से विमानपत्तन पर निम्नलिखित सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करेगी या प्रदान करवाएगी:

(क) शिकागो अभिसमय (शिकागो कन्वेंशन) के अनुसरण में समय-समय पर स्थापित या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार और भारत के अन्य विमानपत्तनों पर समान सेवाओं के लिए लागू समान शर्तों पर, तथा डीजीसीए के निर्देशों के अनुपालन में, विमानपत्तन पर सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करवाना;

(ख) सीएनएस/एटीएम उपकरणों का रख-रखाव करवाना, जिसमें सीएनएस/एटीएम उपकरणों का समय-समय पर उड़ान अंशांकन (फ्लाइट कैलिब्रेशन) और परीक्षण करना शामिल है;

(ग) सीएनएस/एटीएम उपकरणों का समय-समय पर उन्नयन करवाना (एक) न्यूनतम रूप से वर्तमान यातायात मांग की परिचालन आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु और प्रासंगिक आईसीएओ दस्तावेजों एवं अनुलग्नकों सहित लागू कानूनों के अनुसार डीजीसीए द्वारा अधिसूचित नागर विमानन आवश्यकताओं के प्रासंगिक प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए; तथा (दो) विमानपत्तन के विस्तार/उन्नयन के परिणामस्वरूप;

(घ) विमानपत्तन पर सीएनएस/एटीएम सेवाएँ प्रदान करने के लिए समय-समय पर आवश्यक उपकरणों को अपनी लागत पर अथवा नामित भारत सरकार की एजेंसी की लागत पर, जैसा भी मामला हो, क्रय करवाना;

(ङ) शिकागो अभिसमय के अनुसरण में समय-समय पर स्थापित या अनुशंसित प्रथाओं के अनुसार और उन्हीं शर्तों पर, जैसा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण भारत के अन्य समान विमानपत्तनों पर प्रदान करता है, विमानपत्तन पर सीएनएस/एटीएम सेवाओं के प्रावधान हेतु मौसम विज्ञान संबंधी सुविधाएँ प्राप्त करना; तथा

(च) लागू कानूनों और अच्छी उद्योग प्रथाओं के अनुसार रनवे पर विमानों की आवाजाही को सक्षम करने के लिए हवाई यातायात को नियंत्रित और विनियमित करने हेतु सशक्त नामित भारत सरकार की एजेंसी द्वारा व्यवस्था करवाना।

अनुसूची 3

सीमा शुल्क नियंत्रण (कस्टम्स कंट्रोल)

कार्य:

- वॉकथ्रू चैनल पर सीमा शुल्क नियंत्रण
- ग्रीन / रेड चैनल में सामान (बैगेज) परीक्षण काउंटरों पर सीमा शुल्क नियंत्रण
- बैगेज मॉल के भीतर बैगेज सहायक / उप आयुक्त की सेवाओं का प्रावधान
- रोके गए सामान (डिटेन्ड गुड्स) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- गलत तरीके से संभाले गए सामान (मिस-हैंडल्ड बैगेज) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- बहुमूल्य वस्तुओं के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- पुनः लदान माल (री-शिपमेंट गुड्स) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- जब्त किए गए माल (कॉन्फिस्केटेड गुड्स) के लिए सीमा शुल्क नियंत्रण
- निकास द्वार के निकट गेट अधिकारी द्वारा तैनाती
- निर्यात प्रमाण पत्र जारी करना
- सीमा शुल्क कार्यों के संबंध में संबंधित अधिकारियों की सेवाएं
- - वायु आसूचना इकाई (एयर इंटेलिजेंस यूनिट)

अनुसूची 4

स्वास्थ्य सेवाएं

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) के दायित्व

पक्षकार एतद्द्वारा यह दर्ज करते हैं कि डीजीएचएस का यह आशय है कि वह हवाई अड्डा टर्मिनल पर निम्नलिखित सेवाएं प्रदान करने और निम्नलिखित गतिविधियों को संचालित करने का प्रयास करेगा (इसके बाद इन्हें सामूहिक रूप से "स्वास्थ्य सेवाएं" कहा जाएगा):

क) यात्रियों, आगंतुकों, एयरलाइन कर्मचारियों, भारत सरकार, प्राधिकरण, रियायतग्राही (कन्सेशनर) तथा अन्य संबंधित सरकारी विभागों के कर्मचारियों और अन्य कर्मियों के लाभ हेतु दिन के सभी समय हवाई अड्डा टर्मिनल तथा कार्गो परिसर में चिकित्सा सुविधाएं;

ख) डीजीएचएस द्वारा समय-समय पर लिए गए निर्णय के अनुसार हवाई अड्डा टर्मिनल पर तैनात किए जाने वाले चिकित्सा अधिकारी और अन्य डीजीएचएस कर्मी;

ग) डीजीएचएस समय-समय पर कर्मचारियों की संख्या निर्धारित करेगा और हवाईअड्डे पर/हवाईअड्डे के आसपास चिकित्सा सुविधाओं का समय तय करेगा;

घ) डीजीएचएस हवाईअड्डे पर ऐसे अन्य कार्य भी करेगा जो केंद्र सरकार द्वारा समय-समय पर निर्देशित किए जाएं।

2. यह स्पष्ट किया जाता है कि यदि डीजीएचएस उपरोक्त खंड 1 में उल्लिखित सभी या किसी भी स्वास्थ्य सेवाओं और/या सुविधाओं को प्रदान नहीं करता है, तो रियायतग्राही के प्रति उसका किसी भी प्रकार का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा। ऐसे किसी भी उत्तरदायित्व को एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से अस्वीकार किया जाता है। रियायतग्राही एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करता है कि उपरोक्त खंड 1 में उल्लिखित किसी भी स्वास्थ्य सेवा या सुविधा के प्रदान न किए जाने अथवा आंशिक रूप से प्रदान किए जाने के लिए डीजीएचएस या किसी अन्य सरकारी निकाय के विरुद्ध उसका कोई कानूनी उपचार/दावा (रिकोर्स) नहीं होगा।

अनुसूची 5

आव्रजन सेवाएं (इमिग्रेशन सर्विसेज)

हवाईअड्डे पर आव्रजन सुविधा सेवा प्रदान करना तथा विभिन्न अधिनियमों के तहत विदेशियों के पंजीकरण से संबंधित कार्य।

अनुसूची 6

मौसम विज्ञान सेवाएं

इसमें अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ), अनुलग्नक 3 और विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) के तकनीकी प्रावधानों के साथ-साथ नामित भारत सरकार एजेंसी के मानकों और अनुशंसित प्रथाओं तथा विमान संचालन की सुरक्षा के लिए विमानन संबंधी अभिसमयों के अनुसार विमानन मौसम सेवाएं शामिल हैं।

अनुसूची 7

पादप संरक्षण और संगरोध सेवाएं (प्लांट प्रोटेक्शन एंड क्वारंटीन सर्विसेज)

विनियामक कार्य

(क) विदेशी कीटों और रोगों के प्रवेश को रोकने के लिए आयातित कृषि वस्तुओं का निरीक्षण, परीक्षण, उपचार और निकासी (रिलीज)

(ख) निर्यात के लिए अभीष्ट कृषि वस्तुओं का दृश्य परीक्षण और उपचार

(ग) निर्यात के लिए अभीष्ट कृषि वस्तुओं हेतु पादप-स्वास्थ्य प्रमाण पत्र (फाइटोसैनिटरी सर्टिफिकेट) जारी करना

(घ) आयातित लकड़ी पैकेजिंग सामग्री का निरीक्षण और उपचार

(ङ) प्रवेशोपरांत संगरोध (पोस्ट एंट्री क्वारंटीन) निरीक्षण

(च) कृषि वस्तुओं का धूम्रीकरण / विसंक्रमण / कीटाणुशोधन

ये कार्य विनाशकारी कीट एवं नाशीजीव अधिनियम, 1914 और पादप संगरोध (भारत में आयात का विनियमन) आदेश, 2003 तथा इसके संशोधनों के तहत देश में विदेशी कीटों और रोगों के प्रवेश के जोखिम को कम करने के लिए किए जाते हैं, जो भारतीय कृषि पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकते हैं। ये प्रथाएं अंतर्राष्ट्रीय पादप संरक्षण अभिसमय के तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत हैं तथा डब्ल्यूटीओ के सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी समझौते के तहत मान्यता प्राप्त हैं।

अनुसूची 8

सुरक्षा सेवाएं

कार्य

- विमानपत्तन संचालकों, एयरलाइंस संचालकों और विमानन सुरक्षा (एवसेक) उपायों को लागू करने के लिए उत्तरदायी उनकी सुरक्षा एजेंसियों के लिए, आईसीएओ के शिकागो अभिसमय के अनुलग्नक 17 के अनुसार तथा बीसीएएस द्वारा प्रदान किए गए प्रारूप के अनुसार रियायतग्राही और बीसीएएस के मध्य निष्पादित समझौते में निहित शर्तों के अनुसार नामित भारत सरकार एजेंसी के माध्यम से सुरक्षा प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि नामित भारत सरकार एजेंसी और सुरक्षा नियंत्रण लागू करने वाले उसके कार्मिक उचित रूप से प्रशिक्षित हैं तथा अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिए आवश्यक सभी दक्षताएं रखते हैं।
- विमानन सुरक्षा मामलों का नियोजन और समन्वय।
- सुरक्षा कर्मचारियों की व्यावसायिक दक्षता और सतर्कता का परीक्षण करने के लिए नामित भारत सरकार एजेंसी के माध्यम से आकस्मिक/नकली (सरप्राइज/डमी) जांच आयोजित करना तथा आकस्मिक योजनाओं की प्रभावकारिता और विभिन्न एजेंसियों की परिचालन तैयारियों का परीक्षण करने के लिए मॉक अभ्यास आयोजित करना।

अनुसूची कक)

राज्य सरकार समर्थन समझौता

(खंड 4.1.2(ग)(vi) देखें)

यह राज्य सरकार समर्थन समझौता _____ के _____ दिन 201__ को _____ पर निष्पादित किया गया;

द्वारा और इनके मध्य:

1. उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, जिनका प्रतिनिधित्व _____ द्वारा किया गया है, जिनका मुख्य कार्यालय _____ पर स्थित है (इसके बाद इन्हें "उत्तर प्रदेश सरकार (GoUP)" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ से प्रतिकूल न हो, उनके उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे);

और

2. नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड, जिसका पंजीकृत कार्यालय 1-15 ब्लॉक पी-2-सेक्टर ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश में स्थित है (इसके बाद इसे "प्राधिकरण" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ से प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी और समनुदेशिती शामिल होंगे);

और

3. [कंपनी अधिनियम, 2013] के प्रावधानों के तहत निगमित एक कंपनी _____, जिसकी कॉर्पोरेट पहचान संख्या _____ है और जिसका पंजीकृत कार्यालय _____ पर स्थित है (इसके बाद इसे "रियायतग्राही" कहा जाएगा, जिस अभिव्यक्ति में, जब तक कि संदर्भ या अर्थ से प्रतिकूल न हो, इसके उत्तराधिकारी, अनुमत समनुदेशिती और प्रतिस्थानी शामिल होंगे)।

यथा संदर्भ अपेक्षित हो, उत्तर प्रदेश सरकार, प्राधिकरण और रियायतग्राही को इसके बाद सामूहिक रूप से "पक्षकार" और व्यक्तिगत रूप से "पक्ष" कहा जाएगा।

जबकि:

क. भारत सरकार ("भारत सरकार") ने अपने पत्र संख्या _____ दिनांकित _____ ("भारत सरकार का अनुमोदन") के माध्यम से सार्वजनिक निजी भागीदारी ("पीपीपी") के माध्यम से उत्तर प्रदेश राज्य के जेवर में सार्वजनिक उपयोग हेतु एक अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की स्थापना के लिए उसमें निर्धारित नियमों और शर्तों के अधीन अपना अनुमोदन प्रदान किया था, और इस समझौते में निर्धारित नियमों और शर्तों के अनुसार हवाई अड्डा स्थापित करने का संकल्प लिया था।

ख. भारत सरकार के अनुमोदन के आधार पर, उत्तर प्रदेश सरकार ("जीओयूपी") ने अपने सरकारी संकल्प संख्या _____ दिनांकित _____ ("उत्तर प्रदेश सरकार का अनुमोदन") के माध्यम से परियोजना (जैसा कि नीचे परिभाषित है) के कार्यान्वयन को मंजूरी दी, और परियोजना के विकास, संचालन और रखरखाव के प्रयोजनों के लिए प्राधिकरण को एक नोडल एजेंसी के रूप में नियुक्त किया।

ग. परियोजना के लिए दी गई स्वीकृतियों के आधार पर, पसंदीदा बोलीदाता के चयन के लिए अंतर्राष्ट्रीय बोलियां आमंत्रित की गईं, और ऐसी प्रक्रिया के पूरा होने के अनुसरण में, पसंदीदा बोलीदाता का चयन किया गया और रियायतग्राही को निगमित किया गया।

घ. रियायतग्राही के निगमन पर, प्राधिकरण और रियायतग्राही ने दिनांकित [_____] रियायत समझौते ("रियायत समझौता") में प्रवेश किया, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ उन नियमों और शर्तों पर सहमति व्यक्त की गई और प्रावधान किया गया, जिनके तहत रियायतग्राही डीबीएफओटी (डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण) आधार पर हवाईअड्डे का विकास, संचालन और रखरखाव करेगा।

ङ. उत्तर प्रदेश सरकार यह स्वीकार करती है कि परियोजना के कार्यान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्राधिकरण और रियायतग्राही को निरंतर समर्थन और कुछ अधिकारों का प्रदान किया जाना आवश्यक है, जैसा कि इसके बाद निर्धारित किया गया है, और यह परियोजना के लिए संसाधनों को जुटाने हेतु एक आवश्यक पूर्व-शर्त है।

च. रियायतग्राही द्वारा रियायत समझौते में प्रवेश करने के प्रतिफल में और रियायत समझौते के तहत प्राधिकरण के दायित्वों के अतिरिक्त, रियायतग्राही के सुचारू कामकाज और व्यवहार्यता को बढ़ाने के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार रियायतग्राही को कुछ समर्थन प्रदान करने के लिए सहमत है, जैसा कि इसमें वर्णित है।

अब, अतएव, एतद्द्वारा निम्नानुसार सहमति व्यक्त की जाती है:

1. परिभाषाएं और निर्वचन

1.1. परिभाषाएं

इस समझौते में, उस सीमा को छोड़कर जहां संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित हो और जब तक कि नीचे या इस समझौते में विशेष रूप से कहीं अन्य परिभाषित न किया गया हो, इसमें प्रयुक्त अन्य बड़े अक्षरों (कैपिटलाइज्ड) वाले शब्दों (और जो यहां परिभाषित नहीं हैं) लेकिन जो रियायत समझौते के तहत परिभाषित हैं, का वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते के तहत उस शब्द को दिया गया है:

"समझौता" से तात्पर्य इस राज्य सरकार समर्थन समझौते से होगा;

"स्वीकृतियां" (क्लियरेंस) से तात्पर्य लिखित सहमति, लाइसेंस, अनुमोदन, परमिट, व्यवस्था/आदेश (रूलिंग), छूट, अनापत्ति प्रमाण पत्र या किसी भी प्रकृति के अन्य प्राधिकरण या अनुमति से है, जिसे परियोजना के संबंध में समय-समय पर उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त किया जाना और/या उसके द्वारा प्रदान किया जाना आवश्यक है;

"इकाई" (एंटिटी) से तात्पर्य किसी भी व्यक्ति, निगमित निकाय, ट्रस्ट, साझेदारी फर्म या व्यक्तियों/व्यक्तियों के अन्य संघ से है, चाहे वह पंजीकृत हो या नहीं;

"मौजूदा पहुंच और निकास" का वही अर्थ है जो नीचे खंड 2.1 में दिया गया है;

"भारत सरकार/GOI" से तात्पर्य भारत सरकार और भारत सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन कोई भी एजेंसी, प्राधिकरण (किसी विनियामक प्राधिकरण सहित), विभाग, निरीक्षणालय, मंत्रालय या सांविधिक व्यक्ति (चाहे स्वायत्त हो या नहीं) से है;

"भारत सरकार का अनुमोदन" का वही अर्थ है जो नीचे प्राक्कथन (रिसाइटल) 'क' में दिया गया है;

"उत्तर प्रदेश सरकार" से तात्पर्य उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन कोई भी एजेंसी, प्राधिकरण (किसी विनियामक प्राधिकरण सहित), विभाग, निरीक्षणालय, मंत्रालय या सांविधिक व्यक्ति (चाहे स्वायत्त हो या नहीं) से है;

"उत्तर प्रदेश सरकार का अनुमोदन" का वही अर्थ है जो प्राक्कथन 'ग' में दिया गया है;

"पीपीपी" का वही अर्थ है जो प्राक्कथन 'ख' के तहत दिया गया है;

"परियोजना" से तात्पर्य हवाईअड्डे के डिजाइन, विकास, निर्माण, आधुनिकीकरण, उन्नयन, वित्तपोषण, प्रबंधन, संचालन और रखरखाव से है, जैसा कि रियायत समझौते के तहत प्रदान किया गया है;

"अवधि" (टर्म) का वही अर्थ है जो नीचे खंड 3.1 में दिया गया है;

"तृतीय पक्ष" से तात्पर्य किसी भी ऐसी इकाई से होगा जो इस समझौते की पक्षकार नहीं है;

"उपयोगिताएं" (यूटिलिटीज) से सामूहिक रूप से हवाईअड्डे पर पानी, बिजली और सीवेज निपटान तथा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के बुनियादी ढांचे से संबंधित है, और "उपयोगिता" (यूटिलिटी) उनमें से किसी एक को संदर्भित करती है।

1.2. निर्वचन के नियम

1.2.1. बड़े अक्षरों से शुरू होने वाले और इस समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का वही अर्थ होगा जो इसमें दिया गया है, और इस समझौते में प्रयुक्त और यहां परिभाषित नहीं किए गए लेकिन रियायत समझौते में परिभाषित शब्दों और अभिव्यक्तियों का, जब तक कि संदर्भ के प्रतिकूल न हो, वही अर्थ होगा जो रियायत समझौते में दिया गया है।

1.2.2. खंडों के संदर्भ, जब तक कि अन्यथा न कहा गया हो, इस समझौते के खंडों के संदर्भ हैं।

1.2.3. रियायत समझौते के खंड 1.2, 1.3 और 1.4 में उल्लिखित निर्वचन के नियम, आवश्यक परिवर्तनों सहित (यथाआवश्यक संशोधन सहित), इस समझौते पर लागू होंगे।

2. उत्तर प्रदेश सरकार का समर्थन

2.1. हवाईअड्डे तक सतही पहुंच (सरफेस एक्सेस)

पक्षकार एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं कि वर्तमान में हवाईअड्डे तक पहुंचने या वहां से बाहर निकलने का एकमात्र मार्ग _____ के माध्यम से है ("मौजूदा पहुंच और निकास")। पक्षकार आगे यह स्वीकार करते हैं कि मौजूदा पहुंच और निकास हवाईअड्डे पर बढ़ते यात्री और अन्य यातायात को पूरा करने के लिए अपर्याप्त हो सकता है। पूर्वगामी के आलोक में, उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा पुष्टि करती है कि (i) वह हवाईअड्डे के लिए 4 लेन पहुंच कनेक्टिविटी प्राप्त/उपलब्ध कराएगी और (ii) वह हवाईअड्डे पर बढ़ते यात्री और अन्य यातायात के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए मौजूदा पहुंच और निकास को उन्नत, आधुनिक और बनाए रखने का सर्वोत्तम प्रयास करेगी और रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार, हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र के लिए समग्र नगर नियोजन के अनुसार और उत्तर प्रदेश सरकार अपने विवेकाधिकार में रियायतग्राही द्वारा प्रदान किए गए ऐसे सुझावों/सूचनाओं (यदि कोई हो) को ध्यान में रखते हुए, हवाईअड्डे तक पहुंचने और वहां से बाहर निकलने के सार्वजनिक परिवहन के अतिरिक्त साधनों (जैसे रेलवे/मेट्रो कनेक्शन) को विकसित करने के लिए उचित प्रयास करेगी। इस उद्देश्य के लिए, सतही पहुंच विकास के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए मास्टर प्लान के विकास के दौरान उत्तर प्रदेश सरकार और रियायतग्राही एक दूसरे से परामर्श करेंगे।

2.2. उपयोगिताएं

पक्षकार स्वीकार करते हैं कि भविष्य में, जैसे-जैसे रियायत समझौते में परिकल्पित तरीके से हवाईअड्डे का विकास और विस्तार होगा और समय बीतने के साथ हवाईअड्डे पर यात्री और अन्य यातायात बढ़ेगा, उपयोगिताओं की क्षमता का विस्तार करने की आवश्यकता हो सकती है। पूर्वगामी के आलोक में, उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा पुष्टि करती है कि वह हवाईअड्डे के लिए साइट सीमा पर पर्याप्त मात्रा में उपयोगिताएं प्रदान करने का सर्वोत्तम प्रयास करेगी (उस सीमा तक जहां तक ये सेवाएं आम तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार या उसके विभागों/एजेंसियों/उत्तर प्रदेश सरकार के पर्याप्त स्वामित्व या नियंत्रण वाली इकाइयों द्वारा प्रदान की जाती हैं), ताकि हवाईअड्डे के विकास और विस्तार को सक्षम बनाया जा सके और बढ़ते यात्री तथा अन्य यातायात की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। उत्तर प्रदेश सरकार आगे पुष्टि करती है कि वह उपयोगिताओं के संबंध में मौजूदा सुविधाओं को बनाए रखने और विकसित करने का सर्वोत्तम प्रयास करेगी (उस सीमा तक जहां तक ये सेवाएं आम तौर पर उत्तर प्रदेश सरकार या उसके विभागों/एजेंसियों/उत्तर प्रदेश सरकार के पर्याप्त स्वामित्व या नियंत्रण वाली इकाइयों द्वारा अनुरक्षित की जाती हैं)।

2.3. हवाईअड्डे पर सुरक्षा और संरक्षा आवश्यकताएं

2.3.1. पक्षकार एतद्द्वारा स्वीकार करते हैं कि हवाईअड्डे के भीतर और आसपास स्वच्छता बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति से बचा जा सके जो हवाईअड्डे के सुचारू संचालन में बाधा डाल सकते हैं और विमान की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। तदनुसार, उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा पुष्टि करती है कि वह हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में पक्षियों और जानवरों की उपस्थिति के परिणामस्वरूप हवाईअड्डे के संचालन में किसी भी प्रकार के हस्तक्षेप या नुकसान को रोकने के लिए हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने का प्रयास करेगी।

2.3.2. उत्तर प्रदेश सरकार कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए हवाईअड्डे पर सामान्य और नियमित पुलिसिंग प्रदान करने का कार्य अपने खर्च पर करेगी। रियायतग्राही उत्तर प्रदेश सरकार को उक्त कार्य को पूरा करने में सक्षम बनाने के लिए अपने खर्च पर हवाईअड्डे पर उचित कार्यालय आवास उपलब्ध कराएगा।

2.4. स्वीकृतियां (क्लियरेंस)

2.4.1. इस समझौते में निहित किसी भी प्रतिकूल बात के होते हुए भी, पक्षकार एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि उत्तर प्रदेश सरकार हवाईअड्डे के आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने से उत्पन्न होने वाली, या उसके संबंध में, किसी भी तीसरे पक्ष या रियायतग्राही की किसी भी और सभी कार्रवाइयों, कार्यवाहियों, क्षतियों, हानियों, दायित्वों, दावों, लागतों और खर्चों के लिए न तो उत्तरदायी होगी और न ही जिम्मेदार होगी। पक्षकार एतद्द्वारा स्पष्ट रूप से स्वीकार करते हैं और सहमत होते हैं कि रियायत समझौते में विस्तार से निर्धारित परियोजना को शुरू करने और कार्यान्वित करने के लिए लागू कानून द्वारा आवश्यक सभी स्वीकृतियों को प्राप्त करना और हर समय बनाए रखना रियायतग्राही की एकमात्र जिम्मेदारी और दायित्व होगा। इस उद्देश्य के लिए, लागू कानून के पूर्ण अनुपालन और निरंतरता में रियायतग्राही द्वारा आवेदन किए जाने पर (बशर्ते कि लागू कानून के तहत, रियायतग्राही ऐसी स्वीकृति प्राप्त करने का हकदार हो और रियायतग्राही ने उचित प्रक्रिया और समय में अपना आवेदन किया हो), उत्तर प्रदेश सरकार प्रासंगिक वैधानिक अवधि (यदि कोई हो) के भीतर परियोजना के लिए या उसके संबंध में आवश्यक ऐसी स्वीकृतियां प्रदान करने का प्रयास करेगी, और जहां कोई वैधानिक अवधि निर्धारित नहीं है, उत्तर प्रदेश सरकार प्रासंगिक आवेदन विधिवत पूरा होने और लागू कानूनों के पूर्ण अनुपालन में प्रस्तुत किए जाने के बाद उचित समय के भीतर परियोजना के लिए या उसके संबंध में आवश्यक ऐसी स्वीकृतियां प्रदान करने का प्रयास करेगी।

2.4.2. उत्तर प्रदेश सरकार सक्षम स्थानीय प्राधिकरण द्वारा मास्टर प्लान के अनुमोदन प्राप्त करने में अपनी पूरी सहायता प्रदान करने का भी वचन देती है।

2.4.3. स्वीकृतियां प्रदान करने में सुविधा के लिए, उत्तर प्रदेश सरकार _____ या उससे उच्च पद के एक वरिष्ठ अधिकारी को नामित करेगी, जो रियायतग्राही को उत्तर प्रदेश सरकार के नियंत्रण और निर्देशन के अधीन संबंधित एजेंसियों, प्राधिकरणों, विभागों, निरीक्षणालयों, मंत्रालयों के साथ संपर्क स्थापित करने में सहायता प्रदान करेगा।

रियायतग्राही एतद्द्वारा वचन देता है कि स्वीकृतियों को शीघ्रता से प्राप्त करने के लिए, वह तत्परता और समयबद्ध तरीके से: (क) संबंधित प्राधिकरणों के पास लागू कानून के पूर्ण अनुपालन में आवेदन तैयार करेगा और दाखिल करेगा; और (ख) संबंधित अधिकारियों के साथ उक्त आवेदनों पर अनुवर्ती कार्रवाई (फॉलो-अप) करेगा। विलोपित।

3. अवधि और समाप्ति

3.1. अवधि

3.1.1. खंड 2 और खंड 5 को छोड़कर, यह समझौता इसके ऊपर सर्वप्रथम लिखित तिथि से प्रभावी होगा।

3.1.2. इस समझौते का खंड 2 और खंड 5 नियत तिथि (अपॉइंटेड डेट) से मान्य और प्रभावी होगा।

3.1.3. यह समझौता रियायत समझौते के किसी भी कारण से निर्धारण और/या समयपूर्व समाप्ति के साथ स्वतः ही समाप्त हो जाएगा ("अवधि")।

3.2. समाप्ति

3.2.1. यह समझौता तत्काल प्रभाव से समाप्त हो जाएगा और प्रभावी नहीं होगा यदि रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार रियायतग्राही द्वारा नियत तिथि प्राप्त नहीं की जाती है।

3.2.2. यह समझौता रियायत समझौते के साथ सह-समाप्त (सह-आवधिक) होगा।

3.2.3. इस समझौते के अनुसरण में रियायतग्राही को दिए गए अधिकार और लाभ रियायतग्राही के किसी भी उत्तराधिकारी और अनुमत समनुदेशिती या किसी अन्य व्यक्ति (प्राधिकरण या प्राधिकरण के किसी उत्तराधिकारी सहित) को हस्तांतरित होंगे और उसके लाभ के लिए सुरक्षित रहेंगे, जो रियायत समझौते की शर्तों के अनुसार किसी भी समय हवाईअड्डे का संचालन कर सकता है।

4. अभ्यावेदन और वारंटियां

4.1. रियायतग्राही द्वारा

रियायतग्राही एतद्द्वारा उत्तर प्रदेश सरकार को यह अभ्यावेदन करता है और वारंटी देता है कि, रियायत समझौते के तहत उसके द्वारा किए गए प्रत्येक अभ्यावेदन और वारंटी इस समझौते के प्रयोजनों के लिए उसमें निहित प्रपत्र और तरीके से यथोचित परिवर्तनों सहित सत्य और सही होंगे, जिसमें इस समझौते के निष्पादन और निष्पादन हेतु इसकी शक्ति और अधिकार तथा अपेक्षित कॉर्पोरेट कार्रवाइयां शामिल हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

4.2. उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा

उत्तर प्रदेश सरकार एतद्द्वारा कंपनी को यह अभ्यावेदन करती है और वारंटी देती है कि उसके पास इस समझौते को निष्पादित करने, अपने अधिकारों का प्रयोग करने और सर्वोत्तम प्रयास के आधार पर इस समझौते के तहत अपने कार्यों का निष्पादन करने का अधिकार, शक्ति और अधिकार है, और उसने इसके लिए सभी आवश्यक कार्रवाइयां की हैं।

5. समन्वय तंत्र

इस समझौते से उत्पन्न होने वाले किसी भी मुद्दे का समाधान उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित की जाने वाली एक समन्वय समिति के तंत्र के माध्यम से किया जाएगा, जिसकी अध्यक्षता मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा की जाएगी, जिसमें भारत सरकार और अन्य संबंधित पक्षों के प्रतिनिधि शामिल होंगे।

यह समझौता उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा किसी भी दायित्व के प्रवर्तन के लिए और परिणामस्वरूप रियायतग्राही या किसी भी पक्ष द्वारा उठाई गई क्षति/हानि आदि के लिए उत्तर प्रदेश सरकार के विरुद्ध कोई अधिकार प्रदान नहीं करेगा।

6. शासी कानून और विवाद समाधान

6.1. यह समझौता (इस खंड 6 सहित) और इसके निर्वचन के सभी प्रश्नों का अर्थ भारत गणराज्य के कानूनों के अनुसार लगाया जाएगा।

6.2. पक्षकार सहमत हैं कि वे इस समझौते के संबंध में उत्पन्न होने वाले विवादों को सद्भावपूर्वक परामर्श के माध्यम से हल करने का प्रयास करेंगे, और ऐसा परामर्श एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष को ऐसे परामर्श के लिए लिखित अनुरोध दिए जाने के तुरंत बाद शुरू होगा। बशर्ते कि यदि ऐसे सद्भावपूर्ण परामर्श शुरू होने के 60 (साठ) दिनों के भीतर विवाद का समाधान नहीं निकलता है, तो खंड 6.3 के प्रावधान लागू होंगे।

6.3. माध्यस्थम (मध्यस्थता)

6.3.1. कोई भी विवाद, जिसे पक्षकारों द्वारा सौहार्दपूर्ण समाधान (जैसा कि ऊपर खंड 6.2 के तहत प्रदान किया गया है) के माध्यम से नहीं सुलझाया जा सका, उसे माध्यस्थम एवं सुलह अधिनियम, 1996 के अनुसार मध्यस्थता द्वारा अंतिम रूप से सुलझाया जाएगा।

6.3.2. विवादों को 3 (तीन) मध्यस्थों वाले अधिकरण को संदर्भित किया जाएगा। मध्यस्थता का प्रत्येक पक्ष एक मध्यस्थ नियुक्त करेगा, और इस प्रकार नियुक्त दो मध्यस्थ तीसरे मध्यस्थ का चयन करेंगे जो अधिकरण के पीठासीन मध्यस्थ के रूप में कार्य करेगा (एक साथ "माध्यस्थम अधिकरण" का गठन करेंगे)। मध्यस्थता की कार्यवाही नियमों के अनुसार संचालित की जाएगी।

6.3.3. ऐसी मध्यस्थता, जब तक कि पक्षकारों के लिए अन्यथा सहमत न हो, [लखनऊ], भारत में आयोजित की जाएगी। ऐसी मध्यस्थता की सभी कार्यवाहियां अंग्रेजी भाषा में होंगी।

6.3.4. माध्यस्थम अधिकरण का/के निर्णय पक्षकारों पर अंतिम और बाध्यकारी होगा/होंगे।

6.3.5. इस खंड 6 के अधीन, _____ स्थित न्यायालयों का इस समझौते पर क्षेत्राधिकार होगा।

7. प्रकीर्ण (विविध)

7.1. सूचना (नोटिस)

7.1.1. इस समझौते की शर्तों के तहत आवश्यक या अनुमत या कानून द्वारा आवश्यक कोई भी सूचना (जब तक कि अन्यथा सहमति न हो) लिखित रूप में होगी और व्यक्तिगत रूप से दी जाएगी, पंजीकृत डाक या उपयुक्त हवाई डाक द्वारा भेजी जाएगी, विधिवत पते वाले लिफाफे में उचित रूप से डाक टिकट लगाकर और पूरी तरह से प्रीपेड करके भेजी जाएगी या संबंधित पक्षों को निम्नानुसार फैक्स द्वारा भेजी जाएगी:

रियायतग्राही:	उत्तर प्रदेश सरकार:	प्राधिकरण:
पता: [_____]	पता: [_____]	पता: [_____]
ध्यानार्थ: [_____]	ध्यानार्थ: [_____]	ध्यानार्थ: [_____]
ई-मेल: [_____]	ई-मेल: [_____]	ई-मेल: [_____]
फैक्स संख्या: [_____]	फैक्स संख्या: [_____]	फैक्स संख्या: [_____]

या ऐसे अन्य पते या फैक्स नंबर पर जिसे समय-समय पर इसके तहत सूचना द्वारा निर्दिष्ट किया जाए।

7.1.2. ऐसी कोई भी सूचना अंग्रेजी भाषा में होगी और उसे हाथ से दिए जाने पर वास्तविक रूप से सौंपे जाने के समय, या फैक्स द्वारा भेजे जाने के अगले कार्य दिवस पर या किसी अन्य स्थिति में पूर्वोक्त रीति से डाक द्वारा भेजे जाने के 7 दिनों के भीतर दी गई मानी जाएगी।

7.2. पृथक्करणीयता

यदि इस समझौते में निहित नियमों, शर्तों या प्रावधानों में से कोई भी या उसका कोई भाग किसी भी सक्षम प्राधिकारी द्वारा किसी भी सीमा तक अमान्य, गैर-कानूनी या अप्रवर्तनीय निर्धारित किया जाता है, तो ऐसे नियम, शर्तें या प्रावधान उस सीमा तक शेष नियमों, शर्तों और प्रावधानों से पृथक कर दिए जाएंगे, जो कानून द्वारा अनुमत पूर्ण सीमा तक वैध और प्रवर्तनीय बने रहेंगे।

7.3. संपूर्ण समझौता

यह समझौता इस समझौते के विषय वस्तु के संबंध में पक्षकारों के बीच संपूर्ण समझौते और समझ का प्रतिनिधित्व करता है और पक्षकारों के बीच हुए किसी भी पूर्व समझौते या समझ, चाहे लिखित हो या मौखिक, को अधिक्रमित करता है।

7.4. संशोधन

इस समझौते में कोई भी परिवर्धन, संशोधन या रूपांतरण तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक कि वह लिखित रूप में न हो और दोनों पक्षकारों द्वारा हस्ताक्षरित न हो।

7.5. समनुदेशन

इस तिथि के बाद लागू कानून में किसी भी परिवर्तन के बावजूद, जो अन्यथा इस समझौते के समनुदेशन की अनुमति दे सकता है, कोई भी पक्ष इस समझौते या इसके तहत या इसके अनुसरण में उत्पन्न होने वाले किसी भी अधिकार या दायित्व या इसमें किसी लाभ या हित का समनुदेशन नहीं कर सकता है अथवा इस समझौते या इसके तहत या इसके अनुसरण में उत्पन्न होने वाले किसी अधिकार या दायित्व या इसमें किसी लाभ या हित पर कोई प्रतिभूति निर्मित नहीं कर सकता है या उसे बनाए रखने की अनुमति नहीं दे सकता है।

7.6. कोई अधित्याग नहीं

उत्तर प्रदेश सरकार या प्राधिकरण की ओर से इस समझौते के तहत किसी भी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय का प्रयोग करने में कोई विफलता, और उनके प्रयोग में कोई देरी, उसके अधित्याग के रूप में कार्य नहीं करेगी, और न ही किसी अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय का कोई एकल या आंशिक प्रयोग उसके किसी अन्य या आगे के प्रयोग या किसी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय के प्रयोग को रोकेगा। जब तक कि अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो, इस समझौते में प्रदान किए गए अधिकार, शक्तियां, विशेषाधिकार और उपाय संचयी हैं और किसी भी अन्य अधिकार, शक्ति, विशेषाधिकार या उपाय (चाहे कानून द्वारा प्रदान किए गए हों या अन्यथा) के अनन्य नहीं हैं।

जिसके साक्ष्य के रूप में पक्षकारों ने ऊपर सर्वप्रथम लिखे गए दिन और वर्ष को अपने विधिवत अधिकृत अधिकारियों और प्रतिनिधियों द्वारा इस समझौते को निष्पादित कराया है।

हस्ताक्षरित द्वारा:	साक्षीकृत द्वारा:
_____	_____
उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से और उनके निमित्त	
हस्ताक्षरित द्वारा:	साक्षीकृत द्वारा:
_____	_____
प्राधिकरण की ओर से और उसके निमित्त	
हस्ताक्षरित द्वारा:	साक्षीकृत द्वारा:
_____	_____
रियायतग्राही की ओर से और उसके निमित्त	

****